अल-क़ुरआन

मिले-जुले अंग्रेज़ी तरजमे दा पंजाबी (देवनागरी लिपी) रूप

ज़िया एच. शाह, एमडी

मुख-बंध

एह तरजमा शानदार क़ुरआन पढ़दिआं गुज़ारी सारी उमर दा फल है, ते इस दी कोशिश करन दी हिम्मत उसे लंबी संगत तों मिली है।

आइज़क न्यूटन वांग, मैं अपणे आप नूं वड्डे लोकां दे मोढियां उत्ते खड़ा पाउंदा हां। मैं क़ुरआन दे अस्सी तों वध मौजूद अंग्रेज़ी तरजमियां दियां ख़ूबियां तों फ़ाइदा उठाइया है, जो ऑनलाइन मिलदे हन, ते मैं साफ़ ज़मीर नाल आख सकदा हां कि मतन नूं ढालण विच मैं होर मशहूर ते बहुत पढ़े जाण वाले तरजमाकारां—एम.ए.एस. अब्दुल हलीम, मुहम्मद असद, ते मुहम्मद मारमाड्यूक पिकथाल, सिरफ़ तिन्न नाम लवां तां—तों वध खुल्ह नहीं लई।

आयतां नूं जोड़ के पैरे बणाउण विच मैं एम.ए.एस. अब्दुल हलीम दी पैरवी कीती है, लगभग पूरी तरां, बहुत थोड़ियां थावां नूं छड्ड के।

इस तरजमे दी इक्क ख़ूबी एह है कि एह नवीं अमरीकी अंग्रेज़ी विच लिखिया गिया है। पुराणे तरजमियां दे “thee” ते “thou”, भावें किन्ने ही इज़्ज़त दे लायक़ होण, हुण पढ़न वाले ते मतन दे विचकार खड़े हो जांदे हन; उन्हां दी थां मैं कोशिश कीती है कि क़ुरआन उस सादी, जींदी-जागदी ज़बान विच बोले जो पढ़न वाले—ख़ास करके नौजवान—सच्चमुच वरतदे हन। पूरी साफ़-गोई दी ख़ातिर इक्क इक़रार वी ज़रूरी है। उर्दू मेरी मां-बोली है, ते सारी उमर विच मैं अरबी लफ़ज़ां दा चंगा-भला ज़ख़ीरा हासिल कीता है; पर अरबी ग्रामर दा मेरा इल्म थोड़ा है। मेरा ख़ियाल है, इस कमी दी पूरती अणगिणत अंग्रेज़ी ते उर्दू तरजमियां तों मेरी मदद लैण नाल काफ़ी हद्द तक्क हो जांदी है।

इक्क होर ख़ूबी एह है कि मैं क़ुरआन दी अपणी समझ विच सारी उमर दा साइंसी मुतालिआ नाल लै के आउंदा हां। कोई वी सच्ची ते खरी साइंसी सूझ सभ कुझ जाणन वाले अल्लाह तों कदे छुपी ना सी, ते उस दे अपणे लफ़ज़ कई तरां नाल इस हक़ीक़त दी झलक दिंदे हन। फिर वी, मैं साइंस नूं तरजमे दे अंदर ज़बरदसती वाड़न दी कोई कोशिश नहीं कीती। इस दी थां, मैं फ़ुटनोटां विच हाशियां दे तौर ते छोटे-छोटे नुकते जोड़दा रहांगा।

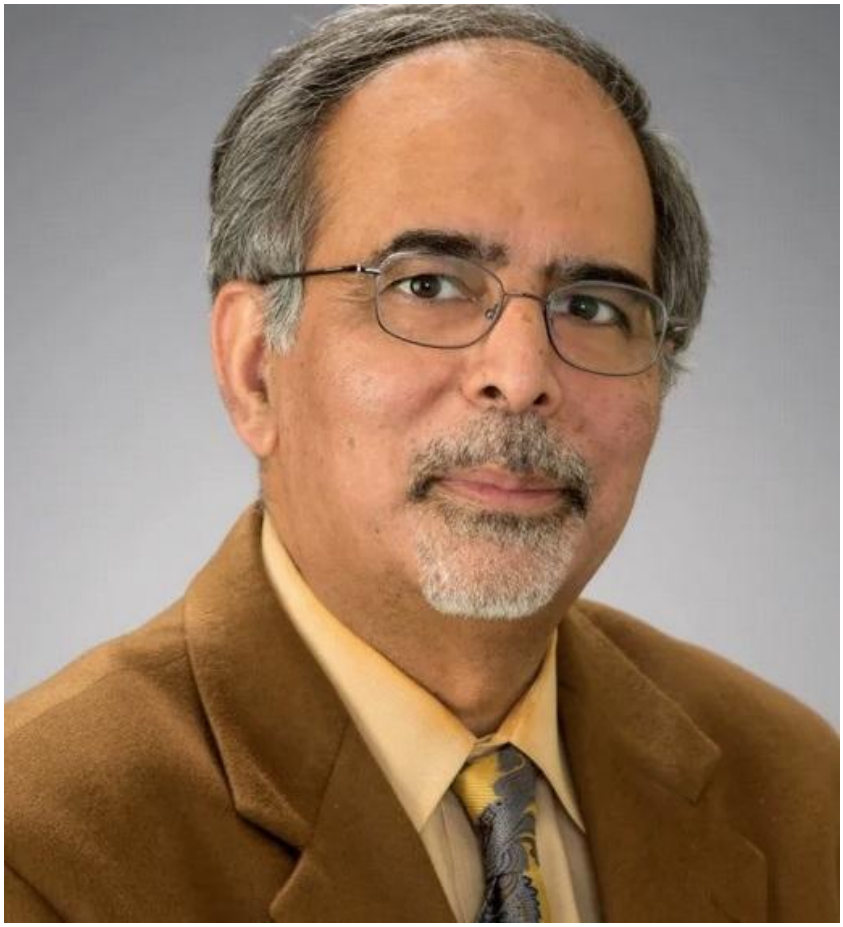
मैं अपणी तसवीर इस लई जोड़ी है कि एह तुहाडे लई घट्ट बेनाम लग्गे, तां जो तुसीं इन्ने सारे होर मशहूर तरजमियां दे हुंदिआं इस नूं पढ़ना चाहो।

इस तरजमे दा छेती ही 32 होर आम बोलियां विच तरजमा कीता जावेगा: स्पेनी, फ़्रांसीसी, जर्मन, इतालवी, पुरतगाली, डच, रूसी, पोलिश, यूक्रेनी, चेक, यूनानी, स्वीडिश, नॉर्वेजियन, डेनिश, फ़िनिश, रोमानियाई, हंगेरियाई, तुर्की, इबरानी, फ़ारसी (फ़ारसी), उर्दू, हिंदी, बंगाली, पंजाबी, चीनी (सादा ते रिवाइती), जापानी, कोरियाई, इंडोनेशियाई, मलय, वियतनामी, थाई ते फ़िलिपीनो/तागालोग।

अंग्रेज़ी तरजमा मेरा अपणा है ते बाक़ी सारे तरजमे ए.आई. दी मदद नाल मेरे अंग्रेज़ी तरजमे दे तरजमे हन। सो, जदों वी शक्क होवे, तां असल अरबी मतन जां मेरे अंग्रेज़ी तरजमे वल्ल जाओ।

अंग्रेज़ी तरजमा लगभग रोज़ाना नवां ते बिहतर कीता जांदा रहेगा ते दूजे तरजमे हर महीने। इंशाअल्लाह

ते तुसीं वर्ड फ़ाइलां वरत के इस नूं बिहतर बणा सकदे हो ते ख़ुदाई पैग़ाम नूं लगातार सिक्खदे रहण लई अपणे हाशिए जोड़ सकदे हो।



ज़िया एच शाह एमडी: अपस्टेट न्यूयॉर्क विच कम्म करदे फेफड़ियां दे रोगां (पल्मोनोलोजी) ते नींद दे रोगां दे डाक्टर

ततकरा

ततकरा

मुख-बंध 2
ततकरा 5
1. शुरूआत (अल-फ़ातिहा) 9
2. गां (अल-बक़रा) 10
3. इमरान दा घराणा (आले-इमरान) 34
4. औरतां (अन-निसा) 48
5. दस्तरख़ान (अल-माइदा) 63
6. डंगर (अल-अनआम) 74
7. उच्चाइयां (अल-आराफ़) 87
8. जंग विच हासिल माल (अल-अनफ़ाल) 101
9. तौबा (अत-तौबा) 107
10. यूनुस (यूनुस) 117
11. हूद (हूद) 125
12. यूसुफ़ (यूसुफ़) 133
13. बद्दल दी गरज (अर-रअद) 141
14. इबराहीम (इबराहीम) 145
15. अल-हिज्र (अल-हिज्र) 149
16. शहिद दी मक्खी (अन-नह्ल) 152
17. रात दा सफ़र (अल-इसरा) 160
18. ग़ार (अल-कह्फ़) 167
19. मरयम (मरयम) 174
20. ता हा (ता हा) 178
21. नबी (अल-अंबिया) 184
22. हज (अल-हज) 190
23. ईमान वाले (अल-मोमिनून) 196
24. नूर (अन-नूर) 201
25. फ़ुरक़ान (अल-फ़ुरक़ान) 207
26. शाइर (अश-शुअरा) 212

27. कीड़ियां (अन-नम्ल) 218
28. क़िस्सा (अल-क़सस) 223
29. मकड़ी (अल-अनकबूत) 229
30. रूमी (अर-रूम) 233
31. लुक़मान (लुक़मान) 237
32. सजदा (अस-सजदा) 240
33. जत्थे (अल-अहज़ाब) 242
34. सबा (सबा) 247
35. पैदा करन वाला (फ़ातिर) 251
36. या सीन (या सीन) 255
37. सफ़ां बंन्हण वाले (अस-साफ़्फ़ात) 259
38. साद (साद) 263
39. टोलियां (अज़-ज़ुमर) 267
40. बख़्शण वाला (ग़ाफ़िर) 272
41. खोल्ह के बिआन कीती गई (फ़ुस्सिलत) 277
42. मशवरा (अश-शूरा) 281
43. सोने दे गहिणे (अज़-ज़ुख़रुफ़) 285
44. धूंआं (अद-दुख़ान) 289
45. गोडियां दे भार (अल-जासिया) 291
46. रेत दे टिब्बे (अल-अहक़ाफ़) 294
47. मुहम्मद (मुहम्मद) 297
48. फ़तह (अल-फ़त्ह) 300
49. हुजरे (अल-हुजुरात) 303
50. क़ाफ़ (क़ाफ़) 305
51. खिंडाउण वालियां हवावां (अज़-ज़ारियात) 307
52. पहाड़ (अत-तूर) 309
53. तारा (अन-नज्म) 311
54. चंन (अल-क़मर) 313
55. रहमान (अर-रहमान) 315
56. हो के रहण वाली घटना (अल-वाक़िआ) 317
57. लोहा (अल-हदीद) 319

58. बहिस (अल-मुजादला) 322
59. लशकरां दा इकट्ठ (अल-हश्र) 325
60. परखियां जाण वालियां औरतां (अल-मुम्तहिना) 327
61. पक्कियां सफ़ां (अस-सफ़्फ़) 329
62. जुमे दा दिन (अल-जुमुआ) 330
63. मुनाफ़िक़ (अल-मुनाफ़िक़ून) 331
64. इक्क दूजे तों बेपरवाही (अत-तग़ाबुन) 332
65. तलाक़ (अत-तलाक़) 334
66. हराम ठहराउणा (अत-तहरीम) 336
67. बादशाही (अल-मुल्क) 338
68. क़लम (अल-क़लम) 340
69. हो के रहण वाली घड़ी (अल-हाक़्क़ा) 342
70. चढ़ाई दे राह (अल-मआरिज) 344
71. नूह (नूह) 345
72. जिन्न (अल-जिन्न) 346
73. कप्पड़े विच लिपटण वाला (अल-मुज़्ज़म्मिल) 348
74. चादर ओढण वाला (अल-मुद्दस्सिर) 349
75. क़ियामत (अल-क़ियामा) 351
76. इनसान (अल-इनसान) 352
77. भेजियां जाण वालियां (अल-मुरसलात) 354
78. वड्डी ख़बर (अन-नबा) 355
79. ज़ोर नाल खिच्चण वाले (अन-नाज़िआत) 356
80. उस ने मत्थे वट्ट पाइया (अबस) 357
81. हनेरे विच लिपटिया होइया (अत-तकवीर) 358
82. फट जाणा (अल-इनफ़ितार) 359
83. घट्ट तोलण वाले (अल-मुतफ़्फ़िफ़ीन) 360
84. चीरिया जाणा (अल-इनशिक़ाक़) 361
85. उच्चे बुर्ज (अल-बुरूज) 362
86. रात नूं आउण वाला (अत-तारिक़) 363
87. सभ तों उच्चा (अल-आला) 364
88. छा जाण वाली आफ़त (अल-ग़ाशिया) 365

89. फ़जर (अल-फ़ज्र) 366
90. शहिर (अल-बलद) 367
91. सूरज (अश-शम्स) 368
92. रात (अल-लैल) 369
93. चढ़दे दिन दी रौशनी (अज़-ज़ुहा) 370
94. राहत (अश-शर्ह) 371
95. अंजीर (अत-तीन) 372
96. चिंबड़न वाला रूप (अल-अलक़) 373
97. क़दर दी रात (अल-क़द्र) 374
98. खुल्ही दलील (अल-बय्यिना) 375
99. भुचाल (अज़-ज़लज़ला) 376
100. दौड़दे घोड़े (अल-आदियात) 377
101. खड़का देण वाली आफ़त (अल-क़ारिआ) 378
102. बहुतात दी हिरस (अत-तकासुर) 379
103. ढलदा दिन (अल-अस्र) 380
104. ताअने देण वाला (अल-हुमज़ा) 381
105. हाथी (अल-फ़ील) 382
106. क़ुरैश (क़ुरैश) 383
107. वरतों दियां निक्कियां चीज़ां (अल-माऊन) 384
108. बहुतात (अल-कौसर) 385
109. सच्च दे इनकारी (अल-काफ़िरून) 386
110. मदद (अन-नस्र) 387
111. खजूर दी छाल (अल-मसद) 388
112. ख़ालिस ईमान (अल-इख़लास) 389
113. पहु-फुटाला (अल-फ़लक़) 390
114. सारे इनसान (अन-नास) 391

1. शुरूआत (अल-फ़ातिहा)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है। सारी तारीफ़ अल्लाह ही लई है, जो सारे जहानां दा रब्ब है, बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला, बदले दे दिन दा मालिक। असीं तेरी ही इबादत करदे हां, ते तैथों ही मदद मंगदे हां। सानूं सिद्धे राह चला, उन्हां लोकां दे राह जिन्हां उत्ते तूं इनाम कीता— ना उन्हां दे जिन्हां ने ग़ज़ब कमाइया, ते ना उन्हां दे जो राह तों भटक गए। (1–7)

2. गां (अल-बक़रा)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

अलिफ़ लाम मीम। (1)

एह ओह किताब है जिस विच कोई शक्क नहीं, हिदायत है उन्हां लई जो अल्लाह तों सुचेत रहिंदे हन, जो ग़ैब उत्ते ईमान लिआउंदे हन, नमाज़ क़ायम करदे हन, ते जो कुझ असां ने उन्हां नूं दित्ता है उस विचों ख़र्च करदे हन; जो उस उत्ते ईमान लिआउंदे हन जो, ऐ नबी, तेरे उत्ते उतारिया गिया ते जो तैथों पहिलां उतारिया गिया, ते जो आख़िरत उत्ते पक्का यक़ीन रक्खदे हन। इही लोक अपणे रब्ब वल्लों हिदायत उत्ते हन, ते इही कामयाब होण वाले हन। रहे ओह जिन्हां ने ईमान तों इनकार कीता, उन्हां लई बराबर है भावें तूं उन्हां नूं ख़बरदार करें जां ना करें: ओह ईमान नहीं लिआउणगे। अल्लाह ने उन्हां दे दिलां उत्ते ते उन्हां दे कन्नां उत्ते मोहर ला दित्ती है, ते उन्हां दियां अक्खां उत्ते परदा है। उन्हां लई वड्डा अज़ाब है। (2–7)

लोकां विच कुझ अजिहे वी हन जो आखदे हन, "असीं अल्लाह उत्ते ते आख़िरी दिन उत्ते ईमान लिआए," हालांकि ओह बिलकुल ईमान वाले नहीं। ओह अल्लाह नूं ते ईमान वालियां नूं धोखा देणा चाहुंदे हन, पर ओह अपणे आप तों सिवा किसे नूं धोखा नहीं दिंदे—ते उन्हां नूं इस दा अहिसास नहीं। उन्हां दे दिलां विच इक्क रोग है, ते अल्लाह ने उस रोग नूं होर वधण दित्ता; ते उन्हां लई दर्दनाक अज़ाब है उस झूठ दे बदले जो ओह बोलदे रहे। जदों उन्हां नूं आखिया जांदा है, "धरती विच फ़साद ना फैलाओ," तां आखदे हन, "असीं तां बस सुधार करन वाले हां।" ख़बरदार, इही लोक फ़साद फैलाउण वाले हन, पर इन्हां नूं अहिसास नहीं। जदों उन्हां नूं आखिया जांदा है, "ईमान लिआओ जिवें होर लोक ईमान लिआए हन," तां आखदे हन, "की असीं उसे तरां ईमान लिआईए जिवें बेसमझ लोक ईमान लिआए हन?" ख़बरदार, इही बेसमझ हन, पर जाणदे नहीं। जदों ओह ईमान वालियां नूं मिलदे हन तां आखदे हन, "असीं ईमान लिआए"; ते जदों अपणे शैतान साथियां नाल इकल्ले हुंदे हन तां आखदे हन, "असीं तां तुहाडे नाल हां; असीं तां बस मज़ाक़ कर रहे सां।" अल्लाह उन्हां दा मज़ाक़ उन्हां उत्ते ही मोड़ दिंदा है, ते उन्हां नूं उन्हां दी सरकशी विच अन्हियां वांग भटकण लई छड्ड दिंदा है। इही हन ओह जिन्हां ने हिदायत दे बदले गुमराही ख़रीद लई: ना उन्हां दे सौदे ने उन्हां नूं कोई नफ़ा दित्ता, ते ना उन्हां ने राह पाइया। उन्हां दी मिसाल उस आदमी वरगी है जिस ने अग्ग बाली: फिर जदों उस ने उस दे आले-दुआले सभ कुझ रौशन कर दित्ता, तां अल्लाह ने उन्हां दी रौशनी खोह लई ते उन्हां नूं तह-दर-तह हनेरियां विच छड्ड दित्ता, कि कुझ वेख नहीं सकदे—बोले, गुंगे ते अन्हे, सो ओह मुड़ नहीं सकदे। जां फिर जिवें असमान तों घनघोर घटा, जिस विच हनेरे हन, गरज ते बिजली है: ओह कड़क दे मारे मौत दे डर नाल अपणे कन्नां विच उंगलां तुन्न लैंदे हन—ते अल्लाह इनकार करन वालियां नूं हर पासों घेरे होए है। बिजली उन्हां दियां निगाहां उचक लैण नूं हुंदी है; जदों-जदों ओह उन्हां लई चमकदी है ओह उस विच तुर पैंदे हन, ते जदों उन्हां उत्ते हनेरा छा जांदा है तां खलो जांदे हन। जे अल्लाह चाहुंदा तां उन्हां दे कन्न ते उन्हां दियां अक्खां खोह लैंदा: अल्लाह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। (8–20)

ऐ लोको, अपणे रब्ब दी इबादत करो, जिस ने तुहानूं पैदा कीता ते उन्हां नूं वी जो तुहाथों पहिलां सन, तां जो तुसीं उस तों सुचेत हो जाओ—ओही जिस ने तुहाडे लई धरती नूं ठहिरन दी थां ते असमान नूं छत्त बणाइया, ते असमान तों पाणी उतारिया, फिर उस दे नाल तुहाडी रोज़ी लई फल कढ्ढे। सो जाणदे-बुझदे अल्लाह दे बराबर दे ना ठहराओ। ते जे तुहानूं उस बारे शक्क है जो असां ने अपणे बंदे उत्ते उतारिया है, तां उस वरगी इक्क सूरा ही लै आओ, ते अल्लाह तों सिवा अपणे गवाहां नूं बुला लओ, जे तुसीं सच्चे हो। पर जे तुसीं अजिहा ना करो—ते तुसीं कदे ना कर सकोगे—तां उस अग्ग तों बचो जिस दा बालण आदमी ते पत्थर हन, जो सच्च दे इनकारियां लई तिआर कीती गई है। (21–24)

ते उन्हां नूं ख़ुशख़बरी दे दे जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते कि उन्हां लई अजिहे बाग़ हन जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन। जदों वी उन्हां नूं उन्हां विचों कोई फल रोज़ी वजों दित्ता जावेगा तां आखणगे, "एह तां ओही है जो सानूं पहिलां दित्ता गिया सी," किउंकि उन्हां नूं उस नाल मिलदा-जुलदा ही दित्ता जावेगा। उत्थे उन्हां लई पाक जोड़े होणगे, ते उत्थे ओह सदा रहिणगे।[1] (25)

अल्लाह इस तों नहीं शरमाउंदा कि मच्छर दी, जां उस तों वी वध किसे चीज़ दी, मिसाल बिआन करे। सो जो ईमान लिआए ओह जाणदे हन कि एह उन्हां दे रब्ब वल्लों सच्च है, ते जो इनकार करदे हन ओह पुच्छदे हन, "अजिही मिसाल तों अल्लाह दा की मतलब हो सकदा है?" इस दे नाल ओह बहुतियां नूं भटकण दिंदा है, ते इस दे नाल बहुतियां नूं राह दिखाउंदा है—ते इस दे नाल ओह सिरफ़ जाण-बुझ के नाफ़रमानी करन वालियां नूं ही भटकण दिंदा है: जो अल्लाह दे अहद नूं पक्का बन्हण तों बाद तोड़ दिंदे हन, ते जिस नूं अल्लाह ने जोड़न दा हुक्म दित्ता है उस नूं कट्टदे हन, ते धरती विच फ़साद फैलाउंदे हन। इही लोक घाटा खाण वाले हन। तुसीं अल्लाह दा इनकार किवें कर सकदे हो, जदों कि तुसीं बेजान सी ते उस ने तुहानूं ज़िंदगी दित्ती? फिर ओह तुहानूं मौत देवेगा, फिर तुहानूं दुबारा ज़िंदा करेगा, फिर उसे वल्ल तुसीं मोड़े जाओगे। ओही है जिस ने तुहाडे लई ओह सभ कुझ पैदा कीता जो धरती विच है; फिर उस ने असमान वल्ल ध्यान कीता ते उस नूं सत्त असमानां दी शकल विच ठीक-ठीक बणा दित्ता। ते ओह हर चीज़ दा पूरा इल्म रक्खदा है। (26–29)

ऐ नबी, जदों तेरे रब्ब ने फ़रिश्तियां नूं आखिया, "मैं धरती विच इक्क जानशीन बणाउण वाला हां," तां उन्हां ने आखिया, "की तूं उत्थे अजिहे नूं रक्खेंगा जो उस विच फ़साद फैलावेगा ते ख़ून वहावेगा, जदों कि असीं तेरी हम्द दे नाल तसबीह करदे हां ते तेरी पाकी बिआन करदे हां?" उस ने आखिया, "मैं ओह जाणदा हां जो तुसीं नहीं जाणदे।" ते उस ने आदम नूं नाम सिखाए—सारे दे सारे। फिर उन्हां नूं फ़रिश्तियां दे साहमणे पेश कीता ते आखिया, "मैनूं इन्हां दे नाम दस्सो, जे तुसीं सच्चे हो।" उन्हां ने आखिया, "तूं पाक है! सानूं कोई इल्म नहीं सिवाए उस दे जो तूं सानूं सिखाइया। बेशक तूं ही सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है।" उस ने आखिया, "ऐ आदम, इन्हां नूं इन्हां दे नाम दस्स दे।" फिर जदों उस ने उन्हां नूं उन्हां दे नाम दस्स दित्ते, तां

[1] एह आयत ज़ोर नाल इशारा करदी है कि जन्नत किसे ना किसे माइने विच साडी मौजूदा दुनिया वांग जिसमानी होवेगी, निरी रूहानी नहीं।

उस ने आखिया, “की मैं तुहानूं नहीं आखिया सी कि मैं असमानां ते धरती दियां छुपियां गल्लां जाणदा हां, ते मैं जाणदा हां जो कुझ तुसीं ज़ाहिर करदे हो ते जो कुझ तुसीं छुपाउंदे रहे हो?” (30–33)

ते जदों असां ने फ़रिश्तियां नूं आखिया, “आदम अग्गे झुक जाओ,” तां ओह झुक गए—सिवाए इबलीस दे। उस ने इनकार कीता ते घमंड कीता, ते इनकार करन वालियां विचों हो गिया। ते असां ने आखिया, “ऐ आदम, तूं ते तेरी पतनी जन्नत विच रहो, ते उस विचों जित्थों चाहो रज्ज के खाओ; पर इस रुक्ख दे नेड़े ना जाणा, नहीं तां तुसीं दोवें ज़ालिमां विचों हो जाओगे।” फिर शैतान ने उन्हां दोहां नूं उत्थों तिलका दित्ता, ते उन्हां नूं उस हालत विचों कड्ढ दित्ता जिस विच ओह सन। ते असां ने आखिया, “उतर जाओ, तुसीं इक्क दूजे दे दुश्मण हो! ते धरती विच तुहाडे लई इक्क वक़्त तक्क ठिकाणा ते गुज़ारे दा सामान है।” फिर आदम ने अपणे रब्ब तों कुझ कलिमे सिक्ख लए, ते उस ने उस दी तौबा क़बूल कीती: बेशक ओही बड़ा तौबा क़बूल करन वाला, सदा रहम करन वाला है। असां ने आखिया, “तुसीं सारे इत्थों उतर जाओ। फिर जदों मेरे वल्लों तुहाडे कोल हिदायत आवे, तां जो मेरी हिदायत दे पिच्छे चल्लणगे उन्हां नूं ना कोई डर होवेगा, ते ना ओह ग़मगीन होणगे; ते जो इनकार करनगे ते साडियां आयतां नूं झुठलाउणगे—ओही अग्ग वाले हन, ते उस विच ओह सदा रहिणगे।” (34–39)

ऐ इसराईल दी औलाद, मेरी ओह नेमत याद करो जो मैं तुहाडे उत्ते कीती। मेरे नाल कीता अहद पूरा करो, ते मैं तुहाडे नाल कीता अपणा अहद पूरा करांगा; ते सिरफ़ मैथों ही डरो। ते उस उत्ते ईमान लिआओ जो मैं उतारिया है, जो उस दी तसदीक़ करदा है जो तुहाडे कोल पहिलां तों है, ते सभ तों पहिलां इस दे इनकारी ना बणो। मेरियां आयतां नूं थोड़े जिहे मुल्ल उत्ते ना वेचो, ते सिरफ़ मैथों ही सुचेत रहो। सच्च उत्ते झूठ दा परदा ना पाओ, ते ना जाणदे-बुझदे सच्च नूं छुपाओ। नमाज़ क़ायम करो, ज़कात देओ, ते झुकण वालियां दे नाल झुको। की तुसीं होरां नूं नेकी दा हुक्म दिंदे हो ते अपणे आप नूं भुल्ल जांदे हो, हालांकि तुसीं किताब पढ़दे हो? की तुसीं अक़ल तों कम्म नहीं लैंदे? सब्र ते नमाज़ दे ज़रीए मदद मंगो—ते बेशक एह भारी चीज़ है, पर उन्हां आजिज़ी करन वालियां लई नहीं, जो जाणदे हन कि ओह अपणे रब्ब नूं मिलण वाले हन, ते उसे वल्ल मुड़ के जाण वाले हन। (40–46)

ऐ इसराईल दी औलाद, मेरी ओह नेमत याद करो जो मैं तुहाडे उत्ते कीती, ते एह कि मैं तुहानूं सारे जहानां दे लोकां उत्ते वडिआई दित्ती। ते उस दिन तों बचो जदों कोई जान किसे जान दे कुझ कम्म ना आवेगी, ना उस वल्लों कोई सिफ़ारिश क़बूल कीती जावेगी, ना उस तों कोई बदला लिया जावेगा, ते ना उन्हां दी मदद कीती जावेगी। ते याद करो जदों असां ने तुहानूं फ़िरऔन दे लोकां तों छुटकारा दित्ता, जो तुहानूं सख़्त दुक्ख दिंदे सन, तुहाडे पुत्तरां नूं ज़िबह करदे ते तुहाडियां औरतां नूं ज़िंदा रक्खदे सन—ते इस विच तुहाडे रब्ब वल्लों वड्डी आज़माइश सी; ते जदों असां ने तुहाडे लई समुंदर नूं पाड़ दित्ता, ते तुहानूं बचा लिया, ते फ़िरऔन दे लोकां नूं तुहाडे वेखदियां डोब दित्ता; ते जदों असां ने मूसा नाल चाली रातां दा वादा कीता, फिर उस दे पिच्छों तुसीं वच्छे नूं पूजण लग्ग पए, ते तुसीं ज़ालिम सी। फिर इस तों बाद वी असां ने तुहानूं माफ़ कर दित्ता, तां जो तुसीं शुकर करो। (47–52)

ते याद करो जदों असां ने मूसा नूं किताब ते फ़ुरक़ान दित्ता, तां जो तुसीं राह पाओ; ते जदों मूसा ने अपणी क़ौम नूं आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, तुसीं वच्छे नूं पूज के अपणे आप उत्ते ज़ुलम कीता है। सो अपणे पैदा करन वाले अग्गे तौबा करो ते अपणियां जानां नूं क़तल करो: एही तुहाडे पैदा करन वाले दे नज़दीक तुहाडे लई बिहतर है।" फिर उस ने तुहाडी तौबा क़बूल कीती: बेशक ओही बड़ा तौबा क़बूल करन वाला, सदा रहम करन वाला है। ते जदों तुसीं आखिया, "ऐ मूसा, असीं तेरे उत्ते हरगिज़ यक़ीन ना करांगे जद तक्क अल्लाह नूं साहमणे ना वेख लईए," तां तुहाडे वेखदियां बिजली दी कड़क ने तुहानूं आ फड़िया। फिर असां ने तुहानूं तुहाडी मौत तों बाद उठा खड़ा कीता, तां जो तुसीं शुकर करो। ते असां ने तुहाडे उत्ते बद्दलां दी छां कीती, ते तुहाडे उत्ते मन्न ते सलवा उतारिया: "उन्हां पाक चीज़ां विचों खाओ जो असां ने तुहानूं दित्तियां हन।" उन्हां ने साडा कुझ ना विगाड़िया; ओह अपणे आप उत्ते ही ज़ुलम करदे रहे। (53–57)

ते जदों असां ने आखिया, "इस बस्ती विच दाख़िल हो जाओ ते उस विचों जित्थों चाहो रज्ज के खाओ; ते दरवाज़े विच झुकदे होए दाख़िल होणा ते आखणा, 'साडे बोझ उतार दे,' असीं तुहाडे गुनाह बख़्श दिआंगे ते नेकी करन वालियां नूं होर वी दिआंगे।" पर ज़ालिमां ने उस गल्ल नूं, जो उन्हां नूं आखी गई सी, इक्क होर गल्ल नाल बदल दित्ता, सो असां ने ज़ालिमां उत्ते उन्हां दी लगातार नाफ़रमानी कारन असमान तों इक्क वबा उतारी। (58–59)

ते जदों मूसा ने अपणी क़ौम लई पाणी मंगिया, तां असां ने आखिया, "अपणी लाठी चट्टान उत्ते मार।" तां उस विचों बारां चश्मे फुट्ट निकले, ते हर क़बीले ने अपणा घाट जाण लिया। "अल्लाह दी दित्ती रोज़ी विचों खाओ ते पीओ, ते धरती विच फ़साद फैलाउंदे ना फिरो।" ते जदों तुसीं आखिया, "ऐ मूसा, असीं इक्को किसम दे खाणे उत्ते सब्र नहीं कर सकदे। सो साडे लई अपणे रब्ब अग्गे दुआ कर कि ओह साडे लई ओह चीज़ां कढ्ढे जो धरती उगाउंदी है—उस दा साग, उस दियां ककड़ियां, उस दा लसण, उस दी मसर ते उस दे पिआज़।" उस ने आखिया, "की तुसीं बिहतर चीज़ दे बदले घटिया चीज़ लैणा चाहुंदे हो? किसे शहिर विच उतर जाओ, उत्थे तुहानूं ओह मिल जावेगा जो तुसीं मंगिया है।" ते उन्हां उत्ते ज़िल्लत ते मुहताजी थोप दित्ती गई, ते ओह अल्लाह दा ग़ज़ब लै के मुड़े। एह इस लई कि ओह अल्लाह दियां आयतां दा इनकार करदे रहे ते नबियां नूं नाहक़ क़तल करदे रहे; एह इस लई कि उन्हां ने नाफ़रमानी कीती ते हद्द तों वधदे रहे। (60–61)

बेशक जो ईमान लिआए, ते जो यहूदी होए, ते ईसाई, ते साबी—जो वी अल्लाह उत्ते ते आख़िरी दिन उत्ते ईमान लिआइया ते नेक कम्म कीता—उन्हां दा बदला उन्हां दे रब्ब कोल है; ना उन्हां नूं कोई डर होवेगा, ते ना ओह ग़मगीन होणगे।[2] (62)

ते जदों असां ने तुहाथों अहद लिया ते तूर पहाड़ नूं तुहाडे उत्ते उच्चा कीता: "जो कुझ असां ने तुहानूं दित्ता है उस नूं मज़बूती नाल फड़ो, ते जो कुझ उस विच है उस नूं याद रक्खो, तां जो तुसीं अल्लाह तों सुचेत हो जाओ।" फिर इस तों बाद तुसीं मूंह मोड़ लिया, ते जे तुहाडे उत्ते अल्लाह दा फ़ज़ल ते उस दी रहमत ना हुंदी,

[2] एह बुनियादी आयत इसलाम विच बहुलतावाद बारे बहुत कुझ आख दिंदी है।

तां तुसीं ज़रूर घाटा खाण वालियां विचों हुंदे। ते तुसीं उन्हां नूं चंगी तरां जाणदे हो जिन्हां ने तुहाडे विचों सबत दे मामले विच हद्द तोड़ी, ते असां ने उन्हां नूं आखिया, "धिक्कारे होए बांदर बण जाओ!" सो असां ने इस नूं उस ज़माने दे लोकां लई ते बाद विच आउण वालियां लई इबरत बणा दित्ता, ते अल्लाह तों सुचेत रहण वालियां लई नसीहत। (63–66)

ते जदों मूसा ने अपणी क़ौम नूं आखिया, "अल्लाह तुहानूं हुक्म दिंदा है कि इक्क गां ज़िबह करो," तां उन्हां ने आखिया, "की तूं साडे नाल मख़ौल करदा हैं?" उस ने आखिया, "मैं अल्लाह दी पनाह मंगदा हां कि अजिहा जाहिल बणां।" उन्हां ने आखिया, "साडे लई अपणे रब्ब अग्गे दुआ कर कि ओह सानूं खोल्ह के दस्से कि ओह किहो जिही होवे।" उस ने आखिया, "ओह फ़रमाउंदा है कि ओह अजिही गां होवे जो ना बुड्ढी होवे ना बच्छी, बल्कि दोहां दे विचकार दी उमर दी। हुण जो हुक्म तुहानूं दित्ता जा रिहा है ओह करो।" उन्हां ने आखिया, "साडे लई अपणे रब्ब अग्गे दुआ कर कि ओह सानूं खोल्ह के दस्से कि उस दा रंग किहो जिहा होवे।" उस ने आखिया, "ओह फ़रमाउंदा है कि ओह पीली गां होवे, गूड़्हे शोख़ रंग दी, वेखण वालियां नूं ख़ुश कर देण वाली।" उन्हां ने आखिया, "साडे लई अपणे रब्ब अग्गे दुआ कर कि ओह सानूं खोल्ह के दस्से कि ओह किहो जिही होवे; सानूं तां सारियां गाईं इक्को जिहियां लग्गदियां हन। ते जे अल्लाह ने चाहिया तां असीं ज़रूर राह पा लवांगे।" उस ने आखिया, "ओह फ़रमाउंदा है कि ओह अजिही गां होवे जो ना धरती वाहुण लई जोती गई होवे ना खेतां नूं पाणी दिंदी होवे, सही-सलामत ते बेदाग़।" उन्हां ने आखिया, "हुण तूं ठीक गल्ल लिआइया हैं।" फिर उन्हां ने उस नूं ज़िबह कीता, हालांकि ओह अजिहा करदे नहीं सन लग्गदे। ते याद करो जदों तुसीं इक्क जान नूं मार दित्ता ते फिर उस बारे इक्क दूजे नाल झगड़न लग्गे—ते अल्लाह उस चीज़ नूं ज़ाहिर करन वाला सी जो तुसीं छुपा रहे सी—सो असां ने आखिया, "इस नूं उस दे इक्क टुकड़े नाल मारो।" इसे तरां अल्लाह मुर्दियां नूं ज़िंदा करदा है ते तुहानूं अपणियां निशानियां दिखाउंदा है, तां जो तुसीं अक़ल तों कम्म लओ। फिर इस सभ तों बाद तुहाडे दिल सख़्त हो गए, सो ओह पत्थरां वरगे हन, जां उस तों वी वध सख़्त—किउंकि पत्थरां विचों तां अजिहे वी हन जिन्हां विचों नहरां फुट्ट निकलदियां हन, ते अजिहे वी जो फट जांदे हन ते उन्हां विचों पाणी निकल आउंदा है, ते अजिहे वी जो अल्लाह दे डर नाल डिग्ग पैंदे हन। ते अल्लाह उस तों बेख़बर नहीं जो तुसीं करदे हो। (67–74)

ऐ ईमान वालियो, की तुसीं फिर वी उम्मीद रक्खदे हो कि ओह तुहाडी गल्ल मन्न लैणगे, हालांकि उन्हां विचों इक्क गिरोह अल्लाह दा कलाम सुणदा सी ते फिर उस नूं समझ लैण तों बाद जाण-बुझ के उस नूं बदल दिंदा सी? जदों ओह ईमान वालियां नूं मिलदे हन तां आखदे हन, "असीं ईमान लिआए," ते जदों आपस विच इकल्ले हुंदे हन तां आखदे हन, "की तुसीं उन्हां नूं ओह गल्लां दस्सदे हो जो अल्लाह ने तुहाडे उत्ते खोल्हियां हन, तां जो ओह तुहाडे रब्ब दे साहमणे उन्हां दे ज़रीए तुहाडे नाल बहिस करन? की तुहानूं अक़ल नहीं?" की ओह नहीं जाणदे कि अल्लाह जाणदा है जो कुझ ओह छुपाउंदे हन ते जो कुझ ज़ाहिर करदे हन? ते उन्हां विच अनपढ़ वी हन, जो किताब नूं नहीं जाणदे सिवाए झूठियां आसां दे; ओह बस गुमान ही करदे हन। सो तबाही है उन्हां लई जो अपणे हत्थां नाल किताब लिखदे हन ते फिर आखदे हन, "एह अल्लाह वल्लों है," तां

जो इस दे बदले थोड़ा जिहा मुल्ल हासिल करन। सो तबाही है उन्हां लई उस दे कारन जो उन्हां दे हत्थां ने लिखिया, ते तबाही है उन्हां लई उस दे कारन जो ओह कमाउंदे हन! ओह आखदे हन, "अग्ग सानूं हरगिज़ ना छूहेगी सिवाए गिणती दे कुझ दिनां दे।" आख, "की तुसीं अल्लाह तों कोई वादा लै रक्खिया है—किउंकि अल्लाह अपणे वादे दे ख़िलाफ़ कदे नहीं करदा—जां तुसीं अल्लाह बारे ओह गल्ल आखदे हो जो तुसीं नहीं जाणदे?" क्यों नहीं: जिस ने बुराई कमाई ते उस दे गुनाह ने उस नूं घेर लिया—ओही अग्ग वाले हन, ते उस विच ओह सदा रहिणगे; ते जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते—ओही जन्नत वाले हन, ते उस विच ओह सदा रहिणगे। (75–82)

ते जदों असां ने इसराईल दी औलाद तों अहद लिया: "अल्लाह तों सिवा किसे दी इबादत ना करना; ते मां-पिओ नाल, रिश्तेदारां, यतीमां ते मुहताजां नाल चंगा सलूक करना; ते लोकां नाल भली गल्ल आखणा; ते नमाज़ क़ायम करना ते ज़कात देणा।" फिर तुसीं मूंह मोड़ लिया, सिवाए तुहाडे विचों थोड़ियां दे, ते तुसीं हुण वी मूंह फेरे होए हो। ते जदों असां ने तुहाथों अहद लिया: "आपस विच ख़ून ना वहाउणा, ते इक्क दूजे नूं अपणे घरां तों ना कड्ढणा।" फिर तुसीं इक़रार कीता, ते तुसीं आप इस दे गवाह हो। फिर तुसीं ही ओह लोक हो कि इक्क दूजे नूं क़तल करदे हो ते अपणे ही इक्क गिरोह नूं उन्हां दे घरां तों कड्ढदे हो, उन्हां दे ख़िलाफ़ गुनाह ते ज़िआदती नाल इक्क दूजे दी मदद करदे हो—ते जे ओह क़ैदी बण के तुहाडे कोल आउंदे हन तां तुसीं फ़िदिया दे के उन्हां नूं छुडाउंदे हो, हालांकि उन्हां दा कड्ढणा ही तुहाडे उत्ते हराम सी। तां की तुसीं किताब दे इक्क हिस्से उत्ते ईमान रक्खदे हो ते दूजे दा इनकार करदे हो? सो तुहाडे विचों जो अजिहा करे उस दा बदला इस तों सिवा की है कि दुनिया दी ज़िंदगी विच रुसवाई होवे, ते क़ियामत दे दिन ओह सभ तों सख़्त अज़ाब वल्ल मोड़े जाण? ते अल्लाह उस तों बेख़बर नहीं जो तुसीं करदे हो। इही हन ओह जिन्हां ने आख़िरत दे बदले दुनिया दी ज़िंदगी ख़रीद लई: सो ना उन्हां दा अज़ाब हलका कीता जावेगा, ते ना उन्हां दी मदद कीती जावेगी। (83–86)

असां ने मूसा नूं किताब दित्ती ते उस दे पिच्छों लगातार रसूल भेजे; ते असां ने मरयम दे पुत्तर ईसा नूं खुल्हियां दलीलां दित्तियां ते रूहुल-क़ुदुस नाल उस नूं ताक़त दित्ती। तां की अजिहा नहीं कि जदों वी कोई रसूल तुहाडे कोल ओह चीज़ लै के आइया जो तुहाडे जी नूं ना भाई, तां तुसीं घमंड कीता—किसे नूं तुसीं झुठलाइया, ते किसे नूं क़तल कर दित्ता? ओह आखदे हन, "साडे दिल ग़िलाफ़ां विच लपेटे होए हन।" नहीं—बल्कि अल्लाह ने उन्हां दे इनकार कारन उन्हां उत्ते लानत कीती है, सो ओह घट्ट ही ईमान लिआउंदे हन। ते जदों उन्हां कोल अल्लाह वल्लों इक्क किताब आई जो उस दी तसदीक़ करदी है जो उन्हां कोल है—हालांकि इस तों पहिलां ओह सच्च दे इनकारियां उत्ते फ़तह दी दुआ मंगिया करदे सन—तां जदों उन्हां कोल ओह चीज़ आ गई जिस नूं उन्हां ने पछाण लिया, तां उन्हां ने उस दा इनकार कर दित्ता। सो इनकार करन वालियां उत्ते अल्लाह दी लानत है। बहुत बुरी है ओह चीज़ जिस दे बदले उन्हां ने अपणियां जानां वेच दित्तियां: कि ओह उस दा इनकार करन जो अल्लाह ने उतारिया है, इस साड़े नाल कि अल्लाह अपणा फ़ज़ल अपणे बंदियां विचों जिस उत्ते चाहे उतारदा है। सो ओह ग़ज़ब उत्ते ग़ज़ब लै के मुड़े; ते सच्च दे इनकारियां लई ज़लील

करन वाला अज़ाब है। जदों उन्हां नूं आखिया जांदा है, "उस उत्ते ईमान लिआओ जो अल्लाह ने उतारिया है," तां आखदे हन, "असीं उस उत्ते ईमान रक्खदे हां जो साडे उत्ते उतारिया गिया," ते जो उस तों बाद आइया उस दा इनकार करदे हन, हालांकि ओह सच्च है ते उस दी तसदीक़ करदा है जो उन्हां कोल है। आख, "फिर तुसीं इस तों पहिलां अल्लाह दे नबियां नूं क्यों क़तल करदे रहे, जे तुसीं ईमान वाले सी?" ते मूसा तुहाडे कोल खुल्हियां दलीलां लै के आइया, फिर वी उस दे पिच्छों तुसीं वच्छे नूं पूजण लग्ग पए, ते तुसीं ज़ालिम सी। (87–92)

ते जदों असां ने तुहाथों अहद लिया ते तूर पहाड़ नूं तुहाडे उत्ते उच्चा कीता: "जो कुझ असां ने तुहानूं दित्ता है उस नूं मज़बूती नाल फड़ो, ते सुणो।" उन्हां ने आखिया, "असां ने सुणिया, ते असां ने नाफ़रमानी कीती"—ते उन्हां दे इनकार कारन वच्छा उन्हां दे दिलां विच रचा दित्ता गिया। आख, "बहुत बुरी है ओह चीज़ जिस दा तुहाडा ईमान तुहानूं हुक्म दिंदा है, जे तुसीं ईमान वाले हो।" आख, "जे अल्लाह दे कोल आख़िरत दा घर बाक़ी सारे लोकां नूं छड्ड के सिरफ़ तुहाडे ही लई है, तां मौत दी तमन्ना करो—जे तुसीं सच्चे हो।" पर ओह कदे इस दी तमन्ना ना करनगे, उस दे कारन जो उन्हां दे हत्थां ने अग्गे भेजिया है। ते अल्लाह ज़ालिमां नूं ख़ूब जाणदा है। तूं उन्हां नूं ज़रूर सारे लोकां तों वध ज़िंदगी दे लालची पावेंगा—उन्हां तों वी वध जो अल्लाह नाल शरीक ठहराउंदे हन। उन्हां विचों हर इक्क चाहुंदा है कि उस नूं हज़ार साल दी उमर दित्ती जावे; हालांकि लंबी उमर दा मिलणा उस नूं अज़ाब तों दूर ना कर सकेगा। ते अल्लाह ओह सभ वेख रिहा है जो ओह करदे हन। (93–96)

आख, "जो कोई जिबरील दा दुश्मण है—तां उसे ने इस नूं अल्लाह दे हुक्म नाल तेरे दिल उत्ते उतारिया है, जो उस दी तसदीक़ करदा है जो इस तों पहिलां आइया, ते ईमान वालियां लई हिदायत ते ख़ुशख़बरी है—जो कोई अल्लाह दा, उस दे फ़रिश्तियां ते उस दे रसूलां दा, ते जिबरील ते मीकाईल दा दुश्मण है—तां बेशक अल्लाह सच्च दे इनकारियां दा दुश्मण है।" ते असां ने तेरे वल्ल खुल्हियां आयतां उतारियां हन, ते उन्हां दा इनकार सिरफ़ ओही करदे हन जो जाण-बुझ के नाफ़रमान हन। की अजिहा नहीं कि जदों वी उन्हां ने कोई अहद कीता, उन्हां दे इक्क गिरोह ने उस नूं परे सुट्ट दित्ता? बल्कि उन्हां विचों बहुते ईमान नहीं रक्खदे। (97–100)

ते जदों उन्हां कोल अल्लाह वल्लों इक्क रसूल आइया जो उस दी तसदीक़ करदा है जो उन्हां कोल है, तां जिन्हां नूं किताब दित्ती गई सी उन्हां दे इक्क गिरोह ने अल्लाह दी किताब नूं अपणी पिट्ठ पिच्छे सुट्ट दित्ता, जिवें ओह कुझ जाणदे ही नहीं, ते उस चीज़ दे पिच्छे लग्ग गए जो शैतान सुलैमान दी बादशाही दे ज़माने विच पढ़िया करदे सन। सुलैमान ने सच्च दा इनकार नहीं कीता; बल्कि शैतानां ने इनकार कीता, जो लोकां नूं जादू सिखाउंदे सन ते ओह वी जो बाबल विच दो फ़रिश्तियां, हारूत ते मारूत, उत्ते उतारिया गिया सी। पर ओह दोवें किसे नूं नहीं सिखाउंदे सन जद तक्क एह ना आख लैंदे, "असीं तां बस इक्क आज़माइश हां, सो तूं सच्च दा इनकार ना कर।" फिर लोक उन्हां तों ओह चीज़ सिक्खदे जिस दे नाल आदमी ते उस दी पतनी दे विचकार जुदाई पा देण—हालांकि ओह इस दे नाल अल्लाह दे हुक्म तों बिनां किसे नूं नुक़सान नहीं पहुंचा

सकदे सन—ते ओह ओह चीज़ सिक्खदे जो उन्हां नूं नुक़सान दिंदी ते कोई नफ़ा ना दिंदी, हालांकि ओह ख़ूब जाणदे सन कि जिस ने इस नूं ख़रीदिया उस दा आख़िरत विच कोई हिस्सा नहीं। बहुत ही बुरी है ओह चीज़ जिस दे बदले उन्हां ने अपणियां जानां वेचियां, काश ओह जाणदे। ते जे ओह ईमान लिआउंदे ते अल्लाह तों सुचेत रहिंदे, तां अल्लाह वल्लों मिलण वाला बदला किते बिहतर हुंदा, काश ओह जाणदे। (101–103)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, नबी नूं 'साडी रिआइत करो' ना आखो, बल्कि 'साडे वल्ल नज़र करो' आखो, ते ध्यान नाल सुणो—ते सच्च दे इनकारियां लई दर्दनाक अज़ाब है। किताब वालियां विचों जो सच्च दे इनकारी हन ओह, ते ना ही मुशरिक, एह चाहुंदे हन कि तुहाडे उत्ते तुहाडे रब्ब वल्लों कोई भलाई उतरे; पर अल्लाह जिस नूं चाहुंदा है अपणी रहमत लई ख़ास कर लैंदा है, ते अल्लाह वड्डे फ़ज़ल वाला है। असीं जिस आयत नूं मनसूख़ करदे हां जां भुला दिंदे हां, उस तों बिहतर जां उस वरगी लै आउंदे हां। की तूं नहीं जाणदा कि अल्लाह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है? की तूं नहीं जाणदा कि असमानां ते धरती दी बादशाही अल्लाह ही दी है, ते अल्लाह तों सिवा तुहाडा ना कोई हिमायती है ना मददगार? जां तुसीं चाहुंदे हो कि अपणे रसूल तों उसे तरां सवाल करो जिवें इस तों पहिलां मूसा तों कीते गए सन? ते जिस ने ईमान दे बदले इनकार लै लिया ओह यक़ीनन सिद्धे राह तों भटक गिया। किताब वालियां विचों बहुते एह चाहुंदे हन कि तुहाडे ईमान तों बाद तुहानूं फिर इनकारी बणा देण, अपणे दिलां दे हसद कारन, इस तों बाद कि सच्च उन्हां उत्ते खुल्ह चुक्का है। सो माफ़ करो ते दरगुज़र करो, जद तक्क अल्लाह अपणा हुक्म ना लै आवे: बेशक अल्लाह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। ते नमाज़ क़ायम करो ते ज़कात देओ; ते जो भलाई वी तुसीं अपणे लई अग्गे भेजोगे उस नूं अल्लाह कोल पाओगे। बेशक अल्लाह ओह सभ वेख रिहा है जो तुसीं करदे हो। (104–110)

ओह आखदे हन, "जन्नत विच कोई दाख़िल ना होवेगा सिवाए उस दे जो यहूदी होवे जां ईसाई।" एह उन्हां दियां झूठियां आसां हन। आख, "अपणी दलील लिआओ, जे तुसीं सच्चे हो।" क्यों नहीं: जिस ने अपणा आप अल्लाह दे हवाले कर दित्ता ते ओह नेकी करन वाला है, उस दा बदला उस दे रब्ब कोल है; ना उन्हां नूं कोई डर होवेगा, ते ना ओह ग़मगीन होणगे। यहूदी आखदे हन, "ईसाई किसे बुनियाद उत्ते नहीं," ते ईसाई आखदे हन, "यहूदी किसे बुनियाद उत्ते नहीं," हालांकि दोवें किताब पढ़दे हन। इसे तरां ओह लोक वी जो इल्म नहीं रक्खदे, उन्हां वरगी ही गल्ल आखदे हन। सो अल्लाह क़ियामत दे दिन उन्हां दे विचकार उस गल्ल दा फ़ैसला कर देवेगा जिस विच ओह इख़तिलाफ़ करदे रहे। (111–113)

ते उस तों वध ज़ालिम कौण है जो अल्लाह दियां मसजिदां विच उस दा नाम लए जाण तों रोके, ते उन्हां नूं उजाड़न दी कोशिश करे? अजिहे लोकां नूं चाहीदा सी कि उन्हां विच डरदे होए ही दाख़िल हुंदे। उन्हां लई दुनिया विच रुसवाई है, ते आख़िरत विच वड्डा अज़ाब। पूरब ते पच्छम अल्लाह ही दे हन: सो तुसीं जिधर वी मूंह करो, उधर ही अल्लाह दा चिहरा है। बेशक अल्लाह वड्डी समाई वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। (114–115)

ओह आखदे हन, "अल्लाह ने पुत्तर बणा लिया है।" ओह पाक है! नहीं—बल्कि जो कुझ असमानां ते धरती विच है सभ उसे दा है; सभ उसे दे फ़रमांबरदार हन, ओह असमानां ते धरती दा मुढ्ढों पैदा करन वाला है। ते जदों ओह किसे कम्म दा फ़ैसला करदा है, तां उस नूं बस एही आखदा है, "हो जा," ते ओह हो जांदा है। ते जो इल्म नहीं रक्खदे ओह आखदे हन, "अल्लाह साडे नाल गल्ल क्यों नहीं करदा, जां साडे कोल कोई निशानी क्यों नहीं आउंदी?" इसे तरां उन्हां तों पहिलां वालियां ने वी उन्हां वरगी ही गल्ल आखी सी: इन्हां सभनां दे दिल इक्को जिहे हन। असां ने यक़ीन करन वाले लोकां लई निशानियां खोल्ह के बिआन कर दित्तियां हन। ऐ नबी, असां ने तैनूं सच्च दे नाल भेजिया है, ख़ुशख़बरी देण वाला ते ख़बरदार करन वाला बणा के; ते भड़कदी अग्ग वालियां बारे तैथों कोई पुच्छ ना होवेगी। ते यहूदी तैथों कदे राज़ी ना होणगे, ते ना ईसाई, जद तक्क तूं उन्हां दे मज़हब दे पिच्छे ना चल्लें। आख, "अल्लाह दी हिदायत ही असल हिदायत है।" ते जे तूं उस इल्म तों बाद जो तेरे कोल आ चुक्का है उन्हां दियां ख़ाहिशां दे पिच्छे चल्लिया, तां अल्लाह दे मुक़ाबले विच तेरा ना कोई हिमायती होवेगा, ते ना मददगार। जिन्हां नूं असां ने किताब दित्ती है, ते ओह उस नूं उसे तरां पढ़दे हन जिवें पढ़न दा हक़ है—ओही उस उत्ते ईमान रक्खदे हन। ते जो उस दा इनकार करन—ओही घाटा खाण वाले हन। (116–121)

ऐ इसराईल दी औलाद, मेरी ओह नेमत याद करो जो मैं तुहाडे उत्ते कीती, ते एह कि मैं तुहानूं सारे जहानां दे लोकां उत्ते वडिआई दित्ती। ते उस दिन तों बचो जदों कोई जान किसे जान दे कुझ कम्म ना आवेगी, ना उस तों कोई बदला क़बूल कीता जावेगा, ना कोई सिफ़ारिश उस नूं नफ़ा देवेगी, ते ना उन्हां दी मदद कीती जावेगी। ते जदों इबराहीम नूं उस दे रब्ब ने कुझ गल्लां नाल आज़माइया, ते उस ने उन्हां नूं पूरा कर दिखाइया, तां उस ने आखिया, "मैं तैनूं लोकां दा पेशवा बणाउण वाला हां।" इबराहीम ने पुच्छिया, "ते मेरी औलाद विचों वी?" उस ने आखिया, "मेरा अहद ज़ालिमां तक्क नहीं पहुंचदा।" (122–124)

ते जदों असां ने इस घर नूं लोकां लई मुड़-मुड़ आउण दी थां ते अमन दी थां बणाइया: "इबराहीम दे खड़े होण दी थां नूं नमाज़ दी थां बणा लओ।" ते असां ने इबराहीम ते इसमाईल नूं ताकीद कीती: "मेरे घर नूं तवाफ़ करन वालियां, एतिकाफ़ करन वालियां, ते रुकू ते सजदा करन वालियां लई पाक रक्खो।" ते जदों इबराहीम ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, इस नूं अमन वाला शहिर बणा दे, ते इस दे रहण वालियां नूं फलां दी रोज़ी दे—उन्हां नूं जो उन्हां विचों अल्लाह उत्ते ते आख़िरी दिन उत्ते ईमान लिआउण।" उस ने आखिया, "ते जो सच्च दा इनकार करेगा उस नूं वी मैं थोड़ा जिहा फ़ायदा उठाउण दिआंगा, फिर उस नूं अग्ग दे अज़ाब वल्ल घसीट लै जावांगा—ते ओह बहुत बुरा ठिकाणा है।" (125–126)

ते जदों इबराहीम ते इसमाईल इस घर दियां नींहां उच्चियां कर रहे सन: "ऐ साडे रब्ब, साडे वल्लों एह क़बूल कर लै; बेशक तूं ही सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। ऐ साडे रब्ब, सानूं अपणा फ़रमांबरदार बणा, ते साडी औलाद विचों वी इक्क अजिही उम्मत उठा जो तेरी फ़रमांबरदार होवे; ते सानूं साडी इबादत दे तरीक़े दस्स ते साडी तौबा क़बूल कर: बेशक तूं ही बड़ा तौबा क़बूल करन वाला, सदा रहम करन वाला

है। ऐ साडे रब्ब, उन्हां विच उन्हां ही विचों इक्क रसूल उठा जो उन्हां नूं तेरियां आयतां पढ़ के सुणावे, उन्हां नूं किताब ते हिकमत सिखावे, ते उन्हां नूं पाक करे: बेशक तूं ही ज़बरदस्त, हिकमत वाला है।" (127–129)

ते इबराहीम दे दीन तों कौण मूंह मोड़ेगा सिवाए उस दे जिस ने अपणे आप नूं बेवक़ूफ़ बणा लिया? असां ने उस नूं दुनिया विच चुण लिया सी, ते आख़िरत विच ओह यक़ीनन नेक लोकां विचों होवेगा। जदों उस दे रब्ब ने उस नूं आखिया, "फ़रमांबरदार हो जा," तां उस ने आखिया, "मैं सारे जहानां दे रब्ब दा फ़रमांबरदार हो गिया।" ते इबराहीम ने अपणे पुत्तरां नूं इसे गल्ल दी वसीयत कीती, ते याक़ूब ने वी: "ऐ मेरे पुत्तरो, अल्लाह ने तुहाडे लई एही दीन चुणिया है; सो तुहानूं मौत ना आवे पर इस हाल विच कि तुसीं उस दे फ़रमांबरदार होवो।" (130–132)

की तुसीं उस वेले मौजूद सी जदों याक़ूब नूं मौत आई, जदों उस ने अपणे पुत्तरां नूं आखिया, "मेरे बाद तुसीं किस दी इबादत करोगे?" उन्हां ने आखिया, "असीं तुहाडे माबूद दी ते तुहाडे पिओ-दादियां इबराहीम, इसमाईल ते इसहाक़ दे माबूद दी इबादत करांगे—इक्को माबूद—ते असीं उसे दे फ़रमांबरदार हां।" ओह इक्क उम्मत सी जो गुज़र चुक्की: उन्हां लई ओह है जो उन्हां ने कमाइया, ते तुहाडे लई ओह जो तुसीं कमाइया; ते तुहाथों इस बारे नहीं पुच्छिया जावेगा कि ओह की करदे सन। (133–134)

ओह आखदे हन, "यहूदी जां ईसाई हो जाओ, तां राह पा लओगे।" आख, "नहीं—बल्कि इबराहीम दा दीन, जो सच्चे ईमान वाला सी; ते ओह अल्लाह नाल शरीक ठहराउण वालियां विचों नहीं सी।" आखो, "असीं अल्लाह उत्ते ईमान लिआए, ते उस उत्ते जो साडे वल्ल उतारिया गिया, ते उस उत्ते जो इबराहीम, इसमाईल, इसहाक़, याक़ूब ते उस दी औलाद दे क़बीलियां वल्ल उतारिया गिया, ते उस उत्ते जो मूसा ते ईसा नूं दित्ता गिया, ते उस उत्ते जो नबियां नूं उन्हां दे रब्ब वल्लों दित्ता गिया। असीं उन्हां विचों किसे दे विचकार फ़रक़ नहीं करदे, ते असीं उसे दे फ़रमांबरदार हां।" सो जे ओह उसे तरां ईमान लिआउण जिवें तुसीं ईमान लिआए हो, तां ओह सच्चमुच राह पा गए; ते जे ओह मूंह मोड़न, तां ओह बस ज़िद्द ते फुट्ट विच पए हन। सो उन्हां दे मुक़ाबले विच अल्लाह तेरे लई काफ़ी है: ते ओही सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। साडा रंग अल्लाह दा रंग है—ते अल्लाह तों बिहतर रंग किस दा है? ते असीं उसे दी इबादत करदे हां। (135–138)

आख, "की तुसीं साडे नाल अल्लाह बारे झगड़दे हो, जदों कि ओही साडा रब्ब है ते तुहाडा रब्ब वी? साडे लई साडे अमल, ते तुहाडे लई तुहाडे अमल; ते असीं ख़ालिस उसे दे हां। जां तुसीं एह आखदे हो कि इबराहीम, इसमाईल, इसहाक़, याक़ूब ते उस दी औलाद दे क़बीले यहूदी जां ईसाई सन?" आख, "की तुसीं वध जाणदे हो, जां अल्लाह?" ते उस तों वध ज़ालिम कौण है जो उस गवाही नूं छुपाए जो उस दे कोल अल्लाह वल्लों है? ते अल्लाह उस तों बेख़बर नहीं जो तुसीं करदे हो। ओह इक्क उम्मत सी जो गुज़र चुक्की: उन्हां लई ओह है जो उन्हां ने कमाइया, ते तुहाडे लई ओह जो तुसीं कमाइया; ते तुहाथों इस बारे नहीं पुच्छिया जावेगा कि ओह की करदे सन। (139–141)

लोकां विचों बेवकूफ़ आखणगे, "इन्हां नूं किस चीज़ ने उस क़िबले तों फेर दित्ता जिस उत्ते एह पहिलां सन?" आख, "पूरब ते पच्छम अल्लाह ही दे हन; ओह जिस नूं चाहुंदा है सिद्धे राह दी हिदायत दिंदा है।" ते इसे तरां असां ने तुहानूं विचकारले राह दी उम्मत बणाइया, तां जो तुसीं लोकां उत्ते गवाह होवो, ते रसूल तुहाडे उत्ते गवाह होवे। ते जिस क़िबले उत्ते तूं पहिलां सी उस नूं असां ने सिरफ़ इस लई ठहराइया सी कि असीं वक्ख कर देईए कि कौण रसूल दे पिच्छे चल्लदा है ते कौण उलटे पैरीं फिर जांदा है। ते एह गल्ल सच्चमुच भारी सी, पर उन्हां लई नहीं जिन्हां नूं अल्लाह ने हिदायत दित्ती; ते अल्लाह अजिहा नहीं कि तुहाडे ईमान नूं अजाईं जाण दे। बेशक अल्लाह लोकां उत्ते बड़ा शफ़क़त करन वाला, रहम करन वाला है। ऐ नबी, असां ने तेरे चिहरे दा बार-बार असमान वल्ल उट्ठणा वेखिया है; सो असीं ज़रूर तैनूं उस क़िबले वल्ल फेर दिआंगे जो तैनूं पसंद है। सो अपणा चिहरा मसजिदे-हराम वल्ल फेर लै; ते ऐ ईमान वालियो, तुसीं जित्थे किते वी होवो, अपणे चिहरे उसे वल्ल फेर लओ। ते जिन्हां नूं किताब दित्ती गई है ओह ख़ूब जाणदे हन कि एही उन्हां दे रब्ब वल्लों सच्च है; ते अल्लाह उस तों बेख़बर नहीं जो ओह करदे हन। ते जे तूं किताब वालियां कोल हर निशानी वी लै आवें, तां वी ओह तेरे क़िबले दे पिच्छे ना चल्लणगे, ते ना तूं उन्हां दे क़िबले दे पिच्छे चल्लण वाला हैं; ते ना ओह इक्क दूजे दे क़िबले दे पिच्छे चल्लदे हन। ते जे तूं उस इल्म तों बाद जो तेरे कोल आ चुक्का है उन्हां दियां ख़ाहिशां दे पिच्छे चल्लिया, तां तूं यक़ीनन ज़ालिमां विचों होवेंगा। जिन्हां नूं असां ने किताब दित्ती है ओह इस नूं इउं पछाणदे हन जिवें अपणे पुत्तरां नूं पछाणदे हन; फिर वी उन्हां दा इक्क गिरोह जाण-बुझ के सच्च नूं छुपाउंदा है। सच्च तेरे रब्ब वल्लों है, सो तूं कदे शक्क करन वालियां विचों ना होईं। हर इक्क लई इक्क दिशा है जिस वल्ल ओह मूंह करदा है; सो तुसीं नेकियां विच इक्क दूजे तों अग्गे वधो। तुसीं जित्थे किते वी होवोगे, अल्लाह तुहानूं सभनां नूं इकट्ठा कर लिआवेगा: बेशक अल्लाह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। (142–148)

ते तूं जित्थों वी निकलें, अपणा चिहरा मसजिदे-हराम वल्ल फेर लै; बेशक एही तेरे रब्ब वल्लों सच्च है। ते अल्लाह उस तों बेख़बर नहीं जो तुसीं करदे हो। ते तूं जित्थों वी निकलें, अपणा चिहरा मसजिदे-हराम वल्ल फेर लै; ते तुसीं जित्थे किते वी होवो, अपणे चिहरे उसे वल्ल फेर लओ, तां जो लोकां कोल तुहाडे ख़िलाफ़ कोई हुज्जत ना रहे—सिवाए उन्हां दे जो उन्हां विचों ज़ालिम हन; सो उन्हां तों ना डरो, बल्कि मैथों डरो—ते तां जो मैं अपणी नेमत तुहाडे उत्ते पूरी कर दिआं, ते तां जो तुसीं राह पाओ; जिवें कि असां ने तुहाडे विच तुहाडे ही विचों इक्क रसूल भेजिया, जो तुहानूं साडियां आयतां पढ़ के सुणाउंदा है, तुहानूं पाक करदा है, ते तुहानूं किताब ते हिकमत सिखाउंदा है, ते तुहानूं ओह कुझ सिखाउंदा है जो तुसीं नहीं जाणदे सी। सो तुसीं मैनूं याद करो, मैं तुहानूं याद करांगा; ते मेरा शुकर करो ते नाशुकरी ना करो। (149–152)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, सब्र ते नमाज़ दे ज़रीए मदद मंगो: बेशक अल्लाह सब्र करन वालियां दे नाल है। ते जो अल्लाह दे राह विच मारे जाण उन्हां नूं एह ना आखो, "ओह मुर्दा हन।" नहीं—बल्कि ओह ज़िंदा हन, पर तुहानूं अहिसास नहीं। ते असीं तुहानूं ज़रूर कुझ डर ते भुक्ख नाल, ते मालां, जानां ते फ़सलां दे घाटे नाल आज़मावांगे। ते सब्र करन वालियां नूं ख़ुशख़बरी दे दे—उन्हां नूं जो, जदों उन्हां उत्ते कोई मुसीबत आ पैंदी

है, तां आखदे हन, "बेशक असीं अल्लाह ही दे हां, ते असीं उसे वल्ल मुड़ के जाण वाले हां।" इही हन जिन्हां उत्ते उन्हां दे रब्ब वल्लों बरकतां हन, ते रहमत; ते इही हिदायत पाउण वाले हन। (153–157)

बेशक सफ़ा ते मरवा अल्लाह दियां निशानियां विचों हन। सो जो कोई इस घर दा हज करे, जां उमरा करे, उस उत्ते कोई गुनाह नहीं कि इन्हां दोहां दे विचकार फेरे लाए; ते जो कोई अपणी ख़ुशी नाल नेकी करे—तां बेशक अल्लाह क़दरदान, सभ कुझ जाणन वाला है। बेशक जो लोक उन्हां खुल्हियां दलीलां ते हिदायत नूं छुपाउंदे हन जो असां ने उतारी है, इस तों बाद कि असां ने उस नूं लोकां लई किताब विच खोल्ह के बिआन कर दित्ता है—उन्हां उत्ते अल्लाह लानत करदा है, ते सारे लानत करन वाले वी लानत करदे हन, सिवाए उन्हां दे जिन्हां ने तौबा कीती, सुधार कर लिया ते सच्च नूं खोल्ह के बिआन कर दित्ता: तां उन्हां दी तौबा मैं क़बूल करदा हां, ते मैं बड़ा तौबा क़बूल करन वाला, सदा रहम करन वाला हां। बेशक जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता ते इनकार दी हालत विच ही मर गए—उन्हां उत्ते अल्लाह दी, फ़रिश्तियां दी ते सारे लोकां दी लानत है। ओह उसे विच सदा रहिणगे; ना उन्हां तों अज़ाब हलका कीता जावेगा, ते ना उन्हां नूं मोहलत दित्ती जावेगी। (158–162)

ते तुहाडा माबूद इक्को माबूद है: उस तों सिवा कोई माबूद नहीं, बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला। बेशक असमानां ते धरती दी पैदाइश विच; रात ते दिन दे वारो-वारी आउण विच; उन्हां किश्तियां विच जो लोकां दे नफ़े दियां चीज़ां लै के समुंदर विच चल्लदियां हन; उस पाणी विच जो अल्लाह ने असमान तों उतारिया, फिर उस दे नाल धरती नूं उस दी मौत तों बाद ज़िंदा कीता ते उस विच हर किसम दे चल्लण-फिरन वाले जानदार फैला दित्ते; हवावां दे रुख़ बदलण विच, ते उन्हां बद्दलां विच जो असमान ते धरती दे विचकार कम्म उत्ते लाए होए हन—उन्हां लोकां लई निशानियां हन जो अक़ल तों कम्म लैंदे हन। फिर वी लोकां विच कुझ अजिहे हन जो होरां नूं अल्लाह दे बराबर ठहराउंदे हन, उन्हां नाल अजिही मुहब्बत करदे हन जिही अल्लाह नाल होणी चाहीदी है; पर जो ईमान लिआए ओह सभ तों वध अल्लाह नाल मुहब्बत करदे हन। काश एह ज़ालिम वेख लैंदे—जिवें कि ओह उस वेले वेखणगे जदों अज़ाब नूं वेखणगे—कि सारी ताक़त अल्लाह ही दी है, ते एह कि अल्लाह सख़्त अज़ाब देण वाला है। जदों ओह, जिन्हां दे पिच्छे चल्लिया जांदा सी, अपणे पिच्छे चल्लण वालियां तों बेज़ार हो जाणगे, ते ओह अज़ाब नूं वेख लैणगे, ते उन्हां दे सारे रिश्ते टुट्ट जाणगे, तां पिच्छे चल्लण वाले आखणगे, "काश सानूं इक्क वारी होर मौक़ा मिलदा, तां असीं वी इन्हां तों उसे तरां बेज़ार हो जांदे जिवें एह साथों बेज़ार होए हन।" इसे तरां अल्लाह उन्हां नूं उन्हां दे अमल हसरतां बणा के दिखावेगा; ते ओह अग्ग विचों कदे ना निकल सकणगे। (163–167)

ऐ लोको, धरती विच जो कुझ हलाल ते पाक है उस विचों खाओ, ते शैतान दे क़दमां दे पिच्छे ना चल्लो: बेशक ओह तुहाडा खुल्हा दुश्मण है। ओह तुहानूं बस बुराई ते बेहयाई दा हुक्म दिंदा है, ते इस दा कि तुसीं अल्लाह बारे ओह गल्लां आखो जो तुसीं नहीं जाणदे। ते जदों उन्हां नूं आखिया जांदा है, "उस दे पिच्छे चल्लो जो अल्लाह ने उतारिया है," तां आखदे हन, "नहीं—असीं तां उसे दे पिच्छे चल्लांगे जिस उत्ते असां ने अपणे पिओ-दादियां नूं पाइया।" की! भावें उन्हां दे पिओ-दादे कुझ वी ना समझदे होण ते ना राह उत्ते होण? ते सच्च

दे इनकारियां दी मिसाल उस आदमी वरगी है जो उस नूं पुकारे जो हाक ते पुकार तों सिवा कुझ नहीं सुणदा: बोले, गुंगे ते अन्हे, सो ओह कुझ नहीं समझदे। ऐ ईमान लिआउण वालियो, उन्हां पाक चीज़ां विचों खाओ जो असां ने तुहानूं दित्तियां हन, ते अल्लाह दा शुकर करो, जे तुसीं उसे दी इबादत करदे हो। उस ने तुहाडे उत्ते सिरफ़ मुर्दार, ख़ून, सूर दा गोश्त, ते ओह चीज़ हराम कीती है जिस उत्ते अल्लाह तों सिवा किसे होर दा नाम पुकारिया गिया होवे। फिर जो कोई मजबूर हो जावे, ना उस दा चाहवान होवे ते ना ज़रूरत तों वधे, तां उस उत्ते कोई गुनाह नहीं: बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (168–173)

बेशक जो लोक उस नूं छुपाउंदे हन जो अल्लाह ने किताब विचों उतारिया है ते उस दे बदले थोड़ा जिहा मुल्ल लैंदे हन—ओह अपणे पेटां विच अग्ग तों सिवा कुझ नहीं भरदे। अल्लाह क़ियामत दे दिन ना उन्हां नाल गल्ल करेगा, ते ना उन्हां नूं पाक करेगा; ते उन्हां लई दर्दनाक अज़ाब है। इही हन ओह जिन्हां ने हिदायत दे बदले गुमराही ख़रीदी, ते बख़शिश दे बदले अज़ाब। सो ओह अग्ग उत्ते किन्ने सब्र वाले हन! एह इस लई कि अल्लाह ने किताब सच्च दे नाल उतारी है; ते जिन्हां ने किताब विच इख़तिलाफ़ कीता ओह यक़ीनन ज़िद्द विच बहुत दूर निकल गए हन। (174–176)

नेकी एह नहीं कि तुसीं अपणे चिहरे पूरब जां पच्छम वल्ल कर लओ। बल्कि नेक ओह है जो अल्लाह उत्ते, आख़िरी दिन उत्ते, फ़रिश्तियां, किताब ते नबियां उत्ते ईमान लिआवे; ते उस दी मुहब्बत विच अपणा माल रिश्तेदारां, यतीमां, मुहताजां, मुसाफ़िर ते मंगण वालियां नूं देवे, ते ग़ुलामां नूं आज़ाद कराउण विच; ते नमाज़ क़ायम करे ते ज़कात देवे; ते जो जदों वादा करन तां अपणा वादा पूरा करन; ते तंगी ते तकलीफ़ विच ते ख़तरे दे वेले सब्र करन। इही हन जो सच्चे हन, ते इही हन जो अल्लाह तों सुचेत हन। (177)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, क़तल दे मामलियां विच तुहाडे उत्ते बराबर दा बदला फ़र्ज़ कीता गिया है: आज़ाद दे बदले आज़ाद, ग़ुलाम दे बदले ग़ुलाम, औरत दे बदले औरत। फिर जिस नूं उस दे भरा वल्लों कुझ माफ़ कर दित्ता जावे, तां भले तरीक़े नाल उस दा पिच्छा कीता जावे, ते चंगे ढंग नाल उस नूं अदा कीता जावे। एह तुहाडे रब्ब वल्लों इक्क सहूलत ते रहमत है; फिर जो इस तों बाद ज़िआदती करे उस लई दर्दनाक अज़ाब है। ते ऐ अक़ल वालियो, बराबर दे बदले विच तुहाडे लई ज़िंदगी है, तां जो तुसीं अल्लाह तों सुचेत हो जाओ। तुहाडे उत्ते फ़र्ज़ कीता गिया है कि जदों तुहाडे विचों किसे नूं मौत आ पहुंचे ते ओह माल छड्ड रिहा होवे, तां मां-पिओ ते नेड़े दे रिश्तेदारां लई भले तरीक़े नाल वसीयत करे: एह अल्लाह तों सुचेत रहण वालियां उत्ते हक़ है। फिर जो कोई इस नूं सुणन तों बाद बदल देवे, तां इस दा गुनाह उन्हां ही उत्ते है जो इस नूं बदलण: बेशक अल्लाह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। पर जिस नूं डर होवे कि वसीयत करन वाले ने ग़लती जां ज़िआदती कीती है, ते ओह उन्हां दे विचकार सुलह करा देवे, तां उस उत्ते कोई गुनाह नहीं: बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (178–182)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, तुहाडे उत्ते रोज़े फ़र्ज़ कीते गए हन, जिवें तुहाथों पहिलियां उम्मतां उत्ते फ़र्ज़ कीते गए सन, तां जो तुसीं अल्लाह तों होर सुचेत हो जाओ—गिणती दे कुझ दिन। फिर तुहाडे विचों जो

बीमार होवे जां सफ़र उत्ते होवे ओह होर दिनां विच उन्नी ही गिणती पूरी करे; ते जो लोक बड़ी मुश्किल नाल ही रोज़ा रक्ख सकदे हन उन्हां लई फ़िदिया है: इक्क मुहताज नूं खाणा खुआउणा। फिर जो अपणी ख़ुशी नाल होर नेकी करे, तां एह उस लई बिहतर है; ते रोज़ा रक्खणा तुहाडे लई बिहतर है, काश तुसीं जाणदे। रमज़ान दा महीना ओह है जिस विच क़ुरआन उतारिया गिया, लोकां लई हिदायत बणा के, ते हिदायत ते फ़ुरक़ान दियां खुल्हियां दलीलां दे नाल। सो तुहाडे विचों जो इस महीने नूं पावे ओह इस दे रोज़े रक्खे; ते जो बीमार होवे जां सफ़र उत्ते होवे ओह होर दिनां विच उन्नी ही गिणती पूरी करे। अल्लाह तुहाडे लई आसानी चाहुंदा है, तंगी नहीं चाहुंदा; ते ओह चाहुंदा है कि तुसीं गिणती पूरी करो, ते इस उत्ते अल्लाह दी वडिआई बिआन करो कि उस ने तुहानूं हिदायत दित्ती, ते तां जो तुसीं शुकर करो। ते जदों मेरे बंदे तैथों मेरे बारे पुच्छण—तां मैं नेड़े ही हां। मैं पुकारन वाले दी पुकार दा जवाब दिंदा हां जदों ओह मैनूं पुकारदा है। सो उन्हां नूं चाहीदा है कि मेरा हुक्म मन्नण ते मेरे उत्ते ईमान लिआउण, तां जो ओह सिद्धा राह पाउण। (183–186)

तुहाडे लई रोज़े दी रात नूं अपणियां पतनियां कोल जाणा हलाल कीता गिया है: ओह तुहाडे लई लिबास हन, ते तुसीं उन्हां लई लिबास हो। अल्लाह ने जाण लिया कि तुसीं अपणे आप नाल ख़ियानत करदे सी, सो उस ने तुहाडी तौबा क़बूल कीती ते तुहानूं माफ़ कर दित्ता। सो हुण उन्हां नाल मिलो, ते ओह तलब करो जो अल्लाह ने तुहाडे लई लिख दित्ता है। ते खाओ ते पीओ जद तक्क तुहाडे लई फ़जर दी सफ़ेद धारी काली धारी तों वक्खरी ज़ाहिर ना हो जावे; फिर रात तक्क रोज़ा पूरा करो। ते जदों तुसीं मसजिदां विच एतिकाफ़ विच होवो तां उन्हां नाल ना मिलो। एह अल्लाह दियां ठहराइयां होइयां हद्दां हन, सो इन्हां दे नेड़े ना जाओ। इसे तरां अल्लाह अपणियां आयतां लोकां लई खोल्ह के बिआन करदा है, तां जो ओह उस तों सुचेत हो जाण। ते आपस विच इक्क दूजे दा माल नाहक़ ना खाओ, ते ना उस नूं हाकमां तक्क रिशवत वजों पहुंचाओ, तां जो तुसीं जाणदे-बुझदे लोकां दे माल दा कुझ हिस्सा गुनाह नाल खा जाओ। (187–188)

ऐ नबी, ओह तैथों नवें चंद्रमां बारे पुच्छदे हन। आख, "एह लोकां लई वक़्त दा हिसाब रक्खण दा ज़रीआ हन, ते हज लई।" ते नेकी एह नहीं कि तुसीं घरां विच उन्हां दे पिछवाड़िओं आओ; बल्कि नेक ओह है जो अल्लाह तों सुचेत रहे। सो घरां विच उन्हां दे दरवाज़ियां थाणीं आओ, ते अल्लाह तों सुचेत रहो, तां जो तुसीं कामयाब होवो। ते अल्लाह दे राह विच उन्हां नाल लड़ो जो तुहाडे नाल लड़दे हन, पर हद्द तों ना वधो: बेशक अल्लाह हद्द तों वधण वालियां नूं पसंद नहीं करदा। ते उन्हां नूं जित्थे वी पाओ क़तल करो, ते उन्हां नूं उत्थों कड्ढो जित्थों उन्हां ने तुहानूं कड्ढिया, किउंकि ज़ुलम-सितम क़तल तों वी वध सख़्त है। पर मसजिदे-हराम दे कोल उन्हां नाल ना लड़ो जद तक्क ओह उत्थे तुहाडे नाल ना लड़न; फिर जे ओह तुहाडे नाल लड़न, तां उन्हां नूं क़तल करो—सच्च दे इनकारियां दा एही बदला है। फिर जे ओह बाज़ आ जाण, तां बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। ते उन्हां नाल लड़ो इत्थों तक्क कि ज़ुलम-सितम बाक़ी ना रहे ते दीन सिरफ़ अल्लाह लई हो जावे; फिर जे ओह बाज़ आ जाण, तां ज़ालिमां तों सिवा किसे उत्ते ज़िआदती नहीं। हुरमत वाला महीना हुरमत वाले महीने दे बदले है, ते सारियां हुरमत वालियां चीज़ां विच बराबर दा बदला है। सो जो तुहाडे उत्ते ज़िआदती करे, तुसीं वी उस उत्ते उन्नी ही ज़िआदती करो जिन्नी उस ने तुहाडे उत्ते कीती; पर

अल्लाह तों सुचेत रहो, ते जाण लओ कि अल्लाह उन्हां दे नाल है जो उस तों सुचेत रहिंदे हन। ते अल्लाह दे राह विच ख़र्च करो, ते अपणे हत्थीं अपणे आप नूं हलाकत विच ना पाओ; ते नेकी करो, बेशक अल्लाह नेकी करन वालियां नाल मुहब्बत करदा है। (189–195)

ते हज ते उमरा अल्लाह लई पूरा करो। फिर जे तुसीं रोक दित्ते जाओ, तां जो क़ुरबानी मयस्सर होवे ओह भेज दिओ, ते अपणे सिर ना मुनाओ जद तक्क क़ुरबानी अपणी थां ना पहुंच जावे। फिर तुहाडे विचों जो बीमार होवे, जां उस दे सिर विच कोई तकलीफ़ होवे, तां फ़िदिया है रोज़ियां दा, जां सदक़े दा, जां क़ुरबानी दा। फिर जदों तुसीं अमन विच हो जाओ, तां जो कोई हज तों पहिलां उमरे दा फ़ायदा उठावे ओह जो क़ुरबानी मयस्सर होवे पेश करे; ते जिस नूं ना मिले ओह हज दे दिनां विच तिन्न रोज़े रक्खे ते सत्त उस वेले जदों तुसीं वापस आओ—एह पूरे दस होए। एह उस लई है जिस दे घर वाले मसजिदे-हराम दे नेड़े ना रहिंदे होण। ते अल्लाह तों सुचेत रहो, ते जाण लओ कि अल्लाह सख़्त अज़ाब देण वाला है। (196)

हज दे महीने जाणे-पछाणे हन। सो जो कोई इन्हां विच हज दा पक्का इरादा कर लए, तां हज दे दौरान ना औरतां नाल मेल-मिलाप है, ना कोई गुनाह दा कम्म, ना कोई झगड़ा। ते तुसीं जो भलाई वी करोगे, अल्लाह उस नूं जाणदा है। ते राह दा ख़र्च नाल लै लओ—पर सभ तों बिहतर राह-ख़र्च अल्लाह तों सुचेतता है। सो ऐ अक़्ल वालियो, मैथों सुचेत रहो। तुहाडे उत्ते कोई गुनाह नहीं कि तुसीं वपार दे ज़रीए अपणे रब्ब दा फ़ज़्ल तलाश करो। फिर जदों तुसीं अरफ़ात तों चल्लो, तां मशअरे-हराम दे कोल अल्लाह नूं याद करो; ते उस नूं उसे तरां याद करो जिवें उस ने तुहानूं हिदायत दित्ती है, हालांकि इस तों पहिलां तुसीं भटके होइयां विचों सी। फिर तुसीं उत्थों चल्लो जित्थों सारे लोक चल्लदे हन, ते अल्लाह तों बख़शिश मंगो: बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शाण वाला, सदा रहम करन वाला है। फिर जदों तुसीं अपणे हज दे अरकान पूरे कर लओ, तां अल्लाह नूं इउं याद करो जिवें तुसीं अपणे पिओ-दादियां नूं याद करदे सी, बल्कि उस तों वी वध के। लोकां विच कुझ अजिहे हन जो आखदे हन, "ऐ साडे रब्ब, सानूं दुनिया विच ही दे दे," ते उन्हां लई आख़िरत विच कोई हिस्सा नहीं; ते कुझ होर हन जो आखदे हन, "ऐ साडे रब्ब, सानूं दुनिया विच वी भलाई दे ते आख़िरत विच वी भलाई दे, ते सानूं अग्ग दे अज़ाब तों बचा।" इही हन जिन्हां लई उन्हां दी कमाई दा हिस्सा है: ते अल्लाह छेती हिसाब लैण वाला है। (197–202)

ते गिणती दे इन्हां दिनां विच अल्लाह नूं याद करो। फिर जो कोई दो दिनां विच ही जाण दी छेती करे उस उत्ते कोई गुनाह नहीं, ते जो ठहिर जावे उस उत्ते वी कोई गुनाह नहीं—शर्त एह कि ओह अल्लाह तों सुचेत रहे। सो अल्लाह तों सुचेत रहो, ते जाण लओ कि तुसीं उसे दे हज़ूर इकट्ठे कीते जाओगे। ते लोकां विच कोई अजिहा है जिस दी गल्ल दुनिया दी ज़िंदगी बारे तैनूं चंगी लग्गदी है, ते ओह जो कुझ उस दे दिल विच है उस उत्ते अल्लाह नूं गवाह बणाउंदा है—हालांकि ओह सभ तों सख़्त झगड़ालू दुश्मण है। ते जदों ओह पिट्ठ फेरदा है, तां धरती विच इस लई दौड़-धुप्प करदा है कि उस विच फ़साद फैलावे, ते खेती ते नसल नूं तबाह करे; ते अल्लाह फ़साद नूं पसंद नहीं करदा। ते जदों उस नूं आखिया जांदा है, "अल्लाह तों सुचेत रह," तां घमंड उस नूं गुनाह उत्ते जमा दिंदा है। सो उस लई जहन्नम ही काफ़ी है—ते ओह सच्चमुच बहुत बुरा

ठिकाणा है! ते लोकां विच कोई अजिहा वी है जो अल्लाह दी रज़ा दी तलाश विच अपणी जान तक्क वेच दिंदा है; ते अल्लाह अपणे बंदियां उत्ते बड़ा शफ़क़त करन वाला है। ऐ ईमान लिआउण वालियो, अल्लाह दी फ़रमांबरदारी विच पूरे दे पूरे दाख़िल हो जाओ, ते शैतान दे क़दमां दे पिच्छे ना चल्लो: बेशक ओह तुहाडा खुल्हा दुश्मण है। फिर जे तुसीं खुल्हियां दलीलां आ जाण तों बाद वी तिलक गए, तां जाण लओ कि अल्लाह ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। (203–209)

की ओह इसे दी उडीक विच हन कि अल्लाह बद्दलां दे सायबानां विच उन्हां कोल आ जावे, ते फ़रिश्ते वी—ते मामला निबेड़ दित्ता जावे? ते सारे मामले अल्लाह ही वल्ल मोड़े जांदे हन। इसराईल दी औलाद तों पुच्छ कि असां ने उन्हां नूं किन्नियां खुल्हियां निशानियां दित्तियां। ते जो कोई अल्लाह दी नेमत नूं, उस दे अपणे कोल आ जाण तों बाद, बदल देवे—तां बेशक अल्लाह सख़्त अज़ाब देण वाला है। सच्च दे इनकारियां लई दुनिया दी ज़िंदगी सुहाउणी बणा दित्ती गई है, ते ओह ईमान वालियां दा मख़ौल उडाउंदे हन; पर जो अल्लाह तों सुचेत रहे ओह क़ियामत दे दिन उन्हां तों उत्ते होणगे। ते अल्लाह जिस नूं चाहुंदा है बेहिसाब रोज़ी दिंदा है। सारे लोक इक्को उम्मत सन; फिर अल्लाह ने नबियां नूं ख़ुशख़बरी देण वाले ते ख़बरदार करन वाले बणा के भेजिया, ते उन्हां दे नाल सच्च दे नाल किताब उतारी, तां जो ओह लोकां दे विचकार उन्हां गल्लां दा फ़ैसला करे जिन्हां विच उन्हां ने इख़तिलाफ़ कीता सी। ते इस विच इख़तिलाफ़ उन्हां ही लोकां ने कीता जिन्हां नूं एह दित्ती गई सी, इस तों बाद कि उन्हां कोल खुल्हियां दलीलां आ चुक्कियां सन, आपस दी ज़िद्द कारन। फिर अल्लाह ने अपणे हुक्म नाल ईमान वालियां नूं उस सच्च दी राह दिखा दित्ती जिस विच उन्हां ने इख़तिलाफ़ कीता सी: ते अल्लाह जिस नूं चाहुंदा है सिद्धे राह दी हिदायत दिंदा है। (210–213)

की तुसीं एह समझ रक्खिया है कि तुसीं जन्नत विच दाख़िल हो जाओगे, हालांकि अजे तुहाडे उत्ते ओह हालत नहीं आई जो उन्हां उत्ते आई सी जो तुहाथों पहिलां गुज़र चुक्के हन? उन्हां नूं तंगी ते तकलीफ़ पहुंची, ते ओह इत्थों तक्क हिला दित्ते गए कि रसूल ते ओह जो उस दे नाल ईमान लिआए सन पुकार उट्ठे, "अल्लाह दी मदद कदों आवेगी?" सुण लओ, अल्लाह दी मदद नेड़े ही है। ऐ नबी, ओह तैथों पुच्छदे हन कि की ख़र्च करन। आख, "जो माल वी तुसीं ख़र्च करो ओह मां-पिओ ते रिश्तेदारां लई, यतीमां, मुहताजां ते मुसाफ़िर लई होवे। ते तुसीं जो भलाई वी करोगे, अल्लाह उस नूं ख़ूब जाणदा है।" (214–215)

तुहाडे उत्ते लड़ाई फ़र्ज़ कीती गई है, हालांकि ओह तुहानूं नापसंद है। पर हो सकदा है कि तुसीं किसे चीज़ नूं नापसंद करो ते ओह तुहाडे लई बिहतर होवे, ते हो सकदा है कि तुसीं किसे चीज़ नूं पसंद करो ते ओह तुहाडे लई बुरी होवे: अल्लाह जाणदा है, ते तुसीं नहीं जाणदे। ओह तैथों हुरमत वाले महीने विच लड़न बारे पुच्छदे हन। आख, "इस विच लड़ना वड्डी गल्ल है; पर लोकां नूं अल्लाह दे राह तों रोकणा, उस दा इनकार करना, ते मसजिदे-हराम तों रोकणा ते उस दे रहण वालियां नूं उत्थों कढ्ढणा अल्लाह दे नज़दीक इस तों वी वड्डी गल्ल है, ते ज़ुलम-सितम क़तल तों वी वड्डा है।" ते ओह तुहाडे नाल लड़दे ही रहिणगे इत्थों तक्क कि जे उन्हां दा वस्स चल्ले तां तुहानूं तुहाडे दीन तों फेर देण। ते तुहाडे विचों जो कोई अपणे दीन तों फिर जावे ते सच्च दा इनकार करदा होइया मर जावे—तां अजिहे लोकां दे अमल दुनिया ते आख़िरत विच अकारथ हो

गए; ओही अग्ग वाले हन, ते उस विच ओह सदा रहिणगे। बेशक जो ईमान लिआए, ते जिन्हां ने हिजरत कीती ते अल्लाह दे राह विच जिहाद कीता—ओही अल्लाह दी रहमत दी उम्मीद रक्खदे हन; ते अल्लाह बड़ा बख़्शाण वाला, सदा रहम करन वाला है। (216–218)

ओह तैथों शराब ते जूए बारे पुच्छदे हन। आख, "इन्हां दोहां विच वड्डा गुनाह है, ते लोकां लई कुझ फ़ायदे वी; पर इन्हां दा गुनाह इन्हां दे फ़ायदे तों वड्डा है।" ते ओह तैथों पुच्छदे हन कि की ख़र्च करन। आख, "जो ज़रूरत तों वध होवे।" इसे तरां अल्लाह तुहाडे लई अपणियां आयतां खोल्ह के बिआन करदा है, तां जो तुसीं दुनिया ते आख़िरत बारे सोच-विचार करो। ते ओह तैथों यतीमां बारे पुच्छदे हन। आख, "उन्हां दे मामले संवारना ही बिहतर है; ते जे तुसीं अपणे मामले उन्हां नाल रला लओ, तां ओह तुहाडे भरा हन।" ते अल्लाह विगाड़न वाले नूं संवारन वाले तों वक्खरा जाणदा है; ते जे अल्लाह चाहुंदा तां तुहानूं मुश्किल विच पा दिंदा: बेशक अल्लाह ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। (219–220)

ते अल्लाह नाल शरीक ठहराउण वालियां औरतां नाल निकाह ना करो जद तक्क ओह ईमान ना लै आउण: ईमान वाली बांदी अजिही औरत तों बिहतर है, भावें ओह तुहानूं किन्नी ही चंगी लग्गे। ते अपणियां औरतां दा निकाह अल्लाह नाल शरीक ठहराउण वाले मरदां नाल ना करो जद तक्क ओह ईमान ना लै आउण: ईमान वाला ग़ुलाम अजिहे मरद तों बिहतर है, भावें ओह तुहानूं किन्ना ही चंगा लग्गे। ओह लोक अग्ग वल्ल बुलाउंदे हन, ते अल्लाह अपणे हुक्म नाल जन्नत ते बख़शिश वल्ल बुलाउंदा है; ते ओह अपणियां आयतां लोकां लई खोल्ह के बिआन करदा है, तां जो ओह नसीहत फड़न। (221)

ते ओह तैथों हैज़ बारे पुच्छदे हन। आख, "ओह इक्क तकलीफ़ है; सो हैज़ दे दिनां विच औरतां तों वक्ख रहो, ते उन्हां दे नेड़े ना जाओ जद तक्क ओह पाक ना हो जाण। फिर जदों ओह चंगी तरां पाक हो जाण, तां उन्हां कोल उसे तरां जाओ जिवें अल्लाह ने तुहानूं हुक्म दित्ता है।" बेशक अल्लाह उन्हां नाल मुहब्बत करदा है जो तौबा करदे होए उस वल्ल मुड़दे हन, ते उन्हां नाल मुहब्बत करदा है जो पाक-साफ़ रहिंदे हन। तुहाडियां पतनियां तुहाडी खेती हन; सो अपणी खेती विच जिवें चाहो जाओ, ते अपणे लई भलाई अग्गे भेजो। ते अल्लाह तों सुचेत रहो, ते जाण लओ कि तुसीं उस नूं मिलण वाले हो; ते ईमान वालियां नूं ख़ुशख़बरी दे दे। (222–223)

ते अपणियां क़समां दे ज़रीए अल्लाह नूं इस गल्ल विच रुकावट ना बणाओ कि तुसीं नेकी करो, उस तों सुचेत रहो, ते लोकां दे विचकार सुलह कराओ: ते अल्लाह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। अल्लाह तुहानूं तुहाडियां बेइरादा क़समां उत्ते नहीं फड़ेगा, पर उस उत्ते फड़ेगा जो तुहाडे दिलां ने कमाइया: ते अल्लाह बड़ा बख़्शाण वाला, बुर्दबार है। जो लोक अपणियां पतनियां तों वक्ख रहण दी क़सम खा लैंदे हन उन्हां लई चार महीनियां दी मोहलत है; फिर जे ओह मुड़ आउण, तां बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शाण वाला, सदा रहम करन वाला है। ते जे ओह तलाक़ दा ही पक्का इरादा कर लैण, तां बेशक अल्लाह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। ते तलाक़ वालियां औरतां अपणे आप नूं तिन्न हैज़ तक्क रोकी रक्खण; ते उन्हां लई जायज़ नहीं कि उस नूं छुपाउण जो अल्लाह ने उन्हां दी कुक्ख विच पैदा कीता है, जे ओह अल्लाह

उत्ते ते आख़िरी दिन उत्ते ईमान रक्खदियां हन। ते उन्हां दे पती इस मुद्दत विच उन्हां नूं वापस लैण दे वध हक़दार हन, जे ओह सुलह-सफ़ाई चाहुण। ते औरतां दे वी उसे तरां हक़ हन जिस तरां उन्हां उत्ते ज़िम्मेदारियां हन, भले तरीक़े नाल, पर मरदां नूं उन्हां उत्ते इक्क दर्जा हासिल है। ते अल्लाह ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। (224–228)

तलाक़ दो वारी है; फिर जां तां भले तरीक़े नाल रोक लैणा है जां चंगे सलूक नाल रुख़सत कर देणा। ते तुहाडे लई जायज़ नहीं कि जो कुझ तुसीं उन्हां नूं दित्ता है उस विचों कुझ वापस लओ, सिवाए इस दे कि दोहां नूं डर होवे कि ओह अल्लाह दियां हद्दां उत्ते क़ायम ना रह सकणगे। फिर जे तुहानूं डर होवे कि ओह दोवें अल्लाह दियां हद्दां उत्ते क़ायम ना रह सकणगे, तां उन्हां दोहां उत्ते कोई गुनाह नहीं जे औरत अपणी आज़ादी दे बदले कुझ दे देवे। एह अल्लाह दियां हद्दां हन, सो इन्हां तों अग्गे ना वधो; ते जो अल्लाह दियां हद्दां तों अग्गे वधण—ओही ज़ालिम हन। फिर जे ओह उस नूं तीजी वारी तलाक़ दे देवे, तां उस तों बाद ओह उस लई हलाल नहीं जद तक्क ओह किसे होर पती नाल निकाह ना कर लए। फिर जे ओह वी उस नूं तलाक़ दे देवे, तां इन्हां दोहां उत्ते कोई गुनाह नहीं कि इक्क दूजे वल्ल मुड़ आउण, जे उन्हां नूं ख़ियाल होवे कि ओह अल्लाह दियां हद्दां उत्ते क़ायम रह सकणगे। ते एह अल्लाह दियां हद्दां हन, जिन्हां नूं ओह उन्हां लोकां लई खोल्ह के बिआन करदा है जो जाणदे हन। (229–230)

ते जदों तुसीं औरतां नूं तलाक़ देओ ते ओह अपणी इद्दत दे ख़ातमे नूं पहुंच जाण, तां जां उन्हां नूं भले तरीक़े नाल रोक लओ जां भले तरीक़े नाल रुख़सत कर देओ। ते उन्हां नूं तकलीफ़ देण लई ना रोकी रक्खो कि उन्हां उत्ते ज़िआदती करो; ते जो अजिहा करे उस ने अपणी ही जान उत्ते ज़ुलम कीता। ते अल्लाह दियां आयतां नूं मख़ौल ना बणाओ। ते अपणे उत्ते अल्लाह दी नेमत नूं याद करो, ते उस नूं जो उस ने तुहाडे उत्ते किताब ते हिकमत विचों उतारिया है, जिस दे ज़रीए ओह तुहानूं नसीहत करदा है। ते अल्लाह तों सुचेत रहो, ते जाण लओ कि अल्लाह हर चीज़ दा पूरा इल्म रक्खदा है। ते जदों तुसीं औरतां नूं तलाक़ देओ ते ओह अपणी इद्दत दे ख़ातमे नूं पहुंच जाण, तां उन्हां नूं अपणे पहिले पतियां नाल निकाह करन तों ना रोको, जे ओह आपस विच भले तरीक़े नाल राज़ी हो जाण। एह नसीहत उस नूं कीती जांदी है जो तुहाडे विचों अल्लाह उत्ते ते आख़िरी दिन उत्ते ईमान रक्खदा है: एह तुहाडे लई वध पाकीज़ा ते वध साफ़-सुथरा है। ते अल्लाह जाणदा है, ते तुसीं नहीं जाणदे। (231–232)

ते मावां अपणे बच्चियां नूं पूरे दो साल दुद्ध पिआउण, उस लई जो दुद्ध पिआउण दी मुद्दत पूरी करना चाहे। ते पिओ दे ज़िम्मे भले तरीक़े नाल उन्हां दा खाणा ते कपड़ा है। किसे जान उत्ते उस दी ताक़त तों वध बोझ नहीं पाइया जांदा: ना किसे मां नूं उस दे बच्चे कारन तकलीफ़ दित्ती जावे, ते ना किसे पिओ नूं उस दे बच्चे कारन; ते वारिस उत्ते वी एही ज़िम्मेदारी है। फिर जे ओह दोवें आपस दी रज़ामंदी ते सलाह-मशवरे नाल दुद्ध छुडाउणा चाहुण, तां उन्हां उत्ते कोई गुनाह नहीं। ते जे तुसीं अपणे बच्चियां नूं किसे दाई तों दुद्ध पिआउणा चाहो, तां तुहाडे उत्ते कोई गुनाह नहीं, शर्त एह कि जो कुझ देणा तुसीं तै कीता है ओह भले तरीक़े

नाल अदा कर देओ। ते अल्लाह तों सुचेत रहो, ते जाण लओ कि अल्लाह ओह सभ वेख रिहा है जो तुसीं करदे हो। (233)

ते तुहाडे विचों जो लोक मर जाण ते पतनियां छड्ड जाण, तां ओह पतनियां अपणे आप नूं चार महीने ते दस दिन रोकी रक्खण। फिर जदों ओह अपणी इद्दत दे ख़ातमे नूं पहुंच जाण, तां जो कुझ ओह अपणे बारे भले तरीक़े नाल करन उस दा तुहाडे उत्ते कोई गुनाह नहीं। ते अल्लाह उस तों पूरी तरां बाख़बर है जो तुसीं करदे हो। ते तुहाडे उत्ते कोई गुनाह नहीं जे तुसीं अजिहियां औरतां नूं इशारे नाल निकाह दा पैग़ाम देओ, जां उस नूं अपणे दिलां विच छुपाई रक्खो: अल्लाह जाणदा है कि तुसीं उन्हां दा ख़ियाल करोगे। पर उन्हां नाल चोरी-छुपे वादा ना करो, सिवाए इस दे कि भले तरीक़े दी गल्ल आखो; ते निकाह दी गंढ पक्की करन दा इरादा ना करो जद तक्क मुक़र्रर मुद्दत पूरी ना हो जावे। ते जाण लओ कि अल्लाह जाणदा है जो कुझ तुहाडे दिलां विच है, सो उस तों डरदे रहो; ते जाण लओ कि अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, बुर्दबार है। (234–235)

तुहाडे उत्ते कोई गुनाह नहीं जे तुसीं औरतां नूं उस वेले तलाक़ दे देओ जदों अजे तुसीं उन्हां नूं हत्थ ना लाइया होवे ते ना उन्हां दा महर मुक़र्रर कीता होवे। पर उन्हां नूं कुझ सामान देओ—ख़ुशहाल अपणी वुसअत मुताबिक़ ते तंगदस्त अपणी वुसअत मुताबिक़—भले तरीक़े नाल सामान: एह नेकी करन वालियां उत्ते हक़ है। ते जे तुसीं उन्हां नूं हत्थ लाउण तों पहिलां तलाक़ दे देओ, पर तुसीं उन्हां दा महर मुक़र्रर कर चुक्के होवो, तां जो तुसीं मुक़र्रर कीता सी उस दा अद्धा देओ, सिवाए इस दे कि ओह माफ़ कर देण, जां ओह माफ़ कर देवे जिस दे हत्थ विच निकाह दी गंढ है। ते माफ़ कर देणा अल्लाह तों सुचेतता दे वध नेड़े है। ते आपस विच फ़ज़ल करना ना भुल्लो: बेशक अल्लाह ओह सभ वेख रिहा है जो तुसीं करदे हो। नमाज़ां दी हिफ़ाज़त करो, ते ख़ास करके विचकारली नमाज़ दी; ते अल्लाह दे साहमणे अदब नाल फ़रमांबरदार बण के खड़े होवो। फिर जे तुहानूं डर होवे, तां पैदल जां सवार ही नमाज़ पढ़ लओ; ते जदों तुसीं अमन विच हो जाओ, तां अल्लाह नूं याद करो, जिवें उस ने तुहानूं ओह सिखाइया जो तुसीं नहीं जाणदे सी। (236–239)

ते तुहाडे विचों जो लोक मर जाण ते पतनियां छड्ड जाण ओह अपणियां पतनियां लई वसीयत कर जाण: इक्क साल दा ख़र्च, बिनां घरों कढ्ढे। फिर जे ओह आप निकल जाण, तां जो कुझ ओह अपणे बारे भले तरीक़े नाल करन उस दा तुहाडे उत्ते कोई गुनाह नहीं: ते अल्लाह ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। ते तलाक़ वालियां औरतां लई वी भले तरीक़े नाल सामान है: एह अल्लाह तों सुचेत रहण वालियां उत्ते हक़ है। इसे तरां अल्लाह तुहाडे लई अपणियां आयतां खोल्ह के बिआन करदा है, तां जो तुसीं अक़ल तों कम्म लओ। (240–242)

की तूं उन्हां लोकां उत्ते ग़ौर नहीं कीता जो मौत दे डर नाल हज़ारां दी गिणती विच अपणे घरां तों निकले? तां अल्लाह ने उन्हां नूं आखिया, “मर जाओ,” फिर उस ने उन्हां नूं ज़िंदा कर दित्ता। बेशक अल्लाह लोकां उत्ते वड्डे फ़ज़ल वाला है, पर बहुते लोक शुकर नहीं करदे। ते अल्लाह दे राह विच लड़ो, ते जाण लओ कि अल्लाह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। कौण है जो अल्लाह नूं चंगा क़र्ज़ देवे, तां जो ओह उस नूं

उस लई कई गुणा वधा देवे? ते अल्लाह ही तंगी करदा है ते ओही खुल्ह दिंदा है, ते उसे वल्ल तुसीं मोड़े जाओगे। (243–245)

की तूं मूसा तों बाद इसराईल दी औलाद दे सरदारां उत्ते ग़ौर नहीं कीता, जदों उन्हां ने अपणे इक्क नबी नूं आखिया, "साडे लई इक्क बादशाह मुक़र्रर कर देओ, तां असीं अल्लाह दे राह विच लड़ांगे"? उस ने आखिया, "किते अजिहा तां नहीं कि जे तुहाडे उत्ते लड़ाई फ़र्ज़ कर दित्ती जावे, तां तुसीं ना लड़ो?" उन्हां ने आखिया, "असीं अल्लाह दे राह विच क्यों ना लड़ांगे, जदों कि सानूं साडे घरां ते साडे बाल-बच्चियां तों कड्ढ दित्ता गिया है?" फिर जदों उन्हां उत्ते लड़ाई फ़र्ज़ कीती गई, तां ओह मूंह मोड़ गए, सिवाए उन्हां विचों थोड़ियां दे। ते अल्लाह ज़ालिमां नूं ख़ूब जाणदा है। ते उन्हां दे नबी ने उन्हां नूं आखिया, "अल्लाह ने तालूत नूं तुहाडा बादशाह मुक़र्रर कीता है।" उन्हां ने आखिया, "उस नूं साडे उत्ते बादशाही किवें मिल सकदी है, जदों कि असीं उस नालों बादशाही दे वध हक़दार हां, ते उस नूं माल दी बहुतात वी नहीं दित्ती गई?" उस ने आखिया, "अल्लाह ने उस नूं तुहाडे उत्ते चुण लिया है ते उस नूं इल्म ते जिसम विच बहुत वाधा दित्ता है। ते अल्लाह अपणी बादशाही जिस नूं चाहुंदा है दिंदा है: ते अल्लाह वड्डी समाई वाला, सभ कुझ जाणन वाला है।" ते उन्हां दे नबी ने उन्हां नूं आखिया, "उस दी बादशाही दी निशानी एह है कि तुहाडे कोल ओह संदूक़ आ जावेगा, जिस विच तुहाडे रब्ब वल्लों सकून है ते उस दी बची होई निशानी जो मूसा दे घराणे ते हारून दे घराणे ने छड्डी सी, जिस नूं फ़रिश्ते चुक्की होणगे। बेशक इस विच तुहाडे लई निशानी है, जे तुसीं ईमान वाले हो।" (246–248)

फिर जदों तालूत फ़ौजां लै के निकलिया, तां उस ने आखिया, "अल्लाह तुहानूं इक्क नहिर नाल आज़माउण वाला है। सो जो उस विचों पीएगा ओह मेरा नहीं, ते जो उस नूं ना चक्खेगा ओह मेरा है—सिवाए उस दे जो अपणे हत्थ नाल इक्क चुली भर लए।" पर उन्हां ने उस विचों पी लिया, सिवाए उन्हां विचों थोड़ियां दे। फिर जदों ओह ते ओह जो उस दे नाल ईमान लिआए सन उस नूं पार कर गए, तां उन्हां ने आखिया, "अज्ज साडे विच जालूत ते उस दियां फ़ौजां दे मुक़ाबले दी ताक़त नहीं।" पर जिन्हां नूं यक़ीन सी कि ओह अल्लाह नूं मिलण वाले हन उन्हां ने आखिया, "किन्नी वारी अजिहा होइया है कि छोटी जमाअत अल्लाह दे हुक्म नाल वड्डी जमाअत उत्ते ग़ालिब आ गई! ते अल्लाह सब्र करन वालियां दे नाल है।" ते जदों ओह जालूत ते उस दियां फ़ौजां दे साहमणे निकले, तां उन्हां ने आखिया, "ऐ साडे रब्ब, साडे उत्ते सब्र उंडेल दे, साडे क़दम जमा दे, ते सच्च दा इनकार करन वाली क़ौम दे मुक़ाबले विच साडी मदद कर।" सो उन्हां ने अल्लाह दे हुक्म नाल उन्हां नूं हरा दित्ता, ते दाऊद ने जालूत नूं क़तल कर दित्ता; ते अल्लाह ने उस नूं बादशाही ते हिकमत दित्ती, ते जो चाहिया उस नूं सिखाइया। ते जे अल्लाह कुझ लोकां नूं कुझ होरां दे ज़रीए ना हटाउंदा रहिंदा, तां धरती ज़रूर विगड़ जांदी; पर अल्लाह सारे जहानां उत्ते वड्डे फ़ज़ल वाला है। (249–251)

एह अल्लाह दियां आयतां हन जो, ऐ नबी, असीं तैनूं सच्च दे नाल पढ़ के सुणाउंदे हां; ते बेशक तूं रसूलां विचों हैं। इन्हां रसूलां विचों असां ने कुझ नूं कुझ उत्ते वडिआई दित्ती: उन्हां विचों कोई अजिहा है जिस नाल अल्लाह ने कलाम कीता, ते कुझ दे उस ने दर्जे उच्चे कीते; ते मरयम दे पुत्तर ईसा नूं असां ने खुल्हियां दलीलां दित्तियां ते रूहुल-क़ुदुस नाल उस नूं ताक़त दित्ती। ते जे अल्लाह चाहुंदा, तां जो उन्हां तों बाद आए ओह आपस विच

ना लड़दे इस तों बाद कि उन्हां कोल खुल्हियां दलीलां आ चुक्कियां सन; पर उन्हां ने इख़तिलाफ़ कीता—सो उन्हां विचों कोई ईमान लिआइया ते किसे ने इनकार कीता। ते जे अल्लाह चाहुंदा, तां ओह आपस विच ना लड़दे; पर अल्लाह जो चाहुंदा है करदा है। (252–253)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, जो कुझ असां ने तुहानूं दित्ता है उस विचों ख़र्च करो इस तों पहिलां कि ओह दिन आ जावे जिस विच ना कोई ख़रीद-फ़रोख़्त होवेगी, ना कोई दोस्ती ते ना कोई सिफ़ारिश। ते जो सच्च दे इनकारी हन ओही ज़ालिम हन। (254)

अल्लाह: उस तों सिवा कोई माबूद नहीं, सदा ज़िंदा, सभ नूं थंमण वाला ते क़ायम रक्खण वाला। ना उस नूं ऊंघ आउंदी है ना नींद। उसे दा है जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है। कौण है जो उस दे हज़ूर उस दी इजाज़त तों बिनां सिफ़ारिश कर सके? ओह जाणदा है जो कुझ उन्हां दे अग्गे है ते जो कुझ उन्हां दे पिच्छे है, ते ओह उस दे इल्म विचों किसे चीज़ नूं घेरे विच नहीं लै सकदे सिवाए उस दे जो ओह चाहे। उस दी कुरसी असमानां ते धरती उत्ते छाई होई है, ते इन्हां दोहां दी हिफ़ाज़त उस नूं थकाउंदी नहीं। ते ओही सभ तों उच्चा, अज़मत वाला है।[3] (255)

दीन विच कोई ज़बरदस्ती नहीं: हिदायत गुमराही तों साफ़ वक्खरी हो चुक्की है। सो जो कोई झूठे माबूदां दा इनकार करे ते अल्लाह उत्ते ईमान लिआवे उस ने सभ तों मज़बूत कड़ा फड़ लिया, जो कदे टुट्टण वाला नहीं। ते अल्लाह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। अल्लाह ईमान वालियां दा हिमायती है: ओह उन्हां नूं हनेरियां दी गहिराई विचों कढ्ढ के रौशनी वल्ल लिआउंदा है। ते जो सच्च दे इनकारी हन उन्हां दे हिमायती झूठे माबूद हन, जो उन्हां नूं रौशनी विचों कढ्ढ के हनेरियां दी गहिराई वल्ल लै जांदे हन। ओही अग्ग वाले हन, ते उस विच ओह सदा रहिणगे। (256–257)

की तूं उस आदमी उत्ते ग़ौर नहीं कीता जिस ने इबराहीम नाल उस दे रब्ब बारे झगड़ा कीता, इस लई कि अल्लाह ने उस नूं बादशाही दित्ती सी? जदों इबराहीम ने आखिया, “मेरा रब्ब ओह है जो ज़िंदगी दिंदा है ते मौत दिंदा है,” तां उस ने आखिया, “मैं वी ज़िंदगी दिंदा हां ते मौत दिंदा हां।” इबराहीम ने आखिया, “अल्लाह सूरज नूं पूरब तों कढ्ढदा है; सो तूं उस नूं पच्छम तों कढ्ढ लिआ।” तां ओह सच्च दा इनकारी हक्का-बक्का रह गिया। ते अल्लाह ज़ालिमां नूं राह नहीं दिखाउंदा। (258)

जां उस आदमी वांग जो इक्क बस्ती कोलों लंघिया जो अपणियां छत्तां उत्ते डिग्गी पई सी, ते उस ने आखिया, “अल्लाह इस नूं इस दी मौत तों बाद किवें ज़िंदा करेगा?” तां अल्लाह ने उस नूं सौ साल तक्क मौत दे दित्ती, फिर उस नूं उठा खड़ा कीता। उस ने पुच्छिया, “तूं किन्नी देर रिहा?” उस ने आखिया, “मैं इक्क दिन, जां दिन दा कुझ हिस्सा रिहा।” उस ने आखिया, “नहीं—बल्कि तूं सौ साल रिहा हैं। हुण अपणे खाणे ते अपणे पीण

[3] इस नूं पाक क़ुरआन दी सभ तों शानदार आयत मन्निया जांदा है। ऑकेज़नलिज़्म (हर घटना दा सिद्धा कारन अल्लाह) – द ग्लोरियस क़ुरआन ऐंड साइंस

दी चीज़ नूं वेख: ओह बेही नहीं होई। ते अपणे गधे नूं वेख। ते एह असां ने इस लई कीता कि तैनूं लोकां लई निशानी बणा देईए। ते हड्डियां नूं वेख, असीं उन्हां नूं किवें उठाउंदे हां ते फिर उन्हां उत्ते गोश्त चढ़ाउंदे हां।" फिर जदों उस उत्ते गल्ल खुल्ह गई, तां उस ने आखिया, "मैं जाणदा हां कि अल्लाह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है।" (259)

ते जदों इबराहीम ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मैनूं दिखा कि तूं मुर्दियां नूं किवें ज़िंदा करदा हैं।" उस ने आखिया, "की तूं ईमान नहीं रक्खदा?" उस ने आखिया, "क्यों नहीं, पर इस लई कि मेरे दिल नूं तसल्ली हो जावे।" उस ने आखिया, "तां चार पंछी लै ते उन्हां नूं अपणे नाल हिला लै; फिर उन्हां दा इक्क-इक्क हिस्सा हर पहाड़ी उत्ते रक्ख दे, फिर उन्हां नूं बुला: ओह तेरे कोल उड्डदे होए आ जाणगे। ते जाण लै कि अल्लाह ज़बरदस्त, हिकमत वाला है।" (260)

जो लोक अपणा माल अल्लाह दे राह विच ख़र्च करदे हन उन्हां दी मिसाल उस दाणे वरगी है जिस विचों सत्त सिट्टे उग्गण, ते हर सिट्टे विच सौ दाणे होण। ते अल्लाह जिस लई चाहुंदा है वधा दिंदा है; ते अल्लाह वड्डी समाई वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। जो लोक अपणा माल अल्लाह दे राह विच ख़र्च करदे हन ते फिर जो ख़र्च कीता उस दे पिच्छे ना अहिसान जताउंदे हन ना दुक्ख देण वाली गल्ल आखदे हन—उन्हां दा बदला उन्हां दे रब्ब कोल है; ना उन्हां नूं कोई डर होवेगा, ते ना ओह ग़मगीन होणगे। भली गल्ल ते माफ़ी उस सदक़े तों बिहतर है जिस दे पिच्छे दुक्ख देणा होवे; ते अल्लाह बेनियाज़, बुर्दबार है। ऐ ईमान लिआउण वालियो, अपणे सदक़ियां नूं अहिसान जता के ते दुक्ख दे के बरबाद ना करो, उस आदमी वांग जो अपणा माल लोकां नूं दिखाउण लई ख़र्च करदा है ते अल्लाह उत्ते ते आख़िरी दिन उत्ते ईमान नहीं रक्खदा। सो उस दी मिसाल इक्क चिकनी चट्टान वरगी है जिस उत्ते कुझ मिट्टी होवे: फिर उस उत्ते ज़ोर दा मींह पवे ते उस नूं बिलकुल साफ़ छड्ड जावे। अजिहे लोक अपणी कमाई विचों किसे चीज़ उत्ते क़ाबू नहीं रक्खदे; ते अल्लाह सच्च दा इनकार करन वाली क़ौम नूं राह नहीं दिखाउंदा। ते उन्हां दी मिसाल जो अपणा माल अल्लाह दी रज़ा दी तलाश विच ते अपणे दिलां नूं पक्का करन लई ख़र्च करदे हन, उस बाग़ वरगी है जो उच्ची ज़मीन उत्ते होवे: उस उत्ते ज़ोर दा मींह पवे तां ओह दूणा फल लिआवे; ते जे उस उत्ते ज़ोर दा मींह ना पवे, तां हलकी फुहार ही काफ़ी है। ते अल्लाह ओह सभ वेख रिहा है जो तुसीं करदे हो। की तुहाडे विचों कोई एह पसंद करेगा कि उस दा खजूरां ते अंगूरां दा इक्क बाग़ होवे, जिस दे हेठ नहरां वगदियां होण, उस लई उस विच हर किसम दे फल होण—ते फिर, जदों उस नूं बुढापा आ लए ते उस दी औलाद कमज़ोर होवे, तां उस बाग़ उत्ते इक्क वा-वरोला आ पवे जिस विच अग्ग होवे ते ओह सड़ जावे? इसे तरां अल्लाह तुहाडे लई अपणियां आयतां खोल्ह के बिआन करदा है, तां जो तुसीं सोच-विचार करो। (261–266)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, उन्हां चंगियां चीज़ां विचों ख़र्च करो जो तुसीं कमाइयां हन, ते उस विचों जो असां ने तुहाडे लई धरती विचों कढ्ढिया है। ते उस विचों माड़ी चीज़ नूं देण लई ना छांटो, हालांकि तुसीं आप उस नूं अक्खां मीटे बिनां ना लओ। ते जाण लओ कि अल्लाह बेनियाज़, तारीफ़ दे लायक़ है। शैतान तुहानूं ग़रीबी तों डराउंदा है ते बेहयाई दा हुक्म दिंदा है, ते अल्लाह तुहाडे नाल अपणे वल्लों बख़शिश ते फ़ज़ल दा वादा

करदा है; ते अल्लाह वड्डी समाई वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। ओह जिस नूं चाहुंदा है हिकमत दिंदा है, ते जिस नूं हिकमत दित्ती गई उस नूं बहुत वड्डी भलाई दित्ती गई; पर नसीहत सिरफ़ अक़ल वाले ही फड़दे हन। ते तुसीं जो कुझ वी ख़र्च करो, ते जो वी मन्नत मन्नो, अल्लाह उस नूं जाणदा है; ते ज़ालिमां दा कोई मददगार ना होवेगा। जे तुसीं सदक़े ज़ाहिर करके देओ, तां एह वी चंगा है; ते जे उन्हां नूं छुपाओ ते ग़रीबां नूं देओ, तां एह तुहाडे लई वध बिहतर है, ते एह तुहाडियां कुझ बुराइयां दा कफ़्फ़ारा बण जावेगा। ते अल्लाह उस तों पूरी तरां बाख़बर है जो तुसीं करदे हो। ऐ नबी, उन्हां नूं राह उत्ते लिआउणा तेरे ज़िम्मे नहीं; बल्कि अल्लाह जिस नूं चाहुंदा है हिदायत दिंदा है। ते तुसीं जो माल वी ख़र्च करदे हो ओह तुहाडे अपणे ही लई है, जद तक्क तुसीं सिरफ़ अल्लाह दी रज़ा दी तलाश विच ख़र्च करो; ते तुसीं जो माल वी ख़र्च करोगे ओह तुहानूं पूरा-पूरा दित्ता जावेगा, ते तुहाडे उत्ते ज़ुलम ना कीता जावेगा। उन्हां ग़रीबां नूं देओ जो अल्लाह दे राह विच घिरे होए हन, धरती विच चल्ल-फिर नहीं सकदे; नावाक़िफ़ आदमी उन्हां दे ना मंगण कारन उन्हां नूं अमीर समझदा है। तूं उन्हां नूं उन्हां दी निशानी तों पछाण लवेंगा: ओह लोकां तों पिच्छे पै के नहीं मंगदे। ते तुसीं जो माल वी ख़र्च करोगे, अल्लाह उस नूं ख़ूब जाणदा है। (267–273)

जो लोक अपणा माल रात ते दिन, छुपा के ते ज़ाहिर करके ख़र्च करदे हन, उन्हां दा बदला उन्हां दे रब्ब कोल है; ना उन्हां नूं कोई डर होवेगा, ते ना ओह ग़मगीन होणगे। जो लोक सूद खांदे हन ओह नहीं उट्ठणगे पर उस आदमी वांग जिस नूं शैतान ने छूह के पागल कर दित्ता होवे। एह इस लई कि ओह आखदे हन, "वपार वी तां सूद वरगा ही है," हालांकि अल्लाह ने वपार नूं हलाल कीता है ते सूद नूं हराम। सो जिस कोल उस दे रब्ब वल्लों नसीहत आई ते ओह बाज़ आ गिया, तां जो पहिलां हो चुक्का ओह उसे दा है, ते उस दा मामला अल्लाह दे हवाले है; ते जो दुबारा ओही करे—ओही अग्ग वाले हन, ते उस विच ओह सदा रहिणगे। अल्लाह सूद नूं मिटाउंदा है ते सदक़ियां नूं वधाउंदा है; ते अल्लाह किसे नाशुकरे गुनाहगार नूं पसंद नहीं करदा। बेशक जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते, ते नमाज़ क़ायम कीती ते ज़कात दित्ती, उन्हां दा बदला उन्हां दे रब्ब कोल है; ना उन्हां नूं कोई डर होवेगा, ते ना ओह ग़मगीन होणगे। ऐ ईमान लिआउण वालियो, अल्लाह तों सुचेत रहो ते जो सूद बाक़ी रह गिया है उस नूं छड्ड देओ, जे तुसीं ईमान वाले हो। फिर जे तुसीं अजिहा ना करो, तां अल्लाह ते उस दे रसूल वल्लों जंग दा ऐलान सुण लओ। ते जे तुसीं तौबा कर लओ, तां तुहाडा असल माल तुहाडा ही है: ना तुसीं ज़ुलम करो ते ना तुहाडे उत्ते ज़ुलम कीता जावे। ते जे क़र्ज़दार तंगी विच होवे, तां ख़ुशहाली तक्क मोहलत दित्ती जावे; ते जे तुसीं क़र्ज़ा सदक़े वजों छड्ड देओ, तां एह तुहाडे लई वध बिहतर है, काश तुसीं जाणदे। ते उस दिन तों बचो जिस विच तुसीं अल्लाह वल्ल मोड़े जाओगे; फिर हर जान नूं उस दी कमाई पूरी-पूरी दित्ती जावेगी, ते उन्हां उत्ते ज़ुलम ना कीता जावेगा। (274–281)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, जदों तुसीं किसे मुक़र्रर मुद्दत लई आपस विच क़र्ज़ दा लेण-देण करो, तां उस नूं लिख लिया करो। ते तुहाडे विचकार कोई लिखण वाला इनसाफ़ नाल लिखे; ते लिखण वाला लिखण तों इनकार ना करे जिवें अल्लाह ने उस नूं सिखाइया है। सो ओह लिखे, ते जिस दे ज़िम्मे क़र्ज़ है ओह लिखवाए; ते ओह अपणे रब्ब अल्लाह तों सुचेत रहे ते उस विचों कुझ ना घटाए। फिर जे ओह जिस दे ज़िम्मे क़र्ज़ है

घट्ट अक़ल जां कमज़ोर होवे, जां आप लिखवा ना सकदा होवे, तां उस दा सरपरस्त इनसाफ़ नाल लिखवाए। ते अपणे मरदां विचों दो गवाह बणा लओ; ते जे दो मरद ना होण, तां इक्क मरद ते दो औरतां, उन्हां गवाहां विचों जिन्हां नूं तुसीं पसंद करो, तां जो जे उन्हां दोहां औरतां विचों इक्क भुल्ल जावे, तां दूजी उस नूं याद करा देवे। ते गवाह जदों बुलाए जाण तां इनकार ना करन। ते उस नूं, छोटा होवे जां वड्डा, उस दी मुद्दत समेत लिखण तों ना उकताओ: एह अल्लाह दे नज़दीक वध इनसाफ़ वाली गल्ल है, गवाही नूं वध दरुस्त रक्खण वाली, ते इस दे वध नेड़े कि तुसीं शक्क विच ना पओ—सिवाए इस दे कि हत्थो-हत्थी दा सौदा होवे जो तुसीं आपस विच उसे वेले लैंदे-दिंदे हो, तां उस नूं ना लिखण विच तुहाडे उत्ते कोई गुनाह नहीं। ते जदों आपस विच सौदा करो तां गवाह बणा लिया करो, ते ना लिखण वाले नूं नुक़सान पहुंचाइया जावे ना गवाह नूं; ते जे तुसीं अजिहा करोगे, तां एह तुहाडे वल्लों गुनाह दी गल्ल होवेगी। ते अल्लाह तों सुचेत रहो: अल्लाह ही तुहानूं सिखाउंदा है, ते अल्लाह हर चीज़ दा पूरा इल्म रक्खदा है। ते जे तुसीं सफ़र उत्ते होवो ते कोई लिखण वाला ना मिले, तां कोई चीज़ गिरवी रक्ख के क़बज़े विच दे दित्ती जावे। फिर जे तुहाडे विचों इक्क दूजे उत्ते भरोसा करे, तां जिस उत्ते भरोसा कीता गिया ओह अपणी अमानत अदा करे, ते अपणे रब्ब अल्लाह तों सुचेत रहे। ते गवाही नूं ना छुपाओ; ते जो उस नूं छुपाउंदा है उस दा दिल गुनाहगार है। ते अल्लाह ओह सभ ख़ूब जाणदा है जो तुसीं करदे हो। अल्लाह ही दा है जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है। ते जो कुझ तुहाडे दिलां विच है उस नूं तुसीं ज़ाहिर करो जां छुपाओ, अल्लाह तुहाथों उस दा हिसाब लवेगा; फिर जिस नूं चाहेगा बख़्श देवेगा ते जिस नूं चाहेगा अज़ाब देवेगा। ते अल्लाह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। (282–284)

रसूल उस उत्ते ईमान लिआइया जो उस दे रब्ब वल्लों उस उत्ते उतारिया गिया, ते ईमान वाले वी। हर इक्क अल्लाह उत्ते, उस दे फ़रिश्तियां, उस दियां किताबां ते उस दे रसूलां उत्ते ईमान लिआइया: "असीं उस दे रसूलां विचों किसे दे विचकार फ़रक़ नहीं करदे।" ते उन्हां ने आखिया, "असां ने सुणिया ते मन्न लिया। ऐ साडे रब्ब, असीं तेरी बख़शिश मंगदे हां; ते तेरे ही वल्ल मुड़ के आउणा है।" अल्लाह किसे जान उत्ते उस दी ताक़त तों वध बोझ नहीं पाउंदा: उस दे हक़ विच ओह है जो उस ने कमाइया, ते उस दे ख़िलाफ़ ओह जो उस ने अपणे उत्ते लद्दिया। "ऐ साडे रब्ब, जे असीं भुल्ल जाईए जां ग़लती कर बैठीए तां सानूं ना फड़ीं। ऐ साडे रब्ब, साडे उत्ते अजिहा बोझ ना पाईं जिहा तूं उन्हां उत्ते पाइया जो साथों पहिलां सन। ऐ साडे रब्ब, साडे उत्ते ओह बोझ ना लद्दीं जिस नूं चुक्कण दी साडे विच ताक़त नहीं। ते सानूं माफ़ कर, सानूं बख़्श दे, ते साडे उत्ते रहम कर। तूं ही साडा मालिक है, सो सच्च दा इनकार करन वाली क़ौम दे मुक़ाबले विच साडी मदद कर।" (285–286)

3. इमरान दा घराणा (आले-इमरान)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

अलिफ़ लाम मीम। अल्लाह: उस तों सिवा कोई माबूद नहीं, सदा ज़िंदा, सभ नूं थंमण वाला ते क़ायम रक्खण वाला। ऐ नबी, उस ने तेरे उत्ते किताब सच्च दे नाल उतारी, जो उस दी तसदीक़ करदी है जो इस तों पहिलां आइया; ते उस ने इस तों पहिलां तौरात ते इंजील उतारी, लोकां दी हिदायत लई, ते उस ने फ़ुरक़ान उतारिया। बेशक जो अल्लाह दियां आयतां दा इनकार करदे हन उन्हां लई सख़्त अज़ाब है: ते अल्लाह ज़बरदस्त, बदला लैण वाला है। बेशक अल्लाह तों ना धरती विच कोई चीज़ छुपी है ना असमान विच। ओही है जो मावां दे पेटां विच जिवें चाहुंदा है तुहाडी सूरत बणाउंदा है। उस तों सिवा कोई माबूद नहीं, ज़बरदस्त, हिकमत वाला। (1–6)

ओही है जिस ने तेरे उत्ते एह किताब उतारी। इस विच कुझ आयतां साफ़ ते पक्के मतलब वालियां हन—ओही किताब दी असल हन—ते दूजियां अजिहियां हन जिन्हां दे कई मतलब निकल सकदे हन। सो जिन्हां दे दिलां विच टेढ है ओह इस विचों उसे दे पिच्छे पैंदे हन जिस दे कई मतलब निकल सकदे हन, फ़ितने दी तलाश विच ते अपणी मरज़ी दा मतलब कढ्ढण दी तलाश विच; हालांकि इस दा असल मतलब कोई नहीं जाणदा सिवाए अल्लाह दे ते उन्हां दे जो इल्म विच पक्के हन। ओह आखदे हन, "असीं इस उत्ते ईमान लिआए; एह सभ साडे रब्ब वल्लों है।" ते नसीहत सिरफ़ अक़्ल वाले ही फड़दे हन।[4] (7)

"ऐ साडे रब्ब, सानूं हिदायत देण तों बाद साडे दिलां नूं टेढा ना होण दे, ते सानूं अपणे कोलों रहमत बख़्श: बेशक तूं ही बड़ा देण वाला है। ऐ साडे रब्ब, तूं यक़ीनन सारे लोकां नूं इक्क अजिहे दिन लई इकट्ठा करन वाला है जिस विच कोई शक्क नहीं: बेशक अल्लाह अपणे वादे दे ख़िलाफ़ नहीं करदा।" (8–9)

रहे ओह जो सच्च दे इनकारी हन, तां ना उन्हां दे माल ते ना उन्हां दी औलाद अल्लाह दे मुक़ाबले विच उन्हां दे कुझ कम्म आवेगी: ते ओही अग्ग दा बालण हन—बिलकुल फ़िरऔन दे लोकां वांग ते उन्हां वांग जो उन्हां तों पहिलां सन, जिन्हां ने साडियां आयतां नूं झुठलाइया। सो अल्लाह ने उन्हां नूं उन्हां दे गुनाहां कारन फड़ लिया; ते अल्लाह सख़्त अज़ाब देण वाला है। सच्च दे इनकारियां नूं आख दे, "तुसीं जलदी ही हारोगे ते जहन्नम वल्ल इकट्ठे कीते जाओगे—ते ओह बहुत बुरा ठिकाणा है।" तुहाडे लई उन्हां दो गिरोहां विच इक्क निशानी सी जो बदर विच आहमो-साहमणे होए: इक्क गिरोह अल्लाह दे राह विच लड़ रिहा सी, ते दूजा सच्च दा

[4] एह क़ुरआन दियां बुनियादी आयतां विचों इक्क है। एह दस्सदी है कि हर आदमी अपणे-अपणे नज़रीए दे मुताबिक़ क़ुरआन तों की हासिल करदा है। इस तों मैनूं मशहूर जर्मन फ़लसफ़ी गेटे दा इक्क क़ौल याद आउंदा है: "असीं जिन्नी वारी क़ुरआन दे कोल जांदे हां, ओह हर वारी पहिलां-पहिल बेसुआदा लग्गदा है; पर हौली-हौली ओह खिच्चदा है, हैरान करदा है, ते अख़ीर विच अपणी तारीफ़ करवा के रहिंदा है।" — योहान वोल्फ़गांग फ़ॉन गेटे

इनकारी सी, जो उन्हां नूं अपणियां अक्खां नाल अपणे तों दूणा वेख रहे सन। ते अल्लाह अपणी मदद नाल जिस नूं चाहुंदा है ताक़त दिंदा है: बेशक इस विच अक्खां वालियां लई वड्डी इबरत है। (10–13)

लोकां लई उन्हां चीज़ां दी मुहब्बत सुहाउणी बणा दित्ती गई है जिन्हां दी ओह ख़ाहिश रक्खदे हन: औरतां, पुत्तर, सोने ते चांदी दे जमा कीते होए ढेर, निशान लग्गे घोड़े, चौपाए ते खेती। एह दुनिया दी ज़िंदगी दा सामान है; पर सभ तों चंगा ठिकाणा अल्लाह ही दे कोल है। आख, "की मैं तुहानूं इन्हां तों बिहतर चीज़ दस्सां? जो अल्लाह तों सुचेत रहे उन्हां लई उन्हां दे रब्ब कोल अजिहे बाग़ हन जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, जिन्हां विच ओह सदा रहिणगे, ते पाक जोड़े, ते अल्लाह दी रज़ा।" ते अल्लाह अपणे बंदियां नूं वेख रिहा है—उन्हां नूं जो आखदे हन, "ऐ साडे रब्ब, असीं ईमान लै आए, सो साडे गुनाह बख़्श दे ते सानूं अग्ग दे अज़ाब तों बचा," जो सब्र करन वाले, सच्चे, फ़रमांबरदार, अल्लाह दे राह विच ख़र्च करन वाले, ते रात दे पिछले पहिर बख़शिश मंगण वाले हन। (14–17)

अल्लाह गवाही दिंदा है कि उस तों सिवा कोई माबूद नहीं, ते फ़रिश्ते ते इल्म वाले वी—ओह इनसाफ़ उत्ते क़ायम है। उस तों सिवा कोई माबूद नहीं, ज़बरदस्त, हिकमत वाला। बेशक अल्लाह दे नज़दीक असल दीन उस दी फ़रमांबरदारी है। ते जिन्हां नूं किताब दित्ती गई सी उन्हां ने इख़तिलाफ़ नहीं कीता पर इस तों बाद कि उन्हां कोल इल्म आ चुक्का सी, आपस दी ज़िद्द ते हसद कारन। ते जो कोई अल्लाह दियां आयतां दा इनकार करे—तां बेशक अल्लाह छेती हिसाब लैण वाला है। सो जे ओह तेरे नाल झगड़न, तां आख दे, "मैं अपणा आप पूरे दा पूरा अल्लाह दे हवाले कर दित्ता है, ते उन्हां ने वी जो मेरे पिच्छे चल्लदे हन।" ते जिन्हां नूं किताब दित्ती गई उन्हां नूं ते अनपढ़ां नूं आख, "की तुसीं वी फ़रमांबरदार होए?" सो जे ओह फ़रमांबरदार हो जाण, तां उन्हां ने राह पा लई; ते जे ओह मूंह मोड़न, तां तेरे ज़िम्मे सिरफ़ पैग़ाम पहुंचा देणा है। ते अल्लाह अपणे बंदियां नूं वेख रिहा है। (18–20)

बेशक जो लोक अल्लाह दियां आयतां दा इनकार करदे हन, ते नबियां नूं नाहक़ क़तल करदे हन, ते लोकां विचों उन्हां नूं क़तल करदे हन जो इनसाफ़ दा हुक्म दिंदे हन—उन्हां नूं दर्दनाक अज़ाब दी ख़बर सुणा दे। इही हन ओह जिन्हां दे अमल दुनिया ते आख़िरत विच अकारथ हो गए, ते उन्हां दा कोई मददगार ना होवेगा। की तूं उन्हां उत्ते ग़ौर नहीं कीता जिन्हां नूं किताब दा इक्क हिस्सा दित्ता गिया? उन्हां नूं अल्लाह दी किताब वल्ल बुलाइया जांदा है तां जो ओह उन्हां दे विचकार फ़ैसला करे, फिर उन्हां दा इक्क गिरोह मूंह मोड़ के फिर जांदा है—एह इस लई कि ओह आखदे हन, "अग्ग सानूं हरगिज़ ना छूहेगी सिवाए गिणती दे कुझ दिनां दे।" ते जो कुझ ओह घड़दे रहे उस ने उन्हां नूं उन्हां दे दीन बारे धोखे विच पा दित्ता है। फिर की हाल होवेगा जदों असीं उन्हां नूं उस दिन लई इकट्ठा करांगे जिस विच कोई शक्क नहीं, ते हर जान नूं उस दी कमाई पूरी-पूरी दित्ती जावेगी, ते उन्हां उत्ते ज़ुलम ना कीता जावेगा? (21–25)

आख, "ऐ अल्लाह, सारी बादशाही दे मालिक: तूं जिस नूं चाहें बादशाही देवें ते जिस तों चाहें बादशाही खोह लवें; तूं जिस नूं चाहें इज़्ज़त देवें ते जिस नूं चाहें ज़लील करें। सारी भलाई तेरे ही हत्थ विच है: बेशक तूं हर

चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा हैं। तूं रात नूं दिन विच दाख़िल करदा हैं ते दिन नूं रात विच दाख़िल करदा हैं; ते तूं बेजान विचों जानदार नूं कढ्ढदा हैं ते जानदार विचों बेजान नूं कढ्ढदा हैं; ते तूं जिस नूं चाहें बेहिसाब रोज़ी दिंदा हैं।" (26–27)

ईमान वाले ईमान वालियां नूं छड्ड के सच्च दे इनकारियां नूं अपणा दोस्त ना बणाउण—ते जो अजिहा करे उस दा अल्लाह नाल कोई वासता नहीं—सिवाए इस दे कि तुसीं उन्हां तों बचाअ दी ख़ातिर अहतियात वरतो। ते अल्लाह तुहानूं अपणे आप तों डराउंदा है: ते अल्लाह ही वल्ल मुड़ के जाणा है। आख, "जो कुझ तुहाडे दिलां विच है उस नूं तुसीं छुपाओ जां ज़ाहिर करो, अल्लाह उस नूं जाणदा है; ते ओह जाणदा है जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है। ते अल्लाह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है।" जिस दिन हर जान अपणी कीती होई नेकी नूं अपणे साहमणे हाज़र पावेगी, ते अपणी कीती होई बुराई नूं वी, तां ओह चाहेगी कि काश उस दे ते उस बुराई दे विचकार बहुत दूर दा फ़ासला हुंदा। ते अल्लाह तुहानूं अपणे आप तों डराउंदा है; ते अल्लाह अपणे बंदियां उत्ते बड़ा शफ़क़त करन वाला है। आख, "जे तुसीं अल्लाह नाल मुहब्बत करदे हो, तां मेरे पिच्छे चल्लो: अल्लाह तुहाडे नाल मुहब्बत करेगा ते तुहाडे गुनाह बख़्श देवेगा। ते अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है।" आख, "अल्लाह ते रसूल दी फ़रमांबरदारी करो।" फिर जे ओह मूंह मोड़न—तां अल्लाह सच्च दे इनकारियां नूं पसंद नहीं करदा। (28–32)

बेशक अल्लाह ने आदम ते नूह नूं, इबराहीम दे घराणे ते इमरान दे घराणे नूं सारे जहानां दे लोकां उत्ते चुण लिया, इक्क दूजे दी नसल विचों। ते अल्लाह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। याद करो जदों इमरान दी पतनी ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, जो कुझ मेरे पेट विच है मैं उस नूं तेरी नज़र करदी हां, तेरी ख़िदमत लई आज़ाद; सो मेरे वल्लों क़बूल कर लै। बेशक तूं ही सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है।" फिर जदों उस ने उस नूं जणिया तां आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मैं तां लड़की जणी है"—ते अल्लाह ख़ूब जाणदा सी जो उस ने जणिया सी; ते लड़का लड़की वरगा नहीं हुंदा—"ते मैं उस दा नाम मरयम रक्खिया है, ते मैं उस नूं ते उस दी औलाद नूं धिक्कारे होए शैतान तों तेरी पनाह विच दिंदी हां।" सो उस दे रब्ब ने उस नूं चंगी तरां क़बूल कर लिया ते उस नूं चंगी परवरिश नाल परवान चढ़ाइया, ते उस नूं ज़करिया दी निगरानी विच दे दित्ता। जदों वी ज़करिया उस दे कोल इबादत दी थां विच जांदा तां उस दे कोल रोज़ी पाउंदा। उस ने आखिया, "ऐ मरयम, एह तेरे कोल कित्थों आउंदा है?" उस ने आखिया, "एह अल्लाह वल्लों है: बेशक अल्लाह जिस नूं चाहुंदा है बेहिसाब रोज़ी दिंदा है।" उत्थे ही ज़करिया ने अपणे रब्ब नूं पुकारिया। उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मैनूं अपणे कोलों पाक औलाद बख़्श: बेशक तूं दुआ सुणन वाला है।" तां फ़रिश्तियां ने उस नूं आवाज़ दित्ती जदों ओह इबादत दी थां विच खड़ा नमाज़ पढ़ रिहा सी, "अल्लाह तैनूं यह्या दी ख़ुशख़बरी दिंदा है, जो अल्लाह वल्लों इक्क कलिमे दी तसदीक़ करन वाला होवेगा, ते सरदार, पाकदामन, ते नेक लोकां विचों इक्क नबी होवेगा।" उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मेरे घर पुत्तर किवें होवेगा जदों कि मैनूं बुढापा आ चुक्का है ते मेरी पतनी बांझ है?" उस ने आखिया, "इसे तरां: अल्लाह जो चाहुंदा है करदा है।" उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मेरे लई कोई निशानी मुक़र्रर कर दे।" उस ने आखिया, "तेरी निशानी एह है कि तूं तिन्न दिन लोकां नाल

गल्ल ना कर सकेंगा, सिवाए इशारे दे। ते अपणे रब्ब नूं बहुत याद कर, ते शाम ते सवेरे उस दी तसबीह कर।" (33–41)

ते जदों फ़रिश्तियां ने आखिया, "ऐ मरयम, अल्लाह ने तैनूं चुण लिया है ते तैनूं पाक कीता है, ते सारे जहानां दियां औरतां उत्ते तैनूं चुण लिया है। ऐ मरयम, अपणे रब्ब दी फ़रमांबरदार रह, सजदा कर, ते झुकण वालियां दे नाल झुक।" एह ग़ैब दियां ख़बरां विचों है जो, ऐ नबी, असीं तेरे वल्ल वह्य करदे हां। ते तूं उन्हां दे कोल नहीं सी जदों ओह अपणे क़लम क़ुरआ वजों सुट्ट रहे सन कि उन्हां विचों कौण मरयम दी निगरानी करे, ते ना तूं उन्हां दे कोल सी जदों ओह झगड़ रहे सन। (42–44)

जदों फ़रिश्तियां ने आखिया, "ऐ मरयम, अल्लाह तैनूं अपणे वल्लों इक्क कलिमे दी ख़ुशख़बरी दिंदा है, जिस दा नाम मसीह, मरयम दा पुत्तर ईसा होवेगा, दुनिया ते आख़िरत विच इज़्ज़त वाला, ते अल्लाह दे नेड़े कीते होइयां विचों। ओह लोकां नाल पंघूड़े विच वी गल्ल करेगा ते पक्की उमर विच वी, ते ओह नेक लोकां विचों होवेगा।" उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मेरे घर पुत्तर किवें होवेगा जदों कि मैनूं किसे मरद ने हत्थ तक्क नहीं लाइया?" उस ने आखिया, "इसे तरां: अल्लाह जो चाहुंदा है पैदा करदा है। जदों ओह किसे कम्म दा फ़ैसला करदा है, तां उस नूं बस एही आखदा है, 'हो जा,' ते ओह हो जांदा है।" ते ओह उस नूं किताब ते हिकमत, ते तौरात ते इंजील सिखावेगा, ते उस नूं इसराईल दी औलाद वल्ल रसूल बणा के भेजेगा, जो आखेगा, "मैं तुहाडे कोल तुहाडे रब्ब वल्लों इक्क निशानी लै के आइया हां। मैं तुहाडे लई मिट्टी तों पंछी दी शकल बणाउंदा हां; फिर उस विच फूक मारदा हां तां ओह अल्लाह दे हुक्म नाल पंछी बण जांदा है। ते मैं जमांदरू अन्हे ते कोढ़ी नूं चंगा करदा हां, ते अल्लाह दे हुक्म नाल मुर्दियां नूं ज़िंदा करदा हां; ते मैं तुहानूं दस्सदा हां जो कुझ तुसीं खांदे हो ते जो कुझ अपणे घरां विच जमा करके रक्खदे हो। बेशक इस विच तुहाडे लई निशानी है, जे तुसीं ईमान वाले हो। ते मैं उस दी तसदीक़ करन वाला बण के आइया हां जो मैथों पहिलां तौरात विचों है, ते इस लई कि तुहाडे लई कुझ ओह चीज़ां हलाल कर दिआं जो तुहाडे उत्ते हराम कीतियां गइयां सन। ते मैं तुहाडे कोल तुहाडे रब्ब वल्लों निशानी लै के आइया हां, सो अल्लाह तों सुचेत रहो ते मेरी गल्ल मन्नो। बेशक अल्लाह मेरा रब्ब है ते तुहाडा रब्ब वी, सो उसे दी इबादत करो: एही सिद्धा राह है।" (45–51)

फिर जदों ईसा ने उन्हां वल्लों इनकार महिसूस कीता, तां उस ने आखिया, "अल्लाह दे राह विच मेरे मददगार कौण होणगे?" हवारियां ने आखिया, "असीं अल्लाह दे मददगार हां: असीं अल्लाह उत्ते ईमान लिआए; ते गवाह रह कि असीं उस दे फ़रमांबरदार हां। ऐ साडे रब्ब, असीं उस उत्ते ईमान लिआए जो तूं उतारिया ते असीं रसूल दे पिच्छे चल्ले, सो सानूं गवाही देण वालियां विच लिख लै।" ते उन्हां ने चाल चल्ली, ते अल्लाह ने वी तदबीर कीती; ते अल्लाह सभ तों बिहतर तदबीर करन वाला है। (52–54)

जदों अल्लाह ने आखिया, "ऐ ईसा, मैं तैनूं अपणे कोल लै लवांगा ते तैनूं अपणे वल्ल उठा लवांगा, ते तैनूं सच्च दे इनकारियां तों पाक कर दिआंगा, ते जो तेरे पिच्छे चल्ले उन्हां नूं क़ियामत दे दिन तक्क सच्च दे इनकारियां उत्ते ग़ालिब रक्खांगा। फिर मेरे ही वल्ल तुहाडा सभनां दा मुड़ना है, ते मैं तुहाडे विचकार उन्हां गल्लां दा

फ़ैसला करांगा जिन्हां विच तुसीं इख़तिलाफ़ करदे सी। सो जो सच्च दे इनकारी हन, उन्हां नूं मैं दुनिया ते आख़िरत विच सख़्त अज़ाब दिआंगा, ते उन्हां दा कोई मददगार ना होवेगा।" ते जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते, उन्हां नूं ओह उन्हां दा बदला पूरा-पूरा देवेगा। ते अल्लाह ज़ालिमां नूं पसंद नहीं करदा। (55–57)

ऐ नबी, एह ओह है जो असीं तैनूं आयतां ते हिकमत भरी नसीहत विचों पढ़ के सुणाउंदे हां। बेशक अल्लाह दे नज़दीक ईसा दी मिसाल आदम दी मिसाल वरगी है: उस ने उस नूं मिट्टी तों पैदा कीता, फिर उस नूं आखिया, "हो जा," ते ओह हो गिया। एह तेरे रब्ब वल्लों सच्च है, सो तूं शक्क करन वालियां विचों ना होईं। फिर जे कोई उस इल्म तों बाद जो तेरे कोल आ चुक्का है इस बारे तेरे नाल झगड़े, तां आख, "आओ, असीं अपणे पुत्तरां नूं ते तुहाडे पुत्तरां नूं, अपणियां औरतां नूं ते तुहाडियां औरतां नूं, अपणे आप नूं ते तुहानूं बुला लईए; फिर गिड़गिड़ा के दुआ करीए ते झूठियां उत्ते अल्लाह दी लानत भेजीए।" बेशक एही सच्चा बिआन है; ते अल्लाह तों सिवा कोई माबूद नहीं, ते बेशक अल्लाह ही ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। फिर जे ओह मूंह मोड़न—तां अल्लाह फ़साद फैलाउण वालियां नूं ख़ूब जाणदा है। आख, "ऐ किताब वालियो, इक्क अजिही गल्ल वल्ल आओ जो साडे ते तुहाडे विचकार सांझी है: कि असीं अल्लाह तों सिवा किसे दी इबादत ना करीए, ते उस दे नाल किसे चीज़ नूं शरीक ना ठहराईए, ते साडे विचों कोई अल्लाह नूं छड्ड के किसे होर नूं रब्ब ना बणाए।" फिर जे ओह मूंह मोड़न, तां आख देओ, "गवाह रहो कि असीं अल्लाह दे फ़रमांबरदार हां।" (58–64)

ऐ किताब वालियो, तुसीं इबराहीम बारे क्यों झगड़दे हो, हालांकि तौरात ते इंजील तां उस दे बाद ही उतारियां गइयां? की तुसीं अक़ल तों कम्म नहीं लैंदे? वेखो, तुसीं ओह लोक हो कि उस गल्ल बारे तां झगड़ चुक्के जिस दा तुहानूं कुझ इल्म सी—पर उस गल्ल बारे क्यों झगड़दे हो जिस दा तुहानूं कोई इल्म नहीं? ते अल्लाह जाणदा है ते तुसीं नहीं जाणदे। इबराहीम ना यहूदी सी ना ईसाई; बल्कि ओह ख़ालिस ईमान वाला, अल्लाह दा फ़रमांबरदार सी, ते ओह उस नाल शरीक ठहराउण वालियां विचों नहीं सी। बेशक इबराहीम दे सभ तों नेड़े दे लोक ओह हन जो उस दे पिच्छे चल्ले, ते एह नबी, ते ओह जो ईमान लिआए; ते अल्लाह ईमान वालियां दा हिमायती है। (65–68)

किताब वालियां दा इक्क गिरोह चाहुंदा है कि तुहानूं गुमराह कर देवे; पर ओह अपणे आप तों सिवा किसे नूं गुमराह नहीं करदे, ते उन्हां नूं अहिसास नहीं। ऐ किताब वालियो, तुसीं अल्लाह दियां आयतां दा क्यों इनकार करदे हो हालांकि तुसीं आप उन्हां दे गवाह हो? ऐ किताब वालियो, तुसीं सच्च उत्ते झूठ दा परदा क्यों पाउंदे हो ते जाणदे-बुझदे सच्च नूं क्यों छुपाउंदे हो? ते किताब वालियां दा इक्क गिरोह आखदा है, "जो कुझ ईमान वालियां उत्ते उतारिया गिया है उस उत्ते दिन दे शुरू विच ईमान लै आओ, ते उस दे आख़िर विच इनकार कर देओ, शायद ओह वी फिर जाण; ते किसे दी गल्ल ना मन्नो सिवाए उस दे जो तुहाडे दीन दे पिच्छे चल्ले।" ऐ नबी, आख, "असल हिदायत तां अल्लाह दी हिदायत है"—उन्हां नूं डर है कि किसे होर नूं वी उस वरगा दे दित्ता जावे जो तुहानूं दित्ता गिया सी, जां ओह तुहाडे रब्ब दे साहमणे तुहाडे ख़िलाफ़ हुज्जत क़ायम करन। आख, "सारा फ़ज़ल अल्लाह दे हत्थ विच है: ओह जिस नूं चाहुंदा है दिंदा है। ते अल्लाह वड्डी समाई वाला,

सभ कुझ जाणन वाला है; ओह जिस नूं चाहुंदा है अपणी रहमत लई ख़ास कर लैंदा है, ते अल्लाह वड्डे फ़ज़ल दा मालिक है।" (69–74)

किताब वालियां विच कोई अजिहा है कि जे तूं उस दे कोल सोने दा ढेर वी अमानत रक्खें, तां ओह तैनूं वापस कर देवेगा; ते उन्हां विच कोई अजिहा है कि जे तूं उस दे कोल इक्क दीनार वी अमानत रक्खें, तां ओह तैनूं वापस ना करेगा जद तक्क तूं उस दे सिर उत्ते खड़ा मंगदा ना रहें। एह इस लई कि ओह आखदे हन, "अनपढ़ां दे मामले विच साडे उत्ते कोई ज़िम्मेदारी नहीं"—ते ओह जाणदे-बुझदे अल्लाह उत्ते झूठ बोलदे हन। क्यों नहीं! जो कोई अपणा अहद पूरा करे ते अल्लाह तों सुचेत रहे—तां बेशक अल्लाह उन्हां नाल मुहब्बत करदा है जो उस तों सुचेत रहिंदे हन। बेशक जो लोक अल्लाह दे अहद ते अपणियां क़समां नूं थोड़े जिहे मुल्ल उत्ते वेच दिंदे हन उन्हां लई आख़िरत विच कोई हिस्सा नहीं। अल्लाह क़ियामत दे दिन ना उन्हां नाल गल्ल करेगा, ना उन्हां वल्ल वेखेगा, ते ना उन्हां नूं पाक करेगा; ते उन्हां लई दर्दनाक अज़ाब है। ते उन्हां विच इक्क गिरोह अजिहा है जो किताब पढ़दे होए अपणियां ज़बानां नूं मरोड़दा है, तां जो तुसीं उस नूं किताब विचों समझो हालांकि ओह किताब विचों नहीं; ते ओह आखदे हन, "एह अल्लाह वल्लों है," हालांकि ओह अल्लाह वल्लों नहीं—ते ओह जाणदे-बुझदे अल्लाह उत्ते झूठ बोलदे हन। (75–78)

किसे इनसान दा एह कम्म नहीं कि अल्लाह उस नूं किताब, हिकमत ते नबुव्वत देवे ते फिर ओह लोकां नूं आखे, "अल्लाह नूं छड्ड के मेरे बंदे बण जाओ।" बल्कि ओह तां एही आखेगा, "रब्ब वाले बणो, इस लई कि तुसीं किताब सिखाउंदे हो ते इस लई कि तुसीं उस नूं पढ़दे हो।" ते ना ओह तुहानूं एह हुक्म देवेगा कि फ़रिश्तियां ते नबियां नूं रब्ब बणा लओ। की ओह तुहानूं सच्च दे इनकार दा हुक्म देवेगा इस तों बाद कि तुसीं अल्लाह दे फ़रमांबरदार हो चुक्के हो? (79–80)

ते जदों अल्लाह ने नबियां तों अहद लिया: "जो कुझ मैं तुहानूं किताब ते हिकमत विचों दिआं, फिर तुहाडे कोल कोई रसूल आवे जो उस दी तसदीक़ करे जो तुहाडे कोल है, तां तुसीं ज़रूर उस उत्ते ईमान लिआओगे ते ज़रूर उस दी मदद करोगे।" उस ने आखिया, "की तुसीं इक़रार करदे हो, ते इस उत्ते मेरे अहद दी ज़िम्मेदारी चुक्कदे हो?" उन्हां ने आखिया, "असीं इक़रार करदे हां।" उस ने आखिया, "तां गवाह रहो, ते मैं वी तुहाडे नाल गवाहां विचों हां।" फिर जो कोई इस तों बाद मूंह मोड़े—तां ओही लोक नाफ़रमान हन। तां की ओह अल्लाह दे दीन तों सिवा कुझ होर चाहुंदे हन, हालांकि जो कोई असमानां ते धरती विच है सभ ख़ुशी नाल जां मजबूरी नाल उसे दे फ़रमांबरदार हन, ते उसे वल्ल ओह मोड़े जाणगे? (81–83)

आख, "असीं अल्लाह उत्ते ईमान लिआए, ते उस उत्ते जो साडे उत्ते उतारिया गिया, ते उस उत्ते जो इबराहीम, इसमाईल, इसहाक़, याक़ूब ते उस दी औलाद दे क़बीलियां उत्ते उतारिया गिया, ते उस उत्ते जो मूसा, ईसा ते नबियां नूं उन्हां दे रब्ब वल्लों दित्ता गिया। असीं उन्हां विचों किसे दे विचकार फ़रक़ नहीं करदे, ते असीं उसे दे फ़रमांबरदार हां।" ते जो कोई अल्लाह दी फ़रमांबरदारी तों सिवा कोई होर दीन चाहेगा, तां ओह उस तों हरगिज़ क़बूल ना कीता जावेगा, ते आख़िरत विच ओह घाटा खाण वालियां विचों होवेगा। अल्लाह

अजिहे लोकां नूं किवें राह दिखाए जिन्हां ने अपणे ईमान तों बाद सच्च दा इनकार कीता, इस तों बाद कि ओह गवाही दे चुक्के सन कि रसूल सच्चा है ते उन्हां कोल खुल्हियां दलीलां आ चुक्कियां सन? ते अल्लाह ज़ालिम लोकां नूं राह नहीं दिखाउंदा। उन्हां दा बदला एह है कि उन्हां उत्ते अल्लाह दी, फ़रिश्तियां दी ते सारे लोकां दी लानत है, जिस विच ओह सदा रहिणगे। ना उन्हां दा अज़ाब हलका कीता जावेगा, ते ना उन्हां नूं मोहलत दित्ती जावेगी—सिवाए उन्हां दे जिन्हां ने इस तों बाद तौबा कीती ते सुधार कर लिया, तां बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। बेशक जिन्हां ने ईमान लिआउण तों बाद सच्च दा इनकार कीता, फिर इनकार विच वधदे गए—उन्हां दी तौबा हरगिज़ क़बूल ना कीती जावेगी: ते ओही गुमराह हन। बेशक जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता ते इनकार दी हालत विच ही मर गए—उन्हां विचों किसे तों धरती भर सोना वी क़बूल ना कीता जावेगा, भावें ओह उस नूं फ़िदिए विच पेश करे। उन्हां लई दर्दनाक अज़ाब है, ते उन्हां दा कोई मददगार ना होवेगा। तुसीं असल नेकी नूं हरगिज़ नहीं पहुंच सकदे जद तक्क उस विचों ख़र्च ना करो जिस नाल तुसीं मुहब्बत रक्खदे हो; ते तुसीं जो कुझ वी ख़र्च करोगे, अल्लाह उस नूं ख़ूब जाणदा है। (84–92)

खाण दियां सारियां चीज़ां इसराईल दी औलाद लई हलाल सन सिवाए उस दे जो इसराईल ने तौरात उतरन तों पहिलां अपणे उत्ते हराम कर लई सी। आख, "तौरात लिआओ ते उस नूं पढ़ो, जे तुसीं सच्चे हो।" फिर जो कोई इस तों बाद अल्लाह उत्ते झूठ घड़े—तां ओही ज़ालिम हन। आख, "अल्लाह ने सच्च आखिया। सो इबराहीम दे दीन दे पिच्छे चल्लो, जो ख़ालिस ईमान वाला सी; ते ओह अल्लाह नाल शरीक ठहराउण वालियां विचों नहीं सी।" बेशक सभ तों पहिला घर जो लोकां लई बणाइया गिया ओही है जो बक्का विच है, बरकत वाला ते सारे जहानां लई हिदायत। उस विच खुल्हियां निशानियां हन—इबराहीम दे खड़े होण दी थां—ते जो उस विच दाख़िल होइया ओह अमन विच आ गिया। ते लोकां उत्ते अल्लाह दा एह हक़ है कि जो उस घर तक्क पहुंचण दा राह पा सके ओह उस दा हज करे। ते जो इनकार करे—तां अल्लाह सारे जहानां तों बेनियाज़ है। आख, "ऐ किताब वालियो, तुसीं अल्लाह दियां आयतां दा क्यों इनकार करदे हो, जदों कि अल्लाह उस सभ दा गवाह है जो तुसीं करदे हो?" आख, "ऐ किताब वालियो, तुसीं ईमान लिआउण वालियां नूं अल्लाह दे राह तों क्यों रोकदे हो, उस विच टेढ ढूंढदे होए, हालांकि तुसीं आप उस दे सच्च होण दे गवाह हो? ते अल्लाह उस तों बेख़बर नहीं जो तुसीं करदे हो।" (93–99)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, जे तुसीं उन्हां लोकां दे इक्क गिरोह दी गल्ल मन्नोगे जिन्हां नूं किताब दित्ती गई, तां ओह तुहाडे ईमान तों बाद तुहानूं फिर इनकारी बणा देणगे। ते तुसीं सच्च दा इनकार किवें कर सकदे हो, जदों कि तुहानूं अल्लाह दियां आयतां पढ़ के सुणाइयां जांदियां हन ते तुहाडे विच उस दा रसूल मौजूद है? ते जो कोई अल्लाह नूं मज़बूती नाल फड़ लए उस नूं सिद्धे राह दी हिदायत मिल गई। ऐ ईमान लिआउण वालियो, अल्लाह तों उसे तरां सुचेत रहो जिवें उस दा हक़ है, ते तुहानूं मौत ना आवे पर इस हाल विच कि तुसीं उस दे फ़रमांबरदार होवो। ते सारे मिल के अल्लाह दी रस्सी नूं मज़बूती नाल फड़ लओ, ते फुट्ट ना पाओ। ते अपणे उत्ते अल्लाह दी नेमत नूं याद करो: जदों तुसीं इक्क दूजे दे दुश्मण सी तां उस ने तुहाडे दिलां

नूं जोड़ दित्ता, सो तुसीं उस दी मिहरबानी नाल भरा-भरा बण गए; ते तुसीं अग्ग दे इक्क टोए दे कंढे उत्ते सी तां उस ने तुहानूं उस तों बचा लिया। इसे तरां अल्लाह तुहाडे लई अपणियां आयतां खोल्ह के बिआन करदा है, तां जो तुसीं राह पाओ। ते तुहाडे विच इक्क अजिही जमाअत होणी चाहीदी है जो भलाई वल्ल बुलाए, नेकी दा हुक्म देवे ते बुराई तों रोके: ते ओही कामयाब होण वाले हन। ते उन्हां वरगे ना बणो जो खुल्हियां दलीलां आ जाण तों बाद टुकड़े-टुकड़े हो गए ते इख़तिलाफ़ विच पै गए; उन्हां लई वड्डा अज़ाब है उस दिन जदों कुझ चिहरे चिट्टे होणगे ते कुझ चिहरे काले। सो जिन्हां दे चिहरे काले होणगे: "की तुसीं अपणे ईमान तों बाद सच्च दा इनकार कीता? तां हुण अपणे इनकार दे बदले अज़ाब चक्खो।" ते जिन्हां दे चिहरे चिट्टे होणगे, ओह अल्लाह दी रहमत विच होणगे, उस विच ओह सदा रहिणगे। एह अल्लाह दियां आयतां हन जो असीं तैनूं सच्च दे नाल पढ़ के सुणाउंदे हां; ते अल्लाह जहानां उत्ते कोई ज़ुलम नहीं चाहुंदा। ते अल्लाह ही दा है जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है, ते सारे मामले अल्लाह ही वल्ल मोड़े जांदे हन। (100–109)

तुसीं सभ तों बिहतर उम्मत हो जो लोकां लई कड्ढी गई है: तुसीं नेकी दा हुक्म दिंदे हो, बुराई तों रोकदे हो, ते अल्लाह उत्ते ईमान रक्खदे हो। ते जे किताब वाले ईमान लै आउंदे, तां एह उन्हां लई बिहतर हुंदा; उन्हां विचों कुझ ईमान वाले हन, पर उन्हां विचों बहुते नाफ़रमान हन। ओह तुहानूं थोड़ी जिही तकलीफ़ तों सिवा कोई नुक़सान नहीं पहुंचा सकणगे; ते जे ओह तुहाडे नाल लड़नगे तां तुहानूं पिट्ठ दिखा जाणगे, फिर उन्हां दी मदद ना कीती जावेगी। ओह जित्थे वी पाए जाण उन्हां उत्ते ज़िल्लत थोप दित्ती गई है, सिवाए इस दे कि अल्लाह दे अहद ते लोकां दे अहद दा सहारा होवे। ते ओह अल्लाह दा ग़ज़ब लै के मुड़े, ते उन्हां उत्ते मुहताजी थोप दित्ती गई: एह इस लई कि ओह अल्लाह दियां आयतां दा इनकार करदे सन ते नबियां नूं नाहक़ क़तल करदे सन; एह इस लई कि उन्हां ने नाफ़रमानी कीती ते हद्द तों वधदे रहे। ओह सारे इक्को जिहे नहीं: किताब वालियां विच इक्क जमाअत सिद्धे राह उत्ते क़ायम है, जो रात दियां घड़ियां विच अल्लाह दियां आयतां पढ़दे हन, ते सजदे करदे हन। ओह अल्लाह उत्ते ते आख़िरी दिन उत्ते ईमान रक्खदे हन, नेकी दा हुक्म दिंदे हन ते बुराई तों रोकदे हन, ते नेक कम्मां विच छेती करदे हन: ते ओही नेक लोकां विचों हन। ते ओह जो भलाई वी करनगे, उस दी नाक़दरी ना कीती जावेगी; ते अल्लाह उन्हां नूं ख़ूब जाणदा है जो उस तों सुचेत रहिंदे हन। (110–115)

रहे ओह जो सच्च दे इनकारी हन, तां ना उन्हां दे माल ते ना उन्हां दी औलाद अल्लाह दे मुक़ाबले विच उन्हां दे कुझ कम्म आवेगी: ओही अग्ग वाले हन, ते उस विच ओह सदा रहिणगे। जो कुझ ओह इस दुनिया दी ज़िंदगी विच ख़र्च करदे हन उस दी मिसाल उस हवा वरगी है जिस विच कड़ाके दा पाला होवे: ओह उन्हां लोकां दी खेती उत्ते आ पवे जिन्हां ने अपणे आप उत्ते ज़ुलम कीता, ते उस नूं तबाह कर देवे। ते अल्लाह ने उन्हां उत्ते ज़ुलम नहीं कीता; बल्कि ओह आप ही अपणे उत्ते ज़ुलम करदे हन। (116–117)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, अपणियां तों सिवा होरां नूं अपणा राज़दार दोस्त ना बणाओ: ओह तुहाडी तबाही विच कोई कसर नहीं छड्डदे, ते ओह चाहुंदे हन कि तुसीं तकलीफ़ विच पओ। दुश्मणी उन्हां दे मूंहां तों ज़ाहिर

हो चुक्की है, ते जो कुझ उन्हां दे सीने छुपाई बैठे हन ओह इस तों वी वड्डा है। असां ने तुहाडे लई निशानियां खोल्ह के बिआन कर दित्तियां हन, जे तुसीं अक़ल तों कम्म लओ। वेखो, तुसीं ओह लोक हो कि उन्हां नाल मुहब्बत रक्खदे हो हालांकि ओह तुहाडे नाल मुहब्बत नहीं रक्खदे, ते तुसीं पूरी दी पूरी किताब उत्ते ईमान रक्खदे हो। जदों ओह तुहानूं मिलदे हन तां आखदे हन, "असीं ईमान लिआए," ते जदों इकल्ले हुंदे हन तां तुहाडे उत्ते ग़ुस्से दे मारे अपणियां उंगलां दे पोटे चब्बदे हन। आख, "अपणे ग़ुस्से विच मर जाओ!" बेशक अल्लाह दिलां दी गल्ल ख़ूब जाणदा है। जे तुहानूं कोई भलाई पहुंचदी है, तां उन्हां नूं बुरा लग्गदा है; ते जे तुहानूं कोई बुराई पहुंचदी है, तां ओह उस उत्ते ख़ुश हुंदे हन। पर जे तुसीं सब्र करो ते अल्लाह तों सुचेत रहो, तां उन्हां दी चाल तुहानूं कुझ वी नुक़सान ना पहुंचा सकेगी: बेशक जो कुझ ओह करदे हन अल्लाह उस सभ नूं घेरे होए है। (118–120)

ऐ नबी, याद कर जदों तूं सवेरे-सवेरे अपणे घर वालियां कोलों निकलिया तां जो ईमान वालियां नूं लड़ाई लई उन्हां दे मोरचियां उत्ते बिठावें—ते अल्लाह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है—जदों तुहाडे विचों दो गिरोह हिम्मत हारन नूं सन, हालांकि अल्लाह उन्हां दा हिमायती सी; ते ईमान वालियां नूं अल्लाह ही उत्ते भरोसा रक्खणा चाहीदा है। ते अल्लाह बदर विच तुहाडी मदद कर चुक्का सी, जदों तुसीं कमज़ोर ते थोड़े सी; सो अल्लाह तों सुचेत रहो, तां जो तुसीं शुकर करो। जदों तूं ईमान वालियां नूं आख रिहा सी, "की तुहाडे लई एह काफ़ी नहीं कि तुहाडा रब्ब तिन्न हज़ार उतारे होए फ़रिश्तियां नाल तुहाडी मदद करे?" क्यों नहीं—जे तुसीं सब्र करो ते अल्लाह तों सुचेत रहो, ते दुश्मण अचानक तुहाडे उत्ते आ पवे, तां तुहाडा रब्ब पंज हज़ार निशान वाले फ़रिश्तियां नाल तुहाडी मदद करेगा। ते अल्लाह ने एह सिरफ़ तुहाडे लई ख़ुशख़बरी बणाइया, ते इस लई कि इस दे नाल तुहाडे दिलां नूं तसल्ली हो जावे—ते मदद तां सिरफ़ अल्लाह ही वल्लों है, जो ज़बरदस्त, हिकमत वाला है—ते इस लई कि सच्च दे इनकारियां दा इक्क बाज़ू कट्ट देवे, जां उन्हां नूं अजिहा ज़लील करे कि ओह नाकाम हो के मुड़ जाण। इस मामले विच तेरा कोई दख़ल नहीं: भावें ओह उन्हां दी तौबा क़बूल करे जां उन्हां नूं अज़ाब देवे, किउंकि ओह ज़ालिम हन। ते अल्लाह ही दा है जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है: ओह जिस नूं चाहुंदा है बख़्श दिंदा है ते जिस नूं चाहुंदा है अज़ाब दिंदा है। ते अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (121–129)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, दूणा-चौणा वधा के सूद ना खाओ; ते अल्लाह तों सुचेत रहो तां जो तुसीं कामयाब होवो। ते उस अग्ग तों बचो जो सच्च दे इनकारियां लई तिआर कीती गई है, ते अल्लाह ते रसूल दी फ़रमांबरदारी करो, तां जो तुहाडे उत्ते रहम कीता जावे। ते अपणे रब्ब दी बख़शिश वल्ल ते उस जन्नत वल्ल दौड़ो जिस दी चौड़ाई असमानां ते धरती जिन्नी है, जो उन्हां लई तिआर कीती गई है जो अल्लाह तों सुचेत रहिंदे हन—जो ख़ुशहाली ते तंगी विच उस दे राह विच ख़र्च करदे हन, ते ग़ुस्से नूं पी जांदे हन ते लोकां नूं माफ़ कर दिंदे हन; ते अल्लाह नेकी करन वालियां नाल मुहब्बत करदा है—ते जो, जदों कोई बेहयाई दा कम्म कर बैठण जां अपणे आप उत्ते ज़ुलम कर लैण, तां अल्लाह नूं याद करदे हन ते अपणे गुनाहां दी बख़शिश मंगदे हन—ते अल्लाह तों सिवा गुनाहां नूं कौण बख़्शदा है?—ते जो कुझ उन्हां ने कीता उस उत्ते

जाण-बुझ के अड़े नहीं रहिंदे। इन्हां दा बदला उन्हां दे रब्ब वल्लों बख़शिश है, ते अजिहे बाग़ जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, जिन्हां विच ओह सदा रहिणगे। ते मिहनत करन वालियां दा बदला किन्ना चंगा है! (130–136)

तुहाडे तों पहिलां बहुत सारे तौर-तरीक़े गुज़र चुक्के हन; सो धरती विच चल्लो-फिरो ते वेखो कि सच्च नूं झुठलाउण वालियां दा अंजाम की होइया। एह लोकां लई इक्क साफ़ बिआन है, ते अल्लाह तों सुचेत रहण वालियां लई हिदायत ते नसीहत। ते हिम्मत ना हारो ते ग़म ना करो: तुसीं ही ग़ालिब रहोगे, जे तुसीं ईमान वाले हो। जे तुहानूं कोई ज़ख़म लग्गा है, तां दूजे लोकां नूं वी उहो जिहा ज़ख़म लग्ग चुक्का है। ते एह दिन असीं लोकां दे विचकार फेरदे रहिंदे हां, तां जो अल्लाह उन्हां नूं जाण लए जो ईमान लिआए ते तुहाडे विचों कुझ नूं गवाह बणाए—ते अल्लाह ज़ालिमां नूं पसंद नहीं करदा—ते तां जो अल्लाह ईमान वालियां नूं निखार देवे ते सच्च दे इनकारियां नूं मिटा देवे। की तुसीं एह समझ रक्खिया सी कि तुसीं जन्नत विच दाख़िल हो जाओगे, हालांकि अजे अल्लाह ने तुहाडे विचों उन्हां नूं नहीं जाणिया जो सख़्त जद्दोजहिद करदे हन, ते ना उन्हां नूं जाणिया जो सब्र करन वाले हन? ते तुसीं मौत नूं मिलण तों पहिलां उस दी तमन्ना करदे सी: सो हुण तुसीं उस नूं अपणियां अक्खां नाल वेख लिया। (137–143)

मुहम्मद इक्क रसूल तों वध कुझ नहीं; उस तों पहिलां वी रसूल गुज़र चुक्के हन। तां की जे ओह मर जावे जां क़तल कर दित्ता जावे, तां तुसीं उलटे पैरीं फिर जाओगे? ते जो उलटे पैरीं फिर जावेगा ओह अल्लाह दा कुझ वी ना विगाड़ेगा, ते अल्लाह शुकर करन वालियां नूं बदला देवेगा। ते कोई जान अल्लाह दे हुक्म तों बिनां नहीं मर सकदी, लिखे होए मुक़र्रर वक़्त उत्ते। ते जो दुनिया दा बदला चाहेगा, असीं उस नूं उस विचों दिआंगे; ते जो आख़िरत दा बदला चाहेगा, असीं उस नूं उस विचों दिआंगे; ते असीं शुकर करन वालियां नूं बदला दिआंगे। ते किन्ने ही नबी होए हन जिन्हां दे नाल हो के बहुत सारे अल्लाह वालियां ने जंग कीती! सो ना उन्हां ने उस कारन हिम्मत हारी जो उन्हां नूं अल्लाह दे राह विच पहुंचिया, ना ओह कमज़ोर पए, ते ना ओह दबे। ते अल्लाह सब्र करन वालियां नाल मुहब्बत करदा है। ते उन्हां ने बस एही आखिया, "ऐ साडे रब्ब, साडे गुनाह ते साडे कम्मां विच साडियां ज़िआदतियां बख़्श दे; साडे क़दम जमा दे, ते सच्च दा इनकार करन वाली क़ौम दे मुक़ाबले विच साडी मदद कर।" सो अल्लाह ने उन्हां नूं दुनिया दा बदला वी दित्ता ते आख़िरत दा चंगा बदला वी। ते अल्लाह नेकी करन वालियां नाल मुहब्बत करदा है। (144–148)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, जे तुसीं सच्च दे इनकारियां दी गल्ल मन्नोगे, तां ओह तुहानूं उलटे पैरीं फेर देणगे, ते तुसीं घाटा खाण वाले हो जाओगे। नहीं: बल्कि अल्लाह तुहाडा हिमायती है, ते ओह सभ तों बिहतर मददगार है। असीं जलदी ही सच्च दे इनकारियां दे दिलां विच रोब पा दिआंगे, इस लई कि उन्हां ने अल्लाह दे नाल उस नूं शरीक ठहराइया जिस दी उस ने कोई सनद नहीं उतारी। उन्हां दा ठिकाणा अग्ग है—ते ज़ालिमां दा ठिकाणा किन्ना बुरा है! ते अल्लाह ने तुहाडे नाल अपणा वादा सच्चा कर दिखाइया जदों तुसीं उस दे हुक्म नाल उन्हां नूं कट्ट रहे सी—इत्थों तक्क कि तुसीं हिम्मत हार बैठे ते हुक्म बारे झगड़न लग्गे, ते इस तों बाद नाफ़रमानी कीती कि उस ने तुहानूं ओह चीज़ दिखा दित्ती जो तुसीं चाहुंदे सी। तुहाडे विचों कोई

दुनिया चाहुंदा सी, ते कोई आख़िरत चाहुंदा सी। फिर उस ने तुहानूं उन्हां तों फेर दित्ता, तां जो तुहानूं आज़माए; ते हुण उस ने तुहानूं माफ़ कर दित्ता है, ते अल्लाह ईमान वालियां उत्ते फ़ज़ल करन वाला है। याद करो जदों तुसीं पहाड़ी उत्ते चढ़े जा रहे सी, ते किसे वल्ल मुड़ के वी नहीं वेखदे सी, ते रसूल तुहानूं तुहाडे पिच्छों पुकार रिहा सी। सो उस ने तुहानूं ग़म उत्ते ग़म दित्ता, तां जो तुसीं ना उस उत्ते दुखी होवो जो तुहाडे हत्थों निकल गिया ते ना उस उत्ते जो तुहाडे उत्ते आ पिया। ते अल्लाह उस तों पूरी तरां बाख़बर है जो तुसीं करदे हो। फिर ग़म तों बाद उस ने तुहाडे उत्ते अमन-चैन उतारिया—इक्क ऊंघ जो तुहाडे विचों इक्क गिरोह उत्ते छा गई, ते इक्क दूजा गिरोह, जिस नूं बस अपणी ही फ़िकर पई सी, अल्लाह बारे नाहक़ गुमान कर रिहा सी, जाहिलियत दे गुमान, ते आख रिहा सी, "की इस मामले विच साडा वी कोई दख़ल है?" आख, "सारा मामला अल्लाह ही दा है।" ओह अपणे दिलां विच ओह गल्ल छुपाउंदे हन जो तेरे साहमणे ज़ाहिर नहीं करदे। ओह आखदे हन, "जे इस मामले विच साडा कुझ दख़ल हुंदा, तां असीं इत्थे ना मारे जांदे।" आख, "जे तुसीं अपणे घरां विच वी हुंदे, तां जिन्हां दा मारिया जाणा लिखिया जा चुक्का सी ओह आप निकल के उन्हां थावां वल्ल आ जांदे जित्थे उन्हां ने डिग्गणा सी"—ते एह इस लई कि अल्लाह उस नूं आज़माए जो तुहाडे सीनियां विच है ते उस नूं निखार देवे जो तुहाडे दिलां विच है। ते अल्लाह दिलां दी गल्ल ख़ूब जाणदा है। तुहाडे विचों जो लोक उस दिन पिट्ठ फेर गए जिस दिन दोवें फ़ौजां आहमो-साहमणे होइयां—उन्हां नूं शैतान ने ही उन्हां दी किसे कमाई कारन तिलका दित्ता सी; पर अल्लाह ने हुण उन्हां नूं माफ़ कर दित्ता है। बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, बुर्दबार है। (149–155)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, उन्हां वरगे ना बणो जो सच्च दे इनकारी हन ते अपणे भरावां बारे, जदों ओह धरती विच सफ़र करदे हन जां जंग लई निकलदे हन, आखदे हन, "जे ओह साडे कोल रहिंदे, तां ना मरदे ते ना मारे जांदे"—तां जो अल्लाह इस गल्ल नूं उन्हां दे दिलां विच हसरत बणा देवे। ते अल्लाह ही ज़िंदगी दिंदा है ते मौत दिंदा है; ते अल्लाह ओह सभ वेख रिहा है जो तुसीं करदे हो। ते जे तुसीं अल्लाह दे राह विच मारे जाओ, जां मर जाओ, तां अल्लाह वल्लों बख़शिश ते रहमत यक़ीनन उस सभ तों बिहतर है जो ओह जमा करदे हन। ते भावें तुसीं मरो जां मारे जाओ, तुसीं अल्लाह ही दे हज़ूर इकट्ठे कीते जाओगे। (156–158)

ऐ नबी, एह अल्लाह दी रहमत ही सी कि तूं उन्हां लई नरम-दिल रिहा। ते जे तूं तुंद-मिज़ाज ते सख़्त-दिल हुंदा, तां ओह तेरे आले-दुआले तों खिंड जांदे। सो उन्हां नूं माफ़ कर, उन्हां लई बख़शिश मंग, ते कम्म विच उन्हां नाल सलाह-मशवरा कर; फिर जदों तूं पक्का इरादा कर लवें, तां अल्लाह उत्ते भरोसा रक्ख। बेशक अल्लाह उन्हां नाल मुहब्बत करदा है जो उस उत्ते भरोसा रक्खदे हन। जे अल्लाह तुहाडी मदद करे, तां कोई तुहाडे उत्ते ग़ालिब नहीं आ सकदा; ते जे ओह तुहानूं छड्ड देवे, तां उस तों बाद कौण है जो तुहाडी मदद करे? ते ईमान वालियां नूं अल्लाह ही उत्ते भरोसा रक्खणा चाहीदा है। (159–160)

किसे नबी दा एह कम्म नहीं कि ग़नीमत दे माल विच ख़ियानत करे; ते जो कोई ख़ियानत करेगा ओह क़ियामत दे दिन उस चीज़ नूं लै के हाज़र होवेगा जो उस ने लई सी। फिर हर जान नूं उस दी कमाई पूरी-पूरी दित्ती जावेगी, ते उन्हां उत्ते ज़ुलम ना कीता जावेगा। तां की ओह जो अल्लाह दी रज़ा दे पिच्छे चल्लिया

उस वरगा हो सकदा है जो अल्लाह दी नाराज़गी लै के मुड़िया, ते जिस दा ठिकाणा जहन्नम है? ते ओह बहुत बुरा ठिकाणा है! अल्लाह दे नज़दीक उन्हां दे वक्खो-वक्खरे दर्जे हन; ते अल्लाह ओह सभ वेख रिहा है जो ओह करदे हन। (161–163)

बेशक अल्लाह ने ईमान वालियां उत्ते वड्डा अहिसान कीता जदों उन्हां विच उन्हां ही विचों इक्क रसूल उठाइया, जो उन्हां नूं उस दियां आयतां पढ़ के सुणाउंदा है, उन्हां नूं पाक करदा है, ते उन्हां नूं किताब ते हिकमत सिखाउंदा है; हालांकि इस तों पहिलां ओह खुल्ही गुमराही विच सन। ते एह की गल्ल है कि जदों तुहाडे उत्ते इक्क मुसीबत आई, हालांकि तुसीं अपणे दुश्मण उत्ते इस तों दूणी मुसीबत पा चुक्के सी, तां तुसीं आखिया, "एह कित्थों आ गई?" आख, "एह तुहाडे अपणे ही वल्लों है।" बेशक अल्लाह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। ते जो कुझ तुहानूं उस दिन पहुंचिया जिस दिन दोवें फ़ौजां आहमो-साहमणे होइयां ओह अल्लाह दे हुक्म नाल सी, ते इस लई कि ओह ईमान वालियां नूं जाण लए, ते इस लई कि मुनाफ़िक़ां नूं जाण लए, जिन्हां नूं जदों आखिया गिया, "आओ, अल्लाह दे राह विच लड़ो, जां घट्टो-घट्ट अपणा बचाअ ही करो," तां उन्हां ने आखिया, "जे सानूं पता हुंदा कि लड़ाई होवेगी, तां असीं ज़रूर तुहाडे पिच्छे आउंदे।" उस दिन ओह ईमान नालों इनकार दे वध नेड़े सन, अपणे मूंहां नाल ओह आख रहे सन जो उन्हां दे दिलां विच नहीं सी। ते अल्लाह उस नूं ख़ूब जाणदा है जो ओह छुपाउंदे हन। (164–167)

इही हन ओह जिन्हां ने, आप घर बैठे रह के, अपणे भरावां बारे आखिया, "जे ओह साडी गल्ल मन्न लैंदे तां ना मारे जांदे।" आख, "तां अपणे आप तों मौत नूं टाल दिखाओ, जे तुसीं सच्चे हो।" ते जो अल्लाह दे राह विच मारे गए उन्हां नूं मुर्दा ना समझ: नहीं, बल्कि ओह ज़िंदा हन, अपणे रब्ब दे हज़ूर रोज़ी पा रहे हन, उस उत्ते ख़ुश हन जो अल्लाह ने उन्हां नूं अपणे फ़ज़ल विचों दित्ता है, ते उन्हां बारे वी ख़ुश हन जो अजे उन्हां नाल नहीं मिले ते पिच्छे रह गए हन, कि ना उन्हां नूं कोई डर होवेगा, ते ना ओह ग़मगीन होणगे—ओह अल्लाह दी नेमत ते फ़ज़ल उत्ते ख़ुश हन, ते इस उत्ते कि अल्लाह ईमान वालियां दा अजर अजाईं नहीं जाण दिंदा। जिन्हां ने ज़ख़म खाण तों बाद वी अल्लाह ते रसूल दी पुकार दा जवाब दित्ता—उन्हां विचों जिन्हां ने नेकी कीती ते अल्लाह तों सुचेत रहे उन्हां लई वड्डा अजर है—ओह जिन्हां नूं लोकां ने आखिया, "लोकां ने तुहाडे ख़िलाफ़ वड्डी फ़ौज इकट्ठी कीती है, सो उन्हां तों डरो," तां इस ने उन्हां दा ईमान होर वधा दित्ता, ते उन्हां ने आखिया, "सानूं अल्लाह काफ़ी है: ते ओह किन्ना चंगा कारसाज़ है।" सो ओह अल्लाह दी नेमत ते फ़ज़ल दे नाल मुड़े; उन्हां नूं कोई तकलीफ़ ना पहुंची, ते ओह अल्लाह दी रज़ा दे पिच्छे चल्ले। ते अल्लाह वड्डे फ़ज़ल दा मालिक है। एह तां शैतान ही है जो तुहानूं अपणे दोस्तां तों डराउंदा है; सो उन्हां तों ना डरो, बल्कि मैथों डरो, जे तुसीं ईमान वाले हो। (168–175)

ते ओह लोक तैनूं ग़मगीन ना करन जो इनकार विच दौड़-दौड़ के जांदे हन: ओह अल्लाह दा कुझ वी ना विगाड़ सकणगे। अल्लाह चाहुंदा है कि आख़िरत विच उन्हां दा कोई हिस्सा ना रक्खे; ते उन्हां लई वड्डा अज़ाब है। बेशक जिन्हां ने ईमान दे बदले इनकार ख़रीदिया ओह अल्लाह दा कुझ वी ना विगाड़ सकणगे; ते उन्हां लई दर्दनाक अज़ाब है। ते सच्च दे इनकारी एह ना समझण कि असीं जो उन्हां नूं ढिल्ल दे रहे हां

ओह उन्हां लई बिहतर है: असीं तां उन्हां नूं सिरफ़ इस लई ढिल्ल दे रहे हां कि ओह गुनाह विच होर वध जाण। ते उन्हां लई ज़लील करन वाला अज़ाब है। अल्लाह अजिहा नहीं कि ईमान वालियां नूं उस हाल उत्ते छड्डी रक्खे जिस उत्ते तुसीं हो, जद तक्क ओह नापाक नूं पाक तों वक्ख ना कर देवे; ते ना अल्लाह अजिहा है कि तुहानूं ग़ैब दी ख़बर देवे। पर अल्लाह अपणे रसूलां विचों जिस नूं चाहुंदा है इस लई चुण लैंदा है। सो अल्लाह ते उस दे रसूलां उत्ते ईमान लिआओ: ते जे तुसीं ईमान लिआओ ते अल्लाह तों सुचेत रहो, तां तुहाडे लई वड्डा अजर है। ते जो लोक उस विच कंजूसी करदे हन जो अल्लाह ने उन्हां नूं अपणे फ़ज़ल विचों दित्ता है ओह एह ना समझण कि एह उन्हां लई बिहतर है; नहीं, बल्कि एह उन्हां लई बुरा है। जिस चीज़ विच उन्हां ने कंजूसी कीती ओह क़ियामत दे दिन उन्हां दे गलां दा तौक़ बणा दित्ती जावेगी। ते असमानां ते धरती दी मीरास अल्लाह ही दी है; ते अल्लाह उस तों पूरी तरां बाख़बर है जो तुसीं करदे हो। (176–180)

बेशक अल्लाह ने उन्हां लोकां दी गल्ल सुण लई जिन्हां ने आखिया, "अल्लाह ग़रीब है ते असीं अमीर हां।" असीं लिख रक्खांगे जो कुझ उन्हां ने आखिया, ते उन्हां दा नबियां नूं नाहक़ क़तल करना वी, ते असीं आखांगे, "हुण साड़ देण वाली अग्ग दा अज़ाब चक्खो! एह उस दा बदला है जो तुहाडे अपणे हत्थां ने अग्गे भेजिया—ते अल्लाह अपणे बंदियां उत्ते कदे ज़ुलम करन वाला नहीं।" इही हन जो आखदे हन, "अल्लाह ने साथों अहद लिया है कि असीं किसे रसूल उत्ते ईमान ना लिआईए जद तक्क ओह साडे कोल अजिही क़ुरबानी ना लै आवे जिस नूं अग्ग खा जावे।" आख, "मैथों पहिलां तुहाडे कोल रसूल खुल्हियां दलीलां लै के आए, ते ओह चीज़ वी लै के जिस दा तुसीं ज़िकर करदे हो; फिर तुसीं उन्हां नूं क्यों क़तल कीता, जे तुसीं सच्चे हो?" सो ऐ नबी, जे ओह तैनूं झुठलाउंदे हन, तां तैथों पहिलां वी रसूल झुठलाए जा चुक्के हन, जो खुल्हियां दलीलां, सहीफ़े ते रौशन करन वाली किताब लै के आए सन। हर जान ने मौत दा सुआद चक्खणा है, ते तुहानूं तुहाडे बदले पूरे-पूरे क़ियामत दे दिन ही दित्ते जाणगे। सो जो कोई अग्ग तों दूर हटा लिया गिया ते जन्नत विच दाख़िल कर दित्ता गिया ओह सच्चमुच कामयाब हो गिया; ते दुनिया दी ज़िंदगी धोखे दे सामान तों सिवा कुझ नहीं। तुसीं अपणे मालां ते अपणियां जानां विच ज़रूर आज़माए जाओगे, ते तुसीं उन्हां तों जिन्हां नूं तुहाथों पहिलां किताब दित्ती गई ते उन्हां तों जो अल्लाह नाल शरीक ठहराउंदे हन ज़रूर बहुत सारियां दुक्ख देण वालियां गल्लां सुणोगे। पर जे तुसीं सब्र करो ते अल्लाह तों सुचेत रहो, तां एह यक़ीनन पक्के इरादे दे कम्मां विचों है। (181–186)

ते जदों अल्लाह ने उन्हां तों अहद लिया जिन्हां नूं किताब दित्ती गई सी: "तुसीं इस नूं लोकां दे साहमणे ज़रूर खोल्ह के बिआन करोगे ते इस नूं छुपाओगे नहीं।" पर उन्हां ने इस नूं अपणी पिट्ठ पिच्छे सुट्ट दित्ता ते इस दे बदले थोड़ा जिहा मुल्ल लै लिया—सो किन्नी बुरी है ओह चीज़ जो उन्हां ने ख़रीदी! तूं एह ना समझ कि जो लोक अपणे कीते उत्ते इतराउंदे हन, ते चाहुंदे हन कि उन्हां दी उन्हां कम्मां उत्ते तारीफ़ कीती जावे जो उन्हां ने नहीं कीते—तूं एह ना समझ कि ओह अज़ाब तों बचे होए हन: ते उन्हां लई दर्दनाक अज़ाब है। (187–188)

ते असमानां ते धरती दी बादशाही अल्लाह ही दी है; ते अल्लाह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। बेशक असमानां ते धरती दी पैदाइश विच, ते रात ते दिन दे वारो-वारी आउण विच, अक़ल वालियां लई निशानियां

हन—उन्हां लई जो खड़े, बैठे ते अपणे पासियां उत्ते लेटे होए अल्लाह नूं याद करदे हन, ते असमानां ते धरती दी पैदाइश उत्ते ग़ौर करदे हन: "ऐ साडे रब्ब, तूं एह सभ बेमक़सद पैदा नहीं कीता। तूं पाक है! सो सानूं अग्ग दे अज़ाब तों बचा लै।" "ऐ साडे रब्ब, जिस नूं तूं अग्ग विच दाख़िल कीता उस नूं तूं यक़ीनन रुसवा कर दित्ता; ते ज़ालिमां दा कोई मददगार ना होवेगा। ऐ साडे रब्ब, असां ने इक्क पुकारन वाले नूं सुणिया जो ईमान वल्ल बुला रिहा सी, 'अपणे रब्ब उत्ते ईमान लिआओ,' सो असीं ईमान लै आए। ऐ साडे रब्ब, साडे गुनाह बख़्श दे, साडियां बुराइयां साथों दूर कर दे, ते सानूं नेक लोकां दे नाल मौत दे। ऐ साडे रब्ब, सानूं ओह दे जिस दा तूं अपणे रसूलां दे ज़रीए साडे नाल वादा कीता है, ते सानूं क़ियामत दे दिन रुसवा ना करीं: बेशक तूं अपणे वादे दे ख़िलाफ़ नहीं करदा।" सो उन्हां दे रब्ब ने उन्हां दी दुआ क़बूल कर लई: "मैं तुहाडे विचों किसे अमल करन वाले दा अमल अजाईं ना जाण दिआंगा, मरद होवे जां औरत—तुसीं इक्क दूजे विचों हो। सो जिन्हां ने हिजरत कीती ते अपणे घरां तों कड्ढे गए, ते मेरे राह विच सताए गए, ते लड़े ते मारे गए—मैं ज़रूर उन्हां दियां बुराइयां उन्हां तों दूर कर दिआंगा ते उन्हां नूं अजिहे बाग़ां विच दाख़िल करांगा जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन: एह अल्लाह वल्लों बदला है, ते सभ तों चंगा बदला अल्लाह ही दे कोल है।" (189–195)

ऐ नबी, सच्च दे इनकारियां दा मुल्कां विच चल्लणा-फिरना तैनूं धोखे विच ना पावे: एह थोड़ा जिहा फ़ायदा है, फिर उन्हां दा ठिकाणा जहन्नम है—ते ओह बहुत बुरा ठिकाणा है! पर जो अपणे रब्ब तों सुचेत रहे उन्हां लई अजिहे बाग़ हन जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, जिन्हां विच ओह सदा रहिणगे: एह अल्लाह वल्लों मिहमानी है; ते जो कुझ अल्लाह दे कोल है ओह नेक लोकां लई सभ तों बिहतर है। (196–198)

ते किताब वालियां विच यक़ीनन कुझ अजिहे वी हन जो अल्लाह उत्ते ईमान रक्खदे हन, ते उस उत्ते जो तुहाडे वल्ल उतारिया गिया, ते उस उत्ते जो उन्हां वल्ल उतारिया गिया, अल्लाह दे अग्गे आजिज़ी करदे होए: ओह अल्लाह दियां आयतां नूं थोड़े जिहे मुल्ल उत्ते नहीं वेचदे। इन्हां दा बदला इन्हां दे रब्ब कोल है; बेशक अल्लाह छेती हिसाब लैण वाला है। ऐ ईमान लिआउण वालियो, सब्र करो, सब्र विच दूजियां तों वध जाओ, डटे रहो, ते अल्लाह तों सुचेत रहो, तां जो तुसीं कामयाब होवो। (199–200)

4. औरतां (अन-निसा)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

ऐ लोको, अपणे रब्ब तों सुचेत रहो, जिस ने तुहानूं इक्क जान तों पैदा कीता, ते उसे तों उस दा जोड़ा पैदा कीता, ते उन्हां दोहां तों बहुत सारे मरद ते औरतां फैला दित्ते। ते अल्लाह तों सुचेत रहो, जिस दे नाम उत्ते तुसीं इक्क दूजे तों मंगदे हो, ते रिश्तेदारियां दा ख़ियाल रक्खो: बेशक अल्लाह तुहाडे उत्ते निगरान है।[5] (1)

ते यतीमां नूं उन्हां दा माल दे देओ; ते माड़े नूं चंगे नाल ना बदलो, ते उन्हां दा माल अपणे माल नाल रला के ना खाओ—बेशक एह वड्डा गुनाह है। ते जे तुहानूं डर होवे कि तुसीं यतीम लड़कियां बारे इनसाफ़ ना कर सकोगे, तां होर औरतां विचों जो तुहानूं चंगियां लग्गण उन्हां नाल निकाह कर लओ, दो-दो, तिन्न-तिन्न, जां चार-चार; पर जे तुहानूं डर होवे कि तुसीं उन्हां दे विचकार इनसाफ़ ना कर सकोगे, तां इक्को ही, जां बांदियां। एह इस दे वध नेड़े है कि तुसीं बेइनसाफ़ी तों बचे रहो। ते औरतां नूं उन्हां दे महर ख़ुशी नाल देओ; फिर जे ओह अपणी ख़ुशी नाल उस विचों कुझ तुहानूं छड्ड देण, तां उस नूं मज़े नाल खाओ। (2–4)

ते बेसमझां नूं अपणा ओह माल ना देओ जिस नूं अल्लाह ने तुहाडे लई गुज़ारे दा ज़रीआ बणाइया है; पर उस विचों उन्हां नूं खुआओ, पहिनाओ, ते उन्हां नाल भली गल्ल आखो। ते यतीमां नूं परखदे रहो इत्थों तक्क कि ओह निकाह दी उमर नूं पहुंच जाण; फिर जे तुसीं उन्हां विच समझदारी वेखो, तां उन्हां दा माल उन्हां दे हवाले कर देओ। ते उस नूं फ़ज़ूलख़र्ची नाल ते काहली विच ना खा जाओ, इस डर नाल कि ओह वड्डे हो जाणगे। ते जो सरपरस्त अमीर होवे ओह उस विचों लैण तों बचे, ते जो ग़रीब होवे ओह भले तरीक़े नाल खा सकदा है। फिर जदों तुसीं उन्हां दा माल उन्हां दे हवाले करो, तां उन्हां दे साहमणे गवाह बणा लओ—ते हिसाब लैण लई अल्लाह ही काफ़ी है। (5–6)

मरदां लई उस विचों हिस्सा है जो मां-पिओ ते नेड़े दे रिश्तेदार छड्ड जाण, ते औरतां लई वी उस विचों हिस्सा है जो मां-पिओ ते नेड़े दे रिश्तेदार छड्ड जाण, भावें ओह थोड़ा होवे जां बहुता: मुक़र्रर कीता होइया हिस्सा। ते जदों वंड दे वेले होर रिश्तेदार, यतीम ते मुहताज मौजूद होण, तां उन्हां नूं वी उस विचों कुझ देओ ते उन्हां नाल भली गल्ल आखो। ते उन्हां लोकां नूं डरना चाहीदा है जो जे अपणे पिच्छे कमज़ोर औलाद छड्ड जांदे तां उन्हां बारे डरदे: सो उन्हां नूं चाहीदा है कि अल्लाह तों सुचेत रहण ते सिद्धी गल्ल आखण। बेशक जो लोक यतीमां दा माल ज़ुलम नाल खांदे हन ओह अपणे पेटां विच अग्ग ही भरदे हन; ते ओह जलदी ही भड़कदी अग्ग विच सड़नगे। (7–10)

---

[5] एह क़ुरआन दी इक्क बुनियादी आयत है जो निकाह, यानी मुसलिम विआह, दे वेले सदा पढ़ी जांदी है। इस आयत विच रहिनुमाई हेठ होए इरतिक़ा (गाइडेड इवोल्यूशन) वल्ल इक्क बारीक पर बड़ा असरदार इशारा है। बाइबिल दे इस दावे दे उलट कि हव्वा आदम दी पसली तों बणी, क़ुरआन आखदा है कि पहिला जोड़ा इक्क मादा तों निकलिया, जो उस वेले वल्ल इशारा है जदों शुरू दे इरतिक़ा विच पहिली वारी जिनसी पैदाइश साहमणे आई।

अल्लाह तुहानूं तुहाडी औलाद बारे हुक्म दिंदा है: लड़के दा हिस्सा दो लड़कियां दे बराबर है। फिर जे सिरफ़ लड़कियां ही होण, दो जां वध, तां उन्हां लई उस दा दो-तिहाई है जो मरन वाला छड्डे; ते जे इक्को ही होवे, तां उस लई अद्धा है। ते मरन वाले दे मां-पिओ विचों हर इक्क लई उस दे छड्डे होए दा छेवां हिस्सा है जे उस दी औलाद होवे; ते जे उस दी औलाद ना होवे ते उस दे मां-पिओ ही उस दे वारिस होण, तां उस दी मां लई तिहाई है; ते जे उस दे भैण-भरा होण, तां उस दी मां लई छेवां हिस्सा है—उस वसीयत तों बाद जो ओह कर गिया होवे, जां क़र्ज़े तों बाद। तुहाडे मां-पिओ ते तुहाडे पुत्तर—तुसीं नहीं जाणदे कि उन्हां विचों कौण नफ़े विच तुहाडे वध नेड़े है। एह अल्लाह वल्लों मुक़र्रर कीता होइया है; बेशक अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। ते तुहाडे लई उस दा अद्धा है जो तुहाडियां पतनियां छड्डु जाण जे उन्हां दी औलाद ना होवे; ते जे उन्हां दी औलाद होवे, तां तुहाडे लई उन्हां दे छड्डे होए दा चौथाई है—उस वसीयत तों बाद जो ओह कर गइयां होण, जां क़र्ज़े तों बाद। ते उन्हां लई उस दा चौथाई है जो तुसीं छड्डु जाओ जे तुहाडी औलाद ना होवे; ते जे तुहाडी औलाद होवे, तां उन्हां लई तुहाडे छड्डे होए दा अठवां हिस्सा है—उस वसीयत तों बाद जो तुसीं कर जाओ, जां क़र्ज़े तों बाद। ते जे कोई मरद जां औरत अजिही होवे जिस दा ना कोई मां-पिओ होवे ना औलाद, पर उस दा इक्क भरा जां इक्क भैण होवे, तां दोहां विचों हर इक्क लई छेवां हिस्सा है; ते जे ओह इस तों वध होण, तां ओह इक्क तिहाई विच शरीक हन—उस वसीयत तों बाद जो कीती गई होवे, जां क़र्ज़े तों बाद, बिनां किसे नूं नुक़सान पहुंचाए। एह अल्लाह वल्लों हुक्म है; ते अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, बुर्दबार है। एह अल्लाह दियां हद्दां हन। ते जो कोई अल्लाह ते उस दे रसूल दी फ़रमांबरदारी करेगा, ओह उस नूं अजिहे बाग़ां विच दाख़िल करेगा जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, जिन्हां विच ओह सदा रहिणगे; ते एही वड्डी कामयाबी है। ते जो कोई अल्लाह ते उस दे रसूल दी नाफ़रमानी करेगा ते उस दियां हद्दां तों अग्गे वधेगा, ओह उस नूं अग्ग विच दाख़िल करेगा, जिस विच ओह सदा रहेगा; ते उस लई ज़लील करन वाला अज़ाब है। (11–14)

ते तुहाडियां औरतां विचों जो बेहयाई दा कम्म करन, उन्हां उत्ते अपणे विचों चार गवाह लिआओ; फिर जे ओह गवाही दे देण, तां उन्हां नूं घरां विच बंद रक्खो इत्थों तक्क कि मौत उन्हां नूं लै जावे जां अल्लाह उन्हां लई कोई राह कड्ढ देवे। ते तुहाडे विचों जो दो एह कम्म करन, उन्हां दोहां नूं सज़ा देओ; फिर जे ओह तौबा कर लैण ते अपणा सुधार कर लैण, तां उन्हां नूं छड्डु देओ। बेशक अल्लाह बड़ा तौबा क़बूल करन वाला, सदा रहम करन वाला है। अल्लाह उन्हां ही दी तौबा क़बूल करदा है जो नादानी नाल बुराई कर बैठदे हन ते फिर जलदी ही तौबा कर लैंदे हन; अजिहियां दी तौबा अल्लाह क़बूल करदा है। ते अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। पर उन्हां दी तौबा क़बूल नहीं जो बुराइयां करदे रहिंदे हन इत्थों तक्क कि जदों उन्हां विचों किसे दे साहमणे मौत आ खड़ी हुंदी है, तां आखदा है, "हुण मैं तौबा कीती," ते ना उन्हां दी जो सच्च दा इनकार करदे होए मर जांदे हन: उन्हां लई असां ने दर्दनाक अज़ाब तिआर कर रक्खिया है। (15–18)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, तुहाडे लई जायज़ नहीं कि तुसीं ज़बरदस्ती औरतां दे वारिस बण जाओ; ते ना उन्हां नूं इस लई तंग करो कि जो कुझ तुसीं उन्हां नूं दित्ता है उस दा कुझ हिस्सा वापस लै लओ, सिवाए इस

दे कि ओह खुल्ही बेहयाई करन। ते उन्हां दे नाल भले तरीक़े नाल रहो; फिर जे ओह तुहानूं नापसंद होण, तां हो सकदा है कि तुसीं किसे चीज़ नूं नापसंद करो ते अल्लाह ने उस विच बहुत भलाई रक्खी होवे। ते जे तुसीं इक्क पतनी दी थां दूजी पतनी लिआउणा चाहो, ते तुसीं उन्हां विचों किसे नूं ढेर सारा माल दे चुक्के होवो, तां उस विचों कुझ वी वापस ना लओ। की तुसीं उस नूं बुहतान ला के ते खुल्हे गुनाह नाल लओगे? ते तुसीं उस नूं किवें लओगे, जदों कि तुसीं इक्क दूजे कोल जा चुक्के हो ते ओह तुहाथों पक्का अहद लै चुक्कियां हन? (19–21)

ते उन्हां औरतां नाल निकाह ना करो जिन्हां नाल तुहाडे पिओ निकाह कर चुक्के होण—सिवाए उस दे जो पहिलां हो चुक्का: बेशक एह बेहयाई सी, नफ़रत दी गल्ल, ते बुरा राह। तुहाडे उत्ते हराम कीतियां गइयां हन तुहाडियां मावां, तुहाडियां धीआं, तुहाडियां भैणां, तुहाडियां भूआं, तुहाडियां मासियां, भरा दियां धीआं, भैण दियां धीआं, तुहाडियां ओह मावां जिन्हां ने तुहानूं दुद्ध पिआइया, तुहाडियां दुद्ध-शरीक भैणां, तुहाडियां पतनियां दियां मावां, ते तुहाडियां ओह मतरेइयां धीआं जो तुहाडी परवरिश विच हन ते तुहाडियां उन्हां पतनियां तों हन जिन्हां नाल तुसीं हम-बिस्तर हो चुक्के हो—पर जे तुसीं उन्हां नाल हम-बिस्तर नहीं होए तां तुहाडे उत्ते कोई गुनाह नहीं—ते तुहाडे उन्हां पुत्तरां दियां पतनियां जो तुहाडी पिट्ठ तों हन; ते एह वी कि तुसीं दो भैणां नूं इकट्ठा करो, सिवाए उस दे जो पहिलां हो चुक्का। बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। ते विआहियां होइयां औरतां वी हराम हन, सिवाए उन्हां दे जो तुहाडियां बांदियां होण: एह तुहाडे उत्ते अल्लाह दा लिखिया होइया हुक्म है। ते इन्हां तों सिवा बाक़ी सारियां तुहाडे लई हलाल हन, शर्त एह कि तुसीं अपणे मालां दे ज़रीए उन्हां नूं पाक निकाह विच लिआउणा चाहो, ना कि बदकारी लई। फिर जो फ़ायदा तुसीं उन्हां तों उठाइया, उस दे बदले उन्हां नूं उन्हां दा हक़ फ़र्ज़ समझ के अदा करो; ते फ़र्ज़ मुक़र्रर हो जाण तों बाद जिस गल्ल उत्ते तुसीं आपस विच राज़ी हो जाओ उस विच तुहाडे उत्ते कोई गुनाह नहीं। बेशक अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। (22–24)

ते तुहाडे विचों जो कोई आज़ाद ईमान वालियां औरतां नाल निकाह करन दी वुसअत ना रक्खदा होवे, ओह ईमान वालियां बांदियां विचों निकाह कर लए। ते अल्लाह तुहाडे ईमान नूं ख़ूब जाणदा है: तुसीं इक्क दूजे विचों हो। सो उन्हां दे मालिकां दी इजाज़त नाल उन्हां नाल निकाह करो, ते भले तरीक़े नाल उन्हां नूं उन्हां दे महर देओ, इस हाल विच कि ओह पाकदामन होण, ना खुल्ही बदकारी करन वालियां ते ना चोरी-छुपे यार बणाउण वालियां। फिर जदों ओह निकाह विच आ जाण, ते फिर बेहयाई दा कम्म करन, तां उन्हां उत्ते उस सज़ा दा अद्धा है जो आज़ाद औरतां लई मुक़र्रर है। एह उस लई है जो तुहाडे विचों गुनाह विच पै जाण तों डरदा होवे; ते सब्र करना तुहाडे लई बिहतर है। ते अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। अल्लाह चाहुंदा है कि तुहाडे लई गल्लां खोल्ह के बिआन करे, ते तुहानूं उन्हां लोकां दे तरीक़े दस्से जो तुहाथों पहिलां होए हन, ते तुहाडी तौबा क़बूल करे: ते अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। ते अल्लाह चाहुंदा है कि तुहाडी तौबा क़बूल करे, पर जो लोक अपणियां ख़ाहिशां दे पिच्छे चल्लदे हन ओह चाहुंदे हन

कि तुसीं राह तों बहुत दूर हट जाओ। अल्लाह चाहुंदा है कि तुहाडा बोझ हलका करे, किउंकि इनसान कमज़ोर पैदा कीता गिया है। (25–28)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, आपस विच इक्क दूजे दा माल नाहक़ ना खाओ, सिवाए इस दे कि आपस दी रज़ामंदी नाल वपार होवे; ते इक्क दूजे नूं क़तल ना करो। बेशक अल्लाह तुहाडे उत्ते सदा रहम करन वाला है। ते जो कोई ज़िआदती ते ज़ुलम नाल अजिहा करेगा, उस नूं असीं अग्ग विच सुट्टांगे; ते एह अल्लाह लई आसान है। जे तुसीं उन्हां वड्डे गुनाहां तों बचदे रहो जिन्हां तों तुहानूं रोकिया गिया है, तां असीं तुहाडियां छोटियां बुराइयां तुहाथों दूर कर दिआंगे ते तुहानूं इज़्ज़त दे दरवाज़े थाणीं दाख़िल करांगे। ते उस चीज़ दी लालसा ना करो जिस दे नाल अल्लाह ने तुहाडे विचों कुझ नूं कुझ उत्ते वडिआई दित्ती है: मरदां लई उस विचों हिस्सा है जो उन्हां ने कमाइया, ते औरतां लई उस विचों हिस्सा है जो उन्हां ने कमाइया। ते अल्लाह तों उस दा फ़ज़ल मंगो; बेशक अल्लाह हर चीज़ दा पूरा इल्म रक्खदा है। ते हर इक्क लई असां ने उस माल दे वारिस मुक़र्रर कर दित्ते हन जो मां-पिओ ते नेड़े दे रिश्तेदार छड्ड जाण; ते जिन्हां नाल तुसीं क़समां खा के अहद कीता है, उन्हां नूं उन्हां दा हिस्सा देओ। बेशक अल्लाह हर चीज़ उत्ते गवाह है। (29–33)

मरद औरतां दे निगरान ते ज़िम्मेदार हन, इस लई कि अल्लाह ने इक्क नूं दूजे तों वध दित्ता है, ते इस लई कि ओह अपणे माल ख़र्च करदे हन। सो नेक औरतां फ़रमांबरदार हुंदियां हन, पतियां दी ग़ैर-हाज़री विच उस दी हिफ़ाज़त करदियां हन जिस दी हिफ़ाज़त अल्लाह ने कराई है। ते जिन्हां औरतां तों तुहानूं सरकशी दा डर होवे, उन्हां नूं समझाओ, फिर बिस्तरियां विच उन्हां नूं इकल्ला छड्ड देओ, फिर उन्हां तों वक्ख हो जाओ; फिर जे ओह तुहाडी गल्ल मन्न लैण, तां उन्हां दे ख़िलाफ़ कोई राह ना ढूंढो। बेशक अल्लाह सभ तों उच्चा, सभ तों वड्डा है। ते जे तुहानूं उन्हां दोहां दे विचकार फुट्ट पै जाण दा डर होवे, तां इक्क पंच मरद दे घर वालियां विचों ते इक्क पंच औरत दे घर वालियां विचों मुक़र्रर करो; जे ओह दोवें सुलह चाहुणगे, तां अल्लाह उन्हां दे विचकार मेल करा देवेगा। बेशक अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, पूरी ख़बर रक्खण वाला है। (34–35)

ते अल्लाह दी इबादत करो, ते उस दे नाल किसे चीज़ नूं शरीक ना ठहराओ। ते मां-पिओ नाल चंगा सलूक करो, ते रिश्तेदारां, यतीमां, मुहताजां, नेड़े दे गुआंढी ते ओपरे गुआंढी, पासे दे साथी, मुसाफ़िर, ते अपणे ग़ुलामां नाल वी। बेशक अल्लाह आकड़न वालियां ते शेख़ी मारन वालियां नूं पसंद नहीं करदा—उन्हां नूं जो आप कंजूसी करदे हन ते होरां नूं वी कंजूसी दा हुक्म दिंदे हन, ते उस नूं छुपाउंदे हन जो अल्लाह ने उन्हां नूं अपणे फ़ज़ल विचों दित्ता है। ते सच्च दे इनकारियां लई असां ने ज़लील करन वाला अज़ाब तिआर कर रक्खिया है—ते उन्हां नूं वी जो अपणा माल लोकां नूं दिखाउण लई ख़र्च करदे हन, ते ना अल्लाह उत्ते ईमान रक्खदे हन ना आख़िरी दिन उत्ते। ते जिस दा साथी शैतान होवे—तां ओह किन्ना बुरा साथी है! ते उन्हां दा की विगड़ जांदा जे ओह अल्लाह उत्ते ते आख़िरी दिन उत्ते ईमान लै आउंदे, ते जो कुझ अल्लाह ने उन्हां नूं दित्ता है उस विचों ख़र्च करदे? ते अल्लाह उन्हां नूं ख़ूब जाणदा है। बेशक अल्लाह किसे उत्ते ज़र्रे बराबर वी ज़ुलम नहीं करदा; ते जे कोई नेकी होवे, तां ओह उस नूं कई गुणा वधा दिंदा है ते अपणे कोलों वड्डा अजर दिंदा है। फिर की हाल होवेगा जदों असीं हर उम्मत विचों इक्क गवाह लिआवांगे, ते ऐ नबी, तैनूं इन्हां लोकां उत्ते

गवाह बणा के लिआवांगे? उस दिन ओह जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता ते रसूल दी नाफ़रमानी कीती चाहुणगे कि काश धरती उन्हां उत्ते बराबर कर दित्ती जावे; ते ओह अल्लाह तों कोई गल्ल छुपा ना सकणगे। (36–42)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, नशे दी हालत विच नमाज़ दे नेड़े ना जाओ, जद तक्क तुसीं जाण ना लओ कि की आख रहे हो; ते ना नापाकी दी हालत विच—सिवाए इस दे कि राह लंघ रहे होवो—जद तक्क ग़ुसल ना कर लओ। ते जे तुसीं बीमार होवो जां सफ़र उत्ते, जां तुहाडे विचों कोई हाजत तों फ़ारिग़ हो के आइया होवे, जां तुसीं औरतां नूं छूहिया होवे, ते तुहानूं पाणी ना मिले, तां पाक मिट्टी लओ ते उस दे नाल अपणे चिहरियां ते हत्थां उत्ते मसह कर लओ। बेशक अल्लाह बड़ा माफ़ करन वाला, बड़ा बख़्शाण वाला है। (43)

की तूं उन्हां उत्ते ग़ौर नहीं कीता जिन्हां नूं किताब दा इक्क हिस्सा दित्ता गिया? ओह गुमराही ख़रीददे हन, ते चाहुंदे हन कि तुसीं वी राह तों भटक जाओ। ते अल्लाह तुहाडे दुश्मणां नूं ख़ूब जाणदा है; ते हिमायती वजों अल्लाह ही काफ़ी है, ते मददगार वजों अल्लाह ही काफ़ी है। यहूदियां विच कुझ अजिहे हन जो लफ़ज़ां नूं उन्हां दी थां तों फेर दिंदे हन ते आखदे हन, "असां ने सुणिया ते असां ने नाफ़रमानी कीती," ते "सुण, तैनूं सुणाइया ना जावे," ते "राइना"—अपणियां ज़बानां नूं मरोड़ के ते दीन उत्ते चोट करदे होए। ते जे ओह आखदे, "असां ने सुणिया ते मन्न लिया," ते "सुण," ते "उनज़ुरना," तां एह उन्हां लई बिहतर ते वध दरुस्त हुंदा; पर अल्लाह ने उन्हां दे इनकार कारन उन्हां उत्ते लानत कीती है, सो ओह थोड़ा ही ईमान लिआउंदे हन। (44–46)

ऐ ओह लोको जिन्हां नूं किताब दित्ती गई, उस उत्ते ईमान लिआओ जो असां ने उतारिया है, जो उस दी तसदीक़ करदा है जो तुहाडे कोल पहिलां तों है, इस तों पहिलां कि असीं चिहरियां नूं मिटा के उन्हां नूं पिट्ठ वल्ल फेर देईए, जां उन्हां उत्ते उसे तरां लानत करीए जिवें असां ने सबत वालियां उत्ते लानत कीती सी। ते अल्लाह दा हुक्म पूरा हो के ही रहिंदा है। बेशक अल्लाह इस गल्ल नूं नहीं बख़्शदा कि उस दे नाल किसे नूं शरीक ठहराइया जावे, पर इस तों घट्ट जो कुझ है ओह जिस लई चाहे बख़्श दिंदा है। ते जिस ने अल्लाह दे नाल किसे नूं शरीक ठहराइया उस ने बहुत वड्डा गुनाह घड़िया। की तूं उन्हां उत्ते ग़ौर नहीं कीता जो अपणे आप नूं पाक दस्सदे हन? नहीं—बल्कि अल्लाह ही जिस नूं चाहुंदा है पाक करदा है, ते उन्हां उत्ते खजूर दी गुठली दे धागे बराबर वी ज़ुलम ना कीता जावेगा। वेख, ओह अल्लाह उत्ते किवें झूठ घड़दे हन; ते खुल्हे गुनाह वजों एही काफ़ी है। की तूं उन्हां उत्ते ग़ौर नहीं कीता जिन्हां नूं किताब दा इक्क हिस्सा दित्ता गिया? ओह बुत्तां ते झूठे माबूदां उत्ते ईमान रक्खदे हन, ते सच्च दे इनकारियां बारे आखदे हन, "एह ईमान वालियां नालों वध सिद्धे राह उत्ते हन।" इही हन जिन्हां उत्ते अल्लाह ने लानत कीती है; ते जिस उत्ते अल्लाह लानत करे, तूं उस दा कोई मददगार ना पावेंगा। जां की बादशाही विच उन्हां दा कोई हिस्सा है? जे अजिहा हुंदा, तां ओह लोकां नूं खजूर दी गुठली दे तिल बराबर वी ना दिंदे। जां ओह लोकां नाल उस उत्ते हसद करदे हन जो अल्लाह ने उन्हां नूं अपणे फ़ज़ल विचों दित्ता है? सो असां ने इबराहीम दे घराणे नूं किताब ते हिकमत दित्ती, ते असां ने उन्हां नूं वड्डी बादशाही दित्ती। फिर उन्हां विचों कोई उस उत्ते ईमान लिआइया ते किसे ने

उस तों मूंह मोड़ लिया; ते भड़कदी अग्ग वजों जहन्नम ही काफ़ी है। बेशक जिन्हां ने साडियां आयतां दा इनकार कीता उन्हां नूं असीं अग्ग विच सुट्टांगे: जदों-जदों उन्हां दियां खल्लां सड़ जाणगियां असीं उन्हां दी थां दूजियां खल्लां बदल दिआंगे, तां जो ओह अज़ाब चक्खदे रहण। बेशक अल्लाह ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। ते जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते उन्हां नूं असीं अजिहे बाग़ां विच दाख़िल करांगे जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, जिन्हां विच ओह सदा रहिणगे; उत्थे उन्हां लई पाक जोड़े होणगे, ते असीं उन्हां नूं घणी छां विच दाख़िल करांगे। (47–57)

बेशक अल्लाह तुहानूं हुक्म दिंदा है कि अमानतां उन्हां दे हक़दारां नूं पहुंचा देओ, ते जदों लोकां दे विचकार फ़ैसला करो, तां इनसाफ़ नाल फ़ैसला करो। किन्नी चंगी है ओह गल्ल जिस दी अल्लाह तुहानूं नसीहत करदा है! बेशक अल्लाह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ वेखण वाला है। ऐ ईमान लिआउण वालियो, अल्लाह दी फ़रमांबरदारी करो ते रसूल दी फ़रमांबरदारी करो ते उन्हां दी जो तुहाडे विचों हुक्म वाले हन। फिर जे किसे गल्ल विच तुहाडा इख़तिलाफ़ हो जावे, तां उस नूं अल्लाह ते रसूल वल्ल मोड़ो, जे तुसीं अल्लाह उत्ते ते आख़िरी दिन उत्ते ईमान रक्खदे हो: एही बिहतर है, ते अंजाम दे लिहाज़ नाल वी सभ तों चंगा। की तूं उन्हां उत्ते ग़ौर नहीं कीता जो दावा करदे हन कि ओह उस उत्ते ईमान लिआए जो तेरे वल्ल उतारिया गिया ते उस उत्ते जो तैथों पहिलां उतारिया गिया? ओह चाहुंदे हन कि अपणे झगड़े झूठे हाकमां कोल लै जाण, हालांकि उन्हां नूं हुक्म दित्ता गिया सी कि उन्हां दा इनकार करन; ते शैतान चाहुंदा है कि उन्हां नूं भटका के बहुत दूर लै जावे। ते जदों उन्हां नूं आखिया जांदा है, "उस वल्ल आओ जो अल्लाह ने उतारिया है, ते रसूल वल्ल," तां तूं मुनाफ़िक़ां नूं वेखदा हैं कि ओह तैथों कतरा के मूंह मोड़ लैंदे हन। फिर की हाल हुंदा है जदों उन्हां उत्ते उस दे कारन कोई मुसीबत आ पैंदी है जो उन्हां दे अपणे हत्थां ने अग्गे भेजिया? फिर ओह तेरे कोल अल्लाह दियां क़समां खांदे होए आउंदे हन, "साडा इरादा तां भलाई ते मेल-मिलाप तों सिवा कुझ ना सी।" एह ओह लोक हन कि अल्लाह जाणदा है जो कुझ उन्हां दे दिलां विच है; सो तूं उन्हां तों मूंह फेर लै, उन्हां नूं नसीहत कर, ते उन्हां नाल उन्हां दे अपणे बारे दिल विच उतर जाण वाली गल्ल आख। (58–63)

ते असां ने कोई रसूल नहीं भेजिया पर इस लई कि अल्लाह दे हुक्म नाल उस दी फ़रमांबरदारी कीती जावे। ते काश, जदों उन्हां ने अपणे आप उत्ते ज़ुलम कीता सी, तां ओह, ऐ नबी, तेरे कोल आउंदे ते अल्लाह तों बख़शिश मंगदे, ते रसूल वी उन्हां लई बख़शिश मंगदा—तां ओह अल्लाह नूं बड़ा तौबा क़बूल करन वाला, सदा रहम करन वाला पाउंदे। पर नहीं, तेरे रब्ब दी क़सम, ओह ईमान वाले नहीं हो सकदे जद तक्क अपणे झगड़ियां विच तैनूं फ़ैसला करन वाला ना मन्न लैण, ते फिर जो फ़ैसला तूं करें उस बारे अपणे दिलां विच कोई तंगी ना पाउण, बल्कि पूरी तरां सिर झुका देण। ते जे असीं उन्हां उत्ते एह फ़र्ज़ कर दिंदे, "अपणियां जानां दे देओ," जां, "अपणे घरां तों निकल जाओ," तां उन्हां विचों थोड़े ही इस उत्ते अमल करदे। ते जे ओह उस उत्ते अमल करदे जिस दी उन्हां नूं नसीहत कीती जांदी है, तां एह उन्हां लई बिहतर हुंदा ते वध पक्काई दा कारन बणदा; ते तद असीं उन्हां नूं अपणे कोलों वड्डा अजर दिंदे, ते उन्हां नूं सिद्धे राह दी हिदायत दिंदे। ते जो कोई अल्लाह ते रसूल दी फ़रमांबरदारी करेगा ओह उन्हां लोकां दे नाल होवेगा जिन्हां उत्ते अल्लाह ने इनाम

कीता: नबी, सच्चे, शहीद ते नेक लोक—ते एह किन्ने चंगे साथी हन! एह अल्लाह वल्लों फ़ज़ल है; ते जाणन वाला अल्लाह ही काफ़ी है। (64–70)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, अपणे बचाअ दा सामान लै लओ; फिर टोलियां बण के निकलो, जां सारे इकट्ठे निकलो। ते तुहाडे विच कोई अजिहा वी है जो पिच्छे रह जांदा है; फिर जे तुहाडे उत्ते कोई मुसीबत आ पवे, तां आखदा है, "अल्लाह ने मेरे उत्ते मिहरबानी कीती, कि मैं उन्हां दे नाल हाज़र नहीं सी।" ते जे तुहानूं अल्लाह वल्लों कोई फ़ज़ल मिल जावे, तां आखदा है—जिवें तुहाडे ते उस दे विचकार कोई दोस्ती सी ही नहीं—"काश मैं वी उन्हां दे नाल हुंदा, तां वड्डी कामयाबी हासिल करदा!" सो चाहीदा है कि अल्लाह दे राह विच ओह लोक लड़न जो आख़िरत दे बदले दुनिया दी ज़िंदगी वेच दिंदे हन; ते जो कोई अल्लाह दे राह विच लड़े, फिर भावें मारिया जावे जां ग़ालिब आ जावे, असीं उस नूं वड्डा अजर दिआंगे। ते तुहानूं की हो गिया है कि तुसीं अल्लाह दे राह विच ना लड़ो, ते उन्हां कमज़ोर मरदां, औरतां ते बच्चियां लई जो फ़रियाद करदे हन, "ऐ साडे रब्ब, सानूं इस बस्ती विचों कढ्ढ जिस दे रहण वाले ज़ालिम हन, ते साडे लई अपणे कोलों कोई हिमायती बणा दे, ते साडे लई अपणे कोलों कोई मददगार बणा दे"? जो ईमान लिआए ओह अल्लाह दे राह विच लड़दे हन, ते जो सच्च दे इनकारी हन ओह झूठे माबूदां दे राह विच लड़दे हन। सो तुसीं शैतान दे साथियां नाल लड़ो: बेशक शैतान दी चाल बोदी है। (71–76)

की तूं उन्हां उत्ते ग़ौर नहीं कीता जिन्हां नूं आखिया गिया सी, "अपणे हत्थ रोकी रक्खो, नमाज़ क़ायम करो ते ज़कात देओ"? फिर जदों उन्हां उत्ते लड़ाई फ़र्ज़ कीती गई, तां उन्हां दा इक्क गिरोह लोकां तों इउं डरन लग्गा जिवें अल्लाह तों डरना चाहीदा है, बल्कि उस तों वी वध, ते उन्हां ने आखिया, "ऐ साडे रब्ब, तूं साडे उत्ते लड़ाई क्यों फ़र्ज़ कर दित्ती? काश तूं सानूं थोड़ी जिही होर मोहलत दिंदा!" आख, "दुनिया दा फ़ायदा थोड़ा है, ते आख़िरत उस लई बिहतर है जो अल्लाह तों सुचेत रहे; ते तुहाडे उत्ते खजूर दी गुठली दे धागे बराबर वी ज़ुलम ना कीता जावेगा।" तुसीं जित्थे किते वी होवोगे, मौत तुहानूं आ फड़ेगी, भावें तुसीं उच्चे बुरजां विच ही क्यों ना होवो। ते जे उन्हां नूं कोई भलाई पहुंचदी है, तां आखदे हन, "एह अल्लाह वल्लों है"; ते जे कोई बुराई पहुंचदी है, तां आखदे हन, "ऐ नबी, एह तेरे कारन है।" आख, "सभ कुझ अल्लाह ही वल्लों है।" सो इन्हां लोकां नूं की हो गिया है कि कोई गल्ल समझण दे नेड़े ही नहीं आउंदे? तैनूं जो भलाई वी पहुंचदी है ओह अल्लाह वल्लों है, ते तैनूं जो बुराई पहुंचदी है ओह तेरे अपणे ही वल्लों है। ते असां ने तैनूं लोकां लई रसूल बणा के भेजिया है, ते गवाह वजों अल्लाह ही काफ़ी है। जिस ने रसूल दी फ़रमांबरदारी कीती उस ने अल्लाह दी फ़रमांबरदारी कीती; ते जिस ने मूंह मोड़िया—तां असां ने तैनूं उन्हां उत्ते निगहबान बणा के नहीं भेजिया। ते ओह आखदे हन, "असीं फ़रमांबरदार हां," पर जदों तेरे कोलों निकलदे हन तां उन्हां दा इक्क गिरोह रात नूं उस दे उलट मनसूबे बणाउंदा है जो तूं आखदा हैं; ते अल्लाह लिख रिहा है जो कुझ ओह रात नूं मनसूबे बणाउंदे हन। सो तूं उन्हां तों मूंह फेर लै ते अल्लाह उत्ते भरोसा रक्ख; ते कारसाज़ वजों अल्लाह ही काफ़ी है। (77–81)

तां की ओह क़ुरआन उत्ते ग़ौर नहीं करदे? ते जे एह अल्लाह तों सिवा किसे होर वल्लों हुंदा, तां ओह इस विच बहुत सारा इख़तिलाफ़ पाउंदे।[6] (82)

ते जदों उन्हां कोल अमन जां डर दी कोई ख़बर आउंदी है, तां ओह उस नूं फैला दिंदे हन; हालांकि जे ओह उस नूं रसूल वल्ल ते अपणे विचों हुक्म वालियां वल्ल मोड़ दिंदे, तां उन्हां विचों जो लोक उस दी तह तक्क पहुंच सकदे हन ओह उस दी असलीयत जाण लैंदे। ते जे तुहाडे उत्ते अल्लाह दा फ़ज़ल ते उस दी रहमत ना हुंदी, तां थोड़ियां तों सिवा तुसीं सारे शैतान दे पिच्छे लग्ग जांदे। (83)

सो ऐ नबी, तूं अल्लाह दे राह विच लड़; तेरे उत्ते तेरी अपणी जान तों सिवा किसे दी ज़िम्मेदारी नहीं। ते ईमान वालियां नूं उभार: हो सकदा है कि अल्लाह सच्च दे इनकारियां दा ज़ोर रोक देवे। ते अल्लाह ज़ोर विच सभ तों सख़्त है, ते सज़ा देण विच वी सभ तों सख़्त। (84)

जो कोई भली गल्ल दी सिफ़ारिश करेगा उस लई उस विचों हिस्सा है, ते जो कोई बुरी गल्ल दी सिफ़ारिश करेगा उस उत्ते उस दा बोझ है; ते अल्लाह हर चीज़ उत्ते निगरान है। ते जदों तुहानूं कोई सलाम करे, तां तुसीं उस तों बिहतर सलाम करो, जां ओही मोड़ देओ; बेशक अल्लाह हर चीज़ दा हिसाब लैण वाला है।[7] (85–86)

अल्लाह: उस तों सिवा कोई माबूद नहीं। ओह तुहानूं ज़रूर क़ियामत दे दिन लई इकट्ठा करेगा, जिस विच कोई शक्क नहीं; ते अल्लाह तों वध सच्ची गल्ल किस दी हो सकदी है? (87)

तां तुहानूं की हो गिया है कि तुसीं मुनाफ़िक़ां बारे दो गिरोह बण गए हो, हालांकि अल्लाह ने उन्हां नूं उन्हां दी कमाई कारन उलटा इनकार वल्ल फेर दित्ता है? की तुसीं चाहुंदे हो कि उन्हां नूं राह उत्ते लै आओ जिन्हां नूं अल्लाह ने भटकण दित्ता? ते जिस नूं अल्लाह भटकण दे, तूं उस लई कदे कोई राह ना पावेंगा। ओह चाहुंदे हन कि तुसीं वी सच्च दा इनकार करो जिवें उन्हां ने इनकार कीता है, तां जो तुसीं सारे इक्को जिहे हो जाओ। सो उन्हां विचों किसे नूं दोस्त ना बणाओ जद तक्क ओह अल्लाह दे राह विच हिजरत ना करन; फिर जे ओह मूंह मोड़न, तां उन्हां नूं फड़ो ते जित्थे वी पाओ क़तल करो, ते उन्हां विचों किसे नूं ना दोस्त बणाओ ना मददगार—सिवाए उन्हां दे जो किसे अजिही क़ौम नाल जा मिलण जिस दे नाल तुहाडा अहद है, जां जो तुहाडे कोल इस हाल विच आउण कि उन्हां दे दिल तुहाडे नाल लड़न तों जां अपणी क़ौम नाल लड़न तों तंग होण। ते जे अल्लाह चाहुंदा, तां उन्हां नूं तुहाडे उत्ते क़ाबू दे दिंदा, ते ओह तुहाडे नाल लड़दे। सो जे ओह

---

[6] **इक्क बुनियादी आयत: साइंसी, फ़लसफ़ी, तारीख़ी जां दीनी टकरावां तों पाक शानदार क़ुरआन**
क़ुरआन 3:7 ते 4:82 – साइंस, फ़लसफ़े ते दीनियात दी रौशनी विच इक्क जामअ तफ़सीर
क़ुरआन 4:82 उत्ते सोच-विचार – ख़ुदाई इकसारता दा मनोविगिआन, फ़लसफ़ा ते दीनियात

[7] एह बुनियादी आयतां ईमान वालियां विच दिल दी खुल्ह पैदा करदियां हन, किउंकि उन्हां नूं पक्का यक़ीन हुंदा है कि उन्हां दा छोटे तों छोटा नेक कम्म वी अकारथ नहीं जा रिहा। एह सभ लिखे जा रहे हन ते इन्हां दा बदला दित्ता जावेगा। इसे तरां सानूं चौकस रहणा ते गुनाह तों बचणा चाहीदा है, किते इउं ना होवे कि असीं क़सूरवार ठहराए जाईए।

तुहाथों वक्ख रहण ते तुहाडे नाल ना लड़न, ते तुहाडे वल्ल सुलह दा पैग़ाम भेजण, तां अल्लाह ने तुहाडे लई उन्हां दे ख़िलाफ़ कोई राह नहीं रक्खिया। तुसीं कुझ होर लोक पाओगे जो चाहुंदे हन कि तुहाथों वी अमन विच रहण ते अपणी क़ौम तों वी अमन विच रहण; जदों वी उन्हां नूं फ़ितने वल्ल मोड़िया जांदा है ओह उस विच मूंह दे भार जा पैंदे हन। सो जे ओह तुहाथों वक्ख ना रहण, ते ना तुहाडे वल्ल सुलह दा पैग़ाम भेजण, ते ना अपणे हत्थ रोकण, तां उन्हां नूं फड़ो ते जित्थे वी पाओ क़तल करो: अजिहियां दे ख़िलाफ़ असां ने तुहानूं खुल्हा इख़तियार दित्ता है। (88–91)

किसे ईमान वाले दा एह कम्म नहीं कि किसे ईमान वाले नूं क़तल करे, सिवाए ग़लती नाल। ते जो कोई किसे ईमान वाले नूं ग़लती नाल क़तल कर देवे ओह इक्क ईमान वाला ग़ुलाम आज़ाद करे ते मक़तूल दे घर वालियां नूं ख़ून-बहा अदा करे, सिवाए इस दे कि ओह उस नूं सदक़े वजों माफ़ कर देण। फिर जे मक़तूल किसे अजिही क़ौम विचों होवे जो तुहाडी दुश्मण है ते ओह आप ईमान वाला होवे, तां इक्क ईमान वाला ग़ुलाम आज़ाद करना है; ते जे ओह किसे अजिही क़ौम विचों होवे जिस दे नाल तुहाडा अहद है, तां उस दे घर वालियां नूं ख़ून-बहा अदा करना है ते इक्क ईमान वाला ग़ुलाम आज़ाद करना है। फिर जिस नूं एह मयस्सर ना होवे ओह लगातार दो महीने रोज़े रक्खे: एह अल्लाह वल्लों तौबा दा तरीक़ा है। ते अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। ते जो कोई किसे ईमान वाले नूं जाण-बुझ के क़तल करे, उस दा बदला जहन्नम है, जिस विच ओह सदा रहेगा: उस उत्ते अल्लाह दा ग़ज़ब ते उस दी लानत है, ते उस ने उस लई वड्डा अज़ाब तिआर कर रक्खिया है। ऐ ईमान लिआउण वालियो, जदों तुसीं अल्लाह दे राह विच निकलो, तां चंगी तरां छाण-बीण कर लिया करो, ते जो तुहानूं सलाम करे उस नूं एह ना आखो, "तूं ईमान वाला नहीं," दुनिया दी ज़िंदगी दे सामान दी तलाश विच—अल्लाह दे कोल बहुत सारियां ग़नीमतां हन। इस तों पहिलां तुसीं आप वी अजिहे ही सी, फिर अल्लाह ने तुहाडे उत्ते अहिसान कीता; सो छाण-बीण कर लिया करो। बेशक अल्लाह उस तों पूरी तरां बाख़बर है जो तुसीं करदे हो। (92–94)

ईमान वालियां विचों जो घर बैठे रहिंदे हन—सिवाए उन्हां दे जिन्हां नूं कोई उज़र होवे—ओह उन्हां दे बराबर नहीं हो सकदे जो अल्लाह दे राह विच अपणे मालां ते अपणियां जानां नाल जिहाद करदे हन। अल्लाह ने अपणे मालां ते जानां नाल जिहाद करन वालियां नूं बैठे रहण वालियां उत्ते इक्क दर्जा वडिआई दित्ती है। ते हर इक्क नाल अल्लाह ने सभ तों चंगे बदले दा वादा कीता है; पर अल्लाह ने जिहाद करन वालियां नूं बैठे रहण वालियां उत्ते वड्डे अजर नाल वडिआई दित्ती है—उस वल्लों इज़्ज़त दे दर्जे, ते बख़शिश ते रहमत। ते अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (95–96)

बेशक जिन्हां लोकां दियां जानां फ़रिश्ते इस हाल विच क़बज़ करदे हन कि उन्हां ने अपणे आप उत्ते ज़ुलम कीता होवे, उन्हां नूं ओह पुच्छणगे, "तुसीं किस हाल विच सी?" ओह जवाब देणगे, "असीं धरती विच कमज़ोर ते मजबूर सां।" ओह आखणगे, "की अल्लाह दी धरती इन्नी खुल्ही नहीं सी कि तुसीं उस विच हिजरत कर जांदे?" सो इन्हां दा ठिकाणा जहन्नम है—ते ओह बहुत बुरा ठिकाणा है!—सिवाए उन्हां सच्चमुच बेबस मरदां, औरतां ते बच्चियां दे जो ना कोई उपाअ कर सकदे हन ते ना कोई राह पाउंदे हन; सो उम्मीद है कि अल्लाह

अजिहियां नूं माफ़ कर देवे: ते अल्लाह बड़ा माफ़ करन वाला, बड़ा बख़्शण वाला है। ते जो कोई अल्लाह दे राह विच हिजरत करेगा ओह धरती विच पनाह दियां बहुत सारियां थावां ते वड्डी खुल्ह पावेगा। ते जो कोई अपणे घरों अल्लाह ते उस दे रसूल वल्ल हिजरत करके निकले, फिर उस नूं मौत आ लए, तां उस दा अजर अल्लाह दे ज़िम्मे पक्का हो गिया; ते अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (97–100)

ते जदों तुसीं धरती विच सफ़र करो, तां तुहाडे उत्ते कोई गुनाह नहीं कि नमाज़ विच कुझ घटा लओ, जे तुहानूं डर होवे कि सच्च दे इनकारी तुहाडे उत्ते हमला कर देणगे: बेशक सच्च दे इनकारी तुहाडे खुल्हे दुश्मण हन। ते ऐ नबी, जदों तूं उन्हां दे विच होवें ते उन्हां नूं नमाज़ पढ़ावें, तां उन्हां दा इक्क गिरोह तेरे नाल खड़ा होवे, ते ओह अपणे हथिआर लई रक्खण। फिर जदों ओह सजदा कर लैण, तां पिच्छे हट जाण ते दूजा गिरोह, जिस ने अजे नमाज़ नहीं पढ़ी, अग्गे आवे ते तेरे नाल नमाज़ पढ़े, ते ओह वी अपणे बचाअ दा सामान ते अपणे हथिआर लई रक्खण। सच्च दे इनकारी चाहुंदे हन कि तुसीं अपणे हथिआरां ते अपणे सामान तों ग़ाफ़िल हो जाओ, तां ओह तुहाडे उत्ते इक्को वारी टुट्ट पैण। ते तुहाडे उत्ते कोई गुनाह नहीं जे मींह कारन तुहानूं तकलीफ़ होवे जां तुसीं बीमार होवो ते अपणे हथिआर उतार रक्खो; पर अपणे बचाअ दा सामान लई रक्खो। बेशक अल्लाह ने सच्च दे इनकारियां लई ज़लील करन वाला अज़ाब तिआर कर रक्खिया है। फिर जदों तुसीं नमाज़ पूरी कर लओ, तां खड़े, बैठे ते अपणे पासियां उत्ते लेटे होए अल्लाह नूं याद करो। फिर जदों तुसीं बेख़ौफ़ हो जाओ, तां पूरी नमाज़ क़ायम करो: बेशक नमाज़ ईमान वालियां उत्ते मुक़र्रर वक़्तां उत्ते फ़र्ज़ है। ते दुश्मण दा पिच्छा करन विच हिम्मत ना हारो: जे तुहानूं तकलीफ़ पहुंचदी है, तां उन्हां नूं वी उसे तरां तकलीफ़ पहुंचदी है जिवें तुहानूं, पर तुसीं अल्लाह तों ओह उम्मीद रक्खदे हो जो ओह नहीं रक्खदे। ते अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। (101–104)

ऐ नबी, बेशक असां ने तेरे वल्ल एह किताब सच्च दे नाल उतारी है, तां जो तूं लोकां दे विचकार उस दे मुताबिक़ फ़ैसला करें जो अल्लाह ने तैनूं दिखाइया है; सो तूं ख़ियानत करन वालियां दा तरफ़दार ना बणीं। ते अल्लाह तों बख़शिश मंग: बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। ते उन्हां वल्लों ना झगड़ जो अपणे आप नाल ख़ियानत करदे हन: बेशक अल्लाह किसे अजिहे नूं पसंद नहीं करदा जो ख़ियानत करन वाला, गुनाहगार होवे। ओह लोकां तों छुपदे हन, पर अल्लाह तों नहीं छुप सकदे: ओह उन्हां दे नाल हुंदा है जदों ओह रात नूं अजिही गल्ल दे मनसूबे बणाउंदे हन जो उस नूं पसंद नहीं; ते जो कुझ ओह करदे हन अल्लाह उस सभ नूं घेरे होए है। वेखो, तुसीं ओह लोक हो कि दुनिया दी ज़िंदगी विच तां उन्हां वल्लों झगड़ लिया; पर क़ियामत दे दिन अल्लाह दे साहमणे उन्हां वल्लों कौण झगड़ेगा, जां कौण उन्हां दा कारसाज़ होवेगा? ते जो कोई बुराई करे जां अपणी जान उत्ते ज़ुलम करे, फिर अल्लाह तों बख़शिश मंगे, ओह अल्लाह नूं बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला पावेगा। ते जो कोई गुनाह कमाउंदा है ओह उस नूं अपणे ही ख़िलाफ़ कमाउंदा है; ते अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। ते जो कोई कोई ख़ता जां गुनाह करे ते फिर उस दा इलज़ाम किसे बेगुनाह उत्ते ला देवे, उस ने बुहतान ते खुल्हे गुनाह दा बोझ अपणे सिर लै लिया। (105–112)

ते ऐ नबी, जे तेरे उत्ते अल्लाह दा फ़ज़ल ते उस दी रहमत ना हुंदी, तां उन्हां दे इक्क गिरोह ने तैनूं भटकाउण दा पक्का इरादा कर ही लिया सी; पर ओह अपणे आप तों सिवा किसे नूं नहीं भटकाउंदे, ते ओह तेरा कुझ वी नहीं विगाड़ सकदे। ते अल्लाह ने तेरे उत्ते किताब ते हिकमत उतारी है, ते तैनूं ओह कुझ सिखाइया जो तूं नहीं जाणदा सी: ते तेरे उत्ते अल्लाह दा फ़ज़ल बहुत वड्डा है। उन्हां दियां बहुतियां कानाफूसियां विच कोई भलाई नहीं, सिवाए उस दे जो सदक़े दा, जां नेकी दा, जां लोकां दे विचकार सुलह कराउण दा हुक्म देवे; ते जो कोई अल्लाह दी रज़ा दी तलाश विच अजिहा करेगा, उस नूं असीं वड्डा अजर दिआंगे। ते जो कोई रसूल दी मुख़ालफ़त करे इस तों बाद कि उस उत्ते हिदायत खुल्ह चुक्की है, ते ईमान वालियां दे राह तों सिवा किसे होर राह उत्ते चल्ले, तां असीं उस नूं उधर ही चल्लण दिआंगे जिधर ओह आप फिर गिया, ते उस नूं जहन्नम विच सुट्टांगे—ते ओह बहुत बुरा ठिकाणा है! (113–115)

बेशक अल्लाह इस गल्ल नूं नहीं बख़्शदा कि उस दे नाल किसे नूं शरीक ठहराइया जावे, पर इस तों घट्ट जो कुझ है ओह जिस लई चाहे बख़्श दिंदा है; ते जिस ने अल्लाह दे नाल किसे नूं शरीक ठहराइया ओह भटक के बहुत दूर जा पिया। ओह उस नूं छड्ड के बस देवियां नूं ही पुकारदे हन; ते ओह किसे नूं नहीं पुकारदे सिवाए इक्क सरकश शैतान दे, जिस उत्ते अल्लाह ने लानत कीती है। ते उस ने आखिया सी, "मैं तेरे बंदियां विचों इक्क मुक़र्रर हिस्सा ज़रूर लै के रहांगा; ते मैं उन्हां नूं ज़रूर भटकावांगा ते उन्हां नूं झूठियां आसां दिवावांगा; ते मैं उन्हां नूं हुक्म दिआंगा, तां ओह चौपायां दे कन्न चीरनगे; ते मैं उन्हां नूं हुक्म दिआंगा, तां ओह अल्लाह दी बणाई बणावट नूं बदलणगे।" ते जिस ने अल्लाह नूं छड्ड के शैतान नूं अपणा हिमायती बणाइया ओह खुल्हे घाटे विच पै गिया। ओह उन्हां नाल वादे करदा है ते उन्हां नूं झूठियां आसां दिवाउंदा है; ते शैतान उन्हां नाल जो वादा करदा है ओह धोखे तों सिवा कुझ नहीं। इन्हां दा ठिकाणा जहन्नम है, ते ओह उस तों बचण दी कोई थां ना पाउणगे। ते जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते उन्हां नूं असीं अजिहे बाग़ां विच दाख़िल करांगे जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, जिन्हां विच ओह हमेशा-हमेशा रहिणगे: एह अल्लाह दा सच्चा वादा है—ते अल्लाह तों वध सच्ची गल्ल किस दी हो सकदी है? ना तुहाडियां आरज़ूआं नाल कुझ हुंदा है, ते ना किताब वालियां दियां आरज़ूआं नाल: जो कोई बुराई करेगा उस नूं उस दा बदला दित्ता जावेगा, ते ओह अल्लाह तों सिवा अपणे लई ना कोई हिमायती पावेगा ना मददगार। ते जो कोई नेक कम्म करेगा, मरद होवे जां औरत, ते ओह ईमान वाला होवे—तां अजिहे लोक जन्नत विच दाख़िल होणगे, ते उन्हां उत्ते खजूर दी गुठली दे तिल बराबर वी ज़ुलम ना कीता जावेगा। ते दीन विच उस तों बिहतर कौण है जिस ने अपणा आप पूरे दा पूरा अल्लाह दे हवाले कर दित्ता, ते ओह नेकी करन वाला है, ते उस ने ख़ालिस ईमान वाले इबराहीम दे दीन दी पैरवी कीती? ते अल्लाह ने इबराहीम नूं अपणा दोस्त बणा लिया सी। ते अल्लाह ही दा है जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है; ते अल्लाह हर चीज़ नूं घेरे होए है। (116–126)

ऐ नबी, ओह तैथों औरतां बारे हुक्म पुच्छदे हन। आख, "अल्लाह तुहानूं उन्हां बारे हुक्म दिंदा है, ते ओह वी जो तुहानूं इस किताब विच उन्हां यतीम लड़कियां बारे पढ़ के सुणाइया जांदा है जिन्हां नूं तुसीं ओह नहीं दिंदे जो उन्हां लई मुक़र्रर कीता गिया है, हालांकि तुसीं उन्हां नाल निकाह करना चाहुंदे हो, ते बेबस बच्चियां बारे,

ते एह कि तुसीं यतीमां दे मामले विच इनसाफ़ उत्ते क़ायम रहो। ते तुसीं जो भलाई वी करोगे, अल्लाह उस नूं ख़ूब जाणदा है।" (127)

ते जे किसे औरत नूं अपणे पती वल्लों ज़िआदती जां बेरुख़ी दा डर होवे, तां उन्हां दोहां उत्ते कोई गुनाह नहीं कि आपस विच कोई सुलह कर लैण; ते सुलह ही बिहतर है। ते जीआं विच लालच रचिया होइया है; पर जे तुसीं नेकी करो ते अल्लाह तों सुचेत रहो, तां अल्लाह उस तों पूरी तरां बाख़बर है जो तुसीं करदे हो। ते तुसीं अपणियां पतनियां दे विचकार पूरी बराबरी कदे नहीं कर सकोगे, भावें तुसीं किन्ना ही चाहो; पर इक्को वल्ल पूरे ना झुक जाओ, कि दूजी नूं लटकदी होई वांग छड्ड देओ। ते जे तुसीं सुधार कर लओ ते अल्लाह तों सुचेत रहो, तां बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। ते जे दोवें वक्ख हो जाण, तां अल्लाह हर इक्क नूं अपणी वुसअत विचों बेनियाज़ कर देवेगा: ते अल्लाह वड्डी समाई वाला, हिकमत वाला है। ते अल्लाह ही दा है जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है। ते असां ने उन्हां नूं वी ताकीद कीती सी जिन्हां नूं तुहाथों पहिलां किताब दित्ती गई, ते तुहानूं वी: कि अल्लाह तों सुचेत रहो। ते जे तुसीं सच्च दा इनकार करो—तां अल्लाह ही दा है जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है; ते अल्लाह बेनियाज़, तारीफ़ दे लायक़ है। ते अल्लाह ही दा है जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है; ते कारसाज़ वजों अल्लाह ही काफ़ी है। ऐ लोको, जे ओह चाहे, तां तुहानूं सभनां नूं लै जावे ते तुहाडी थां होरां नूं लै आवे: ते अल्लाह इस उत्ते पूरी क़ुदरत रक्खदा है। जो कोई दुनिया दा बदला चाहुंदा है—तां अल्लाह दे कोल दुनिया दा बदला वी है ते आख़िरत दा वी; ते अल्लाह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ वेखण वाला है। (128–134)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, इनसाफ़ उत्ते मज़बूती नाल क़ायम रहो, अल्लाह लई गवाही देण वाले बण के, भावें ओह तुहाडे अपणे ख़िलाफ़ होवे, जां तुहाडे मां-पिओ दे, जां नेड़े दे रिश्तेदारां दे; कोई अमीर होवे जां ग़रीब, अल्लाह दोहां दे वध नेड़े है। सो अपणी ख़ाहिश दे पिच्छे ना चल्लो, कि इनसाफ़ तों हट जाओ; ते जे तुसीं गवाही नूं मरोड़ोगे जां मूंह फेरोगे, तां बेशक अल्लाह उस तों पूरी तरां बाख़बर है जो तुसीं करदे हो। ऐ ईमान लिआउण वालियो, अल्लाह ते उस दे रसूल उत्ते ईमान लिआओ, ते उस किताब उत्ते जो उस ने अपणे रसूल उत्ते उतारी है, ते उस किताब उत्ते जो उस ने पहिलां उतारी सी। ते जो कोई अल्लाह दा, उस दे फ़रिश्तियां, उस दियां किताबां, उस दे रसूलां ते आख़िरी दिन दा इनकार करे ओह भटक के बहुत दूर जा पिया। बेशक जो लोक ईमान लिआए, फिर सच्च दा इनकार कीता, फिर ईमान लिआए, फिर इनकार कीता, ते फिर इनकार विच वधदे गए—अल्लाह ना उन्हां नूं बख़्शेगा, ते ना उन्हां नूं कोई राह दिखावेगा। मुनाफ़िक़ां नूं ख़बर सुणा दे कि उन्हां लई दर्दनाक अज़ाब है— (135–138)

उन्हां नूं जो ईमान वालियां नूं छड्ड के सच्च दे इनकारियां नूं दोस्त बणाउंदे हन। की ओह उन्हां दे कोल इज़्ज़त ढूंढदे हन? तां सारी इज़्ज़त अल्लाह ही दी है। ते ओह तुहाडे उत्ते इस किताब विच एह उतार चुक्का है कि जदों तुसीं सुणो कि अल्लाह दियां आयतां दा इनकार कीता जा रिहा है ते उन्हां दा मख़ौल उडाइया जा रिहा है, तां उन्हां दे नाल ना बैठो जद तक्क ओह किसे होर गल्ल विच ना लग्ग जाण—नहीं तां तुसीं वी उन्हां वरगे ही हो जाओगे। बेशक अल्लाह मुनाफ़िक़ां ते सच्च दे इनकारियां नूं, सभनां नूं, जहन्नम विच इकट्ठा करन

वाला है—उन्हां नूं जो तुहाडे बारे उडीक विच रहिंदे हन: फिर जे तुहानूं अल्लाह वल्लों फ़तह मिले, तां आखदे हन, "की असीं तुहाडे नाल नहीं सां?" ते जे सच्च दे इनकारियां नूं कोई हिस्सा मिल जावे, तां आखदे हन, "की असीं तुहाडे उत्ते ग़ालिब नहीं आ गए सां, ते असां ने तुहानूं ईमान वालियां तों नहीं बचाइया?" सो अल्लाह क़ियामत दे दिन तुहाडे विचकार फ़ैसला करेगा, ते अल्लाह सच्च दे इनकारियां नूं ईमान वालियां उत्ते कदे कोई राह ना देवेगा। (139–141)

बेशक मुनाफ़िक़ अल्लाह नूं धोखा देणा चाहुंदे हन, हालांकि ओही उन्हां नूं धोखे विच पाउण वाला है। ते जदों ओह नमाज़ लई खड़े हुंदे हन, तां सुस्ती नाल खड़े हुंदे हन, लोकां नूं दिखाउण लई, ते अल्लाह नूं थोड़ा ही याद करदे हन—इस ते उस दे विचकार डांवांडोल, ना इन्हां वल्ल ना उन्हां वल्ल। ते जिस नूं अल्लाह भटकण दे, तूं उस लई कदे कोई राह ना पावेंगा। ऐ ईमान लिआउण वालियो, ईमान वालियां नूं छड्ड के सच्च दे इनकारियां नूं दोस्त ना बणाओ। की तुसीं चाहुंदे हो कि अपणे ख़िलाफ़ अल्लाह नूं खुल्ही हुज्जत दे देओ? बेशक मुनाफ़िक़ अग्ग दे सभ तों हेठले दर्जे विच होणगे, ते तूं उन्हां दा कोई मददगार ना पावेंगा—सिवाए उन्हां दे जिन्हां ने तौबा कीती, सुधार कर लिया, अल्लाह नूं मज़बूती नाल फड़ लिया ते अपणे दीन नूं अल्लाह लई ख़ालिस कर लिया: तां ओह ईमान वालियां दे नाल होणगे, ते अल्लाह ईमान वालियां नूं वड्डा अजर देवेगा। अल्लाह तुहानूं अज़ाब दे के की करेगा जे तुसीं शुकर करो ते ईमान लिआओ? ते अल्लाह क़दरदान, सभ कुझ जाणन वाला है। अल्लाह बुरी गल्ल दा खुल्हे-आम आखणा पसंद नहीं करदा, सिवाए उस दे जिस उत्ते ज़ुलम होइया होवे; ते अल्लाह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। जे तुसीं कोई भलाई ज़ाहिर करो, जां उस नूं छुपाओ, जां किसे बुराई नूं माफ़ कर देओ—तां बेशक अल्लाह बड़ा माफ़ करन वाला, पूरी क़ुदरत वाला है। (142–149)

बेशक जो लोक अल्लाह ते उस दे रसूलां दा इनकार करदे हन, ते चाहुंदे हन कि अल्लाह ते उस दे रसूलां दे विचकार फ़रक़ करन, ते आखदे हन, "असीं कुझ नूं मन्नदे हां ते कुझ दा इनकार करदे हां," ते चाहुंदे हन कि इस दे विचकार कोई राह कढ्ढ लैण—ओही पक्के इनकारी हन; ते इनकारियां लई असां ने ज़लील करन वाला अज़ाब तिआर कर रक्खिया है। ते जो अल्लाह ते उस दे रसूलां उत्ते ईमान लिआए ते उन्हां विचों किसे दे विचकार फ़रक़ ना कीता—उन्हां नूं ओह उन्हां दे अजर देवेगा; ते अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (150–152)

किताब वाले तैथों मंग करदे हन कि तूं उन्हां उत्ते असमान तों कोई किताब उतार लिआवें। सो ओह मूसा तों इस तों वी वड्डी चीज़ मंग चुक्के हन: उन्हां ने आखिया सी, "सानूं अल्लाह नूं खुल्हम-खुल्हा दिखा दे," तां उन्हां दे ज़ुलम कारन बिजली दी कड़क ने उन्हां नूं आ फड़िया। फिर उन्हां ने वच्छे नूं पूजण लई बणा लिया इस तों बाद कि उन्हां कोल खुल्हियां दलीलां आ चुक्कियां सन; फिर वी असां ने उस नूं माफ़ कर दित्ता, ते मूसा नूं खुल्हा ग़लबा दित्ता। ते असां ने उन्हां तों अहद लैण वेले तूर पहाड़ नूं उन्हां दे उत्ते उच्चा कीता, ते उन्हां नूं आखिया, "दरवाज़े विच आजिज़ी नाल दाख़िल होवो," ते उन्हां नूं आखिया, "सबत दे मामले विच हद्द ना तोड़ो," ते असां ने उन्हां तों पक्का अहद लिया। सो असां ने उन्हां नूं सज़ा दित्ती उन्हां दे अहद तोड़न कारन,

ते अल्लाह दियां आयतां दे इनकार कारन, ते नबियां नूं नाहक़ क़तल करन कारन, ते उन्हां दे एह आखण कारन, "साडे दिल ग़िलाफ़ां विच लपेटे होए हन"—नहीं, बल्कि अल्लाह ने उन्हां दे इनकार कारन उन्हां उत्ते मोहर ला दित्ती है, सो ओह थोड़ा ही ईमान लिआउंदे हन—ते उन्हां दे इनकार कारन, ते मरयम उत्ते वड्डा बुहतान बन्हण कारन, ते उन्हां दे एह आखण कारन, "असां ने मसीह, मरयम दे पुत्तर ईसा, अल्लाह दे रसूल नूं क़तल कर दित्ता।" हालांकि ना उन्हां ने उस नूं क़तल कीता, ते ना उस नूं सूली चढ़ाइया, बल्कि उन्हां नूं इउं ही दिखाई दित्ता। ते जो लोक इस बारे इख़तिलाफ़ करदे हन ओह इस वल्लों शक्क विच हन: उन्हां नूं इस दा कोई इल्म नहीं, बस गुमान दे पिच्छे चल्ल रहे हन; ते यक़ीनन उन्हां ने उस नूं क़तल नहीं कीता। नहीं: बल्कि अल्लाह ने उस नूं अपणे वल्ल उठा लिया; ते अल्लाह ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। ते किताब वालियां विचों कोई अजिहा नहीं जो उस दी मौत तों पहिलां उस उत्ते ईमान ना लिआवे; ते क़ियामत दे दिन ओह उन्हां उत्ते गवाह होवेगा। सो यहूदियां दे ज़ुलम कारन असां ने उन्हां उत्ते ओह पाक चीज़ां हराम कर दित्तियां जो उन्हां लई हलाल सन, ते इस कारन कि ओह बहुतियां नूं अल्लाह दे राह तों रोकदे सन, ते उन्हां दे सूद लैण कारन, हालांकि उन्हां नूं इस तों रोकिया गिया सी, ते उन्हां दे लोकां दा माल नाहक़ खाण कारन। ते उन्हां विचों जो सच्च दे इनकारी हन उन्हां लई असां ने दर्दनाक अज़ाब तिआर कर रक्खिया है। पर उन्हां विचों जो इल्म विच पक्के हन, ते ईमान वाले, ओह उस उत्ते ईमान रक्खदे हन जो, ऐ नबी, तेरे वल्ल उतारिया गिया ते जो तैथों पहिलां उतारिया गिया; ते जो नमाज़ क़ायम करन वाले, ज़कात देण वाले, ते अल्लाह उत्ते ते आख़िरी दिन उत्ते ईमान रक्खण वाले हन—इन्हां नूं असीं वड्डा अजर दिआंगे। (153–162)

ऐ नबी, बेशक असां ने तेरे वल्ल उसे तरां वह्य भेजी है जिवें नूह ते उस तों बाद दे नबियां वल्ल भेजी सी; ते असां ने इबराहीम, इसमाईल, इसहाक़, याक़ूब ते उस दी औलाद दे क़बीलियां वल्ल, ते ईसा, अय्यूब, यूनुस, हारून ते सुलैमान वल्ल वह्य भेजी; ते असां ने दाऊद नूं ज़बूर दित्ती। ते कुझ रसूल ओह हन जिन्हां दा हाल असीं तैनूं पहिलां सुणा चुक्के हां, ते कुझ रसूल ओह जिन्हां दा हाल असां ने तैनूं नहीं सुणाइया—ते मूसा नाल अल्लाह ने सिद्धा कलाम कीता। ख़ुशख़बरी देण वाले ते ख़बरदार करन वाले रसूल, तां जो रसूलां तों बाद लोकां कोल अल्लाह दे मुक़ाबले विच कोई हुज्जत ना रहे: ते अल्लाह ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। पर अल्लाह उस दी गवाही दिंदा है जो उस ने तेरे वल्ल उतारिया है: उस ने उस नूं अपणे इल्म दे नाल उतारिया है; ते फ़रिश्ते वी गवाही दिंदे हन—हालांकि गवाह वजों अल्लाह ही काफ़ी है। बेशक जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता ते होरां नूं अल्लाह दे राह तों रोकिया ओह भटक के बहुत दूर जा पए। बेशक जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता ते ज़ुलम कीता—अल्लाह ना उन्हां नूं बख़्शेगा, ते ना उन्हां नूं कोई राह दिखावेगा सिवाए जहन्नम दे राह दे, जिस विच ओह हमेशा-हमेशा रहिणगे; ते एह अल्लाह लई आसान है। (163–169)

ऐ लोको, रसूल तुहाडे कोल तुहाडे रब्ब वल्लों सच्च लै के आ गिया है, सो ईमान लै आओ: एह तुहाडे लई बिहतर है। ते जे तुसीं इनकार करो—तां अल्लाह ही दा है जो कुझ असमानां ते धरती विच है; ते अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। ऐ किताब वालियो, अपणे दीन विच हद्द तों ना वधो, ते अल्लाह बारे सच्च तों सिवा कुझ ना आखो। मसीह, मरयम दा पुत्तर ईसा, बस अल्लाह दा इक्क रसूल सी, ते उस दा

कलिमा जो उस ने मरयम वल्ल भेजिया, ते उस वल्लों इक्क रूह। सो अल्लाह ते उस दे रसूलां उत्ते ईमान लिआओ, ते एह ना आखो, "तिन्न।" बाज़ आ जाओ: एह तुहाडे लई बिहतर है। अल्लाह तां बस इक्को माबूद है; ओह इस तों पाक है कि उस दा कोई पुत्तर होवे! उसे दा है जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है; ते कारसाज़ वजों अल्लाह ही काफ़ी है। मसीह नूं कदे इस तों आर ना होवेगी कि ओह अल्लाह दा बंदा होवे, ते ना नेड़े कीते होए फ़रिश्तियां नूं। ते जो कोई उस दी इबादत तों आर करे ते घमंड करे—तां ओह उन्हां सभनां नूं अपणे कोल इकट्ठा करेगा। फिर जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते, उन्हां नूं ओह उन्हां दे अजर पूरे-पूरे देवेगा ते अपणे फ़ज़ल विचों होर वी देवेगा; ते जिन्हां ने आर कीती ते घमंड कीता उन्हां नूं ओह दर्दनाक अज़ाब देवेगा, ते ओह अल्लाह तों सिवा अपणे लई ना कोई हिमायती पाउणगे ना मददगार। (170–173)

ऐ लोको, तुहाडे कोल तुहाडे रब्ब वल्लों इक्क दलील आ चुक्की है, ते असां ने तुहाडे वल्ल इक्क रौशन नूर उतारिया है। सो जो अल्लाह उत्ते ईमान लिआए ते उस नूं मज़बूती नाल फड़ लिया, उन्हां नूं ओह अपणी रहमत ते फ़ज़ल विच दाख़िल करेगा, ते उन्हां नूं अपणे वल्ल सिद्धे राह दी हिदायत देवेगा। (174–175)

ऐ नबी, ओह तैथों हुक्म पुच्छदे हन। आख, "अल्लाह तुहानूं उस आदमी बारे हुक्म दिंदा है जिस दा ना कोई मां-पिओ होवे ना औलाद: जे कोई मरद मर जावे जिस दी कोई औलाद ना होवे पर उस दी इक्क भैण होवे, तां उस लई उस दे छड्डे होए दा अद्धा है; ते ओह उस दा वारिस होवेगा जे उस दी कोई औलाद ना होवे। फिर जे दो भैणां होण, तां उन्हां लई उस दे छड्डे होए दा दो-तिहाई है; ते जे भैण-भरा मरद ते औरतां होण, तां मरद दा हिस्सा दो औरतां दे बराबर है। अल्लाह तुहाडे लई खोल्ह के बिआन करदा है, तां जो तुसीं भटक ना जाओ; ते अल्लाह हर चीज़ दा पूरा इल्म रक्खदा है।" (176)

5. दस्तरख़ान (अल-माइदा)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

ऐ ईमान लिआउण वालियो, अपणे अहद पूरे करो। तुहाडे लई चौपाए मवेशी हलाल कीते गए हन, सिवाए उन्हां दे जो हुण तुहानूं पढ़ के सुणाए जाणगे; पर अहराम दी हालत विच शिकार नूं हलाल ना समझो। बेशक अल्लाह जो चाहुंदा है हुक्म दिंदा है। ऐ ईमान लिआउण वालियो, अल्लाह दियां निशानियां दी बेहुरमती ना करो, ना हुरमत वाले महीने दी, ना क़ुरबानी दे जानवरां दी, ना उन्हां पट्टियां दी जो उन्हां दे गल पाए जांदे हन, ते ना उन्हां लोकां दी जो अपणे रब्ब दे फ़ज़ल ते उस दी रज़ा दी तलाश विच हुरमत वाले घर वल्ल जा रहे होण। ते जदों तुसीं अहराम खोल्ह देओ, तां शिकार कर सकदे हो। ते किसे क़ौम दी दुश्मणी, इस लई कि उन्हां ने तुहानूं मसजिदे-हराम तों रोकिया सी, तुहानूं इस उत्ते ना उभारे कि तुसीं ज़िआदती करो। ते नेकी ते अल्लाह तों सुचेतता दे कम्मां विच इक्क दूजे दी मदद करो; ते गुनाह ते ज़िआदती विच इक्क दूजे दी मदद ना करो। ते अल्लाह तों सुचेत रहो: बेशक अल्लाह सख़्त अज़ाब देण वाला है। (1–2)

तुहाडे उत्ते हराम कीता गिया है मुर्दार, ख़ून, सूर दा गोश्त, ते ओह जिस उत्ते अल्लाह तों सिवा किसे होर दा नाम पुकारिया गिया होवे, ते ओह जानवर जो गल घुट्टण नाल, जां सट्ट लग्गण नाल, जां उच्चिओं डिग्ग के, जां सिंग लग्गण नाल मरिया होवे, जां जिस नूं किसे दरिंदे ने पाड़ खाधा होवे—सिवाए उस दे जिस नूं तुसीं जिऊंदे नूं ज़िबह कर लओ—ते ओह जो थानां उत्ते ज़िबह कीता गिया होवे; ते एह वी हराम है कि तुसीं फ़ाल दे तीरां नाल गोश्त वंडो: एह नाफ़रमानी दा कम्म है। अज्ज सच्च दे इनकारी तुहाडे दीन नूं मिटाउण तों मायूस हो गए हन, सो उन्हां तों ना डरो, बल्कि मैथों डरो। अज्ज मैं तुहाडे लई तुहाडा दीन मुकम्मल कर दित्ता, ते तुहाडे उत्ते अपणी नेमत पूरी कर दित्ती, ते तुहाडे लई अल्लाह दी फ़रमांबरदारी नूं दीन वजों पसंद कीता। फिर जो कोई भुक्ख नाल मजबूर हो जावे, ते गुनाह वल्ल झुकाअ ना रक्खदा होवे—तां बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (3)

ओह तैथों पुच्छदे हन कि उन्हां लई की हलाल कीता गिया है। आख, “तुहाडे लई सारियां पाक चीज़ां हलाल हन, ते ओह वी जो तुहाडे सधाए होए शिकारी जानवर तुहाडे लई फड़न—तुसीं उन्हां नूं उस विचों कुझ सिखाउंदे हो जो अल्लाह ने तुहानूं सिखाइया है—सो उस विचों खाओ जो ओह तुहाडे लई फड़ रक्खण, ते उस उत्ते अल्लाह दा नाम लओ। ते अल्लाह तों सुचेत रहो: बेशक अल्लाह छेती हिसाब लैण वाला है।” अज्ज तुहाडे लई सारियां पाक चीज़ां हलाल कर दित्तियां गइयां हन। ते जिन्हां नूं किताब दित्ती गई उन्हां दा खाणा तुहाडे लई हलाल है, ते तुहाडा खाणा उन्हां लई हलाल है। ते तुहाडे लई हलाल हन ईमान वालियां विचों पाकदामन औरतां ते उन्हां विचों पाकदामन औरतां जिन्हां नूं तुहाथों पहिलां किताब दित्ती गई, जदों तुसीं उन्हां नूं उन्हां दे महर दे देओ, उन्हां नूं पाक निकाह विच लिआउंदे होए, ना कि बदकारी करदे होए ते ना चोरी-छुपे याराने लाउंदे होए। ते जो कोई ईमान तों इनकार करे, उस दा अमल अकारथ हो गिया, ते आख़िरत विच ओह घाटा खाण वालियां विचों होवेगा। (4–5)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, जदों तुसीं नमाज़ लई उट्ठो, तां अपणे चिहरे ते अपणे हत्थ कूहणियां तक्क धो लओ, अपणे सिरां दा मसह करो, ते अपणे पैर गिट्टियां तक्क धो लओ। ते जे तुसीं नापाकी दी हालत विच होवो, तां चंगी तरां पाक हो जाओ। ते जे तुसीं बीमार होवो जां सफ़र उत्ते, जां तुहाडे विचों कोई हाजत तों फ़ारिग़ हो के आइया होवे, जां तुसीं औरतां नूं छूहिया होवे, ते तुहानूं पाणी ना मिले, तां पाक मिट्टी लओ ते उस दे नाल अपणे चिहरियां ते हत्थां उत्ते मसह कर लओ। अल्लाह नहीं चाहुंदा कि तुहाडे उत्ते कोई तंगी पावे; बल्कि ओह चाहुंदा है कि तुहानूं पाक करे ते तुहाडे उत्ते अपणी नेमत पूरी करे, तां जो तुसीं शुकर करो। ते अपणे उत्ते अल्लाह दी नेमत नूं याद करो, ते उस दे उस अहद नूं जिस विच उस ने तुहानूं बन्हिया जदों तुसीं आखिया सी, "असां ने सुणिया ते मन्न लिया।" ते अल्लाह तों सुचेत रहो: बेशक अल्लाह सीनियां दी गल्ल ख़ूब जाणदा है। (6–7)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, अल्लाह लई मज़बूती नाल क़ायम रहो, इनसाफ़ दी गवाही देण वाले बण के, ते किसे क़ौम दी दुश्मणी तुहानूं इस उत्ते ना उभारे कि तुसीं इनसाफ़ ना करो। इनसाफ़ करो: एही अल्लाह तों सुचेतता दे वध नेड़े है। ते अल्लाह तों सुचेत रहो: बेशक अल्लाह उस सभ तों बाख़बर है जो तुसीं करदे हो। अल्लाह ने उन्हां नाल जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते वादा कीता है कि उन्हां लई बख़शिश ते वड्डा अजर है; ते जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता ते साडियां आयतां नूं झुठलाइया—ओही भड़कदी अग्ग वाले हन। (8–10)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, अपणे उत्ते अल्लाह दी नेमत नूं याद करो जदों इक्क क़ौम ने इरादा कीता सी कि तुहाडे वल्ल अपणे हत्थ वधाउण, तां उस ने उन्हां दे हत्थ तुहाथों रोक दित्ते। ते अल्लाह तों सुचेत रहो, ते ईमान वालियां नूं अल्लाह ही उत्ते भरोसा रक्खणा चाहीदा है। (11)

ते अल्लाह ने इसराईल दी औलाद तों अहद लिया, ते असां ने उन्हां विचों बारां सरदार खड़े कीते। ते अल्लाह ने आखिया, "मैं तुहाडे नाल हां। जे तुसीं नमाज़ क़ायम रक्खी ते ज़कात दिंदे रहे, ते मेरे रसूलां उत्ते ईमान लिआए ते उन्हां दा साथ दित्ता, ते अल्लाह नूं चंगा क़र्ज़ दिंदे रहे, तां मैं ज़रूर तुहाडियां बुराइयां तुहाथों दूर कर दिआंगा ते तुहानूं अजिहे बाग़ां विच दाख़िल करांगा जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन। फिर तुहाडे विचों जो कोई इस तों बाद सच्च दा इनकार करे ओह सिद्धे राह तों भटक गिया।" फिर उन्हां दे अपणा अहद तोड़ देण कारन असां ने उन्हां उत्ते लानत कीती ते उन्हां दे दिल सख़्त कर दित्ते। ओह लफ़्ज़ां नूं उन्हां दी थां तों फेर दिंदे हन, ते जिस दी उन्हां नूं नसीहत कीती गई सी उस दा इक्क हिस्सा भुल्ल बैठे। ते तूं उन्हां दी किसे ना किसे ख़ियानत दी ख़बर पाउंदा ही रहेंगा, सिवाए उन्हां विचों थोड़ियां दे; सो उन्हां नूं माफ़ कर ते दरगुज़र कर: बेशक अल्लाह नेकी करन वालियां नाल मुहब्बत करदा है। ते जो आखदे हन, "असीं ईसाई हां," उन्हां तों वी असां ने अहद लिया सी, पर ओह वी उस दा इक्क हिस्सा भुल्ल बैठे जिस दी उन्हां नूं नसीहत कीती गई सी; सो असां ने क़ियामत दे दिन तक्क उन्हां दे विचकार दुश्मणी ते नफ़रत पा दित्ती, ते अल्लाह जलदी ही उन्हां नूं दस्स देवेगा जो कुझ ओह करदे रहे। (12–14)

ऐ किताब वालियो, साडा रसूल तुहाडे कोल आ गिया है, जो तुहाडे लई किताब दियां ओह बहुत सारियां गल्लां खोल्ह के बिआन करदा है जिन्हां नूं तुसीं छुपाउंदे सी, ते बहुत सारियां गल्लां तों दरगुज़र करदा है। बेशक तुहाडे कोल अल्लाह वल्लों इक्क नूर ते इक्क रौशन किताब आ चुक्की है, जिस दे ज़रीए अल्लाह उन्हां नूं जो उस दी रज़ा दे तलबगार हन सलामती दे राहां दी हिदायत दिंदा है, ते अपणे हुक्म नाल उन्हां नूं हनेरियां दी गहिराई विचों कढ्ढ के रौशनी वल्ल लिआउंदा है, ते उन्हां नूं सिद्धे राह दी हिदायत दिंदा है। यक़ीनन उन्हां ने सच्च दा इनकार कीता जिन्हां ने आखिया, "अल्लाह ही मरयम दा पुत्तर मसीह है।" आख, "तां अल्लाह दे अग्गे किस दा कुझ वस्स चल्ल सकदा है जे ओह मरयम दे पुत्तर मसीह नूं, ते उस दी मां नूं, ते धरती विच जो कोई है सभ नूं हलाक करना चाहे?" ते असमानां ते धरती दी ते जो कुझ उन्हां दे विचकार है उस दी बादशाही अल्लाह ही दी है: ओह जो चाहुंदा है पैदा करदा है, ते अल्लाह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। ते यहूदी ते ईसाई आखदे हन, "असीं अल्लाह दे पुत्तर ते उस दे पिआरे हां।" आख, "फिर ओह तुहानूं तुहाडे गुनाहां उत्ते अज़ाब क्यों दिंदा है? नहीं—बल्कि तुसीं वी उन्हां विचों इनसान ही हो जिन्हां नूं उस ने पैदा कीता है। ओह जिस नूं चाहुंदा है बख़्श दिंदा है ते जिस नूं चाहुंदा है अज़ाब दिंदा है।" ते असमानां ते धरती दी ते जो कुझ उन्हां दे विचकार है उस दी बादशाही अल्लाह ही दी है, ते उसे वल्ल मुड़ के जाणा है। ऐ किताब वालियो, साडा रसूल तुहाडे कोल आ गिया है, जो रसूलां दे इक्क वक़फ़े तों बाद तुहाडे लई गल्लां खोल्ह के बिआन करदा है, कि किते तुसीं एह ना आखो, "साडे कोल ना कोई ख़ुशख़बरी देण वाला आइया ना ख़बरदार करन वाला।" सो हुण तुहाडे कोल ख़ुशख़बरी देण वाला ते ख़बरदार करन वाला आ गिया है। ते अल्लाह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। (15–19)

ते याद करो जदों मूसा ने अपणी क़ौम नूं आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, अपणे उत्ते अल्लाह दी नेमत नूं याद करो जदों उस ने तुहाडे विच नबी पैदा कीते, तुहानूं बादशाह बणाइया, ते तुहानूं ओह कुझ दित्ता जो जहान दी किसे होर क़ौम नूं नहीं दित्ता सी। ऐ मेरी क़ौम, उस पाक धरती विच दाख़िल हो जाओ जो अल्लाह ने तुहाडे लई लिख दित्ती है, ते पिट्ठ फेर के ना मुड़ो, नहीं तां घाटा खा के पलटोगे।" उन्हां ने आखिया, "ऐ मूसा, उस विच तां वड्डे ज़ोरावर लोक हन, ते असीं उस विच हरगिज़ दाख़िल ना होवांगे जद तक्क ओह उत्थों निकल ना जाण। जे ओह उत्थों निकल जाण, तां असीं दाख़िल हो जावांगे।" दो आदमियां ने, जो अल्लाह तों डरन वालियां विचों सन ते जिन्हां उत्ते अल्लाह ने इनाम कीता सी, आखिया, "दरवाज़े थाणीं उन्हां उत्ते चढ़ जाओ; जदों तुसीं उस विच दाख़िल हो जाओगे, तां तुसीं ही ग़ालिब रहोगे। ते अल्लाह ही उत्ते भरोसा रक्खो, जे तुसीं ईमान वाले हो।" उन्हां ने आखिया, "ऐ मूसा, असीं उस विच कदे दाख़िल ना होवांगे जद तक्क ओह उस विच हन। सो तूं ते तेरा रब्ब जाओ, ते दोवें लड़ो—असीं तां इत्थे ही बैठे हां।" उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मेरा अपणे आप ते अपणे भरा तों सिवा किसे उत्ते वस्स नहीं; सो तूं साडे ते इस नाफ़रमान क़ौम दे विचकार जुदाई पा दे।" उस ने आखिया, "तां एह धरती उन्हां उत्ते चाली साल लई हराम कर दित्ती गई, ओह धरती विच भटकदे फिरनगे। सो तूं इस नाफ़रमान क़ौम उत्ते ग़म ना कर।" (20–26)

ते उन्हां नूं आदम दे दो पुत्तरां दा क़िस्सा ठीक-ठीक पढ़ के सुणा: जदों दोहां ने इक्क-इक्क क़ुरबानी पेश कीती, तां उन्हां विचों इक्क दी क़बूल कीती गई ते दूजे दी क़बूल ना कीती गई। उस ने आखिया, "मैं तैनूं ज़रूर क़तल कर दिआंगा।" पहिले ने आखिया, "अल्लाह तां उन्हां ही तों क़बूल करदा है जो उस तों सुचेत रहिंदे हन। जे तूं मैनूं क़तल करन लई मेरे वल्ल अपणा हत्थ वधावेंगा, तां वी मैं तैनूं क़तल करन लई तेरे वल्ल अपणा हत्थ ना वधावांगा: मैं अल्लाह तों डरदा हां, जो सारे जहानां दा रब्ब है। मैं तां चाहुंदा हां कि तूं मेरा गुनाह वी ते अपणा गुनाह वी समेट लवें ते अग्ग वालियां विचों हो जावें—ते ज़ालिमां दा एही बदला है।" फिर उस दे नफ़स ने उस नूं अपणे भरा दे क़तल उत्ते राज़ी कर लिया, सो उस ने उस नूं क़तल कर दित्ता, ते घाटा खाण वालियां विचों हो गिया। फिर अल्लाह ने इक्क कां भेजिया, जो ज़मीन खुरचदा सी, तां जो उस नूं दिखाए कि ओह अपणे भरा दी नंगी लाश किवें छुपाए। उस ने आखिया, "हाए मेरी कंबख़्ती! की मैं इस कां वरगा होण तों वी रह गिया कि अपणे भरा दी लाश छुपा दिंदा?" फिर ओह पछताउण वालियां विचों हो गिया। इसे कारन असां ने इसराईल दी औलाद लई लिख दित्ता कि जिस ने किसे इनसान नूं क़तल कीता—बिनां इस दे कि उस ने किसे दा ख़ून कीता होवे जां धरती विच फ़साद फैलाइया होवे—तां जिवें उस ने सारे इनसानां नूं क़तल कर दित्ता; ते जिस ने किसे दी जान बचाई, तां जिवें उस ने सारे इनसानां दी जान बचा लई। ते साडे रसूल उन्हां कोल खुल्हियां दलीलां लै के आए, फिर इस तों बाद वी उन्हां विचों बहुते धरती विच ज़िआदतियां करदे रहिंदे हन। जो लोक अल्लाह ते उस दे रसूल नाल जंग करदे हन ते धरती विच फ़साद फैलाउण दी दौड़-धुप्प करदे हन उन्हां दा बदला एही है कि ओह क़तल कीते जाण, जां सूली चढ़ाए जाण, जां उन्हां दे हत्थ ते पैर उलटे पासियों कट्ट दित्ते जाण, जां ओह मुल्क तों कड्ढ दित्ते जाण। एह उन्हां लई दुनिया विच रुसवाई है, ते आख़िरत विच उन्हां लई वड्डा अज़ाब है—सिवाए उन्हां दे जो इस तों पहिलां तौबा कर लैण कि तुसीं उन्हां उत्ते क़ाबू पाओ। सो जाण लओ कि अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (27–34)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, अल्लाह तों सुचेत रहो, उस तक्क पहुंचण दा वसीला ढूंढो, ते उस दे राह विच जिहाद करो, तां जो तुसीं कामयाब होवो। बेशक जो सच्च दे इनकारी हन, जे उन्हां दे कोल ओह सभ कुझ होवे जो धरती विच है ते उस दे नाल उन्ना ही होर वी, तां जो ओह उस नूं दे के क़ियामत दे दिन दे अज़ाब तों छुट्ट जाण, तां वी ओह उन्हां तों क़बूल ना कीता जावेगा: ते उन्हां लई दर्दनाक अज़ाब है। ओह चाहुणगे कि अग्ग विचों निकल जाण, पर ओह उस विचों निकल ना सकणगे: ते उन्हां लई क़ायम रहण वाला अज़ाब है। (35–37)

ते चोर, मरद होवे जां औरत, दोहां दे हत्थ कट्ट देओ उन्हां दी कमाई दे बदले—अल्लाह वल्लों इबरत वाली सज़ा। ते अल्लाह ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। फिर जो कोई अपणे ज़ुलम तों बाद तौबा कर लए ते सुधार कर लए, तां अल्लाह यक़ीनन उस दी तौबा क़बूल करेगा: बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। की तूं नहीं जाणदा कि असमानां ते धरती दी बादशाही अल्लाह ही दी है? ओह जिस नूं चाहुंदा है अज़ाब दिंदा है ते जिस नूं चाहुंदा है बख़्श दिंदा है, ते अल्लाह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। (38–40)

ऐ रसूल, ओह लोक तैनूं ग़मगीन ना करन जो इनकार विच इक्क दूजे तों अग्गे दौड़दे हन, उन्हां विचों जो अपणे मूंहां नाल आखदे हन, "असीं ईमान लिआए," हालांकि उन्हां दे दिल ईमान नहीं लिआए, ते यहूदियां विचों—जो झूठ नूं कन्न ला के सुणदे हन ते दूजे लोकां लई कन्न ला के सुणदे हन जो तेरे कोल नहीं आए। ओह लफ़ज़ां नूं उन्हां दी असल थां तों फेर दिंदे हन, ते आखदे हन, "जे तुहानूं एह दित्ता जावे तां लै लओ; ते जे एह ना दित्ता जावे तां बचे रहो।" ते जिस नूं अल्लाह आज़माइश विच पाउणा चाहे, तूं उस लई अल्लाह दे मुक़ाबले विच कुझ नहीं कर सकदा। इही ओह लोक हन जिन्हां दे दिलां नूं अल्लाह ने पाक करना नहीं चाहिया: उन्हां लई दुनिया विच रुसवाई है, ते आख़िरत विच वड्डा अज़ाब। ओह झूठ नूं कन्न ला के सुणदे हन ते हराम खांदे हन। सो जे ओह तेरे कोल आउण, तां उन्हां दे विचकार फ़ैसला कर जां उन्हां तों मूंह फेर लै; ते जे तूं उन्हां तों मूंह फेर लवें, तां ओह तेरा कुझ वी नहीं विगाड़ सकणगे। ते जे तूं फ़ैसला करें, तां उन्हां दे विचकार इनसाफ़ नाल फ़ैसला कर: बेशक अल्लाह इनसाफ़ करन वालियां नाल मुहब्बत करदा है। पर ओह तैनूं किवें फ़ैसला करन वाला बणाउंदे हन जदों कि उन्हां दे कोल तौरात है, जिस विच अल्लाह दा हुक्म है, ते फिर इस तों बाद वी मूंह मोड़ लैंदे हन? अजिहे लोक बिलकुल ईमान वाले नहीं। बेशक असां ने तौरात उतारी, जिस विच हिदायत ते नूर है। उसे दे मुताबिक़ ओह नबी जो अल्लाह दे फ़रमांबरदार सन यहूदियां दे फ़ैसले करदे सन, ते रब्ब वाले ते आलिम वी, इस लई कि उन्हां नूं अल्लाह दी किताब दी हिफ़ाज़त सौंपी गई सी, ते ओह उस उत्ते गवाह सन। सो तुसीं लोकां तों ना डरो, बल्कि मैथों डरो, ते मेरियां आयतां नूं थोड़े जिहे मुल्ल उत्ते ना वेचो। ते जो उस दे मुताबिक़ फ़ैसला ना करन जो अल्लाह ने उतारिया है—ओही सच्च दे इनकारी हन। ते असां ने उस विच उन्हां लई लिख दित्ता सी: जान दे बदले जान, अक्ख दे बदले अक्ख, नक्क दे बदले नक्क, कन्न दे बदले कन्न, दंद दे बदले दंद, ते ज़ख़्मां दा वी बराबर दा बदला। फिर जो कोई उस नूं सदक़े वजों माफ़ कर देवे, तां ओह उस लई कफ़्फ़ारा होवेगा। ते जो उस दे मुताबिक़ फ़ैसला ना करन जो अल्लाह ने उतारिया है—ओही ज़ालिम हन। (41–45)

ते उन्हां दे पिच्छे उन्हां दे नक़्शे-क़दम उत्ते असां ने मरयम दे पुत्तर ईसा नूं भेजिया, जो उस तौरात दी तसदीक़ करन वाला सी जो उस तों पहिलां आ चुक्की सी। ते असां ने उस नूं इंजील दित्ती, जिस विच हिदायत ते नूर है, ते जो उस तौरात दी तसदीक़ करदी है जो उस तों पहिलां आ चुक्की सी, ते अल्लाह तों सुचेत रहण वालियां लई हिदायत ते नसीहत है। ते इंजील वालियां नूं चाहीदा है कि उस दे मुताबिक़ फ़ैसला करन जो अल्लाह ने उस विच उतारिया है। ते जो उस दे मुताबिक़ फ़ैसला ना करन जो अल्लाह ने उतारिया है—ओही नाफ़रमान हन। (46–47)

ते ऐ नबी, असां ने तेरे वल्ल एह किताब सच्च दे नाल उतारी है, जो उस किताब दी तसदीक़ करदी है जो इस तों पहिलां आई ते उस उत्ते निगहबान है। सो तूं उन्हां दे विचकार उस दे मुताबिक़ फ़ैसला कर जो अल्लाह ने उतारिया है, ते उस सच्च नूं छड्ड के जो तेरे कोल आइया है उन्हां दियां ख़ाहिशां दे पिच्छे ना चल्ल। तुहाडे विचों हर इक्क लई असां ने इक्क शरीअत ते इक्क राह मुक़र्रर कीता है। ते जे अल्लाह चाहुंदा, तां तुहानूं इक्को उम्मत बणा दिंदा, पर उस ने होर चाहिया तां जो तुहानूं उस विच आज़माए जो उस ने तुहानूं दित्ता है;

सो नेकियां विच इक्क दूजे तों अग्गे वधो। तुहाडा सभनां दा मुड़ना अल्लाह ही वल्ल है, फिर ओह तुहानूं उन्हां गल्लां दी ख़बर देवेगा जिन्हां विच तुसीं इख़तिलाफ़ करदे सी। ते उन्हां दे विचकार उस दे मुताबिक़ फ़ैसला कर जो अल्लाह ने उतारिया है, ते उन्हां दियां ख़ाहिशां दे पिच्छे ना चल्ल; ते उन्हां तों होशियार रह, कि किते ओह तैनूं उस दे किसे हिस्से तों ना फेर देण जो अल्लाह ने तेरे वल्ल उतारिया है। फिर जे ओह मूंह मोड़न, तां जाण लै कि अल्लाह उन्हां नूं उन्हां दे कुझ गुनाहां कारन मुसीबत विच पाउणा चाहुंदा है; ते बेशक बहुत सारे लोक नाफ़रमान हन। तां की ओह जाहिलियत दे दिनां दा फ़ैसला चाहुंदे हन? ते यक़ीन रक्खण वाले लोकां लई फ़ैसला करन विच अल्लाह तों बिहतर कौण है? (48–50)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, यहूदियां ते ईसाइयां नूं अपणा दोस्त ना बणाओ: ओह इक्क दूजे दे दोस्त हन। ते तुहाडे विचों जो कोई उन्हां नूं दोस्त बणावेगा ओह उन्हां ही विचों है। बेशक अल्लाह ज़ालिम लोकां नूं राह नहीं दिखाउंदा। सो तूं उन्हां नूं वेखदा हैं जिन्हां दे दिलां विच रोग है कि ओह उन्हां वल्ल दौड़-दौड़ के जांदे हन, ते आखदे हन, "सानूं डर है कि किते साडे उत्ते ज़माने दा कोई चक्कर ना आ पवे।" पर हो सकदा है कि अल्लाह फ़तह लै आवे, जां अपणे वल्लों कोई होर हुक्म, तां फिर ओह उस उत्ते पछताउणगे जो उन्हां ने अपणे दिलां विच छुपा रक्खिया सी। ते ईमान वाले आखणगे, "की इही ओह लोक हन जिन्हां ने अल्लाह दियां पक्कियां क़समां खा के आखिया सी कि ओह तुहाडे नाल हन?" उन्हां दे अमल अकारथ हो गए, ते ओह घाटा खाण वाले हो गए। (51–53)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, तुहाडे विचों जो कोई अपणे दीन तों फिर जावे—तां अल्लाह अजिहे लोक लै आवेगा जिन्हां नाल ओह मुहब्बत करेगा ते जो उस नाल मुहब्बत करनगे, ईमान वालियां लई नरम, सच्च दे इनकारियां लई सख़्त, जो अल्लाह दे राह विच जिहाद करनगे ते किसे मलामत करन वाले दी मलामत तों ना डरनगे। एह अल्लाह दा फ़ज़ल है, जो ओह जिस नूं चाहुंदा है दिंदा है; ते अल्लाह वड्डी समाई वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। तुहाडा दोस्त तां बस अल्लाह है, ते उस दा रसूल, ते ओह जो ईमान लिआए—जो नमाज़ क़ायम करदे हन ते ज़कात दिंदे हन ते झुकण वाले हन। ते जो कोई अल्लाह, उस दे रसूल ते ईमान वालियां नूं दोस्त बणाए—तां अल्लाह दी जमाअत ही ग़ालिब रहण वाली है। (54–56)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, उन्हां नूं दोस्त ना बणाओ जिन्हां ने तुहाडे दीन नूं मख़ौल ते खेड बणा लिया है, भावें ओह उन्हां विचों होण जिन्हां नूं तुहाथों पहिलां किताब दित्ती गई जां सच्च दे इनकारियां विचों; ते अल्लाह तों सुचेत रहो, जे तुसीं ईमान वाले हो। ते जदों तुसीं नमाज़ लई पुकारदे हो, तां ओह उस नूं मख़ौल ते खेड बणा लैंदे हन: एह इस लई कि ओह अजिहे लोक हन जो अक़ल नहीं रक्खदे। आख, "ऐ किताब वालियो, की तुसीं साडे नाल इस तों सिवा किसे होर गल्ल दा वैर रक्खदे हो कि असीं अल्लाह उत्ते ईमान लिआए ते उस उत्ते जो साडे वल्ल उतारिया गिया ते उस उत्ते जो पहिलां उतारिया गिया, ते एह कि तुहाडे विचों बहुते नाफ़रमान हन?" आख, "की मैं तुहानूं दस्सां कि अल्लाह दे कोल बदले दे लिहाज़ नाल इस तों वी बुरा कौण है? ओह जिन्हां उत्ते अल्लाह ने लानत कीती ते जिन्हां उत्ते उस दा ग़ज़ब होइया, ते जिन्हां विचों कुझ नूं उस

ने बांदर ते सूर बणा दित्ता, ते जिन्हां ने झूठे माबूदां दी इबादत कीती—ओही दर्जे विच वध बुरे ते सिद्धे राह तों वध भटके होए हन।" (57–60)

ते जदों ओह तुहाडे कोल आउंदे हन तां आखदे हन, "असीं ईमान लिआए," हालांकि ओह इनकार दे नाल ही अंदर आए सन ते उसे दे नाल बाहर निकले; ते अल्लाह उस नूं ख़ूब जाणदा है जो ओह छुपाउंदे हन। ते तूं उन्हां विचों बहुतियां नूं वेखदा हैं कि गुनाह ते ज़िआदती विच ते हराम खाण विच इक्क दूजे तों अग्गे दौड़दे हन। बहुत ही बुरा है जो ओह करदे हन। उन्हां दे रब्ब वाले ते आलिम उन्हां नूं गुनाह दी गल्ल आखण तों ते हराम खाण तों क्यों नहीं रोकदे? बहुत ही बुरा है जो ओह बणाउंदे हन। ते यहूदी आखदे हन, "अल्लाह दा हत्थ बन्हिया होइया है।" उन्हां दे अपणे ही हत्थ बन्हे गए, ते उन्हां दे इस आखण कारन उन्हां उत्ते लानत कीती गई। नहीं—बल्कि उस दे दोवें हत्थ खुल्हे हन; ओह जिवें चाहुंदा है ख़र्च करदा है। ते जो कुझ तेरे वल्ल तेरे रब्ब वल्लों उतारिया गिया है ओह उन्हां विचों बहुतियां दी सरकशी ते इनकार नूं होर वधा देवेगा। ते असां ने उन्हां दे विचकार क़ियामत दे दिन तक्क दुश्मणी ते नफ़रत पा दित्ती है। जदों वी ओह जंग दी अग्ग भड़काउंदे हन, अल्लाह उस नूं बुझा दिंदा है। ते ओह धरती विच फ़साद फैलाउण दी दौड़-धुप्प करदे हन, ते अल्लाह फ़साद फैलाउण वालियां नूं पसंद नहीं करदा। ते जे किताब वाले ईमान लै आउंदे ते अल्लाह तों सुचेत रहिंदे, तां असीं उन्हां दियां बुराइयां उन्हां तों दूर कर दिंदे ते उन्हां नूं नेमतां भरे बाग़ां विच दाख़िल करदे। ते जे ओह तौरात ते इंजील नूं ते उस नूं जो उन्हां वल्ल उन्हां दे रब्ब वल्लों उतारिया गिया क़ायम रक्खदे, तां ओह अपणे उत्तों वी खांदे ते अपणे पैरां दे थल्लिओं वी। उन्हां विच इक्क जमाअत विचकारले राह उत्ते है; पर उन्हां विचों बहुते—बहुत बुरा है जो ओह करदे हन। (61–66)

ऐ रसूल, जो कुझ तेरे वल्ल तेरे रब्ब वल्लों उतारिया गिया है उस नूं पहुंचा दे; ते जे तूं अजिहा ना कीता, तां तूं उस दा पैग़ाम नहीं पहुंचाइया। ते अल्लाह तैनूं लोकां तों बचावेगा: बेशक अल्लाह सच्च दे इनकारियां नूं राह नहीं दिखाउंदा। आख, "ऐ किताब वालियो, तुसीं किसे बुनियाद उत्ते नहीं जद तक्क तुसीं तौरात ते इंजील नूं ते उस नूं जो तुहाडे वल्ल तुहाडे रब्ब वल्लों उतारिया गिया क़ायम ना करो।" ते ऐ नबी, जो कुझ तेरे वल्ल तेरे रब्ब वल्लों उतारिया गिया है ओह उन्हां विचों बहुतियां दी सरकशी ते इनकार नूं होर वधा देवेगा; सो तूं सच्च दा इनकार करन वाली क़ौम उत्ते ग़म ना कर। बेशक जो ईमान लिआए, ते जो यहूदी होए, ते साबी ते ईसाई—जो वी अल्लाह उत्ते ते आख़िरी दिन उत्ते ईमान लिआइया ते नेक कम्म कीता—ना उन्हां नूं कोई डर होवेगा, ते ना ओह ग़मगीन होणगे। (67–69)

बेशक असां ने इसराईल दी औलाद तों अहद लिया ते उन्हां वल्ल रसूल भेजे। जदों वी कोई रसूल उन्हां कोल ओह चीज़ लै के आइया जो उन्हां दे जी नूं ना भाई, तां किसे नूं उन्हां ने झुठलाइया ते किसे नूं क़तल कर दित्ता। ते उन्हां ने समझिया कि कोई आज़माइश ना होवेगी, सो ओह अन्हे ते बोले हो गए। फिर अल्लाह ने उन्हां दी तौबा क़बूल कीती; फिर वी उन्हां विचों बहुते अन्हे ते बोले हो गए। ते अल्लाह ओह सभ वेख रिहा है जो ओह करदे हन। यक़ीनन उन्हां ने सच्च दा इनकार कीता जिन्हां ने आखिया, "अल्लाह ही मरयम दा पुत्तर मसीह है।" हालांकि मसीह ने आप आखिया सी, "ऐ इसराईल दी औलाद, अल्लाह दी इबादत करो, जो

मेरा रब्ब है ते तुहाडा रब्ब वी।" बेशक जो कोई अल्लाह दे नाल किसे नूं शरीक ठहराए, उस उत्ते अल्लाह ने जन्नत हराम कर दित्ती है, ते उस दा ठिकाणा अग्ग है; ते ज़ालिमां दा कोई मददगार ना होवेगा। (70–72)

यक़ीनन उन्हां ने सच्च दा इनकार कीता जिन्हां ने आखिया, "अल्लाह तिन्नां विचों तीजा है": हालांकि इक्क माबूद तों सिवा कोई माबूद नहीं। ते जे ओह उस तों बाज़ ना आए जो ओह आखदे हन, तां उन्हां विचों जो सच्च दे इनकारी हन उन्हां उत्ते ज़रूर दर्दनाक अज़ाब आ पवेगा। तां की ओह अल्लाह वल्ल नहीं मुड़दे ते उस तों बख़शिश नहीं मंगदे? ते अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। मरयम दा पुत्तर मसीह इक्क रसूल तों वध कुझ ना सी; उस तों पहिलां वी रसूल गुज़र चुक्के सन। ते उस दी मां सच्ची औरत सी। ओह दोवें खाणा खांदे सन। वेख, असीं उन्हां लई निशानियां किवें खोल्ह के बिआन करदे हां, फिर वेख ओह किधर फेरे जा रहे हन! आख, "की तुसीं अल्लाह नूं छड्ड के उस दी इबादत करदे हो जो ना तुहाडे नुक़सान दा मालिक है ना नफ़े दा, हालांकि अल्लाह ही सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है?" आख, "ऐ किताब वालियो, अपणे दीन विच सच्च दी हद्द तों अग्गे ना वधो, ते उन्हां लोकां दियां ख़ाहिशां दे पिच्छे ना चल्लो जो इस तों पहिलां भटक चुक्के हन, ते जिन्हां ने बहुतियां नूं भटकाइया ते सिद्धे राह तों भटक गए।" (73–77)

इसराईल दी औलाद विचों जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता उन्हां उत्ते दाऊद ते मरयम दे पुत्तर ईसा दी ज़बान तों लानत कीती गई, इस लई कि उन्हां ने नाफ़रमानी कीती ते हद्द तों वधदे रहे। ओह इक्क दूजे नूं उस बुराई तों नहीं रोकदे सन जो ओह करदे सन। बहुत ही बुरा सी जो ओह करदे सन। तूं उन्हां विचों बहुतियां नूं वेखदा हैं कि ओह सच्च दे इनकारियां नाल दोस्ती रक्खदे हन। बहुत ही बुरा है जो उन्हां दे नफ़सां ने उन्हां लई अग्गे भेजिया, कि अल्लाह उन्हां उत्ते नाराज़ होइया, ते ओह अज़ाब विच सदा रहिणगे। ते जे ओह अल्लाह उत्ते ते नबी उत्ते ते उस उत्ते ईमान रक्खदे जो उस वल्ल उतारिया गिया, तां उन्हां नूं दोस्त ना बणाउंदे; पर उन्हां विचों बहुते नाफ़रमान हन। (78–81)

तूं ईमान वालियां नाल दुश्मणी विच सभ लोकां तों वध सख़्त यहूदियां नूं ते उन्हां नूं पावेंगा जो अल्लाह नाल शरीक ठहराउंदे हन; ते ईमान वालियां नाल मुहब्बत विच सभ तों वध नेड़े तूं उन्हां नूं पावेंगा जो आखदे हन, "असीं ईसाई हां।" एह इस लई कि उन्हां विच पादरी ते राहिब हन, ते इस लई कि ओह घमंड नहीं करदे। ते जदों ओह उस नूं सुणदे हन जो रसूल वल्ल उतारिया गिया है, तां तूं वेखदा हैं कि उन्हां दियां अक्खां हंझूआं नाल वग रहियां हन, उस सच्च कारन जो उन्हां ने पछाण लिया। ओह आखदे हन, "ऐ साडे रब्ब, असीं ईमान लै आए, सो सानूं गवाही देण वालियां विच लिख लै। ते असीं अल्लाह उत्ते ते उस सच्च उत्ते क्यों ना ईमान लिआईए जो साडे कोल आइया है, जदों कि सानूं आस है कि साडा रब्ब सानूं नेक लोकां दे नाल दाख़िल करेगा?" सो अल्लाह ने उन्हां दे इस आखण दे बदले उन्हां नूं अजिहे बाग़ दित्ते जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, जिन्हां विच ओह सदा रहिणगे। ते एही नेकी करन वालियां दा बदला है; ते जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता ते साडियां आयतां नूं झुठलाइया—ओही भड़कदी अग्ग वाले हन। (82–86)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, उन्हां पाक चीज़ां नूं हराम ना ठहराओ जो अल्लाह ने तुहाडे लई हलाल कीतियां हन, ते हद्द तों ना वधो: बेशक अल्लाह हद्द तों वधण वालियां नूं पसंद नहीं करदा। ते जो हलाल ते पाक रोज़ी अल्लाह ने तुहानूं दित्ती है उस विचों खाओ, ते उस अल्लाह तों सुचेत रहो जिस उत्ते तुसीं ईमान रक्खदे हो। अल्लाह तुहानूं तुहाडियां बेइरादा क़समां उत्ते नहीं फड़ेगा, पर उन्हां क़समां उत्ते फड़ेगा जिन्हां नूं तुसीं पक्का कर लिया। सो उस दा कफ़्फ़ारा दस मुहताजां नूं उस दरमियाने दर्जे दा खाणा खुआउणा है जो तुसीं अपणे घर वालियां नूं खुआउंदे हो, जां उन्हां नूं कपड़े पहिनाउणा, जां इक्क ग़ुलाम आज़ाद करना; फिर जिस नूं एह मयस्सर ना होवे, ओह तिन्न दिन रोज़े रक्खे। एह तुहाडियां क़समां दा कफ़्फ़ारा है जदों तुसीं क़सम खा बैठो। ते अपणियां क़समां दी हिफ़ाज़त करो। इसे तरां अल्लाह तुहाडे लई अपणियां आयतां खोल्ह के बिआन करदा है, तां जो तुसीं शुकर करो। (87–89)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, शराब, जूआ, थान ते फ़ाल दे तीर गंदे शैतानी कम्म हन; सो इन्हां तों बचो, तां जो तुसीं कामयाब होवो। शैतान तां बस एही चाहुंदा है कि शराब ते जूए दे ज़रीए तुहाडे विचकार दुश्मणी ते नफ़रत पा देवे, ते तुहानूं अल्लाह दी याद तों ते नमाज़ तों रोक देवे। तां की तुसीं बाज़ आउंदे हो? ते अल्लाह दी फ़रमांबरदारी करो ते रसूल दी फ़रमांबरदारी करो, ते होशियार रहो। फिर जे तुसीं मूंह मोड़ोगे, तां जाण लओ कि साडे रसूल दे ज़िम्मे सिरफ़ साफ़-साफ़ पैग़ाम पहुंचा देणा है। जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते उन्हां उत्ते उस दा कोई गुनाह नहीं जो ओह पहिलां खा-पी चुक्के, जद कि ओह अल्लाह तों सुचेत रहण ते ईमान लिआउण ते नेक कम्म करन, फिर अल्लाह तों सुचेत रहण ते ईमान लिआउण, फिर अल्लाह तों सुचेत रहण ते नेकी करन। ते अल्लाह नेकी करन वालियां नाल मुहब्बत करदा है। (90–93)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, अल्लाह तुहानूं ज़रूर उस शिकार दे ज़रीए आज़मावेगा जिस तक्क तुहाडे हत्थ ते तुहाडे नेज़े पहुंच सकण, तां जो अल्लाह ज़ाहिर कर देवे कि कौण बिनां वेखे उस तों डरदा है। फिर जो इस तों बाद हद्द तों वधे उस लई दर्दनाक अज़ाब है। ऐ ईमान लिआउण वालियो, जदों तुसीं अहराम दी हालत विच होवो तां शिकार नूं ना मारो। ते तुहाडे विचों जो उस नूं जाण-बुझ के मारे, तां उस दा बदला मवेशियां विचों उहो जिहा जानवर है जिहा उस ने मारिया, जिस दा फ़ैसला तुहाडे विचों दो इनसाफ़ वाले आदमी करन, जो क़ुरबानी वजों काबे तक्क पहुंचाइया जावे; जां कफ़्फ़ारे वजों मुहताजां नूं खाणा खुआउणा, जां उस दे बराबर रोज़े रक्खणा, तां जो ओह अपणे कीते दा वबाल चक्खे। जो पहिलां हो चुक्का अल्लाह ने उस नूं माफ़ कर दित्ता; पर जो दुबारा अजिहा करेगा, अल्लाह उस तों बदला लवेगा। ते अल्लाह ज़बरदस्त, बदला लैण वाला है। तुहाडे लई समुंदर दा शिकार ते उस दा खाणा हलाल कीता गिया है, तुहाडे फ़ायदे लई ते मुसाफ़िरां लई; ते तुहाडे उत्ते ख़ुशकी दा शिकार हराम कीता गिया है जद तक्क तुसीं अहराम दी हालत विच रहो। ते उस अल्लाह तों सुचेत रहो, जिस दे हज़ूर तुसीं इकट्ठे कीते जाओगे। (94–96)

अल्लाह ने काबे नूं, हुरमत वाले घर नूं, लोकां लई क़ायम रहण दा ज़रीआ बणाइया है, ते इसे तरां हुरमत वाले महीने नूं, क़ुरबानी दे जानवरां नूं ते गल विच पट्टे पाए जानवरां नूं वी। एह इस लई कि तुसीं जाण लओ कि अल्लाह ओह सभ जाणदा है जो असमानां विच है ते जो धरती विच है, ते एह कि अल्लाह हर चीज़ दा

इल्म रक्खदा है। जाण लओ कि अल्लाह सख़्त अज़ाब देण वाला है, ते एह कि अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। रसूल दे ज़िम्मे सिरफ़ पैग़ाम पहुंचा देणा है; ते अल्लाह जाणदा है जो कुझ तुसीं ज़ाहिर करदे हो ते जो कुझ छुपाउंदे हो। (97–99)

आख, "नापाक ते पाक बराबर नहीं हो सकदे, भावें नापाक दी बहुतात तैनूं भली लग्गे। सो ऐ अक़्ल वालियो, अल्लाह तों सुचेत रहो, तां जो तुसीं कामयाब होवो।" ऐ ईमान लिआउण वालियो, अजिहियां चीज़ां बारे ना पुच्छो कि जे ओह तुहाडे उत्ते ज़ाहिर कर दित्तियां जाण तां तुहानूं बुरियां लग्गण; ते जे तुसीं उन्हां बारे उस वेले पुच्छोगे जदों क़ुरआन उतारिया जा रिहा है, तां ओह तुहाडे उत्ते ज़ाहिर कर दित्तियां जाणगियां। जो पहिलां तुसीं पुच्छ चुक्के अल्लाह ने उस नूं माफ़ कर दित्ता; ते अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, बुर्दबार है। तुहाथों पहिलां वी इक्क क़ौम ने अजिहियां गल्लां पुच्छियां सन, फिर ओह उन्हां दे इनकारी हो गए। अल्लाह ने ना कोई बहीरा मुक़र्रर कीता है, ना साइबा, ना वसीला, ना हाम; पर जो सच्च दे इनकारी हन ओह अल्लाह उत्ते झूठ घड़दे हन, ते उन्हां विचों बहुते अक़्ल तों कम्म नहीं लैंदे। ते जदों उन्हां नूं आखिया जांदा है, "उस वल्ल आओ जो अल्लाह ने उतारिया है ते रसूल वल्ल," तां आखदे हन, "साडे लई ओही काफ़ी है जिस उत्ते असां ने अपणे पिओ-दादियां नूं पाइया।" की—भावें उन्हां दे पिओ-दादे कुझ वी ना जाणदे होण ते ना राह उत्ते होण? ऐ ईमान लिआउण वालियो, तुहाडे उत्ते अपणियां ही जानां दी ज़िम्मेदारी है; जो भटक गिया ओह तुहाडा कुझ नहीं विगाड़ सकदा जे तुसीं राह उत्ते होवो। तुहाडा सभनां दा मुड़ना अल्लाह ही वल्ल है, फिर ओह तुहानूं दस्स देवेगा जो कुझ तुसीं करदे सी। (100–105)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, जदों तुहाडे विचों किसे नूं मौत आ पहुंचे ते ओह वसीयत कर रिहा होवे, तां तुहाडे विचकार गवाही होणी चाहीदी है—तुहाडे विचों दो इनसाफ़ वाले आदमी, जां बाहर वालियां विचों दो होर, जे तुसीं धरती विच सफ़र कर रहे होवो ते तुहाडे उत्ते मौत दी मुसीबत आ पवे। इन्हां दोहां नूं नमाज़ तों बाद रोक लओ, ते जे तुहानूं उन्हां उत्ते शक्क होवे, तां ओह अल्लाह दी क़सम खाण, "असीं इस क़सम दे बदले कोई मुल्ल ना लवांगे, भावें कोई नेड़े दा रिश्तेदार ही क्यों ना होवे, ते ना असीं अल्लाह दी गवाही छुपावांगे, नहीं तां असीं यक़ीनन गुनाहगारां विचों होवांगे।" फिर जे पता चल्ल जावे कि एह दोवें गुनाह दे हक़दार होए हन, तां उन्हां दी थां दो होर खड़े होण, उन्हां लोकां विचों जिन्हां दा हक़ पहिले दोहां ने मारिया है, ते ओह अल्लाह दी क़सम खाण, "साडी गवाही इन्हां दोहां दी गवाही तों वध सच्ची है, ते असां ने कोई ज़िआदती नहीं कीती, नहीं तां असीं यक़ीनन ज़ालिमां विचों होवांगे।" इस तरां वध उम्मीद है कि ओह गवाही ठीक-ठीक उसे तरां देणगे जिवें असल विच सी, जां इस तों डरनगे कि उन्हां दियां क़समां तों बाद होर क़समां खाधियां जाणगियां। ते अल्लाह तों सुचेत रहो ते सुणो: ते अल्लाह नाफ़रमान लोकां नूं राह नहीं दिखाउंदा। (106–108)

जिस दिन अल्लाह रसूलां नूं इकट्ठा करेगा ते पुच्छेगा, "तुहानूं की जवाब दित्ता गिया सी?" ओह आखणगे, "सानूं कोई इल्म नहीं; बेशक तूं ही सारियां छुपियां गल्लां दा जाणन वाला है।" फिर अल्लाह आखेगा, "ऐ मरयम दे पुत्तर ईसा, अपणे उत्ते ते अपणी मां उत्ते मेरी नेमत याद कर: जदों मैं रूहुल-क़ुदुस नाल तैनूं ताक़त दित्ती, कि तूं लोकां नाल पंघूड़े विच वी गल्ल करदा सी ते पक्की उमर विच वी; ते जदों मैं तैनूं किताब ते

हिकमत, तौरात ते इंजील सिखाई; ते जदों तूं मेरे हुक्म नाल मिट्टी तों पंछी वरगी शकल बणाउंदा सी, ते उस विच फूक मारदा सी, तां ओह मेरे हुक्म नाल पंछी बण जांदी सी; ते जदों तूं मेरे हुक्म नाल जमांदरू अन्हे ते कोढ़ी नूं चंगा करदा सी; ते जदों तूं मेरे हुक्म नाल मुर्दियां नूं कढ्ढ खड़ा करदा सी; ते जदों मैं इसराईल दी औलाद नूं तैथों रोकी रक्खिया जदों तूं उन्हां कोल खुल्हियां दलीलां लै के आइया ते उन्हां विचों जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता उन्हां ने आखिया कि एह तां खुल्हे जादू तों सिवा कुझ नहीं।" ते याद कर जदों मैं हवारियां दे दिल विच एह गल्ल पाई, "मेरे उत्ते ते मेरे रसूल उत्ते ईमान लिआओ," तां उन्हां ने आखिया, "असीं ईमान लिआए; ते गवाह रह कि असीं अल्लाह दे फ़रमांबरदार हां।" (109–111)

ते जदों हवारियां ने आखिया, "ऐ मरयम दे पुत्तर ईसा, की तेरा रब्ब साडे उत्ते असमान तों खाणे नाल भरिया इक्क दस्तरख़ान उतार सकदा है?" उस ने आखिया, "अल्लाह तों सुचेत रहो, जे तुसीं ईमान वाले हो।" उन्हां ने आखिया, "असीं चाहुंदे हां कि उस विचों खाईए, ते साडे दिलां नूं तसल्ली हो जावे, ते असीं जाण लईए कि तूं साडे नाल सच्च आखिया है, ते असीं उस उत्ते गवाह बण जाईए।" मरयम दे पुत्तर ईसा ने आखिया, "ऐ अल्लाह, साडे रब्ब, साडे उत्ते असमान तों इक्क दस्तरख़ान उतार, जो साडे लई ईद होवे—साडे पहिलियां लई वी ते साडे पिछलियां लई वी—ते तेरे वल्लों इक्क निशानी। ते सानूं रोज़ी दे, ते तूं सभ तों बिहतर रोज़ी देण वाला है।" अल्लाह ने आखिया, "मैं उस नूं तुहाडे उत्ते उतारन वाला हां; पर इस तों बाद तुहाडे विचों जो कोई सच्च दा इनकार करेगा, उस नूं मैं अजिहा अज़ाब दिआंगा जो सारे जहानां विच किसे होर नूं ना दिआंगा।" (112–115)

ते जदों अल्लाह आखेगा, "ऐ मरयम दे पुत्तर ईसा, की तूं लोकां नूं आखिया सी: अल्लाह तों सिवा मैनूं ते मेरी मां नूं दो माबूद बणा लओ?" तां ओह आखेगा, "तूं पाक है! मेरा एह कम्म नहीं कि ओह गल्ल आखां जिस दा मैनूं कोई हक़ नहीं। जे मैं अजिहा आखिया हुंदा, तां तैनूं उस दा इल्म हुंदा। तूं जाणदा है जो कुझ मेरे जी विच है, पर मैं नहीं जाणदा जो कुझ तेरे जी विच है। बेशक तूं ही सारियां छुपियां गल्लां दा जाणन वाला है। मैं उन्हां नूं उस तों सिवा कुझ नहीं आखिया जिस दा तूं मैनूं हुक्म दित्ता सी: अल्लाह दी इबादत करो, जो मेरा रब्ब है ते तुहाडा रब्ब वी। ते मैं उन्हां उत्ते गवाह रिहा जद तक्क मैं उन्हां दे विच रिहा; फिर जदों तूं मैनूं उठा लिया, तां तूं ही उन्हां उत्ते निगरान सी। ते तूं हर चीज़ उत्ते गवाह है। जे तूं उन्हां नूं अज़ाब देवें, तां ओह तेरे बंदे हन; ते जे तूं उन्हां नूं बख़्श देवें, तां तूं ही ज़बरदस्त, हिकमत वाला है।" अल्लाह आखेगा, "एह ओह दिन है जिस विच सच्चियां नूं उन्हां दी सच्चाई नफ़ा देवेगी। उन्हां लई अजिहे बाग़ हन जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, जिन्हां विच ओह हमेशा-हमेशा रहिणगे। अल्लाह उन्हां तों राज़ी होइया ते ओह उस तों राज़ी होए: एही वड्डी कामयाबी है।" असमानां ते धरती दी ते जो कुझ उन्हां विच है उस दी बादशाही अल्लाह ही दी है, ते ओह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। (116–120)

6. डंगर (अल-अनआम)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

सारी तारीफ़ अल्लाह ही लई है, जिस ने असमानां ते धरती नूं पैदा कीता ते हनेरे ते रौशनी बणाई; फिर वी जो सच्च दे इनकारी हन ओह होरां नूं अपणे रब्ब दे बराबर ठहराउंदे हन। ओही है जिस ने तुहानूं मिट्टी तों पैदा कीता, फिर इक्क मुद्दत ठहरा दित्ती—ते इक्क होर मुक़र्रर मुद्दत उसे दे कोल है; फिर वी तुसीं शक्क करदे हो। ते ओही अल्लाह है असमानां विच वी ते धरती विच वी। ओह तुहाडा छुपिया वी जाणदा है ते तुहाडा ज़ाहिर वी, ते ओह जाणदा है जो कुझ तुसीं कमाउंदे हो। ते उन्हां दे रब्ब दियां निशानियां विचों कोई निशानी उन्हां कोल नहीं आउंदी पर ओह उस तों मूंह मोड़ लैंदे हन। सो जदों सच्च उन्हां कोल आइया तां उन्हां ने उस नूं झुठला दित्ता; पर जलदी ही उन्हां कोल उस चीज़ दियां ख़बरां आ जाणगियां जिस दा ओह मख़ौल उडाउंदे सन। (1–5)

की उन्हां ने नहीं वेखिया कि असां ने उन्हां तों पहिलां किन्नियां ही नसलां हलाक कर दित्तियां? असां ने उन्हां नूं धरती विच अजिहा जमाइया सी जिहा तुहानूं नहीं जमाइया, ते असां ने उन्हां उत्ते असमान तों मूसलाधार मींह वसाइया, ते उन्हां दे हेठ नहरां वगाइयां; फिर असां ने उन्हां नूं उन्हां दे गुनाहां कारन हलाक कर दित्ता, ते उन्हां तों बाद होर नसलां उठा खड़ियां कीतियां। ते ऐ नबी, जे असीं तेरे उत्ते काग़ज़ उत्ते लिखी होई कोई लिखत वी उतार दिंदे, ते ओह उस नूं अपणे हत्थां नाल छूह वी लैंदे, तां वी सच्च दे इनकारी एही आखदे, “एह तां खुल्हे जादू तों सिवा कुझ नहीं।” ते ओह आखदे हन, “इस उत्ते कोई फ़रिश्ता क्यों नहीं उतारिया गिया?” ते जे असीं कोई फ़रिश्ता उतार दिंदे, तां मामला निबेड़ दित्ता जांदा, फिर उन्हां नूं कोई मोहलत ना दित्ती जांदी। ते जे असीं उस नूं फ़रिश्ता बणाउंदे, तां वी उस नूं आदमी दी शकल विच ही बणाउंदे, ते उन्हां नूं उसे शुबहे विच पा दिंदे जिस विच ओह हुण पए होए हन। (6–9)

ते तैथों पहिलां वी रसूलां दा मख़ौल उडाइया गिया; पर उन्हां विचों जिन्हां ने मख़ौल कीता उन्हां नूं उसे चीज़ ने आ घेरिया जिस दा ओह मख़ौल उडाउंदे सन। आख, “धरती विच चल्लो-फिरो ते वेखो कि झुठलाउण वालियां दा अंजाम की होइया।” आख, “जो कुझ असमानां ते धरती विच है ओह किस दा है?” आख, “अल्लाह दा।” उस ने अपणे उत्ते रहमत लिख लई है। ओह तुहानूं ज़रूर क़ियामत दे दिन लई इकट्ठा करेगा, जिस विच कोई शक्क नहीं। जिन्हां ने अपणे आप नूं घाटे विच पा लिया ओह ईमान नहीं लिआउणगे। ते उसे दा है जो कुझ रात ते दिन विच वसदा है, ते ओही सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। आख, “की मैं अल्लाह तों सिवा किसे होर नूं अपणा हिमायती बणावां, जो असमानां ते धरती दा मुढ्ढों पैदा करन वाला है, ते जो खुआउंदा है ते उस नूं खुआइया नहीं जांदा?” आख, “मैनूं हुक्म दित्ता गिया है कि मैं सभ तों पहिलां अल्लाह दा फ़रमांबरदार बणां, ते तूं हरगिज़ उस नाल शरीक ठहराउण वालियां विचों ना होईं।” आख, “जे मैं अपणे रब्ब दी नाफ़रमानी करां, तां मैनूं इक्क वड्डे दिन दे अज़ाब दा डर है।” उस दिन जिस तों ओह टाल दित्ता गिया, उस उत्ते उस ने रहम कीता; ते एही खुल्ही कामयाबी है। (10–16)

ते जे अल्लाह तैनूं कोई तकलीफ़ पहुंचाए, तां उस तों सिवा उस नूं कोई दूर करन वाला नहीं; ते जे ओह तैनूं कोई भलाई पहुंचाए—तां ओह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। ते ओही अपणे बंदियां उत्ते ग़ालिब है, ते ओही हिकमत वाला, पूरी ख़बर रक्खण वाला है। आख, "सभ तों वड्डी गवाही किस चीज़ दी है?" आख, "अल्लाह मेरे ते तुहाडे विचकार गवाह है। ते एह क़ुरआन मेरे वल्ल वह्य कीता गिया है तां जो मैं इस दे ज़रीए तुहानूं ख़बरदार करां, ते उस नूं वी जिस तक्क एह पहुंचे। की तुसीं सच्चमुच गवाही दिंदे हो कि अल्लाह दे नाल होर माबूद वी हन?" आख, "मैं तां इस दी गवाही नहीं दिंदा।" आख, "ओह तां बस इक्को माबूद है, ते मैं उस तों बरी हां जो तुसीं उस दे नाल शरीक ठहराउंदे हो।" जिन्हां नूं असां ने किताब दित्ती ओह इस नूं इउं पछाणदे हन जिवें अपणे पुत्तरां नूं पछाणदे हन; पर जिन्हां ने अपणे आप नूं घाटे विच पा लिया ओह ईमान नहीं लिआउणगे। ते उस तों वध ज़ालिम कौण है जो अल्लाह उत्ते झूठ घड़े जां उस दियां आयतां नूं झुठलाए? बेशक ज़ालिम कामयाब नहीं हुंदे। ते जिस दिन असीं उन्हां सभनां नूं इकट्ठा करांगे, फिर उन्हां नूं आखांगे जिन्हां ने अल्लाह नाल शरीक ठहराए सन, "कित्थे हन तुहाडे ओह शरीक जिन्हां दा तुसीं दावा करदे सी?" फिर उन्हां कोल कोई बहाना ना रहेगा सिवाए इस दे कि आखणगे, "अल्लाह, साडे रब्ब दी क़सम, असीं कदे उस दे नाल किसे नूं शरीक नहीं ठहराइया।" वेख, उन्हां ने अपणे आप उत्ते किवें झूठ बोलिया, ते जो कुझ ओह घड़दे सन ओह उन्हां तों किवें गुम हो गिया। (17–24)

ते उन्हां विच कुझ अजिहे हन जो तेरी गल्ल कन्न ला के सुणदे हन; पर असां ने उन्हां दे दिलां उत्ते परदे पा दित्ते हन, कि ओह इस नूं ना समझण, ते उन्हां दे कन्नां विच बोझ है। ते जे ओह हर निशानी वी वेख लैण, तां वी उस उत्ते ईमान ना लिआउणगे—इत्थों तक्क कि जदों ओह तेरे कोल तेरे नाल झगड़दे होए आउंदे हन, तां सच्च दे इनकारी आखदे हन, "एह तां बस अगलियां दियां कहाणियां हन।" ते ओह होरां नूं वी इस तों रोकदे हन ते आप वी इस तों दूर रहिंदे हन; पर ओह अपणे आप तों सिवा किसे नूं हलाक नहीं करदे, ते उन्हां नूं अहिसास नहीं। ते काश तूं उस वेले वेखें जदों ओह अग्ग दे साहमणे खड़े कीते जाणगे ते आखणगे, "काश सानूं वापस भेज दित्ता जावे! तां असीं अपणे रब्ब दियां आयतां नूं ना झुठलाईए, ते ईमान वालियां विचों हो जाईए।" नहीं—बल्कि जो कुझ ओह पहिलां छुपाउंदे सन ओह उन्हां दे साहमणे ज़ाहिर हो गिया; ते जे ओह वापस भेज वी दित्ते जाण, तां फिर ओही करनगे जिस तों उन्हां नूं रोकिया गिया सी: ते यक़ीनन ओह झूठे हन। ते ओह आखदे हन, "साडी इस दुनिया दी ज़िंदगी तों सिवा कुझ नहीं, ते असीं दुबारा उठाए जाण वाले नहीं।" ते काश तूं उस वेले वेखें जदों ओह अपणे रब्ब दे साहमणे खड़े कीते जाणगे! ओह आखेगा, "की एह सच्च नहीं?" ओह आखणगे, "क्यों नहीं, साडे रब्ब दी क़सम।" ओह आखेगा, "तां हुण अज़ाब चक्खो इस लई कि तुसीं सच्च दा इनकार करदे सी।" यक़ीनन घाटे विच रहे ओह जिन्हां ने अल्लाह नाल मिलण नूं झुठलाइया, इत्थों तक्क कि जदों ओह घड़ी अचानक उन्हां उत्ते आ जावेगी, तां आखणगे, "हाए अफ़सोस साडे उत्ते, कि असां ने इस बारे कोताही कीती!" ते ओह अपणे बोझ अपणियां पिट्ठां उत्ते लद्दी होणगे—किन्ना बुरा है जो ओह चुक्की फिरदे हन! ते दुनिया दी ज़िंदगी खेड ते तमाशे तों सिवा कुझ नहीं; ते आख़िरत दा घर उन्हां लई बिहतर है जो अल्लाह तों सुचेत रहिंदे हन। तां की तुसीं अक़ल तों कम्म नहीं लैंदे? (25–32)

ऐ नबी, असीं ख़ूब जाणदे हां कि जो कुझ ओह आखदे हन ओह तैनूं ग़मगीन करदा है। पर ओह तैनूं नहीं झुठलाउंदे; बल्कि एह ज़ालिम अल्लाह दियां आयतां दा ही इनकार करदे हन। ते तैथों पहिलां वी रसूल झुठलाए गए, पर उन्हां ने झुठलाए जाण उत्ते ते सताए जाण उत्ते सब्र कीता इत्थों तक्क कि उन्हां कोल साडी मदद आ गई। ते अल्लाह दियां गल्लां नूं कोई बदलण वाला नहीं, ते रसूलां दियां कुझ ख़बरां तेरे कोल आ ही चुक्कियां हन। ते जे उन्हां दा मूंह मोड़ना तेरे उत्ते भारी है, तां जे तैथों हो सके कि धरती विच कोई सुरंग जां असमान विच कोई पौड़ी ढूंढ लवें ते उन्हां कोल कोई निशानी लै आवें—तां कर लै। ते जे अल्लाह चाहुंदा, तां उन्हां सभनां नूं हिदायत उत्ते इकट्ठा कर दिंदा; सो तूं हरगिज़ नादानां विचों ना होईं। जवाब तां ओही दिंदे हन जो सुणदे हन; ते रहे मुर्दे, तां अल्लाह उन्हां नूं उठावेगा, फिर ओह उसे वल्ल मोड़े जाणगे। (33–36)

ते ओह आखदे हन, "इस उत्ते इस दे रब्ब वल्लों कोई निशानी क्यों नहीं उतारी गई?" आख, "बेशक अल्लाह इस उत्ते क़ादिर है कि कोई निशानी उतारे," पर उन्हां विचों बहुते नहीं जाणदे। ते धरती उत्ते चल्लण वाला कोई जानवर नहीं, ते ना अपणे दोहां परां नाल उड्डण वाला कोई पंछी, पर ओह तुहाडे वरगियां ही उम्मतां हन। असां ने किताब विच कोई चीज़ नहीं छड्डी; फिर ओह सारे अपणे रब्ब वल्ल इकट्ठे कीते जाणगे। ते जिन्हां ने साडियां आयतां नूं झुठलाइया ओह बोले ते गुंगे हन, तह-दर-तह हनेरियां विच। अल्लाह जिस नूं चाहुंदा है भटकण दिंदा है; ते जिस नूं चाहुंदा है सिद्धे राह उत्ते पा दिंदा है। आख, "भला दस्सो तां: जे तुहाडे उत्ते अल्लाह दा अज़ाब आ जावे, जां तुहाडे उत्ते ओह घड़ी आ जावे, तां की तुसीं अल्लाह तों सिवा किसे होर नूं पुकारोगे—जे तुसीं सच्चे हो?" नहीं—बल्कि तुसीं उसे नूं पुकारोगे, फिर जे ओह चाहे तां उस चीज़ नूं दूर कर देवेगा जिस लई तुसीं उस नूं पुकारिया, ते तुसीं उन्हां नूं भुल्ल जाओगे जिन्हां नूं उस दे नाल शरीक ठहराउंदे हो। (37–41)

ते असां ने तैथों पहिलियां उम्मतां वल्ल वी रसूल भेजे, फिर असां ने उन्हां नूं तंगी ते तकलीफ़ विच फड़िया, तां जो ओह आजिज़ी करन। सो जदों उन्हां उत्ते साडी सख़्ती आई तां उन्हां ने आजिज़ी क्यों ना कीती! बल्कि उन्हां दे दिल सख़्त हो गए, ते शैतान ने उन्हां लई ओह कम्म सुहाउणे बणा दित्ते जो ओह करदे सन। फिर जदों उन्हां ने उस नूं भुला दित्ता जिस दी उन्हां नूं नसीहत कीती गई सी, तां असां ने उन्हां उत्ते हर चीज़ दे दरवाज़े खोल्ह दित्ते, इत्थों तक्क कि जदों ओह उस उत्ते इतराउण लग्गे जो उन्हां नूं दित्ता गिया सी, तां असां ने उन्हां नूं अचानक फड़ लिया, ते ओह उसे वेले ना-उम्मीद हो के रह गए। सो उन्हां लोकां दी जड़ कट्ट दित्ती गई जिन्हां ने ज़ुलम कीता सी। ते सारी तारीफ़ अल्लाह ही लई है, जो सारे जहानां दा रब्ब है। (42–45)

आख, "भला दस्सो तां: जे अल्लाह तुहाडे कन्न ते तुहाडियां अक्खां खोह लए ते तुहाडे दिलां उत्ते मोहर ला देवे, तां अल्लाह तों सिवा कौण माबूद है जो तुहानूं एह वापस लिआ देवे?" वेख, असीं किवें तरां-तरां नाल निशानियां बिआन करदे हां; फिर वी ओह मूंह मोड़ लैंदे हन। आख, "भला दस्सो तां: जे तुहाडे उत्ते अल्लाह दा अज़ाब अचानक जां खुल्हम-खुल्हा आ जावे, तां की ज़ालिम लोकां तों सिवा कोई होर हलाक कीता जावेगा?" ते असीं रसूलां नूं सिरफ़ ख़ुशख़बरी देण वाले ते ख़बरदार करन वाले बणा के ही भेजदे हां। सो जो ईमान लिआए ते सुधार कर लए—ना उन्हां नूं कोई डर होवेगा, ते ना ओह ग़मगीन होणगे; ते जिन्हां ने साडियां

आयतां नूं झुठलाइया—उन्हां नूं उन्हां दी नाफ़रमानी कारन अज़ाब आ लग्गेगा। आख, "मैं तुहानूं एह नहीं आखदा कि मेरे कोल अल्लाह दे ख़ज़ाने हन, ते ना मैं ग़ैब जाणदा हां, ते ना मैं तुहानूं एह आखदा हां कि मैं फ़रिश्ता हां। मैं तां बस उसे दी पैरवी करदा हां जो मेरे वल्ल वह्य कीता जांदा है।" आख, "की अन्हा ते वेखण वाला बराबर हो सकदे हन? तां की तुसीं सोच-विचार नहीं करदे?" (46–50)

ते इस दे ज़रीए उन्हां नूं ख़बरदार कर जो डरदे हन कि ओह अपणे रब्ब दे हज़ूर इस हाल विच इकट्ठे कीते जाणगे कि उस तों सिवा उन्हां दा ना कोई हिमायती होवेगा ना सिफ़ारशी, तां जो ओह अल्लाह तों सुचेत हो जाण। ते उन्हां नूं दूर ना कर जो सवेरे ते शाम अपणे रब्ब नूं पुकारदे हन, उस दी रज़ा चाहुंदे होए। उन्हां दे हिसाब विचों तेरे ज़िम्मे कुझ नहीं, ते ना तेरे हिसाब विचों उन्हां दे ज़िम्मे कुझ है, कि तूं उन्हां नूं दूर कर देवें ते ज़ालिमां विचों हो जावें। ते इसे तरां असां ने उन्हां विचों कुझ नूं कुझ होरां दे ज़रीए आज़माइया है, तां जो ओह आखण, "की इही हन ओह जिन्हां उत्ते अल्लाह ने साडे विचों अहिसान कीता है?" की अल्लाह शुकर करन वालियां नूं सभ तों वध नहीं जाणदा? (51–53)

ते जदों तेरे कोल ओह लोक आउण जो साडियां आयतां उत्ते ईमान रक्खदे हन, तां आख, "तुहाडे उत्ते सलामती होवे। तुहाडे रब्ब ने अपणे उत्ते रहमत लिख लई है: कि तुहाडे विचों जो कोई नादानी नाल बुराई कर बैठे, फिर उस तों बाद तौबा कर लए ते सुधार कर लए—तां ओह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है।" ते इसे तरां असीं आयतां खोल्ह-खोल्ह के बिआन करदे हां, तां जो मुजरिमां दा राह साफ़ ज़ाहिर हो जावे। आख, "मैनूं रोकिया गिया है कि उन्हां दी इबादत करां जिन्हां नूं तुसीं अल्लाह तों सिवा पुकारदे हो।" आख, "मैं तुहाडियां ख़ाहिशां दे पिच्छे नहीं चल्लांगा, नहीं तां मैं भटक जावांगा ते हिदायत पाउण वालियां विचों ना रहांगा।" आख, "मैं अपणे रब्ब वल्लों इक्क खुल्ही दलील उत्ते हां, ते तुसीं उस नूं झुठला दित्ता है। जिस चीज़ दी तुसीं छेती मचाउंदे हो ओह मेरे कोल नहीं; फ़ैसला तां सिरफ़ अल्लाह ही दा है। ओह सच्च बिआन करदा है, ते ओह सभ तों बिहतर फ़ैसला करन वाला है।" आख, "जे ओह चीज़ मेरे कोल हुंदी जिस दी तुसीं छेती मचाउंदे हो, तां मेरे ते तुहाडे विचकार मामला निबेड़िया जा चुक्का हुंदा; ते अल्लाह ज़ालिमां नूं ख़ूब जाणदा है।" (54–58)

ते उसे दे कोल ग़ैब दियां चाबियां हन; उन्हां नूं उस तों सिवा कोई नहीं जाणदा। ते ओह जाणदा है जो कुझ ख़ुशकी विच है ते जो कुझ समुंदर विच है। ते कोई पत्ता नहीं डिग्गदा पर ओह उस नूं जाणदा है; ते ना धरती दे हनेरियां विच कोई दाणा है, ते ना कोई तर चीज़ ना कोई ख़ुश्क, पर ओह इक्क रौशन किताब विच है।[8] (59)

[8] ऑकेज़नलिज़्म (हर घटना दा सिद्धा कारन अल्लाह) – द ग्लोरियस क़ुरआन ऐंड साइंस

ते ओही है जो रात नूं तुहाडियां जानां क़बज़ कर लैंदा है ते जाणदा है जो कुझ तुसीं दिन नूं कमाइया; फिर ओह तुहानूं उस विच उठा खड़ा करदा है, तां जो मुक़र्रर मुद्दत पूरी कीती जावे। फिर उसे वल्ल तुहाडा मुड़ना है, फिर ओह तुहानूं दस्स देवेगा जो कुझ तुसीं करदे सी। ते ओही अपणे बंदियां उत्ते ग़ालिब है। (60)

ते ओह तुहाडे उत्ते निगहबान भेजदा है, इत्थों तक्क कि जदों तुहाडे विचों किसे नूं मौत आउंदी है, तां साडे भेजे होए उस दी जान क़बज़ कर लैंदे हन, ते ओह कोई कोताही नहीं करदे। फिर ओह अल्लाह वल्ल मोड़े जांदे हन, जो उन्हां दा सच्चा मालिक है। सुण लओ, फ़ैसला उसे दा है, ते ओह सभ तों छेती हिसाब लैण वाला है। (61–62)

आख, "कौण है जो तुहानूं ख़ुशकी ते समुंदर दे हनेरियां तों बचाउंदा है, जदों तुसीं उस नूं गिड़गिड़ा के ते चुप-चुपीते पुकारदे हो: जे उस ने सानूं इस तों बचा लिया, तां असीं ज़रूर शुकर करन वालियां विचों होवांगे?" आख, "अल्लाह ही तुहानूं इस तों ते हर तकलीफ़ तों बचाउंदा है; फिर वी तुसीं उस दे नाल शरीक ठहराउंदे हो।" आख, "ओह इस उत्ते क़ादिर है कि तुहाडे उत्ते तुहाडे उत्तों जां तुहाडे पैरां दे थल्लिओं अज़ाब भेज देवे, जां तुहानूं फ़िरक़े-फ़िरक़े करके आपस विच भिड़ा देवे ते इक्क नूं दूजे दी लड़ाई दा सुआद चखा देवे।" वेख, असीं किवें तरां-तरां नाल निशानियां बिआन करदे हां, तां जो ओह समझण। ते तेरी क़ौम ने इस नूं झुठला दित्ता, हालांकि एह सच्च है। आख, "मैं तुहाडे उत्ते कोई निगहबान नहीं। हर ख़बर दा इक्क मुक़र्रर वक़्त है, ते जलदी ही तुसीं जाण लओगे।" (63–67)

ते जदों तूं उन्हां लोकां नूं वेखें जो साडियां आयतां बारे मख़ौल दियां गल्लां विच लग्गे होए हन, तां उन्हां तों मूंह फेर लै इत्थों तक्क कि ओह किसे होर गल्ल विच लग्ग जाण। ते जे शैतान तैनूं भुला देवे, तां याद आ जाण तों बाद ज़ालिम लोकां दे नाल ना बैठ। ते जो अल्लाह तों सुचेत रहिंदे हन उन्हां उत्ते उन्हां दे हिसाब विचों कुझ वी नहीं; हां, उन्हां दे ज़िम्मे नसीहत करना है, तां जो ओह वी अल्लाह तों सुचेत हो जाण। ते उन्हां नूं छड्ड दे जिन्हां ने अपणे दीन नूं खेड ते तमाशा बणा लिया ते जिन्हां नूं दुनिया दी ज़िंदगी ने धोखे विच पा दित्ता; पर इस दे ज़रीए नसीहत करदा रह, कि किते कोई जान अपणी कमाई दे बदले तबाही दे हवाले ना कर दित्ती जावे। उस दा अल्लाह तों सिवा ना कोई हिमायती होवेगा ना सिफ़ारशी, ते जे ओह हर तरां दा बदला वी देवे, तां उस तों क़बूल ना कीता जावेगा। इही हन ओह जो अपणी कमाई दे बदले तबाही दे हवाले कर दित्ते गए: उन्हां लई खौलदे पाणी दा पीणा ते दर्दनाक अज़ाब है, इस लई कि ओह सच्च दा इनकार करदे सन। (68–70)

आख, "की असीं अल्लाह नूं छड्ड के उस नूं पुकारीए जो ना सानूं नफ़ा दे सकदा है ना नुक़सान, ते इस तों बाद कि अल्लाह ने सानूं हिदायत दित्ती है असीं उलटे पैरीं फेर दित्ते जाईए—उस आदमी वांग जिस नूं शैतानां ने धरती विच भटका दित्ता होवे, ओह हैरान फिरदा होवे, हालांकि उस दे साथी उस नूं हिदायत वल्ल बुला रहे होण: साडे कोल आ जा?" आख, "अल्लाह दी हिदायत ही असल हिदायत है, ते सानूं हुक्म दित्ता गिया है कि असीं सारे जहानां दे रब्ब दे फ़रमांबरदार हो जाईए, ते एह कि नमाज़ क़ायम करो ते उस तों सुचेत रहो।

ते ओही है जिस दे हज़ूर तुसीं इकट्ठे कीते जाओगे।" ते ओही है जिस ने असमानां ते धरती नूं सच्च दे नाल पैदा कीता। ते जिस दिन ओह आखेगा, "हो जा," तां ओह हो जावेगा। उस दी गल्ल ही सच्च है, ते जिस दिन सूर विच फूक मारी जावेगी उस दिन बादशाही उसे दी होवेगी। ओह ग़ैब ते ज़ाहिर दा जाणन वाला है, ते ओही हिकमत वाला, पूरी ख़बर रक्खण वाला है। (71–73)

ते जदों इबराहीम ने अपणे पिओ आज़र नूं आखिया, "की तुसीं बुत्तां नूं माबूद बणाउंदे हो? मैं तां तुहानूं ते तुहाडी क़ौम नूं खुल्ही गुमराही विच वेखदा हां।" ते इसे तरां असीं इबराहीम नूं असमानां ते धरती दी बादशाही दिखाउंदे रहे, तां जो ओह यक़ीन करन वालियां विचों हो जावे। सो जदों रात ने उस नूं ढक लिया, तां उस ने इक्क तारा वेखिया। उस ने आखिया, "एह मेरा रब्ब है।" पर जदों ओह डुब्ब गिया, तां उस ने आखिया, "मैं डुब्ब जाण वालियां नाल मुहब्बत नहीं करदा।" फिर जदों उस ने चंद नूं चमकदा वेखिया, तां आखिया, "एह मेरा रब्ब है।" पर जदों ओह वी डुब्ब गिया, तां उस ने आखिया, "जे मेरे रब्ब ने मैनूं राह ना दिखाई, तां मैं ज़रूर भटके होए लोकां विचों हो जावांगा।" फिर जदों उस ने सूरज नूं चमकदा वेखिया, तां आखिया, "एह मेरा रब्ब है; एह सभ तों वड्डा है।" पर जदों ओह वी डुब्ब गिया, तां उस ने आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, मैं उस तों बरी हां जो तुसीं अल्लाह दे नाल शरीक ठहराउंदे हो। मैं तां ख़ालिस ईमान वाला हो के अपणा चिहरा उस वल्ल कर लिया है जिस ने असमानां ते धरती नूं मुढ्ढों पैदा कीता, ते मैं अल्लाह नाल शरीक ठहराउण वालियां विचों नहीं।" (74–79)

ते उस दी क़ौम उस नाल झगड़न लग्गी। उस ने आखिया, "की तुसीं मेरे नाल अल्लाह बारे झगड़दे हो, हालांकि उस ने मैनूं हिदायत दित्ती है? ते मैं उन्हां तों नहीं डरदा जिन्हां नूं तुसीं उस दे नाल शरीक ठहराउंदे हो, सिवाए इस दे कि मेरा रब्ब ही कुझ चाहे। मेरे रब्ब दा इल्म हर चीज़ नूं घेरे होए है। तां की तुसीं नसीहत नहीं फड़दे? ते मैं उन्हां तों किवें डरां जिन्हां नूं तुसीं शरीक ठहराइया है, जदों कि तुसीं इस तों नहीं डरदे कि तुसीं अल्लाह दे नाल उस नूं शरीक ठहराइया जिस दी उस ने तुहाडे उत्ते कोई सनद नहीं उतारी? सो दोहां गिरोहां विचों अमन दा वध हक़दार कौण है, जे तुसीं जाणदे हो?" जो ईमान लिआए ते अपणे ईमान नूं ज़ुलम नाल नहीं रलाइया—अमन उन्हां ही लई है, ते ओही हिदायत पाउण वाले हन। ते एह साडी दलील सी, जो असां ने इबराहीम नूं उस दी क़ौम दे मुक़ाबले विच दित्ती। असीं जिस दे चाहुंदे हां दर्जे उच्चे करदे हां; बेशक तेरा रब्ब हिकमत वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। (80–83)

ते असां ने उस नूं इसहाक़ ते याक़ूब दित्ते, हर इक्क नूं असां ने हिदायत दित्ती; ते नूह नूं असां ने इस तों पहिलां हिदायत दित्ती सी, ते उस दी औलाद विचों दाऊद, सुलैमान, अय्यूब, यूसुफ़, मूसा ते हारून नूं—ते इसे तरां असीं नेकी करन वालियां नूं बदला दिंदे हां—ते ज़करिया, यह्या, ईसा ते इलयास नूं—हर इक्क नेक लोकां विचों सी—ते इसमाईल, अल-यसअ, यूनुस ते लूत नूं—ते हर इक्क नूं असां ने सारे जहानां उत्ते वडिआई दित्ती—ते उन्हां दे पिओ-दादियां, उन्हां दी औलाद ते उन्हां दे भरावां विचों वी कुझ नूं। ते असां ने उन्हां नूं चुण लिया ते उन्हां नूं सिद्धे राह दी हिदायत दित्ती। एह अल्लाह दी हिदायत है, जिस दे ज़रीए ओह अपणे बंदियां विचों जिस नूं चाहुंदा है राह दिखाउंदा है। ते जे ओह वी उस दे नाल शरीक ठहराउंदे, तां जो कुझ

ओह करदे सन सभ अकारथ हो जांदा। इही हन ओह जिन्हां नूं असां ने किताब, हुक्म ते नबुव्वत दित्ती। फिर जे एह लोक इन्हां दा इनकार करन, तां असां ने इन्हां नूं अजिहे लोकां दे सपुर्द कर दित्ता है जो इन्हां दा इनकार करन वाले नहीं। इही हन ओह जिन्हां नूं अल्लाह ने हिदायत दित्ती, सो तूं उन्हां दी हिदायत दी पैरवी कर। आख, "मैं इस उत्ते तुहाथों कोई बदला नहीं मंगदा: एह तां सारे जहानां लई बस इक्क नसीहत है।" (84–90)

ते उन्हां ने अल्लाह दी क़दर ना कीती जिवें उस दी क़दर दा हक़ सी जदों उन्हां ने आखिया, "अल्लाह ने किसे इनसान उत्ते कुझ नहीं उतारिया।" आख, "फिर ओह किताब किस ने उतारी जो मूसा लै के आइया सी, लोकां लई नूर ते हिदायत बणा के, जिस नूं तुसीं वरक़ां विच रक्खदे हो, कुझ दिखाउंदे हो ते बहुत कुझ छुपाउंदे हो, हालांकि तुहानूं ओह कुझ सिखाइया गिया जो ना तुसीं जाणदे सी ना तुहाडे पिओ-दादे?" आख, "अल्लाह ने उतारी।" फिर उन्हां नूं छड्ड दे कि अपणियां फ़ज़ूल गल्लां विच खेडदे रहण। ते एह इक्क किताब है जो असां ने उतारी है, बरकत वाली, उस दी तसदीक़ करन वाली जो इस तों पहिलां आइया, ते तां जो तूं बस्तियां दी मां नूं ते उस दे आले-दुआले वालियां नूं ख़बरदार करें। ते जो आख़िरत उत्ते ईमान रक्खदे हन ओह इस उत्ते ईमान लिआउंदे हन, ते ओह अपणियां नमाज़ां दी हिफ़ाज़त करदे हन। ते उस तों वध ज़ालिम कौण है जो अल्लाह उत्ते झूठ घड़े, जां आखे, "मेरे वल्ल वह्य कीती गई है," हालांकि उस वल्ल कुझ वी वह्य नहीं कीता गिया, जां जो आखे, "मैं वी उहो जिहा उतार दिआंगा जिहा अल्लाह ने उतारिया है"? ते काश तूं उस वेले वेखें जदों ज़ालिम मौत दियां सख़्तियां विच होणगे ते फ़रिश्ते अपणे हत्थ वधा रहे होणगे: "कड्ढो अपणियां जानां! अज्ज तुहानूं ज़िल्लत दा अज़ाब बदले विच दित्ता जावेगा इस लई कि तुसीं अल्लाह बारे नाहक़ गल्लां आखदे सी, ते उस दियां आयतां दे मुक़ाबले विच घमंड करदे सी। ते हुण तुसीं साडे कोल इकल्ले-इकल्ले आ गए हो, जिवें असां ने तुहानूं पहिली वारी पैदा कीता सी, ते जो कुझ असां ने तुहानूं दित्ता सी ओह तुसीं अपणे पिच्छे छड्ड आए हो। ते असीं तुहाडे नाल तुहाडे उन्हां सिफ़ारशियां नूं नहीं वेखदे, जिन्हां बारे तुसीं दावा करदे सी कि ओह तुहाडे मामलियां विच अल्लाह दे शरीक हन। तुहाडे विचकार दा रिश्ता टुट्ट गिया, ते जो कुझ तुसीं दावा करदे सी ओह तुहाथों गुम हो गिया।" (91–94)

बेशक अल्लाह ही दाणे ते गुठली नूं पाड़न वाला है। ओह बेजान विचों जानदार नूं कड्ढदा है, ते ओही जानदार विचों बेजान नूं कड्ढण वाला है। एही अल्लाह है—फिर तुसीं किधर फेरे जा रहे हो? ओही सवेर दी पौ पाड़न वाला है; ते उस ने रात नूं आराम लई बणाइया, ते सूरज ते चंद नूं हिसाब लई। एह उस ज़बरदस्त, सभ कुझ जाणन वाले दा ठहराइया होइया अंदाज़ा है। ते ओही है जिस ने तुहाडे लई तारे बणाए, तां जो तुसीं उन्हां दे ज़रीए ख़ुशकी ते समुंदर दे हनेरियां विच राह पाओ। असां ने जाणन वाले लोकां लई निशानियां खोल्ह-खोल्ह के बिआन कर दित्तियां हन। ते ओही है जिस ने तुहानूं इक्क जान तों पैदा कीता, फिर तुहाडे लई इक्क ठहिरन दी थां है ते इक्क सौंपे जाण दी थां। असां ने समझण वाले लोकां लई निशानियां खोल्ह-खोल्ह के बिआन कर दित्तियां हन। ते ओही है जिस ने असमान तों पाणी उतारिया, फिर उस दे नाल असां ने हर किसम दी उग्गण वाली चीज़ कड्ढी: फिर उस विचों असां ने हरियाली कड्ढी, जिस विचों असीं तह-दर-तह चढ़े होए

दाणे कढ्ढदे हां; ते खजूर दे गाभे विचों झुकदे होए गुच्छे; ते अंगूरां दे बाग़, ते ज़ैतून ते अनार, इक्क दूजे नाल मिलदे-जुलदे वी ते वक्खो-वक्खरे वी। इन्हां दे फल नूं वेखो जदों एह फलदे हन, ते इन्हां दे पक्कण नूं: बेशक इन्हां विच ईमान लिआउण वाले लोकां लई निशानियां हन। फिर वी उन्हां ने जिन्नां नूं अल्लाह दे शरीक ठहरा लिया, हालांकि उसे ने उन्हां नूं पैदा कीता; ते बिनां इल्म दे उस लई पुत्तर ते धीआं घड़ लइयां। ओह पाक है! ते उन्हां गल्लां तों बहुत उच्चा है जो ओह बिआन करदे हन। ओह असमानां ते धरती दा मुढ्ढों पैदा करन वाला है—उस दा पुत्तर किवें हो सकदा है, जदों कि उस दी कोई पतनी ही नहीं? ते उस ने हर चीज़ नूं पैदा कीता, ते ओह हर चीज़ दा इल्म रक्खदा है। एही अल्लाह है, तुहाडा रब्ब: उस तों सिवा कोई माबूद नहीं, हर चीज़ दा पैदा करन वाला, सो उसे दी इबादत करो। ते ओह हर चीज़ दा निगहबान है। निगाहां उस नूं नहीं पा सकदियां, पर ओह निगाहां नूं पा लैंदा है; ते ओह बारीकबीं, पूरी ख़बर रक्खण वाला है। (95–103)

“हुण तुहाडे कोल तुहाडे रब्ब वल्लों अक्खां खोल्हण वालियां दलीलां आ चुक्कियां हन। सो जिस ने वेख लिया, तां अपणे ही भले लई; ते जो अन्हा बणिया रिहा, तां अपणे ही नुक़सान लई। ते मैं तुहाडे उत्ते कोई निगहबान नहीं।” ते इसे तरां असीं तरां-तरां नाल आयतां बिआन करदे हां, तां जो ओह आखण, “तूं पढ़ के आइया हैं,” ते तां जो असीं इस नूं जाणन वाले लोकां लई खोल्ह देईए। तूं उस दी पैरवी कर जो तेरे वल्ल तेरे रब्ब वल्लों वह्य कीता गिया है—उस तों सिवा कोई माबूद नहीं—ते अल्लाह नाल शरीक ठहराउण वालियां तों मूंह फेर लै। ते जे अल्लाह चाहुंदा, तां ओह शरीक ना ठहराउंदे। ते असां ने तैनूं उन्हां उत्ते निगहबान नहीं बणाइया, ते ना तूं उन्हां दा ज़िम्मेदार हैं। (104–107)

ते तुसीं उन्हां नूं बुरा-भला ना आखो जिन्हां नूं एह अल्लाह तों सिवा पुकारदे हन, कि किते एह वी दुश्मणी ते नादानी नाल अल्लाह नूं बुरा-भला ना आखण लग्ग पैण। इसे तरां असां ने हर उम्मत लई उस दा अमल सुहाउणा बणा दित्ता है; फिर उन्हां दा मुड़ना उन्हां दे रब्ब ही वल्ल है, फिर ओह उन्हां नूं दस्स देवेगा जो कुझ ओह करदे सन। ते ओह अल्लाह दियां पक्कियां क़समां खांदे हन कि जे उन्हां कोल कोई निशानी आ जावे तां ओह ज़रूर उस उत्ते ईमान लै आउणगे। आख, “निशानियां तां सिरफ़ अल्लाह ही दे इख़तियार विच हन।” ते तुहानूं की पता कि जदों ओह आ वी जावे, तां वी ओह ईमान ना लिआउणगे? ते असीं उन्हां दे दिलां ते उन्हां दियां अक्खां नूं फेर दिआंगे, जिवें ओह पहिली वारी इस उत्ते ईमान नहीं लिआए सन, ते असीं उन्हां नूं उन्हां दी सरकशी विच अन्हियां वांग भटकदा छड्ड दिआंगे। ते जे असीं उन्हां वल्ल फ़रिश्ते वी उतार दिंदे, ते मुर्दे वी उन्हां नाल गल्लां करन लग्गदे, ते असीं हर चीज़ नूं उन्हां दे साहमणे आहमो-साहमणे इकट्ठा कर दिंदे, तां वी ओह ईमान लिआउण वाले ना सन सिवाए इस दे कि अल्लाह चाहे; पर उन्हां विचों बहुते नादान हन। ते इसे तरां असां ने हर नबी लई दुश्मण बणाए: इनसानां ते जिन्नां विचों शैतान, जो धोखा देण लई इक्क दूजे दे दिल विच चिकनियां-चोपड़ियां गल्लां पाउंदे हन। ते जे तेरा रब्ब चाहुंदा, तां ओह अजिहा ना करदे; सो तूं उन्हां नूं ते जो कुझ ओह घड़दे हन उस नूं छड्ड दे। ते एह इस लई कि उन्हां लोकां दे दिल जो आख़िरत उत्ते ईमान नहीं रक्खदे उस वल्ल झुक जाण, ते ओह उस नूं पसंद कर लैण, ते तां जो ओह कमा लैण जो कुझ ओह कमा रहे हन। (108–113)

आख, “की मैं अल्लाह तों सिवा कोई होर फ़ैसला करन वाला ढूंढां, हालांकि ओही है जिस ने तुहाडे वल्ल एह किताब खोल्ह-खोल्ह के बिआन कीती होई उतारी है?” ते जिन्हां नूं असां ने किताब दित्ती ओह जाणदे हन कि एह तेरे रब्ब वल्लों सच्च दे नाल उतारी गई है; सो तूं शक्क करन वालियां विचों ना होईं। ते तेरे रब्ब दी गल्ल सच्चाई ते इनसाफ़ विच पूरी हो चुक्की है; उस दियां गल्लां नूं कोई बदलण वाला नहीं। ते ओही सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। ते जे तूं धरती विच रहण वालियां विचों बहुतियां दी गल्ल मन्नेंगा, तां ओह तैनूं अल्लाह दे राह तों भटका देणगे। ओह तां बस गुमान दे पिच्छे चल्लदे हन; ते ओह बस अटकलां ही लाउंदे हन।[9] बेशक तेरा रब्ब उस नूं ख़ूब जाणदा है जो उस दे राह तों भटकदा है, ते ओह उन्हां नूं वी ख़ूब जाणदा है जो राह उत्ते हन। (114–117)

सो उस विचों खाओ जिस उत्ते अल्लाह दा नाम लिया गिया होवे, जे तुसीं उस दियां आयतां उत्ते ईमान रक्खदे हो। ते तुहानूं की हो गिया है कि तुसीं उस विचों ना खाओ जिस उत्ते अल्लाह दा नाम लिया गिया है, हालांकि उस ने तुहाडे लई खोल्ह के बिआन कर दित्ता है जो कुझ उस ने तुहाडे उत्ते हराम कीता है, सिवाए उस दे जिस लई तुसीं मजबूर हो जाओ? ते बहुत सारे लोक बिनां इल्म दे अपणियां ख़ाहिशां नाल होरां नूं भटकाउंदे हन। बेशक तेरा रब्ब हद्द तों वधण वालियां नूं ख़ूब जाणदा है। ते खुल्हा गुनाह वी छड्ड देओ ते छुपिया वी: बेशक जो लोक गुनाह कमाउंदे हन उन्हां नूं उस दा बदला दित्ता जावेगा जो ओह करदे सन। ते उस विचों ना खाओ जिस उत्ते अल्लाह दा नाम ना लिया गिया होवे, किउंकि एह नाफ़रमानी है। ते शैतान अपणे दोस्तां दे दिलां विच गल्लां पाउंदे हन तां जो ओह तुहाडे नाल झगड़न; ते जे तुसीं उन्हां दी गल्ल मन्नी, तां तुसीं यक़ीनन शरीक ठहराउण वालियां विचों हो जाओगे। भला ओह जो मुर्दा सी फिर असां ने उस नूं ज़िंदा कीता, ते उस लई इक्क नूर बणा दित्ता जिस दे नाल ओह लोकां विच चल्लदा है, की ओह उस वरगा हो सकदा है जो तह-दर-तह हनेरियां विच है जिन्हां विचों ओह निकल नहीं सकदा? इसे तरां सच्च दे इनकारियां लई ओह कम्म सुहाउणे बणा दित्ते गए हन जो ओह करदे सन। ते इसे तरां असां ने हर बस्ती विच उस दे वड्डे-वड्डे मुजरिम रक्खे, तां जो ओह उस विच चालां चल्लण; हालांकि ओह अपणे ही ख़िलाफ़ चालां चल्लदे हन, ते उन्हां नूं अहिसास नहीं। ते जदों उन्हां कोल कोई निशानी आउंदी है, तां आखदे हन, “असीं हरगिज़ ईमान ना लिआवांगे जद तक्क सानूं उहो जिहा ना दित्ता जावे जिहा अल्लाह दे रसूलां नूं दित्ता गिया।” अल्लाह ख़ूब जाणदा है कि अपणा पैग़ाम कित्थे रक्खे। जिन्हां ने जुरम कीते उन्हां नूं अल्लाह दे हज़ूर ज़िल्लत ते सख़्त अज़ाब पहुंचेगा, उन्हां चालां दे बदले जो ओह चल्लदे सन। सो अल्लाह जिस नूं हिदायत देणा चाहुंदा है, उस दा सीना फ़रमांबरदारी लई खोल्ह दिंदा है; ते जिस नूं भटकण देणा चाहुंदा है, उस दा सीना तंग ते घुट्टिया होइया कर दिंदा है, जिवें ओह असमान विच चढ़ रिहा होवे। इसे तरां अल्लाह उन्हां उत्ते पलीती पा दिंदा है जो ईमान नहीं लिआउंदे। (118–125)

[9] **नास्तिकता दी बुनियाद अटकल (ज़न्न) उत्ते है: इक्क साइंसी, फ़लसफ़ी ते दीनी तफ़सीर**

ते एह तेरे रब्ब दा राह है, सिद्धा। असां ने नसीहत फड़न वाले लोकां लई निशानियां खोल्ह-खोल्ह के बिआन कर दित्तियां हन। उन्हां लई उन्हां दे रब्ब कोल सलामती दा घर है, ते ओही उन्हां दा हिमायती है उन्हां कम्मां कारन जो ओह करदे सन। (126–127)

ते जिस दिन ओह उन्हां सभनां नूं इकट्ठा करेगा: "ऐ जिन्नां दे गिरोह, तुसीं इनसानां विचों बहुतियां नूं अपणे पिच्छे ला लिया।" ते इनसानां विचों उन्हां दे दोस्त आखणगे, "ऐ साडे रब्ब, असां ने इक्क दूजे तों फ़ायदा उठाइया, ते हुण असीं अपणी उस मुद्दत नूं पहुंच गए जो तूं साडे लई मुक़र्रर कीती सी।" ओह आखेगा, "अग्ग तुहाडा ठिकाणा है, उस विच सदा रहोगे—सिवाए उस दे जो अल्लाह चाहे।" बेशक तेरा रब्ब हिकमत वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। ते इसे तरां असीं ज़ालिमां नूं इक्क दूजे उत्ते मुसल्लत कर दिंदे हां उस कमाई कारन जो ओह करदे सन। "ऐ जिन्नां ते इनसानां दे गिरोह, की तुहाडे कोल तुहाडे ही विचों रसूल नहीं आए सन, जो तुहानूं मेरियां आयतां सुणाउंदे सन ते तुहानूं तुहाडे इस दिन दी मुलाक़ात तों डराउंदे सन?" ओह आखणगे, "असीं अपणे ही ख़िलाफ़ गवाही दिंदे हां।" ते उन्हां नूं दुनिया दी ज़िंदगी ने धोखे विच पा दित्ता, ते ओह अपणे ही ख़िलाफ़ गवाही देणगे कि ओह सच्च दे इनकारी सन। एह इस लई कि तेरा रब्ब बस्तियां नूं ज़ुलम नाल हलाक करन वाला नहीं जदों कि उन्हां दे रहण वाले बेख़बर होण। ते हर इक्क लई उन्हां दे अमलां मुताबिक़ दर्जे हन; ते तेरा रब्ब उस तों बेख़बर नहीं जो ओह करदे हन। ते तेरा रब्ब बेनियाज़ है, रहमत वाला। जे ओह चाहे, तां तुहानूं लै जावे ते तुहाडे बाद जिस नूं चाहे तुहाडी थां लै आवे, जिवें उस ने तुहानूं होर लोकां दी नसल तों पैदा कीता। बेशक जिस चीज़ दा तुहाडे नाल वादा कीता जा रिहा है ओह आ के रहेगी, ते तुसीं बच के निकल नहीं सकदे। आख, "ऐ मेरी क़ौम, तुसीं अपणी थां कम्म करदे रहो; मैं वी कम्म कर रिहा हां। जलदी ही तुसीं जाण लओगे कि आख़िरत दा घर किस दे हिस्से आउंदा है। बेशक ज़ालिम कामयाब नहीं हुंदे।" (128–135)

ते अल्लाह ने जो खेती ते मवेशी पैदा कीते हन उन्हां विचों ओह उस दा इक्क हिस्सा ठहराउंदे हन, ते आखदे हन, "एह अल्लाह लई है"—अपणे ख़ियाल मुताबिक़—"ते एह साडे ठहराए होए शरीकां लई।" फिर जो उन्हां दे शरीकां लई हुंदा है ओह तां अल्लाह तक्क नहीं पहुंचदा, पर जो अल्लाह लई हुंदा है ओह उन्हां दे शरीकां तक्क पहुंच जांदा है। बहुत बुरा है जो ओह फ़ैसला करदे हन। ते इसे तरां उन्हां दे शरीकां ने अल्लाह नाल शरीक ठहराउण वालियां विचों बहुतियां लई अपणी औलाद दा क़तल सुहाउणा बणा दित्ता है, तां जो उन्हां नूं तबाह करन ते उन्हां दे दीन नूं उन्हां उत्ते रला-मिला देण। ते जे अल्लाह चाहुंदा, तां ओह अजिहा ना करदे; सो तूं उन्हां नूं ते जो कुझ ओह घड़दे हन उस नूं छड्ड दे। ते ओह आखदे हन, "एह मवेशी ते खेती मना हन; इन्हां नूं कोई नहीं खा सकदा सिवाए उस दे जिस नूं असीं चाहीए"—अपणे ख़ियाल मुताबिक़—"ते कुझ मवेशी हन जिन्हां दियां पिट्ठां हराम कीतियां गइयां हन, ते कुझ मवेशी हन जिन्हां उत्ते ओह अल्लाह दा नाम नहीं लैंदे"—उस उत्ते झूठ घड़दे होए। ओह जलदी ही उन्हां नूं उस दा बदला देवेगा जो ओह घड़दे सन। ते ओह आखदे हन, "जो कुझ इन्हां मवेशियां दे पेटां विच है ओह साडे मरदां लई ख़ास है ते साडियां पतनियां उत्ते हराम; पर जे ओह मुर्दा पैदा होवे, तां उस विच सारे शरीक हन।" ओह जलदी ही उन्हां नूं उन्हां दे इस

बिआन दा बदला देवेगा। बेशक ओह हिकमत वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। यक़ीनन घाटे विच पए ओह जिन्हां ने बेवक़ूफ़ी नाल, बिनां इल्म दे, अपणी औलाद नूं क़तल कीता, ते उस नूं हराम ठहराइया जो अल्लाह ने उन्हां नूं रोज़ी दित्ती सी, अल्लाह उत्ते झूठ घड़दे होए। ओह भटक गए ते राह पाउण वाले ना होए। (136–140)

ते ओही है जिस ने बाग़ पैदा कीते, छत्तरियां उत्ते चढ़ाए होए वी ते बिनां चढ़ाए होए वी, ते खजूर दे रुक्ख, ते खेती जिस दे फल वक्खो-वक्खरे हन, ते ज़ैतून ते अनार, इक्क दूजे नाल मिलदे-जुलदे वी ते वक्खो-वक्खरे वी। इन्हां दे फल विचों खाओ जदों एह फलण, ते इस दी कटाई दे दिन इस दा हक़ अदा करो; ते फ़ज़ूलख़र्ची ना करो: बेशक ओह फ़ज़ूलख़र्ची करन वालियां नूं पसंद नहीं करदा। ते मवेशियां विचों कुझ बोझ चुक्कण वाले ते कुझ ज़िबह करन लई। जो कुझ अल्लाह ने तुहानूं दित्ता है उस विचों खाओ, ते शैतान दे क़दमां दे पिच्छे ना चल्लो: बेशक ओह तुहाडा खुल्हा दुश्मण है। अट्ठ जोड़े: भेडां विचों दो ते बक्करियां विचों दो। आख, "की उस ने दोवें नर हराम कीते हन, जां दोवें मादा, जां ओह जो दोहां मादावां दे पेटां विच है? मैनूं इल्म दे नाल दस्सो, जे तुसीं सच्चे हो।" ते ऊठां विचों दो ते गाईंआं विचों दो। आख, "की उस ने दोवें नर हराम कीते हन, जां दोवें मादा, जां ओह जो दोहां मादावां दे पेटां विच है? जां तुसीं उस वेले मौजूद सी जदों अल्लाह ने तुहानूं इस दा हुक्म दित्ता सी?" फिर उस तों वध ज़ालिम कौण है जो अल्लाह उत्ते झूठ घड़े तां जो बिनां इल्म दे लोकां नूं भटकावे? बेशक अल्लाह ज़ालिम लोकां नूं राह नहीं दिखाउंदा। (141–144)

आख, "जो कुझ मेरे वल्ल वह्य कीता गिया है उस विच मैं किसे खाण वाले उत्ते कोई चीज़ हराम नहीं पाउंदा, सिवाए इस दे कि ओह मुर्दार होवे, जां वगदा होइया ख़ून, जां सूर दा गोश्त—किउंकि ओह नापाक है—जां गुनाह दी ओह चीज़ जिस उत्ते अल्लाह तों सिवा किसे होर दा नाम पुकारिया गिया होवे। फिर जो कोई मजबूर हो जावे, ना उस दा चाहवान होवे ते ना ज़रूरत तों वधे—तां तेरा रब्ब बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है।" ते जो यहूदी होए उन्हां उत्ते असां ने हर नहुं वाला जानवर हराम कीता सी; ते गाईंआं ते भेड-बक्करियां विचों असां ने उन्हां उत्ते उन्हां दी चरबी हराम कीती सी, सिवाए उस दे जो उन्हां दियां पिट्ठां जां आंदरां उत्ते लग्गी होवे, जां जो हड्डी नाल रली होवे। एह असां ने उन्हां नूं उन्हां दी सरकशी दी सज़ा दित्ती सी; ते यक़ीनन असीं सच्चे हां। फिर जे ओह तैनूं झुठलाउण, तां आख, "तुहाडा रब्ब वड्डी समाई वाली रहमत दा मालिक है, पर उस दा अज़ाब मुजरिम लोकां तों टालिया नहीं जांदा।" जो शरीक ठहराउंदे हन ओह आखणगे, "जे अल्लाह चाहुंदा, तां ना असीं शरीक ठहराउंदे, ते ना साडे पिओ-दादे, ते ना असीं किसे चीज़ नूं हराम ठहराउंदे।" इसे तरां उन्हां तों पहिलां वालियां ने वी झुठलाइया सी, इत्थों तक्क कि उन्हां ने साडा अज़ाब चक्ख लिया। आख, "की तुहाडे कोल कोई इल्म है जो तुसीं साडे साहमणे कढ्ढ लिआओ? तुसीं तां बस गुमान दे पिच्छे चल्लदे हो; ते तुसीं बस अटकलां ही लाउंदे हो।" आख, "पूरी-पूरी दलील तां अल्लाह ही दी है। सो जे ओह चाहुंदा, तां तुहानूं सभनां नूं हिदायत दे दिंदा।" आख, "अपणे ओह गवाह लिआओ जो गवाही देण कि अल्लाह ने इस नूं हराम कीता है।" फिर जे ओह गवाही दे वी देण, तां तूं उन्हां दे नाल गवाही

ना देईं, ते उन्हां लोकां दियां ख़ाहिशां दे पिच्छे ना चल्लीं जिन्हां ने साडियां आयतां नूं झुठलाइया, ते जो आख़िरत उत्ते ईमान नहीं रक्खदे, ते जो होरां नूं अपणे रब्ब दे बराबर ठहराउंदे हन। (145–150)

आख, "आओ, मैं पढ़ के सुणावां जो कुझ तुहाडे रब्ब ने तुहाडे उत्ते हराम कीता है: कि उस दे नाल किसे चीज़ नूं शरीक ना ठहराओ; ते मां-पिओ नाल चंगा सलूक करो; ते ग़रीबी कारन अपणी औलाद नूं क़तल ना करो—असीं तुहानूं वी रोज़ी दिंदे हां ते उन्हां नूं वी; ते बेहयाई दे कम्मां दे नेड़े ना जाओ, भावें ओह खुल्हे होण जां छुपे; ते किसे जान नूं, जिस नूं अल्लाह ने हुरमत वाला ठहराइया है, क़तल ना करो, सिवाए हक़ दे। एह ओह गल्लां हन जिन्हां दी उस ने तुहानूं ताकीद कीती है, तां जो तुसीं अक़ल तों कम्म लओ। ते यतीम दे माल दे नेड़े ना जाओ, सिवाए अजिहे तरीक़े दे जो सभ तों चंगा होवे, इत्थों तक्क कि ओह अपणी जवानी नूं पहुंच जावे। ते नाप ते तोल इनसाफ़ नाल पूरा करो—असीं किसे जान उत्ते उस दी ताक़त तों वध बोझ नहीं पाउंदे। ते जदों गल्ल आखो, तां इनसाफ़ दी आखो, भावें मामला रिश्तेदार दा ही होवे। ते अल्लाह दा अहद पूरा करो। एह ओह गल्लां हन जिन्हां दी उस ने तुहानूं ताकीद कीती है, तां जो तुसीं नसीहत फड़ो। ते एह कि एही मेरा राह है, सिद्धा, सो इसे उत्ते चल्लो; ते होर राहां उत्ते ना चल्लो, कि ओह तुहानूं उस दे राह तों खिंडा देणगे। एह ओह गल्लां हन जिन्हां दी उस ने तुहानूं ताकीद कीती है, तां जो तुसीं अल्लाह तों सुचेत हो जाओ।" (151–153)

फिर असां ने मूसा नूं किताब दित्ती, उस उत्ते अपणी नेमत पूरी करन लई जिस ने नेकी कीती, ते हर चीज़ खोल्ह के बिआन करन लई, ते हिदायत ते रहमत बणा के, तां जो ओह अपणे रब्ब नाल मिलण उत्ते ईमान लिआउण। ते एह इक्क किताब है जो असां ने उतारी है, बरकत वाली; सो इस दी पैरवी करो ते अल्लाह तों सुचेत रहो, तां जो तुहाडे उत्ते रहम कीता जावे, कि किते तुसीं एह ना आखो, "किताब तां बस साथों पहिले दो गिरोहां उत्ते उतारी गई सी, ते असीं उन्हां दे पढ़न-पढ़ाउण तों बेख़बर सां," जां एह ना आखो, "जे साडे उत्ते किताब उतारी जांदी, तां असीं उन्हां तों वध राह उत्ते हुंदे।" सो हुण तुहाडे कोल तुहाडे रब्ब वल्लों खुल्ही दलील आ गई है, ते हिदायत ते रहमत। फिर उस तों वध ज़ालिम कौण है जो अल्लाह दियां आयतां नूं झुठलाए ते उन्हां तों मूंह मोड़े? जो लोक साडियां आयतां तों मूंह मोड़दे हन उन्हां नूं असीं उन्हां दे मूंह मोड़न कारन बुरे अज़ाब दा बदला दिआंगे। की ओह इसे दी उडीक विच हन कि उन्हां कोल फ़रिश्ते आ जाण, जां तेरा रब्ब आ जावे, जां तेरे रब्ब दियां कुझ निशानियां आ जाण? जिस दिन तेरे रब्ब दियां कुझ निशानियां आ जाणगियां, उस दिन किसे जान नूं उस दा ईमान लिआउणा नफ़ा ना देवेगा जो पहिलां ईमान नहीं लिआई सी, जां जिस ने अपणे ईमान विच कोई भलाई नहीं कमाई सी। आख, "तां उडीक करो; असीं वी उडीक कर रहे हां।" (154–158)

बेशक जिन्हां ने अपणे दीन नूं टुकड़े-टुकड़े कर लिया ते फ़िरक़े बण गए, तेरा उन्हां नाल कोई वासता नहीं; उन्हां दा मामला अल्लाह दे हवाले है, फिर ओह उन्हां नूं दस्स देवेगा जो कुझ ओह करदे सन। जो कोई नेकी लै के आवेगा उस लई उस वरगियां दस हन; ते जो कोई बुराई लै के आवेगा उस नूं बस उसे दे बराबर बदला दित्ता जावेगा, ते उन्हां उत्ते ज़ुलम ना कीता जावेगा। आख, "मेरे रब्ब ने मैनूं सिद्धे राह दी हिदायत दित्ती है,

ठीक-ठीक दीन, इबराहीम दा दीन, जो ख़ालिस ईमान वाला सी; ते ओह अल्लाह नाल शरीक ठहराउण वालियां विचों नहीं सी।" आख, "मेरी नमाज़, मेरी क़ुरबानी, मेरा जीणा ते मेरा मरना अल्लाह लई है, जो सारे जहानां दा रब्ब है; उस दा कोई शरीक नहीं। ते मैनूं इसे दा हुक्म दित्ता गिया है, ते मैं सभ तों पहिला फ़रमांबरदार हां।" आख, "की मैं अल्लाह तों सिवा कोई होर रब्ब ढूंढां, हालांकि ओही हर चीज़ दा रब्ब है? ते हर जान जो कुझ कमाउंदी है उस दा बोझ उसे उत्ते है, ते कोई बोझ चुक्कण वाला किसे दूजे दा बोझ नहीं चुक्केगा। फिर तुहाडा मुड़ना तुहाडे रब्ब ही वल्ल है, फिर ओह तुहानूं उन्हां गल्लां दी ख़बर देवेगा जिन्हां विच तुसीं इख़तिलाफ़ करदे सी।" ते ओही है जिस ने तुहानूं धरती विच जानशीन बणाइया, ते तुहाडे विचों कुझ दे कुझ उत्ते दर्जे उच्चे कीते, तां जो तुहानूं उस विच आज़माए जो उस ने तुहानूं दित्ता है। बेशक तेरा रब्ब छेती सज़ा देण वाला है, ते बेशक ओह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (159–165)

7. उच्चाइयां (अल-आराफ़)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

अलिफ़ लाम मीम साद। (1)

ऐ नबी, एह इक्क किताब है जो तेरे वल्ल उतारी गई है—सो इस कारन तेरे सीने विच कोई तंगी ना होवे—तां जो तूं इस दे ज़रीए ख़बरदार करें, ते ईमान वालियां लई नसीहत होवे। उस दी पैरवी करो जो तुहाडे वल्ल तुहाडे रब्ब वल्लों उतारिया गिया है, ते उस तों सिवा होर हिमायतियां दे पिच्छे ना चल्लो। तुसीं किन्नी थोड़ी नसीहत फड़दे हो! (2–3)

ते किन्नियां ही बस्तियां हन जिन्हां नूं असां ने हलाक कर दित्ता! सो उन्हां उत्ते साडा अज़ाब रातों-रात आइया, जां उस वेले जदों ओह दुपहिर नूं आराम कर रहे सन। फिर जदों उन्हां उत्ते साडा अज़ाब आइया, तां उन्हां दी पुकार बस एही सी, "बेशक असीं ही ज़ालिम सां।" सो असीं ज़रूर उन्हां तों पुच्छांगे जिन्हां वल्ल रसूल भेजे गए, ते असीं ज़रूर रसूलां तों वी पुच्छांगे। फिर असीं इल्म दे नाल उन्हां दे साहमणे सभ कुझ बिआन कर दिआंगे, ते असीं कदे ग़ायब नहीं सां। ते उस दिन तोल बरहक़ होवेगा। फिर जिन्हां दे पलड़े भारी होणगे—ओही कामयाब होण वाले हन; ते जिन्हां दे पलड़े हलके होणगे—ओही हन जिन्हां ने अपणे आप नूं घाटे विच पाइया, इस लई कि ओह साडियां आयतां नाल ज़ुलम करदे सन। (4–9)

ते बेशक असां ने तुहानूं धरती विच जमाइया ते उस विच तुहाडे लई गुज़ारे दे सामान बणाए। तुसीं किन्ना थोड़ा शुकर करदे हो! ते बेशक असां ने तुहानूं पैदा कीता, फिर तुहाडी सूरत बणाई, फिर फ़रिश्तियां नूं आखिया, "आदम अग्गे झुक जाओ।" तां ओह झुक गए—सिवाए इबलीस दे; ओह झुकण वालियां विचों ना होइया। उस ने आखिया, "तैनूं किस चीज़ ने झुकण तों रोकिया जदों मैं तैनूं हुक्म दित्ता सी?" उस ने आखिया, "मैं उस तों बिहतर हां: तूं मैनूं अग्ग तों पैदा कीता, ते उस नूं मिट्टी तों पैदा कीता।" उस ने आखिया, "तां इत्थों उतर जा! तेरा एह हक़ नहीं कि इत्थे घमंड करें। निकल जा: बेशक तूं ज़लीलां विचों हैं।" उस ने आखिया, "मैनूं उस दिन तक्क मोहलत दे जदों ओह उठाए जाणगे।" उस ने आखिया, "तैनूं मोहलत दित्ती गई।" उस ने आखिया, "क्योंकि तूं मैनूं भटकाइया है, मैं वी ज़रूर तेरे सिद्धे राह उत्ते उन्हां दी घात विच बैठांगा। फिर मैं उन्हां कोल उन्हां दे अग्गों ते उन्हां दे पिच्छों, उन्हां दे सज्जियों ते उन्हां दे खब्बियों आवांगा, ते तूं उन्हां विचों बहुतियां नूं शुकर करन वाला ना पावेंगा।" उस ने आखिया, "इत्थों निकल जा, धिक्कारिया होइया ते दुरकारिया होइया! उन्हां विचों जो कोई तेरे पिच्छे चल्लेगा, मैं ज़रूर तुहाडे सभनां नाल जहन्नम नूं भर दिआंगा। ते ऐ आदम, तूं ते तेरी पतनी जन्नत विच रहो, ते जित्थों चाहो खाओ; पर इस रुक्ख दे नेड़े ना जाणा, नहीं तां तुसीं दोवें ज़ालिमां विचों हो जाओगे।" (10–19)

फिर शैतान ने उन्हां दोहां दे दिल विच वसवसा पाइया, तां जो उन्हां दी ओह शरमगाह उन्हां उत्ते खोल्ह देवे जो उन्हां तों छुपाई गई सी। उस ने आखिया, "तुहाडे रब्ब ने तुहानूं इस रुक्ख तों सिरफ़ इस लई रोकिया है

कि किते तुसीं फ़रिश्ते ना बण जाओ, जां सदा रहण वालियां विचों ना हो जाओ।" ते उस ने उन्हां दोहां अग्गे क़सम खाधी, "मैं यक़ीनन तुहाडा भला चाहुण वालियां विचों हां।" सो उस ने धोखे नाल उन्हां नूं थल्ले ला लिया। फिर जदों उन्हां दोहां ने उस रुक्ख नूं चक्खिया, तां उन्हां दियां शरमगाहां उन्हां उत्ते खुल्ह गइयां, ते ओह जन्नत दे पत्तियां नाल अपणे आप नूं ढकण लग्गे। ते उन्हां दे रब्ब ने उन्हां नूं पुकारिया, "की मैं तुहानूं उस रुक्ख तों रोकिया नहीं सी, ते तुहानूं आखिया नहीं सी कि शैतान तुहाडा खुल्हा दुश्मण है?" दोहां ने आखिया, "ऐ साडे रब्ब, असां ने अपणे आप उत्ते ज़ुलम कीता। ते जे तूं सानूं ना बख़्शिया ते साडे उत्ते रहम ना कीता, तां असीं ज़रूर घाटा खाण वालियां विचों हो जावांगे।" उस ने आखिया, "उतर जाओ, तुसीं इक्क दूजे दे दुश्मण हो! ते धरती विच तुहाडे लई इक्क वक़्त तक्क ठिकाणा ते गुज़ारे दा सामान है।" उस ने आखिया, "उसे विच तुसीं जीओगे, ते उसे विच मरोगे, ते उसे विचों तुसीं कढ्ढे जाओगे।" (20–25)

ऐ आदम दी औलाद, असां ने तुहाडे उत्ते लिबास उतारिया है जो तुहाडियां शरमगाहां नूं ढकदा है, ते ज़ीनत वी; पर अल्लाह तों सुचेतता दा लिबास—ओही सभ तों बिहतर है। एह अल्लाह दियां निशानियां विचों है, तां जो ओह नसीहत फड़न। ऐ आदम दी औलाद, शैतान तुहानूं फ़ितने विच ना पा देवे, जिवें उस ने तुहाडे मां-पिओ नूं जन्नत तों कढ्ढिया सी, उन्हां दा लिबास उन्हां तों उतरवा के तां जो उन्हां नूं उन्हां दियां शरमगाहां दिखा देवे। बेशक ओह ते उस दा क़बीला तुहानूं उत्थों वेखदे हन जित्थों तुसीं उन्हां नूं नहीं वेखदे। असां ने शैतानां नूं उन्हां दा दोस्त बणा दित्ता है जो ईमान नहीं लिआउंदे। (26–27)

ते जदों ओह कोई बेहयाई दा कम्म करदे हन, तां आखदे हन, "असां ने अपणे पिओ-दादियां नूं इसे उत्ते पाइया, ते अल्लाह ने सानूं इस दा हुक्म दित्ता है।" आख, "अल्लाह बेहयाई दा हुक्म नहीं दिंदा। की तुसीं अल्लाह बारे ओह गल्ल आखदे हो जो तुसीं नहीं जाणदे?" आख, "मेरे रब्ब ने इनसाफ़ दा हुक्म दित्ता है। ते हर इबादत दी थां उत्ते अपणे चिहरे सिद्धे उसे वल्ल रक्खो, ते उस नूं पुकारो, दीन नूं उसे लई ख़ालिस करके। जिवें उस ने तुहानूं पहिलां पैदा कीता, उसे तरां तुसीं फिर मुड़ोगे।" इक्क गिरोह नूं उस ने हिदायत दित्ती, ते इक्क गिरोह उत्ते गुमराही पक्की हो गई: उन्हां ने अल्लाह नूं छड्ड के शैतानां नूं दोस्त बणा लिया, ते समझदे हन कि ओह राह उत्ते हन। ऐ आदम दी औलाद, हर इबादत दी थां उत्ते अपणी ज़ीनत कर लिया करो; ते खाओ ते पीओ, पर फ़ज़ूलख़र्ची ना करो: बेशक ओह फ़ज़ूलख़र्ची करन वालियां नूं पसंद नहीं करदा। आख, "किस ने अल्लाह दी उस ज़ीनत नूं हराम कीता है, जो उस ने अपणे बंदियां लई कढ्ढी है, ते रोज़ी दियां पाक चीज़ां नूं?" आख, "एह दुनिया दी ज़िंदगी विच ईमान वालियां लई हन, ते क़ियामत दे दिन ख़ालिस उन्हां ही लई होणगियां।" इसे तरां असीं जाणन वाले लोकां लई आयतां खोल्ह-खोल्ह के बिआन करदे हां। (28–32)

आख, "मेरे रब्ब ने तां बस बेहयाई दे कम्म हराम कीते हन, खुल्हे होण जां छुपे, ते गुनाह, ते नाहक़ ज़िआदती, ते एह कि तुसीं अल्लाह दे नाल उस नूं शरीक ठहराओ जिस दी उस ने कोई सनद नहीं उतारी, ते एह कि तुसीं अल्लाह बारे ओह गल्ल आखो जो तुसीं नहीं जाणदे।" ते हर उम्मत लई इक्क मुक़र्रर वक़्त है। फिर जदों उन्हां दा वक़्त आ जांदा है, तां ओह ना इक्क घड़ी पिच्छे रह सकदे हन, ते ना अग्गे वध सकदे हन। (33–34)

ऐ आदम दी औलाद, जदों वी तुहाडे कोल तुहाडे ही विचों रसूल आउण, जो तुहानूं मेरियां आयतां सुणाउण—तां जो कोई अल्लाह तों सुचेत रिहा ते सुधार कर लिया, ना उन्हां नूं कोई डर होवेगा, ते ना ओह ग़मगीन होणगे; ते जिन्हां ने साडियां आयतां नूं झुठलाइया ते उन्हां दे मुक़ाबले विच घमंड कीता—ओही अग्ग वाले हन, ते उस विच ओह सदा रहिणगे। फिर उस तों वध ज़ालिम कौण है जो अल्लाह उत्ते झूठ घड़े जां उस दियां आयतां नूं झुठलाए? अजिहे लोकां नूं किताब विचों उन्हां दा हिस्सा पहुंचदा रहेगा; इत्थों तक्क कि जदों साडे भेजे होए उन्हां कोल उन्हां दियां जानां क़बज़ करन आउणगे, तां आखणगे, "कित्थे हन ओह जिन्हां नूं तुसीं अल्लाह तों सिवा पुकारदे सी?" ओह आखणगे, "ओह साथों गुम हो गए," ते ओह अपणे ही ख़िलाफ़ गवाही देणगे कि ओह सच्च दे इनकारी सन। ओह आखेगा, "जिन्नां ते इनसानां दियां उन्हां उम्मतां दे नाल अग्ग विच दाख़िल हो जाओ जो तुहाथों पहिलां गुज़र चुक्कियां हन।" जदों वी कोई उम्मत दाख़िल होवेगी, तां अपणी भैण उत्ते लानत करेगी; इत्थों तक्क कि जदों सारे उस विच इक्क दूजे दे पिच्छे जा पहुंचणगे, तां उन्हां दे पिछले अपणे पहिलियां बारे आखणगे, "ऐ साडे रब्ब, इन्हां ने सानूं भटकाइया सी, सो इन्हां नूं अग्ग दा दूणा अज़ाब दे।" ओह आखेगा, "हर इक्क लई दूणा है, पर तुसीं नहीं जाणदे।" ते उन्हां दे पहिले अपणे पिछलियां नूं आखणगे, "तां तुहानूं साडे उत्ते कोई वडिआई ना होई; सो तुसीं वी अपणी कमाई दे बदले अज़ाब चक्खो।" (35–39)

बेशक जिन्हां ने साडियां आयतां नूं झुठलाइया ते उन्हां दे मुक़ाबले विच घमंड कीता—उन्हां लई ना असमान दे दरवाज़े खोल्हे जाणगे, ते ना ओह जन्नत विच दाख़िल होणगे जद तक्क ऊठ सूई दे नक्के विचों ना लंघ जावे। ते इसे तरां असीं मुजरिमां नूं बदला दिंदे हां। उन्हां लई जहन्नम दा विछौणा होवेगा, ते उन्हां दे उत्ते अग्ग दे ओढण। ते इसे तरां असीं ज़ालिमां नूं बदला दिंदे हां। ते जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते—असीं किसे जान उत्ते उस दी ताक़त तों वध बोझ नहीं पाउंदे—ओही जन्नत वाले हन, ते उस विच ओह सदा रहिणगे। ते उन्हां दे सीनियां विच जो वी कीना होवेगा असीं उस नूं कढ्ढ दिआंगे। उन्हां दे हेठ नहरां वगदियां होणगियां, ते ओह आखणगे, "सारी तारीफ़ अल्लाह ही लई है, जिस ने सानूं इस दी राह दिखाई। ते असीं कदे राह ना पा सकदे जे अल्लाह सानूं राह ना दिखाउंदा। बेशक साडे रब्ब दे रसूल सच्च लै के आए सन।" ते उन्हां नूं आवाज़ दित्ती जावेगी, "एह ओह जन्नत है जिस दे तुसीं वारिस बणाए गए हो उन्हां कम्मां दे बदले जो तुसीं करदे सी।" ते जन्नत वाले अग्ग वालियां नूं पुकार के आखणगे, "असां ने तां उस नूं सच्चा पाइया जिस दा साडे रब्ब ने साडे नाल वादा कीता सी। की तुसीं वी उस नूं सच्चा पाइया जिस दा तुहाडे रब्ब ने वादा कीता सी?" ओह आखणगे, "हां।" फिर इक्क पुकारन वाला उन्हां दे विचकार पुकारेगा, "अल्लाह दी लानत है ज़ालिमां उत्ते, जो होरां नूं अल्लाह दे राह तों रोकदे सन ते उस विच टेढ ढूंढदे सन, ते जो आख़िरत दे इनकारी सन।" (40–45)

ते दोहां दे विचकार इक्क ओट होवेगी, ते उच्चाइयां उत्ते कुझ आदमी होणगे जो हर इक्क नूं उन्हां दियां निशानियां तों पछाणदे होणगे। ते ओह जन्नत वालियां नूं पुकार के आखणगे, "तुहाडे उत्ते सलामती होवे।" ओह अजे उस विच दाख़िल नहीं होए होणगे, हालांकि उस दी आस रक्खदे होणगे। ते जदों उन्हां दियां

निगाहां अग्ग वालियां वल्ल फेरियां जाणगियां, तां आखणगे, "ऐ साडे रब्ब, सानूं ज़ालिम लोकां दे नाल ना रक्खीं।" ते उच्चाइयां वाले कुझ आदमियां नूं, जिन्हां नूं ओह उन्हां दियां निशानियां तों पछाणदे होणगे, पुकार के आखणगे, "ना तुहाडा जत्था तुहाडे कुझ कम्म आइया ते ना तुहाडा घमंड। की इही ओह लोक हन जिन्हां बारे तुसीं क़समां खांदे सी कि अल्लाह इन्हां उत्ते कदे रहमत ना करेगा?" इन्हां नूं आखिया जावेगा, "जन्नत विच दाख़िल हो जाओ: ना तुहानूं कोई डर होवेगा, ते ना तुसीं ग़मगीन होवोगे।" (46–49)

ते अग्ग वाले जन्नत वालियां नूं पुकार के आखणगे, "साडे उत्ते कुझ पाणी वगा देओ, जां उस विचों कुझ जो अल्लाह ने तुहानूं दित्ता है।" ओह आखणगे, "अल्लाह ने एह दोवें चीज़ां सच्च दे इनकारियां उत्ते हराम कर दित्तियां हन, जिन्हां ने अपणे दीन नूं तमाशा ते खेड बणा लिया सी, ते जिन्हां नूं दुनिया दी ज़िंदगी ने धोखे विच पा दित्ता सी।" सो अज्ज असीं उन्हां नूं भुला दिआंगे, जिवें उन्हां ने अपणे इस दिन दी मुलाक़ात नूं भुला दित्ता सी, ते जिवें ओह साडियां आयतां दा इनकार करदे सन। (50–51)

ते बेशक असीं उन्हां कोल इक्क किताब लै आए हां जिस नूं असां ने इल्म दे नाल खोल्ह-खोल्ह के बिआन कीता है, ईमान लिआउण वाले लोकां लई हिदायत ते रहमत बणा के। की ओह बस इस दे अंजाम दी उडीक कर रहे हन? जिस दिन इस दा अंजाम आ जावेगा, तां ओह जो इस नूं पहिलां भुल्ले होए सन आखणगे, "बेशक साडे रब्ब दे रसूल सच्च लै के आए सन। तां की हुण साडे कोई सिफ़ारशी हन जो साडी सिफ़ारिश करन? जां सानूं वापस भेज दित्ता जावे, तां जो असीं उस दे उलट कम्म करीए जो असीं करदे सां?" उन्हां ने अपणे आप नूं घाटे विच पा लिया, ते जो कुझ ओह घड़दे सन ओह उन्हां तों गुम हो गिया। (52–53)

बेशक तुहाडा रब्ब अल्लाह है, जिस ने असमानां ते धरती नूं छे जुगां विच पैदा कीता ते फिर अर्श उत्ते क़ायम होइया। ओह रात नूं दिन उत्ते परदे वांग ढक दिंदा है, जो तेज़ी नाल उस दे पिच्छे आउंदी है; ते सूरज, चंद ते तारे उस दे हुक्म नाल कम्म उत्ते लाए होए हन। सुण लओ, पैदा करना वी उसे दा कम्म है ते हुक्म वी उसे दा। बड़ी बरकत वाला है अल्लाह, जो सारे जहानां दा रब्ब है! अपणे रब्ब नूं गिड़गिड़ा के ते चुप-चुपीते पुकारो: बेशक ओह हद्द तों वधण वालियां नूं पसंद नहीं करदा। ते धरती विच उस दे सुधार तों बाद फ़साद ना फैलाओ, ते उस नूं डर ते उम्मीद दे नाल पुकारो: बेशक अल्लाह दी रहमत नेकी करन वालियां दे नेड़े है। ते ओही है जो अपणी रहमत तों अग्गे-अग्गे हवावां नूं ख़ुशख़बरी बणा के भेजदा है; इत्थों तक्क कि जदों ओह भारे बद्दल चुक्क लैंदियां हन, तां असीं उन्हां नूं किसे मुर्दा धरती वल्ल हक्क दिंदे हां, फिर उन्हां दे ज़रीए पाणी उतारदे हां, फिर उस दे नाल हर किसम दे फल कड्ढदे हां। इसे तरां असीं मुर्दियां नूं कड्ढांगे, तां जो तुसीं नसीहत फड़ो। ते चंगी धरती अपणे रब्ब दे हुक्म नाल अपणी पैदावार कड्ढदी है; ते जो ख़राब है उस विचों कुझ नहीं निकलदा सिवाए थोड़े जिहे दे। इसे तरां असीं शुकर करन वाले लोकां लई तरां-तरां नाल निशानियां बिआन करदे हां। (54–58)

बेशक असां ने नूह नूं उस दी क़ौम वल्ल भेजिया, तां उस ने आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, अल्लाह दी इबादत करो; उस तों सिवा तुहाडा कोई माबूद नहीं। मैनूं तुहाडे उत्ते इक्क वड्डे दिन दे अज़ाब दा डर है।" उस दी क़ौम दे

सरदारां ने आखिया, "असीं तां तैनूं खुल्ही गुमराही विच वेखदे हां।" उस ने आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, मेरे विच कोई गुमराही नहीं; बल्कि मैं सारे जहानां दे रब्ब वल्लों इक्क रसूल हां। मैं तुहानूं अपणे रब्ब दे पैग़ाम पहुंचाउंदा हां ते तुहाडा भला चाहुंदा हां, ते मैं अल्लाह वल्लों ओह कुझ जाणदा हां जो तुसीं नहीं जाणदे। की तुहानूं इस उत्ते हैरानी है कि तुहाडे कोल तुहाडे रब्ब वल्लों इक्क नसीहत तुहाडे ही विचों इक्क आदमी दे ज़रीए आई, तां जो ओह तुहानूं ख़बरदार करे, ते तां जो तुसीं अल्लाह तों सुचेत हो जाओ ते तुहाडे उत्ते रहम कीता जावे?" पर उन्हां ने उस नूं झुठला दित्ता; सो असां ने उस नूं ते उन्हां नूं जो उस दे नाल किश्ती विच सन बचा लिया, ते उन्हां नूं डोब दित्ता जिन्हां ने साडियां आयतां नूं झुठलाइया सी। बेशक ओह अन्हे लोक सन। (59–64)

ते आद वल्ल असां ने उन्हां दे भरा हूद नूं भेजिया। उस ने आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, अल्लाह दी इबादत करो; उस तों सिवा तुहाडा कोई माबूद नहीं। तां की तुसीं उस तों सुचेत नहीं होवोगे?" उस दी क़ौम दे उन्हां सरदारां ने जो सच्च दे इनकारी सन आखिया, "असीं तां तैनूं बेवक़ूफ़ी विच वेखदे हां, ते साडा ख़ियाल है कि तूं झूठियां विचों हैं।" उस ने आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, मेरे विच कोई बेवक़ूफ़ी नहीं; बल्कि मैं सारे जहानां दे रब्ब वल्लों इक्क रसूल हां। मैं तुहानूं अपणे रब्ब दे पैग़ाम पहुंचाउंदा हां, ते मैं तुहाडा भला चाहुण वाला, अमानतदार हां। की तुहानूं इस उत्ते हैरानी है कि तुहाडे कोल तुहाडे रब्ब वल्लों इक्क नसीहत तुहाडे ही विचों इक्क आदमी दे ज़रीए आई, तां जो ओह तुहानूं ख़बरदार करे? ते याद करो जदों उस ने तुहानूं नूह दी क़ौम तों बाद जानशीन बणाइया ते तुहानूं डील-डौल विच बहुत वधाइया। सो अल्लाह दियां नेमतां नूं याद करो, तां जो तुसीं कामयाब होवो।" उन्हां ने आखिया, "की तूं साडे कोल इस लई आइया हैं कि असीं इकल्ले अल्लाह दी इबादत करीए ते उन्हां नूं छड्ड देईए जिन्हां दी साडे पिओ-दादे इबादत करदे सन? तां लै आ साडे उत्ते ओह चीज़ जिस दी तूं सानूं धमकी दिंदा हैं, जे तूं सच्चा हैं।" उस ने आखिया, "तुहाडे उत्ते तुहाडे रब्ब वल्लों अज़ाब ते ग़ज़ब आ ही पिया है। की तुसीं मेरे नाल उन्हां नामां बारे झगड़दे हो जो तुसीं ते तुहाडे पिओ-दादियां ने रक्ख लए हन, जिन्हां दी अल्लाह ने कोई सनद नहीं उतारी? तां उडीक करो; मैं वी तुहाडे नाल उडीक कर रिहा हां।" सो असां ने उस नूं ते उन्हां नूं जो उस दे नाल सन अपणी रहमत नाल बचा लिया, ते उन्हां दी जड़ कट्ट दित्ती जिन्हां ने साडियां आयतां नूं झुठलाइया सी ते ईमान वाले ना सन। (65–72)

ते समूद वल्ल असां ने उन्हां दे भरा सालेह नूं भेजिया। उस ने आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, अल्लाह दी इबादत करो; उस तों सिवा तुहाडा कोई माबूद नहीं। तुहाडे कोल तुहाडे रब्ब वल्लों इक्क खुल्ही दलील आ चुक्की है: एह अल्लाह दी ऊठणी है, तुहाडे लई इक्क निशानी। सो इस नूं छड्ड देओ कि अल्लाह दी धरती विच चरदी फिरे, ते इस नूं किसे बुराई नाल हत्थ ना लाउणा, नहीं तां तुहानूं दर्दनाक अज़ाब आ फड़ेगा। ते याद करो जदों उस ने तुहानूं आद तों बाद जानशीन बणाइया ते तुहानूं धरती विच वसाइया: तुसीं उस दे मैदानां विच महिल बणाउंदे हो ते पहाड़ां नूं तराश के घर बणाउंदे हो। सो अल्लाह दियां नेमतां नूं याद करो, ते धरती विच फ़साद फैलाउंदे ना फिरो।" उस दी क़ौम दे उन्हां सरदारां ने जो घमंड करदे सन उन्हां नूं आखिया जो कमज़ोर समझे जांदे सन—उन्हां नूं जो उन्हां विचों ईमान लिआए सन—"की तुसीं जाणदे हो कि सालेह

अपणे रब्ब वल्लों भेजिया होइया है?" उन्हां ने आखिया, "असीं तां उस उत्ते ईमान रक्खदे हां जिस दे नाल ओह भेजिया गिया है।" घमंड करन वालियां ने आखिया, "जिस उत्ते तुसीं ईमान लिआए हो असीं उस दे इनकारी हां।" फिर उन्हां ने ऊठणी दियां कूंचां कट्ट दित्तियां ते अपणे रब्ब दे हुक्म तों सरकशी कीती, ते आखिया, "ऐ सालेह, लै आ साडे उत्ते ओह चीज़ जिस दी तूं सानूं धमकी दिंदा हैं, जे तूं रसूलां विचों हैं।" सो उन्हां नूं भुचाल ने आ फड़िया, ते सवेर हुंदियां ओह अपणे घरां विच मूधे मूंह पए रह गए। फिर ओह उन्हां तों मूंह फेर के चल्ल पिया ते आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, मैं तुहानूं अपणे रब्ब दा पैग़ाम पहुंचा दित्ता सी ते तुहाडा भला चाहिया सी, पर तुसीं भला चाहुण वालियां नूं पसंद नहीं करदे।" (73–79)

ते लूत नूं, जदों उस ने अपणी क़ौम नूं आखिया, "की तुसीं अजिही बेहयाई करदे हो जो तुहाथों पहिलां सारे जहानां विच किसे ने नहीं कीती? तुसीं औरतां नूं छड्ड के शहवत नाल मरदां कोल जांदे हो। बल्कि तुसीं हर हद्द तों लंघ जाण वाले लोक हो।" ते उस दी क़ौम दा जवाब इस तों सिवा कुझ ना सी कि उन्हां ने आखिया, "इन्हां नूं अपणी बस्ती विचों कड्ढ देओ: एह वड्डे पाक बणन वाले लोक हन।" सो असां ने उस नूं ते उस दे घर वालियां नूं बचा लिया—सिवाए उस दी पतनी दे, जो पिच्छे रह जाण वालियां विचों सी—ते असां ने उन्हां उत्ते पत्थरां दा मींह वसाइया। सो वेख कि मुजरिमां दा अंजाम की होइया! (80–84)

ते मदयन वल्ल असां ने उन्हां दे भरा शुऐब नूं भेजिया। उस ने आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, अल्लाह दी इबादत करो; उस तों सिवा तुहाडा कोई माबूद नहीं। तुहाडे कोल तुहाडे रब्ब वल्लों इक्क खुल्ही दलील आ चुक्की है। सो नाप ते तोल पूरा करो, लोकां नूं उन्हां दियां चीज़ां घटा के ना देओ, ते धरती विच उस दे सुधार तों बाद फ़साद ना फैलाओ। एही तुहाडे लई बिहतर है, जे तुसीं ईमान वाले हो। ते हर राह उत्ते ना बैठो कि धमकियां देओ ते अल्लाह दे राह तों उन्हां नूं रोको जो उस उत्ते ईमान लिआए, ते उस विच टेढ ढूंढो। ते याद करो जदों तुसीं थोड़े सी, फिर उस ने तुहानूं वधा दित्ता; ते वेखो कि फ़साद फैलाउण वालियां दा अंजाम की होइया। ते जे तुहाडे विचों इक्क गिरोह उस उत्ते ईमान लै आइया है जिस दे नाल मैं भेजिया गिया हां, ते इक्क गिरोह ईमान नहीं लिआइया, तां सब्र करो इत्थों तक्क कि अल्लाह साडे विचकार फ़ैसला कर देवे: ते ओह सभ तों बिहतर फ़ैसला करन वाला है।" (85–87)

उस दी क़ौम दे उन्हां सरदारां ने जो घमंड करदे सन आखिया, "ऐ शुऐब, असीं तैनूं ते उन्हां नूं जो तेरे नाल ईमान लिआए हन ज़रूर अपणी बस्ती विचों कड्ढ दिआंगे, जां फिर तुसीं साडे मज़हब विच मुड़ आओ।" उस ने आखिया, "की भावें असीं उस तों नफ़रत ही करदे होईए? असीं अल्लाह उत्ते झूठ घड़न वाले होवांगे जे असीं तुहाडे मज़हब विच मुड़ आईए इस तों बाद कि अल्लाह ने सानूं उस तों छुटकारा दे दित्ता है। ते साडे लई मुमकिन नहीं कि असीं उस विच मुड़ आईए सिवाए इस दे कि अल्लाह, साडा रब्ब, ही चाहे। साडे रब्ब दा इल्म हर चीज़ नूं घेरे होए है; अल्लाह ही उत्ते असां ने भरोसा कीता है। ऐ साडे रब्ब, साडे ते साडी क़ौम दे विचकार सच्च दे नाल फ़ैसला कर दे, ते तूं सभ तों बिहतर फ़ैसला करन वाला है।" ते उस दी क़ौम दे उन्हां सरदारां ने जो सच्च दे इनकारी सन आखिया, "जे तुसीं शुऐब दे पिच्छे चल्ले, तां यक़ीनन घाटा खाओगे।" सो उन्हां नूं भुचाल ने आ फड़िया, ते सवेर हुंदियां ओह अपणे घरां विच मूधे मूंह पए रह गए। जिन्हां ने शुऐब नूं

झुठलाइया सी—जिवें ओह उत्थे कदे वसे ही नहीं सन। जिन्हां ने शुऐब नूं झुठलाइया सी—ओही घाटा खाण वाले होए। फिर ओह उन्हां तों मूंह फेर के चल्ल पिया ते आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, मैं तुहानूं अपणे रब्ब दे पैग़ाम पहुंचा दित्ते सन ते तुहाडा भला चाहिया सी। तां हुण मैं सच्च दा इनकार करन वाली क़ौम उत्ते किवें अफ़सोस करां?" (88–93)

ते असां ने किसे बस्ती विच कोई नबी नहीं भेजिया पर इस दे नाल कि उस दे रहण वालियां नूं तंगी ते तकलीफ़ विच फड़िया, तां जो ओह आजिज़ी करन। फिर असां ने बदहाली दी थां ख़ुशहाली बदल दित्ती, इत्थों तक्क कि ओह ख़ूब वधे ते आखण लग्गे, "दुक्ख ते सुक्ख तां साडे पिओ-दादियां नूं वी पहुंचदे रहे हन।" सो असां ने उन्हां नूं अचानक फड़ लिया, ते उन्हां नूं ख़बर तक्क ना होई। ते जे बस्तियां दे लोक ईमान लै आउंदे ते अल्लाह तों सुचेत रहिंदे, तां असीं उन्हां उत्ते असमान ते धरती तों बरकतां खोल्ह दिंदे; पर उन्हां ने झुठलाइया, सो असां ने उन्हां नूं उन्हां दी कमाई कारन फड़ लिया। (94–96)

तां की बस्तियां दे लोक इस तों बेख़ौफ़ हो गए हन कि उन्हां उत्ते साडा अज़ाब रातों-रात आ जावे, जदों ओह सुत्ते पए होण? जां की बस्तियां दे लोक इस तों बेख़ौफ़ हो गए हन कि उन्हां उत्ते साडा अज़ाब दिन चढ़े आ जावे, जदों ओह खेड रहे होण? तां की ओह अल्लाह दी तदबीर तों बेख़ौफ़ हो गए हन? सो अल्लाह दी तदबीर तों ओही लोक बेख़ौफ़ हुंदे हन जो घाटा खाण वाले हन। की उन्हां लोकां लई जो धरती दे पहिले रहण वालियां तों बाद उस दे वारिस होए हन एह गल्ल राह दिखाउण वाली नहीं कि जे असीं चाहीए, तां उन्हां नूं उन्हां दे गुनाहां कारन फड़ लईए ते उन्हां दे दिलां उत्ते मोहर ला देईए, फिर ओह कुझ ना सुणन? एह ओह बस्तियां हन जिन्हां दे कुझ हाल असीं तैनूं सुणाउंदे हां। ते उन्हां दे रसूल उन्हां कोल खुल्हियां दलीलां लै के आए, पर ओह उस उत्ते ईमान लिआउण वाले ना होए जिस नूं ओह पहिलां झुठला चुक्के सन। इसे तरां अल्लाह सच्च दे इनकारियां दे दिलां उत्ते मोहर ला दिंदा है। ते असां ने उन्हां विचों बहुतियां विच अहद दी कोई पाबंदी ना पाई; ते असां ने उन्हां विचों बहुतियां नूं नाफ़रमान ही पाइया। (97–102)

फिर उन्हां तों बाद असां ने मूसा नूं अपणियां निशानियां दे नाल फ़िरऔन ते उस दे सरदारां वल्ल भेजिया, पर उन्हां ने उन्हां नाल ज़ुलम कीता। सो वेख कि फ़साद फैलाउण वालियां दा अंजाम की होइया! ते मूसा ने आखिया, "ऐ फ़िरऔन, मैं सारे जहानां दे रब्ब वल्लों इक्क रसूल हां, इस गल्ल दा पाबंद कि अल्लाह बारे सच्च तों सिवा कुझ ना आखां। मैं तुहाडे कोल तुहाडे रब्ब वल्लों इक्क खुल्ही दलील लै के आइया हां, सो इसराईल दी औलाद नूं मेरे नाल जाण दे।" उस ने आखिया, "जे तूं कोई निशानी लै के आइया हैं, तां उस नूं पेश कर, जे तूं सच्चा हैं।" सो उस ने अपणी लाठी सुट्टी, तां ओह उसे वेले इक्क साफ़ दिसदा अज़दहा बण गई; ते उस ने अपणा हत्थ बाहर कढ्ढिया, तां ओह उसे वेले वेखण वालियां लई चिट्टा चमकदा सी। फ़िरऔन दी क़ौम दे सरदारां ने आखिया, "एह तां यक़ीनन इक्क माहिर जादूगर है, जो तुहानूं तुहाडी ज़मीन तों कढ्ढ देणा चाहुंदा है। तां हुण तुसीं की सलाह दिंदे हो?" उन्हां ने आखिया, "इस नूं ते इस दे भरा नूं कुझ मोहलत दे, ते शहिरां विच इकट्ठा करन वाले भेज दे जो तेरे कोल हर माहिर जादूगर नूं लै आउण।" (103–112)

ते जादूगर फ़िरऔन कोल आए ते आखिया, "जे असीं ग़ालिब रहे तां साडे लई ज़रूर कोई इनाम होवेगा?" उस ने आखिया, "हां, ते तुसीं मेरे नेड़े वालियां विचों हो जाओगे।" उन्हां ने आखिया, "ऐ मूसा, तूं पहिलां सुट्टेंगा, जां असीं ही सुट्टण वाले होईए?" उस ने आखिया, "तुसीं सुट्टो।" फिर जदों उन्हां ने सुट्टिया, तां लोकां दियां अक्खां उत्ते जादू कर दित्ता ते उन्हां नूं दहिशत विच पा दित्ता, ते ओह वड्डा भारा जादू लै के आए। ते असां ने मूसा वल्ल वह्य कीती, "अपणी लाठी सुट्ट," तां ओह उसे वेले उस नूं निगलण लग्गी जो उन्हां ने झूठ-मूठ बणाइया सी। सो सच्च साबित हो गिया, ते जो कुझ ओह कर रहे सन ओह बातिल हो के रह गिया। सो ओह उत्थे ही हार गए, ते ज़लील हो के मुड़े। ते जादूगर सजदे विच डिग्ग पए। उन्हां ने आखिया, "असीं सारे जहानां दे रब्ब उत्ते ईमान लै आए, मूसा ते हारून दे रब्ब उत्ते।" फ़िरऔन ने आखिया, "तुसीं उस उत्ते ईमान लै आए इस तों पहिलां कि मैं तुहानूं इजाज़त दिआं? एह तां यक़ीनन इक्क चाल है जो तुसीं शहिर विच चल्ली है तां जो उस दे रहण वालियां नूं उत्थों कड्ढ देओ। सो जलदी ही तुहानूं पता लग्ग जावेगा। मैं ज़रूर तुहाडे हत्थ ते तुहाडे पैर उलटे पासियों कट्टांगा, फिर तुहानूं सभनां नूं सूली चढ़ा दिआंगा।" उन्हां ने आखिया, "असीं तां अपणे रब्ब ही वल्ल मुड़ के जाण वाले हां। ते तूं साथों सिरफ़ इस गल्ल दा बदला लै रिहा हैं कि असीं अपणे रब्ब दियां निशानियां उत्ते ईमान लै आए जदों ओह साडे कोल आइयां। ऐ साडे रब्ब, साडे उत्ते सब्र उंडेल दे, ते सानूं इस हाल विच मौत दे कि असीं तेरे फ़रमांबरदार होईए।" (113–126)

ते फ़िरऔन दी क़ौम दे सरदारां ने आखिया, "की तूं मूसा ते उस दी क़ौम नूं छड्ड देवेंगा कि धरती विच फ़साद फैलाउण ते तैनूं ते तेरे माबूदां नूं छड्ड देण?" उस ने आखिया, "असीं उन्हां दे पुत्तरां नूं क़तल करांगे ते उन्हां दियां औरतां नूं ज़िंदा रक्खांगे; ते साडा उन्हां उत्ते पूरा ज़ोर चल्लदा है।" मूसा ने अपणी क़ौम नूं आखिया, "अल्लाह तों मदद मंगो ते सब्र करो। बेशक धरती अल्लाह दी है; ओह अपणे बंदियां विचों जिस नूं चाहुंदा है उस दा वारिस बणाउंदा है, ते आख़िरी अंजाम उन्हां ही दा है जो अल्लाह तों सुचेत रहिंदे हन।" उन्हां ने आखिया, "सानूं तेरे आउण तों पहिलां वी सताइया गिया, ते तेरे आउण तों बाद वी।" उस ने आखिया, "हो सकदा है कि तुहाडा रब्ब तुहाडे दुश्मण नूं हलाक कर देवे ते तुहानूं धरती विच जानशीन बणाए, फिर वेखे कि तुसीं किहो जिहे कम्म करदे हो।" (127–129)

ते असां ने फ़िरऔन दे लोकां नूं काल दे सालां ते फलां दी कमी विच फड़िया, तां जो ओह नसीहत फड़न। पर जदों उन्हां नूं भलाई पहुंचदी, तां आखदे, "एह तां साडा हक़ है"; ते जदों उन्हां नूं कोई बुराई पहुंचदी, तां उस नूं मूसा ते उस दे साथियां दी नहूसत ठहराउंदे। सुण लओ, उन्हां दी नहूसत तां अल्लाह ही दे कोल है, पर उन्हां विचों बहुते नहीं जाणदे। ते उन्हां ने आखिया, "तूं साडे उत्ते जादू करन लई साडे कोल जो वी निशानी लै आवें, असीं तेरे उत्ते ईमान लिआउण वाले नहीं।" सो असां ने उन्हां उत्ते तूफ़ान, टिड्डियां, जूआं, डड्डू ते ख़ून भेजे—वक्खो-वक्खरियां निशानियां; पर उन्हां ने घमंड कीता, ते ओह मुजरिम लोक सन। ते जदों वी उन्हां उत्ते अज़ाब आ पैंदा, तां आखदे, "ऐ मूसा, साडे लई अपणे रब्ब अग्गे उस अहद दे वासते दुआ कर जो उस ने तेरे नाल कीता है। जे तूं साडे तों एह अज़ाब हटा देवें, तां असीं ज़रूर तेरे उत्ते ईमान लै आवांगे ते इसराईल दी औलाद नूं तेरे नाल जाण दिआंगे।" पर जदों असीं उन्हां तों अज़ाब नूं इक्क मुद्दत तक्क लई हटा

दिंदे, जिस नूं उन्हां ने पहुंचणा सी, तां ओह उसे वेले अपणा अहद तोड़ दिंदे। सो असां ने उन्हां तों बदला लिया ते उन्हां नूं समुंदर विच डोब दित्ता, इस लई कि उन्हां ने साडियां आयतां नूं झुठलाइया ते उन्हां तों ग़ाफ़िल रहे। ते जिन्हां लोकां नूं कमज़ोर समझिया जांदा सी उन्हां नूं असां ने उस ज़मीन दे पूरब ते पच्छम दा वारिस बणा दित्ता जिस विच असां ने बरकत रक्खी सी। ते इसराईल दी औलाद दे हक़ विच तेरे रब्ब दा चंगा वादा उन्हां दे सब्र कारन पूरा होइया, ते असां ने ओह सभ कुझ तबाह कर दित्ता जो फ़िरऔन ते उस दी क़ौम बणाउंदी सी ते जो कुझ ओह उच्चा चढ़ाउंदे सन। (130–137)

ते असां ने इसराईल दी औलाद नूं समुंदर पार करा दित्ता, तां ओह इक्क अजिही क़ौम कोल पहुंचे जो अपणे बुत्तां दी पूजा विच लग्गी होई सी। उन्हां ने आखिया, "ऐ मूसा, साडे लई वी इक्क माबूद बणा दे, जिवें इन्हां दे माबूद हन।" उस ने आखिया, "तुसीं तां वड्डे जाहिल लोक हो। एह लोक जिस कम्म विच लग्गे होए हन ओह तबाह होण वाला है, ते जो कुझ एह कर रहे हन ओह बातिल है।" उस ने आखिया, "की मैं तुहाडे लई अल्लाह तों सिवा कोई होर माबूद ढूंढां, हालांकि उस ने तुहानूं सारे जहानां उत्ते वडिआई दित्ती है?" ते याद करो जदों असां ने तुहानूं फ़िरऔन दे लोकां तों छुटकारा दित्ता, जो तुहानूं बहुत बुरा दुक्ख दिंदे सन, तुहाडे पुत्तरां नूं क़तल करदे ते तुहाडियां औरतां नूं ज़िंदा रक्खदे सन—ते इस विच तुहाडे रब्ब वल्लों वड्डी आज़माइश सी। (138–141)

ते असां ने मूसा नाल तीह रातां दा वादा कीता, ते उन्हां नूं दस होर नाल पूरा कीता, सो उस दे रब्ब दी मुक़र्रर मुद्दत चाली रातां पूरी हो गई। ते मूसा ने अपणे भरा हारून नूं आखिया, "मेरी क़ौम विच मेरी थां संभालीं, ते सुधार करदा रहीं, ते फ़साद फैलाउण वालियां दे राह उत्ते ना चल्लीं।" ते जदों मूसा साडे मुक़र्रर वक़्त उत्ते आइया ते उस दे रब्ब ने उस नाल कलाम कीता, तां उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मैनूं अपणा आप दिखा, कि मैं तैनूं वेखां।" उस ने आखिया, "तूं मैनूं हरगिज़ नहीं वेख सकेंगा; पर पहाड़ वल्ल वेख: जे ओह अपणी थां उत्ते टिकिया रिहा, तां तूं मैनूं वेख लवेंगा।" फिर जदों उस दे रब्ब ने पहाड़ उत्ते अपणा जलवा पाइया, तां उस नूं चूर-चूर कर दित्ता, ते मूसा बेहोश हो के डिग्ग पिया। फिर जदों उस नूं होश आई, तां उस ने आखिया, "तूं पाक है! मैं तेरे अग्गे तौबा करदा हां, ते मैं सभ तों पहिला ईमान लिआउण वाला हां।" उस ने आखिया, "ऐ मूसा, मैं तैनूं अपणे पैग़ामां ते अपणे कलाम नाल सारे लोकां उत्ते चुण लिया है। सो जो कुझ मैं तैनूं दित्ता है उस नूं लै, ते शुकर करन वालियां विचों हो जा।" (142–144)

ते असां ने उस लई तख़्तियां उत्ते हर चीज़ बारे नसीहत, ते हर चीज़ दी तफ़सील लिख दित्ती: "सो इन्हां नूं मज़बूती नाल फड़, ते अपणी क़ौम नूं हुक्म दे कि इन्हां दियां सभ तों चंगियां गल्लां नूं फड़न। मैं जलदी ही तुहानूं नाफ़रमानां दा घर दिखावांगा।" मैं अपणियां आयतां तों उन्हां लोकां नूं फेर दिआंगा जो धरती विच नाहक़ घमंड करदे हन। ते जे ओह हर निशानी वी वेख लैण, तां उस उत्ते ईमान ना लिआउणगे; ते जे ओह हिदायत दा राह वेखण, तां उस नूं अपणा राह ना बणाउणगे; पर जे ओह गुमराही दा राह वेखण, तां उस नूं अपणा राह बणा लैणगे। एह इस लई कि उन्हां ने साडियां आयतां नूं झुठलाइया ते उन्हां तों ग़ाफ़िल रहे। ते

जिन्हां ने साडियां आयतां नूं ते आख़िरत दी मुलाक़ात नूं झुठलाइया—उन्हां दे अमल अकारथ हो गए। की उन्हां नूं उस तों सिवा किसे चीज़ दा बदला दित्ता जावेगा जो ओह करदे सन? (145–147)

ते मूसा दी क़ौम ने उस दे पिच्छों अपणे ज़ेवरां तों इक्क वच्छा बणा लिया—इक्क धड़ जिस विचों गां वरगी आवाज़ निकलदी सी। की उन्हां ने ना वेखिया कि ओह ना उन्हां नाल गल्ल करदा है ते ना उन्हां नूं कोई राह दिखाउंदा है? उन्हां ने उस नूं माबूद बणा लिया, ते ओह ज़ालिम सन। ते जदों ओह पछताए, ते उन्हां ने वेख लिया कि ओह भटक गए हन, तां आखण लग्गे, "जे साडे रब्ब ने साडे उत्ते रहम ना कीता ते सानूं ना बख़्शिया, तां असीं ज़रूर घाटा खाण वालियां विचों हो जावांगे।" ते जदों मूसा ग़ुस्से ते अफ़सोस विच भरिया होइया अपणी क़ौम वल्ल मुड़िया, तां उस ने आखिया, "बहुत बुरी है ओह जानशीनी जो तुसीं मेरे पिच्छों कीती! की तुसीं अपणे रब्ब दे हुक्म तों पहिलां ही काहली कर बैठे?" ते उस ने तख़्तियां सुट्ट दित्तियां ते अपणे भरा दा सिर फड़ के उस नूं अपणे वल्ल खिच्चण लग्गा। हारून ने आखिया, "ऐ मेरी मां दे जाए, इन्हां लोकां ने मैनूं कमज़ोर समझिया ते नेड़े सी कि मैनूं क़तल कर दिंदे। सो तूं दुश्मणां नूं मेरे उत्ते हस्सण दा मौक़ा ना दे, ते मैनूं ज़ालिम लोकां दे नाल ना गिण।" उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मैनूं ते मेरे भरा नूं बख़्श दे, ते सानूं अपणी रहमत विच दाख़िल कर, ते तूं सभ रहम करन वालियां तों वध रहम करन वाला है।" बेशक जिन्हां ने वच्छे नूं माबूद बणाइया—उन्हां नूं उन्हां दे रब्ब वल्लों ग़ज़ब आ पहुंचेगा, ते दुनिया दी ज़िंदगी विच ज़िल्लत। ते इसे तरां असीं झूठ घड़न वालियां नूं बदला दिंदे हां। ते जिन्हां ने बुरे कम्म कीते फिर उस तों बाद तौबा कर लई ते ईमान लै आए—तां बेशक इस तों बाद तेरा रब्ब बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (148–153)

ते जदों मूसा दा ग़ुस्सा ठंढा होइया, तां उस ने तख़्तियां चुक्क लइयां, जिन्हां दी लिखत विच उन्हां लई हिदायत ते रहमत सी जो अपणे रब्ब तों डरदे हन। ते मूसा ने साडे मुक़र्रर वक़्त लई अपणी क़ौम दे सत्तर आदमी चुणे; फिर जदों उन्हां नूं सख़्त भुचाल ने आ फड़िया, तां उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, जे तूं चाहुंदा, तां इन्हां नूं ते मैनूं वी पहिलां ही हलाक कर दिंदा। की तूं सानूं उस कम्म उत्ते हलाक करेंगा जो साडे विचों बेवक़ूफ़ां ने कीता? एह तां बस तेरी आज़माइश है, जिस दे ज़रीए तूं जिस नूं चाहें भटकण दिंदा हैं ते जिस नूं चाहें राह दिखाउंदा हैं। तूं ही साडा हिमायती है, सो सानूं बख़्श दे ते साडे उत्ते रहम कर: ते तूं सभ तों बिहतर बख़्शण वाला है। ते साडे लई इस दुनिया विच वी भलाई लिख दे ते आख़िरत विच वी: असीं तेरे वल्ल मुड़ आए हां।" उस ने आखिया, "मेरा अज़ाब—मैं उस नूं जिस उत्ते चाहुंदा हां पाउंदा हां; पर मेरी रहमत हर चीज़ उत्ते छाई होई है। सो मैं उस नूं उन्हां लई लिख दिआंगा जो अल्लाह तों सुचेत रहिंदे हन ते ज़कात दिंदे हन, ते जो साडियां आयतां उत्ते ईमान रक्खदे हन—जो उस रसूल दे पिच्छे चल्लदे हन, उम्मी नबी, जिस दा ज़िकर ओह अपणे कोल तौरात ते इंजील विच लिखिया होइया पाउंदे हन। ओह उन्हां नूं नेकी दा हुक्म दिंदा है ते बुराई तों रोकदा है; ते उन्हां लई पाक चीज़ां हलाल करदा है ते गंदियां चीज़ां हराम करदा है; ते उन्हां तों उन्हां दे बोझ ते ओह तौक़ उतारदा है जो उन्हां उत्ते सन। सो जो उस उत्ते ईमान लिआए, उस दी इज़्ज़त कीती, उस दी मदद कीती, ते उस नूर दे पिच्छे चल्ले जो उस दे नाल उतारिया गिया है—ओही कामयाब होण वाले हन।" आख, "ऐ लोको, मैं तुहाडे सभनां वल्ल अल्लाह दा रसूल हां—उस दा जिस दी असमानां ते

धरती दी बादशाही है। उस तों सिवा कोई माबूद नहीं; ओही ज़िंदगी दिंदा है ते मौत दिंदा है। सो अल्लाह उत्ते ते उस दे रसूल उत्ते ईमान लिआओ, उम्मी नबी उत्ते, जो अल्लाह ते उस दे कलिमियां उत्ते ईमान रक्खदा है, ते उस दे पिच्छे चल्लो, तां जो तुसीं राह पाओ।" (154–158)

ते मूसा दी क़ौम विच इक्क जमाअत अजिही है जो सच्च दे नाल राह दिखाउंदी है ते उसे दे नाल इनसाफ़ करदी है। ते असां ने उन्हां नूं बारां क़बीलियां विच वंड के वक्खो-वक्खरियां उम्मतां बणा दित्ता। ते जदों उस दी क़ौम ने उस तों पाणी मंगिया, तां असां ने मूसा वल्ल वह्य कीती, "अपणी लाठी चट्टान उत्ते मार," तां उस विचों बारां चश्मे फुट्ट निकले; ते हर गिरोह ने अपणा घाट जाण लिया। ते असां ने उन्हां उत्ते बद्दल दी छां कीती, ते उन्हां उत्ते मन्न ते सलवा उतारिया: "उन्हां पाक चीज़ां विचों खाओ जो असां ने तुहानूं दित्तियां हन।" ते उन्हां ने साडा कुझ ना विगाड़िया; ओह अपणे आप उत्ते ही ज़ुलम करदे रहे। ते जदों उन्हां नूं आखिया गिया, "इस बस्ती विच वस जाओ, ते इस विचों जित्थों चाहो खाओ, ते आखो, साडे बोझ उतार दे, ते दरवाज़े विच झुकदे होए दाख़िल होवो: असीं तुहाडे गुनाह बख़्श दिआंगे, ते नेकी करन वालियां नूं होर वी दिआंगे"— पर उन्हां विचों जो ज़ालिम सन उन्हां ने उस गल्ल नूं, जो उन्हां नूं आखी गई सी, इक्क होर गल्ल नाल बदल दित्ता; सो असां ने उन्हां उत्ते उन्हां दे ज़ुलम कारन असमान तों अज़ाब भेजिया। (159–162)

ते उन्हां तों उस बस्ती बारे पुच्छ जो समुंदर दे कंढे सी, जदों ओह सबत दे मामले विच हद्द तोड़दे सन: जदों उन्हां दे सबत दे दिन उन्हां दियां मच्छियां पाणी उत्ते तरदियां होइयां उन्हां कोल आउंदियां, ते जिस दिन ओह सबत ना मनाउंदे उस दिन ना आउंदियां। इसे तरां असीं उन्हां नूं उन्हां दी नाफ़रमानी कारन आज़माउंदे सां। ते जदों उन्हां विचों इक्क गिरोह ने आखिया, "तुसीं उन्हां लोकां नूं क्यों नसीहत करदे हो जिन्हां नूं अल्लाह हलाक करन वाला है जां सख़्त अज़ाब देण वाला है?" तां उन्हां ने आखिया, "तुहाडे रब्ब दे साहमणे उज़र पेश करन लई, ते इस लई कि शायद ओह अल्लाह तों सुचेत हो जाण।" फिर जदों उन्हां ने उस नूं भुला दित्ता जिस दी उन्हां नूं नसीहत कीती गई सी, तां असां ने उन्हां नूं बचा लिया जो बुराई तों रोकदे सन, ते ज़ुलम करन वालियां नूं उन्हां दी नाफ़रमानी कारन बुरे अज़ाब विच फड़ लिया। फिर जदों उन्हां ने उस चीज़ बारे सरकशी कीती जिस तों उन्हां नूं रोकिया गिया सी, तां असां ने उन्हां नूं आखिया, "धिक्कारे होए बांदर बण जाओ!" ते याद कर जदों तेरे रब्ब ने ऐलान कर दित्ता कि ओह क़ियामत दे दिन तक्क उन्हां उत्ते ज़रूर अजिहे लोक भेजदा रहेगा जो उन्हां नूं बुरा दुक्ख देणगे। बेशक तेरा रब्ब छेती सज़ा देण वाला है, ते बेशक ओह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (163–167)

ते असां ने उन्हां नूं धरती विच वक्खो-वक्खरे गिरोह बणा के खिंडा दित्ता, उन्हां विचों कुझ नेक हन ते कुझ इस तों होर तरां दे, ते असां ने उन्हां नूं चंगी ते बुरी हालत नाल आज़माइया, तां जो ओह मुड़ आउण। फिर उन्हां तों बाद अजिहे जानशीन आए जो किताब दे वारिस बणे: ओह इस घटिया दुनिया दा नापायदार सामान लै लैंदे हन ते आखदे हन, "सानूं बख़्श दित्ता जावेगा"; ते जे उहो जिहा सामान फिर उन्हां कोल आ जावे, तां उस नूं वी लै लैंदे हन। की उन्हां तों किताब दा अहद नहीं लिया गिया सी, कि अल्लाह बारे सच्च तों सिवा कुझ ना आखणगे? ते जो कुझ उस विच है ओह पढ़ वी चुक्के हन। ते आख़िरत दा घर उन्हां लई बिहतर है

जो अल्लाह तों सुचेत रहिंदे हन। तां की तुसीं अक़ल तों कम्म नहीं लैंदे? ते जो किताब नूं मज़बूती नाल फड़दे हन ते नमाज़ क़ायम करदे हन—बेशक असीं सुधार करन वालियां दा अजर अजाईं नहीं जाण दिंदे। ते जदों असां ने पहाड़ नूं उन्हां दे उत्ते इउं उठाइया जिवें ओह सायबान होवे, ते उन्हां ने समझिया कि ओह उन्हां उत्ते डिग्गण वाला है: "जो कुझ असां ने तुहानूं दित्ता है उस नूं मज़बूती नाल फड़ो, ते जो कुझ उस विच है उस नूं याद रक्खो, तां जो तुसीं अल्लाह तों सुचेत हो जाओ।" (168–171)

ते जदों तेरे रब्ब ने आदम दी औलाद तों, उन्हां दियां पिट्ठां विचों, उन्हां दी नसल कड्ढी, ते उन्हां नूं अपणे ही उत्ते गवाह बणाइया: "की मैं तुहाडा रब्ब नहीं हां?" उन्हां ने आखिया, "क्यों नहीं, असीं गवाही दिंदे हां।" एह इस लई कि किते तुसीं क़ियामत दे दिन एह ना आखो, "असीं तां इस तों बेख़बर सां," जां एह ना आखो, "शरीक तां साथों पहिलां साडे पिओ-दादियां ने ठहराए सन, ते असीं तां उन्हां दे बाद उन्हां दी औलाद सां। तां की तूं सानूं उस उत्ते हलाक करेंगा जो बातिल-परसतां ने कीता?" ते इसे तरां असीं आयतां खोल्ह-खोल्ह के बिआन करदे हां, तां जो ओह मुड़ आउण। (172–174)

ते उन्हां नूं उस आदमी दा हाल पढ़ के सुणा जिस नूं असां ने अपणियां आयतां दित्तियां सन, पर ओह उन्हां विचों इउं निकल गिया जिवें सप्प कुंज लाह दिंदा है; सो शैतान उस दे पिच्छे लग्ग गिया, ते ओह भटकण वालियां विचों हो गिया। ते जे असीं चाहुंदे, तां उन्हां दे ज़रीए उस नूं उच्चा कर दिंदे; पर ओह तां धरती नाल ही चिंबड़ गिया ते अपणी ख़ाहिश दे पिच्छे चल्लिया। सो उस दी मिसाल कुत्ते वरगी है: जे तूं उस उत्ते हमला करें, तां वी जीभ लटकाउंदा है, ते जे उस नूं छड्ड देवें, तां वी जीभ लटकाउंदा है। एही मिसाल है उन्हां लोकां दी जिन्हां ने साडियां आयतां नूं झुठलाइया। सो तूं एह क़िस्से सुणा, तां जो ओह सोच-विचार करन। बुरी मिसाल है उन्हां लोकां दी जिन्हां ने साडियां आयतां नूं झुठलाइया; ते ओह अपणे आप उत्ते ही ज़ुलम करदे रहे। जिस नूं अल्लाह राह दिखाए ओही राह पाउण वाला है; ते जिस नूं ओह भटकण दे—ओही घाटा खाण वाले हन। ते बेशक असां ने जहन्नम लई बहुत सारे जिन्न ते इनसान पैदा कीते हन: उन्हां दे दिल हन जिन्हां नाल ओह समझदे नहीं, उन्हां दियां अक्खां हन जिन्हां नाल ओह वेखदे नहीं, ते उन्हां दे कन्न हन जिन्हां नाल ओह सुणदे नहीं। ओह चौपायां वरगे हन—बल्कि उन्हां तों वी वध भटके होए। ओही ग़ाफ़िल हन। (175–179)

ते सभ तों चंगे नाम अल्लाह ही दे हन, सो उस नूं उन्हां ही नाल पुकारो, ते उन्हां नूं छड्ड देओ जो उस दे नामां बारे टेढे चल्लदे हन: उन्हां नूं उस दा बदला दित्ता जावेगा जो ओह करदे सन। ते जिन्हां नूं असां ने पैदा कीता है उन्हां विच इक्क जमाअत अजिही है जो सच्च दे नाल राह दिखाउंदी है ते उसे दे नाल इनसाफ़ करदी है। ते जिन्हां ने साडियां आयतां नूं झुठलाइया, असीं उन्हां नूं हौली-हौली उत्थों फड़ांगे जित्थों उन्हां नूं पता वी ना होवेगा। ते मैं उन्हां नूं ढिल्ल दिंदा हां; बेशक मेरी तदबीर बड़ी पक्की है। की उन्हां ने सोच-विचार नहीं कीता? उन्हां दे साथी नूं कोई जनून नहीं; ओह तां बस खुल्हा ख़बरदार करन वाला है। की उन्हां ने असमानां ते धरती दी बादशाही उत्ते, ते उन्हां सारियां चीज़ां उत्ते नज़र नहीं कीती जो अल्लाह ने पैदा कीतियां हन, ते इस उत्ते कि हो सकदा है उन्हां दी अपणी मुद्दत नेड़े आ लग्गी होवे? तां फिर इस तों बाद ओह किस गल्ल उत्ते ईमान

लिआउणगे? जिस नूं अल्लाह भटकण दे उस दा कोई राह दिखाउण वाला नहीं; ते ओह उन्हां नूं उन्हां दी सरकशी विच अन्हियां वांग भटकदा छड्ड दिंदा है। (180–186)

ऐ नबी, ओह तैथों उस घड़ी बारे पुच्छदे हन: "ओह कदों आवेगी?" आख, "उस दा इल्म तां सिरफ़ मेरे रब्ब ही दे कोल है; उस नूं उस दे वक़्त उत्ते ओही ज़ाहिर करेगा। ओह असमानां ते धरती विच भारी है; ओह तुहाडे उत्ते अचानक ही आवेगी।" ओह तैथों इउं पुच्छदे हन जिवें तूं उस दी खोज विच लग्गा होइया हैं। आख, "उस दा इल्म तां सिरफ़ अल्लाह ही दे कोल है, पर बहुते लोक नहीं जाणदे।" आख, "मैं अपणी जान लई ना नफ़े दा इख़तियार रक्खदा हां ना नुक़सान दा, सिवाए उस दे जो अल्लाह चाहे। ते जे मैं ग़ैब जाणदा हुंदा, तां बहुत सारी भलाई हासिल कर लैंदा, ते मैनूं कोई तकलीफ़ ना पहुंचदी। मैं तां बस ख़बरदार करन वाला ते ख़ुशख़बरी देण वाला हां उन्हां लोकां लई जो ईमान लिआउण।" (187–188)

ओही है जिस ने तुहानूं इक्क जान तों पैदा कीता, ते उसे तों उस दा जोड़ा बणाइया, तां जो ओह उस दे कोल सकून पावे। फिर जदों उस ने उस नूं ढक लिया, तां उस नूं हलका जिहा हमल ठहिर गिया ते ओह उस नूं लई फिरदी रही; फिर जदों ओह भारी हो गई, तां दोहां ने अल्लाह, अपणे रब्ब नूं पुकारिया: "जे तूं सानूं सही-सलामत बच्चा दित्ता, तां असीं ज़रूर शुकर करन वालियां विचों होवांगे।" पर जदों उस ने उन्हां नूं सही-सलामत बच्चा दे दित्ता, तां उन्हां ने उस विच जो उस ने उन्हां नूं दित्ता सी उस दे शरीक ठहरा लए। सो अल्लाह उस तों बहुत उच्चा है जो ओह शरीक ठहराउंदे हन! की ओह अजिहियां नूं शरीक ठहराउंदे हन जो कुझ वी पैदा नहीं करदे, ते आप पैदा कीते जांदे हन, ते जो ना उन्हां दी मदद कर सकदे हन, ते ना अपणी ही मदद कर सकदे हन? (189–192)

ते जे तुसीं उन्हां नूं हिदायत वल्ल बुलाओ, तां ओह तुहाडे पिच्छे ना चल्लणगे। तुहाडे लई बराबर है भावें तुसीं उन्हां नूं पुकारो जां चुप रहो। बेशक जिन्हां नूं तुसीं अल्लाह तों सिवा पुकारदे हो ओह तुहाडे वरगे ही बंदे हन। सो उन्हां नूं पुकारो, फिर चाहीदा है कि ओह तुहानूं जवाब देण, जे तुसीं सच्चे हो। की उन्हां दे पैर हन जिन्हां नाल ओह चल्लदे हन, जां उन्हां दे हत्थ हन जिन्हां नाल ओह फड़दे हन, जां उन्हां दियां अक्खां हन जिन्हां नाल ओह वेखदे हन, जां उन्हां दे कन्न हन जिन्हां नाल ओह सुणदे हन? आख, "अपणे शरीकां नूं बुला लओ, फिर मेरे ख़िलाफ़ चाल चल्लो ते मैनूं कोई मोहलत ना देओ। बेशक मेरा हिमायती अल्लाह है, जिस ने एह किताब उतारी; ते ओही नेक लोकां दी हिमायत करदा है। ते जिन्हां नूं तुसीं उस तों सिवा पुकारदे हो ओह ना तुहाडी मदद कर सकदे हन, ते ना अपणी ही मदद कर सकदे हन।" ते जे तुसीं उन्हां नूं हिदायत वल्ल बुलाओ, तां ओह नहीं सुणदे। ते तूं उन्हां नूं वेखदा हैं कि ओह तेरे वल्ल तक्क रहे हन, हालांकि ओह कुझ नहीं वेखदे। दरगुज़र दा तरीक़ा फड़, नेकी दा हुक्म दे, ते नादानां तों मूंह फेर लै। ते जे शैतान वल्लों तैनूं कोई उकसाहट आवे, तां अल्लाह दी पनाह मंग: बेशक ओह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। बेशक जो अल्लाह तों सुचेत रहिंदे हन, जदों उन्हां नूं शैतान वल्लों कोई ख़ियाल छूह जांदा है, तां ओह उस नूं याद करदे हन, ते उसे वेले उन्हां दियां अक्खां खुल्ह जांदियां हन। पर उन्हां दे भरा शैतान उन्हां नूं गुमराही विच खिच्चदे लई जांदे हन, फिर ओह कोई कसर नहीं छड्डदे। (193–202)

ते जदों तूं उन्हां कोल कोई निशानी नहीं लिआउंदा, तां आखदे हन, "तूं आप कोई क्यों ना चुण लिआइया?" आख, "मैं तां बस उसे दी पैरवी करदा हां जो मेरे रब्ब वल्लों मेरे वल्ल वह्य कीता जांदा है। एह तुहाडे रब्ब वल्लों अक्खां खोल्हण वालियां दलीलां हन, ते ईमान लिआउण वाले लोकां लई हिदायत ते रहमत।" ते जदों क़ुरआन पढ़िया जावे, तां उस नूं कन्न ला के सुणो ते चुप रहो, तां जो तुहाडे उत्ते रहम कीता जावे। ते अपणे रब्ब नूं अपणे दिल विच याद कर, आजिज़ी ते डर दे नाल, उच्ची आवाज़ कीते बिनां, सवेरे ते शाम; ते ग़ाफ़िलां विचों ना होईं। बेशक जो तेरे रब्ब दे कोल हन ओह उस दी इबादत तों घमंड नहीं करदे: ओह उस दी तसबीह करदे हन, ते उसे अग्गे सजदा करदे हन। (203–206)

8. जंग विच हासिल माल (अल-अनफ़ाल)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

ऐ नबी, ओह तैथों जंग विच हासिल होए माल बारे पुच्छदे हन। आख, "जंग विच हासिल होइया माल अल्लाह ते रसूल दा है। सो अल्लाह तों सुचेत रहो, अपणे आपस दे ताल्लुक़ात दरुस्त रक्खो, ते अल्लाह ते उस दे रसूल दी फ़रमांबरदारी करो, जे तुसीं ईमान वाले हो।" ईमान वाले तां बस ओही हन कि जदों अल्लाह दा ज़िकर कीता जांदा है तां उन्हां दे दिल कंब उट्ठदे हन, ते जदों उन्हां नूं उस दियां आयतां पढ़ के सुणाइयां जांदियां हन तां ओह उन्हां दा ईमान वधा दिंदियां हन, ते ओह अपणे रब्ब उत्ते ही भरोसा रक्खदे हन; जो नमाज़ क़ायम करदे हन ते जो कुझ असां ने उन्हां नूं दित्ता है उस विचों ख़र्च करदे हन। इही सच्चे ईमान वाले हन। उन्हां लई उन्हां दे रब्ब कोल इज़्ज़त दे दर्जे हन, ते बख़शिश, ते इज़्ज़त दी रोज़ी। (1–4)

जिवें कि तेरे रब्ब ने तैनूं सच्च दी ख़ातिर तेरे घरों कढ्ढिया, हालांकि ईमान वालियां दा इक्क गिरोह इस नूं नापसंद करदा सी, ओह सच्च दे खुल्ह जाण तों बाद वी उस बारे तेरे नाल झगड़ रहे सन, जिवें ओह अक्खीं वेखदे मौत वल्ल हक्के जा रहे होण। ते याद करो जदों अल्लाह तुहाडे नाल वादा कर रिहा सी कि दोहां गिरोहां विचों इक्क तुहाडा होवेगा, ते तुसीं चाहुंदे सी कि बिनां हथिआरां वाला तुहाडे हत्थ लग्गे; पर अल्लाह चाहुंदा सी कि अपणे कलिमियां नाल सच्च नूं सच्च कर दिखावे ते सच्च दे इनकारियां दी जड़ कट्ट देवे, तां जो ओह सच्च नूं सच्च ते झूठ नूं झूठ साबित कर देवे, भावें मुजरिमां नूं किन्ना ही बुरा लग्गे। जदों तुसीं अपणे रब्ब अग्गे फ़रियाद कर रहे सी, तां उस ने तुहाडी फ़रियाद सुण लई: "मैं इक्क हज़ार फ़रिश्तियां नाल तुहाडी मदद करांगा, जो लगातार इक्क दूजे दे पिच्छे आउणगे।" ते अल्लाह ने इस नूं बस ख़ुशख़बरी बणाइया, ते इस लई कि इस दे नाल तुहाडे दिलां नूं तसल्ली हो जावे—ते मदद तां सिरफ़ अल्लाह ही वल्लों है। बेशक अल्लाह ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। याद करो जदों ओह अपणे वल्लों तसल्ली देण लई तुहाडे उत्ते ऊंघ तारी कर रिहा सी, ते तुहाडे उत्ते असमान तों पाणी उतार रिहा सी तां जो उस दे नाल तुहानूं पाक करे, ते तुहाथों शैतान दी गंदगी दूर करे, ते तुहाडे दिलां नूं मज़बूत करे ते उस दे नाल तुहाडे क़दम जमा देवे। जदों तेरा रब्ब फ़रिश्तियां वल्ल वह्य कर रिहा सी, "मैं तुहाडे नाल हां: सो ईमान वालियां नूं साबित-क़दम रक्खो। मैं सच्च दे इनकारियां दे दिलां विच दहिशत पा दिआंगा। सो तुसीं उन्हां दियां गरदनां दे उत्ते मारो, ते उन्हां दे हर पोटे उत्ते मारो।" एह इस लई कि उन्हां ने अल्लाह ते उस दे रसूल दी मुख़ालफ़त कीती; ते जो कोई अल्लाह ते उस दे रसूल दी मुख़ालफ़त करे—तां बेशक अल्लाह सख़्त अज़ाब देण वाला है। "एह है तुहाडे लई—सो इस नूं चक्खो!" ते सच्च दे इनकारियां लई अग्ग दा अज़ाब है।[10] (5–14)

ऐ ईमान वालियो, जदों तुहाडा सच्च दे इनकारियां नाल उस वेले टाकरा होवे जदों ओह लश्कर बण के चढ़े आ रहे होण, तां उन्हां नूं पिट्ठ ना दिखाओ। ते जो कोई उस दिन उन्हां नूं पिट्ठ दिखावेगा—सिवाए इस दे कि

[10] ऑकेज़नलिज़्म (हर घटना दा सिद्धा कारन अल्लाह) – द ग्लोरियस कुरआन ऐंड साइंस

लड़ाई लई पैंतड़ा बदल रिहा होवे जां किसे दूजे जत्थे नाल जा मिलण लई हट रिहा होवे—ओह अल्लाह दा ग़ज़ब लै के मुड़िया, ते उस दा ठिकाणा जहन्नम है: ते ओह बहुत बुरा ठिकाणा है। (15-16)

सो तुसीं उन्हां नूं क़तल नहीं कीता, बल्कि अल्लाह ने उन्हां नूं क़तल कीता; ते ऐ नबी, जदों तूं इनकारियां वल्ल रेत सुट्टी, तां तूं नहीं सुट्टी, बल्कि अल्लाह ने सुट्टी—तां जो ओह ईमान वालियां नूं अपणे वल्लों इक्क चंगी आज़माइश नाल नवाज़े। बेशक अल्लाह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है।[11] (17)

एह तां होइया; ते अल्लाह सच्च दे इनकारियां दी चाल नूं कमज़ोर करन वाला है। ऐ सच्च दे इनकारियो, जे तुसीं फ़ैसला चाहुंदे सी, तां फ़ैसला तुहाडे कोल आ चुक्का है। ते जे तुसीं बाज़ आ जाओ, तां एह तुहाडे लई बिहतर है; ते जे तुसीं फिर ओही करोगे, तां असीं वी फिर ओही करांगे, ते तुहाडा जत्था, भावें किन्ना ही बहुता होवे, तुहाडे कुझ कम्म ना आवेगा। ते अल्लाह ईमान वालियां दे नाल है। (18–19)

ऐ ईमान वालियो, अल्लाह ते उस दे रसूल दी फ़रमांबरदारी करो, ते सुणदे होए उस तों मूंह ना मोड़ो। ते उन्हां वरगे ना बणो जिन्हां ने आखिया, "असां ने सुणिया," हालांकि ओह सुणदे नहीं। बेशक अल्लाह दे नज़दीक सभ तों बुरे जानवर ओह बोले ते गुंगे हन जो अक़ल तों कम्म नहीं लैंदे। ते जे अल्लाह उन्हां विच कोई भलाई जाणदा, तां उन्हां नूं ज़रूर सुणा दिंदा; ते जे ओह उन्हां नूं सुणा वी दिंदा, तां वी ओह बेरुख़ी नाल मूंह मोड़ जांदे। ऐ ईमान वालियो, अल्लाह ते रसूल दी पुकार दा जवाब देओ जदों ओह तुहानूं उस चीज़ वल्ल बुलाए जो तुहानूं ज़िंदगी देण वाली है। (20–23)

ते जाण लओ कि अल्लाह आदमी ते उस दे अपणे दिल दे विचकार आ जांदा है, ते एह कि तुसीं उसे दे हज़ूर इकट्ठे कीते जाओगे।[12] (24)

ते उस फ़ितने तों बचो जो सिरफ़ उन्हां ही उत्ते नहीं आवेगा जो तुहाडे विचों ज़ालिम हन; ते जाण लओ कि अल्लाह सख़्त अज़ाब देण वाला है। (25)

ते याद करो जदों तुसीं थोड़े सी ते धरती विच कमज़ोर समझे जांदे सी, डरदे सी कि लोक तुहानूं उचक लै जाणगे; फिर उस ने तुहानूं पनाह दित्ती, अपणी मदद नाल तुहानूं ताक़त दित्ती, ते तुहानूं पाक चीज़ां दी रोज़ी दित्ती, तां जो तुसीं शुकर करो। ऐ ईमान वालियो, अल्लाह ते रसूल नाल ख़ियानत ना करो, ते ना जाणदे-बुझदे अपणियां अमानतां विच ख़ियानत करो। ते जाण लओ कि तुहाडे माल ते तुहाडी औलाद बस इक्क आज़माइश हन, ते एह कि अल्लाह ही दे कोल वड्डा अजर है। ऐ ईमान वालियो, जे तुसीं अल्लाह तों सुचेत रहोगे तां ओह तुहानूं सही ते ग़लत विच फ़रक़ करन वाली कसौटी देवेगा, ते तुहाडियां बुराइयां तुहाथों दूर कर देवेगा, ते तुहानूं बख़्श देवेगा। ते अल्लाह वड्डे फ़ज़ल दा मालिक है। (26–29)

---

[11] ऑकेज़नलिज़्म (हर घटना दा सिद्धा कारन अल्लाह) – द ग्लोरियस कुरआन ऐंड साइंस
[12] ऑकेज़नलिज़्म (हर घटना दा सिद्धा कारन अल्लाह) – द ग्लोरियस कुरआन ऐंड साइंस

ते याद कर जदों सच्च दे इनकारी तेरे ख़िलाफ़ चालां चल्ल रहे सन, कि तैनूं क़ैद कर देण, जां तैनूं क़तल कर देण, जां तैनूं कड्ढ देण। ते ओह चालां चल्ल रहे सन, ते अल्लाह वी तदबीर कर रिहा सी; ते अल्लाह सभ तों बिहतर तदबीर करन वाला है। ते जदों उन्हां नूं साडियां आयतां पढ़ के सुणाइयां जांदियां हन तां आखदे हन, "असां ने सुण लिया। जे असीं चाहीए, तां असीं वी इहो जिही गल्ल आख देईए—एह तां बस अगलियां दियां कहाणियां हन।" ते जदों उन्हां ने आखिया, "ऐ अल्लाह, जे एही तेरे वल्लों सच्च है, तां साडे उत्ते असमान तों पत्थर वसा दे, जां साडे उत्ते कोई दर्दनाक अज़ाब लै आ।" पर अल्लाह अजिहा ना सी कि उन्हां नूं अज़ाब दिंदा जदों कि तूं उन्हां दे विच सी, ते ना अल्लाह उन्हां नूं अज़ाब देण वाला सी जदों कि ओह बख़शिश मंगदे होण। पर उन्हां कोल की उज़र है, कि अल्लाह उन्हां नूं अज़ाब ना देवे, जदों कि ओह लोकां नूं मसजिदे-हराम तों रोकदे हन, हालांकि ओह उस दे मुतवल्ली नहीं? उस दे मुतवल्ली तां सिरफ़ ओही हन जो अल्लाह तों सुचेत रहिंदे हन—पर उन्हां विचों बहुते नहीं जाणदे। ते उस घर दे कोल उन्हां दी नमाज़ सीटियां ते ताड़ियां वजाउण तों सिवा कुझ नहीं सी। "सो हुण अपणे सच्च दे इनकार दे बदले अज़ाब चक्खो।" बेशक जो सच्च दे इनकारी हन ओह अपणे माल इस लई ख़र्च करदे हन कि लोकां नूं अल्लाह दे राह तों रोकण। सो ओह उन्हां नूं ख़र्च करदे रहिणगे, फिर ओह उन्हां लई हसरत बण जाणगे, फिर ओह हरा दित्ते जाणगे; ते जो सच्च दे इनकारी हन ओह जहन्नम वल्ल इकट्ठे कीते जाणगे—तां जो अल्लाह नापाक नूं पाक तों वक्ख कर देवे, ते नापाक नूं इक्क दूजे उत्ते रक्ख के, सभ नूं ढेर बणा देवे, फिर उस नूं जहन्नम विच सुट्ट देवे। इही लोक घाटा खाण वाले हन। सच्च दे इनकारियां नूं आख दे कि जे ओह बाज़ आ जाण, तां जो कुझ पहिलां हो चुक्का ओह उन्हां नूं माफ़ कर दित्ता जावेगा; ते जे ओह फिर ओही करन, तां अगलियां दा तरीक़ा गुज़र ही चुक्का है। ते उन्हां नाल लड़ो इत्थों तक्क कि ज़ुलम-सितम बाक़ी ना रहे ते दीन पूरे दा पूरा अल्लाह लई हो जावे। फिर जे ओह बाज़ आ जाण, तां बेशक अल्लाह ओह सभ वेख रिहा है जो ओह करदे हन; ते जे ओह मूंह मोड़न, तां जाण लओ कि अल्लाह तुहाडा हिमायती है: किन्ना चंगा हिमायती, ते किन्ना चंगा मददगार! (30–40)

ते जाण लओ कि जो कुझ वी तुसीं जंग विच हासिल करो, उस दा पंजवां हिस्सा अल्लाह दा है, ते रसूल दा, ते नेड़े दे रिश्तेदारां, यतीमां, मुहताजां ते मुसाफ़िर दा—जे तुसीं अल्लाह उत्ते ईमान रक्खदे हो ते उस उत्ते जो असां ने अपणे बंदे उत्ते फ़ैसले दे दिन उतारिया, जिस दिन दोवें फ़ौजां आहमो-साहमणे होइयां। ते अल्लाह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। याद करो जदों तुसीं वादी दे नेड़ले कंढे उत्ते सी ते ओह दूर वाले कंढे उत्ते, ते क़ाफ़िला तुहाथों हेठां सी। ते जे तुसीं आपस विच मिलण दा वक़्त मुक़र्रर करदे, तां तुसीं उस वादे उत्ते ना पहुंचदे; पर एह इस लई होइया कि अल्लाह उस कम्म नूं पूरा कर देवे जो हो के ही रहणा सी—तां जो जिस ने हलाक होणा है ओह खुल्ही दलील वेख के हलाक होवे, ते जिस ने ज़िंदा रहणा है ओह खुल्ही दलील वेख के ज़िंदा रहे। ते बेशक अल्लाह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। (41–42)

याद कर जदों अल्लाह ने तैनूं तेरे सुपने विच उन्हां नूं थोड़े दिखाइया। ते जे ओह तैनूं उन्हां नूं बहुते दिखाउंदा, तां तुसीं हिम्मत हार जांदे ते इस मामले विच आपस विच झगड़दे; पर अल्लाह ने बचा लिया। बेशक ओह सीनियां दी गल्ल ख़ूब जाणदा है। ते जदों तुसीं आहमो-साहमणे होए, तां उस ने उन्हां नूं तुहाडियां अक्खां

विच थोड़े दिखाइया ते तुहानूं उन्हां दियां अक्खां विच थोड़े दिखाइया, तां जो अल्लाह उस कम्म नूं पूरा कर देवे जो हो के ही रहणा सी। ते सारे मामले अल्लाह ही वल्ल मोड़े जांदे हन। (43–44)

ऐ ईमान वालियो, जदों किसे फ़ौज नाल तुहाडा टाकरा होवे, तां डटे रहो ते अल्लाह नूं बहुत याद करो, तां जो तुसीं कामयाब होवो। ते अल्लाह ते उस दे रसूल दी फ़रमांबरदारी करो, ते आपस विच ना झगड़ो, नहीं तां तुसीं हिम्मत हार जाओगे ते तुहाडी हवा उक्खड़ जावेगी। ते सब्र करो: बेशक अल्लाह सब्र करन वालियां दे नाल है। ते उन्हां वरगे ना बणो जो अपणे घरां तों इतराउंदे होए, लोकां नूं दिखाउंदे होए निकले, ते जो होरां नूं अल्लाह दे राह तों रोकदे हन। ते जो कुझ ओह करदे हन अल्लाह उस सभ नूं घेरे होए है। ते याद करो जदों शैतान ने उन्हां दे कम्म उन्हां लई सुहाउणे बणा दित्ते, ते आखिया, "अज्ज लोकां विचों कोई तुहाडे उत्ते ग़ालिब नहीं आ सकदा, ते मैं तुहाडे नाल हां।" पर जदों दोवें फ़ौजां इक्क दूजे दे साहमणे होइयां, तां ओह उलटे पैरीं फिर गिया ते आखिया, "मेरा तुहाडे नाल कोई वासता नहीं। मैं ओह कुझ वेख रिहा हां जो तुसीं नहीं वेखदे। मैं अल्लाह तों डरदा हां—ते अल्लाह सख़्त अज़ाब देण वाला है।" (45–48)

जदों मुनाफ़िक़ ते ओह जिन्हां दे दिलां विच रोग है आख रहे सन, "इन्हां लोकां नूं इन्हां दे दीन ने धोखे विच पा दित्ता है।" पर जो कोई अल्लाह उत्ते भरोसा करे—तां बेशक अल्लाह ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। ते काश तूं उस वेले वेखें जदों फ़रिश्ते सच्च दे इनकारियां दियां जानां क़बज़ करदे हन, उन्हां दे चिहरियां ते उन्हां दियां पिट्ठां उत्ते मारदे होए: "साड़ देण वाला अज़ाब चक्खो!" "एह उस दा बदला है जो तुहाडे अपणे हत्थां ने अग्गे भेजिया—ते अल्लाह अपणे बंदियां उत्ते कदे ज़ुलम करन वाला नहीं।" इन्हां दा हाल फ़िरऔन दे लोकां ते उन्हां तों पहिलां वालियां वरगा है: उन्हां ने अल्लाह दियां आयतां दा इनकार कीता, सो अल्लाह ने उन्हां नूं उन्हां दे गुनाहां कारन फड़ लिया। बेशक अल्लाह ताक़तवर, सख़्त अज़ाब देण वाला है। एह इस लई कि अल्लाह किसे नेमत नूं, जो उस ने किसे क़ौम उत्ते कीती होवे, नहीं बदलदा जद तक्क ओह आप उस नूं ना बदल लैण जो उन्हां दे अपणे अंदर है; ते अल्लाह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। इन्हां दा हाल फ़िरऔन दे लोकां ते उन्हां तों पहिलां वालियां वरगा है: उन्हां ने अपणे रब्ब दियां आयतां नूं झुठलाइया, सो असां ने उन्हां नूं उन्हां दे गुनाहां कारन हलाक कर दित्ता ते फ़िरऔन दे लोकां नूं डोब दित्ता। ते ओह सारे ज़ालिम सन। (49–54)

बेशक अल्लाह दे नज़दीक सभ तों बुरे जानवर ओह हन जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता ते ओह ईमान नहीं लिआउंदे: ओह जिन्हां नाल तूं अहद कीता, फिर ओह हर वारी अपणा अहद तोड़ दिंदे हन, ते ओह अल्लाह तों सुचेत नहीं हुंदे। सो जे तूं उन्हां नूं लड़ाई विच पा लवें, तां उन्हां दे ज़रीए उन्हां नूं खिंडा दे जो उन्हां दे पिच्छे हन, तां जो ओह नसीहत फड़न। ते जे तैनूं किसे क़ौम वल्लों ख़ियानत दा डर होवे, तां उन्हां दा अहद बराबरी दी बुनियाद उत्ते उन्हां वल्ल सुट्ट दे: बेशक अल्लाह ख़ियानत करन वालियां नूं पसंद नहीं करदा। ते सच्च दे इनकारी एह ना समझण कि ओह बाज़ी लै गए; ओह अल्लाह नूं कदे आजिज़ नहीं कर सकदे। ते उन्हां दे मुक़ाबले लई जित्थों तक्क तुहाथों हो सके ताक़त ते बन्हे होए घोड़े तिआर रक्खो, तां जो इस दे नाल अल्लाह दे दुश्मण ते अपणे दुश्मण नूं डराओ, ते उन्हां तों सिवा होरां नूं वी जिन्हां नूं तुसीं नहीं जाणदे पर अल्लाह

उन्हां नूं जाणदा है। ते तुसीं अल्लाह दे राह विच जो कुझ वी ख़र्च करोगे ओह तुहानूं पूरा-पूरा दित्ता जावेगा, ते तुहाडे उत्ते ज़ुलम ना कीता जावेगा। ते जे ओह सुलह वल्ल झुकण, तां तूं वी उस वल्ल झुक जा, ते अल्लाह उत्ते भरोसा रक्ख: बेशक ओही सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। ते जे ओह तैनूं धोखा देणा चाहुण, तां तेरे लई अल्लाह ही काफ़ी है। ओही है जिस ने अपणी मदद नाल ते ईमान वालियां दे ज़रीए तैनूं ताक़त दित्ती, ते उन्हां दे दिलां नूं आपस विच जोड़ दित्ता। जे तूं ओह सभ कुझ ख़र्च कर दिंदा जो धरती विच है, तां वी उन्हां दे दिलां नूं ना जोड़ सकदा; पर अल्लाह ने उन्हां नूं जोड़ दित्ता। बेशक ओह ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। ऐ नबी, तेरे लई अल्लाह ही काफ़ी है, ते उन्हां ईमान वालियां लई वी जो तेरे पिच्छे चल्लदे हन। ऐ नबी, ईमान वालियां नूं लड़ाई उत्ते उभार। जे तुहाडे विचों वीह सब्र करन वाले होणगे, तां ओह दो सौ उत्ते ग़ालिब आउणगे; ते जे तुहाडे विचों सौ होणगे, तां ओह सच्च दे इनकारियां विचों हज़ार उत्ते ग़ालिब आउणगे, किउंकि ओह अजिहे लोक हन जो समझ नहीं रक्खदे। हुण अल्लाह ने तुहाडा बोझ हलका कर दित्ता है, ते उस ने जाण लिया कि तुहाडे विच कमज़ोरी है। सो जे तुहाडे विचों सौ सब्र करन वाले होणगे, तां ओह दो सौ उत्ते ग़ालिब आउणगे; ते जे तुहाडे विचों हज़ार होणगे, तां ओह अल्लाह दे हुक्म नाल दो हज़ार उत्ते ग़ालिब आउणगे। ते अल्लाह सब्र करन वालियां दे नाल है। (55–66)

किसे नबी लई एह मुनासिब नहीं कि उस दे कोल क़ैदी होण जद तक्क ओह धरती विच चंगी तरां ग़लबा ना पा लए। तुसीं दुनिया दा नापायदार सामान चाहुंदे हो, ते अल्लाह तुहाडे लई आख़िरत चाहुंदा है। ते अल्लाह ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। जे अल्लाह वल्लों इक्क लिखत पहिलां ना हो चुक्की हुंदी, तां जो कुझ तुसीं लिया उस दे कारन तुहानूं वड्डा अज़ाब आ लग्गदा। सो जो कुझ तुसीं जंग विच हासिल कीता है उस नूं हलाल ते पाक समझ के खाओ, ते अल्लाह तों सुचेत रहो: बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (67–69)

ऐ नबी, जो क़ैदी तुहाडे हत्थां विच हन उन्हां नूं आख दे, "जे अल्लाह तुहाडे दिलां विच कोई भलाई जाणेगा, तां तुहानूं उस तों बिहतर देवेगा जो तुहाथों लिया गिया है, ते तुहानूं बख़्श देवेगा। ते अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है।" पर जे ओह तेरे नाल ख़ियानत करना चाहुण, तां ओह इस तों पहिलां अल्लाह नाल ख़ियानत कर चुक्के हन, सो उस ने तैनूं उन्हां उत्ते क़ाबू दे दित्ता। ते अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। (70–71)

बेशक जो ईमान लिआए ते हिजरत कीती ते अपणे मालां ते अपणियां जानां नाल अल्लाह दे राह विच जिहाद कीता, ते जिन्हां ने पनाह दित्ती ते मदद कीती—ओह इक्क दूजे दे हिमायती हन। ते जो ईमान तां लिआए पर हिजरत नहीं कीती, तुहाडे उत्ते उन्हां दी हिमायत दी कोई ज़िम्मेदारी नहीं जद तक्क ओह हिजरत ना करन; पर जे ओह दीन दे मामले विच तुहाथों मदद मंगण, तां उन्हां दी मदद करना तुहाडे उत्ते लाज़िम है, सिवाए उस क़ौम दे ख़िलाफ़ जिस दे नाल तुहाडा अहद है। ते अल्लाह ओह सभ वेख रिहा है जो तुसीं करदे हो। (72)

ते जो सच्च दे इनकारी हन ओह इक्क दूजे दे हिमायती हन। जे तुसीं वी अजिहा ना करोगे, तां धरती विच फ़ितना ते वड्डा फ़साद होवेगा। ते जो ईमान लिआए ते हिजरत कीती ते अल्लाह दे राह विच जिहाद कीता, ते जिन्हां ने पनाह दित्ती ते मदद कीती—ओही सच्चे ईमान वाले हन। उन्हां लई बख़शिश ते इज़्ज़त दी रोज़ी है। ते जो बाद विच ईमान लिआए ते हिजरत कीती ते तुहाडे नाल मिल के जिहाद कीता—ओह वी तुहाडे ही विचों हन। पर ख़ून दे रिश्तेदार अल्लाह दी किताब विच इक्क दूजे दे वध हक़दार हन। बेशक अल्लाह हर चीज़ दा पूरा इल्म रक्खदा है। (73–75)

9. तौबा (अत-तौबा)

अल्लाह ते उस दे रसूल वल्लों उस अहद तों बरी होण दा ऐलान है जो तुसीं उन्हां नाल कीता सी जो अल्लाह दे शरीक ठहराउंदे हन: “सो चार महीने धरती विच आज़ादी नाल चल्ल-फिर लओ, पर जाण लओ कि तुसीं अल्लाह नूं आजिज़ नहीं कर सकदे, ते एह कि अल्लाह सच्च दे इनकारियां नूं रुसवा करन वाला है।” ते वड्डे हज दे दिन अल्लाह ते उस दे रसूल वल्लों लोकां लई ऐलान है: कि अल्लाह मुशरिकां तों बरी है, ते उस दा रसूल वी। सो जे तुसीं तौबा कर लओ, तां एह तुहाडे लई बिहतर है; ते जे तुसीं मूंह मोड़ो, तां जाण लओ कि तुसीं अल्लाह नूं आजिज़ नहीं कर सकदे। ते सच्च दे इनकारियां नूं दर्दनाक अज़ाब दी ख़बर सुणा दे—सिवाए उन्हां मुशरिकां दे जिन्हां नाल तुसीं अहद कीता सी ते फिर उन्हां ने तुहाडे नाल किसे गल्ल विच कमी नहीं कीती, ते ना तुहाडे ख़िलाफ़ किसे दी मदद कीती। सो उन्हां दे नाल उन्हां दा अहद उस दी मुद्दत तक्क पूरा करो: बेशक अल्लाह उन्हां नाल मुहब्बत करदा है जो उस तों सुचेत रहिंदे हन। (1–4)

फिर जदों हुरमत वाले महीने गुज़र जाण, तां मुशरिकां नूं जित्थे पाओ क़तल करो; उन्हां नूं फड़ो, उन्हां नूं घेरो, ते हर घात दी थां उन्हां दी ताक विच बैठो। फिर जे ओह तौबा कर लैण, नमाज़ क़ायम करन ते ज़कात देण, तां उन्हां दा राह छड्ड देओ: बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। ते जे मुशरिकां विचों कोई तैथों पनाह मंगे, तां उस नूं पनाह दे, तां जो ओह अल्लाह दा कलाम सुणे; फिर उस नूं उस दे अमन दी थां पहुंचा दे। एह इस लई कि ओह अजिहे लोक हन जो जाणदे नहीं। मुशरिकां लई अल्लाह ते उस दे रसूल दे कोल कोई अहद किवें हो सकदा है—सिवाए उन्हां दे जिन्हां नाल तुसीं मसजिदे-हराम दे कोल अहद कीता सी? सो जद तक्क ओह तुहाडे नाल सिद्धे रहण, तुसीं वी उन्हां नाल सिद्धे रहो: बेशक अल्लाह उन्हां नाल मुहब्बत करदा है जो उस तों सुचेत रहिंदे हन। किवें हो सकदा है, जदों कि जे ओह तुहाडे उत्ते ग़लबा पा लैण, तां तुहाडे बारे ना किसे रिश्तेदारी दा लिहाज़ करन ना किसे अहद दा? ओह तुहानूं अपणे मूंहां नाल राज़ी करदे हन हालांकि उन्हां दे दिल इनकार करदे हन, ते उन्हां विचों बहुते नाफ़रमान हन। उन्हां ने अल्लाह दियां आयतां नूं थोड़े जिहे मुल्ल उत्ते वेच दित्ता ते होरां नूं उस दे राह तों रोकिया। बहुत ही बुरा है जो ओह करदे रहे हन। ओह किसे ईमान वाले बारे ना रिश्तेदारी दा लिहाज़ करदे हन ना अहद दा। ते ओही हद्द तों वधण वाले हन। फिर जे ओह तौबा कर लैण, नमाज़ क़ायम करन ते ज़कात देण, तां ओह दीन विच तुहाडे भरा हन। ते असीं जाणन वाले लोकां लई आयतां खोल्ह के बिआन करदे हां। ते जे ओह अपणे अहद तों बाद अपणियां क़समां तोड़ देण ते तुहाडे दीन उत्ते ताने कसण, तां इनकार दे सरदारां नाल लड़ो—बेशक उन्हां दियां क़समां कुझ नहीं—तां जो ओह बाज़ आ जाण। की तुसीं उन्हां लोकां नाल ना लड़ोगे जिन्हां ने अपणियां क़समां तोड़ दित्तियां, ते रसूल नूं कढ्ढण दा इरादा कीता, ते जिन्हां ने पहिल तुहाडे ख़िलाफ़ आप कीती? की तुसीं उन्हां तों डरदे हो? तां अल्लाह इस दा वध हक़दार है कि तुसीं उस तों डरो, जे तुसीं ईमान वाले हो। उन्हां नाल लड़ो, अल्लाह तुहाडे हत्थां नाल उन्हां नूं अज़ाब देवेगा ते उन्हां नूं रुसवा करेगा, ते उन्हां दे ख़िलाफ़ तुहाडी मदद करेगा, ते ईमान वाले लोकां दे सीने ठंढे करेगा, ते उन्हां दे दिलां दा ग़ुस्सा दूर कर देवेगा। ते अल्लाह जिस दी चाहुंदा है तौबा क़बूल करदा है: ते अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला

है। की तुसीं एह समझ रक्खिया सी कि तुहानूं इउं ही छड्ड दित्ता जावेगा, हालांकि अजे अल्लाह ने तुहाडे विचों उन्हां नूं ज़ाहिर नहीं कीता जिन्हां ने जिहाद कीता ते अल्लाह, उस दे रसूल ते ईमान वालियां तों सिवा किसे नूं राज़दार दोस्त नहीं बणाइया? ते अल्लाह उस तों पूरी तरां बाख़बर है जो तुसीं करदे हो। (5–16)

मुशरिकां दा एह कम्म नहीं कि ओह अल्लाह दियां मसजिदां नूं आबाद करन, जदों कि ओह आप अपणे उत्ते सच्च दे इनकार दी गवाही दे रहे हन। उन्हां दे अमल अकारथ हो गए, ते अग्ग विच ओह सदा रहिणगे। अल्लाह दियां मसजिदां नूं तां ओही आबाद करदा है जो अल्लाह उत्ते ते आख़िरी दिन उत्ते ईमान लिआवे, नमाज़ क़ायम करे, ज़कात देवे, ते अल्लाह तों सिवा किसे तों ना डरे। सो उम्मीद है कि इही लोक हिदायत पाउण वालियां विचों होणगे। की तुसीं हाजियां नूं पाणी पिआउण ते मसजिदे-हराम नूं आबाद रक्खण नूं उस आदमी दे कम्म दे बराबर ठहरा लिया है जो अल्लाह उत्ते ते आख़िरी दिन उत्ते ईमान लिआइया ते अल्लाह दे राह विच जिहाद कीता? एह अल्लाह दे नज़दीक बराबर नहीं। ते अल्लाह ज़ालिम लोकां नूं राह नहीं दिखाउंदा। जो ईमान लिआए ते हिजरत कीती ते अल्लाह दे राह विच अपणे मालां ते अपणियां जानां नाल जिहाद कीता ओह अल्लाह दे कोल दर्जे विच किते वड्डे हन। ते ओही कामयाब होण वाले हन। उन्हां दा रब्ब उन्हां नूं अपणे वल्लों रहमत दी, ते रज़ामंदी दी, ते अजिहे बाग़ां दी ख़ुशख़बरी दिंदा है जिन्हां विच उन्हां लई सदा रहण वाली नेमत है, जिन्हां विच ओह हमेशा-हमेशा रहिणगे। बेशक अल्लाह दे कोल वड्डा अजर है। (17–22)

ऐ ईमान वालियो, अपणे पिओआं ते अपणे भरावां नूं दोस्त ना बणाओ जे ओह ईमान दे मुक़ाबले विच सच्च दे इनकार नूं पसंद करन। ते तुहाडे विचों जो उन्हां नूं दोस्त बणावेगा—तां ओही ज़ालिम हन। आख, "जे तुहाडे पिओ, तुहाडे पुत्तर, तुहाडे भरा, तुहाडियां पतनियां, तुहाडा कुनबा, ओह माल जो तुसीं कमाए हन, ओह वपार जिस दे मंदा पै जाण दा तुहानूं डर है, ते ओह घर जिन्हां नूं तुसीं पसंद करदे हो तुहानूं अल्लाह ते उस दे रसूल ते उस दे राह विच जिहाद करन तों वध पिआरे हन, तां उडीक करो इत्थों तक्क कि अल्लाह अपणा हुक्म लै आवे।" ते अल्लाह नाफ़रमान लोकां नूं राह नहीं दिखाउंदा। बेशक अल्लाह ने बहुत सारे मैदानां विच तुहाडी मदद कीती है, ते हुनैन दे दिन वी, जदों तुहानूं तुहाडी बहुतात ने ख़ुश कर दित्ता सी पर ओह तुहाडे कुझ कम्म ना आई, ते धरती अपणी सारी खुल्ह दे बावजूद तुहाडे उत्ते तंग हो गई, फिर तुसीं पिट्ठ फेर के भज्ज खड़े होए। फिर अल्लाह ने अपणे रसूल उत्ते ते ईमान वालियां उत्ते अपणा सकून उतारिया, ते अजिहे लश्कर उतारे जिन्हां नूं तुसीं नहीं वेख सके, ते उन्हां नूं अज़ाब दित्ता जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता सी: ते इनकारियां दा एही बदला है। फिर इस तों बाद अल्लाह जिस दी चाहुंदा है तौबा क़बूल करदा है: ते अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (23–27)

ऐ ईमान वालियो, मुशरिक तां निरे नापाक हन, सो ओह अपणे इस साल तों बाद मसजिदे-हराम दे नेड़े ना आउण। ते जे तुहानूं ग़रीबी दा डर होवे, तां अल्लाह जे चाहेगा तां तुहानूं अपणे फ़ज़ल नाल ग़नी कर देवेगा: बेशक अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। किताब वालियां विचों उन्हां नाल लड़ो जो ना अल्लाह उत्ते ईमान रक्खदे हन ना आख़िरी दिन उत्ते, ते ना उस नूं हराम समझदे हन जिस नूं अल्लाह ते उस

दे रसूल ने हराम कीता है, ते ना सच्चे दीन नूं अपणा दीन बणाउंदे हन—इत्थों तक्क कि ओह अपणे हत्थ नाल जिज़िया देण, ते दब के रहण। ते यहूदी आखदे हन, "उज़ैर अल्लाह दा पुत्तर है," ते ईसाई आखदे हन, "मसीह अल्लाह दा पुत्तर है।" एह उन्हां दे अपणे मूंहां दियां गल्लां हन, ओह उन्हां लोकां वरगियां गल्लां करदे हन जिन्हां ने उन्हां तों पहिलां सच्च दा इनकार कीता। अल्लाह इन्हां नूं ग़ारत करे! एह किधर फेरे जा रहे हन! उन्हां ने अल्लाह नूं छड्ड के अपणे आलिमां ते अपणे राहिबां नूं रब्ब बणा लिया, ते मरयम दे पुत्तर मसीह नूं वी; हालांकि उन्हां नूं हुक्म एही दित्ता गिया सी कि इक्को माबूद दी इबादत करन—उस तों सिवा कोई माबूद नहीं। ओह उस तों पाक है जो ओह शरीक ठहराउंदे हन! ओह चाहुंदे हन कि अल्लाह दे नूर नूं अपणे मूंहां नाल बुझा देण, पर अल्लाह इस तों सिवा हर गल्ल तों इनकार करदा है कि अपणे नूर नूं पूरा करे, भावें सच्च दे इनकारियां नूं किन्ना ही बुरा लग्गे। ओही है जिस ने अपणे रसूल नूं हिदायत ते सच्चे दीन दे नाल भेजिया, तां जो उस नूं हर दीन उत्ते ग़ालिब कर देवे, भावें मुशरिकां नूं किन्ना ही बुरा लग्गे। ऐ ईमान वालियो, बहुत सारे आलिम ते राहिब लोकां दा माल नाहक़ खांदे हन ते उन्हां नूं अल्लाह दे राह तों रोकदे हन। ते जो लोक सोना ते चांदी जमा करके रक्खदे हन ते उस नूं अल्लाह दे राह विच ख़र्च नहीं करदे—उन्हां नूं दर्दनाक अज़ाब दी ख़बर सुणा दे, उस दिन दी जदों उस नूं जहन्नम दी अग्ग विच तपाइया जावेगा ते उस दे नाल उन्हां दे मत्थे, उन्हां दे पासे ते उन्हां दियां पिट्ठां दाग़ियां जाणगियां: "एह है ओह जो तुसीं अपणे लई जमा कीता सी—सो हुण उस दा सुआद चक्खो जो तुसीं जमा करदे सी!" (28–35)

बेशक अल्लाह दे नज़दीक महीनियां दी गिणती बारां है, अल्लाह दी किताब विच उस दिन तों लिखी होई जिस दिन उस ने असमानां ते धरती नूं पैदा कीता; उन्हां विचों चार हुरमत वाले हन। एही सिद्धा दीन है, सो इन्हां विच अपणे आप उत्ते ज़ुलम ना करो। ते मुशरिकां नाल सारे मिल के लड़ो जिवें ओह सारे मिल के तुहाडे नाल लड़दे हन, ते जाण लओ कि अल्लाह उन्हां दे नाल है जो उस तों सुचेत रहिंदे हन। हुरमत वाले महीने नूं अग्गे-पिच्छे कर देणा तां इनकार विच इक्क होर वाधा है, जिस दे नाल सच्च दे इनकारी भटकाए जांदे हन: ओह उस नूं इक्क साल हलाल कर लैंदे हन ते दूजे साल हराम कर लैंदे हन, तां जो उन्हां महीनियां दी गिणती पूरी कर लैण जो अल्लाह ने हुरमत वाले ठहराए हन, ते इस तरां उस नूं हलाल कर लैण जो अल्लाह ने हराम कीता है। उन्हां दे बुरे कम्म उन्हां लई सुहाउणे बणा दित्ते गए हन। ते अल्लाह सच्च दा इनकार करन वाली क़ौम नूं राह नहीं दिखाउंदा। (36–37)

ऐ ईमान वालियो, तुहानूं की हो गिया है कि जदों तुहानूं आखिया जांदा है, "अल्लाह दे राह विच निकलो," तां तुसीं बोझल हो के ज़मीन नाल लग्ग जांदे हो? की तुसीं आख़िरत दे मुक़ाबले विच दुनिया दी ज़िंदगी उत्ते राज़ी हो गए हो? हालांकि दुनिया दी ज़िंदगी दा सामान आख़िरत दे मुक़ाबले विच बहुत थोड़ा है। जे तुसीं ना निकलोगे, तां ओह तुहानूं दर्दनाक अज़ाब देवेगा ते तुहाडी थां कोई होर क़ौम लै आवेगा, ते तुसीं उस दा कुझ वी ना विगाड़ सकोगे। ते अल्लाह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। जे तुसीं उस दी मदद ना करोगे, तां अल्लाह उस दी मदद कर ही चुक्का है: जदों सच्च दे इनकारियां ने उस नूं कड्ढ दित्ता सी, दोहां विचों दूजा, जदों ओह दोवें ग़ार विच सन, जदों ओह अपणे साथी नूं आख रिहा सी, "ग़म ना कर; अल्लाह साडे नाल है।"

तां अल्लाह ने उस उत्ते अपणा सकून उतारिया ते अजिहे लश्करां नाल उस दी मदद कीती जिन्हां नूं तुसीं नहीं वेख सके, ते सच्च दे इनकारियां दी गल्ल नीवीं कर दित्ती, ते अल्लाह दी गल्ल ही उच्ची है। ते अल्लाह ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। निकलो, हलके होवो जां भारे, ते अपणे मालां ते अपणियां जानां नाल अल्लाह दे राह विच जिहाद करो। एही तुहाडे लई बिहतर है, काश तुसीं जाणदे। जे फ़ायदा नेड़े दा हुंदा ते सफ़र सौखा, तां ओह ज़रूर तेरे पिच्छे चल्ल पैंदे; पर उन्हां नूं पैंडा दूर दा लग्गा। ते ओह अल्लाह दियां क़समां खाणगे, "जे साथों हो सकदा, तां असीं ज़रूर तुहाडे नाल निकलदे," ओह अपणे आप नूं हलाक कर रहे हन; ते अल्लाह जाणदा है कि ओह झूठे हन। (38–42)

ऐ नबी, अल्लाह तैनूं माफ़ करे! तूं उन्हां नूं पिच्छे रहण दी इजाज़त क्यों दे दित्ती इस तों पहिलां कि तेरे उत्ते खुल्ह जांदा कि उन्हां विचों कौण सच्चे हन ते तूं झूठियां नूं जाण लैंदा? जो अल्लाह उत्ते ते आख़िरी दिन उत्ते ईमान रक्खदे हन ओह तैथों इस गल्ल दी इजाज़त नहीं मंगदे कि अपणे मालां ते अपणियां जानां नाल जिहाद ना करन। ते अल्लाह उन्हां नूं ख़ूब जाणदा है जो उस तों सुचेत रहिंदे हन। तैथों इजाज़त तां ओही मंगदे हन जो अल्लाह उत्ते ते आख़िरी दिन उत्ते ईमान नहीं रक्खदे, ते जिन्हां दे दिल शक्क विच पए होए हन, सो ओह अपणे शक्क विच डांवांडोल फिरदे हन। ते जे उन्हां दा निकलण दा इरादा हुंदा, तां ओह उस लई कुझ तिआरी करदे। पर अल्लाह नूं उन्हां दा उट्ठणा पसंद ना आइया, सो उस ने उन्हां नूं रोक दित्ता, ते आख दित्ता गिया, "बैठे रहण वालियां दे नाल बैठे रहो।" जे ओह तुहाडे विच रल के निकलदे, तां तुहाडे विच ख़राबी तों सिवा कुझ ना वधाउंदे, ते तुहाडे विचकार फ़ितना पाउण दी तलाश विच दौड़े-दौड़े फिरदे; ते तुहाडे विच कुझ अजिहे हन जो उन्हां दियां गल्लां कन्न ला के सुणदे हन। ते अल्लाह ज़ालिमां नूं ख़ूब जाणदा है। उन्हां ने इस तों पहिलां वी फ़ितना पाउणा चाहिया सी, ते तेरे लई मामलियां नूं उलट-पुलट करदे रहे, इत्थों तक्क कि सच्च आ गिया ते अल्लाह दा हुक्म ग़ालिब हो गिया, हालांकि उन्हां नूं बुरा लग्गदा सी। ते उन्हां विच कोई अजिहा है जो आखदा है, "मैनूं इजाज़त दे दे, ते मैनूं फ़ितने विच ना पा।" सुण लओ, फ़ितने विच तां ओह पै ही चुक्के हन! ते बेशक जहन्नम सच्च दे इनकारियां नूं घेरे होए है। जे तैनूं कोई भलाई पहुंचदी है, तां उन्हां नूं बुरा लग्गदा है; ते जे तैनूं कोई मुसीबत पहुंचदी है, तां आखदे हन, "असां ने तां अपणा बचाअ पहिलां ही कर लिया सी," ते ख़ुशियां मनाउंदे होए मुड़ जांदे हन। आख, "सानूं हरगिज़ कुझ ना पहुंचेगा सिवाए उस दे जो अल्लाह ने साडे लई लिख दित्ता है। ओही साडा मालिक है; ते ईमान वालियां नूं अल्लाह ही उत्ते भरोसा रक्खणा चाहीदा है।" आख, "तुसीं साडे हक़ विच दो भलाइयां विचों इक्क तों सिवा किस चीज़ दी उडीक कर रहे हो? ते असीं तुहाडे हक़ विच इस दी उडीक कर रहे हां कि अल्लाह तुहानूं अपणे कोलों जां साडे हत्थों कोई अज़ाब देवे। सो उडीक करो—असीं वी तुहाडे नाल उडीक कर रहे हां।" आख, "तुसीं ख़ुशी नाल ख़र्च करो जां नाख़ुशी नाल, तुहाथों हरगिज़ क़बूल ना कीता जावेगा, किउंकि तुसीं नाफ़रमान लोक हो।" ते उन्हां दे ख़र्च क़बूल कीते जाण विच इस तों सिवा कोई रुकावट नहीं कि उन्हां ने अल्लाह ते उस दे रसूल दा इनकार कीता, ते नमाज़ लई आउंदे हन तां सुस्ती नाल ही आउंदे हन, ते ख़र्च करदे हन तां बेदिली नाल ही। सो ना उन्हां दे माल तैनूं चंगे लग्गण ना उन्हां दी औलाद। अल्लाह तां बस एही चाहुंदा है कि इन्हां चीज़ां दे

ज़रीए उन्हां नूं दुनिया दी ज़िंदगी विच अज़ाब देवे, ते उन्हां दियां जानां इस हाल विच निकलण कि ओह सच्च दे इनकारी होण। (43–55)

ते ओह अल्लाह दियां क़समां खांदे हन कि ओह तुहाडे विचों हन, हालांकि ओह तुहाडे विचों नहीं; बल्कि ओह डरपोक लोक हन। जे उन्हां नूं कोई पनाह दी थां मिल जावे, जां ग़ारां, जां घुस बैठण दी कोई थां, तां ओह रस्से तुड़ा के उधर ही भज्ज जाण। ते उन्हां विच कुझ अजिहे हन जो सदक़ियां बारे तेरे उत्ते ताना मारदे हन: जे उन्हां नूं उस विचों दे दित्ता जावे तां राज़ी हो जांदे हन, ते जे उस विचों ना दित्ता जावे, तां उसे वेले नाराज़ हो जांदे हन। ते काश ओह उस उत्ते राज़ी रहिंदे जो अल्लाह ते उस दे रसूल ने उन्हां नूं दित्ता ते आखदे, "सानूं अल्लाह काफ़ी है; अल्लाह सानूं अपणे फ़ज़ल विचों देवेगा, ते उस दा रसूल वी; असीं तां अल्लाह ही वल्ल लौ लाई होई है।" सदक़े तां बस ग़रीबां ते मुहताजां लई हन, ते उन्हां लई जो इन्हां दे कम्म उत्ते लग्गे होण, ते उन्हां लई जिन्हां दे दिल जोड़ने होण, ते ग़ुलामां नूं आज़ाद कराउण लई, ते क़र्ज़दारां लई, ते अल्लाह दे राह विच, ते मुसाफ़िर लई—एह अल्लाह वल्लों ठहराइया होइया फ़र्ज़ है। ते अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। (56–60)

ते उन्हां विच कुझ अजिहे हन जो नबी नूं दुक्ख दिंदे हन, ते आखदे हन, "ओह तां निरा कन्न है।" आख, "ओह तुहाडे भले लई कन्न है: ओह अल्लाह उत्ते ईमान रक्खदा है ते ईमान वालियां दी गल्ल दा यक़ीन करदा है, ते तुहाडे विचों जो ईमान लिआए उन्हां लई रहमत है।" ते जो लोक अल्लाह दे रसूल नूं दुक्ख दिंदे हन उन्हां लई दर्दनाक अज़ाब है। ओह तुहानूं राज़ी करन लई तुहाडे साहमणे अल्लाह दियां क़समां खांदे हन; हालांकि अल्लाह ते उस दा रसूल इस दे वध हक़दार हन कि ओह उस नूं राज़ी करन, जे ओह ईमान वाले हन। की उन्हां नूं पता नहीं कि जो कोई अल्लाह ते उस दे रसूल दी मुख़ालफ़त करे उस लई जहन्नम दी अग्ग है, जिस विच ओह सदा रहेगा? एही वड्डी रुसवाई है। (61–63)

मुनाफ़िक़ डरदे हन कि किते उन्हां दे ख़िलाफ़ कोई अजिही सूरा ना उतर आवे, जो उन्हां नूं ओह कुझ दस्स देवे जो उन्हां दे दिलां विच है। आख, "मख़ौल करदे रहो: बेशक अल्लाह उस चीज़ नूं ज़ाहिर करके रहेगा जिस तों तुसीं डरदे हो।" ते जे तूं उन्हां तों पुच्छें, तां आखणगे, "असीं तां बस गप्पां मार रहे सां ते दिल-लगी कर रहे सां।" आख, "की तुसीं अल्लाह, उस दियां आयतां ते उस दे रसूल दा मख़ौल उडा रहे सी?" बहाने ना बणाओ: तुसीं ईमान लिआउण तों बाद सच्च दा इनकार कीता है। जे असीं तुहाडे विचों इक्क गिरोह नूं माफ़ वी कर देईए, तां दूजे गिरोह नूं अज़ाब दिआंगे, इस लई कि ओह मुजरिम सन। मुनाफ़िक़ मरद ते मुनाफ़िक़ औरतां सभ इक्को जिहे हन: ओह बुराई दा हुक्म दिंदे हन ते नेकी तों रोकदे हन, ते अपणे हत्थ घुट्ट के बंद रक्खदे हन। उन्हां ने अल्लाह नूं भुला दित्ता, सो उस ने वी उन्हां नूं भुला दित्ता। बेशक मुनाफ़िक़ ही नाफ़रमान हन। अल्लाह ने मुनाफ़िक़ मरदां ते मुनाफ़िक़ औरतां नाल, ते सच्च दे इनकारियां नाल, जहन्नम दी अग्ग दा वादा कीता है, जिस विच ओह सदा रहिणगे। ओही उन्हां लई काफ़ी है। ते अल्लाह ने उन्हां उत्ते लानत कीती है, ते उन्हां लई क़ायम रहण वाला अज़ाब है। तुसीं उन्हां वरगे हो जो तुहाथों पहिलां सन: ओह ज़ोर विच तुहाथों वध सख़्त सन, ते माल ते औलाद विच तुहाथों वध के। सो उन्हां ने अपणे हिस्से दा फ़ायदा उठाइया,

ते तुसीं वी अपणे हिस्से दा फ़ायदा उसे तरां उठाइया जिवें तुहाथों पहिलां वालियां ने अपणे हिस्से दा उठाइया सी; ते तुसीं वी उसे तरां फ़ज़ूल गल्लां विच पए जिवें ओह पए सन। इन्हां दे अमल दुनिया ते आख़िरत विच अकारथ हो गए, ते इही घाटा खाण वाले हन। की इन्हां कोल उन्हां दी ख़बर नहीं पहुंची जो इन्हां तों पहिलां सन—नूह दी क़ौम, आद ते समूद, इबराहीम दी क़ौम, मदयन वाले ते उलटाइयां होइयां बस्तियां? उन्हां दे रसूल उन्हां कोल खुल्हियां दलीलां लै के आए। सो अल्लाह अजिहा ना सी कि उन्हां उत्ते ज़ुलम करदा; बल्कि ओह आप ही अपणे उत्ते ज़ुलम करदे सन। (64–70)

ते ईमान वाले मरद ते ईमान वालियां औरतां इक्क दूजे दे हिमायती हन: ओह नेकी दा हुक्म दिंदे हन ते बुराई तों रोकदे हन, नमाज़ क़ायम करदे हन, ज़कात दिंदे हन, ते अल्लाह ते उस दे रसूल दी फ़रमांबरदारी करदे हन। इही हन जिन्हां उत्ते अल्लाह रहम करेगा। बेशक अल्लाह ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। अल्लाह ने ईमान वाले मरदां ते ईमान वालियां औरतां नाल अजिहे बाग़ां दा वादा कीता है जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, जिन्हां विच ओह सदा रहिणगे, ते सदा रहण वाले बाग़ां विच पाकीज़ा घरां दा; ते अल्लाह दी रज़ामंदी इस सभ तों वड्डी है। एही वड्डी कामयाबी है। (71–72)

ऐ नबी, सच्च दे इनकारियां ते मुनाफ़िक़ां दे ख़िलाफ़ जिहाद कर, ते उन्हां उत्ते सख़्ती कर। उन्हां दा ठिकाणा जहन्नम है—ते ओह बहुत बुरा ठिकाणा है। ओह अल्लाह दियां क़समां खांदे हन कि उन्हां ने कुझ नहीं आखिया, हालांकि उन्हां ने इनकार दी गल्ल आखी सी ते अल्लाह दे फ़रमांबरदार होण तों बाद सच्च दा इनकार कीता; ते उन्हां ने उस चीज़ दा इरादा कीता जिस नूं ओह पा ना सके। ते उन्हां ने सिरफ़ इस गल्ल दा बदला लिया कि अल्लाह ते उस दे रसूल ने उन्हां नूं अपणे फ़ज़ल नाल ग़नी कर दित्ता। सो जे ओह तौबा कर लैण, तां एह उन्हां लई बिहतर होवेगा; ते जे ओह मूंह मोड़न, तां अल्लाह उन्हां नूं दुनिया ते आख़िरत विच दर्दनाक अज़ाब देवेगा, ते धरती विच उन्हां दा ना कोई हिमायती होवेगा ना मददगार। (73–74)

ते उन्हां विच कुझ अजिहे हन जिन्हां ने अल्लाह नाल अहद कीता सी: “जे उस ने सानूं अपणे फ़ज़ल विचों दित्ता, तां असीं ज़रूर सदक़ा करांगे ते नेक लोकां विचों हो जावांगे।” पर जदों उस ने उन्हां नूं अपणे फ़ज़ल विचों दित्ता, तां उन्हां ने उस विच कंजूसी कीती ते बेरुख़ी नाल मूंह मोड़ गए। सो उस ने उस दिन तक्क लई जदों ओह उस नूं मिलणगे उन्हां दे दिलां विच निफ़ाक़ पा दित्ता, इस लई कि उन्हां ने अल्लाह नाल कीते वादे दे ख़िलाफ़ कीता ते इस लई कि ओह झूठ बोलदे सन। की उन्हां नूं पता नहीं कि अल्लाह उन्हां दे भेद ते उन्हां दियां कानाफूसियां जाणदा है, ते एह कि अल्लाह सारियां छुपियां गल्लां दा जाणन वाला है? जो लोक उन्हां ईमान वालियां उत्ते ताना मारदे हन जो दिल खोल्ह के सदक़े दिंदे हन, ते उन्हां उत्ते जिन्हां कोल अपणी मिहनत तों सिवा देण नूं कुझ नहीं, ते उन्हां दा मख़ौल उडाउंदे हन—अल्लाह उन्हां दा मख़ौल उडाउंदा है, ते उन्हां लई दर्दनाक अज़ाब है। तूं उन्हां लई बख़शिश मंग जां ना मंग: जे तूं उन्हां लई सत्तर वारी वी बख़शिश मंगें, तां वी अल्लाह उन्हां नूं हरगिज़ ना बख़्शेगा। एह इस लई कि उन्हां ने अल्लाह ते उस दे रसूल दा इनकार कीता; ते अल्लाह नाफ़रमान लोकां नूं राह नहीं दिखाउंदा। (75–80)

जो पिच्छे छड्ड दित्ते गए ओह अल्लाह दे रसूल दे पिच्छे अपणे घर बैठे रहण उत्ते ख़ुश होए, ते उन्हां नूं नापसंद सी कि अपणे मालां ते अपणियां जानां नाल अल्लाह दे राह विच जिहाद करन। ते उन्हां ने आखिया, "इस गर्मी विच ना निकलो।" आख, "जहन्नम दी अग्ग इस तों वध गर्म है"—काश ओह समझदे। सो ओह थोड़ा हस्स लैण; ते बहुत रोणगे, उस दे बदले जो ओह कमाउंदे रहे। फिर जे अल्लाह तैनूं उन्हां दे किसे गिरोह वल्ल वापस लै जावे ते ओह तैथों निकलण दी इजाज़त मंगण, तां आख देईं, "तुसीं मेरे नाल कदे ना निकलोगे, ते ना मेरे नाल हो के किसे दुश्मण नाल लड़ोगे। तुसीं पहिली वारी बैठे रहण उत्ते राज़ी होए सी, सो हुण वी पिच्छे रहण वालियां दे नाल बैठे रहो।" (81–83)

ते उन्हां विचों जो कोई मर जावे उस उत्ते कदे नमाज़ ना पढ़ीं, ते ना उस दी क़ब्र उत्ते खड़ा होईं: बेशक उन्हां ने अल्लाह ते उस दे रसूल दा इनकार कीता, ते ओह नाफ़रमानी दी हालत विच मरे। ते ना उन्हां दे माल तैनूं चंगे लग्गण ना उन्हां दी औलाद। अल्लाह तां बस एही चाहुंदा है कि इन्हां चीज़ां दे ज़रीए उन्हां नूं दुनिया विच अज़ाब देवे, ते उन्हां दियां जानां इस हाल विच निकलण कि ओह सच्च दे इनकारी होण। ते जदों कोई सूरा उतारी जांदी है कि, "अल्लाह उत्ते ईमान लिआओ ते उस दे रसूल दे नाल मिल के जिहाद करो," तां उन्हां विचों वुसअत वाले लोक तैथों इजाज़त मंगदे हन, ते आखदे हन, "सानूं छड्ड दे कि असीं बैठे रहण वालियां दे नाल रहीए।" ओह इस उत्ते राज़ी हो गए कि पिच्छे रहण वालियां औरतां दे नाल रहण। ते उन्हां दे दिलां उत्ते मोहर ला दित्ती गई, सो ओह समझदे नहीं। पर रसूल ते ओह जो उस दे नाल ईमान लिआए अपणे मालां ते अपणियां जानां नाल जिहाद करदे हन। सारियां भलाइयां उन्हां ही लई हन, ते ओही कामयाब होण वाले हन। अल्लाह ने उन्हां लई अजिहे बाग़ तिआर कर रक्खे हन जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, जिन्हां विच ओह सदा रहिणगे। एही वड्डी कामयाबी है। (84–89)

ते पेंडू अरबां विचों कुझ बहाने बणाउण वाले आए, कि उन्हां नूं इजाज़त दित्ती जावे, ते ओह बैठे रहे जिन्हां ने अल्लाह ते उस दे रसूल नाल झूठ बोलिया सी। उन्हां विचों जो सच्च दे इनकारी हन उन्हां नूं दर्दनाक अज़ाब पहुंचेगा। ना कमज़ोरां उत्ते कोई गुनाह है, ना बीमारां उत्ते, ते ना उन्हां उत्ते जिन्हां कोल ख़र्च करन नूं कुझ नहीं, जद कि ओह अल्लाह ते उस दे रसूल दे ख़ैरख़ाह होण। नेकी करन वालियां उत्ते इलज़ाम दा कोई राह नहीं: ते अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। ते ना उन्हां उत्ते जो तेरे कोल आए कि तूं उन्हां नूं सवारियां देवें, ते जदों तूं आखिया, "मेरे कोल कुझ नहीं जिस उत्ते तुहानूं सवार करां," तां ओह इस हाल विच मुड़े कि उन्हां दियां अक्खां इस ग़म नाल हंझू वहा रहियां सन कि उन्हां कोल ख़र्च करन नूं कुझ नहीं। इलज़ाम दा राह तां बस उन्हां उत्ते है जो अमीर हुंदे होए तैथों इजाज़त मंगदे हन। ओह इस उत्ते राज़ी हो गए कि पिच्छे रहण वालियां औरतां दे नाल रहण। ते अल्लाह ने उन्हां दे दिलां उत्ते मोहर ला दित्ती, सो ओह जाणदे नहीं। (90–93)

जदों तुसीं उन्हां वल्ल मुड़ के जाओगे तां ओह तुहाडे साहमणे बहाने पेश करनगे। आख, "बहाने ना बणाओ; असीं तुहाडा यक़ीन नहीं करांगे। अल्लाह सानूं तुहाडे हालात दस्स चुक्का है। ते अल्लाह तुहाडे अमल वेखेगा, ते उस दा रसूल वी; फिर तुसीं उस वल्ल मोड़े जाओगे जो ग़ैब ते ज़ाहिर दा जाणन वाला है, फिर ओह

तुहानूं दस्स देवेगा जो कुझ तुसीं करदे सी।" जदों तुसीं उन्हां वल्ल मुड़ के जाओगे तां ओह तुहाडे साहमणे अल्लाह दियां क़समां खाणगे, तां जो तुसीं उन्हां नूं छड्ड देओ। सो उन्हां नूं छड्ड ही देओ: बेशक ओह गंदे हन, ते उन्हां दा ठिकाणा जहन्नम है, उस दे बदले जो ओह कमाउंदे रहे। ओह तुहाडे साहमणे क़समां खाणगे तां जो तुसीं उन्हां तों राज़ी हो जाओ; पर जे तुसीं उन्हां तों राज़ी हो वी जाओ, तां अल्लाह नाफ़रमान लोकां तों राज़ी नहीं हुंदा। (94–96)

पेंडू अरब इनकार ते निफ़ाक़ विच सभ तों सख़्त हन, ते इसे लायक़ हन कि उस दियां हद्दां ना जाणन जो अल्लाह ने अपणे रसूल उत्ते उतारिया है। ते अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। ते पेंडू अरबां विच कुझ अजिहे हन जो उस नूं जो ओह ख़र्च करदे हन जुरमाना समझदे हन, ते तुहाडे उत्ते ज़माने दे चक्करां दी उडीक करदे हन। बुरा चक्कर उन्हां ही उत्ते पवे! ते अल्लाह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। ते पेंडू अरबां विच कुझ अजिहे वी हन जो अल्लाह उत्ते ते आख़िरी दिन उत्ते ईमान रक्खदे हन, ते जो कुझ ख़र्च करदे हन उस नूं अल्लाह दे नेड़े होण ते रसूल दियां दुआवां लैण दा ज़रीआ बणाउंदे हन। सुण लओ, ओह यक़ीनन उन्हां लई नेड़े होण दा ज़रीआ है: अल्लाह उन्हां नूं अपणी रहमत विच दाख़िल करेगा। बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (97–99)

ते मुहाजिरां ते अंसार विचों जो सभ तों पहिले अग्गे वधण वाले हन, ते जो नेकी नाल उन्हां दे पिच्छे चल्ले: अल्लाह उन्हां तों राज़ी होइया ते ओह उस तों राज़ी होए। ते उस ने उन्हां लई अजिहे बाग़ तिआर कर रक्खे हन जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, जिन्हां विच ओह हमेशा-हमेशा रहिणगे। एही वड्डी कामयाबी है। (100)

ते तुहाडे आले-दुआले दे पेंडू अरबां विच मुनाफ़िक़ हन, ते मदीने दे रहण वालियां विच वी; ओह निफ़ाक़ उत्ते अड़े होए हन। तूं उन्हां नूं नहीं जाणदा; असीं उन्हां नूं जाणदे हां। असीं उन्हां नूं दो वारी अज़ाब दिआंगे, फिर ओह वड्डे अज़ाब वल्ल मोड़े जाणगे। ते कुझ होर हन जिन्हां ने अपणे गुनाहां दा इक़रार कर लिया है, उन्हां ने इक्क नेक कम्म नूं दूजे बुरे कम्म नाल रला दित्ता। उम्मीद है कि अल्लाह उन्हां दी तौबा क़बूल करेगा: बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। उन्हां दे मालां विचों सदक़ा लै जिस दे नाल तूं उन्हां नूं पाक करें ते उन्हां नूं निखारें, ते उन्हां लई दुआ कर: बेशक तेरी दुआ उन्हां लई सकून है। ते अल्लाह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। की उन्हां नूं पता नहीं कि अल्लाह ही अपणे बंदियां दी तौबा क़बूल करदा है ते सदक़े लैंदा है, ते एह कि अल्लाह ही बड़ा तौबा क़बूल करन वाला, सदा रहम करन वाला है? ते आख, "अमल करो! अल्लाह तुहाडे अमल वेखेगा, ते उस दा रसूल ते ईमान वाले वी। ते तुसीं उस वल्ल मोड़े जाओगे जो ग़ैब ते ज़ाहिर दा जाणन वाला है, फिर ओह तुहानूं दस्स देवेगा जो कुझ तुसीं करदे सी।" ते कुझ होर हन जिन्हां दा मामला अल्लाह दे हुक्म तक्क लटकिया होइया है: भावें ओह उन्हां नूं अज़ाब देवे जां उन्हां दी तौबा क़बूल करे। ते अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। (101–106)

ते ओह वी हन जिन्हां ने इक्क मसजिद बणाई नुक़सान पहुंचाउण लई ते इनकार लई, ते ईमान वालियां विच फुट्ट पाउण लई, ते उस आदमी लई घात दी थां वजों जो इस तों पहिलां अल्लाह ते उस दे रसूल नाल जंग कर

चुक्का है। ते ओह ज़रूर क़समां खाणगे, "साडा इरादा तां भलाई तों सिवा कुझ ना सी"; पर अल्लाह गवाही दिंदा है कि ओह झूठे हन। तूं उस विच कदे खड़ा ना होईं। ओह मसजिद जिस दी नींह पहिले दिन तों अल्लाह तों सुचेतता उत्ते रक्खी गई है इस दी वध हक़दार है कि तूं उस विच खड़ा होवें। उस विच अजिहे लोक हन जो पाक रहणा पसंद करदे हन; ते अल्लाह पाक रहण वालियां नाल मुहब्बत करदा है। तां की ओह बिहतर है जिस ने अपणी इमारत दी नींह अल्लाह तों सुचेतता ते उस दी रज़ामंदी उत्ते रक्खी, जां ओह जिस ने अपणी इमारत दी नींह इक्क खोखले डिग्गदे कंढे दे किनारे उत्ते रक्खी, सो ओह उस नूं लै के जहन्नम दी अग्ग विच डिग्ग पई? ते अल्लाह ज़ालिम लोकां नूं राह नहीं दिखाउंदा। एह इमारत जो उन्हां ने बणाई है सदा उन्हां दे दिलां विच शक्क दा कारन बणी रहेगी, इत्थों तक्क कि उन्हां दे दिल टुकड़े-टुकड़े हो जाण। ते अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। (107–110)

बेशक अल्लाह ने ईमान वालियां तों उन्हां दियां जानां ते उन्हां दे माल जन्नत दे बदले ख़रीद लए हन: ओह अल्लाह दे राह विच लड़दे हन, फिर मारदे वी हन ते मारे वी जांदे हन—एह उस दे ज़िम्मे सच्चा वादा है, तौरात, इंजील ते क़ुरआन विच। ते अल्लाह तों वध अपणा अहद पूरा करन वाला कौण है? सो अपणे उस सौदे उत्ते ख़ुशियां मनाओ जो तुसीं उस नाल कीता है: ते एही वड्डी कामयाबी है। ओह तौबा करन वाले हन, इबादत करन वाले, हम्द करन वाले, उस दे राह विच सफ़र करन वाले, रुकू करन वाले, सजदा करन वाले, नेकी दा हुक्म देण वाले ते बुराई तों रोकण वाले, ते अल्लाह दियां हद्दां दी हिफ़ाज़त करन वाले। ते ईमान वालियां नूं ख़ुशख़बरी दे दे। (111–112)

नबी ते ईमान वालियां लई एह मुनासिब नहीं कि मुशरिकां लई बख़शिश मंगण, भावें ओह नेड़े दे रिश्तेदार ही होण, इस तों बाद कि उन्हां उत्ते खुल्ह चुक्का है कि ओह भड़कदी अग्ग वाले हन। ते इबराहीम दा अपणे पिओ लई बख़शिश मंगणा सिरफ़ उस वादे कारन सी जो उस ने उस नाल कीता सी; पर जदों उस उत्ते खुल्ह गिया कि ओह अल्लाह दा दुश्मण है, तां ओह उस तों बेज़ार हो गिया। बेशक इबराहीम बड़ा नरम-दिल, बुर्दबार सी। ते अल्लाह अजिहा नहीं कि किसे क़ौम नूं हिदायत देण तों बाद भटकण दे जद तक्क उन्हां लई ओह चीज़ां खोल्ह ना देवे जिन्हां तों उन्हां ने बचणा है। बेशक अल्लाह हर चीज़ दा पूरा इल्म रक्खदा है। बेशक असमानां ते धरती दी बादशाही अल्लाह ही दी है; ओही ज़िंदगी दिंदा है ते ओही मौत दिंदा है। ते अल्लाह तों सिवा तुहाडा ना कोई हिमायती है ना मददगार। (113–116)

बेशक अल्लाह ने नबी उत्ते रहमत नाल ध्यान कीता, ते उन्हां मुहाजिरां ते अंसार उत्ते वी जो तंगी दी घड़ी विच उस दे पिच्छे चल्ले, इस तों बाद कि उन्हां विचों इक्क गिरोह दे दिल डोलण नूं हो गए सन। फिर उस ने उन्हां उत्ते रहमत नाल ध्यान कीता: बेशक ओह उन्हां उत्ते बड़ा शफ़क़त करन वाला, सदा रहम करन वाला है। ते उन्हां तिन्नां उत्ते वी जो पिच्छे छड्ड दित्ते गए सन: इत्थों तक्क कि जदों धरती अपणी सारी खुल्ह दे बावजूद उन्हां उत्ते तंग हो गई, ते उन्हां दियां अपणियां जानां उन्हां उत्ते तंग हो गइयां, ते उन्हां ने जाण लिया कि अल्लाह तों बचण लई उस दे सिवा कोई पनाह नहीं, तां उस ने उन्हां उत्ते रहमत नाल ध्यान कीता तां जो ओह तौबा करन। बेशक अल्लाह ही बड़ा तौबा क़बूल करन वाला, सदा रहम करन वाला है। (117–118)

ऐ ईमान वालियो, अल्लाह तों सुचेत रहो, ते सच्चियां दे नाल हो जाओ। मदीने वालियां ते उन्हां दे आले-दुआले दे पेंडू अरबां लई एह मुनासिब ना सी कि अल्लाह दे रसूल तों पिच्छे रह जांदे, ते ना एह कि अपणियां जानां नूं उस दी जान तों वध पिआरा रक्खदे। एह इस लई कि उन्हां नूं अल्लाह दे राह विच ना कोई पिआस लग्गदी है, ना थकावट, ना भुक्ख, ते ना ओह कोई अजिहा क़दम चुक्कदे हन जो सच्च दे इनकारियां नूं ग़ुस्सा दिवाए, ते ना किसे दुश्मण तों कुझ हासिल करदे हन, पर इस दे बदले उन्हां लई इक्क नेक अमल लिख दित्ता जांदा है। बेशक अल्लाह नेकी करन वालियां दा अजर अजाईं नहीं जाण दिंदा। ते ना ओह कोई छोटा जां वड्डा ख़र्च करदे हन, ते ना कोई वादी पार करदे हन, पर ओह उन्हां दे हक़ विच लिख लिया जांदा है, तां जो अल्लाह उन्हां नूं उन्हां दे सभ तों चंगे कम्मां दा बदला देवे। (119–121)

ते ईमान वालियां लई एह मुनासिब नहीं कि सारे दे सारे निकल खड़े होण। तां अजिहा क्यों ना होवे कि उन्हां दे हर गिरोह विचों इक्क जमाअत निकले तां जो दीन दी डूंघी समझ हासिल करे, ते तां जो जदों ओह अपणी क़ौम वल्ल मुड़ के आउण तां उन्हां नूं ख़बरदार करन, तां जो ओह वी बच के रहण? ऐ ईमान वालियो, उन्हां सच्च दे इनकारियां नाल लड़ो जो तुहाडे नेड़े हन, ते चाहीदा है कि ओह तुहाडे विच सख़्ती पाउण। ते जाण लओ कि अल्लाह उन्हां दे नाल है जो उस तों सुचेत रहिंदे हन। (122–123)

ते जदों वी कोई सूरा उतारी जांदी है, तां उन्हां विचों कुझ आखदे हन, “इस ने तुहाडे विचों किस दा ईमान वधाइया?” सो जो ईमान लिआए, उन्हां दा ईमान तां इस ने वधाइया, ते ओह ख़ुशियां मनाउंदे हन। ते जिन्हां दे दिलां विच रोग है, उन्हां दी गंदगी उत्ते इस ने होर गंदगी वधा दित्ती, ते ओह सच्च दे इनकार दी हालत विच ही मर गए। की ओह नहीं वेखदे कि ओह हर साल इक्क-दो वारी आज़माइश विच पाए जांदे हन? फिर वी ना ओह तौबा करदे हन ना नसीहत फड़दे हन। ते जदों वी कोई सूरा उतारी जांदी है, तां ओह इक्क दूजे वल्ल वेखदे हन: “की कोई तुहानूं वेख रिहा है?” फिर खिसक जांदे हन। अल्लाह ने उन्हां दे दिल फेर दित्ते हन, इस लई कि ओह अजिहे लोक हन जो समझ नहीं रक्खदे। (124–127)

बेशक तुहाडे कोल तुहाडे ही विचों इक्क रसूल आ गिया है। तुहाडा तकलीफ़ विच पैणा उस उत्ते भारी है; ओह तुहाडी भलाई दा बड़ा चाहवान है, ते ईमान वालियां उत्ते शफ़क़त करन वाला, रहम करन वाला है। फिर जे ओह मूंह मोड़न, तां आख दे, “मैनूं अल्लाह काफ़ी है। उस तों सिवा कोई माबूद नहीं। उसे उत्ते मैं भरोसा कीता है, ते ओही अज़मत वाले अर्श दा रब्ब है।” (128–129)

10. यूनुस (यूनुस)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

अलिफ़ लाम रा। एह हिकमत भरी किताब दियां आयतां ते निशानियां हन। की लोकां लई एह अचंभे दी गल्ल है कि असां ने उन्हां ही विचों इक्क आदमी वल्ल वह्य भेजी: "लोकां नूं ख़बरदार कर, ते जो ईमान लिआए उन्हां नूं ख़ुशख़बरी दे कि उन्हां लई उन्हां दे रब्ब कोल सच्चाई दा क़दम है"? सच्च दे इनकारियां ने आखिया, "एह तां खुल्हा जादूगर है।" (1–2)

बेशक तुहाडा रब्ब अल्लाह है, जिस ने असमानां ते धरती नूं छे जुगां विच पैदा कीता ते फिर अर्श उत्ते क़ायम होइया, ओह सारे कम्मां दा इंतज़ाम करदा है। उस दी इजाज़त तों बाद ही कोई सिफ़ारिश करन वाला हो सकदा है। एही अल्लाह है, तुहाडा रब्ब: सो उसे दी इबादत करो। तां की तुसीं नसीहत नहीं फड़दे? उसे वल्ल तुहाडा सभनां दा मुड़ना है—अल्लाह दा वादा सच्चा है। ओही पैदाइश दी शुरूआत करदा है ते फिर उस नूं दुहराउंदा है, तां जो उन्हां नूं जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते इनसाफ़ नाल बदला देवे। ते जो सच्च दे इनकारी हन, उन्हां लई खौलदे पाणी दा पीणा ते दर्दनाक अज़ाब है उन्हां दे इनकार कारन। (3–4)

ओही है जिस ने सूरज नूं चमक ते चंद नूं नूर बणाइया, ते उस दियां मंज़िलां ठहराइयां, तां जो तुसीं सालां दी गिणती ते वक़्त दा हिसाब जाण लओ। अल्लाह ने एह सभ कुझ सच्च दे नाल ही पैदा कीता है। ओह जाणन वाले लोकां लई निशानियां खोल्ह-खोल्ह के बिआन करदा है। बेशक रात ते दिन दे वारो-वारी आउण विच, ते उस सभ विच जो अल्लाह ने असमानां ते धरती विच पैदा कीता है, उन्हां लोकां लई निशानियां हन जो उस तों सुचेत रहिंदे हन। बेशक जो लोक साडे नाल मिलण दी आस नहीं रक्खदे, ते दुनिया दी ज़िंदगी उत्ते राज़ी हो गए ते उसे विच चैन पा बैठे, ते जो साडियां निशानियां तों ग़ाफ़िल हन—उन्हां दा ठिकाणा अग्ग है, उस दे बदले जो ओह कमाउंदे रहे। बेशक जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते—उन्हां दा रब्ब उन्हां दे ईमान कारन उन्हां नूं राह दिखावेगा; नेमतां भरे बाग़ां विच उन्हां दे हेठ नहरां वगदियां होणगियां। उत्थे उन्हां दी पुकार होवेगी, "ऐ अल्लाह, तूं पाक है!" ते उत्थे उन्हां दी आपस दी दुआ, "सलाम!"; ते उन्हां दी पुकार दा ख़ातमा, "सारी तारीफ़ अल्लाह ही लई है, जो सारे जहानां दा रब्ब है।" (5–10)

ते जे अल्लाह लोकां लई बुराई विच उन्नी ही छेती करदा जिन्नी ओह भलाई लई छेती मचाउंदे हन, तां उन्हां दी मुद्दत कदों दी पूरी कर दित्ती गई हुंदी। पर असीं उन्हां नूं जो साडे नाल मिलण दी आस नहीं रक्खदे उन्हां दी सरकशी विच अन्हियां वांग भटकदा छड्ड दिंदे हां। ते जदों इनसान नूं कोई तकलीफ़ पहुंचदी है, तां ओह सानूं पुकारदा है, लेटिया होइया, जां बैठा, जां खड़ा; फिर जदों असीं उस दी तकलीफ़ उस तों दूर कर दिंदे हां, तां ओह इउं चल्ल दिंदा है जिवें उस ने किसे तकलीफ़ लई जो उस नूं पहुंची सी सानूं कदे पुकारिया ही नहीं सी। इसे तरां हद्द तों वधण वालियां लई उन्हां दे कम्म सुहाउणे बणा दित्ते गए हन। ते बेशक असां ने तुहाथों पहिलां किन्नियां ही नसलां हलाक कर दित्तियां जदों उन्हां ने ज़ुलम कीता: उन्हां दे रसूल उन्हां कोल

खुल्हियां दलीलां लै के आए, पर ओह ईमान लिआउण वाले ना सन। इसे तरां असीं मुजरिम लोकां नूं बदला दिंदे हां। फिर उन्हां तों बाद असां ने तुहानूं धरती विच जानशीन बणाइया, तां जो वेखीए कि तुसीं किहो जिहे कम्म करदे हो। (11–14)

ते जदों उन्हां नूं साडियां खुल्हियां आयतां पढ़ के सुणाइयां जांदियां हन, तां ओह जो साडे नाल मिलण दी आस नहीं रक्खदे आखदे हन, "इस तों सिवा कोई होर क़ुरआन लै आ, जां इस नूं बदल दे।" आख, "मेरा एह कम्म नहीं कि इस नूं अपणे वल्लों बदल दिआं। मैं तां बस उसे दी पैरवी करदा हां जो मेरे वल्ल वह्य कीता जांदा है। जे मैं अपणे रब्ब दी नाफ़रमानी करां, तां मैनूं इक्क वड्डे दिन दे अज़ाब दा डर है।" आख, "जे अल्लाह चाहुंदा, तां ना मैं तुहानूं एह पढ़ के सुणाउंदा, ते ना ओह तुहानूं इस दी ख़बर दिंदा। मैं इस तों पहिलां तुहाडे विच इक्क उमर गुज़ार चुक्का हां। तां की तुसीं अक़ल तों कम्म नहीं लैंदे?" (15–16)

फिर उस तों वध ज़ालिम कौण है जो अल्लाह उत्ते झूठ घड़े जां उस दियां आयतां नूं झुठलाए? बेशक मुजरिम कदे कामयाब नहीं हुंदे। ते ओह अल्लाह तों सिवा उन्हां दी इबादत करदे हन जो ना उन्हां नूं नुक़सान पहुंचा सकदे हन ना नफ़ा, ते आखदे हन, "एह अल्लाह दे कोल साडे सिफ़ारशी हन।" आख, "की तुसीं अल्लाह नूं उस चीज़ दी ख़बर दिंदे हो जिस नूं ओह ना असमानां विच जाणदा है ना धरती विच?" ओह पाक है! ते उस सभ तों बहुत उच्चा है जो ओह शरीक ठहराउंदे हन। ते सारे लोक इक्को उम्मत सन; फिर उन्हां ने इख़तिलाफ़ कीता। ते जे तेरे रब्ब वल्लों इक्क गल्ल पहिलां तै ना हो चुक्की हुंदी, तां उन्हां दे विचकार उन्हां गल्लां दा फ़ैसला कर दित्ता जांदा जिन्हां विच ओह इख़तिलाफ़ कर रहे हन। ते ओह आखदे हन, "इस उत्ते इस दे रब्ब वल्लों कोई निशानी क्यों नहीं उतारी गई?" आख, "ग़ैब तां सिरफ़ अल्लाह ही दा है। सो उडीक करो: मैं वी तुहाडे नाल उडीक कर रिहा हां।" ते जदों असीं लोकां नूं किसे तकलीफ़ तों बाद जो उन्हां नूं पहुंची होवे रहमत दा सुआद चखाउंदे हां, तां उसे वेले ओह साडियां निशानियां दे ख़िलाफ़ चालां चल्लण लग्ग पैंदे हन। आख, "अल्लाह चाल विच सभ तों तेज़ है।" बेशक साडे भेजे होए ओह सभ लिख रहे हन जो चालां तुसीं चल्लदे हो। (17–21)

ओही है जो तुहानूं ख़ुशकी ते समुंदर विच चलाउंदा है, इत्थों तक्क कि जदों तुसीं किश्तियां विच हुंदे हो ते ओह चंगी हवा दे नाल उन्हां नूं लै के चल्लदियां हन, ते ओह उस उत्ते ख़ुश हुंदे हन, तां अचानक उन्हां उत्ते तेज़ आंधी आ जांदी है, ते हर पासों उन्हां उत्ते लहिरां चढ़ आउंदियां हन, ते ओह समझ लैंदे हन कि ओह घिर गए। तद ओह अल्लाह नूं पुकारदे हन, दीन नूं उसे लई ख़ालिस करके: "जे तूं सानूं इस तों बचा लिया, तां असीं ज़रूर शुकर करन वालियां विचों होवांगे।" फिर जदों ओह उन्हां नूं बचा लैंदा है, तां उसे वेले ओह धरती विच नाहक़ सरकशी करन लग्ग पैंदे हन। ऐ लोको, तुहाडी सरकशी तुहाडे अपणे ही ख़िलाफ़ है—दुनिया दी ज़िंदगी दा थोड़ा जिहा फ़ायदा; फिर साडे ही वल्ल तुहाडा मुड़ना है, फिर असीं तुहानूं दस्स दिआंगे जो कुझ तुसीं करदे सी। (22–23)

दुनिया दी ज़िंदगी दी मिसाल तां इउं है: जिवें पाणी जो असां ने असमान तों उतारिया, फिर उस दे नाल धरती दी ओह पैदावार, जिस विचों आदमी ते चौपाए खांदे हन, रल-मिल के घणी उग्गी, इत्थों तक्क कि जदों धरती ने अपणा शिंगार कर लिया ते सज गई, ते उस दे मालिकां ने समझिया कि हुण ओह उस उत्ते क़ाबू रक्खदे हन, तां रात नूं जां दिन नूं उस उत्ते साडा हुक्म आ गिया, ते असां ने उस नूं कट्टी होई खेती वरगा कर दित्ता, जिवें कल्ह उत्थे कुझ सी ही नहीं। इसे तरां असीं सोच-विचार करन वाले लोकां लई निशानियां खोल्ह-खोल्ह के बिआन करदे हां। (24)

ते अल्लाह सलामती दे घर वल्ल बुलाउंदा है, ते जिस नूं चाहुंदा है सिद्धे राह दी हिदायत दिंदा है। जिन्हां ने नेकी कीती उन्हां लई सभ तों चंगा बदला है, ते उस तों वध वी। उन्हां दे चिहरियां उत्ते ना सियाही छाएगी ना ज़िल्लत। ओही जन्नत वाले हन, ते उस विच ओह सदा रहिणगे। ते जिन्हां ने बुराइयां कमाइयां, तां बुराई दा बदला उसे वरगा है, ते उन्हां उत्ते ज़िल्लत छाई होवेगी। उन्हां नूं अल्लाह तों बचाउण वाला कोई ना होवेगा: जिवें उन्हां दे चिहरियां उत्ते हनेरी रात दे टुकड़े चढ़ा दित्ते गए होण। ओही अग्ग वाले हन, ते उस विच ओह सदा रहिणगे। (25–27)

ते जिस दिन असीं उन्हां सभनां नूं इकट्ठा करांगे, फिर उन्हां नूं आखांगे जिन्हां ने अल्लाह दे शरीक ठहराए सन, “अपणी थां ठहिरे रहो, तुसीं वी ते तुहाडे ठहराए होए शरीक वी।” फिर असीं उन्हां नूं इक्क दूजे तों वक्ख कर दिआंगे, ते उन्हां दे शरीक आखणगे, “तुसीं साडी इबादत तां नहीं करदे सी।” “सो साडे ते तुहाडे विचकार अल्लाह ही गवाह काफ़ी है: असीं तुहाडी इबादत तों बिलकुल बेख़बर सां।” उत्थे हर जान उस नूं परख लवेगी जो उस ने अग्गे भेजिया सी। ते ओह अल्लाह वल्ल मोड़े जाणगे, जो उन्हां दा सच्चा मालिक है, ते जो कुझ ओह घड़दे सन ओह उन्हां तों गुम हो जावेगा। (28–30)

आख, “कौण तुहानूं असमान ते धरती तों रोज़ी दिंदा है? कौण सुणन ते वेखण दी ताक़त दा मालिक है? कौण बेजान विचों जानदार नूं ते जानदार विचों बेजान नूं कढ्ढदा है? ते कौण सारे कम्मां दा इंतज़ाम करदा है?” ओह आखणगे, “अल्लाह।” तां आख, “फिर की तुसीं उस तों सुचेत नहीं हुंदे?” सो एही अल्लाह है, तुहाडा सच्चा रब्ब। फिर सच्च तों बाद गुमराही तों सिवा होर की है? तां तुसीं किधर फेरे जा रहे हो? इसे तरां तेरे रब्ब दी गल्ल उन्हां उत्ते सच्ची साबित हो गई जो नाफ़रमानी करदे हन: कि ओह ईमान नहीं लिआउणगे। आख, “की तुहाडे ठहराए होए शरीकां विच कोई अजिहा है जो पैदाइश दी शुरूआत करे ते फिर उस नूं दुहराए?” आख, “अल्लाह ही पैदाइश दी शुरूआत करदा है ते फिर उस नूं दुहराउंदा है। तां तुसीं किधर बहिकाए जा रहे हो?” आख, “की तुहाडे ठहराए होए शरीकां विच कोई अजिहा है जो सच्च वल्ल राह दिखाए?” आख, “अल्लाह ही सच्च वल्ल राह दिखाउंदा है। तां की ओह जो सच्च वल्ल राह दिखाउंदा है इस दा वध हक़दार है कि उस दी पैरवी कीती जावे, जां ओह जो आप राह नहीं पाउंदा जद तक्क उस नूं राह ना दिखाई जावे? तुहानूं की हो गिया है? तुसीं किहो जिहे फ़ैसले करदे हो?” ते उन्हां विचों बहुते बस गुमान दे पिच्छे चल्लदे

हन; ते गुमान सच्च दे मुक़ाबले विच कुझ वी कम्म नहीं आउंदा। बेशक अल्लाह ख़ूब जाणदा है जो कुझ ओह करदे हन।[13] (31–36)

ते एह क़ुरआन अजिहा नहीं कि अल्लाह तों सिवा कोई होर इस नूं घड़ लए। बल्कि एह उस दी तसदीक़ है जो इस तों पहिलां आइया, ते किताब दी तफ़सील है, जिस विच कोई शक्क नहीं, सारे जहानां दे रब्ब वल्लों। की ओह आखदे हन, "इस ने इस नूं आप घड़ लिया है"? आख, "तां इस वरगी इक्क सूरा लै आओ, ते अल्लाह तों सिवा जिस नूं बुला सकदे हो बुला लओ, जे तुसीं सच्चे हो।" नहीं: बल्कि उन्हां ने उस चीज़ नूं झुठला दित्ता जिस नूं ओह अपणे इल्म दे घेरे विच ना लिआ सके, ते जिस दा अंजाम अजे उन्हां दे साहमणे नहीं आइया। इसे तरां उन्हां तों पहिलां वालियां ने वी सच्च नूं झुठलाइया सी; सो वेख कि ज़ालिमां दा अंजाम की होइया। (37–39)

ते उन्हां विच कुझ अजिहे हन जो इस उत्ते ईमान लिआउंदे हन, ते कुझ अजिहे जो नहीं लिआउंदे; ते तेरा रब्ब फ़साद फैलाउण वालियां नूं ख़ूब जाणदा है। ते जे ओह तैनूं झुठलाउण, तां आख दे, "मेरे लई मेरा अमल है ते तुहाडे लई तुहाडा अमल। तुसीं उस दे ज़िम्मेदार नहीं जो मैं करदा हां, ते ना मैं उस दा ज़िम्मेदार हां जो तुसीं करदे हो।" ते उन्हां विच कुझ अजिहे हन जो तेरी गल्ल कन्न ला के सुणदे हन। पर की तूं बोलियां नूं सुणा सकदा हैं, भावें ओह समझदे वी ना होण? ते उन्हां विच कुझ अजिहे हन जो तेरे वल्ल वेखदे हन। पर की तूं अन्हियां नूं राह दिखा सकदा हैं, भावें ओह वेखदे वी ना होण? बेशक अल्लाह लोकां उत्ते कुझ वी ज़ुलम नहीं करदा; बल्कि लोक आप ही अपणे उत्ते ज़ुलम करदे हन। (40–44)

ते जिस दिन ओह उन्हां नूं इकट्ठा करेगा, तां इउं लग्गेगा जिवें ओह दुनिया विच दिन दी इक्क घड़ी तों वध नहीं ठहिरे सन, ओह इक्क दूजे नूं पछाणदे होणगे। यक़ीनन घाटे विच रहे ओह जिन्हां ने अल्लाह नाल मिलण नूं झुठलाइया ते राह ना पाई। ते भावें असीं तैनूं उस दा कुझ हिस्सा दिखा देईए जिस दा असीं उन्हां नाल वादा कर रहे हां, जां तैनूं पहिलां ही अपणे कोल लै लईए, उन्हां दा मुड़ना साडे ही वल्ल है; फिर अल्लाह उस सभ उत्ते गवाह है जो ओह करदे हन। ते हर उम्मत लई इक्क रसूल है; फिर जदों उन्हां दा रसूल आ जांदा है, तां उन्हां दे विचकार इनसाफ़ नाल फ़ैसला कर दित्ता जांदा है, ते उन्हां उत्ते ज़ुलम नहीं कीता जांदा। ते ओह आखदे हन, "एह वादा कदों पूरा होवेगा, जे तुसीं सच्चे हो?" आख, "मैं तां अपणी जान लई वी ना नुक़सान दा इख़तियार रक्खदा हां ना नफ़े दा, सिवाए उस दे जो अल्लाह चाहे। हर उम्मत लई इक्क मुक़र्रर वक़्त है; जदों उन्हां दा वक़्त आ जांदा है, तां ओह ना इक्क घड़ी पिच्छे रह सकदे हन ना अग्गे वध सकदे हन।" आख, "भला दस्सो तां: जे उस दा अज़ाब तुहाडे उत्ते रात नूं जां दिन नूं आ जावे, तां मुजरिम उस विचों किस चीज़ दी छेती मचाउणगे?" की फिर जदों ओह आ पवेगा, तद तुसीं उस उत्ते ईमान लिआओगे? "हुण—हालांकि

[13] **नास्तिकता दी बुनियाद अटकल (ज़न्न) उत्ते है: इक्क साइंसी, फ़लसफ़ी ते दीनी तफ़सीर**

तुसीं तां इसे दी छेती मचाउंदे सी?" फिर ज़ालिमां नूं आखिया जावेगा, "सदा रहण वाला अज़ाब चक्खो! तुहानूं उस तों सिवा किस चीज़ दा बदला दित्ता जा रिहा है जो तुसीं कमाउंदे सी?" (45–52)

ते ओह तैथों पुच्छदे हन, "की एह सच्च है?" आख, "हां, मेरे रब्ब दी क़सम, एह बिलकुल सच्च है—ते तुसीं बच के निकल नहीं सकदे।" ते जे हर उस जान दे कोल जिस ने ज़ुलम कीता ओह सभ कुझ होवे जो धरती विच है, तां ओह उस नूं फ़िदिए विच दे देवे। ते जदों ओह अज़ाब नूं वेखणगे तां अपणा पछतावा छुपाउणगे; ते उन्हां दे विचकार इनसाफ़ नाल फ़ैसला कर दित्ता जावेगा, ते उन्हां उत्ते ज़ुलम ना कीता जावेगा। सुण लओ, जो कुझ असमानां ते धरती विच है अल्लाह ही दा है। सुण लओ, अल्लाह दा वादा सच्चा है—पर उन्हां विचों बहुते नहीं जाणदे। ओही ज़िंदगी दिंदा है ते ओही मौत दिंदा है, ते उसे वल्ल तुसीं मोड़े जाओगे। (53–56)

ऐ लोको, तुहाडे कोल तुहाडे रब्ब वल्लों नसीहत आ गई है, ते उस दी शिफ़ा जो सीनियां विच है, ते ईमान वालियां लई हिदायत ते रहमत। आख, "अल्लाह दे फ़ज़ल ते उस दी रहमत उत्ते—सो इसे उत्ते उन्हां नूं ख़ुशी मनाउणी चाहीदी है: एह उस सभ तों बिहतर है जो ओह जमा करदे हन।" आख, "भला दस्सो तां: जो रोज़ी अल्लाह ने तुहाडे लई उतारी, फिर तुसीं उस विचों कुझ नूं हराम ते कुझ नूं हलाल ठहरा लिया?" आख, "की अल्लाह ने तुहानूं इजाज़त दित्ती है, जां तुसीं अल्लाह उत्ते झूठ घड़दे हो?" ते जो लोक अल्लाह उत्ते झूठ घड़दे हन उन्हां दा क़ियामत दे दिन बारे की ख़ियाल है? बेशक अल्लाह लोकां उत्ते फ़ज़ल करन वाला है, पर उन्हां विचों बहुते शुकर नहीं करदे। (57–60)

ते तूं जिस हाल विच वी हुंदा हैं, ते क़ुरआन विचों जो कुझ वी पढ़दा हैं, ते तुसीं जो वी कम्म करदे हो, असीं तुहाडे उत्ते गवाह हुंदे हां जदों तुसीं उस विच लग्गे हुंदे हो। ते तेरे रब्ब तों ज़र्रे बराबर वी कोई चीज़ ना धरती विच छुपी है ना असमान विच, ते ना उस तों छोटी ना वड्डी, पर ओह इक्क रौशन किताब विच है। सुण लओ, अल्लाह दे दोस्तां नूं—ना कोई डर होवेगा, ते ना ओह ग़मगीन होणगे: ओह जो ईमान लिआए ते अल्लाह तों सुचेत रहे। उन्हां लई दुनिया दी ज़िंदगी विच वी ख़ुशख़बरी है ते आख़िरत विच वी। अल्लाह दियां गल्लां विच कोई तबदीली नहीं। एही वड्डी कामयाबी है। ते उन्हां दी गल्ल तैनूं ग़मगीन ना करे। बेशक सारी इज़्ज़त ते ताक़त अल्लाह ही दी है: ओही सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। सुण लओ, जो कोई असमानां विच है ते जो कोई धरती विच है सभ अल्लाह ही दा है। ते जो लोक अल्लाह तों सिवा ठहराए होए शरीकां नूं पुकारदे हन ओह किसे चीज़ दे पिच्छे नहीं चल्ल रहे; ओह तां बस गुमान दे पिच्छे चल्लदे हन, ते ओह बस अटकलां ही लाउंदे हन। ओही है जिस ने तुहाडे लई रात बणाई, तां जो तुसीं उस विच सकून पाओ, ते दिन नूं वेखण वाला बणाइया। बेशक इस विच उन्हां लोकां लई निशानियां हन जो सुणदे हन। (61–67)

उन्हां ने आखिया, "अल्लाह ने पुत्तर बणा लिया है।" ओह पाक है! ओह बेनियाज़ है; उसे दा है जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है। तुहाडे कोल इस दी कोई सनद नहीं। की तुसीं अल्लाह बारे ओह गल्ल आखदे हो जो तुसीं नहीं जाणदे? आख, "बेशक जो लोक अल्लाह उत्ते झूठ घड़दे हन ओह कामयाब

नहीं होणगे।" दुनिया विच थोड़ा जिहा फ़ायदा है; फिर साडे ही वल्ल उन्हां दा मुड़ना है; फिर असीं उन्हां नूं सख़्त अज़ाब चखावांगे उन्हां दे सच्च दे इनकार कारन। (68–70)

ते उन्हां नूं नूह दा हाल पढ़ के सुणा, जदों उस ने अपणी क़ौम नूं आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, जे मेरा तुहाडे विच रहणा ते अल्लाह दियां आयतां नाल मेरा नसीहत करना तुहाडे उत्ते भारी है, तां मैं अल्लाह ही उत्ते भरोसा कीता है। सो तुसीं ते तुहाडे ठहराए होए शरीक मिल के अपणा मामला पक्का कर लओ, फिर तुहाडा मामला तुहाडे उत्ते छुपिया ना रहे; फिर मेरे नाल जो करना है कर गुज़रो, ते मैनूं मोहलत ना देओ। "फिर जे तुसीं मूंह मोड़ो, तां मैं तुहाथों कोई बदला नहीं मंगिया। मेरा बदला तां सिरफ़ अल्लाह दे ज़िम्मे है, ते मैनूं हुक्म दित्ता गिया है कि मैं फ़रमांबरदारां विचों होवां।" पर उन्हां ने उस नूं झुठला दित्ता; सो असां ने उस नूं ते उन्हां नूं जो उस दे नाल किश्ती विच सन बचा लिया, ते उन्हां नूं जानशीन बणाइया, ते उन्हां नूं डोब दित्ता जिन्हां ने साडियां आयतां नूं झुठलाइया सी। सो वेख कि उन्हां दा अंजाम की होइया जिन्हां नूं ख़बरदार कीता गिया सी! (71–73)

फिर उस तों बाद असां ने कई रसूल उन्हां दियां क़ौमां वल्ल भेजे, ते ओह उन्हां कोल खुल्हियां दलीलां लै के आए; पर ओह उस उत्ते ईमान लिआउण वाले ना होए जिस नूं ओह पहिलां झुठला चुक्के सन। इसे तरां असीं हद्द तों वधण वालियां दे दिलां उत्ते मोहर ला दिंदे हां। फिर उन्हां तों बाद असां ने मूसा ते हारून नूं अपणियां निशानियां दे नाल फ़िरऔन ते उस दे सरदारां वल्ल भेजिया; पर उन्हां ने घमंड कीता, ते ओह मुजरिम लोक सन। फिर जदों उन्हां कोल साडे वल्लों सच्च आइया, तां उन्हां ने आखिया, "एह तां खुल्हा जादू है।" मूसा ने आखिया, "की तुसीं सच्च बारे एह आखदे हो जदों ओह तुहाडे कोल आ गिया? की एह जादू है? हालांकि जादूगर कामयाब नहीं हुंदे।" उन्हां ने आखिया, "की तूं साडे कोल इस लई आइया हैं कि सानूं उस तों फेर देवें जिस उत्ते असां ने अपणे पिओ-दादियां नूं पाइया, ते धरती विच वडिआई तुहाडे दोहां दी हो जावे? ते असीं तुहाडे दोहां उत्ते कदे ईमान लिआउण वाले नहीं।" ते फ़िरऔन ने आखिया, "मेरे कोल हर माहिर जादूगर नूं लै आओ।" फिर जदों जादूगर आ गए, तां मूसा ने उन्हां नूं आखिया, "सुट्टो जो कुझ तुसीं सुट्टणा है।" फिर जदों उन्हां ने सुट्टिया, तां मूसा ने आखिया, "जो कुझ तुसीं लिआए हो एह जादू है; बेशक अल्लाह इस नूं हुणे बातिल कर देवेगा। बेशक अल्लाह फ़साद फैलाउण वालियां दा कम्म संवरन नहीं दिंदा। "ते अल्लाह अपणे कलिमियां नाल सच्च नूं सच्च कर दिखाउंदा है, भावें मुजरिमां नूं किन्ना ही बुरा लग्गे।" पर मूसा उत्ते कोई ईमान ना लिआइया सिवाए उस दी क़ौम दे कुझ नौजवानां दे, फ़िरऔन ते अपणे सरदारां तों डरदे होए कि किते ओह उन्हां नूं सताउण ना—ते बेशक फ़िरऔन धरती विच सरकश सी, ते बेशक ओह हर हद्द तों लंघ जाण वालियां विचों सी। (74–83)

ते मूसा ने आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, जे तुसीं अल्लाह उत्ते ईमान लिआए हो, तां उसे उत्ते भरोसा रक्खो, जे तुसीं उस दे फ़रमांबरदार हो।" उन्हां ने आखिया, "असां ने अल्लाह ही उत्ते भरोसा कीता। ऐ साडे रब्ब, सानूं ज़ालिम लोकां लई आज़माइश ना बणा, ते अपणी रहमत नाल सानूं सच्च दा इनकार करन वाली क़ौम तों छुटकारा दे।" ते असां ने मूसा ते उस दे भरा वल्ल वह्य कीती: "अपणी क़ौम लई मिसर विच कुझ घर ठहराओ,

ते अपणे घरां नूं इबादत दी थां बणाओ, ते नमाज़ क़ायम करो; ते ईमान वालियां नूं ख़ुशख़बरी दे दे।" ते मूसा ने आखिया, "ऐ साडे रब्ब, तूं फ़िरऔन ते उस दे सरदारां नूं दुनिया दी ज़िंदगी विच शान-शौकत ते माल दित्ते हन, ऐ साडे रब्ब, इस लई कि ओह लोकां नूं तेरे राह तों भटकाउण। ऐ साडे रब्ब, उन्हां दे माल मिटा दे ते उन्हां दे दिल सख़्त कर दे, कि ओह ईमान ना लिआउण जद तक्क दर्दनाक अज़ाब ना वेख लैण।" उस ने आखिया, "तुहाडे दोहां दी दुआ क़बूल कर लई गई। सो तुसीं दोवें डटे रहो, ते उन्हां दे राह उत्ते ना चल्लो जो जाणदे नहीं।" (84–89)

ते असां ने इसराईल दी औलाद नूं समुंदर पार करा दित्ता, तां फ़िरऔन ते उस दे लश्करां ने सरकशी ते दुश्मणी नाल उन्हां दा पिच्छा कीता, इत्थों तक्क कि जदों ओह डुब्बण लग्गा, तां उस ने आखिया, "मैं ईमान लिआइया कि उस तों सिवा कोई माबूद नहीं जिस उत्ते इसराईल दी औलाद ईमान लिआई है, ते मैं फ़रमांबरदारां विचों हां।" "हुण? हालांकि इस तों पहिलां तूं नाफ़रमानी करदा रिहा, ते तूं फ़साद फैलाउण वालियां विचों सी? "सो अज्ज असीं तेरे धड़ नूं बचा लवांगे, तां जो तूं उन्हां लई निशानी बणें जो तेरे बाद आउण।" ते बेशक बहुत सारे लोक साडियां निशानियां तों ग़ाफ़िल हन। ते असां ने इसराईल दी औलाद नूं रहण दी बहुत चंगी थां दित्ती ते उन्हां नूं पाक चीज़ां दी रोज़ी दित्ती। फिर उन्हां ने इख़तिलाफ़ नहीं कीता इत्थों तक्क कि उन्हां कोल इल्म आ गिया। बेशक तेरा रब्ब क़ियामत दे दिन उन्हां दे विचकार उस गल्ल दा फ़ैसला कर देवेगा जिस विच ओह इख़तिलाफ़ करदे सन। (90–93)

सो जे तैनूं उस बारे कोई शक्क होवे जो असां ने तेरे वल्ल उतारिया है, तां उन्हां तों पुच्छ लै जो तैथों पहिलां तों किताब पढ़दे आ रहे हन। बेशक तेरे कोल तेरे रब्ब वल्लों सच्च आ चुक्का है, सो तूं शक्क करन वालियां विचों ना होईं। ते तूं उन्हां विचों वी ना होईं जिन्हां ने अल्लाह दियां आयतां नूं झुठलाइया, नहीं तां तूं घाटा खाण वालियां विचों हो जावेंगा। बेशक जिन्हां उत्ते तेरे रब्ब दी गल्ल सच्ची साबित हो चुक्की है ओह ईमान नहीं लिआउणगे, भावें उन्हां कोल हर निशानी आ जावे, जद तक्क ओह दर्दनाक अज़ाब ना वेख लैण। तां कोई इक्क बस्ती वी अजिही क्यों ना होई कि ईमान लै आउंदी ते उस दा ईमान उस नूं नफ़ा दिंदा—सिवाए यूनुस दी क़ौम दे: जदों ओह ईमान लै आए, तां असां ने दुनिया दी ज़िंदगी विच उन्हां तों रुसवाई दा अज़ाब हटा दित्ता ते उन्हां नूं इक्क वक़्त तक्क फ़ायदा उठाउण दित्ता। ते जे तेरा रब्ब चाहुंदा, तां जिन्ने लोक धरती विच हन सभ दे सभ ईमान लै आउंदे। तां की तूं लोकां नूं मजबूर करेंगा इत्थों तक्क कि ओह ईमान वाले बण जाण? ते किसे जान लई मुमकिन नहीं कि ओह अल्लाह दे हुक्म तों बिनां ईमान लिआवे; ते ओह उन्हां उत्ते पलीती पा दिंदा है जो अक़ल तों कम्म नहीं लैंदे। आख, "वेखो तां सही कि असमानां ते धरती विच की कुझ है।" पर निशानियां ते चेतावनियां उन्हां लोकां दे कुझ कम्म नहीं आउंदियां जो ईमान नहीं लिआउंदे। तां ओह उन्हां लोकां दे दिनां वरगे दिनां तों सिवा किस चीज़ दी उडीक कर रहे हन जो उन्हां तों पहिलां गुज़र चुक्के हन? आख, "तां उडीक करो—मैं वी तुहाडे नाल उडीक कर रिहा हां।" फिर असीं अपणे रसूलां नूं ते उन्हां नूं जो ईमान लिआए बचा लैंदे हां। इसे तरां साडे ज़िम्मे है: असीं ईमान वालियां नूं बचा लैंदे हां। (94–103)

आख, “ऐ लोको, जे तुसीं मेरे दीन बारे किसे शक्क विच हो, तां जाण लओ कि मैं उन्हां दी इबादत नहीं करदा जिन्हां दी तुसीं अल्लाह तों सिवा इबादत करदे हो; बल्कि मैं उस अल्लाह दी इबादत करदा हां, जो तुहाडियां जानां क़बज़ करदा है, ते मैनूं हुक्म दित्ता गिया है कि मैं ईमान वालियां विचों होवां, ते एह कि अपणा रुख़ ख़ालिस ईमान वाला हो के इस दीन वल्ल रक्ख, ते हरगिज़ अल्लाह दे शरीक ठहराउण वालियां विचों ना होईं।” ते अल्लाह तों सिवा उस नूं ना पुकार जो ना तैनूं नफ़ा दे सकदा है ना नुक़सान; जे तूं अजिहा कीता, तां तूं उसे वेले ज़ालिमां विचों हो जावेंगा। ते जे अल्लाह तैनूं कोई तकलीफ़ पहुंचाए, तां उस तों सिवा उस नूं कोई दूर करन वाला नहीं; ते जे ओह तेरे लई भलाई दा इरादा करे, तां उस दे फ़ज़ल नूं कोई फेरन वाला नहीं। ओह अपणे बंदियां विचों जिस नूं चाहुंदा है उस नूं नवाज़दा है। ते ओही बड़ा बख़्शाण वाला, सदा रहम करन वाला है। आख, “ऐ लोको, तुहाडे कोल तुहाडे रब्ब वल्लों सच्च आ चुक्का है। सो जो राह पाउंदा है ओह अपणे ही भले लई राह पाउंदा है, ते जो भटकदा है ओह अपणे ही नुक़सान लई भटकदा है। ते मैं तुहाडे उत्ते कोई निगहबान नहीं।” ते उस दी पैरवी कर जो तेरे वल्ल वह्य कीता जांदा है, ते सब्र कर इत्थों तक्क कि अल्लाह फ़ैसला कर देवे: ते ओह सभ तों बिहतर फ़ैसला करन वाला है। (104–109)

11. हूद (हूद)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

अलिफ़ लाम रा। एह इक्क किताब है जिस दियां आयतां ते निशानियां पक्कियां कीतियां गइयां ते फिर खोल्ह-खोल्ह के बिआन कीतियां गइयां, उस दे वल्लों जो हिकमत वाला, पूरी ख़बर रक्खण वाला है: कि तुसीं अल्लाह तों सिवा किसे दी इबादत ना करो। आख, "मैं उस दे वल्लों तुहाडे लई ख़बरदार करन वाला ते ख़ुशख़बरी देण वाला हां; ते एह कि तुसीं अपणे रब्ब तों बख़शिश मंगो फिर उस दे अग्गे तौबा करो। ओह तुहानूं इक्क मुक़र्रर मुद्दत तक्क चंगा सामान देवेगा, ते हर फ़ज़ल दे हक़दार नूं अपणा फ़ज़ल देवेगा। पर जे तुसीं मूंह मोड़ो, तां मैनूं तुहाडे उत्ते इक्क वड्डे दिन दे अज़ाब दा डर है। अल्लाह ही वल्ल तुहाडा मुड़ना है, ते ओह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है।" (1–4)

वेखो, ओह अपणे सीने किवें मोड़दे हन तां जो उस तों छुप जाण! सुण लओ, जदों ओह अपणे कपड़े ओढदे हन, तद वी ओह जाणदा है जो कुझ ओह छुपाउंदे हन ते जो कुझ ज़ाहिर करदे हन। बेशक ओह सीनियां दी गल्ल ख़ूब जाणदा है। ते धरती उत्ते चल्लण वाला कोई जानदार नहीं पर उस दी रोज़ी अल्लाह दे ज़िम्मे है; ते ओह उस दे ठहिरन दी थां ते उस दे सौंपे जाण दी थां जाणदा है। सभ कुझ इक्क रौशन किताब विच है। ते ओही है जिस ने असमानां ते धरती नूं छे जुगां विच पैदा कीता—ते उस दा अर्श पाणी उत्ते सी—तां जो तुहानूं आज़माए कि तुहाडे विचों कौण अमल विच सभ तों चंगा है। ते जे तूं आखें, "तुसीं मौत तों बाद उठाए जाओगे," तां सच्च दे इनकारी ज़रूर आखणगे, "एह तां खुल्हे जादू तों सिवा कुझ नहीं।" ते जे असीं उन्हां तों अज़ाब नूं इक्क गिणी होई मुद्दत तक्क टाल देईए, तां ओह ज़रूर आखणगे, "इस नूं किस चीज़ ने रोक रक्खिया है?" सुण लओ, जिस दिन ओह उन्हां उत्ते आ जावेगा, तां उन्हां तों टालिया ना जावेगा, ते ओही चीज़ उन्हां नूं घेर लवेगी जिस दा ओह मख़ौल उडाउंदे सन। ते जे असीं इनसान नूं अपणे वल्लों रहमत दा सुआद चखाईए ते फिर उस नूं उस तों खोह लईए, तां ओह बिलकुल ना-उम्मीद ते नाशुकरा हो जांदा है। ते जे असीं उस नूं किसे तकलीफ़ तों बाद जो उस नूं पहुंची होवे नेमत दा सुआद चखाईए, तां ओह ज़रूर आखदा है, "बुराइयां मैथों दूर हो गइयां," ते ओह इतराउण वाला, शेख़ी मारन वाला बण जांदा है—सिवाए उन्हां दे जिन्हां ने सब्र कीता ते नेक कम्म कीते: उन्हां लई बख़शिश ते वड्डा अजर है। (5–11)

तां ऐ नबी, शायद तूं उस दा कुझ हिस्सा छड्ड देण वाला हैं जो तेरे वल्ल वह्य कीता जांदा है, ते इस कारन तेरा सीना तंग हुंदा है, कि ओह आखदे हन, "इस उत्ते कोई ख़ज़ाना क्यों नहीं उतारिया गिया, जां इस दे नाल कोई फ़रिश्ता क्यों नहीं आइया?" तूं तां बस ख़बरदार करन वाला हैं, ते अल्लाह हर चीज़ उत्ते निगहबान है। की ओह आखदे हन, "इस ने इस नूं आप घड़ लिया है"? आख, "तां इस वरगियां दस घड़ियां होइयां सूरतां लै आओ, ते अल्लाह तों सिवा जिस नूं बुला सकदे हो बुला लओ, जे तुसीं सच्चे हो।" फिर जे ओह तुहाडी गल्ल दा जवाब ना देण, तां जाण लओ कि एह अल्लाह दे इल्म दे नाल उतारिया गिया है, ते एह कि उस तों सिवा कोई माबूद नहीं। तां की हुण तुसीं फ़रमांबरदार हुंदे हो? जो कोई दुनिया दी ज़िंदगी ते उस दी ज़ीनत चाहुंदा

है, असीं उन्हां नूं उन्हां दे अमलां दा बदला इत्थे ही पूरा-पूरा दे दिंदे हां, ते इस विच उन्हां नाल कोई कमी नहीं कीती जांदी। इही हन ओह जिन्हां लई आख़िरत विच अग्ग तों सिवा कुझ नहीं: जो कुझ उन्हां ने इत्थे बणाइया ओह अकारथ हो गिया, ते जो कुझ ओह करदे रहे ओह बातिल है। भला की अजिहा आदमी उस वरगा हो सकदा है जो अपणे रब्ब वल्लों इक्क खुल्ही दलील उत्ते होवे, ते उस दे पिच्छे उस वल्लों इक्क गवाह वी आवे, ते इस तों पहिलां मूसा दी किताब राह दिखाउण वाली ते रहमत बण के मौजूद होवे? अजिहे लोक इस उत्ते ईमान लिआउंदे हन; ते गिरोहां विचों जो कोई इस दा इनकार करे, तां अग्ग उस दे वादे दी थां है। सो तूं इस बारे किसे शक्क विच ना पवीं: बेशक एह तेरे रब्ब वल्लों सच्च है, पर बहुते लोक ईमान नहीं लिआउंदे। (12–17)

ते उस तों वध ज़ालिम कौण है जो अल्लाह उत्ते झूठ घड़े? अजिहे लोक अपणे रब्ब दे साहमणे पेश कीते जाणगे, ते गवाह आखणगे, "इही हन ओह जिन्हां ने अपणे रब्ब उत्ते झूठ बोलिया सी।" सुण लओ, ज़ालिमां उत्ते अल्लाह दी लानत है, जो होरां नूं अल्लाह दे राह तों रोकदे हन ते उस विच टेढ ढूंढदे हन, ते जो आख़िरत दे इनकारी हन। एह लोक धरती विच अल्लाह नूं आजिज़ नहीं कर सकदे, ते ना अल्लाह तों सिवा उन्हां दे कोई हिमायती हन। उन्हां लई अज़ाब दूणा कीता जावेगा: ओह ना सुण सकदे सन, ते ना वेखदे सन। इही हन ओह जिन्हां ने अपणे आप नूं घाटे विच पा लिया, ते जो कुझ ओह घड़दे सन ओह उन्हां तों गुम हो गिया। बेशक आख़िरत विच इही सभ तों वध घाटा खाण वाले होणगे। बेशक जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते ते अपणे रब्ब अग्गे आजिज़ी कीती—ओही जन्नत वाले हन, ते उस विच ओह सदा रहिणगे। इन्हां दोहां गिरोहां दी मिसाल इउं है जिवें इक्क अन्हा ते बोला होवे ते दूजा वेखण वाला ते सुणन वाला: की दोवें मिसाल विच बराबर हो सकदे हन? तां की तुसीं नसीहत नहीं फड़दे? (18–24)

ते असां ने नूह नूं उस दी क़ौम वल्ल भेजिया ते उस ने आखिया, "मैं तुहाडे लई खुल्हा ख़बरदार करन वाला हां: कि अल्लाह तों सिवा किसे दी इबादत ना करो। मैनूं तुहाडे उत्ते इक्क दर्दनाक दिन दे अज़ाब दा डर है।" तां उस दी क़ौम दे उन्हां सरदारां ने जो सच्च दे इनकारी सन आखिया, "असीं तां तैनूं अपणे वरगा इक्क इनसान ही वेखदे हां, ते असीं वेखदे हां कि तेरे पिच्छे बस ओही लोक चल्ले हन जो साडे विच सभ तों घटिया हन, ते ओह वी बिनां सोचे-समझे। ते असीं तुहाडे विच अपणे उत्ते कोई वडिआई नहीं वेखदे; बल्कि असीं तां तुहानूं झूठे समझदे हां।" उस ने आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, भला दस्सो तां: जे मैं अपणे रब्ब वल्लों इक्क खुल्ही दलील उत्ते होवां, ते उस ने मैनूं अपणे कोलों रहमत दित्ती होवे जो तुहाडियां अक्खां तों छुपी रह गई, तां की असीं उस नूं तुहाडे उत्ते ज़बरदस्ती चिपका देईए जदों कि तुसीं उस नूं नापसंद करदे हो? ते ऐ मेरी क़ौम, मैं इस उत्ते तुहाथों कोई माल नहीं मंगदा: मेरा बदला तां सिरफ़ अल्लाह दे ज़िम्मे है। ते मैं उन्हां नूं दूर करन वाला नहीं जो ईमान लिआए हन—ओह अपणे रब्ब नूं मिलण वाले हन—पर मैं तुहानूं वेखदा हां कि तुसीं जाहिलां वाले कम्म करदे हो। ते ऐ मेरी क़ौम, जे मैं उन्हां नूं दूर कर दिआं तां अल्लाह दे मुक़ाबले विच मेरी कौण मदद करेगा? तां की तुसीं नसीहत नहीं फड़दे? ते मैं तुहानूं एह नहीं आखदा कि मेरे कोल अल्लाह दे ख़ज़ाने हन, ते ना एह कि मैं ग़ैब जाणदा हां, ते ना मैं एह आखदा हां कि मैं फ़रिश्ता हां; ते ना मैं उन्हां बारे

जिन्हां नूं तुहाडियां अक्खां हक़ीर समझदियां हन एह आखदा हां कि अल्लाह उन्हां नूं कदे कोई भलाई ना देवेगा—अल्लाह ख़ूब जाणदा है जो कुझ उन्हां दे दिलां विच है। जे मैं अजिहा आखां, तां मैं यक़ीनन ज़ालिमां विचों होवांगा।" उन्हां ने आखिया, "ऐ नूह, तूं साडे नाल झगड़ा कीता ते बहुत झगड़ा कर लिया। हुण लै आ साडे उत्ते ओह चीज़ जिस दी तूं सानूं धमकी दिंदा हैं, जे तूं सच्चा हैं।" उस ने आखिया, "उस नूं तां अल्लाह ही तुहाडे उत्ते लिआवेगा, जे ओह चाहेगा, ते तुसीं उस नूं आजिज़ ना कर सकोगे। ते मेरी नसीहत तुहानूं कोई नफ़ा ना देवेगी, भावें मैं तुहाडा किन्ना ही भला चाहां, जे अल्लाह तुहानूं भटकण देणा चाहुंदा होवे। ओही तुहाडा रब्ब है, ते उसे वल्ल तुसीं मोड़े जाओगे।" (25–34)

की ओह आखदे हन, "इस ने इस नूं आप घड़ लिया है"? आख, "जे मैं इस नूं घड़िया है, तां मेरा जुरम मेरे ही उत्ते है; ते मैं उन्हां जुरमां तों बरी हां जो तुसीं करदे हो।" (35)

ते नूह वल्ल वह्य कीती गई: "तेरी क़ौम विचों हुण कोई ईमान ना लिआवेगा सिवाए उन्हां दे जो ईमान लै आए हन, सो तूं उस उत्ते ग़म ना कर जो ओह करदे रहे हन। ते साडियां अक्खां दे साहमणे ते साडी वह्य दे मुताबिक़ किश्ती बणा, ते उन्हां बारे मेरे नाल गल्ल ना करीं जिन्हां ने ज़ुलम कीता है: ओह डोबे जाण वाले हन।" सो ओह किश्ती बणाउण लग्गा, ते जदों वी उस दी क़ौम दे सरदार उस दे कोलों लंघदे तां उस दा मख़ौल उडाउंदे। उस ने आखिया, "जे तुसीं साडा मख़ौल उडाउंदे हो, तां असीं वी तुहाडा मख़ौल उसे तरां उडावांगे जिवें तुसीं उडाउंदे हो, ते जलदी ही तुसीं जाण लओगे कि किस उत्ते ओह अज़ाब आउंदा है जो उस नूं रुसवा कर देवेगा, ते किस उत्ते सदा रहण वाला अज़ाब उतरदा है।" इत्थों तक्क कि जदों साडा हुक्म आ गिया ते तंदूर उबल पिया, तां असां ने आखिया, "इस विच हर किसम विचों दो-दो दा जोड़ा चढ़ा लै, ते अपणे घर वालियां नूं वी—सिवाए उन्हां दे जिन्हां बारे पहिलां ही गल्ल तै हो चुक्की है—ते उन्हां नूं वी जो ईमान लिआए हन।" ते उस दे नाल थोड़े ही लोक ईमान लिआए सन। ते उस ने आखिया, "इस विच सवार हो जाओ! अल्लाह दे नाम नाल ही इस दा चल्लणा ते इस दा ठहिरना है। बेशक मेरा रब्ब बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है।" ते ओह उन्हां नूं लै के पहाड़ां वरगियां लहिरां विच चल्लण लग्गी। ते नूह ने अपणे पुत्तर नूं पुकारिया, जो वक्ख सी, "ऐ मेरे पुत्तर, साडे नाल सवार हो जा, ते सच्च दे इनकारियां दे नाल ना रह!" उस ने आखिया, "मैं किसे पहाड़ उत्ते पनाह लै लवांगा जो मैनूं पाणी तों बचा लवेगा।" नूह ने आखिया, "अज्ज अल्लाह दे हुक्म तों कोई बचाउण वाला नहीं, सिवाए उस दे जिस उत्ते ओह रहम करे।" ते दोहां दे विचकार लहिर आ गई, ते ओह डुब्बण वालियां विचों हो गिया। ते आखिया गिया, "ऐ धरती, अपणा पाणी निगल जा! ते ऐ असमान, थंम जा!" ते पाणी उतर गिया, ते कम्म तमाम कर दित्ता गिया, ते किश्ती जूदी उत्ते जा टिकी। ते आख दित्ता गिया, "दूर होण ज़ालिम लोक!" ते नूह ने अपणे रब्ब नूं पुकारिया ते आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मेरा पुत्तर मेरे घर वालियां विचों है, ते बेशक तेरा वादा सच्चा है, ते तूं सभ हाकमां तों वध इनसाफ़ करन वाला हाकम है।" उस ने आखिया, "ऐ नूह, ओह तेरे घर वालियां विचों नहीं: उस दा कम्म नेक ना सी। सो मैथों उस चीज़ बारे ना पुच्छ जिस दा तैनूं कोई इल्म नहीं। मैं तैनूं नसीहत करदा हां, कि किते तूं नादानां विचों ना हो जावें।" उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मैं इस तों तेरी पनाह मंगदा हां कि तैथों उस चीज़ बारे पुच्छां जिस दा मैनूं कोई इल्म

नहीं। ते जे तूं मैनूं ना बख़्शिया ते मेरे उत्ते रहम ना कीता, तां मैं घाटा खाण वालियां विचों हो जावांगा।" आखिया गिया, "ऐ नूह, साडे वल्लों सलामती दे नाल उतर जा, ते उन्हां बरकतां दे नाल जो तेरे उत्ते ते उन्हां उम्मतां उत्ते हन जो उन्हां तों होणगियां जो तेरे नाल हन। ते कुझ उम्मतां अजिहियां वी होणगियां जिन्हां नूं असीं कुझ देर फ़ायदा उठाउण दिआंगे, फिर उन्हां नूं साडे वल्लों दर्दनाक अज़ाब आ लग्गेगा।" ऐ नबी, एह ग़ैब दियां ख़बरां विचों हन जो असीं तेरे वल्ल वह्य करदे हां: इस तों पहिलां ना तूं इन्हां नूं जाणदा सी ना तेरी क़ौम। सो सब्र कर: बेशक आख़िरी अंजाम उन्हां ही दा है जो अल्लाह तों सुचेत रहिंदे हन। (36–49)

ते आद वल्ल असां ने उन्हां दे भरा हूद नूं भेजिया। उस ने आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, अल्लाह दी इबादत करो; उस तों सिवा तुहाडा कोई माबूद नहीं। तुसीं तां बस झूठ घड़न वाले हो। ऐ मेरी क़ौम, मैं इस उत्ते तुहाथों कोई बदला नहीं मंगदा: मेरा बदला तां सिरफ़ उस दे ज़िम्मे है जिस ने मैनूं पैदा कीता। तां की तुसीं अक़ल तों कम्म नहीं लैंदे? ते ऐ मेरी क़ौम, अपणे रब्ब तों बख़शिश मंगो, फिर उस दे अग्गे तौबा करो: ओह तुहाडे उत्ते असमान तों मूसलाधार मींह वसावेगा, ते तुहाडी ताक़त उत्ते होर ताक़त वधावेगा। सो मुजरिम बण के मूंह ना मोड़ो।" उन्हां ने आखिया, "ऐ हूद, तूं साडे कोल कोई खुल्ही दलील नहीं लिआइया। ते असीं तेरे आखण उत्ते अपणे माबूदां नूं छड्डण वाले नहीं, ते ना असीं तेरे उत्ते ईमान लिआउण वाले हां। असीं तां बस एही आखदे हां कि साडे माबूदां विचों किसे ने तेरे उत्ते कोई बुरी मार पा दित्ती है।" उस ने आखिया, "मैं अल्लाह नूं गवाह बणाउंदा हां—ते तुसीं वी गवाह रहो—कि मैं उन्हां तों बरी हां जिन्हां नूं तुसीं उस दे सिवा उस दे नाल शरीक ठहराउंदे हो। सो तुसीं सारे मिल के मेरे ख़िलाफ़ चाल चल्ल लओ, ते मैनूं कोई मोहलत ना देओ। मैं अल्लाह उत्ते भरोसा कीता है, जो मेरा रब्ब है ते तुहाडा रब्ब वी। कोई चल्लण वाला जानदार नहीं पर उस ने उस नूं उस दी पेशानी दे वालां तों फड़िया होइया है। बेशक मेरा रब्ब सिद्धे राह उत्ते है। फिर जे तुसीं मूंह मोड़ो, तां मैं तुहानूं ओह पहुंचा चुक्का हां जिस दे नाल मैनूं तुहाडे वल्ल भेजिया गिया सी; ते मेरा रब्ब तुहाडी थां किसे होर क़ौम नूं लै आवेगा, ते तुसीं उस दा कुझ वी ना विगाड़ सकोगे। बेशक मेरा रब्ब हर चीज़ उत्ते निगहबान है।" ते जदों साडा हुक्म आ गिया, तां असां ने हूद नूं ते उन्हां नूं जो उस दे नाल ईमान लिआए सन अपणी रहमत नाल बचा लिया, ते असां ने उन्हां नूं इक्क सख़्त अज़ाब तों बचा लिया। ते एह सन आद: उन्हां ने अपणे रब्ब दियां आयतां दा इनकार कीता, उस दे रसूलां दी नाफ़रमानी कीती, ते हर ज़िद्दी सरकश दे हुक्म दे पिच्छे चल्ले। ते इस दुनिया विच वी लानत उन्हां दे पिच्छे ला दित्ती गई ते क़ियामत दे दिन वी। सुण लओ, आद ने अपणे रब्ब दा इनकार कीता: सो दूर होण आद, हूद दी क़ौम! (50–60)

ते समूद वल्ल असां ने उन्हां दे भरा सालेह नूं भेजिया। उस ने आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, अल्लाह दी इबादत करो; उस तों सिवा तुहाडा कोई माबूद नहीं। उसे ने तुहानूं धरती तों पैदा कीता ते उस विच तुहानूं वसाइया, सो उस तों बख़शिश मंगो फिर उस दे अग्गे तौबा करो। बेशक मेरा रब्ब नेड़े है, ते दुआ क़बूल करन वाला है।" उन्हां ने आखिया, "ऐ सालेह, इस तों पहिलां तूं साडे विच अजिहा सी जिस तों सानूं वड्डियां उम्मीदां सन। की तूं सानूं उन्हां दी इबादत तों रोकदा हैं जिन्हां दी साडे पिओ-दादे इबादत करदे सन? ते जिस चीज़ वल्ल तूं सानूं बुलाउंदा हैं उस बारे असीं डूंघे शक्क विच हां।" उस ने आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, भला दस्सो तां: जे मैं

अपणे रब्ब वल्लों इक्क खुल्ही दलील उत्ते होवां, ते उस ने मैनूं अपणे कोलों रहमत दित्ती होवे, तां जे मैं उस दी नाफ़रमानी करां तां अल्लाह दे मुक़ाबले विच मेरी कौण मदद करेगा? तुसीं तां बस मेरा घाटा ही वधाओगे। ते ऐ मेरी क़ौम, एह अल्लाह दी ऊठणी है, तुहाडे लई इक्क निशानी। सो इस नूं छड्ड देओ कि अल्लाह दी धरती विच चरदी फिरे, ते इस नूं किसे बुराई नाल हत्थ ना लाउणा, नहीं तां तुहानूं बहुत नेड़े दा अज़ाब आ फड़ेगा।" पर उन्हां ने उस दियां कूंचां कट्ट दित्तियां। तां उस ने आखिया, "अपणे घरां विच तिन्न दिन होर फ़ायदा उठा लओ: एह अजिहा वादा है जो झूठा ना होवेगा।" फिर जदों साडा हुक्म आ गिया, तां असां ने सालेह नूं ते उन्हां नूं जो उस दे नाल ईमान लिआए सन अपणी रहमत नाल बचा लिया, ते उस दिन दी रुसवाई तों वी। बेशक तेरा रब्ब ही ताक़तवर, ज़बरदस्त है। ते जिन्हां ने ज़ुलम कीता सी उन्हां नूं कड़क ने आ फड़िया, ते ओह अपणे घरां विच मूधे मूंह पए रह गए, जिवें ओह उत्थे कदे वसे ही नहीं सन। सुण लओ, समूद ने अपणे रब्ब दा इनकार कीता: सो दूर होण समूद! (61–68)

ते साडे भेजे होए इबराहीम कोल ख़ुशख़बरी लै के आए। उन्हां ने आखिया, "सलाम।" उस ने आखिया, "सलाम," ते देर ना लाई कि इक्क भुन्निया होइया वच्छा लै आइया। पर जदों उस ने वेखिया कि उन्हां दे हत्थ उस वल्ल नहीं वधदे, तां उस ने उन्हां नूं ओपरा समझिया ते दिल विच उन्हां तों डर महिसूस कीता। उन्हां ने आखिया, "डर ना: असीं लूत दी क़ौम वल्ल भेजे गए हां।" ते उस दी पतनी कोल ही खड़ी सी, सो ओह हस्स पई। तां असां ने उस नूं इसहाक़ दी ख़ुशख़बरी दित्ती, ते इसहाक़ तों बाद याक़ूब दी। उस ने आखिया, "हाए मेरी कंबख़्ती! की मैं बच्चा जणांगी, जदों कि मैं बुड्ढी औरत हां ते एह मेरा पती वी बुड्ढा है? एह तां सच्चमुच बड़ी अजीब गल्ल है!" उन्हां ने आखिया, "की तूं अल्लाह दे हुक्म उत्ते हैरान हुंदी हैं? ऐ इस घर वालियो, तुहाडे उत्ते अल्लाह दी रहमत ते उस दियां बरकतां होण! बेशक ओह तारीफ़ दे लायक़, बड़ी शान वाला है।" फिर जदों इबराहीम तों डर दूर हो गिया ते उस कोल ख़ुशख़बरी आ गई, तां ओह लूत दी क़ौम बारे साडे नाल झगड़न लग्गा। बेशक इबराहीम बड़ा बुर्दबार, नरम-दिल, अल्लाह वल्ल मुड़न वाला सी। "ऐ इबराहीम, इस गल्ल नूं छड्ड दे! तेरे रब्ब दा हुक्म आ चुक्का है, ते उन्हां उत्ते ओह अज़ाब आउण वाला है जो टालिया नहीं जा सकदा।" (69–76)

ते जदों साडे भेजे होए लूत कोल आए, तां ओह उन्हां कारन परेशान होइया ते उन्हां नूं बचाउण तों अपणे आप नूं बेबस पाइया, ते आखिया, "एह बड़ा सख़्त दिन है।" ते उस दी क़ौम दे लोक दौड़दे होए उस दे कोल आए, ते ओह पहिलां तों ही बुरे कम्म करदे आ रहे सन। उस ने आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, एह मेरियां धीआं हन: एह तुहाडे लई वध पाक हन। सो अल्लाह तों सुचेत रहो, ते मेरे मिहमानां दे साहमणे मैनूं रुसवा ना करो। की तुहाडे विच कोई इक्क वी भला आदमी नहीं?" उन्हां ने आखिया, "तैनूं ख़ूब पता है कि तेरियां धीआं उत्ते साडा कोई हक़ नहीं, ते तूं ख़ूब जाणदा हैं कि असीं की चाहुंदे हां।" उस ने आखिया, "काश मेरे कोल तुहाडे मुक़ाबले दी ताक़त हुंदी, जां मैं किसे मज़बूत सहारे दी पनाह लै सकदा!" उन्हां ने आखिया, "ऐ लूत, असीं तेरे रब्ब दे भेजे होए हां: एह तेरे तक्क हरगिज़ ना पहुंच सकणगे। सो तूं रात दे किसे हिस्से विच अपणे घर वालियां नूं लै के निकल जा, ते तुहाडे विचों कोई पिच्छे मुड़ के ना वेखे—सिवाए तेरी पतनी दे: उस उत्ते वी

ओही कुझ आउण वाला है जो उन्हां उत्ते आवेगा। उन्हां दा वादे दा वक़्त सवेर है। की सवेर नेड़े नहीं?" फिर जदों साडा हुक्म आ गिया, तां असां ने उस बस्ती नूं उलट-पुलट कर दित्ता ते उस उत्ते पक्की होई मिट्टी दे पत्थर तह-दर-तह वसाए, जो तेरे रब्ब दे कोल निशान लाए होए सन। ते ओह ज़ालिमां तों कुझ दूर नहीं। (77–83)

ते मदयन वल्ल असां ने उन्हां दे भरा शुऐब नूं भेजिया। उस ने आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, अल्लाह दी इबादत करो; उस तों सिवा तुहाडा कोई माबूद नहीं। ते नाप ते तोल विच कमी ना करो। मैं तुहानूं ख़ुशहाल वेखदा हां, पर मैनूं तुहाडे उत्ते इक्क घेर लैण वाले दिन दे अज़ाब दा डर है। ते ऐ मेरी क़ौम, नाप ते तोल इनसाफ़ नाल पूरा करो; लोकां नूं उन्हां दियां चीज़ां घटा के ना देओ, ते धरती विच फ़साद फैलाउंदे ना फिरो। जो कुझ अल्लाह दे कोल बाक़ी रहिंदा है ओह तुहाडे लई बिहतर है, जे तुसीं ईमान वाले हो। ते मैं तुहाडे उत्ते कोई निगहबान नहीं।" उन्हां ने आखिया, "ऐ शुऐब, की तेरी नमाज़ तैनूं एह हुक्म दिंदी है कि असीं उन्हां नूं छड्ड देईए जिन्हां दी साडे पिओ-दादे इबादत करदे सन, जां एह कि असीं अपणे मालां विच जो चाहीए ना करीए? तूं ही तां बड़ा बुर्दबार, भला आदमी रह गिया हैं!" उस ने आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, भला दस्सो तां: जे मैं अपणे रब्ब वल्लों इक्क खुल्ही दलील उत्ते होवां, ते उस ने मैनूं अपणे कोलों चंगी रोज़ी दित्ती होवे—ते मैं नहीं चाहुंदा कि तुहाडे पिच्छों आप ओही कम्म करां जिस तों तुहानूं रोकदा हां। मैं तां जित्थों तक्क मैथों हो सके सुधार ही चाहुंदा हां, ते मेरी कामयाबी तां सिरफ़ अल्लाह ही दे हत्थ है। उसे उत्ते मैं भरोसा कीता है, ते उसे वल्ल मैं मुड़दा हां। ते ऐ मेरी क़ौम, मेरे नाल तुहाडी ज़िद्द किते तुहाडे उत्ते उहो जिहा ना लै आवे जिहा नूह दी क़ौम, जां हूद दी क़ौम, जां सालेह दी क़ौम उत्ते आइया सी—ते लूत दी क़ौम तां तुहाथों कुझ दूर वी नहीं। ते अपणे रब्ब तों बख़शिश मंगो, फिर उस दे अग्गे तौबा करो। बेशक मेरा रब्ब सदा रहम करन वाला, बड़ी मुहब्बत करन वाला है।" (84–90)

उन्हां ने आखिया, "ऐ शुऐब, जो कुझ तूं आखदा हैं उस विचों बहुत कुझ साडी समझ विच नहीं आउंदा, ते असीं तैनूं अपणे विच कमज़ोर वेखदे हां। ते जे तेरा क़बीला ना हुंदा, तां असीं तैनूं पत्थर मार-मार के मार दिंदे; ते तेरा साडे उत्ते कोई ज़ोर नहीं।" उस ने आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, की मेरा क़बीला तुहाडे उत्ते अल्लाह तों वध भारी है, कि तुसीं उस नूं पिट्ठ पिच्छे सुट्ट दित्ता? बेशक जो कुझ तुसीं करदे हो मेरा रब्ब उस सभ नूं घेरे होए है। ते ऐ मेरी क़ौम, तुसीं अपणी थां कम्म करदे रहो; मैं वी कम्म कर रिहा हां। जलदी ही तुसीं जाण लओगे कि किस उत्ते ओह अज़ाब आउंदा है जो उस नूं रुसवा कर देवेगा, ते कौण झूठा है। ते उडीक करो; मैं वी तुहाडे नाल उडीक कर रिहा हां।" ते जदों साडा हुक्म आ गिया, तां असां ने शुऐब नूं ते उन्हां नूं जो उस दे नाल ईमान लिआए सन अपणी रहमत नाल बचा लिया, ते जिन्हां ने ज़ुलम कीता सी उन्हां नूं कड़क ने आ फड़िया, ते ओह अपणे घरां विच मूधे मूंह पए रह गए, जिवें ओह उत्थे कदे वसे ही नहीं सन। सुण लओ, दूर होण मदयन वाले, जिवें समूद दूर होए! (91–95)

ते बेशक असां ने मूसा नूं अपणियां निशानियां ते खुल्ही सनद दे नाल फ़िरऔन ते उस दे सरदारां वल्ल भेजिया; पर ओह फ़िरऔन दे हुक्म दे पिच्छे चल्ले, हालांकि फ़िरऔन दा हुक्म सही राह वाला ना सी। ओह

क़ियामत दे दिन अपणी क़ौम दे अग्गे-अग्गे होवेगा ते उन्हां नूं अग्ग विच जा उतारेगा—ते किन्ना बुरा घाट है जिस उत्ते ओह उतारे जाणगे! ते इस दुनिया विच वी लानत उन्हां दे पिच्छे ला दित्ती गई ते क़ियामत दे दिन वी: किन्ना बुरा इनाम है जो उन्हां नूं दित्ता गिया! (96–99)

ऐ नबी, एह उन्हां बस्तियां दियां कुझ ख़बरां हन जो असीं तैनूं सुणाउंदे हां: उन्हां विचों कुझ अजे खड़ियां हन, ते कुझ कट्ट के रक्ख दित्तियां गइयां हन। ते असां ने उन्हां उत्ते ज़ुलम नहीं कीता; बल्कि उन्हां ने आप अपणे उत्ते ज़ुलम कीता। सो उन्हां दे ओह माबूद, जिन्हां नूं ओह अल्लाह तों सिवा पुकारदे सन, उन्हां दे कुझ वी कम्म ना आए जदों तेरे रब्ब दा हुक्म आ गिया; ते उन्हां ने उन्हां दी तबाही तों सिवा कुझ ना वधाइया। ते तेरे रब्ब दी पकड़ अजिही ही हुंदी है जदों ओह बस्तियां नूं उन्हां दे ज़ुलम दी हालत विच फड़दा है: बेशक उस दी पकड़ दर्दनाक ते सख़्त है। बेशक इस विच उस लई निशानी है जो आख़िरत दे अज़ाब तों डरे। ओह इक्क अजिहा दिन है जिस विच सारे लोक इकट्ठे कीते जाणगे; ते ओह अजिहा दिन है जिस विच सभ हाज़र होणगे। ते असीं उस नूं बस इक्क गिणी होई मुद्दत तक्क ही टाल रहे हां। जिस दिन ओह आवेगा, कोई जान उस दी इजाज़त तों बिनां गल्ल ना कर सकेगी; फिर उन्हां विचों कोई बदबख़्त होवेगा ते कोई ख़ुशनसीब। सो जो बदबख़्त हन, ओह अग्ग विच होणगे, जित्थे उन्हां दा चीकणा ते धाहां मारना होवेगा, ओह उस विच रहिणगे जद तक्क असमान ते धरती क़ायम हन, सिवाए उस दे जो तेरा रब्ब चाहे: बेशक तेरा रब्ब जो चाहे कर गुज़रदा है। ते जो ख़ुशनसीब हन, ओह जन्नत विच होणगे, ओह उस विच रहिणगे जद तक्क असमान ते धरती क़ायम हन, सिवाए उस दे जो तेरा रब्ब चाहे—अजिही बख़शिश जो कदे ख़तम ना होवेगी। (100–108)

सो तूं उन्हां चीज़ां बारे किसे शक्क विच ना रह जिन्हां दी एह लोक इबादत करदे हन: एह उसे तरां इबादत करदे हन जिवें इन्हां तों पहिलां इन्हां दे पिओ-दादे इबादत करदे सन। ते असीं यक़ीनन उन्हां नूं उन्हां दा हिस्सा पूरा-पूरा दिआंगे, बिनां किसे कमी दे। ते बेशक असां ने मूसा नूं किताब दित्ती, फिर उस विच इख़तिलाफ़ कीता गिया; ते जे तेरे रब्ब वल्लों इक्क गल्ल पहिलां तै ना हो चुक्की हुंदी, तां उन्हां दे विचकार फ़ैसला कर दित्ता जांदा। ते बेशक ओह इस बारे डूंघे शक्क विच हन। ते बेशक तेरा रब्ब उन्हां विचों हर इक्क नूं उन्हां दे अमलां दा पूरा-पूरा बदला देवेगा: बेशक ओह उस सभ तों बाख़बर है जो ओह करदे हन। सो तूं डटिया रह, जिवें तैनूं हुक्म दित्ता गिया है, ते ओह वी जो तेरे नाल अल्लाह वल्ल मुड़े हन, ते हद्द तों ना वधो। बेशक ओह ओह सभ वेख रिहा है जो तुसीं करदे हो। ते उन्हां वल्ल ना झुको जिन्हां ने ज़ुलम कीता, नहीं तां तुहानूं अग्ग आ लग्गेगी; ते अल्लाह तों सिवा तुहाडे कोई हिमायती नहीं, फिर तुहाडी मदद ना कीती जावेगी। (109–113)

ते दिन दे दोहां सिरियां उत्ते ते रात दे कुझ हिस्सियां विच नमाज़ क़ायम कर। बेशक नेकियां बुराइयां नूं दूर कर दिंदियां हन: एह याद रक्खण वालियां लई नसीहत है। ते सब्र कर, किउंकि अल्लाह नेकी करन वालियां दा अजर अजाईं नहीं जाण दिंदा। तां तुहाथों पहिलियां नसलां विच अजिहे समझ वाले लोक क्यों ना होए जो धरती विच फ़साद तों रोकदे—सिवाए थोड़ियां दे, जिन्हां नूं असां ने उन्हां विचों बचा लिया। ते जिन्हां ने ज़ुलम कीता ओह उसे ऐश दे पिच्छे पए रहे जो उन्हां नूं दित्ता गिया सी, ते ओह मुजरिम सन। ते तेरा रब्ब अजिहा

नहीं कि बस्तियां नूं ज़ुलम नाल हलाक कर देवे जदों कि उन्हां दे रहण वाले सुधार करन वाले होण। ते जे तेरा रब्ब चाहुंदा, तां सारे लोकां नूं इक्को उम्मत बणा दिंदा; पर ओह इख़तिलाफ़ करदे ही रहिणगे, सिवाए उन्हां दे जिन्हां उत्ते तेरा रब्ब रहम करे—ते इसे लई उस ने उन्हां नूं पैदा कीता। ते तेरे रब्ब दी गल्ल पूरी हो गई: "मैं ज़रूर जहन्नम नूं जिन्नां ते इनसानां सभ नाल भर दिआंगा।" (114–119)

ते रसूलां दियां ख़बरां विचों जो कुझ वी असीं तैनूं सुणाउंदे हां ओह इस लई है कि उस दे नाल तेरे दिल नूं मज़बूत करीए। ते इन्हां विच तेरे कोल सच्च आ गिया है, ते ईमान वालियां लई नसीहत ते याद-दहानी। ते जो ईमान नहीं लिआउंदे उन्हां नूं आख दे, "तुसीं अपणी थां कम्म करदे रहो; असीं वी कम्म कर रहे हां। ते उडीक करो; असीं वी उडीक कर रहे हां।" ते असमानां ते धरती दा ग़ैब अल्लाह ही दा है, ते सारा मामला उसे वल्ल मोड़िया जांदा है। सो उसे दी इबादत कर ते उसे उत्ते भरोसा रक्ख: ते तेरा रब्ब उस तों बेख़बर नहीं जो तुसीं करदे हो। (120–123)

12. यूसुफ़ (यूसुफ़)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

अलिफ़ लाम रा। एह उस किताब दियां आयतां ते निशानियां हन जो गल्लां नूं खोल्ह के बिआन करदी है। बेशक असां ने इस नूं अरबी क़ुरआन बणा के उतारिया है, तां जो तुसीं समझो। (1–2)

ऐ नबी, असीं इस क़ुरआन दे ज़रीए जो असां ने तेरे वल्ल वह्य कीता है तैनूं सभ तों चंगा क़िस्सा सुणाउंदे हां, हालांकि इस तों पहिलां तूं इस तों बेख़बर लोकां विचों सी। जदों यूसुफ़ ने अपणे पिओ नूं आखिया, "अब्बा जी, मैं गिआरां तारे, ते सूरज ते चंद वेखे: मैं उन्हां नूं अपणे अग्गे झुकदे वेखिया," तां उस ने आखिया, "मेरे पुत्तर, अपणा सुपना अपणे भरावां नूं ना सुणाईं, नहीं तां ओह तेरे ख़िलाफ़ कोई चाल चल्लणगे। बेशक शैतान इनसान दा खुल्हा दुश्मण है। ते इसे तरां तेरा रब्ब तैनूं चुण लवेगा, ते तैनूं गल्लां दी तह तक्क पहुंचणा सिखावेगा, ते तेरे उत्ते ते याक़ूब दे घराणे उत्ते अपणी नेमत पूरी करेगा, जिवें उस ने इस तों पहिलां तेरे दो पिओ-दादियां, इबराहीम ते इसहाक़ उत्ते पूरी कीती। बेशक तेरा रब्ब सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है।" (3–6)

बेशक यूसुफ़ ते उस दे भरावां विच पुच्छण वालियां लई निशानियां हन। जदों उन्हां ने आखिया, "यूसुफ़ ते उस दा भरा साडे पिओ नूं साथों वध पिआरे हन, हालांकि असीं इक्क पूरा जत्था हां। बेशक साडा पिओ खुल्ही ग़लती उत्ते है। यूसुफ़ नूं क़तल कर देओ, जां उस नूं किसे ज़मीन विच सुट्ट आओ, तां जो तुहाडे पिओ दी तवज्जो सिरफ़ तुहाडे लई रह जावे; ते उस तों बाद तुसीं नेक लोक बण जाणा।" उन्हां विचों इक्क आखण वाले ने आखिया, "यूसुफ़ नूं क़तल ना करो; बल्कि जे तुसीं कुझ करना ही है, तां उस नूं खूह दी तह विच सुट्ट देओ, कोई क़ाफ़िला उस नूं चुक्क लै जावेगा।" (7–10)

उन्हां ने आखिया, "अब्बा जी, की गल्ल है कि तुसीं यूसुफ़ बारे साडे उत्ते भरोसा नहीं करदे? हालांकि असीं तां सच्चमुच उस दा भला चाहुण वाले हां। कल्ह उस नूं साडे नाल भेज देओ कि खाए-पीए ते खेडे, ते असीं ज़रूर उस दी हिफ़ाज़त करांगे।" उस ने आखिया, "मैनूं इस गल्ल दा ग़म हुंदा है कि तुसीं उस नूं लै जाओ, ते मैनूं डर है कि किते उस नूं बघिआड़ ना खा जावे जदों तुसीं उस तों ग़ाफ़िल होवो।" उन्हां ने आखिया, "जे साडे इन्ने जणियां दे हुंदियां उस नूं बघिआड़ खा गिया, तां असीं तां बड़े ही घाटे विच रहे!" (11–14)

फिर जदों ओह उस नूं लै गए ते सभ ने एका कर लिया कि उस नूं खूह दी तह विच पा देण, तां असां ने उस वल्ल वह्य कीती, "तूं ज़रूर उन्हां नूं उन्हां दे इस कम्म दी ख़बर देवेंगा जदों ओह तैनूं पछाणदे वी ना होणगे।" ते ओह रात पैण उत्ते रोंदे होए अपणे पिओ कोल आए। उन्हां ने आखिया, "अब्बा जी, असीं इक्क दूजे नाल दौड़ लाउण चले गए ते यूसुफ़ नूं अपणे सामान कोल छड्ड गए, तां उस नूं बघिआड़ खा गिया। पर तुसीं तां साडा यक़ीन करन वाले नहीं, भावें असीं सच्चे ही होईए।" ते ओह उस दी क़मीज़ उत्ते झूठा ख़ून ला के लै

आए। उस ने आखिया, "नहीं; बल्कि तुहाडे दिलां ने तुहाडे लई इक्क गल्ल बणा लई है। सो—सब्र ही सोहणा है; ते जो कुझ तुसीं बिआन करदे हो उस उत्ते अल्लाह ही तों मदद मंगी जांदी है।" (15–18)

ते इक्क क़ाफ़िला आइया, ते उन्हां ने अपणा पाणी भरन वाला भेजिया, तां उस ने अपणा डोल लमकाइया। उस ने आखिया, "वाह ख़ुशख़बरी! एह तां इक्क मुंडा है!" ते उन्हां ने उस नूं वपार दा माल समझ के छुपा लिया—ते अल्लाह ख़ूब जाणदा सी जो कुझ ओह कर रहे सन। ते उन्हां ने उस नूं थोड़े जिहे मुल्ल उत्ते, गिणती दे कुझ दिरहमां बदले वेच दित्ता, किउंकि उन्हां नूं उस दी कोई क़दर ना सी। (19–20)

ते मिसर दे जिस आदमी ने उस नूं ख़रीदिया उस ने अपणी पतनी नूं आखिया, "इस नूं इज़्ज़त नाल रक्खीं; हो सकदा है एह साडे कम्म आवे, जां असीं इस नूं पुत्तर बणा लईए।" इस तरां असां ने यूसुफ़ नूं उस ज़मीन विच जमाइया, ते इस लई कि उस नूं गल्लां दी तह तक्क पहुंचणा सिखाईए। ते अल्लाह अपणे कम्म उत्ते ग़ालिब है, पर बहुते लोक नहीं जाणदे। (21)

ते जदों ओह अपणी पूरी जवानी नूं पहुंचिया, तां असां ने उस नूं हुक्म ते इल्म दित्ता: ते इसे तरां असीं नेकी करन वालियां नूं बदला दिंदे हां। ते जिस औरत दे घर विच ओह रहिंदा सी उस ने उस नूं फुसलाउणा चाहिया। उस ने दरवाज़े बंद कर लए ते आखिया, "आ जा!" उस ने आखिया, "अल्लाह दी पनाह! ओह मेरा मालिक है, उस ने मैनूं चंगा ठिकाणा दित्ता है। बेशक ज़ालिम कदे कामयाब नहीं हुंदे।" ते उस औरत ने उस दा इरादा कर लिया; ते ओह वी उस दा इरादा कर लैंदा, जे उस ने अपणे रब्ब दी दलील ना वेख लई हुंदी। अजिहा इस लई होइया, कि असीं उस तों बुराई ते बेहयाई नूं फेर देईए: बेशक ओह साडे चुणे होए बंदियां विचों सी। ते दोवें दरवाज़े वल्ल दौड़े, ते उस औरत ने पिच्छों उस दी क़मीज़ पाड़ दित्ती; ते दोहां ने दरवाज़े कोल उस दे पती नूं पाइया। उस ने आखिया, "जो तेरी घर वाली नाल बुराई दा इरादा करे उस दी सज़ा इस तों सिवा की है कि उस नूं क़ैद कीता जावे जां दर्दनाक अज़ाब दित्ता जावे?" यूसुफ़ ने आखिया, "इसे ने मैनूं फुसलाउणा चाहिया सी।" ते उस औरत दे घर वालियां विचों इक्क गवाह ने गवाही दित्ती: "जे इस दी क़मीज़ अग्गों पाटी है, तां औरत सच्ची है ते एह झूठा है; ते जे इस दी क़मीज़ पिच्छों पाटी है, तां औरत ने झूठ बोलिया ते एह सच्चा है।" फिर जदों उस ने वेखिया कि उस दी क़मीज़ पिच्छों पाटी है, तां उस ने आखिया, "एह तुहाडियां औरतां दी चाल है; बेशक तुहाडियां चालां बड़ियां वड्डियां हुंदियां हन। यूसुफ़, इस गल्ल नूं जाण दे। ते ऐ औरत, तूं अपणे गुनाह दी माफ़ी मंग: बेशक तूं ही ख़ताकार सी।" (22–29)

ते शहिर दियां कुझ औरतां ने आखिया, "अज़ीज़ दी पतनी अपणे नौजवान ग़ुलाम नूं फुसलाउण दी कोशिश कर रही है! उस दी मुहब्बत उस दे दिल विच घर कर गई है। असीं तां उस नूं खुल्ही ग़लती उत्ते वेखदियां हां।" फिर जदों उस ने उन्हां दियां चालबाज़ गल्लां सुणियां, तां उन्हां नूं बुला भेजिया ते उन्हां लई इक्क दावत तिआर कीती, ते उन्हां विचों हर इक्क नूं इक्क-इक्क छुरी दे दित्ती। फिर उस ने आखिया, "इन्हां दे साहमणे निकल आ!" फिर जदों उन्हां ने उस नूं वेखिया तां हक्कियां-बक्कियां रह गइयां, ते अपणे हत्थ कट्ट बैठियां, ते आखण लग्गियां, "अल्लाह दी पनाह! एह कोई इनसान नहीं; एह तां कोई इज़्ज़त वाला फ़रिश्ता है!" उस

ने आखिया, "एही है ओह जिस बारे तुसीं मैनूं मलामत करदियां सी। ते बेशक मैं इस नूं फुसलाउणा चाहिया सी, पर एह बचिया रिहा। ते जे इस ने ओह ना कीता जो मैं इस नूं हुक्म दिंदी हां, तां एह ज़रूर क़ैद कीता जावेगा ते ज़लील होण वालियां विचों होवेगा।" उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मैनूं क़ैदख़ाना उस तों वध पिआरा है जिस वल्ल एह मैनूं बुलाउंदियां हन; ते जे तूं इन्हां दी चाल मैथों ना फेरी, तां मैं इन्हां वल्ल झुक जावांगा ते नादानां विचों हो जावांगा।" सो उस दे रब्ब ने उस दी दुआ क़बूल कर लई ते उन्हां दी चाल उस तों फेर दित्ती। बेशक ओही सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। (30–34)

फिर निशानियां वेख लैण तों बाद वी उन्हां नूं एही ठीक लग्गा कि उस नूं कुझ मुद्दत लई क़ैद कर देण। ते उस दे नाल दो नौजवान क़ैदख़ाने विच दाख़िल होए। उन्हां विचों इक्क ने आखिया, "मैं अपणे आप नूं वेखिया कि शराब निचोड़ रिहा हां।" ते दूजे ने आखिया, "मैं अपणे आप नूं वेखिया कि अपणे सिर उत्ते रोटी चुक्की होई है, जिस विचों पंछी खा रहे हन।" उन्हां ने आखिया, "सानूं इस दी ताबीर दस्स; असीं तैनूं नेकी करन वालियां विचों वेखदे हां।" (35–36)

उस ने आखिया, "जो खाणा तुहानूं रोज़ी वजों दित्ता जांदा है ओह तुहाडे कोल आउण ना पावेगा कि मैं उस दे पहुंचण तों पहिलां तुहानूं इस दी ताबीर दस्स दिआंगा। एह उस विचों है जो मेरे रब्ब ने मैनूं सिखाइया है। मैं उन्हां लोकां दा दीन छड्ड दित्ता है जो अल्लाह उत्ते ईमान नहीं रक्खदे ते जो आख़िरत दे इनकारी हन, ते मैं अपणे पिओ-दादियां इबराहीम, इसहाक़ ते याक़ूब दे दीन दी पैरवी कीती है। साडे लई एह मुनासिब नहीं कि अल्लाह दे नाल किसे चीज़ नूं शरीक ठहराईए: एह साडे उत्ते ते सारे लोकां उत्ते अल्लाह दा फ़ज़ल है, पर बहुते लोक शुकर नहीं करदे। ऐ मेरे क़ैदख़ाने दे दो साथियो, की वक्खो-वक्खरे कई रब्ब बिहतर हन, जां अल्लाह, जो इक्को इक्क, सभ उत्ते ग़ालिब है? तुसीं उस तों सिवा जिन्हां दी इबादत करदे हो ओह बस कुझ नाम हन जो तुसीं ते तुहाडे पिओ-दादियां ने रक्ख लए हन: अल्लाह ने उन्हां दी कोई सनद नहीं उतारी। हुक्म तां सिरफ़ अल्लाह ही दा है। उस ने हुक्म दित्ता है कि तुसीं उस तों सिवा किसे दी इबादत ना करो। एही सिद्धा दीन है, पर बहुते लोक नहीं जाणदे। ऐ मेरे क़ैदख़ाने दे दो साथियो: तुहाडे विचों इक्क तां अपणे मालिक नूं शराब पिआवेगा; ते रिहा दूजा, तां उस नूं सूली चढ़ाइया जावेगा, ते पंछी उस दे सिर विचों खाणगे। उस मामले दा फ़ैसला हो चुक्का जिस बारे तुसीं पुच्छ रहे सी।" ते उन्हां दोहां विचों जिस बारे उस दा ख़ियाल सी कि ओह छुट्ट जावेगा उस नूं उस ने आखिया, "अपणे मालिक कोल मेरा ज़िकर करीं।" पर शैतान ने उस नूं अपणे मालिक कोल ज़िकर करना भुला दित्ता, सो यूसुफ़ कई साल क़ैदख़ाने विच पिया रिहा। (37–42)

ते बादशाह ने आखिया, "मैं वेखिया कि सत्त मोटियां गाईंआं हन जिन्हां नूं सत्त दुबलियां गाईंआं खा रहियां हन, ते सत्त हरे सिट्टे ते दूजे सुक्के। ऐ सरदारो, मैनूं मेरे सुपने बारे दस्सो, जे तुसीं सुपनियां दी ताबीर दे सकदे हो।" उन्हां ने आखिया, "एह तां परेशान ख़ियालां दे सुपने हन! ते असीं सुपनियां दी ताबीर दे जाणू नहीं।" ते उन्हां दोहां विचों जो छुट्ट गिया सी, ते जिस नूं इक्क लंबी मुद्दत तों बाद याद आई, उस ने आखिया, "मैं तुहानूं इस दी ताबीर दस्सांगा; सो मैनूं भेज देओ।" (43–45)

"यूसुफ़, ऐ सच्चे आदमी! सानूं उन्हां सत्त मोटियां गाईंआं बारे दस्स जिन्हां नूं सत्त दुबलियां गाईंआं खा रहियां हन, ते सत्त हरे सिट्टियां ते दूजे सुक्कियां बारे, तां जो मैं लोकां कोल वापस जावां ते ओह जाण लैण।" उस ने आखिया, "तुसीं सत्त साल लगातार पहिलां वांग खेती करोगे; ते जो कुझ तुसीं वढ्ढो, उस नूं उस दे सिट्टियां विच ही रहण देओ, सिवाए उस थोड़े जिहे दे जो तुसीं खाओ। फिर इस तों बाद सत्त सख़्त साल आउणगे जो ओह सभ खा जाणगे जो तुसीं उन्हां लई पहिलां जमा कर रक्खिया होवेगा, सिवाए उस थोड़े जिहे दे जो तुसीं बचा रक्खोगे। फिर इस तों बाद इक्क साल आवेगा जिस विच लोकां उत्ते मींह वसेगा, ते जिस विच ओह अंगूर ते ज़ैतून निचोड़नगे।" (46–49)

ते बादशाह ने आखिया, "उस नूं मेरे कोल लिआओ।" पर जदों क़ासिद उस दे कोल आइया, तां यूसुफ़ ने आखिया, "अपणे मालिक कोल वापस जा ते उस तों पुच्छ कि उन्हां औरतां दा की मामला सी जिन्हां ने अपणे हत्थ कट्ट लए सन। बेशक मेरा रब्ब उन्हां दी चाल नूं ख़ूब जाणदा है।" उस ने औरतां तों पुच्छिया, "तुहाडा की मामला सी जदों तुसीं यूसुफ़ नूं फुसलाउणा चाहिया सी?" उन्हां ने आखिया, "अल्लाह दी पनाह! सानूं उस विच कोई बुराई नहीं पता।" अज़ीज़ दी पतनी ने आखिया, "हुण सच्च खुल्ह गिया है। मैं ही उस नूं फुसलाउणा चाहिया सी, ते बेशक ओह सच्चियां विचों है।" यूसुफ़ ने आखिया, "एह इस लई कि ओह जाण लए कि मैं उस दी ग़ैर-हाज़री विच उस नाल ख़ियानत नहीं कीती, ते एह कि अल्लाह ख़ियानत करन वालियां दी चाल नूं चल्लण नहीं दिंदा। ते मैं अपणे आप नूं बेक़सूर नहीं दस्सदा: बेशक नफ़स तां बुराई दा ही हुक्म दिंदा है, सिवाए उस दे जिस उत्ते मेरा रब्ब रहम करे। बेशक मेरा रब्ब बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है।" (50–53)

ते बादशाह ने आखिया, "उस नूं मेरे कोल लिआओ; मैं उस नूं ख़ास अपणे लई रक्खांगा।" फिर जदों उस ने उस नाल गल्ल कीती, तां आखिया, "अज्ज तों तूं साडे कोल मरतबे वाला, भरोसे वाला हैं।" उस ने आखिया, "मैनूं इस ज़मीन दे ख़ज़ानियां उत्ते मुक़र्रर कर देओ: मैं हिफ़ाज़त करन वाला, जाणन वाला हां।" ते इस तरां असां ने यूसुफ़ नूं उस ज़मीन विच जमाइया, कि ओह उस विच जित्थे चाहे रहे। असीं जिस नूं चाहुंदे हां अपणी रहमत नाल नवाज़दे हां, ते असीं नेकी करन वालियां दा अजर अजाईं नहीं जाण दिंदे। ते आख़िरत दा अजर यक़ीनन उन्हां लई बिहतर है जो ईमान लिआए ते अल्लाह तों सुचेत रहे। (54–57)

ते यूसुफ़ दे भरा आए ते उस दे कोल हाज़र होए। उस ने उन्हां नूं पछाण लिया, पर ओह उस नूं ना पछाण सके। ते जदों उस ने उन्हां दा सामान तिआर करा दित्ता, तां आखिया, "अपणे उस भरा नूं मेरे कोल लिआउणा जो तुहाडे पिओ वल्लों है। की तुसीं नहीं वेखदे कि मैं पूरा नाप दिंदा हां, ते मैं सभ तों बिहतर मिहमान-नवाज़ हां? फिर जे तुसीं उस नूं मेरे कोल ना लिआए, तां मेरे कोल तुहाडे लई कोई नाप नहीं, ते ना तुसीं मेरे नेड़े आउणा।" उन्हां ने आखिया, "असीं उस दे पिओ नूं इस लई राज़ी करन दी कोशिश करांगे; ते असीं एह ज़रूर करांगे।" ते उस ने अपणे ख़िदमतगारां नूं आखिया, "इन्हां दी पूंजी इन्हां दे सामान विच रक्ख देओ, तां जो जदों एह अपणे घर वालियां कोल मुड़न तां उस नूं पछाण लैण—शायद एह फिर आउण।" (58–62)

फिर जदों ओह अपणे पिओ कोल मुड़े, तां उन्हां ने आखिया, "अब्बा जी, साथों नाप रोक दित्ता गिया है। सो साडे भरा नूं साडे नाल भेज देओ, तां जो असीं नाप लै आईए; ते असीं ज़रूर उस दी हिफ़ाज़त करांगे।" उस ने आखिया, "की मैं उस बारे तुहाडे उत्ते उसे तरां भरोसा करां जिवें इस तों पहिलां उस दे भरा बारे कीता सी? सो अल्लाह ही सभ तों बिहतर हिफ़ाज़त करन वाला है, ते ओह सभ रहम करन वालियां तों वध रहम करन वाला है।" ते जदों उन्हां ने अपणा सामान खोल्हिया, तां वेखिया कि उन्हां दी पूंजी उन्हां नूं वापस कर दित्ती गई है। उन्हां ने आखिया, "अब्बा जी, सानूं होर की चाहीदा है? एह साडी पूंजी है, जो सानूं वापस कर दित्ती गई। असीं अपणे घर वालियां लई अनाज लिआवांगे, ते अपणे भरा दी हिफ़ाज़त करांगे, ते इक्क ऊठ दा भार होर लै आवांगे: एह नाप सौखा ही मिल जावेगा।" उस ने आखिया, "मैं उस नूं तुहाडे नाल हरगिज़ ना भेजांगा जद तक्क तुसीं मैनूं अल्लाह दे नाम उत्ते पक्का अहद ना देओ कि तुसीं उस नूं ज़रूर मेरे कोल वापस लिआओगे, सिवाए इस दे कि तुसीं आप ही घेर लए जाओ।" फिर जदों उन्हां ने उस नूं अपणा अहद दे दित्ता, तां उस ने आखिया, "जो कुझ असीं आख रहे हां उस उत्ते अल्लाह निगहबान है।" ते उस ने आखिया, "ऐ मेरे पुत्तरो, इक्को दरवाज़े थाणीं दाख़िल ना होणा, बल्कि वक्खो-वक्खरे दरवाज़ियां थाणीं दाख़िल होणा। ते मैं अल्लाह दे मुक़ाबले विच तुहाडे कुझ कम्म नहीं आ सकदा: हुक्म तां सिरफ़ अल्लाह ही दा है। उसे उत्ते मैं भरोसा कीता है, ते भरोसा करन वालियां नूं उसे उत्ते भरोसा करना चाहीदा है।" ते जदों ओह उसे तरां दाख़िल होए जिवें उन्हां दे पिओ ने उन्हां नूं आखिया सी, तां एह अल्लाह दे मुक़ाबले विच उन्हां दे कुझ कम्म ना आ सकदा सी; बस याक़ूब दे दिल दी इक्क ख़ाहिश सी जो उस ने पूरी कर लई। ते बेशक ओह इल्म वाला सी, इस लई कि असां ने उस नूं सिखाइया सी; पर बहुते लोक नहीं जाणदे। (63–68)

ते जदों ओह यूसुफ़ दे कोल हाज़र होए, तां उस ने अपणे भरा नूं अपणे कोल थां दित्ती ते आखिया, "मैं तेरा भरा हां; सो उस उत्ते ग़म ना कर जो एह करदे रहे हन।" फिर जदों उस ने उन्हां दा सामान तिआर करा दित्ता, तां पीण दा पिआला अपणे भरा दे सामान विच रक्ख दित्ता। फिर इक्क पुकारन वाले ने पुकारिया, "ऐ क़ाफ़िले वालियो, तुसीं ज़रूर चोर हो!" उन्हां ने उन्हां वल्ल मुड़ के आखिया, "तुहाडी की चीज़ गुम होई है?" उन्हां ने आखिया, "बादशाह दा पिआला सानूं नहीं लभ्भ रिहा। ते जो उस नूं लै आवे उस लई इक्क ऊठ दा भार है, ते मैं इस दा ज़ामिन हां।" उन्हां ने आखिया, "अल्लाह दी क़सम, तुसीं ख़ूब जाणदे हो कि असीं इस ज़मीन विच फ़साद फैलाउण नहीं आए, ते ना असीं चोर हां।" उन्हां ने आखिया, "तां उस दी की सज़ा है, जे तुसीं झूठे निकले?" उन्हां ने आखिया, "उस दी सज़ा एह है: जिस दे सामान विच ओह मिले, ओह आप ही उस दी सज़ा है। असीं ज़ालिमां नूं इसे तरां सज़ा दिंदे हां।" सो उस ने अपणे भरा दे थैले तों पहिलां उन्हां दे थैलियां तों शुरू कीता, फिर उस नूं अपणे भरा दे थैले विचों कढ्ढ लिया। इस तरां असां ने यूसुफ़ लई तदबीर कीती: बादशाह दे क़ानून विच ओह अपणे भरा नूं नहीं लै सकदा सी, सिवाए इस दे कि अल्लाह चाहुंदा। असीं जिस दे चाहुंदे हां दर्जे उच्चे करदे हां; ते हर इल्म वाले दे उत्ते इक्क वध जाणन वाला है। (69–76)

उन्हां ने आखिया, "जे इस ने चोरी कीती है, तां इस तों पहिलां इस दा इक्क भरा वी चोरी कर चुक्का है।" पर यूसुफ़ ने इस गल्ल नूं अपणे दिल विच छुपाई रक्खिया ते उन्हां उत्ते ज़ाहिर ना कीता। उस ने दिल विच

आखिया, “तुसीं ही बुरी थां उत्ते हो; ते जो कुझ तुसीं बिआन करदे हो अल्लाह उस नूं ख़ूब जाणदा है।” उन्हां ने आखिया, “ऐ अज़ीज़, इस दा इक्क पिओ है, बहुत बुड्ढा; सो इस दी थां साडे विचों किसे इक्क नूं रक्ख लओ। असीं तुहानूं नेकी करन वालियां विचों वेखदे हां।” उस ने आखिया, “अल्लाह दी पनाह कि असीं उस तों सिवा किसे होर नूं फड़ीए जिस दे कोल असां ने अपणा सामान पाइया: तद तां असीं यक़ीनन ज़ालिम होवांगे।” फिर जदों ओह उस तों ना-उम्मीद हो गए, तां सलाह करन लई इक्क पासे हो गए। उन्हां विचों सभ तों वड्डे ने आखिया, “की तुहानूं पता नहीं कि तुहाडे पिओ ने तुहाथों अल्लाह दे नाम उत्ते पक्का अहद लिया सी, ते इस तों पहिलां यूसुफ़ दे मामले विच तुसीं किन्नी कोताही कर चुक्के हो? सो मैं इस ज़मीन तों हरगिज़ ना हिल्लांगा जद तक्क मेरा पिओ मैनूं इजाज़त ना देवे, जां अल्लाह मेरे लई फ़ैसला ना कर देवे: ते ओह सभ तों बिहतर फ़ैसला करन वाला है। तुसीं अपणे पिओ कोल मुड़ जाओ ते आखो, ‘अब्बा जी, तुहाडे पुत्तर ने चोरी कीती है। ते असां ने ओही गवाही दित्ती जो सानूं पता सी, ते ग़ैब दी निगहबानी असीं नहीं कर सकदे सां। ते उस बस्ती तों पुच्छ लओ जिस विच असीं सां, ते उस क़ाफ़िले तों जिस दे नाल असीं आए हां: ते बेशक असीं सच्चे हां।’” (77–82)

उस ने आखिया, “नहीं; बल्कि तुहाडे दिलां ने तुहाडे लई इक्क गल्ल बणा लई है। सो—सब्र ही सोहणा है। उम्मीद है कि अल्लाह उन्हां सभनां नूं मेरे कोल लै आवेगा। बेशक ओही सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है।” ते उस ने उन्हां तों मूंह फेर लिया ते आखिया, “हाए अफ़सोस यूसुफ़ उत्ते!” ते उस ग़म नाल जिस नूं ओह दबाई रक्खदा सी उस दियां अक्खां चिट्टियां पै गइयां। उन्हां ने आखिया, “अल्लाह दी क़सम, तुसीं यूसुफ़ नूं याद ही करदे रहोगे इत्थों तक्क कि घुल जाओ, जां हलाक होण वालियां विचों हो जाओ!” उस ने आखिया, “मैं अपणी परेशानी ते अपणे ग़म दी फ़रियाद सिरफ़ अल्लाह अग्गे करदा हां, ते मैं अल्लाह वल्लों ओह कुझ जाणदा हां जो तुसीं नहीं जाणदे। ऐ मेरे पुत्तरो, जाओ ते यूसुफ़ ते उस दे भरा दी भाल करो, ते अल्लाह दी रहमत तों ना-उम्मीद ना होवो: बेशक अल्लाह दी रहमत तों ओही ना-उम्मीद हुंदे हन जो सच्च दे इनकारी हन।” (83–87)

फिर जदों ओह उस दे कोल हाज़र होए तां उन्हां ने आखिया, “ऐ अज़ीज़, सानूं ते साडे घर वालियां नूं तंगी ने आ घेरिया है, ते असीं थोड़ी जिही पूंजी लै के आए हां। सो सानूं पूरा नाप देओ ते साडे उत्ते सदक़ा करो: बेशक अल्लाह सदक़ा करन वालियां नूं बदला दिंदा है।” उस ने आखिया, “की तुहानूं पता है कि तुसीं यूसुफ़ ते उस दे भरा नाल की कीता सी जदों तुसीं नादान सी?” उन्हां ने आखिया, “की सच्चमुच तूं ही यूसुफ़ हैं?” उस ने आखिया, “मैं यूसुफ़ हां, ते एह मेरा भरा है। अल्लाह ने साडे उत्ते अहिसान कीता है। बेशक जो कोई अल्लाह तों सुचेत रहे ते सब्र करे—तां अल्लाह नेकी करन वालियां दा अजर अजाईं नहीं जाण दिंदा।” उन्हां ने आखिया, “अल्लाह दी क़सम, अल्लाह ने तैनूं साडे उत्ते वडिआई दित्ती है, ते बेशक असीं ही ख़ताकार सां।” उस ने आखिया, “अज्ज तुहाडे उत्ते कोई मलामत नहीं। अल्लाह तुहानूं बख़्शे: ते ओह सभ रहम करन वालियां तों वध रहम करन वाला है। मेरी एह क़मीज़ लै जाओ ते इस नूं मेरे पिओ दे चिहरे उत्ते पा देओ; उस दी नज़र मुड़ आवेगी। ते अपणे सारे घर वालियां नूं मेरे कोल लै आओ।” (88–93)

ते जदों क़ाफ़िला चल्लिया, तां उन्हां दे पिओ ने आखिया, "मैनूं यक़ीनन यूसुफ़ दी ख़ुशबू आ रही है, जे तुसीं मैनूं सठिआइया होइया ना समझो।" उन्हां ने आखिया, "अल्लाह दी क़सम, तुसीं तां अजे तक्क अपणी उसे पुराणी ग़लती विच हो!" फिर जदों ख़ुशख़बरी देण वाला आइया, तां उस ने उस नूं उस दे चिहरे उत्ते पा दित्ता ते उस दी नज़र मुड़ आई। उस ने आखिया, "की मैं तुहानूं आखिया नहीं सी कि मैं अल्लाह वल्लों ओह कुझ जाणदा हां जो तुसीं नहीं जाणदे?" उन्हां ने आखिया, "अब्बा जी, साडे गुनाहां दी बख़शिश मंगो; बेशक असीं ही ख़ताकार सां।" उस ने आखिया, "मैं अपणे रब्ब तों तुहाडे लई बख़शिश मंगांगा। बेशक ओही बड़ा बख़्शाण वाला, सदा रहम करन वाला है।" (94–98)

फिर जदों ओह यूसुफ़ दे कोल हाज़र होए, तां उस ने अपणे मां-पिओ नूं अपणे कोल थां दित्ती ते आखिया, "मिसर विच दाख़िल हो जाओ, जे अल्लाह ने चाहिया, अमन दे नाल।" ते उस ने अपणे मां-पिओ नूं तख़्त उत्ते उच्चा बिठाइया, ते ओह सारे उस दे अग्गे सजदे विच डिग्ग पए। उस ने आखिया, "अब्बा जी, एह मेरे उस पहिले सुपने दी ताबीर है: मेरे रब्ब ने उस नूं सच्चा कर दिखाइया। ते उस ने मेरे उत्ते अहिसान कीता जदों मैनूं क़ैदख़ाने विचों कढ्ढिया, ते तुहानूं पिंडों इत्थे लै आइया इस तों बाद कि शैतान ने मेरे ते मेरे भरावां दे विचकार फ़साद पा दित्ता सी। बेशक मेरा रब्ब जो चाहुंदा है उस दी बारीक तदबीर करदा है: बेशक ओही सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। ऐ मेरे रब्ब, तूं मैनूं कुझ बादशाही दित्ती ते गल्लां दी तह तक्क पहुंचणा सिखाइया। ऐ असमानां ते धरती दे मुढ्ढों पैदा करन वाले, तूं ही दुनिया ते आख़िरत विच मेरा हिमायती है। मैनूं इस हाल विच मौत दे कि मैं तेरा फ़रमांबरदार होवां, ते मैनूं नेक लोकां दे नाल मिला दे।" (99–101)

ऐ नबी, एह ग़ैब दियां ख़बरां विचों है जो असीं तेरे वल्ल वह्य करदे हां। ते तूं उन्हां दे कोल नहीं सी जदों उन्हां ने अपणे मनसूबे उत्ते एका कीता ते ओह चाल चल्ल रहे सन। ते बहुते लोक, भावें तूं किन्ना ही चाहें, ईमान लिआउण वाले नहीं। ते तूं इस उत्ते उन्हां तों कोई बदला नहीं मंगदा: एह तां सारे जहानां लई बस इक्क नसीहत है। ते असमानां ते धरती विच किन्नियां ही निशानियां हन जिन्हां दे कोलों ओह लंघ जांदे हन, ते उन्हां तों मूंह मोड़ी रक्खदे हन! ते उन्हां विचों बहुते अल्लाह उत्ते ईमान नहीं लिआउंदे पर इस हाल विच कि उस दे नाल शरीक वी ठहराउंदे हन। तां की ओह इस तों बेख़ौफ़ हन कि उन्हां उत्ते अल्लाह दा कोई छा जाण वाला अज़ाब आ पवे, जां उन्हां उत्ते अचानक ओह घड़ी आ जावे ते उन्हां नूं ख़बर वी ना होवे? आख, "एह मेरा राह है: मैं पूरी बसीरत दे नाल अल्लाह वल्ल बुलाउंदा हां, मैं वी ते ओह वी जो मेरे पिच्छे चल्लदे हन। ते अल्लाह पाक है! ते मैं उस दे नाल शरीक ठहराउण वालियां विचों नहीं।" (102–108)

ते असां ने तैथों पहिलां वी बस्तियां वालियां विचों मरद ही भेजे सन, जिन्हां वल्ल असीं वह्य करदे सां। तां की एह लोक धरती विच चल्ले-फिरे नहीं कि वेखदे कि उन्हां दा अंजाम की होइया जो इन्हां तों पहिलां सन? ते बेशक आख़िरत दा घर उन्हां लई बिहतर है जो अल्लाह तों सुचेत रहे। तां की तुसीं अक़ल तों कम्म नहीं लैंदे? इत्थों तक्क कि जदों रसूल ना-उम्मीद हो गए ते उन्हां ने समझिया कि उन्हां नूं झूठा समझ लिया गिया है, तां उन्हां कोल साडी मदद आ गई, फिर जिस नूं असां ने चाहिया बचा लिया गिया; ते साडा अज़ाब मुजरिम लोकां तों टालिया नहीं जांदा। बेशक उन्हां दे क़िस्सियां विच अक़ल वालियां लई इबरत है। एह कोई घड़ी

होई गल्ल नहीं, बल्कि उस दी तसदीक़ है जो इस तों पहिलां आइया, ते हर चीज़ दी तफ़सील, ते ईमान लिआउण वाले लोकां लई हिदायत ते रहमत। (109–111)

13. बद्दल दी गरज (अर-रअद)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

अलिफ़ लाम मीम रा। एह किताब दियां आयतां ते निशानियां हन; ते जो कुझ तेरे वल्ल तेरे रब्ब वल्लों उतारिया गिया है ओह सच्च है, पर बहुते लोक ईमान नहीं लिआउंदे। अल्लाह ओही है जिस ने असमानां नूं बिनां अजिहे थंमां दे उच्चा कीता जो तुहानूं दिसदे होण, फिर अर्श उत्ते क़ायम होइया। ते उस ने सूरज ते चंद नूं कम्म उत्ते ला दित्ता, हर इक्क इक्क मुक़र्रर मुद्दत तक्क चल्ल रिहा है। ओही सारे कम्म दा इंतज़ाम करदा है, ते निशानियां खोल्ह-खोल्ह के बिआन करदा है, तां जो तुसीं अपणे रब्ब नाल मिलण दा यक़ीन करो।[14] ते ओही है जिस ने धरती नूं फैलाइया ते उस विच जमे होए पहाड़ ते नहरां बणाइयां; ते हर किसम दे फलां विचों उस ने उस विच दो-दो दा जोड़ा बणाइया। ओह रात नूं दिन उत्ते परदे वांग ढक दिंदा है। बेशक इस विच सोच-विचार करन वाले लोकां लई निशानियां हन। ते धरती विच इक्क दूजे दे नाल लग्गे होए टुकड़े हन, ते अंगूरां दे बाग़, ते खेतियां, ते खजूर दे रुक्ख, इक्को जड़ तों कई फुट्टण वाले वी ते इकल्ले वी, सभ नूं इक्को पाणी दित्ता जांदा है; फिर वी असीं उन्हां विचों कुझ नूं कुझ उत्ते सुआद विच वडिआई दिंदे हां। बेशक इस विच अक़ल तों कम्म लैण वाले लोकां लई निशानियां हन। (1–4)

ते जे तूं हैरान हुंदा हैं, तां हैरानी दे लायक़ तां उन्हां दा एह आखणा है, "की! जदों असीं मिट्टी हो जावांगे, तां की सच्चमुच असीं नवें सिरिओं पैदा कीते जावांगे?" इही हन ओह जिन्हां ने अपणे रब्ब दा इनकार कीता; ते इही हन ओह जिन्हां दियां गरदनां विच तौक़ होणगे; ते इही अग्ग वाले हन, ते उस विच ओह सदा रहिणगे। ते ओह तैथों भलाई तों पहिलां बुराई दी छेती मचाउंदे हन, हालांकि उन्हां तों पहिलां इबरत वालियां सज़ावां गुज़र चुक्कियां हन। ते बेशक तेरा रब्ब लोकां लई उन्हां दे ज़ुलम दे बावजूद बख़शिश वाला है, ते बेशक तेरा रब्ब सख़्त सज़ा देण वाला है। ते सच्च दे इनकारी आखदे हन, "इस उत्ते इस दे रब्ब वल्लों कोई निशानी क्यों नहीं उतारी गई?" तूं तां बस ख़बरदार करन वाला हैं; ते हर क़ौम लई इक्क राह दिखाउण वाला होइया है। (5–7)

अल्लाह जाणदा है जो कुझ हर मादा चुक्की फिरदी है, ते जो कुझ कुक्खां घटाउंदियां ते वधाउंदियां हन: ते उस दे कोल हर चीज़ दा इक्क अंदाज़ा है। ओह ग़ैब ते ज़ाहिर दा जाणन वाला है, सभ तों वड्डा, सभ तों उच्चा। तुहाडे विचों कोई गल्ल छुपा के आखे जां उच्ची आवाज़ नाल, ते कोई रात नूं छुपिया होवे जां दिन नूं चल्ल-फिर रिहा होवे, सभ बराबर है: हर आदमी लई उस दे अग्गे ते पिच्छे वारी-वारी आउण वाले पहिरेदार हन, जो अल्लाह दे हुक्म नाल उस दी हिफ़ाज़त करदे हन। बेशक अल्लाह किसे क़ौम दी हालत नहीं बदलदा

[14] इस आयत विच ते सूरा लुक़मान दी इक्क आयत (31:10) विच अल्लाह कशिश-ए-सिक़ल (ग्रैविटी) नूं, जिस नाल साडी काइनात चल्ल रही है, अपणी तख़लीक़ दी निशानी ते अपणियां सिफ़तां अल-ख़ालिक़, अल-बारी ते अल-मुसव्विर दे ज़हूर दे तौर ते पेश करदा है। इत्थे अल्लाह इस नूं साडी आख़िरत दी वी निशानी आखदा है, किउंकि बहुत सारियां थावां उत्ते अल्लाह साडी काइनात दी पहिली पैदाइश नूं आख़िरत विच आउण वाली चीज़ दे नमूने ते सबूत दे तौर ते पेश करदा है, जिवें सूरा या सीन दे अख़ीर विच।

जद तक्क ओह उस नूं ना बदल लैण जो उन्हां दे अपणे अंदर है। ते जदों अल्लाह किसे क़ौम लई बुराई दा इरादा कर लैंदा है, तां उस नूं कोई टाल नहीं सकदा, ते ना उस तों सिवा उन्हां दा कोई हिमायती है। (8–11)

ओही है जो तुहानूं बिजली दिखाउंदा है, डर ते उम्मीद पैदा करन लई, ते भारे बद्दल उठाउंदा है। ते गरज उस दी हम्द दे नाल उस दी तसबीह करदी है, ते फ़रिश्ते वी उस दे डर नाल। ते ओह कड़कदियां बिजलियां भेजदा है फिर जिस उत्ते चाहुंदा है उन्हां नूं डेगदा है—फिर वी ओह अल्लाह बारे झगड़दे हन, हालांकि ओह बड़ी सख़्त ताक़त वाला है। सच्ची पुकार उसे दी है। ते जिन्हां नूं एह उस तों सिवा पुकारदे हन ओह उन्हां नूं कोई जवाब नहीं दिंदे, बस इउं जिवें कोई अपणे दोवें हत्थ पाणी वल्ल फैलाए कि ओह उस दे मूंह तक्क पहुंच जावे: हालांकि ओह उस तक्क कदे पहुंचण वाला नहीं। ते सच्च दे इनकारियां दी पुकार गुमराही विच भटकण तों सिवा कुझ नहीं। ते अल्लाह ही अग्गे सजदा करदे हन ओह सभ जो असमानां ते धरती विच हन, ख़ुशी नाल जां मजबूरी नाल, ते उन्हां दे परछावें वी सवेरे ते शाम। (12–15)

आख, “असमानां ते धरती दा रब्ब कौण है?” आख, “अल्लाह।” आख, “तां की तुसीं उस तों सिवा अजिहे हिमायती बणा लए हन जो आप अपणे लई वी ना नफ़े दा इख़तियार रक्खदे हन ना नुक़सान दा?” आख, “की अन्हा ते वेखण वाला बराबर हो सकदे हन? जां की हनेरे ते रौशनी बराबर हो सकदे हन?” जां की उन्हां ने अल्लाह दे अजिहे शरीक ठहराए हन जिन्हां ने उस वांग पैदा कीता है, सो उन्हां नूं पैदाइश इक्को जिही लग्गण लग्ग पई? आख, “अल्लाह ही हर चीज़ दा पैदा करन वाला है, ते ओह इक्को इक्क, सभ उत्ते ग़ालिब है।” (16)

उस ने असमान तों पाणी उतारिया, तां वादियां अपणे-अपणे अंदाज़े मुताबिक़ वग पइयां, फिर हड़ूह ने उभरदी होई झग्ग चुक्क लई; ते जिस चीज़ नूं लोक ज़ेवर जां सामान बणाउण लई अग्ग विच तपाउंदे हन उस विचों वी उहो जिही झग्ग निकलदी है। इसे तरां अल्लाह सच्च ते झूठ दी मिसाल बिआन करदा है: सो झग्ग तां सुक्क के अजाईं चली जांदी है; पर जो चीज़ लोकां नूं नफ़ा दिंदी है, ओह धरती विच ठहिरी रहिंदी है।[15] (17)

इसे तरां अल्लाह मिसालां बिआन करदा है। जिन्हां ने अपणे रब्ब दी गल्ल मन्नी उन्हां लई सभ तों चंगा बदला है। ते जिन्हां ने उस दी गल्ल ना मन्नी—जे उन्हां दे कोल ओह सभ कुझ होवे जो धरती विच है ते उस दे नाल उन्ना ही होर वी, तां ओह उस नूं अपणे छुटकारे लई दे देण। इन्हां लई बुरा हिसाब होवेगा; ते इन्हां दा ठिकाणा जहन्नम है, ते ओह किन्ना बुरा ठिकाणा है! (18)

भला जो आदमी जाणदा है कि जो कुझ तेरे वल्ल तेरे रब्ब वल्लों उतारिया गिया है ओह सच्च है, की ओह उस वरगा हो सकदा है जो अन्हा है? नसीहत तां बस अक़ल वाले ही फड़दे हन: ओह जो अल्लाह दा अहद पूरा करदे हन ते पक्के वादे नूं नहीं तोड़दे; ते जो उस नूं जोड़दे हन जिस नूं अल्लाह ने जोड़न दा हुक्म दित्ता

[15] **नास्तिकता दी बुनियाद अटकल (ज़न्न) उत्ते है: इक्क साइंसी, फ़लसफ़ी ते दीनी तफ़सीर**

है, ते अपणे रब्ब तों डरदे हन ते बुरे हिसाब दा ख़ौफ़ रक्खदे हन; ते जो अपणे रब्ब दी रज़ा दी तलाश विच सब्र करदे हन, ते नमाज़ क़ायम करदे हन ते जो कुझ असां ने उन्हां नूं दित्ता है उस विचों छुपा के ते ज़ाहिर करके ख़र्च करदे हन, ते बुराई नूं भलाई नाल टालदे हन। उन्हां ही लई आख़िरत दा घर है: सदा रहण वाले बाग़ जिन्हां विच ओह दाख़िल होणगे, ते उन्हां दे पिओ-दादियां, उन्हां दे जोड़ियां ते उन्हां दी औलाद विचों जो नेक होणगे ओह वी; ते फ़रिश्ते हर दरवाज़े थाणीं उन्हां कोल आउणगे: "तुहाडे उत्ते सलामती होवे उस सब्र दे बदले जो तुसीं कीता! सो आख़िरत दा घर किन्ना चंगा है!" ते जो लोक अल्लाह दे अहद नूं पक्का बन्हण तों बाद तोड़ दिंदे हन, ते जिस नूं अल्लाह ने जोड़न दा हुक्म दित्ता है उस नूं कट्टदे हन, ते धरती विच फ़साद फैलाउंदे हन—उन्हां उत्ते लानत है, ते उन्हां लई बुरा घर है। अल्लाह जिस लई चाहुंदा है रोज़ी खुल्ही कर दिंदा है, ते नाप के वी दिंदा है। ते ओह दुनिया दी ज़िंदगी उत्ते ख़ुश हन, हालांकि दुनिया दी ज़िंदगी आख़िरत दे मुक़ाबले विच थोड़े जिहे फ़ायदे तों सिवा कुझ नहीं। (19–26)

ते सच्च दे इनकारी आखदे हन, "इस उत्ते इस दे रब्ब वल्लों कोई निशानी क्यों नहीं उतारी गई?" आख, "बेशक अल्लाह जिस नूं चाहुंदा है भटकण दिंदा है, ते अपणे वल्ल उस नूं राह दिखाउंदा है जो उस वल्ल मुड़े: ओह जो ईमान लिआए, ते जिन्हां दे दिल अल्लाह दी याद नाल सकून पाउंदे हन—सुण लओ, अल्लाह दी याद नाल ही दिल सकून पाउंदे हन—ओह जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते: उन्हां लई ख़ुशहाली है, ते मुड़ के जाण दी सोहणी थां।" इसे तरां असां ने तैनूं इक्क अजिही उम्मत विच भेजिया है जिस तों पहिलां होर उम्मतां गुज़र चुक्कियां हन, तां जो तूं उन्हां नूं ओह पढ़ के सुणावें जो असां ने तेरे वल्ल वह्य कीता है; फिर वी ओह रहमान दा इनकार करदे हन। आख, "ओही मेरा रब्ब है; उस तों सिवा कोई माबूद नहीं। उसे उत्ते मैं भरोसा कीता है, ते उसे वल्ल मेरा मुड़ना है।" ते जे कोई अजिहा क़ुरआन हुंदा जिस दे नाल पहाड़ चला दित्ते जांदे, जां धरती टुकड़े-टुकड़े कर दित्ती जांदी, जां मुर्दियां नाल गल्ल करा दित्ती जांदी—तां ओह एही हुंदा। नहीं; बल्कि सारा मामला अल्लाह ही दा है। तां की ईमान वालियां नूं पता नहीं कि जे अल्लाह चाहुंदा, तां सारे लोकां नूं हिदायत दे दिंदा? ते सच्च दे इनकारियां उत्ते उन्हां दे कीते कारन कोई ना कोई आफ़त आउंदी ही रहेगी, जां उन्हां दे घरां दे नेड़े उतरदी रहेगी, इत्थों तक्क कि अल्लाह दा वादा आ जावे। बेशक अल्लाह अपणे वादे दे ख़िलाफ़ नहीं करदा। (27–31)

ते तैथों पहिलां वी रसूलां दा मख़ौल उडाइया गिया, तां मैं सच्च दे इनकारियां नूं ढिल्ल दित्ती; फिर मैं उन्हां नूं फड़ लिया—सो किहो जिहा सी मेरा अज़ाब! तां की ओह जो हर जान उत्ते निगरान है, उस नूं जाणदा होइया जो उस ने कमाइया, किसे होर वरगा हो सकदा है? फिर वी उन्हां ने अल्लाह दे शरीक ठहरा लए। आख, "उन्हां दे नाम तां लओ! जां तुसीं उस नूं धरती दी किसे अजिही चीज़ दी ख़बर दिंदे हो जिस नूं ओह नहीं जाणदा? जां एह बस उत्तों-उत्तों दी गल्ल है?" नहीं; बल्कि सच्च दे इनकारियां लई उन्हां दी चाल सुहाउणी बणा दित्ती गई है, ते ओह राह तों रोक दित्ते गए हन। ते जिस नूं अल्लाह भटकण दे उस दा कोई राह दिखाउण वाला नहीं। उन्हां लई दुनिया दी ज़िंदगी विच अज़ाब है, ते आख़िरत दा अज़ाब इस तों वी वध सख़्त है; ते उन्हां नूं अल्लाह तों बचाउण वाला कोई ना होवेगा। (32–34)

उस जन्नत दी मिसाल जिस दा वादा उन्हां नाल कीता गिया है जो अल्लाह तों सुचेत रहिंदे हन: उस दे हेठ नहरां वगदियां हन; उस दा फल सदा रहण वाला है, ते उस दी छां वी। एह उन्हां दा अंजाम है जो अल्लाह तों सुचेत रहे, ते सच्च दे इनकारियां दा अंजाम अग्ग है। ते जिन्हां नूं असां ने किताब दित्ती ओह उस उत्ते ख़ुश हुंदे हन जो तेरे वल्ल उतारिया गिया है; पर गिरोहां विच कुझ अजिहे हन जो इस दे कुझ हिस्से दा इनकार करदे हन। आख, "मैनूं तां बस एही हुक्म दित्ता गिया है कि अल्लाह दी इबादत करां ते उस दे नाल किसे नूं शरीक ना ठहरावां। उसे वल्ल मैं बुलाउंदा हां, ते उसे वल्ल मेरा मुड़ना है।" ते इसे तरां असां ने इस नूं अरबी विच इक्क दो-टुक हुक्म बणा के उतारिया है। ते जे तूं उस इल्म तों बाद जो तेरे कोल आ चुक्का है उन्हां दियां ख़ाहिशां दे पिच्छे चल्लिया, तां अल्लाह दे मुक़ाबले विच तेरा ना कोई हिमायती होवेगा, ते ना बचाउण वाला। ते बेशक असां ने तैथों पहिलां वी रसूल भेजे ते उन्हां नूं पतनियां ते औलाद दित्ती; ते किसे रसूल दा एह कम्म ना सी कि अल्लाह दे हुक्म तों बिनां कोई निशानी लै आवे। हर मुद्दत लई इक्क किताब है। अल्लाह जो चाहुंदा है मिटा दिंदा है ते जो चाहुंदा है क़ायम रक्खदा है, ते असल किताब उसे दे कोल है। ते भावें असीं तैनूं उस दा कुझ हिस्सा दिखा देईए जिस दा असीं उन्हां नाल वादा कर रहे हां, जां उस तों पहिलां तैनूं अपणे कोल लै लईए, तेरे ज़िम्मे सिरफ़ पैग़ाम पहुंचा देणा है, ते हिसाब लैणा साडा कम्म है। की उन्हां ने नहीं वेखिया कि असीं इस ज़मीन नूं उस दे किनारियां तों घटाउंदे चले आ रहे हां? ते अल्लाह फ़ैसला करदा है, ते उस दे फ़ैसले नूं कोई पलटण वाला नहीं; ते ओह छेती हिसाब लैण वाला है। ते उन्हां तों पहिलां वालियां ने वी चालां चल्लियां सन, पर सारी तदबीर अल्लाह ही दी है: ओह जाणदा है जो कुझ हर जान कमाउंदी है। ते सच्च दे इनकारी जलदी ही जाण लैणगे कि आख़िरत दा घर किस लई है। ते सच्च दे इनकारी आखदे हन, "तूं रसूल नहीं हैं।" आख, "मेरे ते तुहाडे विचकार गवाह वजों अल्लाह ही काफ़ी है, ते ओह वी जिस दे कोल किताब दा इल्म है।" (35–43)

14. इबराहीम (इबराहीम)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

अलिफ़ लाम रा। एह इक्क किताब है जो असां ने तेरे वल्ल उतारी है तां जो तूं लोकां नूं उन्हां दे रब्ब दे हुक्म नाल हनेरियां दी गहिराई विचों कढ्ढ के रौशनी वल्ल लिआवें, उस दे राह वल्ल जो ज़बरदस्त, तारीफ़ दे लायक़ है—अल्लाह, जिस दा है जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है। ते सच्च दे इनकारियां लई इक्क सख़्त अज़ाब कारन तबाही है: उन्हां लई जो आख़िरत दे मुक़ाबले विच दुनिया दी ज़िंदगी नूं पसंद करदे हन, ते होरां नूं अल्लाह दे राह तों रोकदे हन ते उस विच टेढ ढूंढदे हन। एह लोक भटक के बहुत दूर जा पए हन। ते असां ने कोई रसूल नहीं भेजिया पर उस दी अपणी क़ौम दी ज़बान विच, तां जो ओह उन्हां लई गल्ल खोल्ह के बिआन करे। फिर अल्लाह जिस नूं चाहुंदा है भटकण दिंदा है ते जिस नूं चाहुंदा है राह दिखाउंदा है; ते ओही ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। (1–4)

ते बेशक असां ने मूसा नूं अपणियां निशानियां दे नाल भेजिया: “अपणी क़ौम नूं हनेरियां दी गहिराई विचों कढ्ढ के रौशनी वल्ल लिआ, ते उन्हां नूं अल्लाह दे दिन याद करा।” बेशक इस विच हर उस आदमी लई निशानियां हन जो सब्र करन वाला, शुकर करन वाला होवे। ते जदों मूसा ने अपणी क़ौम नूं आखिया, “अपणे उत्ते अल्लाह दी नेमत नूं याद करो, जदों उस ने तुहानूं फ़िरऔन दे लोकां तों छुटकारा दित्ता, जो तुहानूं बुरा अज़ाब दिंदे सन, तुहाडे पुत्तरां नूं ज़िबह करदे ते तुहाडियां औरतां नूं ज़िंदा रक्खदे सन। ते इस विच तुहाडे रब्ब वल्लों वड्डी आज़माइश सी। ते जदों तुहाडे रब्ब ने ऐलान कर दित्ता: ‘जे तुसीं शुकर करोगे, तां मैं ज़रूर तुहानूं होर दिआंगा; ते जे तुसीं नाशुकरी करोगे, तां मेरा अज़ाब सच्चमुच बड़ा सख़्त है।’” ते मूसा ने आखिया, “जे तुसीं ते धरती विच जो कोई वी है सभ मिल के नाशुकरी करो, तां वी अल्लाह बेनियाज़, तारीफ़ दे लायक़ है।” (5–8)

की तुहाडे कोल उन्हां दी ख़बर नहीं पहुंची जो तुहाथों पहिलां सन—नूह दी क़ौम, आद ते समूद, ते ओह जो उन्हां तों बाद होए, जिन्हां नूं अल्लाह तों सिवा कोई नहीं जाणदा? उन्हां दे रसूल उन्हां कोल खुल्हियां दलीलां लै के आए, पर उन्हां ने अपणे हत्थ अपणे मूंहां विच दे लए ते आखिया, “जिस दे नाल तुसीं भेजे गए हो असीं उस दा इनकार करदे हां, ते जिस चीज़ वल्ल तुसीं सानूं बुलाउंदे हो उस बारे असीं डूंघे शक्क विच हां।” उन्हां दे रसूलां ने आखिया, “की अल्लाह बारे शक्क है, जो असमानां ते धरती दा मुद्ढों पैदा करन वाला है? ओह तुहानूं इस लई बुलाउंदा है कि तुहाडे गुनाह बख़्श देवे ते तुहानूं इक्क मुक़र्रर मुद्दत तक्क मोहलत देवे।” उन्हां ने आखिया, “तुसीं तां बस साडे वरगे इनसान हो। तुसीं चाहुंदे हो कि सानूं उन्हां तों रोक देओ जिन्हां दी साडे पिओ-दादे इबादत करदे सन। सो साडे कोल कोई खुल्ही सनद लिआओ।” उन्हां दे रसूलां ने उन्हां नूं आखिया, “असीं सच्चमुच तुहाडे वरगे इनसान ही हां, पर अल्लाह अपणे बंदियां विचों जिस उत्ते चाहुंदा है अहिसान करदा है। ते साडा एह कम्म नहीं कि अल्लाह दे हुक्म तों बिनां तुहाडे कोल कोई सनद लै आईए; ते ईमान वालियां नूं अल्लाह ही उत्ते भरोसा रक्खणा चाहीदा है। ते असीं अल्लाह उत्ते भरोसा क्यों ना करीए,

जदों कि उस ने सानूं साडे राह दिखा दित्ते हन? ते जो तकलीफ़ तुसीं सानूं दिंदे हो असीं उस उत्ते ज़रूर सब्र करांगे; ते भरोसा करन वालियां नूं अल्लाह ही उत्ते भरोसा करना चाहीदा है।" (9–12)

ते सच्च दे इनकारियां ने अपणे रसूलां नूं आखिया, "असीं तुहानूं ज़रूर अपणी ज़मीन तों कढ्ढ दिआंगे, जां फिर तुसीं साडे मज़हब विच मुड़ आओ।" तां उन्हां दे रब्ब ने उन्हां वल्ल वह्य कीती: "असीं ज़ालिमां नूं ज़रूर हलाक करांगे, ते उन्हां तों बाद तुहानूं ज़रूर इस ज़मीन विच वसावांगे। एह उस लई है जो मेरे साहमणे खड़े होण तों डरे ते मेरी चेतावनी तों डरे।" ते उन्हां ने फ़ैसला मंगिया, ते हर ज़िद्दी सरकश नाकाम हो गिया। उस दे अग्गे जहन्नम है, ते उस नूं पीप वाला पाणी पिआइया जावेगा, जिस नूं ओह घुट्ट-घुट्ट करके पीएगा पर हलक़ तों थल्ले ना उतार सकेगा। ते मौत उस नूं हर पासों आवेगी, फिर वी ओह मरेगा नहीं; ते उस दे अग्गे इक्क सख़्त अज़ाब है। जिन्हां ने अपणे रब्ब दा इनकार कीता उन्हां दी मिसाल: उन्हां दे अमल उस सुआह वरगे हन जिस उत्ते आंधी वाले दिन तेज़ हवा चल्ले। जो कुझ उन्हां ने कमाइया उस विचों किसे चीज़ उत्ते उन्हां दा वस्स ना चल्लेगा। एही दूर दी गुमराही है। (13–18)

की तूं नहीं वेखिया कि अल्लाह ने असमानां ते धरती नूं सच्च दे नाल पैदा कीता? जे ओह चाहे, तां तुहानूं लै जावे ते इक्क नवीं मख़लूक़ लै आवे: ते एह अल्लाह लई कुझ मुश्किल नहीं। ते ओह सारे अल्लाह दे साहमणे निकल खड़े होणगे; फिर कमज़ोर लोक उन्हां नूं आखणगे जो घमंड करदे सन, "असीं तां तुहाडे पिच्छे चल्लण वाले सां। तां की हुण तुसीं अल्लाह दे अज़ाब विचों कुझ वी साथों टाल सकदे हो?" ओह आखणगे, "जे अल्लाह सानूं राह दिखाउंदा, तां असीं वी तुहानूं राह दिखाउंदे। हुण साडे लई बराबर है भावें असीं घबराईए जां सब्र करीए: साडे लई बचण दी कोई थां नहीं।" ते जदों मामले दा फ़ैसला हो चुक्केगा, तां शैतान आखेगा, "बेशक अल्लाह ने तुहाडे नाल सच्चा वादा कीता सी; ते मैं वी तुहाडे नाल वादा कीता सी, पर मैं तुहाडे नाल वादा-ख़िलाफ़ी कीती। ते मेरा तुहाडे उत्ते कोई ज़ोर ना सी, सिवाए इस दे कि मैं तुहानूं बुलाइया ते तुसीं मेरी गल्ल मन्न लई। सो मैनूं मलामत ना करो, बल्कि अपणे आप नूं मलामत करो। ना मैं तुहाडी फ़रियाद नूं पहुंच सकदा हां, ते ना तुसीं मेरी फ़रियाद नूं पहुंच सकदे हो। मैं उस तों बरी हां कि तुसीं इस तों पहिलां मैनूं अल्लाह दा शरीक ठहराइया सी।" बेशक ज़ालिमां लई दर्दनाक अज़ाब है। ते जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते ओह अजिहे बाग़ां विच दाख़िल कीते जाणगे जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, उन्हां विच ओह अपणे रब्ब दे हुक्म नाल सदा रहिणगे; उत्थे उन्हां दी आपस दी दुआ "सलाम!" होवेगी। (19–23)

की तूं नहीं वेखिया कि अल्लाह ने किवें मिसाल बिआन कीती है? पाकीज़ा गल्ल इक्क पाकीज़ा रुक्ख वरगी है: उस दी जड़ पक्की है ते उस दियां टाहणियां असमान विच हन; ओह अपणे रब्ब दे हुक्म नाल हर मौसम विच अपणा फल दिंदा है। ते अल्लाह लोकां लई मिसालां बिआन करदा है, तां जो ओह नसीहत फड़न। ते गंदी गल्ल दी मिसाल इक्क गंदे रुक्ख वरगी है, जो धरती दे उत्तों ही उखाड़ लिया गिया होवे, उस लई कोई टिकाअ नहीं। अल्लाह ईमान वालियां नूं पक्की गल्ल दे नाल दुनिया दी ज़िंदगी विच वी साबित-क़दम रक्खदा है ते आख़िरत विच वी; ते अल्लाह ज़ालिमां नूं भटकण दिंदा है। ते अल्लाह जो चाहुंदा है करदा है। (24–27)

की तूं उन्हां नूं नहीं वेखिया जिन्हां ने अल्लाह दी नेमत नूं नाशुकरी नाल बदल दित्ता, ते अपणी क़ौम नूं तबाही दे घर विच जा उतारिया—जहन्नम, जिस विच ओह सड़न लई दाख़िल होणगे? ते ओह ठहिरन दी किन्नी बुरी थां है! ते उन्हां ने अल्लाह दे बराबर दे ठहराए, तां जो होरां नूं उस दे राह तों भटकाउण। आख, "फ़ायदा उठा लओ; तुहाडा आख़िरी ठिकाणा अग्ग ही है।" मेरे उन्हां बंदियां नूं जो ईमान लिआए हन आख दे कि नमाज़ क़ायम करन, ते जो कुझ असां ने उन्हां नूं दित्ता है उस विचों छुपा के ते ज़ाहिर करके ख़र्च करन, इस तों पहिलां कि ओह दिन आ जावे जिस विच ना कोई सौदा होवेगा ना कोई दोस्ती। (28–31)

अल्लाह ओही है जिस ने असमानां ते धरती नूं पैदा कीता, ते असमान तों पाणी उतारिया, फिर उस दे नाल तुहाडी रोज़ी लई फल कढ्ढे; ते उस ने किश्तियां नूं तुहाडे कम्म उत्ते ला दित्ता, कि उस दे हुक्म नाल समुंदर विच चल्लण, ते उस ने नहरां नूं तुहाडे कम्म उत्ते ला दित्ता। ते उस ने सूरज ते चंद नूं तुहाडे कम्म उत्ते ला दित्ता, जो लगातार चल्ल रहे हन, ते उस ने रात ते दिन नूं तुहाडे कम्म उत्ते ला दित्ता। ते उस ने तुहानूं हर उस चीज़ विचों दित्ता जो तुसीं उस तों मंगी। ते जे तुसीं अल्लाह दियां नेमतां गिणन लग्गो, तां उन्हां नूं कदे गिण ना सकोगे। बेशक इनसान बड़ा बेइनसाफ़, बड़ा नाशुकरा है। (32–34)

ते जदों इबराहीम ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, इस शहिर नूं अमन वाला बणा दे, ते मैनूं ते मेरी औलाद नूं बुत्तां दी पूजा तों दूर रक्ख। ऐ मेरे रब्ब, इन्हां ने बहुत सारे लोकां नूं भटका दित्ता है। सो जो मेरे पिच्छे चल्ले ओह मेरा है; ते जो मेरी नाफ़रमानी करे—तां बेशक तूं बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। ऐ साडे रब्ब, मैं अपणी कुझ औलाद नूं इक्क बिनां खेती वाली वादी विच, तेरे हुरमत वाले घर दे कोल वसाइया है—ऐ साडे रब्ब, तां जो ओह नमाज़ क़ायम करन। सो तूं कुझ लोकां दे दिल उन्हां वल्ल झुका दे, ते उन्हां नूं फलां दी रोज़ी दे, तां जो ओह शुकर करन। ऐ साडे रब्ब, तूं जाणदा है जो कुझ असीं छुपाउंदे हां ते जो कुझ असीं ज़ाहिर करदे हां; ते अल्लाह तों ना धरती विच कोई चीज़ छुपी है ना असमान विच। सारी तारीफ़ अल्लाह ही लई है, जिस ने मैनूं बुढापे विच इसमाईल ते इसहाक़ दित्ते। बेशक मेरा रब्ब दुआ सुणन वाला है। ऐ मेरे रब्ब, मैनूं नमाज़ क़ायम करन वाला बणा, ते मेरी औलाद विचों वी। ऐ साडे रब्ब, मेरी दुआ क़बूल कर। ऐ साडे रब्ब, मैनूं ते मेरे मां-पिओ नूं ते ईमान वालियां नूं उस दिन बख़्श दे जिस दिन हिसाब क़ायम होवेगा।"[16] (35–41)

ते तूं हरगिज़ एह ना समझ कि अल्लाह उस तों बेख़बर है जो ज़ालिम करदे हन। ओह तां उन्हां नूं बस उस दिन तक्क मोहलत दे रिहा है जिस दिन अक्खां फटियां रह जाणगियां, ओह सिर चुक्की दौड़े जा रहे होणगे, उन्हां दी निगाह उन्हां वल्ल मुड़ के ना आवेगी, ते उन्हां दे दिल ख़ाली होणगे। ते लोकां नूं उस दिन तों ख़बरदार कर जदों उन्हां उत्ते अज़ाब आ जावेगा, तां ज़ालिम आखणगे, "ऐ साडे रब्ब, सानूं थोड़ी जिही मुद्दत

[16] **"ऐ मेरे रब्ब, इस शहिर नूं अमन वाला बणा दे": क़ुरआन 14:35–41 दी इक्क तारीख़ी ते दीनी तफ़सीर, इबराहीम तों लै के 2026 दे मक्का डिफ़ेंस अलायंस तक्क मक्के दे अमन दी सदी-दर-सदी तारीख़ दे नाल**
जद्दा दा घेरा, 1517: पुरतगाल, लाल सागर, ते पाक शहिरां दी हिफ़ाज़त

तक्क मोहलत दे: असीं तेरी पुकार दा जवाब दिआंगे ते रसूलां दे पिच्छे चल्लांगे।" "तां की तुसीं इस तों पहिलां क़समां नहीं खांदे सी कि तुहानूं कदे ज़वाल ना आवेगा? ते तुसीं उन्हां लोकां दे घरां विच वसे रहे जिन्हां ने अपणे आप उत्ते ज़ुलम कीता सी, ते तुहाडे उत्ते खुल्ह चुक्का सी कि असां ने उन्हां दे नाल की कीता, ते असां ने तुहाडे लई मिसालां वी बिआन कीतियां सन।" ते उन्हां ने अपणी चाल चल्ली, पर उन्हां दी चाल अल्लाह दे कोल सी—भावें उन्हां दी चाल अजिही सी कि उस दे नाल पहाड़ वी टल जांदे। (42–46)

सो तूं हरगिज़ एह ना समझ कि अल्लाह अपणे रसूलां नाल कीते वादे दे ख़िलाफ़ करेगा। बेशक अल्लाह ज़बरदस्त, बदला लैण वाला है। जिस दिन एह धरती होर धरती नाल बदल दित्ती जावेगी, ते असमान वी, ते ओह सारे अल्लाह दे साहमणे निकल खड़े होणगे, जो इक्को इक्क, सभ उत्ते ग़ालिब है, उस दिन तूं मुजरिमां नूं वेखेंगा कि ज़ंजीरां विच जकड़े होए होणगे, उन्हां दे कुरते गंधक दे होणगे, ते उन्हां दे चिहरियां नूं अग्ग ने ढकिया होवेगा, तां जो अल्लाह हर जान नूं उस दी कमाई दा बदला देवे। बेशक अल्लाह छेती हिसाब लैण वाला है। (47–51)

एह लोकां लई इक्क पैग़ाम है, ते तां जो उन्हां नूं इस दे ज़रीए ख़बरदार कीता जावे, ते तां जो ओह जाण लैण कि ओह इक्को माबूद है, ते तां जो अक़ल वाले नसीहत फड़न। (52)

15. अल-हिज्र (अल-हिज्र)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

अलिफ़ लाम रा। एह किताब दियां, ते गल्लां नूं खोल्ह के बिआन करन वाले क़ुरआन दियां आयतां ते निशानियां हन। हो सकदा है कि सच्च दे इनकारी इक्क दिन आरज़ू करन कि काश ओह अल्लाह दे फ़रमांबरदार हुंदे। उन्हां नूं छड्ड दे कि खाण ते मज़े करन, ते झूठी उम्मीद उन्हां नूं भुलेखे विच पाई रक्खे: जलदी ही ओह जाण लैणगे। ते असां ने किसे बस्ती नूं हलाक नहीं कीता पर उस लई इक्क जाणी-पछाणी लिखत सी, कोई उम्मत ना अपणे मुक़र्रर वक़्त तों अग्गे वध सकदी है, ना पिच्छे रह सकदी है। ते ओह आखदे हन, "ऐ ओह आदमी जिस उत्ते एह नसीहत उतारी गई है—तूं तां यक़ीनन दीवाना हैं! तूं साडे कोल फ़रिश्ते क्यों नहीं लै आउंदा, जे तूं सच्चियां विचों हैं?" असीं फ़रिश्तियां नूं सच्च दे नाल ही उतारदे हां, ते तद उन्हां नूं कोई मोहलत ना दित्ती जांदी। बेशक असां ने ही एह नसीहत उतारी है, ते बेशक असीं ही इस दी हिफ़ाज़त करन वाले हां। ते बेशक असां ने तैथों पहिलां अगलियां दे गिरोहां विच वी रसूल भेजे सन, ते उन्हां कोल कोई रसूल नहीं आइया पर ओह उस दा मख़ौल उडाउंदे रहे। इसे तरां असीं इस नूं मुजरिमां दे दिलां विच दाख़िल करदे हां: ओह इस उत्ते ईमान नहीं लिआउंदे, हालांकि अगलियां दी मिसाल गुज़र चुक्की है। ते जे असीं उन्हां उत्ते असमान दा कोई दरवाज़ा खोल्ह दिंदे, ते ओह उस विच चढ़दे चले जांदे, तां वी एही आखदे, "साडियां अक्खां नूं बस चुंधिआ दित्ता गिया है; बल्कि साडे उत्ते जादू कर दित्ता गिया है।" (1–15)

ते बेशक असां ने असमान विच बुरज बणाए, ते वेखण वालियां लई उस नूं सजाइया, ते उस नूं हर धिक्कारे होए शैतान तों महिफ़ूज़ रक्खिया—सिवाए उस दे जो चोरी-छुपे कुझ सुण लए, तां इक्क चमकदा शोला उस दा पिच्छा करदा है। ते धरती—असां ने उस नूं फैलाइया, ते उस विच जमे होए पहाड़ रक्खे, ते उस विच हर चीज़ नपे-तुले अंदाज़े नाल उगाई; ते असां ने उस विच तुहाडे लई गुज़ारे दे सामान बणाए, ते उन्हां लई वी जिन्हां नूं तुसीं रोज़ी नहीं दिंदे। ते कोई चीज़ अजिही नहीं जिस दे ख़ज़ाने साडे कोल ना होण, ते असीं उस नूं इक्क जाणे-पछाणे अंदाज़े नाल ही उतारदे हां। ते असीं भार चुक्की होइयां हवावां भेजदे हां, फिर असमान तों पाणी उतारदे हां ते तुहानूं पिआउंदे हां; ते तुसीं उस नूं जमा करके रक्खण वाले नहीं। ते बेशक असीं ही ज़िंदगी दिंदे हां ते मौत दिंदे हां, ते असीं ही वारिस हां। ते बेशक असीं तुहाडे विचों उन्हां नूं वी जाणदे हां जो अग्गे लंघ गए, ते उन्हां नूं वी जाणदे हां जो पिच्छे आउण वाले हन। ते बेशक तेरा रब्ब ही उन्हां नूं इकट्ठा करेगा: बेशक ओह हिकमत वाला, सभ कुझ जाणन वाला है।[17] (16–25)

ते बेशक असां ने इनसान नूं खड़कदे गारे तों, सड़ी होई काली मिट्टी तों जिस नूं सूरत दित्ती गई, पैदा कीता, ते जिन्न नूं असां ने उस तों पहिलां लू दी अग्ग तों पैदा कीता सी। ते जदों तेरे रब्ब ने फ़रिश्तियां नूं आखिया,

[17] क़ुरआन 15:16–25 दी इक्क साइंसी, फ़लसफ़ी ते दीनी तफ़सीर
क़ुरआन इक्क सूरा दा नाम बुर्जां (तारा-मंडलां) दे नाम उत्ते क्यों रक्खदा है?

“मैं खड़कदे गारे तों, सड़ी होई काली मिट्टी तों जिस नूं सूरत दित्ती गई, इक्क इनसान पैदा करन वाला हां। सो जदों मैं उस नूं पूरा बणा लवां ते उस विच अपणी रूह विचों फूक दिआं, तां उस दे अग्गे सजदे विच डिग्ग पैणा,” तां फ़रिश्तियां ने सजदा कीता, सभ दे सभ ने इकट्ठियां—सिवाए इबलीस दे: उस ने सजदा करन वालियां दे नाल होण तों इनकार कर दित्ता। उस ने आखिया, “ऐ इबलीस, तैनूं की होइया, कि तूं सजदा करन वालियां दे नाल ना होइया?” उस ने आखिया, “मैं अजिहा नहीं कि उस इनसान नूं सजदा करां जिस नूं तूं खड़कदे गारे तों, सड़ी होई काली मिट्टी तों जिस नूं सूरत दित्ती गई, पैदा कीता।” उस ने आखिया, “तां इत्थों निकल जा, किउंकि तूं धिक्कारिया होइया हैं, ते बेशक बदले दे दिन तक्क तेरे उत्ते लानत है।” उस ने आखिया, “ऐ मेरे रब्ब, मैनूं उस दिन तक्क मोहलत दे जदों ओह उठाए जाणगे।” उस ने आखिया, “तूं उन्हां विचों हैं जिन्हां नूं मोहलत दित्ती गई, उस मुक़र्रर वक़्त दे दिन तक्क।” उस ने आखिया, “ऐ मेरे रब्ब, क्योंकि तूं मैनूं भटकाइया है, मैं ज़रूर धरती विच उन्हां लई बुराई नूं सुहाउणा बणावांगा, ते मैं ज़रूर उन्हां सभनां नूं भटकावांगा—सिवाए उन्हां विचों तेरे उन्हां बंदियां दे जो ख़ालिस हन।” उस ने आखिया, “एह इक्क राह है जो सिद्धा मेरे तक्क पहुंचदा है: बेशक मेरे बंदियां उत्ते तेरा कोई ज़ोर ना चल्लेगा, सिवाए उन्हां भटके होइयां दे जो तेरे पिच्छे चल्लण; ते बेशक जहन्नम उन्हां सभनां दे वादे दी थां है। उस दे सत्त दरवाज़े हन, ते हर दरवाज़े लई उन्हां विचों इक्क हिस्सा वंडिया होइया है।” बेशक जो अल्लाह तों सुचेत रहे ओह बाग़ां ते चश्मियां विच होणगे। “इन्हां विच सलामती नाल बेख़ौफ़ दाख़िल हो जाओ!” ते उन्हां दे सीनियां विच जो वी कीना होवेगा असीं उस नूं कढ्ढ दिआंगे; ओह भरा-भरा बण के तख़्तां उत्ते आहमो-साहमणे बैठे होणगे। उत्थे उन्हां नूं ना कोई थकावट छूहेगी, ते ना ओह उत्थों कदे कढ्ढे जाणगे। मेरे बंदियां नूं ख़बर दे दे कि मैं ही बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला हां, ते एह कि मेरा अज़ाब ही दर्दनाक अज़ाब है। (26–50)

ते उन्हां नूं इबराहीम दे मिहमानां दा हाल सुणा, जदों ओह उस दे कोल आए ते आखिया, “सलाम।” उस ने आखिया, “सानूं तुहाथों डर लग्गदा है।” उन्हां ने आखिया, “डर ना: असीं तैनूं इक्क इल्म वाले लड़के दी ख़ुशख़बरी दिंदे हां।” उस ने आखिया, “की तुसीं मैनूं इस हाल विच ख़ुशख़बरी दिंदे हो कि मेरे उत्ते बुढापा आ चुक्का है? तां किस चीज़ दी ख़ुशख़बरी दिंदे हो?” उन्हां ने आखिया, “असीं तैनूं सच्ची ख़ुशख़बरी दिंदे हां; सो तूं ना-उम्मीद होण वालियां विचों ना हो।” उस ने आखिया, “ते अपणे रब्ब दी रहमत तों भटके होइयां तों सिवा कौण ना-उम्मीद हुंदा है?” उस ने आखिया, “तां ऐ भेजे होइओ, तुहाडी मुहिम की है?” उन्हां ने आखिया, “असीं इक्क मुजरिम क़ौम वल्ल भेजे गए हां—सिवाए लूत दे घर वालियां दे: असीं उन्हां सभनां नूं ज़रूर बचा लवांगे, सिवाए उस दी पतनी दे; असां ने तै कर दित्ता है कि ओह पिच्छे रह जाण वालियां विचों होवेगी।” (51–60)

फिर जदों भेजे होए लूत दे घर वालियां कोल आए, तां उस ने आखिया, “तुसीं तां ओपरे लोक हो।” उन्हां ने आखिया, “नहीं; बल्कि असीं तेरे कोल ओह चीज़ लै के आए हां जिस विच एह शक्क करदे सन। ते असीं तेरे कोल सच्च लै के आए हां, ते बेशक असीं सच्चे हां। सो तूं रात दे किसे हिस्से विच अपणे घर वालियां नूं लै के निकल जा, ते आप उन्हां दे पिच्छे-पिच्छे चल्ल; ते तुहाडे विचों कोई पिच्छे मुड़ के ना वेखे, ते उधर ही चल्ले

जाओ जिधर तुहानूं हुक्म दित्ता जांदा है।" ते असां ने उस नूं एह फ़ैसला पहुंचा दित्ता: कि सवेर हुंदियां उन्हां लोकां दी जड़ कट्ट दित्ती जावेगी। ते शहिर दे लोक ख़ुशियां मनाउंदे होए आ पहुंचे। उस ने आखिया, "एह मेरे मिहमान हन, सो मैनूं शरमिंदा ना करो। ते अल्लाह तों सुचेत रहो, ते मैनूं रुसवा ना करो।" उन्हां ने आखिया, "की असां ने तैनूं दुनिया भर दे लोकां नूं पनाह देण तों रोकिया नहीं सी?" उस ने आखिया, "एह मेरियां धीआं हन, जे तुसीं कुझ करना ही है।" तेरी जान दी क़सम, ओह अपणी मसती विच अन्हे होए भटक रहे सन—ते सूरज निकलदियां ही कड़क ने उन्हां नूं आ फड़िया। फिर असां ने उस शहिर नूं उलट-पुलट कर दित्ता, ते उन्हां उत्ते पक्की होई मिट्टी दे पत्थर वसाए। बेशक इस विच उन्हां लई निशानियां हन जो निशानां नूं पढ़ लैंदे हन। ते ओह इक्क चल्लदी होई राह उत्ते है: बेशक इस विच ईमान वालियां लई निशानी है। (61–77)

ते घणे जंगल वाले वी ज़ालिम सन, सो असां ने उन्हां तों बदला लिया; ते एह दोवें इक्क खुल्ही शाहराह उत्ते हन। ते हिज्र वालियां ने वी रसूलां नूं झुठलाइया। असां ने उन्हां नूं अपणियां निशानियां दित्तियां, पर ओह उन्हां तों मूंह मोड़दे रहे। ओह बेख़ौफ़ हो के पहाड़ां नूं तराश के घर बणाउंदे सन; पर सवेर हुंदियां कड़क ने उन्हां नूं आ फड़िया, ते जो कुझ उन्हां ने कमाइया सी ओह उन्हां दे कुझ कम्म ना आइया। (78–84)

ते असां ने असमानां ते धरती नूं ते जो कुझ उन्हां दे विचकार है सच्च दे नाल ही पैदा कीता है। ते ओह घड़ी यक़ीनन आउण वाली है, सो तूं चंगे ढंग नाल दरगुज़र कर। बेशक तेरा रब्ब ही सभ कुझ पैदा करन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। ते बेशक असां ने तैनूं सत्त बार-बार दुहराइयां जाण वालियां आयतां ते निशानियां, ते अज़मत वाला क़ुरआन दित्ता है। तूं उस वल्ल अक्ख उठा के ना वेख जो असां ने उन्हां विचों कुझ गिरोहां नूं फ़ायदा उठाउण लई दित्ता है, ते ना उन्हां उत्ते ग़म कर; ते ईमान वालियां लई अपणा बाज़ू झुकाई रक्ख, ते आख दे, "बेशक मैं ही खुल्हा ख़बरदार करन वाला हां," जिवें कि असां ने उन्हां वंडण वालियां उत्ते उतारिया सी, जिन्हां ने क़ुरआन नूं टुकड़े-टुकड़े कर दित्ता। सो तेरे रब्ब दी क़सम, असीं उन्हां सभनां तों ज़रूर पुच्छांगे उस बारे जो ओह करदे सन। सो जिस चीज़ दा तैनूं हुक्म दित्ता जांदा है उस नूं खोल्ह के सुणा दे, ते अल्लाह नाल शरीक ठहराउण वालियां तों मूंह फेर लै। बेशक मख़ौल उडाउण वालियां दे मुक़ाबले विच असीं तेरे लई काफ़ी हां, जो अल्लाह दे नाल होर माबूद बणाउंदे हन: सो जलदी ही ओह जाण लैणगे। ते असीं ख़ूब जाणदे हां कि जो कुझ ओह आखदे हन उस नाल तेरा सीना तंग हुंदा है। सो अपणे रब्ब दी हम्द दे नाल उस दी तसबीह कर, ते सजदा करन वालियां विचों हो जा, ते अपणे रब्ब दी इबादत करदा रह इत्थों तक्क कि तेरे कोल यक़ीनी चीज़ आ जावे। (85–99)

16. शहिद दी मक्खी (अन-नह्ल)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

अल्लाह दा हुक्म आ पहुंचिया, सो उस दी छेती ना मचाओ। ओह पाक है! ते उस तों बहुत उच्चा है जो ओह शरीक ठहराउंदे हन। ओह फ़रिश्तियां नूं अपणे हुक्म दी रूह दे नाल अपणे बंदियां विचों जिस उत्ते चाहुंदा है उतारदा है: "ख़बरदार कर देओ कि मेरे तों सिवा कोई माबूद नहीं, सो मैथों सुचेत रहो।" उस ने असमानां ते धरती नूं सच्च दे नाल पैदा कीता; ओह उस तों बहुत उच्चा है जो ओह शरीक ठहराउंदे हन। उस ने इनसान नूं इक्क बूंद तों पैदा कीता—ते वेखो, ओह खुल्हा झगड़ालू बण गिया! ते चौपाए उस ने तुहाडे लई पैदा कीते: उन्हां विच गरमाइश है ते होर फ़ायदे, ते उन्हां विचों तुसीं खांदे वी हो। ते उन्हां विच तुहाडे लई रौनक़ है जदों तुसीं शाम नूं उन्हां नूं वापस लिआउंदे हो ते जदों सवेरे चरन लई छड्डदे हो। ते ओह तुहाडे बोझ उन्हां शहिरां तक्क चुक्क लै जांदे हन जित्थे तुसीं जान नूं मुश्किल विच पाए बिनां पहुंच नहीं सकदे सी। बेशक तुहाडा रब्ब बड़ा शफ़क़त करन वाला, सदा रहम करन वाला है। ते घोड़े, ख़च्चर ते गधे, तां जो तुसीं उन्हां उत्ते सवार होवो ते ज़ीनत लई वी। ते ओह ओह कुझ पैदा करदा है जो तुसीं नहीं जाणदे। ते सिद्धा राह दस्सणा अल्लाह दे ज़िम्मे है, हालांकि कुझ राह टेढे वी हन। ते जे ओह चाहुंदा, तां तुहानूं सभनां नूं हिदायत दे दिंदा। (1–9)

ओही है जो तुहाडे लई असमान तों पाणी उतारदा है: उस विचों पीण नूं मिलदा है, ते उसे तों ओह रुक्ख-बूटे उग्गदे हन जिन्हां विच तुसीं अपणे मवेशी चराउंदे हो। उसे दे नाल ओह तुहाडे लई खेती, ज़ैतून, खजूर, अंगूर, ते हर किसम दे फल उगाउंदा है। बेशक इस विच सोच-विचार करन वाले लोकां लई निशानी है। ते उस ने रात ते दिन नूं, ते सूरज ते चंद नूं तुहाडे कम्म उत्ते ला दित्ता; ते तारे वी उस दे हुक्म नाल कम्म उत्ते लाए होए हन। बेशक इस विच अक़ल तों कम्म लैण वाले लोकां लई निशानियां हन। ते जो कुझ उस ने तुहाडे लई धरती विच रंग-बरंगा फैलाइया है: बेशक इस विच नसीहत फड़न वाले लोकां लई निशानी है। ते ओही है जिस ने समुंदर नूं कम्म उत्ते ला दित्ता, तां जो तुसीं उस विचों ताज़ा गोश्त खाओ ते उस विचों पहिनण दे ज़ेवर कड्ढो; ते तूं किश्तियां नूं वेखदा हैं कि उस नूं चीरदियां चल्लदियां हन, ते तां जो तुसीं उस दा फ़ज़ल तलाश करो, ते शायद तुसीं शुकर करो। ते उस ने धरती विच जमे होए पहाड़ रक्ख दित्ते तां जो ओह तुहानूं लै के डोले ना, ते नहरां ते राह, तां जो तुसीं राह पाओ, ते निशान वी; ते तारियां तों वी ओह राह पाउंदे हन। तां की जो पैदा करदा है उस वरगा हो सकदा है जो पैदा नहीं कर सकदा? तां की तुसीं नसीहत नहीं फड़दे? (10–17)

ते जे तुसीं अल्लाह दियां नेमतां गिणन लग्गो तां उन्हां नूं कदे गिण ना सकोगे। बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। ते अल्लाह जाणदा है जो कुझ तुसीं छुपाउंदे हो ते जो कुझ ज़ाहिर करदे हो। ते जिन्हां नूं ओह अल्लाह तों सिवा पुकारदे हन ओह कुझ वी पैदा नहीं करदे; बल्कि ओह आप पैदा कीते गए हन: मुर्दे हन, ज़िंदा नहीं, ते उन्हां नूं पता नहीं कि ओह कदों उठाए जाणगे। तुहाडा माबूद इक्को माबूद है। सो जो आख़िरत उत्ते ईमान नहीं रक्खदे—उन्हां दे दिल इनकारी हन, ते ओह घमंड करदे हन। कोई

शक्क नहीं कि अल्लाह जाणदा है जो कुझ ओह छुपाउंदे हन ते जो कुझ ज़ाहिर करदे हन: बेशक ओह घमंड करन वालियां नूं पसंद नहीं करदा। (18–23)

ते जदों उन्हां तों पुच्छिया जांदा है, "तुहाडे रब्ब ने की उतारिया है?" तां आखदे हन, "अगलियां दियां कहाणियां"—तां जो क़ियामत दे दिन ओह अपणे बोझ वी पूरे-पूरे चुक्कण, ते उन्हां लोकां दे बोझां विचों वी कुझ जिन्हां नूं ओह बिनां इल्म दे भटकाउंदे हन। सुण लओ, किन्ना बुरा बोझ है जो ओह चुक्कणगे! उन्हां तों पहिलां वालियां ने वी चालां चल्लियां सन; फिर अल्लाह उन्हां दी इमारत उत्ते उस दियां नींहां वल्लों आइया, ते छत्त उन्हां दे उत्तों उन्हां उत्ते आ डिग्गी, ते अज़ाब उन्हां उत्ते उत्थों आइया जित्थों उन्हां नूं गुमान वी ना सी। फिर क़ियामत दे दिन ओह उन्हां नूं रुसवा करेगा ते आखेगा, "कित्थे हन मेरे ओह शरीक, जिन्हां बारे तुसीं झगड़िया करदे सी?" जिन्हां नूं इल्म दित्ता गिया ओह आखणगे, "बेशक अज्ज रुसवाई ते बदहाली सच्च दे इनकारियां उत्ते है—" उन्हां उत्ते जिन्हां दियां जानां फ़रिश्ते इस हाल विच क़बज़ करदे हन कि ओह अपणे आप उत्ते ज़ुलम कर रहे हुंदे हन। तद ओह फ़रमांबरदारी पेश करनगे: "असीं तां कोई बुराई नहीं करदे सां।" क्यों नहीं! बेशक अल्लाह ख़ूब जाणदा है जो कुझ तुसीं करदे सी। सो जहन्नम दे दरवाज़ियां विच दाख़िल हो जाओ, उस विच सदा रहण लई। सो घमंड करन वालियां दा ठिकाणा किन्ना बुरा है! (24–29)

ते जदों उन्हां तों जो अल्लाह तों सुचेत रहे पुच्छिया जांदा है, "तुहाडे रब्ब ने की उतारिया है?" तां आखदे हन, "भलाई।" जिन्हां ने इस दुनिया विच नेकी कीती उन्हां लई भलाई है, ते आख़िरत दा घर इस तों वी बिहतर है। ते अल्लाह तों सुचेत रहण वालियां दा घर किन्ना चंगा है: सदा रहण वाले बाग़ जिन्हां विच ओह दाख़िल होणगे, जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन; उत्थे उन्हां लई ओह सभ कुझ होवेगा जो ओह चाहुणगे। इसे तरां अल्लाह उन्हां नूं बदला दिंदा है जो उस तों सुचेत रहिंदे हन, उन्हां नूं जिन्हां दियां जानां फ़रिश्ते इस हाल विच क़बज़ करदे हन कि ओह पाक हुंदे हन, ओह आखदे हन, "तुहाडे उत्ते सलामती होवे। जन्नत विच दाख़िल हो जाओ उन्हां कम्मां दे बदले जो तुसीं करदे सी।" की एह लोक इस तों सिवा किसे गल्ल दी उडीक कर रहे हन कि उन्हां कोल फ़रिश्ते आ जाण, जां तेरे रब्ब दा हुक्म आ जावे? इसे तरां उन्हां ने वी कीता जो इन्हां तों पहिलां सन। ते अल्लाह ने उन्हां उत्ते ज़ुलम नहीं कीता; बल्कि ओह आप ही अपणे उत्ते ज़ुलम करदे सन। सो उन्हां दे कम्मां दियां बुराइयां उन्हां नूं आ पहुंचियां, ते ओही चीज़ उन्हां नूं घेर बैठी जिस दा ओह मख़ौल उडाउंदे सन। (30–34)

ते जिन्हां ने अल्लाह नाल शरीक ठहराए ओह आखदे हन, "जे अल्लाह चाहुंदा, तां ना असीं उस तों सिवा किसे चीज़ दी इबादत करदे, ना साडे पिओ-दादे, ते ना असीं उस दे बिनां किसे चीज़ नूं हराम ठहराउंदे।" इसे तरां उन्हां ने वी कीता जो इन्हां तों पहिलां सन। तां की रसूलां दे ज़िम्मे साफ़-साफ़ पैग़ाम पहुंचा देण तों सिवा कुझ होर है? ते बेशक असां ने हर उम्मत विच इक्क रसूल भेजिया जो आखदा सी, "अल्लाह दी इबादत करो ते झूठे माबूदां तों बचो।" फिर उन्हां विचों कुझ अजिहे सन जिन्हां नूं अल्लाह ने हिदायत दित्ती, ते कुझ अजिहे जिन्हां उत्ते गुमराही पक्की हो गई। सो धरती विच चल्लो-फिरो ते वेखो कि झुठलाउण वालियां दा अंजाम की होइया। जे तूं उन्हां दी हिदायत दा किन्ना ही चाहवान होवें, तां वी अल्लाह उस नूं हिदायत नहीं

दिंदा जिस नूं ओह भटकण दे, ते उन्हां दा कोई मददगार ना होवेगा। ते ओह अल्लाह दियां पक्कियां क़समां खांदे हन कि जो मर जांदा है अल्लाह उस नूं नहीं उठावेगा। क्यों नहीं—एह उस दे ज़िम्मे सच्चा वादा है, पर बहुते लोक नहीं जाणदे—तां जो ओह उन्हां लई ओह गल्ल खोल्ह देवे जिस विच ओह इख़तिलाफ़ करदे हन, ते तां जो सच्च दे इनकारी जाण लैण कि ओह झूठे सन। जदों असीं किसे चीज़ दा इरादा करदे हां, तां उस लई साडा आखणा बस एही हुंदा है कि "हो जा", ते ओह हो जांदी है। ते जिन्हां ने ज़ुलम सहिण तों बाद अल्लाह दी ख़ातिर हिजरत कीती—असीं उन्हां नूं दुनिया विच ज़रूर चंगा ठिकाणा दिआंगे, ते आख़िरत दा अजर तां इस तों वी वड्डा है, काश ओह जाणदे—ओह जिन्हां ने सब्र कीता ते जो अपणे रब्ब उत्ते भरोसा रक्खदे हन। (35–42)

ऐ नबी, असां ने तैथों पहिलां वी मरद ही भेजे सन जिन्हां वल्ल असीं वह्य करदे सां—सो नसीहत वालियां तों पुच्छ लओ जे तुसीं नहीं जाणदे—खुल्हियां दलीलां ते किताबां दे नाल। ते असां ने तेरे वल्ल एह नसीहत उतारी है, तां जो तूं लोकां लई ओह खोल्ह के बिआन कर देवें जो उन्हां वल्ल उतारिया गिया है, ते तां जो ओह सोच-विचार करन। (43–44)

तां की ओह लोक जो बुरियां चालां चल्लदे हन इस तों बेख़ौफ़ हो गए हन कि अल्लाह उन्हां नूं धरती विच धसा देवे, जां उन्हां उत्ते अज़ाब उत्थों आ जावे जित्थों उन्हां नूं गुमान वी ना होवे, जां ओह उन्हां नूं चल्लदियां-फिरदियां फड़ लए, सो ओह उस नूं आजिज़ ना कर सकण, जां ओह उन्हां नूं घटाउंदियां-घटाउंदियां फड़ लए? सो बेशक तुहाडा रब्ब बड़ा शफ़क़त करन वाला, सदा रहम करन वाला है। की उन्हां ने उन्हां चीज़ां वल्ल नहीं वेखिया जो अल्लाह ने पैदा कीतियां हन, कि उन्हां दे परछावें सज्जे ते खब्बे ढलदे हन, अल्लाह अग्गे पूरी आजिज़ी नाल सजदा करदे होए? ते अल्लाह ही अग्गे सजदा करदी है हर ओह चीज़ जो असमानां विच है ते धरती दा हर जानदार, ते फ़रिश्ते वी, ते ओह घमंड नहीं करदे: ओह अपणे रब्ब तों डरदे हन जो उन्हां दे उत्ते है, ते ओही करदे हन जिस दा उन्हां नूं हुक्म दित्ता जांदा है। (45–50)

ते अल्लाह ने आखिया है, "दो माबूद ना बणाओ: ओह तां बस इक्को माबूद है। सो मैथों ही डरो, सिरफ़ मैथों।" ते उसे दा है जो कुझ असमानां ते धरती विच है, ते उसे दी फ़रमांबरदारी सदा लाज़िम है। तां की तुसीं अल्लाह तों सिवा किसे होर तों सुचेत रहोगे? ते तुहाडे कोल जो वी नेमत है ओह अल्लाह ही वल्लों है। फिर जदों तुहानूं कोई तकलीफ़ पहुंचदी है, तां उसे अग्गे तुसीं फ़रियाद करदे हो; फिर जदों ओह तुहाथों तकलीफ़ दूर कर दिंदा है, तां उसे वेले तुहाडे विचों इक्क गिरोह अपणे रब्ब दे नाल शरीक ठहराउण लग्ग पैंदा है, तां जो उस दी नाशुकरी करन जो असां ने उन्हां नूं दित्ता है। सो मज़े कर लओ—जलदी ही तुसीं जाण लओगे। (51–55)

ते जो कुझ असां ने उन्हां नूं दित्ता है उस विचों ओह उन्हां लई हिस्सा रक्खदे हन जिन्हां नूं ओह जाणदे तक्क नहीं। अल्लाह दी क़सम, तुहाथों ज़रूर पुच्छिया जावेगा उस बारे जो तुसीं घड़दे रहे। ते ओह अल्लाह लई धीआं ठहराउंदे हन—ओह पाक है!—ते अपणे लई ओह जो ओह चाहुंदे हन। ते जदों उन्हां विचों किसे नूं

धी दी ख़बर दित्ती जांदी है, तां उस दा चिहरा काला पै जांदा है ते ओह अपणा ग़म घुट्ट के रह जांदा है; ओह उस बुरी ख़बर कारन जो उस नूं दित्ती गई लोकां तों छुपदा फिरदा है: की उस नूं ज़िल्लत दे नाल रक्ख लए, जां उस नूं मिट्टी विच दब्ब देवे? सुण लओ, किन्ना बुरा है जो ओह फ़ैसला करदे हन! जो आख़िरत उत्ते ईमान नहीं रक्खदे उन्हां दी बुरी सिफ़त है, ते अल्लाह लई सभ तों उच्ची सिफ़त है: ते ओही ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। ते जे अल्लाह लोकां नूं उन्हां दे ज़ुलम उत्ते फड़दा, तां धरती उत्ते कोई जानदार ना छड्डदा; पर ओह उन्हां नूं इक्क मुक़र्रर मुद्दत तक्क मोहलत दिंदा है, फिर जदों उन्हां दा वक़्त आ जांदा है तां ओह ना इक्क घड़ी पिच्छे रह सकदे हन, ना अग्गे वध सकदे हन। ते ओह अल्लाह लई ओह चीज़ ठहराउंदे हन जो आप नापसंद करदे हन, ते उन्हां दियां ज़बानां झूठ बिआन करदियां हन कि उन्हां लई भलाई ही भलाई है। कोई शक्क नहीं कि उन्हां लई अग्ग है, ते ओह उस विच सभ तों पहिलां धक्के जाणगे। (56–62)

अल्लाह दी क़सम, असां ने तैथों पहिलियां उम्मतां वल्ल वी रसूल भेजे, पर शैतान ने उन्हां दे कम्म उन्हां लई सुहाउणे बणा दित्ते; सो अज्ज ओही उन्हां दा सरपरस्त है, ते उन्हां लई दर्दनाक अज़ाब है। ते असां ने तेरे उत्ते एह किताब सिरफ़ इस लई उतारी है कि तूं उन्हां लई ओह गल्ल खोल्ह देवें जिस विच ओह इख़तिलाफ़ कर रहे हन, ते ईमान लिआउण वाले लोकां लई हिदायत ते रहमत बणा के। (63–64)

ते अल्लाह ने असमान तों पाणी उतारिया फिर उस दे नाल धरती नूं उस दी मौत तों बाद ज़िंदा कर दित्ता। बेशक इस विच सुणन वाले लोकां लई निशानी है। ते बेशक चौपायां विच वी तुहाडे लई सबक़ है: असीं तुहानूं उस विचों जो उन्हां दे पेटां विच है—गोबर ते ख़ून दे विचकारों—ख़ालिस दुद्ध पिआउंदे हां, जो पीण वालियां लई सुआदला है। ते खजूर ते अंगूर दे फलां विचों तुसीं नशे दी चीज़ वी बणाउंदे हो ते चंगी रोज़ी वी। बेशक इस विच अक़ल तों कम्म लैण वाले लोकां लई निशानी है। ते तेरे रब्ब ने शहिद दी मक्खी दे दिल विच एह गल्ल पाई: "पहाड़ां विच ते रुक्खां विच ते उन्हां छत्तरियां विच जो लोक बणाउंदे हन अपणे घर बणा; फिर हर किसम दे फलां विचों खा, ते अपणे रब्ब दे उन्हां राहां उत्ते चल्ल जो तेरे लई सौखे कीते गए हन।" उन्हां दे पेटां विचों वक्खो-वक्खरे रंगां दा इक्क पीण दा पदार्थ निकलदा है, जिस विच लोकां लई शिफ़ा है। बेशक इस विच सोच-विचार करन वाले लोकां लई निशानी है। (65–69)

ते अल्लाह ने तुहानूं पैदा कीता; फिर ओह तुहानूं मौत दिंदा है। ते तुहाडे विचों कोई उमर दे सभ तों निकम्मे हिस्से वल्ल मोड़ दित्ता जांदा है, कि जाणन तों बाद वी कुझ ना जाणे। बेशक अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, पूरी क़ुदरत वाला है। ते अल्लाह ने तुहाडे विचों कुझ नूं कुझ उत्ते रोज़ी विच वडिआई दित्ती है; फिर जिन्हां नूं वडिआई दित्ती गई है ओह अपणी रोज़ी अपणे ग़ुलामां नूं नहीं मोड़ दिंदे, कि ओह उस विच बराबर हो जाण। तां की ओह अल्लाह दी नेमत दा इनकार करदे हन? ते अल्लाह ने तुहाडे लई तुहाडे ही विचों जोड़े बणाए, ते तुहाडे जोड़ियां तों तुहानूं पुत्तर ते पोते दित्ते, ते तुहानूं पाक चीज़ां दी रोज़ी दित्ती। तां की ओह बातिल उत्ते ईमान लिआउंदे हन ते अल्लाह दी नेमत दा इनकार करदे हन? ते ओह अल्लाह तों सिवा उन्हां दी इबादत करदे हन जो उन्हां लई ना असमानां तों किसे रोज़ी दा इख़तियार रक्खदे हन ना धरती तों, ते ना रक्ख सकदे हन। सो अल्लाह लई मिसालां ना घड़ो। बेशक अल्लाह जाणदा है, ते तुसीं नहीं जाणदे। (70–74)

अल्लाह इक्क मिसाल बिआन करदा है: इक्क ग़ुलाम है जो दूजे दी मिलकियत है, किसे चीज़ उत्ते वस्स नहीं रक्खदा, ते इक्क ओह आदमी है जिस नूं असां ने अपणे कोलों चंगी रोज़ी दित्ती है, सो ओह उस विचों छुपा के ते ज़ाहिर करके ख़र्च करदा है। की दोवें बराबर हो सकदे हन? सारी तारीफ़ अल्लाह ही लई है—पर उन्हां विचों बहुते नहीं जाणदे। ते अल्लाह दो आदमियां दी इक्क होर मिसाल बिआन करदा है, उन्हां विचों इक्क गुंगा है, किसे चीज़ उत्ते वस्स नहीं रक्खदा, ते अपणे मालिक उत्ते बोझ है—ओह उस नूं जित्थे वी भेजे, कोई भलाई लै के नहीं आउंदा। की ओह उस दे बराबर हो सकदा है जो इनसाफ़ दा हुक्म दिंदा है ते आप सिद्धे राह उत्ते है? ते असमानां ते धरती दा ग़ैब अल्लाह ही दा है। ते उस घड़ी दा मामला बस अक्ख झपकण वरगा है, बल्कि उस तों वी नेड़े: बेशक अल्लाह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। ते अल्लाह ने तुहानूं तुहाडियां मावां दे पेटां विचों इस हाल विच कड्ढिया कि तुसीं कुझ ना जाणदे सी, ते तुहानूं कन्न ते अक्खां ते दिल दित्ते, तां जो तुसीं शुकर करो। की उन्हां ने पंछियां नूं नहीं वेखिया जो असमान दी फ़िज़ा विच कम्म उत्ते लाए होए हन? उन्हां नूं अल्लाह तों सिवा कोई थंमी नहीं रक्खदा। बेशक इस विच ईमान लिआउण वाले लोकां लई निशानियां हन। ते अल्लाह ने तुहाडे घरां नूं तुहाडे लई सकून दी थां बणाइया, ते तुहाडे लई चौपायां दियां खल्लां तों अजिहे ख़ैमे बणाए जिन्हां नूं तुसीं अपणे कूच दे दिन ते अपणे ठहिरन दे दिन हलका पाउंदे हो; ते उन्हां दी ऊन ते उन्हां दे रोआं ते उन्हां दे वालां तों घर दा सामान ते इक्क मुद्दत तक्क कम्म आउण वालियां चीज़ां। ते अल्लाह ने तुहाडे लई उन्हां चीज़ां विचों जो उस ने पैदा कीतियां हन छां बणाई; ते उस ने तुहाडे लई पहाड़ां विच पनाह दियां थावां बणाइयां; ते उस ने तुहाडे लई अजिहे कुरते बणाए जो तुहानूं गर्मी तों बचाउंदे हन, ते ज़िरहां जो तुहानूं तुहाडी लड़ाई विच बचाउंदियां हन। इसे तरां ओह तुहाडे उत्ते अपणी नेमत पूरी करदा है, तां जो तुसीं फ़रमांबरदार बणो। फिर जे ओह मूंह मोड़न, तां ऐ नबी, तेरे ज़िम्मे सिरफ़ साफ़-साफ़ पैग़ाम पहुंचा देणा है। ओह अल्लाह दी नेमत नूं पछाणदे हन, फिर उस दा इनकार करदे हन: ते उन्हां विचों बहुते नाशुकरे हन। (75–83)

ते जिस दिन असीं हर उम्मत विचों इक्क गवाह उठा खड़ा करांगे, फिर सच्च दे इनकारियां नूं ना उज़र पेश करन दी इजाज़त दित्ती जावेगी, ते ना उन्हां तों तौबा मंगी जावेगी। ते जदों ज़ालिम अज़ाब नूं वेख लैणगे, तां ना ओह उन्हां तों हलका कीता जावेगा, ते ना उन्हां नूं मोहलत दित्ती जावेगी। ते जदों ओह जिन्हां ने अल्लाह नाल शरीक ठहराए सन अपणे शरीकां नूं वेखणगे, तां आखणगे, "ऐ साडे रब्ब, इही हन साडे ओह शरीक, जिन्हां नूं असीं तैनूं छड्ड के पुकारदे सां।" तां ओह उन्हां वल्ल एह गल्ल सुट्टणगे, "तुसीं यक़ीनन झूठे हो!" ते उस दिन ओह अल्लाह दे अग्गे फ़रमांबरदारी पेश करनगे, ते जो कुझ ओह घड़दे सन ओह उन्हां तों गुम हो जावेगा। जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता ते होरां नूं अल्लाह दे राह तों रोकिया—उन्हां दे अज़ाब उत्ते असीं होर अज़ाब वधा दिआंगे उस फ़साद दे बदले जो ओह फैलाउंदे सन। (84–88)

ते जिस दिन असीं हर उम्मत विच उन्हां ही विचों उन्हां उत्ते इक्क गवाह उठा खड़ा करांगे, ते ऐ नबी, तैनूं इन्हां लोकां उत्ते गवाह बणा के लिआवांगे। ते असां ने तेरे उत्ते एह किताब उतारी है जो हर चीज़ नूं खोल्ह के बिआन करदी है, ते फ़रमांबरदारां लई हिदायत ते रहमत ते ख़ुशख़बरी है। (89)

बेशक अल्लाह इनसाफ़ दा, नेकी करन दा, ते रिश्तेदारां नूं देण दा हुक्म दिंदा है; ते बेहयाई तों, बुराई तों, ते ज़िआदती तों रोकदा है। ओह तुहानूं नसीहत करदा है तां जो तुसीं नसीहत फड़ो। ते अल्लाह दा अहद पूरा करो जदों तुसीं अहद कर लओ, ते क़समां नूं उन्हां दे पक्का करन तों बाद ना तोड़ो जदों कि तुसीं अल्लाह नूं अपणे उत्ते ज़ामिन बणा चुक्के हो: बेशक अल्लाह जाणदा है जो तुसीं करदे हो। ते उस औरत वरगे ना बणो जिस ने अपणा कत्तिया होइया सूत मज़बूत होण तों बाद टुकड़े-टुकड़े करके उधेड़ दित्ता, कि तुसीं अपणियां क़समां नूं आपस विच धोखे दा ज़रीआ बणाओ इस लई कि इक्क गिरोह दूजे गिरोह तों वध्धिया होइया है। अल्लाह तां इस दे ज़रीए तुहानूं आज़माउंदा ही है; ते ओह क़ियामत दे दिन तुहाडे लई ज़रूर ओह गल्ल खोल्ह देवेगा जिस विच तुसीं इख़तिलाफ़ करदे सी। (90–92)

ते जे अल्लाह चाहुंदा, तां तुहानूं इक्को उम्मत बणा दिंदा; पर ओह जिस नूं चाहुंदा है भटकण दिंदा है, ते जिस नूं चाहुंदा है राह दिखाउंदा है; ते तुहाथों ज़रूर पुच्छिया जावेगा उस बारे जो तुसीं करदे सी। ते अपणियां क़समां नूं आपस विच धोखे दा ज़रीआ ना बणाओ, कि कोई क़दम जमण तों बाद तिलक जावे, ते तुसीं इस कारन बुराई दा सुआद चक्खो कि तुसीं होरां नूं अल्लाह दे राह तों रोकिया, ते तुहाडे लई वड्डा अज़ाब होवे। ते अल्लाह दे अहद नूं थोड़े जिहे मुल्ल उत्ते ना वेचो: बेशक जो कुझ अल्लाह दे कोल है ओही तुहाडे लई बिहतर है, काश तुसीं जाणदे। जो कुझ तुहाडे कोल है ओह ख़तम हो जावेगा, ते जो कुझ अल्लाह दे कोल है ओह बाक़ी रहण वाला है। ते असीं ज़रूर उन्हां नूं जिन्हां ने सब्र कीता उन्हां दा अजर उन्हां दे सभ तों चंगे कम्मां दे मुताबिक़ दिआंगे। जो कोई नेक कम्म करे, मरद होवे जां औरत, ते ओह ईमान वाला होवे—असीं ज़रूर उस नूं पाकीज़ा ज़िंदगी दिआंगे, ते असीं ज़रूर उन्हां नूं उन्हां दा अजर उन्हां दे सभ तों चंगे कम्मां दे मुताबिक़ दिआंगे। (93–97)

सो जदों तूं क़ुरआन पढ़ें, तां धिक्कारे होए शैतान तों अल्लाह दी पनाह मंग लिया कर: बेशक उस दा उन्हां उत्ते कोई ज़ोर नहीं चल्लदा जो ईमान लिआए ते अपणे रब्ब उत्ते भरोसा रक्खदे हन; उस दा ज़ोर तां बस उन्हां ही उत्ते चल्लदा है जो उस नूं दोस्त बणाउंदे हन ते जो अल्लाह दे नाल शरीक ठहराउंदे हन। ते जदों असीं इक्क आयत दी थां दूजी आयत बदलदे हां—ते अल्लाह ख़ूब जाणदा है जो कुझ ओह उतारदा है—तां ओह आखदे हन, "तूं तां बस आप घड़ लैण वाला हैं!" नहीं: बल्कि उन्हां विचों बहुते जाणदे नहीं। आख, "इस नूं रूहुल-क़ुदुस ने तेरे रब्ब वल्लों सच्च दे नाल उतारिया है, तां जो ईमान वालियां नूं साबित-क़दम रक्खे, ते फ़रमांबरदारां लई हिदायत ते ख़ुशख़बरी होवे।" ते असीं ख़ूब जाणदे हां कि ओह आखदे हन, "इस नूं तां बस इक्क इनसान सिखाउंदा है।" जिस वल्ल एह इशारा करदे हन उस दी ज़बान अजमी है, ते एह साफ़ अरबी ज़बान है। बेशक जो लोक अल्लाह दियां आयतां उत्ते ईमान नहीं लिआउंदे—अल्लाह उन्हां नूं राह नहीं दिखाउंदा, ते उन्हां लई दर्दनाक अज़ाब है। झूठ तां ओही घड़दे हन जो अल्लाह दियां आयतां उत्ते ईमान नहीं लिआउंदे; ते ओही झूठे हन। जो कोई अपणे ईमान तों बाद अल्लाह दा इनकार करे—सिवाए उस दे जिस नूं मजबूर कीता गिया होवे, जदों कि उस दा दिल ईमान उत्ते मुतमइन होवे—पर जो कोई इनकार लई अपणा सीना खोल्ह देवे, उन्हां उत्ते अल्लाह दा ग़ज़ब है, ते उन्हां लई वड्डा अज़ाब है। एह इस लई कि उन्हां

ने आख़िरत दे मुक़ाबले विच दुनिया दी ज़िंदगी नूं पसंद कीता, ते इस लई कि अल्लाह सच्च दा इनकार करन वाली क़ौम नूं राह नहीं दिखाउंदा। इही हन ओह जिन्हां दे दिलां, कन्नां ते अक्खां उत्ते अल्लाह ने मोहर ला दित्ती है; ते इही ग़ाफ़िल हन। कोई शक्क नहीं कि आख़िरत विच इही घाटा खाण वाले होणगे। फिर बेशक तेरा रब्ब उन्हां लई जिन्हां ने सताए जाण तों बाद हिजरत कीती, फिर जिहाद कीता ते सब्र कीता—बेशक तेरा रब्ब इस सभ तों बाद यक़ीनन बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। जिस दिन हर जान अपणी ही तरफ़दारी करदी होई आवेगी, ते हर जान नूं उस दे कीते दा पूरा-पूरा बदला दित्ता जावेगा, ते उन्हां उत्ते ज़ुलम ना कीता जावेगा। ते अल्लाह इक्क मिसाल बिआन करदा है: इक्क बस्ती सी जो अमन ते चैन विच सी, उस दी रोज़ी हर पासों खुल्हे-डुल्हे उस दे कोल आउंदी सी; फिर उस ने अल्लाह दियां नेमतां दी नाशुकरी कीती, तां अल्लाह ने उन्हां दे कीते दे बदले उस नूं भुक्ख ते डर दा लिबास चखा दित्ता। ते उन्हां कोल उन्हां ही विचों इक्क रसूल आइया, पर उन्हां ने उस नूं झुठला दित्ता, सो अज़ाब ने उन्हां नूं इस हाल विच आ फड़िया कि ओह ज़ालिम सन। (98–113)

सो जो हलाल ते पाक रोज़ी अल्लाह ने तुहानूं दित्ती है उस विचों खाओ, ते अल्लाह दी नेमत दा शुकर करो, जे तुसीं उसे दी इबादत करदे हो। उस ने तुहाडे उत्ते सिरफ़ मुर्दार, ख़ून, सूर दा गोश्त, ते ओह चीज़ हराम कीती है जिस उत्ते अल्लाह तों सिवा किसे होर दा नाम पुकारिया गिया होवे। फिर जो कोई मजबूर हो जावे, ना उस दा चाहवान होवे ते ना हद्द तों वधे—तां बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। ते उस झूठ कारन जो तुहाडियां ज़बानां बिआन करदियां हन एह ना आखो, "एह हलाल है ते एह हराम है," तां जो तुसीं अल्लाह उत्ते झूठ घड़ो: बेशक जो लोक अल्लाह उत्ते झूठ घड़दे हन ओह कामयाब नहीं हुंदे—थोड़ा जिहा फ़ायदा है, ते फिर उन्हां लई दर्दनाक अज़ाब है। ते जो यहूदी होए उन्हां उत्ते असां ने ओह चीज़ां हराम कीतियां सन जो असीं तैनूं पहिलां दस्स चुक्के हां। ते असां ने उन्हां उत्ते ज़ुलम नहीं कीता; बल्कि ओह आप ही अपणे उत्ते ज़ुलम करदे सन। फिर बेशक तेरा रब्ब उन्हां लई जिन्हां ने नादानी नाल बुराई कीती, फिर उस तों बाद तौबा कर लई ते सुधार कर लिया—बेशक तेरा रब्ब इस सभ तों बाद यक़ीनन बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (114–119)

बेशक इबराहीम अपणे आप विच इक्क उम्मत सी, अल्लाह दा फ़रमांबरदार, ख़ालिस ईमान वाला, ते ओह अल्लाह नाल शरीक ठहराउण वालियां विचों नहीं सी: उस दियां नेमतां दा शुकर करन वाला। अल्लाह ने उस नूं चुण लिया ते उस नूं सिद्धे राह दी हिदायत दित्ती। ते असां ने उस नूं दुनिया विच भलाई दित्ती, ते आख़िरत विच ओह यक़ीनन नेक लोकां विचों होवेगा। फिर ऐ नबी, असां ने तेरे वल्ल वह्य कीती, "इबराहीम दे दीन दी पैरवी कर, जो ख़ालिस ईमान वाला सी; ते ओह अल्लाह नाल शरीक ठहराउण वालियां विचों नहीं सी।" सबत तां बस उन्हां ही उत्ते मुक़र्रर कीता गिया सी जिन्हां ने उस बारे इख़तिलाफ़ कीता; ते बेशक तेरा रब्ब क़ियामत दे दिन उन्हां दे विचकार उस गल्ल दा फ़ैसला कर देवेगा जिस विच ओह इख़तिलाफ़ करदे सन। (120–124)

अपणे रब्ब दे राह वल्ल हिकमत ते चंगी नसीहत दे नाल बुला, ते उन्हां नाल उस तरीक़े नाल बहिस कर जो सभ तों चंगा होवे। बेशक तेरा रब्ब उस नूं ख़ूब जाणदा है जो उस दे राह तों भटक गिया, ते ओह उन्हां नूं वी ख़ूब जाणदा है जो राह उत्ते हन। ते जे तुसीं बदला लओ, तां उन्ना ही बदला लओ जिन्नी तुहानूं तकलीफ़ पहुंचाई गई; पर जे तुसीं सब्र करो, तां एह सब्र करन वालियां लई यक़ीनन बिहतर है। ते सब्र कर—ते तेरा सब्र अल्लाह ही दी मदद नाल है—ते उन्हां उत्ते ग़म ना कर, ते ना उन्हां दियां चालां कारन तंग-दिल हो: बेशक अल्लाह उन्हां दे नाल है जो उस तों सुचेत रहिंदे हन ते जो नेकी करदे हन। (125–128)

17. रात दा सफ़र (अल-इसरा)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

पाक है ओह जो अपणे बंदे नूं रातों-रात मसजिदे-हराम तों उस दूर वाली मसजिद तक्क लै गिया, जिस दे आले-दुआले नूं असां ने बरकत दित्ती है, तां जो उस नूं अपणियां कुझ निशानियां दिखाईए। बेशक ओही सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ वेखण वाला है। ते असां ने मूसा नूं किताब दित्ती ते उस नूं इसराईल दी औलाद लई हिदायत बणाइया: “मेरे तों सिवा किसे नूं कारसाज़ ना बणाउणा, ऐ उन्हां दी औलाद जिन्हां नूं असां ने नूह दे नाल सवार कीता सी! बेशक ओह इक्क शुकर करन वाला बंदा सी।” (1–3)

ते असां ने किताब विच इसराईल दी औलाद नूं एह फ़ैसला सुणा दित्ता सी: “तुसीं ज़रूर धरती विच दो वारी फ़साद फैलाओगे, ते बड़ी वड्डी सरकशी करोगे।” फिर जदों उन्हां दोहां विचों पहिले वादे दा वक़्त आइया, तां असां ने तुहाडे उत्ते अपणे अजिहे बंदे भेजे जो बड़े सख़्त लड़ाके सन, सो ओह तुहाडे घरां दे अंदर तक्क फैल गए; ते एह इक्क वादा सी जो पूरा हो के रिहा। फिर असां ने उन्हां उत्ते तुहाडी वारी फेर दित्ती, ते मालां ते पुत्तरां नाल तुहाडी मदद कीती, ते तुहानूं गिणती विच वध कर दित्ता। असां ने आखिया, “जे तुसीं भलाई करोगे, तां अपणे ही लई भलाई करोगे; ते जे तुसीं बुराई करोगे, तां ओह वी उन्हां ही लई है।” फिर जदों दूजे वादे दा वक़्त आइया, तां असां ने दूजियां नूं भेजिया तां जो ओह तुहाडे चिहरे विगाड़ देण, ते मसजिद विच उसे तरां दाख़िल होण जिवें ओह पहिली वारी दाख़िल होए सन, ते जिस चीज़ उत्ते उन्हां दा ज़ोर चल्ले उस नूं पूरी तरां तबाह कर देण। हो सकदा है कि तुहाडा रब्ब तुहाडे उत्ते रहम करे; पर जे तुसीं फिर ओही करोगे, तां असीं वी फिर ओही करांगे। ते असां ने जहन्नम नूं सच्च दे इनकारियां लई क़ैदख़ाना बणा दित्ता है। (4–8)

बेशक एह क़ुरआन उस राह दी हिदायत दिंदा है जो सभ तों सिद्धा है, ते उन्हां ईमान वालियां नूं जो नेक कम्म करदे हन ख़ुशख़बरी दिंदा है कि उन्हां लई वड्डा अजर है, ते एह कि जो आख़िरत उत्ते ईमान नहीं रक्खदे उन्हां लई असां ने दर्दनाक अज़ाब तिआर कर रक्खिया है। ते इनसान बुराई दी दुआ उसे तरां मंगदा है जिवें भलाई दी दुआ मंगदा है: ते इनसान बड़ा काहला है। ते असां ने रात ते दिन नूं दो निशानियां बणाइया। फिर असां ने रात दी निशानी नूं धुंधला कर दित्ता ते दिन दी निशानी नूं रौशन बणाइया, तां जो तुसीं अपणे रब्ब दा फ़ज़ल तलाश करो, ते तां जो तुसीं सालां दी गिणती ते वक़्त दा हिसाब जाण लओ। ते हर चीज़ नूं असां ने खोल्ह-खोल्ह के बिआन कर दित्ता है। ते हर इनसान दी क़िसमत असां ने उस दी अपणी गरदन नाल बन्ह दित्ती है, ते क़ियामत दे दिन असीं उस लई इक्क किताब कढ्ढांगे जिस नूं ओह खुल्ही होई पावेगा: “अपणी किताब पढ़। अज्ज तेरा अपणा नफ़स ही तेरे ख़िलाफ़ हिसाब लैण लई काफ़ी है।” (9–14)

जो राह पाउंदा है ओह अपणे ही भले लई राह पाउंदा है, ते जो भटकदा है ओह अपणे ही नुक़सान लई भटकदा है। ते कोई बोझ चुक्कण वाला किसे दूजे दा बोझ नहीं चुक्कदा, ते असीं कदे अज़ाब नहीं दिंदे जद तक्क कोई रसूल ना भेज देईए। ते जदों असीं किसे बस्ती नूं हलाक करना चाहुंदे हां, तां उस दे ऐश विच पए

लोकां नूं हुक्म दिंदे हां, फिर ओह उस विच नाफ़रमानी करदे हन; तद उस उत्ते गल्ल पक्की हो जांदी है, ते असीं उस नूं पूरी तरां तबाह कर दिंदे हां। ते नूह तों बाद असां ने किन्नियां ही नसलां हलाक कर दित्तियां! ते तेरा रब्ब अपणे बंदियां दे गुनाहां दी ख़बर रक्खण ते उन्हां नूं वेखण लई काफ़ी है। जो कोई इस जलदी मिलण वाली ज़िंदगी दा चाहवान हुंदा है—असीं उस नूं इत्थे ही जो कुझ चाहुंदे हां, जिस लई चाहुंदे हां, जलदी दे दिंदे हां; फिर असां ने उस लई जहन्नम मुक़र्रर कर रक्खी है, जिस विच ओह सड़ेगा, मलामत कीता होइया ते धिक्कारिया होइया। ते जो कोई आख़िरत दा चाहवान होवे ते उस लई उहो जिही कोशिश करे जिही उस लई करनी चाहीदी है, ते ओह ईमान वाला होवे—तां इही हन जिन्हां दी कोशिश दी क़दर कीती जावेगी। हर इक्क नूं—इन्हां नूं वी ते उन्हां नूं वी—असीं तेरे रब्ब दी बख़शिश विचों मदद दिंदे हां, ते तेरे रब्ब दी बख़शिश किसे तों रोकी होई नहीं। वेख, असां ने उन्हां विचों कुझ नूं कुझ उत्ते किवें वडिआई दित्ती है; ते यक़ीनन आख़िरत दर्जियां विच वी वड्डी है ते वडिआई विच वी वड्डी। (15–21)

अल्लाह दे नाल कोई होर माबूद ना बणा, नहीं तां तूं मलामत कीता होइया ते बेसहारा हो के बैठा रह जावेंगा। ते तेरे रब्ब ने फ़ैसला कर दित्ता है कि तुसीं उस तों सिवा किसे दी इबादत ना करो, ते मां-पिओ नाल चंगा सलूक करो। जे उन्हां विचों इक्क जां दोवें तेरे कोल बुढापे नूं पहुंच जाण, तां उन्हां नूं "उफ़" तक्क ना आखीं, ते ना उन्हां नूं झिड़कीं, बल्कि उन्हां नाल इज़्ज़त दी गल्ल करीं, ते रहम दे नाल उन्हां लई आजिज़ी दा बाज़ू झुकाई रक्खीं, ते आखीं, "ऐ मेरे रब्ब, इन्हां दोहां उत्ते रहम कर, जिवें इन्हां ने मैनूं छोटे हुंदियां पालिया सी।" तुहाडा रब्ब ख़ूब जाणदा है जो कुझ तुहाडे दिलां विच है। जे तुसीं नेक होवोगे, तां ओह यक़ीनन बार-बार मुड़न वालियां नूं बख़्शण वाला है। ते रिश्तेदार नूं उस दा हक़ दे, ते मुहताज ते मुसाफ़िर नूं वी, ते फ़ज़ूल ना उडा: बेशक फ़ज़ूल उडाउण वाले शैतानां दे भरा हन, ते शैतान अपणे रब्ब दा बड़ा नाशुकरा है। ते जे तैनूं उन्हां तों मूंह फेरना ही पवे, अपणे रब्ब दी उस रहमत दी तलाश विच जिस दी तैनूं उम्मीद है, तां उन्हां नाल नरम गल्ल आख। ते ना अपणा हत्थ अपणी गरदन नाल बन्ही रक्ख, ते ना उस नूं पूरा ही खोल्ह दे, कि तूं मलामत कीता होइया, ख़ाली हत्थ बैठा रह जावें। बेशक तेरा रब्ब जिस लई चाहुंदा है रोज़ी खुल्ही कर दिंदा है, ते नाप के वी दिंदा है; बेशक ओह अपणे बंदियां दी ख़बर रक्खण वाला, उन्हां नूं वेखण वाला है। (22–30)

ते ग़रीबी दे डर नाल अपणी औलाद नूं क़तल ना करो: असीं उन्हां नूं वी रोज़ी दिंदे हां ते तुहानूं वी। बेशक उन्हां नूं क़तल करना बड़ा वड्डा गुनाह है। ते ज़िना दे नेड़े ना जाओ: बेशक ओह बेहयाई है, ते बुरा राह। ते किसे जान नूं, जिस नूं अल्लाह ने हुरमत वाला ठहराइया है, क़तल ना करो सिवाए हक़ दे। ते जो कोई ज़ुलम नाल मारिया जावे, उस दे वारिस नूं असां ने इख़तियार दित्ता है; पर ओह क़तल विच हद्द तों ना वधे, किउंकि उस दी मदद कीती गई है। ते यतीम दे माल दे नेड़े ना जाओ, सिवाए अजिहे तरीक़े दे जो सभ तों चंगा होवे, इत्थों तक्क कि ओह अपणी जवानी नूं पहुंच जावे। ते अहद पूरा करो: बेशक अहद बारे पुच्छिया जावेगा। ते जदों नापो तां पूरा नापो, ते सिद्धी तक्कड़ी नाल तोलो: एही बिहतर है, ते अंजाम दे लिहाज़ नाल वी सभ तों चंगा। ते उस चीज़ दे पिच्छे ना पै जिस दा तैनूं इल्म नहीं: बेशक कन्न, अक्ख ते दिल—इन्हां विचों हर इक्क

बारे पुच्छिया जावेगा। ते धरती विच आकड़ के ना चल्ल: तूं ना धरती नूं पाड़ सकदा हैं, ते ना पहाड़ां दी उचाई नूं पहुंच सकदा हैं। इस सभ दी बुराई तेरे रब्ब दे नज़दीक नापसंद है। (31–38)

ऐ नबी, एह उस हिकमत विचों है जो तेरे रब्ब ने तेरे वल्ल वह्य कीती है। ते अल्लाह दे नाल कोई होर माबूद ना बणा, नहीं तां तूं मलामत कीता होइया ते धिक्कारिया होइया जहन्नम विच सुट्ट दित्ता जावेंगा। तां की तुहाडे रब्ब ने तुहानूं पुत्तरां नाल नवाज़िया ते आप फ़रिश्तियां विचों धीआं बणा लइयां? बेशक तुसीं बड़ी भारी गल्ल आखदे हो! (39–40)

ते बेशक असां ने इस क़ुरआन विच तरां-तरां नाल गल्लां बिआन कीतियां हन तां जो ओह नसीहत फड़न, पर एह उन्हां दी नफ़रत ही वधाउंदा है। आख, ⸢ऐ नबी,⸣ "जे उस दे नाल होर माबूद वी हुंदे—जिवें एह आखदे हन—तां ओह ज़रूर अर्श दे मालिक नूं ⸢चुनौती देण दा⸣ कोई राह ढूंढदे।" ओह पाक है! ते उस तों बहुत उच्चा है जो एह आखदे हन—बेहद्द उच्चा! सत्ते असमान ते धरती ते जो कोई उन्हां विच है सभ उस दी तसबीह करदे हन। ते कोई चीज़ अजिही नहीं जो उस दी हम्द दे नाल उस दी तसबीह ना करदी होवे, पर तुसीं उन्हां दी तसबीह नहीं समझदे। बेशक ओह बुर्दबार, बड़ा बख़्शण वाला है।[18] (41–44)

ते जदों तूं क़ुरआन पढ़दा हैं, तां असीं तेरे ते उन्हां दे विचकार जो आख़िरत उत्ते ईमान नहीं रक्खदे इक्क छुपिया होइया परदा पा दिंदे हां, ते असीं उन्हां दे दिलां उत्ते ग़िलाफ़ चढ़ा दिंदे हां, कि ओह इस नूं ना समझण, ते उन्हां दे कन्नां विच बोझ। ते जदों तूं क़ुरआन विच इकल्ले अपणे रब्ब दा ज़िकर करदा हैं, तां ओह नफ़रत नाल पिट्ठ फेर के भज्ज जांदे हन। असीं ख़ूब जाणदे हां कि जदों ओह तेरे वल्ल कन्न लाउंदे हन तां किस लई सुणदे हन, ते जदों ओह आपस विच कानाफूसी करदे हन, जदों ज़ालिम आखदे हन, "तुसीं तां बस इक्क जादू कीते होए आदमी दे पिच्छे चल्ल रहे हो।" वेख, ओह तेरे लई किहो जिहियां मिसालां बिआन करदे हन! सो ओह भटक गए हन ते कोई राह नहीं पा सकदे। ते ओह आखदे हन, "की जदों असीं हड्डियां ते चूरा-चूरा हो जावांगे, तां की सच्चमुच असीं नवें सिरिओं पैदा करके उठाए जावांगे?" आख, "तुसीं पत्थर हो जाओ जां लोहा, जां कोई होर मख़लूक़ जो तुहाडे ख़ियाल विच उठाए जाण लई इस तों वी वध सख़्त होवे।" तद ओह आखणगे, "सानूं कौण मोड़ लिआवेगा?" आख, "ओही जिस ने तुहानूं पहिली वारी पैदा कीता।" तद ओह तेरे साहमणे अपणे सिर हिलाउणगे ते आखणगे, "एह कदों होवेगा?" आख, "हो सकदा है कि ओह नेड़े ही होवे—जिस दिन ओह तुहानूं पुकारेगा तां तुसीं उस दी हम्द करदे होए उस दी पुकार दा जवाब देओगे, ते तुसीं ख़ियाल करोगे कि तुसीं बस थोड़ी ही देर ठहिरे सी।" (45–52)

ते मेरे बंदियां नूं आख दे कि ओही गल्ल आखण जो सभ तों चंगी होवे। बेशक शैतान उन्हां दे विचकार फ़साद पाउंदा है; बेशक शैतान इनसान दा खुल्हा दुश्मण है। तुहाडा रब्ब तुहानूं ख़ूब जाणदा है। जे ओह चाहे तां

[18] साडी काइनात दी तरतीब तौहीद, यानी इक्को ख़ुदाई इरादे, दा पता दिंदी है।
ख़ुदाई वहदत दी बणतर: क़ुरआनी तौहीद दी इक्क साइंसी, फ़लसफ़ी ते दीनी तफ़सीर – द ग्लोरियस क़ुरआन ऐंड साइंस
ख़ुदाई वहदत, काइनात दी तरतीब, ते तख़लीक़ दा क़ाइदा: क़ुरआन 21:22, 23:91 ते 17:41–44 दी इक्क साइंसी, फ़लसफ़ी ते दीनी तफ़सीर – द ग्लोरियस क़ुरआन ऐंड साइंस

तुहाडे उत्ते रहम करे, ते जे चाहे तां तुहानूं अज़ाब देवे। ते ऐ नबी, असां ने तैनूं उन्हां उत्ते ज़िम्मेदार बणा के नहीं भेजिया। ते तेरा रब्ब उन्हां सभनां नूं ख़ूब जाणदा है जो असमानां ते धरती विच हन। ते बेशक असां ने कुझ नबियां नूं कुझ उत्ते वडिआई दित्ती, ते असां ने दाऊद नूं ज़बूर दित्ती। आख, "उन्हां नूं पुकार वेखो जिन्हां नूं तुसीं उस तों सिवा माबूद समझदे हो: ओह ना तुहाथों तकलीफ़ दूर करन दा इख़तियार रक्खदे हन, ते ना उस नूं बदलण दा।" जिन्हां नूं एह लोक पुकारदे हन ओह तां आप अपणे रब्ब तक्क पहुंचण दा वसीला ढूंढदे हन—कि उन्हां विचों कौण सभ तों वध नेड़े हो जावे—ते उस दी रहमत दी उम्मीद रक्खदे हन ते उस दे अज़ाब तों डरदे हन। बेशक तेरे रब्ब दा अज़ाब डरन दी ही चीज़ है। ते कोई बस्ती अजिही नहीं जिस नूं असीं क़ियामत दे दिन तों पहिलां हलाक ना करीए, जां सख़्त अज़ाब ना देईए; एह किताब विच लिखिया होइया है। (53–58)

ते सानूं निशानियां भेजण तों इस तों सिवा किसे चीज़ ने नहीं रोकिया कि अगलियां ने उन्हां नूं झुठला दित्ता सी। ते असां ने समूद नूं ऊठणी इक्क साफ़ दिसदी निशानी वजों दित्ती, पर उन्हां ने उस नाल ज़ुलम कीता। ते असीं निशानियां सिरफ़ डराउण लई ही भेजदे हां। ते ऐ नबी, जदों असां ने तैनूं आखिया सी कि तेरा रब्ब लोकां नूं घेरे होए है। ते जो नज़ारा असां ने तैनूं दिखाइया सी उस नूं असां ने लोकां लई बस इक्क आज़माइश बणाइया, ते उस रुक्ख नूं वी जिस उत्ते क़ुरआन विच लानत कीती गई है। ते असीं उन्हां नूं डराउंदे हां, पर एह उन्हां दी वड्डी सरकशी ही वधाउंदा है। (59–60)

ते जदों असां ने फ़रिश्तियां नूं आखिया, "आदम अग्गे झुक जाओ," तां ओह झुक गए—सिवाए इबलीस दे। उस ने आखिया, "की मैं उस दे अग्गे झुकां जिस नूं तूं मिट्टी तों पैदा कीता?" उस ने आखिया, "भला वेख तां, एह जिस नूं तूं मेरे उत्ते इज़्ज़त दित्ती है? जे तूं मैनूं क़ियामत दे दिन तक्क मोहलत दे देवें, तां मैं थोड़ियां तों सिवा उस दी सारी औलाद नूं ज़रूर अपणे क़ाबू विच कर लवांगा।" उस ने आखिया, "जा! उन्हां विचों जो कोई तेरे पिच्छे चल्लेगा—तां जहन्नम तुहाडा सभनां दा बदला है, पूरा-पूरा बदला। ते उन्हां विचों जिस उत्ते तेरा वस्स चल्ले उस नूं अपणी आवाज़ नाल बहिका लै, ते उन्हां उत्ते अपणे सवार ते अपणे पिआदे चढ़ा लिआ, ते मालां ते औलाद विच उन्हां दा भाईवाल बण जा, ते उन्हां नाल वादे कर"—ते शैतान उन्हां नाल जो वादा करदा है ओह धोखे तों सिवा कुझ नहीं। "बेशक मेरे बंदियां उत्ते तेरा कोई ज़ोर ना चल्लेगा; ते कारसाज़ वजों तेरा रब्ब ही काफ़ी है।" (61–65)

तुहाडा रब्ब ओह है जो तुहाडे लई समुंदर विच किश्तियां चलाउंदा है, तां जो तुसीं उस दा फ़ज़ल तलाश करो। बेशक ओह तुहाडे उत्ते सदा रहम करन वाला है। ते जदों समुंदर विच तुहानूं कोई तकलीफ़ पहुंचदी है, तां उस तों सिवा ओह सारे गुम हो जांदे हन जिन्हां नूं तुसीं पुकारदे हो; फिर जदों ओह तुहानूं बचा के ख़ुशकी उत्ते लै आउंदा है, तां तुसीं मूंह मोड़ लैंदे हो। ते इनसान बड़ा ही नाशुकरा है। तां की तुसीं इस तों बेख़ौफ़ हो गए हो कि ओह तुहानूं ख़ुशकी दे किसे पासे धसा देवे, जां तुहाडे उत्ते पत्थरां दी आंधी भेज देवे? फिर तुसीं अपणे लई कोई कारसाज़ ना पाओगे। जां तुसीं इस तों बेख़ौफ़ हो गए हो कि ओह तुहानूं दुबारा उसे समुंदर विच लै जावे, ते तुहाडे उत्ते तोड़-फोड़ कर देण वाली तेज़ हवा भेज देवे ते तुहाडी नाशुकरी दे

बदले तुहानूं डोब देवे? फिर तुसीं अपणे लई कोई अजिहा ना पाओगे जो इस बारे साडा पिच्छा करे। ते बेशक असां ने आदम दी औलाद नूं इज़्ज़त दित्ती; ते उन्हां नूं ख़ुशकी ते समुंदर विच सवारियां दित्तियां, ते उन्हां नूं पाक चीज़ां दी रोज़ी दित्ती, ते अपणी बहुत सारी मख़लूक़ उत्ते उन्हां नूं वड्डी वडिआई दित्ती। (66–70)

जिस दिन असीं हर गिरोह नूं उन्हां दे पेशवा दे नाल बुलावांगे, तां जिस नूं उस दा आमालनामा उस दे सज्जे हत्थ विच दित्ता गिया—अजिहे लोक अपणा आमालनामा पढ़नगे, ते उन्हां उत्ते खजूर दी गुठली दे धागे बराबर वी ज़ुलम ना कीता जावेगा। ते जो इस दुनिया विच अन्हा बणिया रिहा ओह आख़िरत विच वी अन्हा होवेगा, ते राह तों होर वी वध भटकिया होइया। ते नेड़े सी कि ओह तैनूं उस तों हटा के फ़ितने विच पा दिंदे जो असां ने तेरे वल्ल वह्य कीता है, तां जो तूं साडे नाम उत्ते उस दे सिवा कुझ होर घड़ लवें; ते तद ओह तैनूं ज़रूर दोस्त बणा लैंदे। ते जे असां ने तैनूं साबित-क़दम ना रक्खिया हुंदा, तां नेड़े सी कि तूं उन्हां वल्ल थोड़ा जिहा झुक जांदा; तद असीं तैनूं ज़िंदगी विच वी दूणा अज़ाब चखाउंदे ते मौत विच वी दूणा, फिर तूं साडे मुक़ाबले विच अपणे लई कोई मददगार ना पाउंदा। ते नेड़े सी कि ओह तैनूं इस ज़मीन तों उखाड़ देण, तां जो तैनूं इत्थों कड्ढ देण; पर तद ओह वी तेरे बाद थोड़ी ही देर ठहिर सकदे—एही साडा दस्तूर रिहा है उन्हां रसूलां बारे जिन्हां नूं असां ने तैथों पहिलां भेजिया। ते तूं साडे दस्तूर विच कोई तबदीली ना पावेंगा। (71–77)

सूरज दे ढलण तों लै के रात दे हनेरे तक्क नमाज़ क़ायम कर, ते फ़जर दा क़ुरआन पढ़ना वी: बेशक फ़जर दे क़ुरआन पढ़न वेले हाज़री हुंदी है। ते रात दे कुझ हिस्से विच इस दे नाल नींद तों उट्ठ, एह तेरे लई इक्क वाधू इबादत है; उम्मीद है कि तेरा रब्ब तैनूं इक्क तारीफ़ वाले मक़ाम उत्ते खड़ा करेगा। ते आख, “ऐ मेरे रब्ब, मैनूं सच्चाई दे नाल दाख़िल कर ते सच्चाई दे नाल बाहर कड्ढ, ते मैनूं अपणे कोलों इक्क मददगार ताक़त दे।” ते आख, “सच्च आ गिया ते बातिल मिट गिया: बेशक बातिल मिटण ही वाला है।” (78–81)

ते असीं क़ुरआन विच ओह उतारदे हां जो ईमान वालियां लई शिफ़ा ते रहमत है, पर ज़ालिमां दा एह घाटा ही वधाउंदा है। ते जदों असीं इनसान उत्ते इनाम करदे हां, तां ओह मूंह मोड़ लैंदा है ते पासा बचा के दूर हट जांदा है; ते जदों उस नूं बुराई पहुंचदी है, तां ना-उम्मीद हो जांदा है। आख, “हर कोई अपणे ढंग उत्ते अमल कर रिहा है, सो तुहाडा रब्ब ही ख़ूब जाणदा है कि कौण सभ तों वध सिद्धे राह उत्ते है।” (82–84)

ऐ नबी, ओह तैथों रूह बारे पुच्छदे हन। आख, “रूह मेरे रब्ब दे हुक्म विचों है, ते तुहानूं थोड़ा ही इल्म दित्ता गिया है।” ते जे असीं चाहीए, तां ओह सभ कुझ लै जाईए जो असां ने तेरे वल्ल वह्य कीता है; फिर तूं साडे मुक़ाबले विच अपणे लई कोई हिमायती ना पावें—सिवाए तेरे रब्ब दी रहमत दे। बेशक तेरे उत्ते उस दा फ़ज़ल बहुत वड्डा है। आख, “जे सारे इनसान ते जिन्न इस लई इकट्ठे हो जाण कि इस क़ुरआन वरगा लै आउण, तां इस वरगा ना लिआ सकणगे, भावें ओह इक्क दूजे दे मददगार ही क्यों ना बण जाण।” ते बेशक असां ने इस क़ुरआन विच लोकां लई हर किसम दी मिसाल तरां-तरां नाल बिआन कीती है, फिर वी बहुते लोकां ने इनकार तों सिवा हर चीज़ तों इनकार कर दित्ता। ते उन्हां ने आखिया, “असीं तेरे उत्ते हरगिज़ ईमान ना लिआवांगे जद तक्क तूं साडे लई धरती विचों कोई चश्मा ना वगा देवें, जां तेरा खजूरां ते अंगूरां दा कोई

बाग़ होवे, ते तूं उस दे विचकार ख़ूब नहरां वगा देवें, जां तूं असमान नूं टुकड़े-टुकड़े करके साडे उत्ते डेग देवें, जिवें तेरा दावा है, जां अल्लाह ते फ़रिश्तियां नूं साडे साहमणे लै आवें, जां तेरा सोने दा कोई घर होवे, जां तूं असमान विच चढ़ जावें—ते असीं तेरे चढ़न दा वी यक़ीन ना करांगे जद तक्क तूं साडे उत्ते इक्क किताब ना उतार लिआवें जिस नूं असीं पढ़ीए।" आख, "मेरा रब्ब पाक है! मैं इक्क इनसान, इक्क रसूल तों सिवा होर की हां?" ते लोकां नूं, जदों उन्हां कोल हिदायत आई, ईमान लिआउण तों इस तों सिवा किसे चीज़ ने नहीं रोकिया कि उन्हां ने आखिया, "की अल्लाह ने इक्क इनसान नूं रसूल बणा के भेजिया है?" आख, "जे धरती विच फ़रिश्ते इत्मीनान नाल चल्लदे-फिरदे हुंदे, तां असीं उन्हां उत्ते असमान तों कोई फ़रिश्ता ही रसूल बणा के उतारदे।" आख, "मेरे ते तुहाडे विचकार गवाह वजों अल्लाह ही काफ़ी है: बेशक ओह अपणे बंदियां दी ख़बर रक्खण वाला, उन्हां नूं वेखण वाला है।" (85–96)

ते जिस नूं अल्लाह राह दिखाए ओही राह पाउण वाला है, ते जिस नूं ओह भटकण दे—तां तूं उन्हां लई उस तों सिवा कोई हिमायती ना पावेंगा। ते असीं उन्हां नूं क़ियामत दे दिन उन्हां दे मूंहां दे भार इकट्ठा करांगे, अन्हे, गुंगे ते बोले। उन्हां दा ठिकाणा जहन्नम है: जदों वी ओह धीमी होण लग्गेगी, असीं उन्हां लई उस नूं होर भड़का दिआंगे। एह उन्हां दा बदला है, इस लई कि उन्हां ने साडियां आयतां दा इनकार कीता ते आखिया, "की जदों असीं हड्डियां ते चूरा-चूरा हो जावांगे, तां की सच्चमुच असीं नवें सिरिओं पैदा करके उठाए जावांगे?" की उन्हां ने नहीं वेखिया कि अल्लाह, जिस ने असमानां ते धरती नूं पैदा कीता, इस उत्ते क़ादिर है कि उन्हां वरगे पैदा कर देवे? ते उस ने उन्हां लई इक्क मुद्दत मुक़र्रर कर रक्खी है जिस विच कोई शक्क नहीं, फिर वी ज़ालिमां ने इनकार तों सिवा हर चीज़ तों इनकार कर दित्ता। आख, "जे तुसीं मेरे रब्ब दी रहमत दे ख़ज़ानियां दे मालिक हुंदे, तां ख़र्च हो जाण दे डर नाल उन्हां नूं रोक रक्खदे; ते इनसान बड़ा ही तंग-दिल है।" (97–100)

ते बेशक असां ने मूसा नूं नौं खुल्हियां निशानियां दित्तियां—सो इसराईल दी औलाद तों पुच्छ लै। जदों ओह उन्हां कोल आइया, तां फ़िरऔन ने उस नूं आखिया, "ऐ मूसा, मैं तां तैनूं जादू कीता होइया समझदा हां!" उस ने आखिया, "तूं ख़ूब जाणदा हैं कि इन्हां नूं असमानां ते धरती दे रब्ब तों सिवा किसे ने अक्खां खोल्हण वालियां दलीलां बणा के नहीं उतारिया; ते ऐ फ़िरऔन, मैं तां तैनूं हलाक होण वाला समझदा हां।" सो उस ने इरादा कीता कि उन्हां नूं उस ज़मीन तों उखाड़ देवे, पर असां ने उस नूं ते उन्हां सभनां नूं जो उस दे नाल सन डोब दित्ता। ते उस तों बाद असां ने इसराईल दी औलाद नूं आखिया, "इस ज़मीन विच वसो; फिर जदों आख़िरत दा वादा आ जावेगा, तां असीं तुहानूं सभनां नूं समेट के लै आवांगे।" (101–104)

ते असां ने इस नूं सच्च दे नाल ही उतारिया है, ते सच्च दे नाल ही एह उतरिया है। ते असां ने तैनूं सिरफ़ ख़ुशख़बरी देण वाला ते ख़बरदार करन वाला बणा के भेजिया है। ते एह इक्क क़ुरआन है जिस नूं असां ने हिस्से-हिस्से करके रक्खिया है, तां जो तूं इस नूं लोकां नूं ठहिर-ठहिर के पढ़ के सुणावें; ते असां ने इस नूं थोड़ा-थोड़ा करके उतारिया है। आख, "तुसीं इस उत्ते ईमान लिआओ जां ना लिआओ।" बेशक जिन्हां नूं इस तों पहिलां इल्म दित्ता गिया सी जदों एह उन्हां नूं पढ़ के सुणाइया जांदा है तां ओह ठोडियां दे भार सजदे विच

डिग्ग पैंदे हन, ते आखदे हन, “साडा रब्ब पाक है! बेशक साडे रब्ब दा वादा पूरा हो के ही रहिंदा है।” ते ओह रोंदे होए ठोडियां दे भार डिग्ग पैंदे हन, ते एह उन्हां दी आजिज़ी होर वधा दिंदा है। आख, “अल्लाह आख के पुकारो, जां रहमान आख के पुकारो: जिस नाम नाल वी पुकारो, सभ तों चंगे नाम उसे दे हन।” ते अपणी नमाज़ ना बहुत उच्ची आवाज़ नाल पढ़, ते ना बहुत हौली, बल्कि इन्हां दे विचकार दा राह अपणा। ते आख, “सारी तारीफ़ अल्लाह ही लई है, जिस ने ना कोई पुत्तर बणाइया, ते ना बादशाही विच उस दा कोई शरीक है, ते ना कमज़ोरी कारन उस नूं किसे हिमायती दी लोड़ है।” ते उस दी वडिआई बिआन कर, ख़ूब वडिआई। (105–111)

18. ग़ार (अल-कह्फ़)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

सारी तारीफ़ अल्लाह ही लई है, जिस ने अपणे बंदे उत्ते एह किताब उतारी ते इस विच कोई टेढ नहीं रक्खी—बिलकुल सिद्धी, तां जो ओह उस दे वल्लों इक्क सख़्त अज़ाब तों ख़बरदार करे, ते उन्हां ईमान वालियां नूं जो नेक कम्म करदे हन ख़ुशख़बरी देवे कि उन्हां लई चंगा अजर है, जिस विच ओह हमेशा-हमेशा रहिणगे; ते उन्हां नूं ख़बरदार करे जो आखदे हन, "अल्लाह ने पुत्तर बणा लिया है।" उन्हां नूं इस दा कोई इल्म नहीं, ते ना उन्हां दे पिओ-दादियां नूं सी। बड़ी भारी गल्ल है जो उन्हां दे मूंहां तों निकलदी है: ओह निरा झूठ ही बोलदे हन। ते ऐ नबी, शायद तूं उन्हां दे पिच्छे ग़म नाल अपणी जान ही गुआ बैठें, जे ओह इस कलाम उत्ते ईमान ना लिआए। (1–6)

बेशक जो कुझ धरती उत्ते है उस नूं असां ने उस दी ज़ीनत बणाइया है, तां जो असीं उन्हां नूं आज़माईए कि उन्हां विचों कौण अमल विच सभ तों चंगा है; ते बेशक असीं जो कुझ उस उत्ते है उस नूं इक्क चटियल मैदान बणा देण वाले हां। की तूं समझदा हैं कि ग़ार ते लिखत वाले साडियां निशानियां विचों कोई अचंभा सन? जदों उन्हां नौजवानां ने ग़ार विच पनाह लई, तां उन्हां ने आखिया, "ऐ साडे रब्ब, सानूं अपणे कोलों रहमत दे, ते साडे मामले विच साडे लई सही राह दा सामान कर दे।" सो असां ने ग़ार विच गिणती दे कई साल उन्हां दे कन्नां उत्ते थपकी दे दित्ती; फिर असां ने उन्हां नूं उठाइया, तां जो असीं जाण लईए कि दोहां गिरोहां विचों किस ने उन्हां दे ठहिरन दी मुद्दत नूं वध ठीक गिणिया है। (7–12)

असीं तैनूं उन्हां दा क़िस्सा ठीक-ठीक सुणाउंदे हां। ओह कुझ नौजवान सन जो अपणे रब्ब उत्ते ईमान लिआए, ते असां ने उन्हां नूं हिदायत विच होर वधा दित्ता। ते असां ने उन्हां दे दिल मज़बूत कर दित्ते जदों ओह उट्ठ खड़े होए ते आखिया, "साडा रब्ब ओही है जो असमानां ते धरती दा रब्ब है। असीं उस तों सिवा किसे माबूद नूं हरगिज़ ना पुकारांगे: जे असीं अजिहा कीता, तां असीं बड़ी ही बेजा गल्ल आखी। एह साडी क़ौम दे लोक हन जिन्हां ने उस तों सिवा होर माबूद बणा लए हन। एह उन्हां उत्ते कोई खुल्ही सनद क्यों नहीं लिआउंदे? सो उस तों वध ज़ालिम कौण है जो अल्लाह उत्ते झूठ घड़े? ते हुण जदों तुसीं इन्हां तों ते उन्हां तों जिन्हां दी एह अल्लाह तों सिवा इबादत करदे हन वक्ख हो गए हो, तां ग़ार विच पनाह लै लओ: तुहाडा रब्ब तुहाडे उत्ते अपणी रहमत फैला देवेगा, ते तुहाडे मामले विच तुहाडे लई आसानी दा सामान कर देवेगा।" (13–16)

ते तूं सूरज नूं वेखदा कि जदों ओह निकलदा, तां उन्हां दी ग़ार तों सज्जे पासे नूं झुक जांदा, ते जदों डुब्बदा, तां उन्हां तों खब्बे पासे नूं कतरा जांदा, ते ओह उस दी इक्क खुल्ही थां विच पए सन। एह अल्लाह दियां निशानियां विचों है। जिस नूं अल्लाह राह दिखाए ओही राह पाउण वाला है, ते जिस नूं ओह भटकण दे—तां तूं उस लई कोई राह दिखाउण वाला मददगार ना पावेंगा। ते तूं उन्हां नूं जागदे समझदा, हालांकि ओह सुत्ते पए सन। ते असीं उन्हां नूं सज्जे ते खब्बे पासे पलटदे रहिंदे सां, ते उन्हां दा कुत्ता दहिलीज़ उत्ते अपणियां

अगलियां लत्तां फैलाए बैठा सी। जे तूं उन्हां नूं झाती मार के वेखदा, तां पिट्ठ फेर के भज्ज खड़ा हुंदा, ते तेरे अंदर उन्हां दी दहिशत भर जांदी। (17–18)

ते इसे तरां असां ने उन्हां नूं उठाइया, तां जो ओह आपस विच इक्क दूजे तों पुच्छण। उन्हां विचों इक्क आखण वाले ने आखिया, "तुसीं किन्नी देर ठहिरे?" उन्हां ने आखिया, "असीं इक्क दिन, जां दिन दा कुझ हिस्सा ठहिरे।" उन्हां ने आखिया, "तुहाडा रब्ब ही ख़ूब जाणदा है कि तुसीं किन्नी देर ठहिरे। हुण अपणे विचों किसे नूं अपणा एह चांदी दा सिक्का दे के शहिर भेजो, ते ओह वेखे कि किस दा खाणा सभ तों पाकीज़ा है ते उस विचों तुहाडे लई कुझ खाण नूं लै आवे; ते ओह नरमी ते होशियारी वरते, ते किसे नूं तुहाडी ख़बर ना होण दे। किउंकि जे उन्हां नूं तुहाडा पता लग्ग गिया, तां ओह तुहानूं पत्थर मार-मार के मार देणगे जां तुहानूं ज़बरदस्ती अपणे मज़हब विच मोड़ लै जाणगे, ते तद तुसीं कदे कामयाब ना हो सकोगे।" ते इसे तरां असां ने लोकां नूं उन्हां दी ख़बर कर दित्ती, तां जो ओह जाण लैण कि अल्लाह दा वादा सच्चा है, ते एह कि उस घड़ी विच कोई शक्क नहीं। जदों ओह आपस विच उन्हां दे मामले बारे झगड़ रहे सन, तां कुझ ने आखिया, "इन्हां उत्ते इक्क इमारत बणा देओ: इन्हां दा रब्ब इन्हां नूं ख़ूब जाणदा है।" जो लोक उन्हां दे मामले विच ग़ालिब रहे उन्हां ने आखिया, "असीं तां इन्हां उत्ते ज़रूर इक्क इबादतगाह बणावांगे।" कुझ आखणगे, "ओह तिन्न सन, चौथा उन्हां दा कुत्ता सी"; ते कुझ आखणगे, "ओह पंज सन, छेवां उन्हां दा कुत्ता सी"—ग़ैब विच अटकल दे तीर चलाउंदे होए; ते कुझ आखणगे, "ओह सत्त सन, ते अठवां उन्हां दा कुत्ता सी।" आख, "मेरा रब्ब ही उन्हां दी गिणती ख़ूब जाणदा है; उन्हां नूं थोड़े ही लोक जाणदे हन।" सो तूं उन्हां बारे सरसरी बहिस तों सिवा बहिस ना कर, ते उन्हां बारे इन्हां विचों किसे तों कुझ ना पुच्छ। ते किसे चीज़ बारे हरगिज़ एह ना आख, "मैं एह कम्म कल्ह कर दिआंगा," पर नाल एह कि "जे अल्लाह चाहे।" ते जदों तूं भुल्ल जावें तां अपणे रब्ब नूं याद कर, ते आख, "उम्मीद है कि मेरा रब्ब मैनूं इस तों वी वध सही राह दे नेड़े दी गल्ल दी राह दिखावेगा।" ते ओह अपणी ग़ार विच तिन्न सौ साल रहे, ते नौं होर। आख, "अल्लाह ही ख़ूब जाणदा है कि ओह किन्नी देर रहे। असमानां ते धरती दा ग़ैब उसे दा है: ओह किन्ना साफ़ वेखदा है, ते किन्ना ख़ूब सुणदा है! उन्हां दा उस तों सिवा कोई हिमायती नहीं, ते ओह अपणे हुक्म विच किसे नूं शरीक नहीं करदा।" (19–26)

ते जो कुझ तेरे रब्ब दी किताब विचों तेरे वल्ल वह्य कीता गिया है उस नूं पढ़ के सुणा: उस दियां गल्लां नूं कोई बदलण वाला नहीं, ते तूं उस तों सिवा कोई पनाह दी थां ना पावेंगा। ते अपणे आप नूं उन्हां लोकां दे नाल जमाई रक्ख जो सवेरे ते शाम अपणे रब्ब नूं पुकारदे हन, उस दी रज़ा चाहुंदे होए। ते दुनिया दी ज़िंदगी दी रौनक़ दी ख़ाहिश विच तेरियां अक्खां उन्हां तों हट के अग्गे ना जाण; ते उस आदमी दी गल्ल ना मन्न जिस दे दिल नूं असां ने अपणी याद तों ग़ाफ़िल कर दित्ता है, ते जो अपणी ख़ाहिश दे पिच्छे चल्लदा है, ते जिस दा मामला हद्द तों लंघ चुक्का है। ते आख, "सच्च तुहाडे रब्ब वल्लों है: सो जो चाहे ईमान लिआवे, ते जो चाहे इनकार करे।" बेशक असां ने ज़ालिमां लई इक्क अग्ग तिआर कर रक्खी है जिस दियां क़नातां उन्हां नूं घेर लैणगियां। ते जे ओह फ़रियाद करनगे, तां उन्हां दी फ़रियाद अजिहे पाणी नाल सुणी जावेगी जो पिघले होए तांबे वरगा होवेगा ते चिहरियां नूं भुन्न देवेगा। किन्ना बुरा पीणा है, ते किन्नी बुरी आराम दी थां! बेशक जो ईमान

लिआए ते नेक कम्म कीते—असीं उस दा अजर अजाईं नहीं जाण दिंदे जिस ने चंगा कम्म कीता। इन्हां लई सदा रहण वाले बाग़ हन, जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन; उत्थे उन्हां नूं सोने दे कंगण पहिनाए जाणगे, ते ओह बारीक ते मोटे रेशम दे हरे कपड़े पहिनणगे, उत्थे उच्चे तख़्तां उत्ते टेक लाए बैठे होणगे। किन्ना चंगा बदला है, ते किन्नी सोहणी आराम दी थां! (27–31)

ते उन्हां लई दो आदमियां दी मिसाल बिआन कर: उन्हां विचों इक्क लई असां ने अंगूरां दे दो बाग़ बणाए, ते उन्हां नूं खजूर दे रुक्खां नाल घेर दित्ता, ते दोहां दे विचकार खेती रक्खी। दोवें बाग़ अपणा फल लिआए ते उस विच कोई कमी ना कीती, ते असां ने दोहां दे विचकार इक्क नहिर वगा दित्ती। ते उस दे कोल बहुत फल सी, सो उस ने अपणे साथी नूं, उस नाल गल्लां करदे होए, आखिया, “मैं माल विच तैथों वध हां, ते जत्थे विच वी तैथों ज़ोरावर।” ते ओह अपणे आप उत्ते ज़ुलम करदा होइया अपणे बाग़ विच दाख़िल होइया, ते आखिया, “मैं नहीं समझदा कि एह कदे तबाह होवेगा, ते ना मैं समझदा हां कि ओह घड़ी कदे आवेगी; ते जे मैं अपणे रब्ब वल्ल मोड़िया वी गिया, तां मैं ज़रूर इस तों बिहतर मुड़न दी थां पावांगा।” उस दे साथी ने, उस नाल गल्लां करदे होए, उस नूं आखिया, “की तूं उस दा इनकार करदा हैं जिस ने तैनूं मिट्टी तों पैदा कीता, फिर इक्क बूंद तों, फिर तैनूं पूरा आदमी बणा दित्ता? पर मेरे लई तां ओही अल्लाह मेरा रब्ब है, ते मैं अपणे रब्ब दे नाल किसे नूं शरीक नहीं ठहराउंदा। ते जदों तूं अपणे बाग़ विच दाख़िल होइया तां तूं एह क्यों ना आखिया: जो अल्लाह चाहे! अल्लाह तों बिनां कोई ताक़त नहीं। जे तूं मैनूं माल ते औलाद विच अपणे तों घट्ट वेखदा हैं, तां हो सकदा है कि मेरा रब्ब मैनूं तेरे बाग़ तों बिहतर दे देवे, ते उस उत्ते असमान तों कोई आफ़त भेज देवे, सो ओह चिकना साफ़ मैदान हो के रह जावे, जां उस दा पाणी डूंघा उतर जावे, फिर तूं उस नूं कदे ढूंढ ना सकें।” ते उस दे फल नूं तबाही ने घेर लिया, सो ओह उस सभ उत्ते जो उस ने उस उत्ते ख़र्च कीता सी अपणे हत्थ मलदा रह गिया, ते ओह अपणियां छत्तरियां उत्ते डिग्गिया पिया सी, ते ओह आखण लग्गा, “काश मैं अपणे रब्ब दे नाल किसे नूं शरीक ना ठहराइया हुंदा!” ते उस दा कोई जत्था ना सी जो अल्लाह दे मुक़ाबले विच उस दी मदद करदा, ते ना ओह आप बदला लै सकिया। उत्थे हिमायत सिरफ़ अल्लाह ही दी है, जो सच्चा है। ओही बदला देण विच सभ तों चंगा है, ते अंजाम दे लिहाज़ नाल वी सभ तों चंगा। (32–44)

ते उन्हां लई दुनिया दी ज़िंदगी दी मिसाल बिआन कर: एह उस पाणी वरगी है जो असां ने असमान तों उतारिया; फिर धरती दी हरियाली उस दे नाल रल-मिल के घणी हो गई, फिर ओह सुक्का चूरा बण गई जिस नूं हवावां उडाई फिरदियां हन। ते अल्लाह हर चीज़ उत्ते पूरी क़ुदरत रक्खदा है। माल ते पुत्तर दुनिया दी ज़िंदगी दी ज़ीनत हन; पर बाक़ी रहण वालियां नेकियां तेरे रब्ब दे नज़दीक बदले दे लिहाज़ नाल वी बिहतर हन, ते उम्मीद दे लिहाज़ नाल वी बिहतर। ते जिस दिन असीं पहाड़ां नूं चलावांगे ते तूं धरती नूं खुल्हा मैदान वेखेंगा, ते असीं उन्हां सभनां नूं इकट्ठा करांगे ते उन्हां विचों किसे इक्क नूं वी ना छड्डांगे। ते ओह तेरे रब्ब दे साहमणे क़तारां बन्ह के पेश कीते जाणगे: “हुण तुसीं साडे कोल उसे तरां आ गए जिवें असां ने तुहानूं पहिली वारी पैदा कीता सी, हालांकि तुसीं दावा करदे सी कि असीं तुहाडे लई मिलण दा कोई वक़्त मुक़र्रर ना करांगे।” ते आमालनामा रक्ख दित्ता जावेगा, तां तूं मुजरिमां नूं वेखेंगा कि जो कुझ उस विच है उस तों डर

रहे होणगे। ते ओह आखणगे, "हाए साडी कंबख़्ती! एह किहो जिही किताब है, कि ना कोई छोटी गल्ल छड्डदी है ना वड्डी, पर उस नूं गिण रक्खिया है?" ते जो कुझ उन्हां ने कीता सी ओह सभ हाज़र पाउणगे; ते तेरा रब्ब किसे उत्ते ज़ुलम नहीं करदा। (45–49)

ते जदों असां ने फ़रिश्तियां नूं आखिया, "आदम अग्गे झुक जाओ," तां ओह झुक गए—सिवाए इबलीस दे। ओह जिन्नां विचों सी, सो उस ने अपणे रब्ब दे हुक्म दी नाफ़रमानी कीती। तां की तुसीं मैनूं छड्ड के उस नूं ते उस दी औलाद नूं दोस्त बणाउंदे हो, हालांकि ओह तुहाडे दुश्मण हन? ज़ालिमां लई किन्ना बुरा बदल है! मैं ना उन्हां नूं असमानां ते धरती दी पैदाइश वेले गवाह बणाइया सी, ते ना उन्हां दी अपणी पैदाइश वेले; ते ना मैं भटकाउण वालियां नूं अपणा मददगार बणाउण वाला हां। ते जिस दिन ओह आखेगा, "पुकारो उन्हां नूं जिन्हां नूं तुसीं मेरा शरीक समझदे सी," तां ओह उन्हां नूं पुकारनगे, पर ओह उन्हां नूं कोई जवाब ना देणगे; ते असीं उन्हां दे विचकार हलाकत दी इक्क थां बणा दिआंगे। ते मुजरिम अग्ग नूं वेखणगे ते जाण लैणगे कि ओह उस विच डिग्गण वाले हन, ते ओह उस तों बचण दा कोई राह ना पाउणगे। (50–53)

ते बेशक असां ने इस क़ुरआन विच लोकां लई हर किसम दी मिसाल तरां-तरां नाल बिआन कीती है, पर इनसान हर चीज़ तों वध झगड़ालू है। ते लोकां नूं, जदों उन्हां कोल हिदायत आ गई, ईमान लिआउण तों ते अपणे रब्ब तों बख़शिश मंगण तों इस तों सिवा किसे चीज़ ने नहीं रोकिया कि ओह इस दी उडीक विच हन कि उन्हां उत्ते अगलियां वाला दस्तूर आ जावे, जां अज़ाब उन्हां दे साहमणे आ खड़ा होवे। ते असीं रसूलां नूं सिरफ़ ख़ुशख़बरी देण वाले ते ख़बरदार करन वाले बणा के ही भेजदे हां; पर जो सच्च दे इनकारी हन ओह बातिल दे सहारे झगड़दे हन तां जो उस दे नाल सच्च नूं हटा देण, ते उन्हां ने मेरियां आयतां नूं ते उन्हां चेतावनियां नूं जो उन्हां नूं दित्तियां गइयां मख़ौल बणा लिया। ते उस तों वध ज़ालिम कौण है जिस नूं उस दे रब्ब दियां आयतां नाल नसीहत कीती जावे, तां ओह उन्हां तों मूंह मोड़ लए ते उस नूं भुल्ल जावे जो उस दे अपणे हत्थां ने अग्गे भेजिया है? बेशक असां ने उन्हां दे दिलां उत्ते ग़िलाफ़ चढ़ा दित्ते हन, कि ओह इस नूं ना समझण, ते उन्हां दे कन्नां विच बोझ; ते जे तूं उन्हां नूं हिदायत वल्ल बुलावें, तां वी ओह कदे राह ना पाउणगे। ते तेरा रब्ब बड़ा बख़्शण वाला, रहमत वाला है। जे ओह उन्हां नूं उन्हां दी कमाई उत्ते फड़दा, तां उन्हां लई अज़ाब जलदी लै आउंदा; पर उन्हां लई इक्क वादे दा वक़्त है जिस तों बचण दी ओह कोई थां ना पाउणगे। ते एह बस्तियां—असां ने इन्हां नूं हलाक कर दित्ता जदों इन्हां ने ज़ुलम कीता, ते असां ने इन्हां दी हलाकत लई इक्क वक़्त मुक़र्रर कीता सी। (54–59)

ते जदों मूसा ने अपणे नौजवान ख़िदमतगार नूं आखिया, "मैं हटांगा नहीं जद तक्क दोहां समुंदरां दे मिलण दी थां ना पहुंच जावां, भावें मैनूं जुगां तक्क चल्लदे रहणा पवे।" फिर जदों ओह दोवें उन्हां दे मिलण दी थां पहुंचे, तां अपणी मच्छी भुल्ल गए, ते उस ने सुरंग बणाउंदी होई समुंदर विच अपणा राह लै लिया। फिर जदों ओह अग्गे लंघ गए, तां उस ने अपणे ख़िदमतगार नूं आखिया, "साडा सवेर दा खाणा लिआ; इस सफ़र विच तां सानूं बड़ी थकावट हो गई है।" उस ने आखिया, "भला वेखिया? जदों असीं उस चट्टान कोल ठहिरे सां, तां मैं मच्छी नूं भुल्ल गिया—ते मैनूं शैतान ने ही भुला दित्ता कि उस दा ज़िकर करां—ते उस ने अजीब ढंग नाल

समुंदर विच अपणा राह लै लिया!" उस ने आखिया, "एही तां है जो असीं ढूंढ रहे सां।" सो ओह दोवें अपणे क़दमां दे निशानां उत्ते पिच्छे मुड़े, ते उन्हां ने साडे बंदियां विचों इक्क बंदे नूं पाइया जिस नूं असां ने अपणे कोलों रहमत दित्ती सी, ते जिस नूं अपणे कोलों इक्क ख़ास इल्म सिखाइया सी। मूसा ने उस नूं आखिया, "की मैं तुहाडे पिच्छे चल्ल सकदा हां, तां जो तुसीं मैनूं उस हिदायत विचों कुझ सिखाओ जो तुहानूं सिखाई गई है?" उस ने आखिया, "तूं मेरे नाल हरगिज़ सब्र ना कर सकेंगा। ते तूं उस चीज़ उत्ते सब्र किवें कर सकदा हैं जिस दी तैनूं पूरी ख़बर नहीं?" उस ने आखिया, "जे अल्लाह ने चाहिया, तां तुसीं मैनूं सब्र करन वाला पाओगे, ते मैं किसे मामले विच तुहाडी नाफ़रमानी ना करांगा।" उस ने आखिया, "तां जे तूं मेरे पिच्छे चल्लें, तां मैथों किसे चीज़ बारे ना पुच्छीं जद तक्क मैं आप तेरे नाल उस दा ज़िकर ना करां।" (60–70)

सो ओह दोवें चल्ल पए, इत्थों तक्क कि जदों ओह इक्क किश्ती विच सवार होए, तां उस ने उस विच मोरी कर दित्ती। उस ने आखिया, "की तुसीं इस विच इस लई मोरी कीती है कि इस दे सवारां नूं डोब देओ? तुसीं तां बड़ी भारी गल्ल कर दित्ती!" उस ने आखिया, "की मैं आखिया नहीं सी कि तूं मेरे नाल हरगिज़ सब्र ना कर सकेंगा?" उस ने आखिया, "मेरी भुल्ल उत्ते मैनूं ना फड़ो, ते मेरे मामले विच मेरे उत्ते सख़्ती ना करो।" फिर ओह दोवें चल्ल पए, इत्थों तक्क कि जदों ओह इक्क लड़के नूं मिले, तां उस ने उस नूं मार दित्ता। उस ने आखिया, "की तुसीं इक्क बेगुनाह जान नूं मार दित्ता, जिस ने किसे दी जान नहीं लई सी? तुसीं तां बड़ी बुरी गल्ल कर दित्ती!" उस ने आखिया, "की मैं तैनूं आखिया नहीं सी कि तूं मेरे नाल हरगिज़ सब्र ना कर सकेंगा?" उस ने आखिया, "जे मैं इस तों बाद तुहाथों किसे चीज़ बारे पुच्छां, तां मैनूं अपणे नाल ना रक्खणा: मेरे वल्लों तुसीं उज़र दी हद्द नूं पहुंच गए।" फिर ओह दोवें चल्ल पए, इत्थों तक्क कि जदों ओह इक्क बस्ती वालियां कोल आए, तां उन्हां ने उस दे रहण वालियां तों खाणा मंगिया, पर उन्हां ने उन्हां दी मिहमानी करन तों इनकार कर दित्ता। फिर उन्हां ने उत्थे इक्क कंध पाई जो डिग्गण ही वाली सी, तां उस ने उस नूं सिद्धा कर दित्ता। उस ने आखिया, "जे तुसीं चाहुंदे, तां इस उत्ते मज़दूरी लै सकदे सी।" उस ने आखिया, "एह मेरे ते तेरे विचकार जुदाई है। हुण मैं तैनूं उन्हां गल्लां दी हक़ीक़त दस्सदा हां जिन्हां उत्ते तूं सब्र ना कर सकिया। रही किश्ती, तां ओह कुझ ग़रीब लोकां दी सी जो समुंदर विच मिहनत करदे सन; सो मैं चाहिया कि उस नूं ऐबदार कर दिआं, किउंकि उन्हां दे अग्गे इक्क बादशाह सी जो हर किश्ती ज़बरदस्ती खोह लैंदा सी। ते रिहा लड़का, तां उस दे मां-पिओ ईमान वाले सन, ते सानूं डर होइया कि ओह सरकशी ते इनकार नाल उन्हां नूं तंग करेगा; सो असां ने चाहिया कि उन्हां दा रब्ब उन्हां नूं उस दे बदले अजिहा देवे जो पाकीज़गी विच उस तों बिहतर ते मुहब्बत विच वध नेड़े होवे। ते रही कंध, तां ओह शहिर दे दो यतीम लड़कियां दी सी, ते उस दे हेठ उन्हां दा इक्क ख़ज़ाना सी। ते उन्हां दा पिओ नेक आदमी सी, सो तेरे रब्ब ने चाहिया कि ओह दोवें अपणी जवानी नूं पहुंचण ते अपणा ख़ज़ाना कढ्ढ लैण, तेरे रब्ब दी रहमत वजों। ते मैं एह अपणी मरज़ी नाल नहीं कीता। एह है उन्हां गल्लां दी हक़ीक़त जिन्हां उत्ते तूं सब्र ना कर सकिया।" (71–82)

ऐ नबी, ओह तैथों ज़ुल-क़रनैन बारे पुच्छदे हन। आख, "मैं तुहानूं उस दा कुझ हाल पढ़ के सुणाउंदा हां।" बेशक असां ने उस नूं धरती विच जमाइया ते उस नूं हर चीज़ दा राह दित्ता। सो ओह इक्क राह दे पिच्छे

चल्लिया, इत्थों तक्क कि जदों ओह सूरज डुब्बण दी थां पहुंचिया, तां उस ने उस नूं इक्क गंधले चश्मे विच डुब्बदा पाइया, ते उस दे कोल इक्क क़ौम पाई। असां ने आखिया, "ऐ ज़ुल-क़रनैन, भावें तूं इन्हां नूं सज़ा दे, जां इन्हां नाल चंगा सलूक कर।" उस ने आखिया, "जो ज़ुलम करेगा, उस नूं असीं सज़ा दिआंगे; फिर ओह अपणे रब्ब वल्ल मोड़िया जावेगा, तां ओह उस नूं बहुत बुरा अज़ाब देवेगा। ते जो ईमान लिआवे ते नेक कम्म करे, उस लई सभ तों चंगा बदला है, ते असीं अपणे हुक्म विच उस नाल नरमी दी गल्ल करांगे।" फिर ओह इक्क होर राह दे पिच्छे चल्लिया, इत्थों तक्क कि जदों ओह सूरज निकलण दी थां पहुंचिया, तां उस ने उस नूं इक्क अजिही क़ौम उत्ते निकलदा पाइया जिस लई असां ने उस तों बचाअ दी कोई ओट नहीं बणाई सी। गल्ल इसे तरां सी; ते जो कुझ उस दे कोल सी असां ने उस सभ नूं अपणे इल्म विच घेर रक्खिया सी। (83–91)

फिर ओह इक्क होर राह दे पिच्छे चल्लिया, इत्थों तक्क कि जदों ओह दो पहाड़ां दे विचकार पहुंचिया, तां उस ने उन्हां दे उरे इक्क अजिही क़ौम पाई जो कोई गल्ल समझदी नहीं लग्गदी सी। उन्हां ने आखिया, "ऐ ज़ुल-क़रनैन, याजूज ते माजूज इस ज़मीन विच फ़साद फैलाउंदे हन। तां की असीं तुहानूं कुझ महिसूल देईए, इस शर्त उत्ते कि तुसीं साडे ते उन्हां दे विचकार इक्क बंध बणा देओ?" उस ने आखिया, "जिस चीज़ विच मेरे रब्ब ने मैनूं जमाइया है ओह बिहतर है। सो तुसीं ताक़त नाल मेरी मदद करो, मैं तुहाडे ते उन्हां दे विचकार इक्क मज़बूत आड़ बणा दिआंगा। मेरे कोल लोहे दियां चादरां लिआओ।" फिर जदों उस ने दोहां पहाड़ां दे विचकार दी थां बराबर कर दित्ती, तां आखिया, "धौंको!" फिर जदों उस ने उस नूं अग्ग वरगा कर दित्ता, तां आखिया, "मेरे कोल पिघलिया होइया तांबा लिआओ कि इस उत्ते पा दिआं।" सो ना ओह उस उत्ते चढ़ सके ते ना उस विच सन्ह ला सके। उस ने आखिया, "एह मेरे रब्ब दी रहमत है। फिर जदों मेरे रब्ब दा वादा आ जावेगा, तां ओह इस नूं ढाह के बराबर कर देवेगा; ते मेरे रब्ब दा वादा सच्चा है।" ते उस दिन असीं उन्हां नूं छड्ड दिआंगे कि लहिरां वांग इक्क दूजे उत्ते चढ़दे होण; ते सूर विच फूक मारी जावेगी, तां असीं उन्हां सभनां नूं इकट्ठा कर लवांगे। ते उस दिन असीं जहन्नम नूं सच्च दे इनकारियां दे साहमणे लै आवांगे, जिन्हां दियां अक्खां मेरी याद तों परदे विच सन, ते जो सुण वी नहीं सकदे सन। तां की सच्च दे इनकारी समझदे हन कि मैनूं छड्ड के मेरे बंदियां नूं हिमायती बणा लैणगे? बेशक असां ने सच्च दे इनकारियां दी मिहमानी लई जहन्नम तिआर कर रक्खी है। (92–102)

आख, "की असीं तुहानूं दस्सीए कि अमलां दे लिहाज़ नाल सभ तों वध घाटा खाण वाले कौण हन? ओह जिन्हां दी कोशिश दुनिया दी ज़िंदगी विच अकारथ गई, ते ओह समझदे रहे कि ओह चंगा कम्म कर रहे हन।" इही हन ओह जिन्हां ने अपणे रब्ब दियां आयतां दा ते उस नाल मिलण दा इनकार कीता; सो उन्हां दे अमल अकारथ हो गए, ते क़ियामत दे दिन असीं उन्हां लई कोई वज़न क़ायम ना करांगे। एह उन्हां दा बदला है—जहन्नम—इस लई कि उन्हां ने सच्च दा इनकार कीता ते मेरियां आयतां ते मेरे रसूलां नूं मख़ौल बणाइया। बेशक जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते उन्हां दी मिहमानी लई फ़िरदौस दे बाग़ होणगे, जिन्हां विच ओह सदा रहिणगे, ते उत्थों किते होर जाणा ना चाहुणगे। (103–108)

आख, "जे समुंदर मेरे रब्ब दियां गल्लां लिखण लई सियाही बण जावे, तां समुंदर ख़तम हो जावे इस तों पहिलां कि मेरे रब्ब दियां गल्लां ख़तम होण, भावें असीं उस वरगा इक्क होर वी मदद लई लै आईए।"[19] (109)

आख, "मैं तां बस तुहाडे वरगा इक्क इनसान हां। मेरे वल्ल वह्य कीती जांदी है कि तुहाडा माबूद इक्को माबूद है। सो जो कोई अपणे रब्ब नाल मिलण दी उम्मीद रक्खदा होवे, उस नूं चाहीदा है कि नेक कम्म करे, ते अपणे रब्ब दी इबादत विच किसे नूं शरीक ना करे।" (110)

[19] इस बुनियादी आयत नूं उन्हां सारे लिंकां दे ज़रीए सभ तों चंगी तरां समझिया जा सकदा है जो मैं वक़्त दे नाल, इंशाअल्लाह, हाशियां दे तौर ते जोड़दा जावांगा, तां जो इक्क जामअ साइंसी ते फ़लसफ़ी तफ़सीर पेश कीती जा सके। उदों तक्क मेरे ब्लॉग दे सारे ख़ास (हाइलाइटिड) मज़मून वेख लओ: ख़ास मज़मून – द ग्लोरियस क़ुरआन ऐंड साइंस।

19. मरयम (मरयम)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

काफ़ हा या ऐन साद। (1)

एह तेरे रब्ब दी उस रहमत दा ज़िकर है जो उस ने अपणे बंदे ज़करिया उत्ते कीती, जदों उस ने अपणे रब्ब नूं चुप-चुपीते पुकारिया। उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मेरियां हड्डियां कमज़ोर पै गइयां हन, ते मेरा सिर बुढापे दे चिट्टे वालां नाल भड़क उट्ठिया है; ते ऐ मेरे रब्ब, मैं तैनूं पुकार के कदे नामुराद नहीं रिहा। ते मैनूं अपणे पिच्छों अपणे रिश्तेदारां दा डर है, ते मेरी पतनी बांझ है; सो तूं मैनूं अपणे कोलों इक्क वारिस बख़्श, जो मेरा वी वारिस होवे ते याक़ूब दे घराणे दा वी वारिस होवे; ते ऐ मेरे रब्ब, उस नूं अपणा पसंदीदा बणा।" "ऐ ज़करिया, असीं तैनूं इक्क लड़के दी ख़ुशख़बरी दिंदे हां जिस दा नाम यह्या होवेगा; असां ने इस तों पहिलां किसे नूं उस दा हम-नाम नहीं बणाइया।" उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मेरे घर लड़का किवें होवेगा, जदों कि मेरी पतनी बांझ है ते मैं बुढापे दी इंतिहा नूं पहुंच चुक्का हां?" उस ने आखिया, "अजिहा ही होवेगा।" तेरा रब्ब आखदा है, "एह मेरे लई आसान है: ते मैं इस तों पहिलां तैनूं पैदा कीता, जदों कि तूं कुझ वी ना सी।" (2–9)

उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मेरे लई कोई निशानी मुक़र्रर कर दे।" उस ने आखिया, "तेरी निशानी एह है कि तूं तिन्न रातां लोकां नाल गल्ल ना कर सकेंगा, हालांकि तूं भला-चंगा होवेंगा।" सो ओह इबादत दी थां विचों निकल के अपणी क़ौम कोल आइया ते उन्हां नूं इशारे नाल आखिया कि सवेरे ते शाम तसबीह करो। (10–11)

"ऐ यह्या, किताब नूं मज़बूती नाल फड़।" ते असां ने उस नूं बचपन ही विच हिकमत दित्ती, ते अपणे कोलों नरम-दिली, ते पाकीज़गी; ते ओह अल्लाह तों सुचेत रहण वाला सी, ते अपणे मां-पिओ दा फ़रमांबरदार; ते ओह ना सरकश सी ना नाफ़रमान। ते उस उत्ते सलामती है जिस दिन ओह पैदा होइया, ते जिस दिन ओह मरेगा, ते जिस दिन ओह ज़िंदा करके उठाइया जावेगा। (12–15)

ते इस किताब विच मरयम दा ज़िकर कर, जदों ओह अपणे घर वालियां तों वक्ख हो के पूरब वल्ल दी इक्क थां चली गई, ते उन्हां तों ओट कर लई। तां असां ने उस वल्ल अपणी रूह भेजी, जो उस दे साहमणे इक्क पूरे आदमी दी शकल विच ज़ाहिर होई। उस ने आखिया, "मैं तैथों रहमान दी पनाह मंगदी हां—जे तूं अल्लाह तों सुचेत हैं!" उस ने आखिया, "मैं तां बस तेरे रब्ब दा भेजिया होइया हां, तां जो तैनूं इक्क पाकीज़ा लड़का दिआं।" उस ने आखिया, "मेरे घर लड़का किवें होवेगा, जदों कि मैनूं किसे मरद ने हत्थ तक्क नहीं लाइया, ते ना मैं बदचलन हां?" उस ने आखिया, "अजिहा ही होवेगा।" तेरा रब्ब आखदा है, "एह मेरे लई आसान है; ते इस लई कि असीं उस नूं लोकां लई निशानी ते अपणे वल्लों रहमत बणाईए। ते एह इक्क तै कीती होई गल्ल है।" सो ओह उस दे नाल हामिला हो गई, ते उस नूं लै के इक्क दूर दी थां चली गई। फिर जणेपे दी पीड़

उस नूं खजूर दे तणे कोल लै आई। उस ने आखिया, "काश मैं इस तों पहिलां ही मर गई हुंदी, ते भुल्ली-विसरी हो चुक्की हुंदी!" तां उस नूं उस दे हेठों आवाज़ आई: "ग़म ना कर। तेरे रब्ब ने तेरे हेठ इक्क चश्मा वगा दित्ता है; ते खजूर दे तणे नूं अपणे वल्ल हिला: ओह तेरे उत्ते ताज़ा पक्कियां खजूरां डेगेगा। सो खा ते पी ते अपणियां अक्खां ठंढियां कर। फिर जे तूं किसे इनसान नूं वेखें, तां आख देईं: मैं रहमान लई रोज़े दी मन्नत मन्नी है, सो अज्ज मैं किसे इनसान नाल गल्ल ना करांगी।" (16–26)

फिर ओह उस नूं चुक्की होई अपणी क़ौम कोल आई। उन्हां ने आखिया, "ऐ मरयम, तूं तां बड़ी अनोखी गल्ल कर दित्ती! ऐ हारून दी भैण, ना तेरा पिओ बुरा आदमी सी, ते ना तेरी मां बदचलन सी।" तां उस ने उस वल्ल इशारा कर दित्ता। उन्हां ने आखिया, "असीं उस नाल किवें गल्ल करीए जो पंघूड़े विच पिआ बच्चा है?" उस ने आखिया, "मैं अल्लाह दा बंदा हां। उस ने मैनूं किताब दित्ती ते मैनूं नबी बणाइया; ते मैं जित्थे किते वी होवां उस ने मैनूं बरकत वाला बणाइया है, ते जद तक्क मैं ज़िंदा रहां मैनूं नमाज़ ते ज़कात दी ताकीद कीती है, ते मैनूं अपणी मां दा फ़रमांबरदार बणाइया; ते उस ने मैनूं सरकश, बदबख़्त नहीं बणाइया। ते मेरे उत्ते सलामती है जिस दिन मैं पैदा होइया, ते जिस दिन मैं मरांगा, ते जिस दिन मैं ज़िंदा करके उठाइया जावांगा।" एह है मरयम दा पुत्तर ईसा: सच्ची गल्ल जिस विच ओह शक्क करदे हन। अल्लाह दा एह कम्म नहीं कि कोई पुत्तर बणाए—ओह पाक है! जदों ओह किसे कम्म दा फ़ैसला करदा है, तां उस नूं बस एही आखदा है, "हो जा", ते ओह हो जांदा है। ईसा ने आखिया, "बेशक अल्लाह मेरा रब्ब है ते तुहाडा रब्ब वी, सो उसे दी इबादत करो: एही सिद्धा राह है।" फिर गिरोहां ने आपस विच इख़तिलाफ़ कीता; सो सच्च दे इनकारियां लई इक्क वड्डे दिन दी हाज़री वेले तबाही है! जिस दिन ओह साडे कोल आउणगे उस दिन ओह किन्ना ख़ूब सुणनगे ते वेखणगे! पर अज्ज एह ज़ालिम खुल्ही गुमराही विच हन। ते उन्हां नूं हसरत दे दिन तों ख़बरदार कर, जदों मामले दा फ़ैसला कर दित्ता जावेगा, ते ओह ग़फ़लत विच पए हन ते ईमान नहीं लिआउंदे। बेशक असीं ही धरती दे ते उस उत्ते रहण वालियां दे वारिस होवांगे, ते साडे ही वल्ल ओह मोड़े जाणगे। (27–40)

ते इस किताब विच इबराहीम दा ज़िकर कर: बेशक ओह सच्चा आदमी, नबी सी। जदों उस ने अपणे पिओ नूं आखिया, "अब्बा जी, तुसीं उस दी इबादत क्यों करदे हो जो ना सुणदा है ना वेखदा है, ते ना तुहाडे कुझ कम्म आ सकदा है? अब्बा जी, मेरे कोल ओह इल्म आइया है जो तुहाडे कोल नहीं आइया; सो मेरे पिच्छे चल्लो, मैं तुहानूं सिद्धा राह दिखावांगा। अब्बा जी, शैतान दी इबादत ना करो: बेशक शैतान रहमान दा नाफ़रमान है। अब्बा जी, मैनूं डर है कि तुहानूं रहमान वल्लों कोई अज़ाब आ लग्गे, ते तुसीं शैतान दे साथी बण जाओ।" उस ने आखिया, "ऐ इबराहीम, की तूं मेरे माबूदां तों मूंह फेरदा हैं? जे तूं बाज़ ना आइया, तां मैं तैनूं ज़रूर पत्थर मार-मार के मार दिआंगा। ते इक्क लंबी मुद्दत लई मैथों दूर हो जा!" उस ने आखिया, "तुहाडे उत्ते सलामती होवे। मैं अपणे रब्ब तों तुहाडे लई बख़शिश मंगांगा; बेशक ओह मेरे उत्ते बड़ा मिहरबान है। ते मैं तुहानूं ते उन्हां नूं जिन्हां नूं तुसीं अल्लाह तों सिवा पुकारदे हो छड्डदा हां, ते मैं अपणे रब्ब नूं पुकारांगा; उम्मीद है कि मैं अपणे रब्ब नूं पुकार के नामुराद ना रहांगा।" फिर जदों ओह उन्हां तों ते उन्हां तों जिन्हां दी ओह अल्लाह तों सिवा इबादत करदे सन वक्ख हो गिया, तां असां ने उस नूं इसहाक़ ते याक़ूब दित्ते, ते हर

इक्क नूं असां ने नबी बणाइया। ते असां ने उन्हां नूं अपणी रहमत विचों दित्ता, ते असां ने उन्हां लई सच्ची ते उच्ची नेकनामी रक्खी। (41–50)

ते इस किताब विच मूसा दा ज़िकर कर: बेशक ओह चुणिया होइया सी, ते ओह रसूल, नबी सी। ते असां ने उस नूं तूर दे सज्जे पासों पुकारिया, ते उस नूं राज़ दी गल्ल करन लई नेड़े कीता। ते असां ने अपणी रहमत नाल उस नूं उस दा भरा हारून नबी बणा के दित्ता। ते इस किताब विच इसमाईल दा ज़िकर कर: बेशक ओह वादे दा सच्चा सी, ते ओह रसूल, नबी सी। ते ओह अपणे घर वालियां नूं नमाज़ ते ज़कात दा हुक्म दिंदा सी, ते ओह अपणे रब्ब दे नज़दीक पसंदीदा सी। ते इस किताब विच इदरीस दा ज़िकर कर: बेशक ओह सच्चा आदमी, नबी सी, ते असां ने उस नूं उच्चे मक़ाम उत्ते उठाइया। (51–57)

इही हन ओह नबी जिन्हां उत्ते अल्लाह ने इनाम कीता: आदम दी औलाद विचों, ते उन्हां विचों जिन्हां नूं असां ने नूह दे नाल सवार कीता सी, ते इबराहीम ते इसराईल दी औलाद विचों, ते उन्हां विचों जिन्हां नूं असां ने हिदायत दित्ती ते चुण लिया। जदों उन्हां नूं रहमान दियां आयतां पढ़ के सुणाइयां जांदियां, तां ओह रोंदे होए सजदे विच डिग्ग पैंदे। फिर उन्हां तों बाद अजिहे नालायक़ जानशीन आए जिन्हां ने नमाज़ नूं ज़ाया कर दित्ता ते ख़ाहिशां दे पिच्छे लग्ग गए; सो ओह जलदी ही तबाही नूं मिलणगे—सिवाए उन्हां दे जिन्हां ने तौबा कीती ते ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते: तां अजिहे लोक जन्नत विच दाख़िल होणगे, ते उन्हां उत्ते कुझ वी ज़ुलम ना कीता जावेगा—सदा रहण वाले बाग़, जिन्हां दा रहमान ने अपणे बंदियां नाल बिनां वेखे वादा कीता है: बेशक उस दा वादा पूरा हो के ही रहेगा। उत्थे ओह कोई बेहूदा गल्ल ना सुणनगे, बस "सलाम" ही सुणनगे; ते उत्थे उन्हां नूं सवेरे ते शाम उन्हां दी रोज़ी मिलेगी। एह ओह जन्नत है जिस दा वारिस असीं अपणे बंदियां विचों उस नूं बणावांगे जो अल्लाह तों सुचेत रिहा। (58–63)

फ़रिश्ते आखदे हन, "असीं तेरे रब्ब दे हुक्म तों बिनां नहीं उतरदे। उसे दा है जो कुझ साडे अग्गे है ते जो कुझ साडे पिच्छे है ते जो कुझ इस दे विचकार है; ते तेरा रब्ब भुल्लण वाला नहीं—ओह असमानां ते धरती दा ते जो कुझ उन्हां दे विचकार है उस दा रब्ब है। सो उसे दी इबादत कर, ते उस दी इबादत उत्ते जमिया रह। की तूं किसे नूं जाणदा हैं जो उस दा हम-नाम होवे?" (64–65)

ते इनसान आखदा है, "की जदों मैं मर जावांगा, तां की सच्चमुच ज़िंदा करके कढ्ढिया जावांगा?" की इनसान नूं याद नहीं कि असां ने उस नूं इस तों पहिलां पैदा कीता, जदों कि ओह कुझ वी ना सी? सो तेरे रब्ब दी क़सम, असीं ज़रूर उन्हां नूं ते शैतानां नूं इकट्ठा करांगे; फिर असीं ज़रूर उन्हां नूं जहन्नम दे आले-दुआले गोडियां दे भार हाज़र करांगे; फिर असीं हर गिरोह विचों उन्हां नूं खिच्च कढ्ढांगे जो रहमान दे ख़िलाफ़ सभ तों वध सरकश सन; फिर असीं उन्हां नूं ख़ूब जाणदे हां जो उस विच सड़न दे सभ तों वध हक़दार हन। ते तुहाडे विचों कोई अजिहा नहीं जो उस उत्तों ना लंघे: एह तेरे रब्ब दे ज़िम्मे इक्क तै कीती होई पक्की गल्ल है। फिर असीं उन्हां नूं बचा लवांगे जो अल्लाह तों सुचेत रहे, ते ज़ालिमां नूं उस विच गोडियां दे भार पए रहण दिआंगे। (66–72)

ते जदों उन्हां नूं साडियां खुल्हियां आयतां पढ़ के सुणाइयां जांदियां हन, तां सच्च दे इनकारी ईमान वालियां नूं आखदे हन, "दोहां गिरोहां विचों किस दा मक़ाम बिहतर है ते किस दी मजलिस वध सोहणी है?" ते इन्हां तों पहिलां असां ने किन्नियां ही नसलां हलाक कर दित्तियां, जो सामान ते दिखावे विच इन्हां तों किते चंगियां सन! आख, "जो कोई गुमराही विच है, उस लई रहमान ढिल्ल नूं लंबा करदा जांदा है, इत्थों तक्क कि जदों ओह उस चीज़ नूं वेख लैणगे जिस दा उन्हां नाल वादा कीता जांदा है—भावें अज़ाब होवे जां ओह घड़ी—तां ओह जाण लैणगे कि किस दा मक़ाम वध बुरा है ते किस दा जत्था वध कमज़ोर।" ते अल्लाह उन्हां नूं हिदायत विच होर वधाउंदा है जो राह उत्ते हन; ते बाक़ी रहण वालियां नेकियां तेरे रब्ब दे नज़दीक बदले दे लिहाज़ नाल वी बिहतर हन, ते अंजाम दे लिहाज़ नाल वी बिहतर। भला तूं उस आदमी नूं वेखिया जिस ने साडियां आयतां दा इनकार कीता ते आखिया, "मैनूं तां ज़रूर माल ते औलाद दित्ती जावेगी"? की उस ने ग़ैब विच झाती मार लई है, जां रहमान तों कोई अहद लै रक्खिया है? हरगिज़ नहीं! असीं लिख रक्खांगे जो कुझ ओह आखदा है, ते असीं उस लई अज़ाब नूं लंबा करदे जावांगे; ते जिस चीज़ दी ओह गल्ल करदा है उस दे वारिस असीं होवांगे, ते ओह साडे कोल इकल्ला आवेगा। (73–80)

ते उन्हां ने अल्लाह तों सिवा होर माबूद बणा लए हन, तां जो ओह उन्हां लई ताक़त दा ज़रीआ बणन। हरगिज़ नहीं! ओह इन्हां दी इबादत दा ही इनकार कर देणगे, ते इन्हां दे मुख़ालिफ़ बण जाणगे। की तूं नहीं वेखिया कि असां ने शैतानां नूं सच्च दे इनकारियां उत्ते छड्ड रक्खिया है, जो उन्हां नूं ख़ूब उकसाउंदे हन? सो तूं उन्हां दे ख़िलाफ़ काहली ना कर: असीं तां उन्हां दे दिन गिण रहे हां। जिस दिन असीं अल्लाह तों सुचेत रहण वालियां नूं रहमान दे हज़ूर इज़्ज़त वाले मिहमानां वांग इकट्ठा करांगे, ते मुजरिमां नूं पिआसे जानवरां वांग जहन्नम वल्ल हक्क लै जावांगे, कोई सिफ़ारिश दा इख़तियार ना रक्खेगा, सिवाए उस दे जिस ने रहमान तों कोई अहद लै रक्खिया होवे। ते ओह आखदे हन, "रहमान ने पुत्तर बणा लिया है।" बेशक तुसीं बड़ी ही भारी गल्ल लै आए हो: नेड़े है कि इस दे कारन असमान फट पैण, ते धरती पाट जावे, ते पहाड़ टुट्ट के डिग्ग पैण, कि उन्हां ने रहमान लई पुत्तर दा दावा कीता। हालांकि रहमान दी शान दे लायक़ नहीं कि ओह पुत्तर बणाए: असमानां ते धरती विच जो कोई वी है ओह रहमान दे हज़ूर बंदा बण के ही आउण वाला है। उस ने उन्हां नूं घेर रक्खिया है ते उन्हां नूं ठीक-ठीक गिण रक्खिया है, ते उन्हां विचों हर इक्क क़ियामत दे दिन उस दे कोल इकल्ला आवेगा। (81–95)

बेशक जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते रहमान उन्हां लई मुहब्बत पैदा कर देवेगा। सो ऐ नबी, असां ने इस नूं तेरी ज़बान विच सिरफ़ इस लई आसान कीता है कि तूं इस दे ज़रीए अल्लाह तों सुचेत रहण वालियां नूं ख़ुशख़बरी देवें, ते इस दे ज़रीए झगड़ालू लोकां नूं ख़बरदार करें। ते इन्हां तों पहिलां असां ने किन्नियां ही नसलां हलाक कर दित्तियां! की तूं उन्हां विचों किसे इक्क दी वी आहट पाउंदा हैं, जां उन्हां दी कोई भिणक वी सुणदा हैं? (96–98)

20. ता हा (ता हा)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

ता हा। (1)

ऐ नबी, असां ने तेरे उत्ते क़ुरआन इस लई नहीं उतारिया कि तूं मुश्किल विच पवें, बल्कि बस उस लई नसीहत बणा के जो अल्लाह तों डरे: एह उस दे वल्लों उतारिया गिया है जिस ने धरती ते उच्चे असमानां नूं पैदा कीता, रहमान, जो अर्श उत्ते क़ायम है। उसे दा है जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है, ते जो कुझ उन्हां दे विचकार है, ते जो कुझ गिल्ली मिट्टी दे हेठ है। ते भावें तूं उच्ची आवाज़ नाल गल्ल करें जां ना करें, ओह तां भेद नूं वी जाणदा है ते उस तों वी वध छुपी होई गल्ल नूं। अल्लाह—उस तों सिवा कोई माबूद नहीं; सभ तों चंगे नाम उसे दे हन। (2–8)

ते की तेरे कोल मूसा दी ख़बर पहुंची है? जदों उस ने इक्क अग्ग वेखी, तां अपणे घर वालियां नूं आखिया, "इत्थे ठहिरो। मैनूं इक्क अग्ग दिखाई दित्ती है; शायद मैं उस विचों तुहाडे लई कोई अंगारा लै आवां, जां अग्ग कोल मैनूं कोई राह दा पता मिल जावे।" फिर जदों ओह उस दे कोल आइया, तां आवाज़ दित्ती गई: "ऐ मूसा! मैं तेरा रब्ब हां। अपणियां जुत्तियां उतार दे: तूं तुवा दी पाक वादी विच हैं। ते मैं तैनूं चुण लिया है, सो जो कुझ वह्य कीता जांदा है उस नूं सुण। बेशक मैं ही अल्लाह हां; मेरे तों सिवा कोई माबूद नहीं। सो मेरी इबादत कर, ते मेरी याद लई नमाज़ क़ायम कर। बेशक ओह घड़ी आउण वाली है—मैं उस नूं छुपाई रक्खणा चाहुंदा हां—तां जो हर जान नूं उस दी कोशिश दा बदला दित्ता जावे। सो ओह जो उस उत्ते ईमान नहीं रक्खदा ते अपणी ख़ाहिश दे पिच्छे चल्लदा है तैनूं उस तों रोक ना देवे, नहीं तां तूं हलाक हो जावेंगा। (9–16)

ते ऐ मूसा, एह तेरे सज्जे हत्थ विच की है?" उस ने आखिया, "एह मेरी लाठी है। मैं इस उत्ते टेक लाउंदा हां, ते इस दे नाल अपणियां भेडां लई पत्ते झाड़दा हां, ते इस विच मेरे होर वी कम्म हन।" उस ने आखिया, "ऐ मूसा, इस नूं सुट्ट दे।" सो उस ने उस नूं सुट्ट दित्ता—तां ओह अचानक इक्क दौड़दा होइया सप्प सी। उस ने आखिया, "इस नूं फड़ लै ते डर ना: असीं इस नूं इस दी पहिली हालत उत्ते मोड़ दिआंगे। ते अपणा हत्थ अपणी कच्छ नाल ला लै: ओह बिनां किसे ऐब दे चिट्टा हो के निकलेगा—इक्क होर निशानी, तां जो असीं तैनूं अपणियां वड्डियां निशानियां विचों कुझ दिखाईए। फ़िरऔन कोल जा: ओह हर हद्द तों लंघ गिया है।" उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मेरे लई मेरा सीना खोल्ह दे, ते मेरे लई मेरा कम्म आसान कर दे, ते मेरी ज़बान दी गंढ खोल्ह दे, तां जो ओह मेरी गल्ल समझ सकण; ते मेरे लई मेरे घर वालियां विचों इक्क मददगार मुक़र्रर कर दे—हारून, मेरा भरा। उस दे ज़रीए मेरी कमर मज़बूत कर, ते उस नूं मेरे कम्म विच शरीक कर दे, तां जो असीं तेरी बहुत तसबीह करीए ते तैनूं बहुत याद करीए: बेशक तूं सानूं वेख रिहा हैं।" (17–35)

उस ने आखिया, "ऐ मूसा, तेरी मंग तैनूं दे दित्ती गई। ते असीं इक्क वारी होर वी तेरे उत्ते अहिसान कर चुक्के हां, जदों असां ने तेरी मां दे दिल विच ओह गल्ल पाई जो पाई जाणी सी: कि इस नूं संदूक़ विच रक्ख दे, फिर

उस नूं दरिया विच पा दे; तां दरिया उस नूं कंढे उत्ते सुट्ट देवेगा, ते उस नूं ओह चुक्क लवेगा जो मेरा वी दुश्मण है ते उस दा वी दुश्मण। ते मैं अपणे वल्लों तेरे उत्ते मुहब्बत पा दित्ती, ते तां जो तूं मेरी अक्ख दे साहमणे पालिया जावें। जदों तेरी भैण चली जा रही सी ते आख रही सी: की मैं तुहानूं अजिहा कोई दस्सां जो इस दी परवरिश करे? सो असां ने तैनूं तेरी मां कोल मोड़ दित्ता, तां जो उस दी अक्ख ठंढी रहे ते ओह ग़म ना करे। ते तूं इक्क आदमी नूं मार दित्ता सी, तां असां ने तैनूं उस ग़म तों छुटकारा दित्ता, ते तैनूं कई तरां नाल आज़माइया। फिर तूं कई साल मदयन वालियां विच रिहा; फिर ऐ मूसा, तूं ठीक मुक़र्रर वक़्त उत्ते इत्थे आ गिया। ते मैं तैनूं अपणे लई चुण लिया है। तूं ते तेरा भरा मेरियां निशानियां लै के जाओ, ते मेरी याद विच सुस्ती ना करना। तुसीं दोवें फ़िरऔन कोल जाओ: ओह हर हद्द तों लंघ गिया है। फिर उस नाल नरम गल्ल करना, शायद ओह नसीहत फड़े जां डर जावे।" (36–44)

दोहां ने आखिया, "ऐ साडे रब्ब, सानूं डर है कि ओह साडे उत्ते ज़िआदती करेगा, जां हर हद्द तों लंघ जावेगा।" उस ने आखिया, "डरो ना। मैं तुहाडे दोहां दे नाल हां: सुणदा हां ते वेखदा हां। सो उस दे कोल जाओ ते आखो: असीं तेरे रब्ब दे दो रसूल हां, सो इसराईल दी औलाद नूं साडे नाल भेज दे ते उन्हां नूं अज़ाब ना दे। असीं तेरे कोल तेरे रब्ब वल्लों निशानी लै के आए हां, ते सलामती उस उत्ते है जो हिदायत दे पिच्छे चल्ले। बेशक साडे वल्ल वह्य कीती गई है कि अज़ाब उस उत्ते है जो झुठलाए ते मूंह मोड़े।" (45–48)

उस ने आखिया, "तां ऐ मूसा, तुहाडा दोहां दा रब्ब कौण है?" उस ने आखिया, "साडा रब्ब ओह है जिस ने हर चीज़ नूं उस दी सूरत दित्ती फिर राह दिखाई।" उस ने आखिया, "तां पहिलियां नसलां दा की हाल है?" उस ने आखिया, "उन्हां दा इल्म मेरे रब्ब दे कोल इक्क किताब विच है: मेरा रब्ब ना ग़लती करदा है ना भुल्लदा है। ओही है जिस ने तुहाडे लई धरती नूं पंघूड़ा बणाइया, ते उस विच तुहाडे लई राह कढ्ढे, ते असमान तों पाणी उतारिया।" फिर उस दे नाल असां ने तरां-तरां दे बूटियां दे जोड़े कढ्ढे: खाओ, ते अपणे चौपायां नूं चराओ। बेशक इस विच अक़ल वालियां लई निशानियां हन। इसे तों असां ने तुहानूं पैदा कीता, ते इसे विच असीं तुहानूं मोड़ांगे, ते इसे विचों असीं तुहानूं इक्क वारी फिर कढ्ढांगे। (49–55)

ते बेशक असां ने उस नूं अपणियां सारियां निशानियां दिखाइयां, पर उस ने झुठलाइया ते इनकार कीता। उस ने आखिया, "ऐ मूसा, की तूं साडे कोल इस लई आइया हैं कि अपणे जादू नाल सानूं साडी ज़मीन तों कढ्ढ देवें? तां असीं वी ज़रूर तेरे मुक़ाबले विच उहो जिहा जादू लै आवांगे। सो साडे ते अपणे विचकार इक्क वादे दा वक़्त ठहरा लै, जिस दे ख़िलाफ़ ना असीं करीए ना तूं, किसे विचकारली थां उत्ते।" उस ने आखिया, "तुहाडे वादे दा वक़्त जशन दा दिन है, ते एह कि लोक दिन चढ़े इकट्ठे कीते जाण।" (56–59)

सो फ़िरऔन मुड़ गिया, ते उस ने अपणियां सारियां चालां इकट्ठियां कीतियां, फिर आ गिया। मूसा ने उन्हां नूं आखिया, "तुहाडी कंबख़्ती! अल्लाह उत्ते झूठ ना घड़ो, नहीं तां ओह तुहानूं किसे अज़ाब नाल मिटा देवेगा। ते जिस ने झूठ घड़िया ओह नाकाम ही रिहा।" तां ओह अपणे मामले विच आपस विच झगड़न लग्गे, ते चुप-चुपीते सलाह करन लग्गे। उन्हां ने आखिया, "एह दोवें यक़ीनन जादूगर हन जो चाहुंदे हन कि अपणे जादू

नाल तुहानूं तुहाडी ज़मीन तों कड्ढ देण, ते तुहाडे मिसाली तरीक़े नूं ख़तम कर देण। सो अपणी सारी तदबीर इकट्ठी कर लओ, फिर क़तार बन्ह के आओ: ते अज्ज जो ग़ालिब रिहा ओही कामयाब होइया।" उन्हां ने आखिया, "ऐ मूसा, जां तां तूं सुट्ट, जां असीं ही पहिलां सुट्टण वाले होईए।" उस ने आखिया, "नहीं, तुसीं ही सुट्टो।" तां अचानक उन्हां दियां रस्सियां ते उन्हां दियां लाठियां उन्हां दे जादू कारन उस नूं इउं लग्गण लग्गियां जिवें ओह दौड़ रहियां होण। सो मूसा ने अपणे दिल विच डर महिसूस कीता। असां ने आखिया, "डर ना: बेशक तूं ही ग़ालिब रहेंगा। ते जो तेरे सज्जे हत्थ विच है उस नूं सुट्ट दे: ओह उस नूं निगल जावेगा जो कुझ उन्हां ने बणाइया है। जो कुझ उन्हां ने बणाइया है ओह बस जादूगर दी चाल है, ते जादूगर जित्थे वी जावे कामयाब नहीं हुंदा।" (60–69)

सो जादूगर सजदे विच डेग दित्ते गए, ते आखण लग्गे, "असीं हारून ते मूसा दे रब्ब उत्ते ईमान लै आए।" उस ने आखिया, "तुसीं उस उत्ते ईमान लै आए इस तों पहिलां कि मैं तुहानूं इजाज़त दिआं? एह ज़रूर तुहाडा वड्डा है, जिस ने तुहानूं जादू सिखाइया है। सो मैं ज़रूर तुहाडे हत्थ ते पैर उलटे पासियों कट्टांगा, ते तुहानूं खजूर दे तणियां उत्ते सूली चढ़ावांगा, ते तुसीं ज़रूर जाण लओगे कि साडे विचों किस दा अज़ाब वध सख़्त ते वध देर रहण वाला है!" उन्हां ने आखिया, "असीं तैनूं उन्हां खुल्हियां दलीलां उत्ते हरगिज़ तरजीह ना दिआंगे जो साडे कोल आ चुक्कियां हन, ते ना उस उत्ते जिस ने सानूं पैदा कीता। सो तूं जो फ़ैसला करना चाहुंदा हैं कर लै: तूं तां बस इस दुनिया दी ज़िंदगी विच ही फ़ैसला कर सकदा हैं। बेशक असीं अपणे रब्ब उत्ते ईमान लै आए हां, तां जो ओह साडे गुनाह ते ओह जादू वी बख़्श देवे जिस उत्ते तूं सानूं मजबूर कीता सी। ते अल्लाह ही बिहतर है, ते सदा बाक़ी रहण वाला।" (70–73)

बेशक जो कोई अपणे रब्ब दे कोल मुजरिम बण के आवेगा—तां उस लई जहन्नम है, जिस विच ओह ना मरेगा ना जीएगा; ते जो कोई उस दे कोल ईमान वाला बण के आवेगा, जिस ने नेक कम्म कीते होण—तां अजिहियां लई सभ तों उच्चे दर्जे हन: सदा रहण वाले बाग़, जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, जिन्हां विच ओह सदा रहिणगे। ते एह उस दा बदला है जिस ने अपणे आप नूं पाक कीता। (74–76)

ते बेशक असां ने मूसा वल्ल वह्य कीती: "मेरे बंदियां नूं रातों-रात लै के निकल जा, ते उन्हां लई समुंदर विच इक्क सुक्का राह बणा लै; ना तैनूं फड़े जाण दा ख़ौफ़ होवेगा, ते ना तूं डरेंगा।" फिर फ़िरऔन ने अपणे लश्करां दे नाल उन्हां दा पिच्छा कीता, तां समुंदर ने उन्हां नूं पूरी तरां ढक लिया। ते फ़िरऔन ने अपणी क़ौम नूं भटकाइया, ते राह ना दिखाई। (77–79)

ऐ इसराईल दी औलाद, असां ने तुहानूं तुहाडे दुश्मण तों छुटकारा दित्ता, ते तूर दे सज्जे पासे तुहाडे नाल वादा कीता, ते तुहाडे उत्ते मन्न ते सलवा उतारिया: "उन्हां पाक चीज़ां विचों खाओ जो असां ने तुहानूं दित्तियां हन, पर इस विच हद्द तों ना वधो, नहीं तां तुहाडे उत्ते मेरा ग़ज़ब उतरेगा; ते जिस उत्ते मेरा ग़ज़ब उतरिया ओह यक़ीनन तबाह हो गिया। ते बेशक मैं उस नूं बहुत बख़्शण वाला हां जो तौबा करे ते ईमान लिआवे ते नेक कम्म करे, फिर सिद्धे राह उत्ते रहे।" (80–82)

"ते ऐ मूसा, तैनूं किस चीज़ ने अपणी क़ौम तों अग्गे जलदी लै आंदा?" उस ने आखिया, "ओह मेरे पिच्छे-पिच्छे ही हन, ते ऐ मेरे रब्ब, मैं तेरे वल्ल जलदी आइया तां जो तूं राज़ी हो जावें।" उस ने आखिया, "असां ने तेरे पिच्छों तेरी क़ौम नूं आज़माइश विच पा दित्ता, ते सामिरी ने उन्हां नूं भटका दित्ता।" सो मूसा ग़ुस्से ते अफ़सोस विच भरिया होइया अपणी क़ौम वल्ल मुड़िया। उस ने आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, की तुहाडे रब्ब ने तुहाडे नाल इक्क चंगा वादा नहीं कीता सी? तां की तुहानूं मुद्दत लंबी लग्गी, जां तुसीं चाहिया कि तुहाडे उत्ते तुहाडे रब्ब दा ग़ज़ब उतरे, कि तुसीं मेरे नाल कीते वादे दे ख़िलाफ़ कीता?" उन्हां ने आखिया, "असां ने तेरे नाल कीते वादे दे ख़िलाफ़ अपणे इख़तियार नाल नहीं कीता; बल्कि साडे उत्ते लोकां दे ज़ेवरां दे बोझ लद्दे गए सन, सो असां ने उन्हां नूं अग्ग विच सुट्ट दित्ता, ते इसे तरां सामिरी ने वी सुट्टिया।" फिर उस ने उन्हां लई इक्क वच्छा कड्ढ लिआंदा, इक्क धड़ जिस विचों गां वरगी आवाज़ निकलदी सी; तां उन्हां ने आखिया, "एही तुहाडा माबूद है ते मूसा दा वी माबूद, पर ओह भुल्ल गिया।" की ओह नहीं वेखदे सन कि ओह ना उन्हां दी किसे गल्ल दा जवाब दिंदा है, ते ना उन्हां दे किसे नुक़सान जां नफ़े दा इख़तियार रक्खदा है? ते हारून ने उन्हां नूं पहिलां ही आख दित्ता सी, "ऐ मेरी क़ौम, तुसीं तां इस दे ज़रीए बस आज़माइश विच पाए गए हो। ते बेशक तुहाडा रब्ब रहमान है, सो मेरे पिच्छे चल्लो ते मेरा हुक्म मन्नो।" उन्हां ने आखिया, "असीं तां इसे उत्ते जमे रहांगे जद तक्क मूसा साडे कोल मुड़ ना आवे।" (83–91)

उस ने आखिया, "ऐ हारून, जदों तूं उन्हां नूं भटकदे वेखिया, तां तैनूं किस चीज़ ने रोकिया, कि मेरे पिच्छे ना आइया? तां की तूं मेरे हुक्म दी नाफ़रमानी कीती?" उस ने आखिया, "ऐ मेरी मां दे जाए, मेरी दाढ़ी ते मेरा सिर ना फड़! मैनूं डर सी कि तूं आखेंगा: तूं इसराईल दी औलाद विच फुट्ट पा दित्ती, ते मेरी गल्ल दा ख़ियाल ना रक्खिया।" उस ने आखिया, "ते ऐ सामिरी, तेरा की मामला है?" उस ने आखिया, "मैं ओह चीज़ वेखी जो इन्हां ने नहीं वेखी: सो मैं रसूल दे क़दम दे निशान तों इक्क मुट्ठी भर लई ते उस नूं पा दित्ता। ते मेरे जी ने मैनूं इसे तरां सुझाइया।" उस ने आखिया, "दूर हो जा! तेरे लई ज़िंदगी भर एही है कि तूं आखदा रहें: मैनूं हत्थ ना लाउणा। ते तेरे लई इक्क वादा है जो तैथों टलेगा नहीं। ते हुण अपणे उस माबूद नूं वेख, जिस उत्ते तूं जमिया बैठा सी: असीं उस नूं ज़रूर साड़ांगे, फिर उस नूं चूरा करके समुंदर विच उडा दिआंगे। तुहाडा माबूद तां बस अल्लाह ही है, जिस तों सिवा कोई माबूद नहीं; उस दा इल्म हर चीज़ नूं घेरे होए है।" (92–98)

ऐ नबी, इसे तरां असीं तैनूं उन्हां गल्लां दियां कुझ ख़बरां सुणाउंदे हां जो पहिलां गुज़र चुक्कियां हन; ते असां ने तैनूं अपणे कोलों इक्क नसीहत दित्ती है। जो कोई इस तों मूंह मोड़ेगा ओह क़ियामत दे दिन इक्क बोझ चुक्केगा, उस दे थल्ले ओह सदा रहिणगे—ते क़ियामत दे दिन उन्हां लई एह बहुत बुरा बोझ होवेगा, जिस दिन सूर विच फूक मारी जावेगी, ते असीं उस दिन मुजरिमां नूं इस हाल विच इकट्ठा करांगे कि उन्हां दियां अक्खां नीलियां होणगियां, ओह आपस विच हौली-हौली आखदे होणगे, "तुसीं बस दस दिन ही ठहिरे।" असीं ख़ूब जाणदे हां जो कुझ ओह आखणगे, जदों उन्हां विचों सभ तों चंगे तरीक़े वाला आखेगा, "तुसीं बस इक्क दिन ही ठहिरे।" (99–104)

ते ओह तैथों पहाड़ां बारे पुच्छदे हन। आख, "मेरा रब्ब उन्हां नूं धूड़ बणा के उडा देवेगा, ते धरती नूं चटियल पधरा मैदान करके छड्ड देवेगा, जिस विच तूं ना कोई टेढ वेखेंगा ना कोई उचाई।" उस दिन ओह पुकारन वाले दे पिच्छे चल्लणगे, जिस तों कोई टेढा ना हो सकेगा; ते रहमान दे साहमणे आवाज़ां दब जाणगियां, सो तूं इक्क हलकी जिही भिणक तों सिवा कुझ ना सुणेंगा। उस दिन सिफ़ारिश कोई नफ़ा ना देवेगी, सिवाए उस दे जिस नूं रहमान इजाज़त देवे, ते जिस दी गल्ल नूं ओह पसंद करे। ओह जाणदा है जो कुझ उन्हां दे अग्गे है ते जो कुझ उन्हां दे पिच्छे है, ते ओह अपणे इल्म नाल उस नूं घेर नहीं सकदे। ते चिहरे उस सदा ज़िंदा, सभ नूं थंमण वाले दे अग्गे झुक जाणगे; ते जिस ने ज़ुलम दा बोझ चुक्किया ओह नाकाम रिहा। ते जो कोई नेक कम्म करे, ते ओह ईमान वाला होवे, तां उस नूं ना किसे बेइनसाफ़ी दा डर होवेगा ना हक़ मारे जाण दा। ते इसे तरां असां ने इस नूं अरबी क़ुरआन बणा के उतारिया है, ते इस विच तरां-तरां नाल चेतावनियां बिआन कीतियां हन, तां जो ओह अल्लाह तों सुचेत हो जाण, जां एह उन्हां विच कोई याद जगा देवे। सो बहुत उच्चा है अल्लाह, जो सच्चा बादशाह है! ते क़ुरआन पढ़न विच जलदी ना कर इस तों पहिलां कि तेरे वल्ल इस दी वह्य पूरी हो जावे, ते आख, "ऐ मेरे रब्ब, मेरा इल्म वधा।" ते बेशक असां ने इस तों पहिलां आदम तों अहद लिया सी, पर ओह भुल्ल गिया; ते असां ने उस विच पक्का इरादा ना पाइया। ते जदों असां ने फ़रिश्तियां नूं आखिया, "आदम अग्गे झुक जाओ," तां ओह झुक गए—सिवाए इबलीस दे, उस ने इनकार कर दित्ता। सो असां ने आखिया, "ऐ आदम, एह तेरा ते तेरी पतनी दा दुश्मण है। सो किते एह तुहानूं दोहां नूं जन्नत विचों ना कड्ढा देवे, कि तूं मुश्किल विच पै जावें। इत्थे तैनूं ना भुक्ख लग्गेगी ना तूं नंगा होवेंगा, ते ना इत्थे तैनूं पिआस लग्गेगी, ते ना धुप्प।" पर शैतान ने उस दे दिल विच वसवसा पाइया, उस ने आखिया, "ऐ आदम, की मैं तैनूं सदा दी ज़िंदगी दा रुक्ख दस्सां, ते अजिही बादशाही जो कदे पुराणी ना होवे?" सो दोहां ने उस विचों खा लिया, तां उन्हां दियां शरमगाहां उन्हां उत्ते खुल्ह गइयां, ते ओह जन्नत दे पत्तियां नाल अपणे आप नूं ढकण लग्गे। ते आदम ने अपणे रब्ब दी नाफ़रमानी कीती, सो भटक गिया। फिर उस दे रब्ब ने उस नूं चुण लिया, उस दी तौबा क़बूल कीती, ते राह दिखाई। उस ने आखिया, "तुसीं दोवें इत्थों इकट्ठे उतर जाओ, तुसीं इक्क दूजे दे दुश्मण हो। फिर जदों मेरे वल्लों तुहाडे कोल हिदायत आवे, तां जो मेरी हिदायत दे पिच्छे चल्लेगा ओह ना भटकेगा, ना मुश्किल विच पवेगा; ते जो मेरी याद तों मूंह मोड़ेगा उस लई तंग ज़िंदगी होवेगी, ते क़ियामत दे दिन असीं उस नूं अन्हा करके उठावांगे।" ओह आखेगा, "ऐ मेरे रब्ब, तूं मैनूं अन्हा करके क्यों उठाइया, हालांकि मैं तां वेखण वाला सां?" ओह आखेगा, "इसे तरां। तेरे कोल साडियां आयतां आइयां सन तां तूं उन्हां नूं भुला दित्ता; ते इसे तरां, अज्ज तूं भुला दित्ता जावेंगा।" ते इसे तरां असीं उस नूं बदला दिंदे हां जो हद्द तों वधे ते अपणे रब्ब दियां आयतां उत्ते ईमान ना लिआवे: ते आख़िरत दा अज़ाब यक़ीनन वध सख़्त ते वध बाक़ी रहण वाला है। तां की इस गल्ल ने उन्हां नूं राह नहीं दिखाई, कि उन्हां तों पहिलां असां ने किन्नियां ही नसलां हलाक कर दित्तियां, जिन्हां दे घरां विच एह हुण चल्लदे-फिरदे हन? बेशक इस विच अक़ल वालियां लई निशानियां हन। (105–128)

ते जे तेरे रब्ब वल्लों इक्क गल्ल पहिलां तै ना हो चुक्की हुंदी, ते इक्क मुक़र्रर मुद्दत, तां अज़ाब लाज़िम हो जांदा। सो जो कुझ ओह आखदे हन उस उत्ते सब्र कर, ते सूरज निकलण तों पहिलां ते उस दे डुब्बण तों

पहिलां अपणे रब्ब दी हम्द दे नाल तसबीह कर; ते रात दियां घड़ियां विच वी उस दी तसबीह कर ते दिन दे किनारियां उत्ते वी, तां जो तूं राज़ी हो जावें। ते उस वल्ल अक्ख उठा के ना वेख जो असां ने उन्हां विचों कुझ गिरोहां नूं फ़ायदा उठाउण लई दित्ता है, दुनिया दी ज़िंदगी दी रौनक़, तां जो असीं उस दे ज़रीए उन्हां नूं आज़माईए: ते तेरे रब्ब दी रोज़ी बिहतर ते वध बाक़ी रहण वाली है। ते अपणे घर वालियां नूं नमाज़ दा हुक्म दे, ते आप वी उस उत्ते जमिया रह। असीं तैथों कोई रोज़ी नहीं मंगदे; असीं ही तैनूं रोज़ी दिंदे हां। ते चंगा अंजाम अल्लाह तों सुचेतता ही दा है। (129–132)

ते ओह आखदे हन, "एह अपणे रब्ब वल्लों साडे कोल कोई निशानी क्यों नहीं लिआउंदा?" की उन्हां कोल उस दी खुल्ही दलील नहीं आ चुक्की जो अगले सहीफ़ियां विच है? ते जे असीं उन्हां नूं इस तों पहिलां किसे अज़ाब नाल हलाक कर दिंदे, तां ओह आखदे, "ऐ साडे रब्ब, तूं साडे वल्ल कोई रसूल क्यों ना भेजिया, कि असीं ज़लील ते रुसवा होण तों पहिलां तेरियां आयतां दे पिच्छे चल्लदे।" आख, "हर इक्क उडीक विच है, सो तुसीं वी उडीक करो: जलदी ही तुसीं जाण लओगे कि सिद्धे राह वाले कौण हन, ते कौण राह उत्ते है।" (133–135)

21. नबी (अल-अंबिया)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

लोकां लई उन्हां दा हिसाब नेड़े आ लग्गा है, फिर वी ओह ग़फ़लत विच मूंह मोड़ी होए हन। उन्हां दे कोल उन्हां दे रब्ब वल्लों कोई नवीं नसीहत नहीं आउंदी पर ओह उस नूं खेडदे होए सुणदे हन, उन्हां दे दिल ग़ाफ़िल हुंदे हन। ते ज़ालिम चुप-चुपीते आपस विच कानाफूसी करदे हन: "एह तां बस तुहाडे वरगा इक्क इनसान ही है। तां की तुसीं अक्खीं वेखदे जादू दे कोल जाओगे?" उस ने आखिया, "मेरा रब्ब असमान ते धरती विच आखी गई हर गल्ल नूं जाणदा है: ते ओही सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है।" नहीं—बल्कि ओह आखदे हन, "एह तां परेशान सुपने हन!" नहीं—"इस ने इस नूं आप घड़ लिया है!" नहीं—"एह तां शायर है! सो एह साडे कोल कोई निशानी लिआवे, जिवें पहिले रसूल निशानियां दे नाल भेजे गए सन।" इन्हां तों पहिलां जिस बस्ती नूं वी असां ने हलाक कीता ओह ईमान नहीं लिआई; तां की एह ईमान लिआउणगे? ते ऐ नबी, असां ने तैथों पहिलां वी मरद ही भेजे सन जिन्हां वल्ल असीं वह्य करदे सां—सो नसीहत वालियां तों पुच्छ लओ जे तुसीं नहीं जाणदे—ते असां ने उन्हां नूं अजिहे जिसम नहीं दित्ते सन जो खाणा ना खांदे होण, ते ना ओह सदा रहण वाले सन। फिर असां ने उन्हां नाल अपणा वादा सच्चा कर दिखाइया: सो असां ने उन्हां नूं ते जिस नूं चाहिया बचा लिया, ते हर हद्द तों लंघ जाण वालियां नूं हलाक कर दित्ता। (1–9)

बेशक असां ने तुहाडे वल्ल इक्क किताब उतारी है जिस विच तुहाडा ही ज़िकर है। तां की तुसीं अक़ल तों कम्म नहीं लैंदे? ते किन्नियां ही बस्तियां हन जो ज़ालिम सन ते जिन्हां नूं असां ने पीह के रक्ख दित्ता, ते उन्हां तों बाद होर लोक उठा खड़े कीते! फिर जदों उन्हां ने साडा अज़ाब आउंदा महिसूस कीता, तां ओह उत्थों भज्जण लग्गे। "भज्जो ना! मुड़ जाओ अपणे उसे ऐश वल्ल जो तुहानूं दित्ता गिया सी ते अपणे घरां वल्ल; शायद तुहाथों कुझ पुच्छिया जावे।" उन्हां ने आखिया, "हाए साडी कंबख़्ती! बेशक असीं ही ज़ालिम सां।" ते उन्हां दी एही पुकार रही इत्थों तक्क कि असां ने उन्हां नूं कट्टी होई खेती वांग, बुझे होए कर दित्ता। (10–15)

ते असां ने असमान ते धरती नूं ते जो कुझ उन्हां दे विचकार है खेड-खेड विच पैदा नहीं कीता। जे असीं कोई खेड बणाउणा चाहुंदे, तां उस नूं अपणे कोलों ही बणा लैंदे—जे सानूं अजिहा करना ही हुंदा। नहीं—बल्कि असीं सच्च नूं बातिल उत्ते दे मारदे हां, तां ओह उस दा सिर कुचल दिंदा है, ते ओह उसे वेले मिट जांदा है। ते तुहाडे लई तबाही है उन्हां गल्लां कारन जो तुसीं अल्लाह बारे बिआन करदे हो! ते उसे दा है जो कोई असमानां ते धरती विच है। ते जो उस दे कोल हन ओह ना उस दी इबादत तों घमंड करदे हन, ते ना थक्कदे हन; ओह रात-दिन उस दी तसबीह करदे हन, ते कदे सुस्त नहीं पैंदे। (16–20)

की उन्हां ने धरती विचों अजिहे माबूद बणा लए हन जो मुर्दियां नूं ज़िंदा कर सकदे हन? जे असमानां जां धरती विच अल्लाह तों सिवा होर माबूद वी हुंदे, तां दोवें ⸢जहान⸣ ज़रूर विगड़ जांदे। सो अल्लाह, अर्श दा

रब्ब, उन्हां गल्लां तों बहुत पाक है जो एह बिआन करदे हन।[20] उस तों उस बारे नहीं पुच्छिया जांदा जो ओह करदा है, पर इन्हां तों पुच्छिया जावेगा। की उन्हां ने उस तों सिवा होर माबूद बणा लए हन? आख, "अपणी दलील लिआओ। एह उन्हां दी नसीहत है जो मेरे नाल हन ते उन्हां दी नसीहत जो मैथों पहिलां सन।" पर उन्हां विचों बहुते सच्च नूं नहीं जाणदे, सो ओह मूंह मोड़ी होए हन। ते असां ने तैथों पहिलां कोई रसूल नहीं भेजिया पर उस वल्ल एही वह्य करदे रहे: "मेरे तों सिवा कोई माबूद नहीं, सो मेरी ही इबादत करो।" ते ओह आखदे हन, "रहमान ने पुत्तर बणा लिया है।" ओह पाक है! नहीं—बल्कि ओह इज़्ज़त वाले बंदे हन; ओह उस तों अग्गे वध के गल्ल नहीं करदे, ते उसे दे हुक्म उत्ते अमल करदे हन। ओह जाणदा है जो कुझ उन्हां दे अग्गे है ते जो कुझ उन्हां दे पिच्छे है; ते ओह सिफ़ारिश नहीं करदे सिवाए उस दे जिस तों ओह राज़ी होवे, ते ओह उस दे डर नाल कंबदे रहिंदे हन। ते उन्हां विचों जो कोई आखे, "उस तों सिवा मैं वी माबूद हां," तां उस नूं असीं जहन्नम दा बदला दिआंगे: इसे तरां असीं ज़ालिमां नूं बदला दिंदे हां। (21–29)

की सच्च दे इनकारियां ने नहीं वेखिया कि असमान ते धरती दोवें आपस विच जुड़े होए सन, फिर असां ने उन्हां नूं पाड़ के वक्ख कीता, ते असां ने पाणी तों हर ज़िंदा चीज़ बणाई? तां की ओह फिर वी ईमान नहीं लिआउंदे?[21] ते असां ने धरती विच जमे होए पहाड़ रक्खे तां जो ओह उन्हां नूं लै के डोले ना, ते उस विच खुल्हे राह बणाए, तां जो ओह राह पाउण। ते असां ने असमान नूं इक्क महिफ़ूज़ छत्त बणाइया—फिर वी ओह उस दियां निशानियां तों मूंह मोड़ी होए हन।[22] ते ओही है जिस ने रात ते दिन, ते सूरज ते चंद पैदा कीते, हर इक्क इक्क घेरे विच तर रिहा है।[23] (30–33)

ते ऐ नबी, असां ने तैथों पहिलां वी किसे इनसान नूं सदा दी ज़िंदगी नहीं दित्ती: तां की जे तूं मर जावें, तां एह सदा रहिणगे? हर जान ने मौत दा सुआद चक्खणा है। ते असीं तुहानूं बुराई ते भलाई नाल आज़माइश वजों परखदे हां, ते साडे ही वल्ल तुसीं मोड़े जाओगे। ते जदों सच्च दे इनकारी तैनूं वेखदे हन, तां बस तेरा मख़ौल ही उडाउंदे हन: "की एही है ओह जो तुहाडे माबूदां दा ज़िकर करदा है?"—हालांकि ओह आप रहमान दे ज़िकर दे इनकारी हन। (34–36)

इनसान काहली दा बणिया होइया है। मैं जलदी ही तुहानूं अपणियां निशानियां दिखावांगा, सो मैथों जलदी ना मचाओ। ते ओह आखदे हन, "एह वादा कदों पूरा होवेगा, जे तुसीं सच्चे हो?" काश सच्च दे इनकारी उस

---

[20] साडी काइनात दी तरतीब तौहीद, यानी इक्को ख़ुदाई इरादे, दा पता दिंदी है।
ख़ुदाई वहदत दी बणतर: क़ुरआनी तौहीद दी इक्क साइंसी, फ़लसफ़ी ते दीनी तफ़सीर – द ग्लोरियस क़ुरआन ऐंड साइंस
ख़ुदाई वहदत, काइनात दी तरतीब, ते तख़लीक़ दा क़ाइदा: क़ुरआन 21:22, 23:91 ते 17:41–44 दी इक्क साइंसी, फ़लसफ़ी ते दीनी तफ़सीर – द ग्लोरियस क़ुरआन ऐंड साइंस

[21] नबी मुहम्मद इत्तिफ़ाक़ नाल इस डूंघी साइंसी हक़ीक़त नूं नहीं जाण सकदे सन। एह आयत होर बहुत सारियां आयतां वांग इक्क सभ कुझ जाणन वाले सोमे दा पता दिंदी है। इही गल्ल 24:45 ते 25:54 विच वी आई है।

[22] **शानदार क़ुरआन: 'असां ने असमान नूं इक्क महिफ़ूज़ छत्त बणाइया'**

[23] **शानदार क़ुरआन 21:30–33 – साइंसी ते दीनी नुकते – 5 मिंटां विच**
क़ुरआन विच असमानी निशानियां: इक्क रूहानी ते साइंसी सोच-विचार

वक़्त नूं जाणदे जदों ओह ना अपणे चिहरियां तों अग्ग नूं रोक सकणगे ना अपणियां पिट्ठां तों, ते ना उन्हां दी मदद कीती जावेगी! नहीं—बल्कि ओह उन्हां उत्ते अचानक आवेगी ते उन्हां नूं हक्का-बक्का कर देवेगी; फिर ना ओह उस नूं टाल सकणगे, ते ना उन्हां नूं मोहलत दित्ती जावेगी। (37–40)

ते तैथों पहिलां वी रसूलां दा मज़ाक़ उडाइया गिया, तां उन्हां विचों जिन्हां ने मज़ाक़ कीता उन्हां नूं उसे चीज़ ने आ घेरिया जिस दा ओह मज़ाक़ उडाउंदे सन। आख, "कौण है जो रात ते दिन नूं रहमान तों तुहाडी हिफ़ाज़त करदा है?" फिर वी ओह अपणे रब्ब दी याद तों मूंह मोड़ी होए हन। की उन्हां दे अजिहे माबूद हन जो उन्हां नूं साथों बचा लैण? ओह तां ना अपणी ही मदद कर सकदे हन, ते ना साडे मुक़ाबले विच उन्हां दा कोई साथ देवेगा। नहीं—बल्कि असां ने इन्हां नूं ते इन्हां दे पिओ-दादियां नूं फ़ायदा उठाउण दित्ता इत्थों तक्क कि इन्हां उत्ते लंबी उमर गुज़र गई। तां की एह नहीं वेखदे कि असीं इस ज़मीन नूं उस दे किनारियां तों घटाउंदे चले आ रहे हां? तां की इही ग़ालिब रहण वाले हन? आख, "मैं तां तुहानूं बस वह्य दे ज़रीए ख़बरदार करदा हां"—पर बोले पुकार नहीं सुणदे जदों उन्हां नूं ख़बरदार कीता जांदा है। ते जे उन्हां नूं तेरे रब्ब दे अज़ाब दी इक्क फूक वी छूह जावे, तां ज़रूर पुकार उट्ठण, "हाए साडी कंबख़्ती! बेशक असीं ही ज़ालिम सां।" ते असीं क़ियामत दे दिन इनसाफ़ दियां तक्कड़ियां रक्खांगे, सो किसे जान उत्ते कुझ वी ज़ुलम ना कीता जावेगा। ते जे राई दे दाणे दे बराबर वी कोई अमल होवेगा, तां असीं उस नूं लै आवांगे; ते हिसाब लैण लई असीं ही काफ़ी हां। (41–47)

ते बेशक असां ने मूसा ते हारून नूं फ़ुरक़ान दित्ता, ते रौशनी ते नसीहत उन्हां लई जो अल्लाह तों सुचेत रहिंदे हन, जो बिनां वेखे अपणे रब्ब तों डरदे हन, ते जो उस घड़ी तों कंबदे रहिंदे हन। ते एह इक्क बरकत वाली नसीहत है जो असां ने उतारी है। तां की तुसीं इस दे इनकारी हो? ते बेशक इस तों बहुत पहिलां असां ने इबराहीम नूं उस दी समझ-बूझ दित्ती सी, ते असीं उस नूं ख़ूब जाणदे सां। जदों उस ने अपणे पिओ ते अपणी क़ौम नूं आखिया, "एह मूरतां की हन जिन्हां उत्ते तुसीं जमे बैठे हो?" तां उन्हां ने आखिया, "असां ने अपणे पिओ-दादियां नूं इन्हां दी इबादत करदे पाइया।" उस ने आखिया, "तां तुसीं वी ते तुहाडे पिओ-दादे वी खुल्ही गुमराही विच रहे।" उन्हां ने आखिया, "की तूं साडे कोल सच्च लै के आइया हैं, जां बस खेड कर रिहा हैं?" उस ने आखिया, "नहीं—बल्कि तुहाडा रब्ब ओही है जो असमानां ते धरती दा रब्ब है, जिस ने उन्हां नूं पैदा कीता, ते मैं इस उत्ते गवाही देण वालियां विचों हां। ते अल्लाह दी क़सम, जदों तुसीं पिट्ठ फेर के चले जाओगे तां मैं ज़रूर तुहाडे बुत्तां नाल इक्क चाल चल्लांगा।" सो उस ने उन्हां नूं टुकड़े-टुकड़े कर दित्ता, सिवाए उन्हां दे सभ तों वड्डे दे, तां जो ओह उस वल्ल मुड़न। उन्हां ने आखिया, "साडे माबूदां नाल एह किस ने कीता है? ओह यक़ीनन ज़ालिमां विचों है।" कुझ ने आखिया, "असां ने इक्क नौजवान नूं उन्हां दा ज़िकर करदे सुणिया सी; उस नूं इबराहीम आखदे हन।" उन्हां ने आखिया, "तां उस नूं लोकां दियां अक्खां दे साहमणे लिआओ, तां जो ओह गवाह रहण।" उन्हां ने आखिया, "ऐ इबराहीम, की तूं ही साडे माबूदां नाल एह कीता है?" उस ने आखिया, "नहीं—बल्कि एह उन्हां दे इस सभ तों वड्डे ने कीता है। सो इन्हां तों ही पुच्छ लओ, जे एह बोलदे हन!" सो ओह अपणे आप वल्ल मुड़े ते आखण लग्गे, "बेशक तुसीं ही ज़ालिम हो।" फिर ओह अपणे सिरां दे

भार उलटा दित्ते गए: "तूं ख़ूब जाणदा हैं कि एह बोलदे नहीं।" उस ने आखिया, "तां की तुसीं अल्लाह नूं छड्ड के उन्हां दी इबादत करदे हो जो ना तुहानूं कुझ नफ़ा दे सकदे हन ना नुक़सान? तुफ़ है तुहाडे उत्ते ते उन्हां उत्ते जिन्हां दी तुसीं अल्लाह नूं छड्ड के इबादत करदे हो! तां की तुसीं अक़ल तों कम्म नहीं लैंदे?" उन्हां ने आखिया, "इस नूं साड़ देओ, ते अपणे माबूदां दी मदद करो, जे तुसीं कुझ करना ही है!" असां ने आखिया, "ऐ अग्ग, इबराहीम उत्ते ठंढी ते सलामती वाली हो जा।" ते उन्हां ने उस दे नाल चाल चल्लणी चाही, पर असां ने उन्हां ही नूं सभ तों वध घाटा खाण वाले बणा दित्ता। ते असां ने उस नूं ते लूत नूं बचा के उस ज़मीन वल्ल पहुंचा दित्ता जिस विच असां ने सारे जहानां लई बरकत रक्खी है। ते असां ने उस नूं इसहाक़ दित्ता, ते इस तों वध याक़ूब वी, ते हर इक्क नूं असां ने नेक बणाइया। ते असां ने उन्हां नूं अजिहे पेशवा बणाइया जो साडे हुक्म नाल राह दिखाउंदे सन, ते असां ने उन्हां वल्ल नेक कम्म करन दी, नमाज़ क़ायम करन दी ते ज़कात देण दी वह्य कीती; ते ओह साडी ही इबादत करन वाले सन। ते लूत नूं असां ने हुक्म ते इल्म दित्ता, ते उस नूं उस बस्ती तों बचा लिया जो गंदे कम्म करदी सी; बेशक ओह बुरे लोक सन, नाफ़रमान। ते असां ने उस नूं अपणी रहमत विच दाख़िल कीता; बेशक ओह नेक लोकां विचों सी। (48–75)

ते नूह नूं: जदों उस ने इस तों बहुत पहिलां पुकारिया, तां असां ने उस दी दुआ क़बूल कीती, ते उस नूं ते उस दे घर वालियां नूं वड्डी मुसीबत तों बचा लिया। ते असां ने उन्हां लोकां दे मुक़ाबले विच उस दी मदद कीती जिन्हां ने साडियां आयतां नूं झुठलाइया; बेशक ओह बुरे लोक सन, सो असां ने उन्हां सभनां नूं डोब दित्ता। (76–77)

ते दाऊद ते सुलैमान नूं, जदों ओह उस खेत बारे फ़ैसला कर रहे सन जिस विच रात नूं कुझ लोकां दियां बक्करियां चर गइयां सन—ते असीं उन्हां दे फ़ैसले दे गवाह सां। सो असां ने ओह मामला सुलैमान नूं समझा दित्ता, ते हर इक्क नूं असां ने हुक्म ते इल्म दित्ता। ते असां ने पहाड़ां ते पंछियां नूं दाऊद दे नाल कम्म उत्ते ला दित्ता कि ओह तसबीह करन: ते एह करन वाले असीं ही सां। ते असां ने उस नूं तुहाडे लई ज़िरहां बणाउणा सिखाइया, तां जो ओह तुहानूं तुहाडी लड़ाई विच बचाउण। तां की तुसीं शुकर करदे हो? ते सुलैमान लई असां ने तेज़ चल्लण वाली हवा नूं कम्म उत्ते ला दित्ता, जो उस दे हुक्म नाल उस ज़मीन वल्ल चल्लदी सी जिस विच असां ने बरकत रक्खी है—ते असीं हर चीज़ नूं जाणन वाले हां—ते शैतानां विचों वी कुझ, जो उस लई ग़ोते लाउंदे सन ते इस तों सिवा होर कम्म वी करदे सन; ते असीं ही उन्हां दी निगरानी करन वाले सां। (78–82)

ते अय्यूब नूं, जदों उस ने अपणे रब्ब नूं पुकारिया, "मैनूं तकलीफ़ आ लग्गी है, ते तूं सभ रहम करन वालियां तों वध रहम करन वाला है।" सो असां ने उस दी दुआ क़बूल कीती ते जो तकलीफ़ उस नूं सी ओह दूर कर दित्ती, ते उस नूं उस दे घर वाले दित्ते ते उन्हां दे नाल उन्ने ही होर वी, अपणे वल्लों रहमत वजों ते इबादत करन वालियां लई नसीहत वजों। ते इसमाईल, इदरीस ते ज़ुल-किफ़्ल नूं: हर इक्क सब्र करन वालियां विचों सी। ते असां ने उन्हां नूं अपणी रहमत विच दाख़िल कीता; बेशक ओह नेक लोकां विचों सन। ते मच्छी वाले नूं, जदों ओह ग़ुस्से विच चल्ल दित्ता, ते उस ने समझिया कि असीं उस उत्ते तंगी ना करांगे; फिर उस ने

हनेरियां विच पुकारिया, "तेरे तों सिवा कोई माबूद नहीं; तूं पाक है! बेशक मैं ही ज़ालिमां विचों सां।" सो असां ने उस दी दुआ क़बूल कीती ते उस नूं ग़म तों छुटकारा दित्ता: ते इसे तरां असीं ईमान वालियां नूं बचा लैंदे हां। ते ज़करिया नूं, जदों उस ने अपणे रब्ब नूं पुकारिया, "ऐ मेरे रब्ब, मैनूं इकल्ला ना छड्ड, ते तूं सभ तों बिहतर वारिस है।" सो असां ने उस दी दुआ क़बूल कीती, ते उस नूं यह्या दित्ता, ते उस दी पतनी नूं उस लई ठीक कर दित्ता। बेशक ओह सारे नेक कम्मां विच छेती करदे सन; ते सानूं उम्मीद ते डर दे नाल पुकारदे सन, ते साडे अग्गे आजिज़ी करन वाले सन। ते उस नूं जिस ने अपणी पाकदामनी दी हिफ़ाज़त कीती: सो असां ने उस विच अपणी रूह विचों फूक दित्ता, ते उस नूं ते उस दे पुत्तर नूं सारे जहानां लई निशानी बणा दित्ता। (83–91)

बेशक तुहाडी एह उम्मत इक्को उम्मत है, ते मैं तुहाडा रब्ब हां, सो मेरी ही इबादत करो। पर उन्हां ने अपणे मामले नूं आपस विच टुकड़े-टुकड़े कर लिया; सभ ने साडे ही वल्ल मुड़ के आउणा है। सो जो कोई नेक कम्म करे ते ओह ईमान वाला होवे, तां उस दी कोशिश दी नाक़दरी ना होवेगी: ते असीं उस नूं उस लई लिख रहे हां। ते जिस बस्ती नूं असां ने हलाक कर दित्ता उस उत्ते पाबंदी है: कि उस दे लोक मुड़ के नहीं आउणगे, इत्थों तक्क कि जदों याजूज ते माजूज खोल्ह दित्ते जाणगे ते ओह हर उचाई तों दौड़दे आउणगे, ते सच्चा वादा नेड़े आ लग्गेगा—तां अचानक सच्च दे इनकारियां दियां अक्खां फटियां रह जाणगियां: "हाए साडी कंबख़्ती! असीं तां इस तों ग़फ़लत विच पए रहे; बल्कि असीं ही ज़ालिम सां।" बेशक तुसीं ते ओह जिन्हां दी तुसीं अल्लाह नूं छड्ड के इबादत करदे हो जहन्नम दा बालण हो: उस विच तुसीं उतरन वाले हो। जे एह माबूद हुंदे, तां उस विच ना उतरदे; ते सारे उस विच सदा रहिणगे। उत्थे उन्हां दा चीकणा होवेगा, ते उत्थे ओह कुझ ना सुणनगे। (92–100)

बेशक जिन्हां लई साडे वल्लों पहिलां ही सभ तों चंगा बदला ठहिर चुक्का है ओह उस तों दूर रक्खे जाणगे; ओह उस दी आहट तक्क ना सुणनगे, ते ओह उस विच सदा रहिणगे जो उन्हां दे जी चाहुणगे। सभ तों वड्डी घबराहट उन्हां नूं ग़मगीन ना करेगी, ते फ़रिश्ते उन्हां नूं अग्गों लैण आउणगे: "एह है तुहाडा ओह दिन, जिस दा तुहाडे नाल वादा कीता जांदा सी।" जिस दिन असीं असमान नूं इउं लपेट दिआंगे जिवें लिखतां दा तूमार लपेटिया जांदा है। जिवें असां ने पहिली पैदाइश दी शुरूआत कीती सी, उसे तरां असीं उस नूं दुहरावांगे: एह साडे ज़िम्मे वादा है। बेशक असीं एह करके रहांगे। (101–104)

ते बेशक असां ने नसीहत तों बाद ज़बूर विच लिख दित्ता सी, कि धरती दे वारिस मेरे नेक बंदे होणगे। बेशक इस विच इबादत करन वाले लोकां लई इक्क पैग़ाम है। ते ऐ नबी, असां ने तैनूं सारे जहानां लई बस रहमत बणा के भेजिया है। आख, "मेरे वल्ल तां बस एही वह्य कीती जांदी है कि तुहाडा माबूद इक्को माबूद है। तां की तुसीं उस दे फ़रमांबरदार हुंदे हो?" फिर जे ओह मूंह मोड़न, तां आख दे, "मैं तुहानूं सभनां नूं बराबर ख़बरदार कर दित्ता है; ते मैं नहीं जाणदा कि जिस चीज़ दा तुहाडे नाल वादा कीता जांदा है ओह नेड़े है जां दूर। बेशक ओह उच्ची आवाज़ नाल आखी गल्ल नूं वी जाणदा है, ते उस नूं वी जो तुसीं छुपाउंदे हो। ते मैं नहीं जाणदा—शायद एह तुहाडे लई इक्क आज़माइश होवे, ते इक्क वक़्त तक्क दा फ़ायदा।" उस ने

आखिया, “ऐ मेरे रब्ब, सच्च दे नाल फ़ैसला कर दे। ते साडा रब्ब रहमान है, जिस तों उन्हां गल्लां दे मुक़ाबले विच मदद मंगी जांदी है जो तुसीं बिआन करदे हो।” (105–112)

22. हज (अल-हज)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

ऐ लोको, अपणे रब्ब तों सुचेत रहो: बेशक उस घड़ी दा भुचाल बड़ी वड्डी चीज़ है। जिस दिन तुसीं उस नूं वेखोगे, हर दुद्ध पिआउण वाली अपणे दुद्ध पींदे बच्चे नूं भुल्ल जावेगी, ते हर हमल वाली अपणा हमल डेग देवेगी, ते तूं लोकां नूं नशे विच वेखेंगा, हालांकि ओह नशे विच ना होणगे—बल्कि अल्लाह दा अज़ाब ही बड़ा सख़्त है। ते लोकां विच कोई अजिहा वी है जो बिनां इल्म दे अल्लाह बारे झगड़दा है, ते हर सरकश शैतान दे पिच्छे चल्लदा है, जिस बारे लिख दित्ता गिया है कि जो कोई उस नूं दोस्त बणावेगा, ओह उस नूं भटकावेगा ते उस नूं भड़कदी अग्ग दे अज़ाब दा राह दिखावेगा। (1–4)

ऐ लोको, जे तुहानूं दुबारा उठाए जाण बारे शक्क है, तां वेखो कि असां ने तुहानूं मिट्टी तों पैदा कीता, फिर इक्क बूंद तों, फिर इक्क चिंबड़न वाले रूप तों, फिर गोश्त दी इक्क बोटी तों, शकल वाली वी ते बिनां शकल दी वी, तां जो असीं तुहाडे लई गल्ल खोल्ह देईए। ते असीं जिस नूं चाहुंदे हां इक्क मुक़र्रर मुद्दत तक्क कुक्खां विच ठहराई रक्खदे हां; फिर तुहानूं बच्चा बणा के कढ्ढदे हां; फिर तुहानूं वधण दिंदे हां तां जो तुसीं अपणी पूरी जवानी नूं पहुंचो। ते तुहाडे विचों कोई पहिलां ही उठा लिया जांदा है, ते कोई उमर दे सभ तों निकम्मे हिस्से वल्ल मोड़ दित्ता जांदा है, कि जाणन तों बाद वी कुझ ना जाणे। ते तूं धरती नूं सुक्की पई वेखदा हैं; फिर जदों असीं उस उत्ते पाणी उतारदे हां, तां ओह लहिलहा उट्ठदी है ते फुल्लदी है ते हर किसम दी रौनक़ वाली चीज़ उगाउंदी है। एह इस लई कि अल्लाह ही सच्च है: ते ओही मुर्दियां नूं ज़िंदा करदा है, ते ओह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है; ते इस लई कि ओह घड़ी आउण वाली है, जिस विच कोई शक्क नहीं, ते अल्लाह उन्हां नूं उठावेगा जो क़ब्रां विच हन। ते लोकां विच कोई अजिहा वी है जो बिनां इल्म दे, बिनां हिदायत दे, ते बिनां किसे रौशन किताब दे अल्लाह बारे झगड़दा है, घमंड नाल पासा मोड़ी होए तां जो होरां नूं अल्लाह दे राह तों भटकावे। उस लई दुनिया विच रुसवाई है, ते क़ियामत दे दिन असीं उस नूं सड़न दा अज़ाब चखावांगे: “एह उस दा बदला है जो तेरे अपणे हत्थां ने अग्गे भेजिया; ते अल्लाह अपणे बंदियां उत्ते कदे ज़ुलम करन वाला नहीं।” (5–10)

ते लोकां विच कोई अजिहा वी है जो अल्लाह दी इबादत बिलकुल किनारे उत्ते रह के करदा है: जे उस नूं भलाई पहुंचे, तां ओह उस उत्ते मुतमइन हो जांदा है, ते जे उस उत्ते कोई आज़माइश आ पवे, तां मूंह दे भार उलटा फिर जांदा है। उस ने दुनिया वी गुआई ते आख़िरत वी—एही खुल्हा घाटा है। ओह अल्लाह नूं छड्ड के उस नूं पुकारदा है जो ना उस नूं नुक़सान पहुंचा सकदा है ना नफ़ा—एही दूर दी गुमराही है। ओह उस नूं पुकारदा है जिस दा नुक़सान उस दे नफ़े तों वध नेड़े है: किन्ना बुरा सरपरस्त है, ते किन्ना बुरा साथी! बेशक अल्लाह उन्हां नूं जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते अजिहे बाग़ां विच दाख़िल करेगा जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन। बेशक अल्लाह जो चाहुंदा है करदा है। जो कोई एह समझदा है कि अल्लाह दुनिया ते आख़िरत विच नबी दी मदद ना करेगा, उस नूं चाहीदा है कि असमान तक्क इक्क रस्सी ताणे, फिर अपणे आप नूं कट्ट

लए, फिर वेखे कि की उस दी तदबीर उस चीज़ नूं दूर कर दिंदी है जो उस नूं ग़ुस्सा दिवाउंदी है। ते इसे तरां असां ने इस नूं खुल्हियां आयतां बणा के उतारिया है; ते एह कि अल्लाह जिस नूं चाहुंदा है हिदायत दिंदा है। (11–16)

बेशक जो ईमान लिआए, ते यहूदी, साबी, ईसाई, मजूसी, ते ओह जिन्हां ने अल्लाह नाल शरीक ठहराए—अल्लाह क़ियामत दे दिन उन्हां दे विचकार फ़ैसला कर देवेगा। बेशक अल्लाह हर चीज़ उत्ते गवाह है। की तूं नहीं वेखिया कि अल्लाह ही अग्गे सजदा करदे हन ओह सभ जो असमानां विच हन ते जो धरती विच हन—सूरज, चंद, तारे, पहाड़, रुक्ख, जानवर, ते इनसानां विचों बहुत सारे? ते बहुत सारे अजिहे हन जिन्हां उत्ते अज़ाब पक्का हो चुक्का है। ते जिस नूं अल्लाह ज़लील करे, उस नूं कोई इज़्ज़त देण वाला नहीं। बेशक अल्लाह जो चाहुंदा है करदा है। एह दो धिरां हन जिन्हां ने अपणे रब्ब बारे झगड़ा कीता। सो जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता, उन्हां लई अग्ग दे कपड़े कट्टे जाणगे; उन्हां दे सिरां उत्तों खौलदा पाणी पाइया जावेगा, जिस नाल ओह सभ कुझ गल जावेगा जो उन्हां दे पेटां विच है, ते खल्लां वी; ते उन्हां लई लोहे दे हथौड़े हन। जदों वी ओह ग़म दे मारे उस विचों निकलणा चाहुणगे, तां उसे विच मोड़ दित्ते जाणगे: "सड़न दा अज़ाब चक्खो!" बेशक अल्लाह उन्हां नूं जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते अजिहे बाग़ां विच दाख़िल करेगा जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन; उत्थे उन्हां नूं सोने दे कंगण ते मोती पहिनाए जाणगे, ते उत्थे उन्हां दा लिबास रेशम होवेगा। ते उन्हां नूं पाकीज़ा गल्ल दी हिदायत दित्ती गई, ते उन्हां नूं उस दे राह दी हिदायत दित्ती गई जो तारीफ़ दे लायक़ है। (17–24)

बेशक जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता ते जो होरां नूं अल्लाह दे राह तों ते मसजिदे-हराम तों रोकदे हन—जिस नूं असां ने सारे लोकां लई बराबर बणाइया है, उत्थे रहण वाले लई वी ते बाहरों आउण वाले लई वी—ते जो कोई उस विच ज़ुलम नाल टेढा राह अपणाउणा चाहे: असीं उस नूं दर्दनाक अज़ाब चखावांगे। ते याद कर जदों असां ने इबराहीम लई इस घर दी थां मुक़र्रर कीती: "मेरे नाल किसे चीज़ नूं शरीक ना ठहराईं, ते मेरे घर नूं तवाफ़ करन वालियां, खड़े होण वालियां, ते रुकू ते सजदा करन वालियां लई पाक रक्खीं। ते लोकां विच हज दा ऐलान कर दे: ओह तेरे कोल पैदल ते हर दुबले ऊठ उत्ते आउणगे, जो हर दूर दे राह तों आउंदे होणगे, तां जो ओह अपणे फ़ायदे वेखण, ते मुक़र्रर दिनां विच उन्हां मवेशियां उत्ते अल्लाह दा नाम लैण जो उस ने उन्हां नूं दित्ते हन।[24] सो उन्हां विचों खाओ, ते तंगदस्त मुहताज नूं खुआओ। फिर उन्हां नूं चाहीदा है कि अपणा मैल-कुचैल दूर करन, अपणियां मन्नतां पूरियां करन, ते इस पुराणे घर दा तवाफ़ करन।" गल्ल एही है। ते जो कोई अल्लाह दियां हुरमतां दी इज़्ज़त करे, तां एह उस दे रब्ब दे नज़दीक उस लई बिहतर है। ते तुहाडे लई मवेशी हलाल कीते गए हन, सिवाए उन्हां दे जो तुहानूं पढ़ के सुणाए जांदे हन; सो बुत्तां दी गंदगी तों बचो, ते झूठी गल्ल तों बचो, ख़ालिस अल्लाह दे हो के, उस दे नाल किसे नूं शरीक ना ठहराउंदे होए। ते जो कोई अल्लाह दे नाल शरीक ठहराए तां जिवें ओह असमान तों डिग्ग पिया फिर उस नूं पंछी उचक लै गए, जां हवा उस नूं किसे दूर दी थां उडा लै गई। गल्ल एही है। ते जो कोई अल्लाह दियां निशानियां

[24] मक्के दे हर साल दे हज दी कामयाबी दी ख़बर इबराहीम नूं, ईसा दे ज़माने तों 1800 साल पहिलां, दे दित्ती गई सी।

दी इज़्ज़त करे—तां एह दिलां दी अल्लाह तों सुचेतता विचों है। तुहाडे लई क़ुरबानी दे जानवरां विच इक्क मुक़र्ररर वक़्त तक्क फ़ायदे हन; फिर उन्हां दे क़ुरबान होण दी थां उस पुराणे घर दे कोल है। ते हर उम्मत लई असां ने क़ुरबानी दा इक्क तरीक़ा मुक़र्ररर कीता है, तां जो ओह उन्हां मवेशियां उत्ते अल्लाह दा नाम लैण जो उस ने उन्हां नूं दित्ते हन। सो तुहाडा माबूद इक्को माबूद है, सो उसे दे फ़रमांबरदार बणो; ते आजिज़ी करन वालियां नूं ख़ुशख़बरी दे दे, जिन्हां दे दिल अल्लाह दा ज़िकर हुंदियां कंब उट्ठदे हन, ते जो मुसीबत उन्हां उत्ते आवे उस उत्ते सब्र करदे हन, ते नमाज़ क़ायम करदे हन, ते जो कुझ असां ने उन्हां नूं दित्ता है उस विचों ख़र्च करदे हन। (25–35)

ते क़ुरबानी दे ऊठां नूं असां ने तुहाडे लई अल्लाह दियां निशानियां विचों बणाइया है; उन्हां विच तुहाडे लई भलाई है। सो उन्हां नूं क़तार विच खड़ा करके उन्हां उत्ते अल्लाह दा नाम लओ; फिर जदों ओह अपणे पासियां दे भार डिग्ग पैण, तां उन्हां विचों खाओ, ते सब्र नाल बैठे रहण वाले नूं वी खुआओ ते मंगण वाले नूं वी। इसे तरां असां ने उन्हां नूं तुहाडे वस्स विच कर दित्ता है, तां जो तुसीं शुकर करो। अल्लाह तक्क ना उन्हां दा गोश्त पहुंचदा है ना उन्हां दा ख़ून; बल्कि उस तक्क तुहाडी उस तों सुचेतता पहुंचदी है। इसे तरां उस ने उन्हां नूं तुहाडे वस्स विच कर दित्ता है, तां जो तुसीं इस उत्ते अल्लाह दी वडिआई बिआन करो कि उस ने तुहानूं हिदायत दित्ती।[25] ते नेकी करन वालियां नूं ख़ुशख़बरी दे दे। बेशक अल्लाह उन्हां वल्लों बचाअ करदा है जो ईमान लिआए; बेशक अल्लाह किसे ख़ियानत करन वाले नाशुकरे नूं पसंद नहीं करदा। लड़न दी इजाज़त उन्हां नूं दे दित्ती गई है जिन्हां दे ख़िलाफ़ लड़ाई कीती जा रही है, इस लई कि उन्हां उत्ते ज़ुलम होइया है—ते बेशक अल्लाह उन्हां दी मदद उत्ते पूरी क़ुदरत रक्खदा है—ओह जो अपणे घरां तों नाहक़ कढ्ढे गए, सिरफ़ इस लई कि ओह आखदे हन, "साडा रब्ब अल्लाह है।" ते जे अल्लाह कुझ लोकां नूं कुझ होरां दे ज़रीए ना हटाउंदा रहिंदा, तां ख़ानक़ाहां, गिरजे, यहूदियां दे इबादतख़ाने ते मसजिदां, जिन्हां विच अल्लाह दा नाम बहुत लिया जांदा है, ज़रूर ढाह दित्तियां जांदियां। ते अल्लाह ज़रूर उस दी मदद करेगा जो उस दी मदद करे: बेशक अल्लाह ताक़तवर, ज़बरदस्त है। एह ओह लोक हन कि जे असीं उन्हां नूं धरती विच जमा देईए, तां ओह नमाज़ क़ायम करनगे, ज़कात देणगे, नेकी दा हुक्म देणगे ते बुराई तों रोकणगे। ते सारे कम्मां दा अंजाम अल्लाह ही दे हत्थ है। (36–41)

ते ऐ नबी, जे ओह तैनूं झुठलाउंदे हन, तां इन्हां तों पहिलां नूह दी क़ौम, आद ते समूद ने वी झुठलाइया सी, ते इबराहीम दी क़ौम ने, ते लूत दी क़ौम ने, ते मदयन वालियां ने वी; ते मूसा नूं वी झुठलाइया गिया। सो मैं इनकारियां नूं ढिल्ल दित्ती, फिर मैं उन्हां नूं फड़ लिया—तां किहो जिही सी मेरी पकड़! सो किन्नियां ही बस्तियां हन जिन्हां नूं असां ने इस हाल विच हलाक कर दित्ता कि ओह ज़ालिम सन, सो ओह अपणियां छत्तां उत्ते डिग्गियां पइयां हन! ते किन्ने ही खूह बेकार पए हन, ते किन्ने ही उच्चे महिल! तां की एह लोक धरती विच चल्ले-फिरे नहीं, कि इन्हां दे दिल अजिहे हुंदे जिन्हां नाल ओह समझदे, जां कन्न अजिहे हुंदे जिन्हां नाल ओह

[25] इस नूं छोटी सूरा 'वरतों दियां निक्कियां चीज़ां' (अल-माऊन) दियां कुझ आयतां दे नाल पढ़िया जावे।

सुणदे? सो असल विच अक्खां अन्हियां नहीं हुंदियां, बल्कि ओह दिल अन्हे हो जांदे हन जो सीनियां विच हन। (42–46)

ते ओह तैथों अज़ाब दी छेती मचाउंदे हन, हालांकि अल्लाह अपणे वादे दे ख़िलाफ़ हरगिज़ ना करेगा। ते तेरे रब्ब दे कोल इक्क दिन तुहाडी गिणती दे हज़ार साल वरगा है।[26] ते किन्नियां ही बस्तियां हन जिन्हां नूं मैं ढिल्ल दित्ती जदों कि ओह ज़ालिम सन, फिर मैं उन्हां नूं फड़ लिया! ते मेरे ही वल्ल मुड़ के आउणा है। (47–48)

आख, "ऐ लोको, मैं तां तुहाडे लई बस खुल्हा ख़बरदार करन वाला हां।" सो जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते उन्हां लई बख़शिश ते इज़्ज़त दी रोज़ी है, ते जिन्हां ने साडियां आयतां नूं नीवां दिखाउण दी दौड़-धुप्प कीती, ओही भड़कदी अग्ग वाले हन। ते असां ने तैथों पहिलां कोई रसूल जां नबी नहीं भेजिया पर जदों उस ने पढ़िया, तां शैतान ने उस दे पढ़न विच कुझ पा दित्ता। फिर अल्लाह उस नूं मिटा दिंदा है जो शैतान पाउंदा है, फिर अल्लाह अपणियां आयतां नूं पक्का कर दिंदा है—ते अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है—तां जो ओह उस नूं जो शैतान पाउंदा है उन्हां लोकां लई आज़माइश बणा देवे जिन्हां दे दिलां विच रोग है ते जिन्हां दे दिल सख़्त हन—ते बेशक ज़ालिम दूर दी मुख़ालफ़त विच पए हन—ते तां जो ओह लोक जिन्हां नूं इल्म दित्ता गिया है जाण लैण कि एह तेरे रब्ब वल्लों सच्च है, फिर उस उत्ते ईमान लिआउण, ते उन्हां दे दिल उस दे अग्गे झुक जाण। ते बेशक अल्लाह ईमान वालियां नूं सिद्धे राह दी हिदायत देण वाला है। ते सच्च दे इनकारी इस बारे शक्क विच ही रहिणगे इत्थों तक्क कि उन्हां उत्ते अचानक ओह घड़ी आ जावे, जां उन्हां उत्ते अजिहे दिन दा अज़ाब आ जावे, जो हर उम्मीद तों ख़ाली है। उस दिन बादशाही अल्लाह ही दी होवेगी; ओही उन्हां दे विचकार फ़ैसला करेगा। सो जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते ओह नेमतां भरे बाग़ां विच होणगे, ते जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता ते साडियां आयतां नूं झुठलाइया उन्हां लई ज़लील करन वाला अज़ाब है। (49–57)

ते जिन्हां ने अल्लाह दे राह विच हिजरत कीती फिर मारे गए जां मर गए, अल्लाह उन्हां नूं ज़रूर चंगी रोज़ी देवेगा: ते बेशक अल्लाह ही सभ तों बिहतर रोज़ी देण वाला है। ओह उन्हां नूं ज़रूर अजिही थां दाख़िल करेगा जिस नूं ओह पसंद करनगे। ते बेशक अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, बुर्दबार है। गल्ल एही है। ते जो कोई उन्ना ही बदला लए जिन्नी उस नूं तकलीफ़ पहुंचाई गई, फिर उस उत्ते ज़िआदती कीती जावे, तां अल्लाह ज़रूर उस दी मदद करेगा। बेशक अल्लाह बड़ा माफ़ करन वाला, बड़ा बख़्शण वाला है। एह इस लई कि अल्लाह रात नूं दिन विच दाख़िल करदा है ते दिन नूं रात विच दाख़िल करदा है, ते इस लई कि अल्लाह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ वेखण वाला है। एह इस लई कि अल्लाह ही सच्च है, ते जिस नूं ओह उस तों सिवा पुकारदे हन ओह बातिल है, ते इस लई कि अल्लाह ही सभ तों उच्चा, सभ तों वड्डा है। (58–62)

[26] एह ते इहो जिहियां होर आयतां सानूं वक़्त दे निसबती होण दा तसव्वुर दिंदियां हन, जिस नूं साइंस दी ज़बान विच अल्बर्ट आइंस्टाइन दे निसबत दे नज़रीए (थिऊरी ऑफ़ रिलेटिविटी) पेश करदे हन।

की तूं नहीं वेखिया कि अल्लाह असमान तों पाणी उतारदा है, तां धरती हरी-भरी हो जांदी है? बेशक अल्लाह बारीकबीं, पूरी ख़बर रक्खण वाला है। उसे दा है जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है; ते बेशक अल्लाह ही बेनियाज़, तारीफ़ दे लायक़ है। की तूं नहीं वेखिया कि अल्लाह ने ओह सभ कुझ तुहाडे कम्म उत्ते ला दित्ता है जो धरती विच है, ते किश्तियां वी जो उस दे हुक्म नाल समुंदर विच चल्लदियां हन? ते ओही असमान नूं थंमी रक्खदा है कि धरती उत्ते ना डिग्ग पवे, सिवाए उस दी इजाज़त दे।[27] बेशक अल्लाह लोकां उत्ते बड़ा शफ़क़त करन वाला, रहम करन वाला है। ते ओही है जिस ने तुहानूं ज़िंदगी दित्ती, फिर ओह तुहानूं मौत देवेगा, फिर तुहानूं दुबारा ज़िंदगी देवेगा। बेशक इनसान बड़ा ही नाशुकरा है। (63–66)

हर उम्मत लई असां ने इबादत दा इक्क तरीक़ा मुक़र्रर कीता है जिस उत्ते ओह चल्लदे हन; सो ओह इस मामले विच तेरे नाल झगड़ा ना करन। ते तूं लोकां नूं अपणे रब्ब वल्ल बुला: बेशक तूं सिद्धी हिदायत उत्ते हैं। ते जे ओह तेरे नाल झगड़न, तां आख दे, "अल्लाह ख़ूब जाणदा है जो कुझ तुसीं करदे हो। अल्लाह क़ियामत दे दिन तुहाडे विचकार उन्हां गल्लां दा फ़ैसला कर देवेगा जिन्हां विच तुसीं इख़तिलाफ़ करदे सी।" की तैनूं पता नहीं कि अल्लाह ओह सभ जाणदा है जो असमान ते धरती विच है? बेशक एह सभ इक्क किताब विच है; बेशक एह अल्लाह लई आसान है। (67–70)

ते ओह अल्लाह नूं छड्ड के उन्हां चीज़ां दी इबादत करदे हन जिन्हां दी उस ने कोई सनद नहीं उतारी, ते जिन्हां दा उन्हां नूं कोई इल्म नहीं। ते ज़ालिमां दा कोई मददगार ना होवेगा। ते जदों उन्हां नूं साडियां खुल्हियां आयतां पढ़ के सुणाइयां जांदियां हन, तां तूं सच्च दे इनकारियां दे चिहरियां उत्ते इनकार पछाण लैंदा हैं: नेड़े हुंदा है कि ओह उन्हां उत्ते टुट्ट पैण जो उन्हां नूं साडियां आयतां पढ़ के सुणाउंदे हन। आख, "की मैं तुहानूं इस तों वी बुरी चीज़ दस्सां? अग्ग, जिस दा अल्लाह ने सच्च दे इनकारियां नाल वादा कीता है—ते ओह बहुत बुरा ठिकाणा है!" ऐ लोको, इक्क मिसाल बिआन कीती जांदी है, सो उस नूं ध्यान नाल सुणो: जिन्हां नूं तुसीं अल्लाह नूं छड्ड के पुकारदे हो ओह इक्क मक्खी वी हरगिज़ पैदा नहीं कर सकदे, भावें ओह सारे इस लई इकट्ठे हो जाण; ते जे मक्खी उन्हां तों कोई चीज़ खोह लै जावे, तां ओह उस नूं उस तों छुडा वी नहीं सकदे। कमज़ोर है मंगण वाला वी ते ओह वी जिस तों मंगिया जांदा है! उन्हां ने अल्लाह दी क़दर ना कीती जिवें उस दी क़दर दा हक़ सी। बेशक अल्लाह ताक़तवर, ज़बरदस्त है। (71–74)

अल्लाह फ़रिश्तियां विचों वी पैग़ाम पहुंचाउण वाले चुणदा है ते इनसानां विचों वी। बेशक अल्लाह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ वेखण वाला है। ओह जाणदा है जो कुझ उन्हां दे अग्गे है ते जो कुझ उन्हां दे पिच्छे है; ते सारे मामले अल्लाह ही वल्ल मोड़े जांदे हन। ऐ ईमान लिआउण वालियो, रुकू करो ते सजदा करो, अपणे रब्ब दी इबादत करो, ते नेकी करो, तां जो तुसीं कामयाब होवो। ते अल्लाह दे राह विच उसे तरां जिहाद करो जिवें उस दे जिहाद दा हक़ है। उस ने तुहानूं चुण लिया है ते दीन विच तुहाडे उत्ते कोई तंगी नहीं रक्खी—तुहाडे पिओ इबराहीम दा दीन। उस ने तुहाडा नाम 'अल्लाह दे फ़रमांबरदार' रक्खिया, इस तों पहिलां वी

[27] अल्लाह ने साडी धरती उत्ते शहाबियां दे डिग्गण नूं घट्ट तों घट्ट रक्खण दा इंतज़ाम कर रक्खिया है।

ते इस वह्य विच वी, तां जो रसूल तुहाडे उत्ते गवाह होवे, ते तुसीं लोकां उत्ते गवाह होवो। सो नमाज़ क़ायम करो, ज़कात देओ, ते अल्लाह नूं मज़बूती नाल फड़ लओ: ओही तुहाडा हिमायती है—सो किन्ना चंगा हिमायती, ते किन्ना चंगा मददगार! (75–78)

23. ईमान वाले (अल-मोमिनून)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

यक़ीनन ईमान वाले कामयाब हो गए: ओह जो अपणी नमाज़ विच आजिज़ी करदे हन, ते जो बेहूदा गल्लां तों मूंह मोड़ लैंदे हन, ते जो ज़कात अदा करन वाले हन, ते जो अपणियां शरमगाहां दी हिफ़ाज़त करदे हन, सिवाए अपणियां पतनियां जां अपणियां बांदियां दे, कि इस विच उन्हां उत्ते कोई मलामत नहीं—पर जो कोई इस तों अग्गे कुझ चाहे, तां ओही हद्द तों वधण वाले हन—ते जो अपणियां अमानतां ते अपणे अहद दा ख़ियाल रक्खदे हन, ते जो अपणियां नमाज़ां दी हिफ़ाज़त करदे हन। इही वारिस हन, जो फ़िरदौस दे वारिस होणगे, ते उस विच ओह सदा रहिणगे। (1–11)

ते बेशक असां ने इनसान नूं मिट्टी दे निचोड़ तों पैदा कीता; फिर असां ने उस नूं इक्क बूंद बणा के इक्क महिफ़ूज़ थां विच रक्खिया; फिर असां ने उस बूंद नूं इक्क चिंबड़न वाला रूप बणाइया, फिर उस चिंबड़न वाले रूप नूं गोश्त दी इक्क बोटी बणाइया, फिर उस बोटी नूं हड्डियां बणाइया, फिर हड्डियां उत्ते गोश्त चढ़ाइया; फिर असां ने उस नूं इक्क होर ही मख़लूक़ बणा के खड़ा कर दित्ता। सो बड़ी बरकत वाला है अल्लाह, जो सभ तों बिहतर पैदा करन वाला है! फिर इस तों बाद तुसीं ज़रूर मरन वाले हो, फिर क़ियामत दे दिन तुसीं ज़रूर उठाए जाओगे। (12–16)

ते बेशक असां ने तुहाडे उत्ते सत्त राह बणाए, ते असीं मख़लूक़ तों ग़ाफ़िल नहीं। ते असां ने असमान तों इक्क अंदाज़े नाल पाणी उतारिया, फिर उस नूं धरती विच ठहरा दित्ता—ते असीं उस नूं लै जाण उत्ते वी यक़ीनन क़ादिर हां। फिर असां ने उस दे नाल तुहाडे लई खजूरां ते अंगूरां दे बाग़ उगाए, जिन्हां विच तुहाडे लई बहुत सारे फल हन, ते उन्हां विचों तुसीं खांदे हो, ते ओह रुक्ख वी जो तूरे-सीना तों निकलदा है, जो तेल लै के उग्गदा है ते खाण वालियां लई सालन। ते बेशक मवेशियां विच वी तुहाडे लई सबक़ है: असीं तुहानूं उस विचों पिआउंदे हां जो उन्हां दे पेटां विच है, ते उन्हां विच तुहाडे लई होर बहुत सारे फ़ायदे हन, ते उन्हां विचों तुसीं खांदे हो; ते उन्हां उत्ते, ते किश्तियां उत्ते वी, तुसीं सवार कीते जांदे हो। (17–22)

ते बेशक असां ने नूह नूं उस दी क़ौम वल्ल भेजिया, तां उस ने आखिया, “ऐ मेरी क़ौम, अल्लाह दी इबादत करो; उस तों सिवा तुहाडा कोई माबूद नहीं। तां की तुसीं उस तों सुचेत नहीं होवोगे?” तां उस दी क़ौम दे उन्हां सरदारां ने जो सच्च दे इनकारी सन आखिया, “एह तां बस तुहाडे वरगा इक्क इनसान है, जो चाहुंदा है कि तुहाडे उत्ते वडिआई हासिल करे। ते जे अल्लाह चाहुंदा, तां फ़रिश्ते उतारदा। असां ने तां एह गल्ल अपणे अगले पिओ-दादियां विच कदे नहीं सुणी। एह तां बस इक्क आदमी है जिस नूं जनून हो गिया है; सो इक्क वक़्त तक्क इस दी उडीक करो।” उस ने आखिया, “ऐ मेरे रब्ब, मेरी मदद कर, किउंकि इन्हां ने मैनूं झुठलाइया है।” तां असां ने उस वल्ल वह्य कीती: “साडियां अक्खां दे साहमणे ते साडी वह्य दे मुताबिक़ किश्ती बणा। फिर जदों साडा हुक्म आ जावे ते तंदूर उबल पवे, तां उस विच हर किसम दा इक्क-इक्क

जोड़ा रक्ख लै, ते अपणे घर वालियां नूं वी—सिवाए उन्हां दे जिन्हां बारे पहिलां ही गल्ल तै हो चुक्की है—ते उन्हां बारे मेरे नाल गल्ल ना करीं जिन्हां ने ज़ुलम कीता है: ओह डोबे जाण वाले हन। फिर जदों तूं ते ओह जो तेरे नाल हन किश्ती उत्ते ठीक बैठ जाओ, तां आखीं, 'सारी तारीफ़ अल्लाह ही लई है, जिस ने सानूं ज़ालिम लोकां तों छुटकारा दित्ता।' ते आखीं, 'ऐ मेरे रब्ब, मैनूं बरकत वाली थां उतार: ते तूं सभ तों बिहतर उतारन वाला है।'" बेशक इस विच निशानियां हन; ते असीं तां आज़माइश करन वाले ही हां। (23–30)

फिर असां ने उन्हां तों बाद इक्क होर नसल उठा खड़ी कीती, ते उन्हां विच उन्हां ही विचों इक्क रसूल भेजिया: "अल्लाह दी इबादत करो; उस तों सिवा तुहाडा कोई माबूद नहीं। तां की तुसीं उस तों सुचेत नहीं होवोगे?" ते उस दी क़ौम दे उन्हां सरदारां ने, जो सच्च दे इनकारी सन ते जिन्हां ने आख़िरत दी मुलाक़ात नूं झुठलाइया सी, ते जिन्हां नूं असां ने दुनिया दी ज़िंदगी विच ख़ुशहाल कर रक्खिया सी, आखिया, "एह तां बस तुहाडे वरगा इक्क इनसान है: उस विचों खांदा है जिस विचों तुसीं खांदे हो ते उस विचों पींदा है जिस विचों तुसीं पींदे हो। ते जे तुसीं अपणे वरगे इक्क इनसान दी गल्ल मन्नी, तां तुसीं यक़ीनन घाटा खाण वाले होवोगे। की एह तुहाडे नाल वादा करदा है कि जदों तुसीं मर जाओगे ते मिट्टी ते हड्डियां हो जाओगे, तां तुसीं फिर कड्ढे जाओगे? दूर है, बहुत दूर है ओह गल्ल जिस दा तुहाडे नाल वादा कीता जांदा है! साडी इस दुनिया दी ज़िंदगी तों सिवा कुझ नहीं: असीं मरदे हां ते जींदे हां, ते असीं उठाए जाण वाले नहीं। एह तां बस इक्क आदमी है जिस ने अल्लाह उत्ते झूठ घड़िया है, ते असीं इस दा यक़ीन करन वाले नहीं।" उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मेरी मदद कर, किउंकि इन्हां ने मैनूं झुठलाइया है।" उस ने आखिया, "थोड़ी ही देर विच एह ज़रूर पछताउणगे।" फिर कड़क ने उन्हां नूं हक़ दे नाल आ फड़िया, ते असां ने उन्हां नूं हड़्ह दा कूड़ा-करकट बणा दित्ता। सो दूर होण ज़ालिम लोक! फिर असां ने उन्हां तों बाद होर नसलां उठा खड़ियां कीतियां। कोई उम्मत ना अपणे मुक़र्रर वक़्त तों अग्गे वध सकदी है, ना पिच्छे रह सकदी है। फिर असां ने अपणे रसूल इक्क दे बाद इक्क भेजे। जदों वी किसे उम्मत कोल उस दा रसूल आइया तां उन्हां ने उस नूं झुठला दित्ता; सो असां ने उन्हां नूं इक्क दे पिच्छे इक्क हलाक कीता, ते उन्हां नूं कहाणियां बणा दित्ता। सो दूर होण ओह लोक जो ईमान नहीं लिआउंदे! (31–44)

फिर असां ने मूसा ते उस दे भरा हारून नूं अपणियां निशानियां ते खुल्ही सनद दे नाल फ़िरऔन ते उस दे सरदारां वल्ल भेजिया, पर उन्हां ने घमंड कीता; ते ओह सरकश लोक सन। सो उन्हां ने आखिया, "की असीं अपणे वरगे दो इनसानां उत्ते ईमान लै आईए, जदों कि उन्हां दी क़ौम साडी ग़ुलाम है?" सो उन्हां ने दोहां नूं झुठला दित्ता, ते हलाक कीते जाण वालियां विचों हो गए। ते बेशक असां ने मूसा नूं किताब दित्ती, तां जो ओह राह पाउण। ते असां ने मरयम दे पुत्तर नूं ते उस दी मां नूं इक्क निशानी बणाइया, ते उन्हां दोहां नूं इक्क उच्ची थां उत्ते पनाह दित्ती, जो ठहिरन दे लायक़ ते वगदे चश्मियां वाली सी। (45–50)

"ऐ रसूलो, पाक चीज़ां विचों खाओ ते नेक कम्म करो: बेशक मैं ख़ूब जाणदा हां जो कुझ तुसीं करदे हो। ते बेशक तुहाडी एह उम्मत इक्को उम्मत है, ते मैं तुहाडा रब्ब हां, सो मैथों सुचेत रहो।" पर उन्हां ने अपणे मामले नूं आपस विच टुकड़े-टुकड़े करके फ़िरक़े बणा लए, हर गिरोह उसे उत्ते ख़ुश है जो उस दे कोल है।

सो तूं उन्हां नूं इक्क वक़्त तक्क उन्हां दी ग़फ़लत दे हड़्ह विच पिया रहण दे। की ओह समझदे हन कि जो माल ते पुत्तर असीं उन्हां नूं दिंदे जा रहे हां, उन्हां दे ज़रीए असीं उन्हां लई भलाइयां विच जलदी कर रहे हां? नहीं—बल्कि उन्हां नूं अहिसास नहीं। बेशक जो लोक अपणे रब्ब दे डर नाल कंबदे रहिंदे हन, ते जो अपणे रब्ब दियां आयतां उत्ते ईमान रक्खदे हन, ते जो अपणे रब्ब दे नाल किसे नूं शरीक नहीं ठहराउंदे, ते जो जो कुझ वी दिंदे हन इस हाल विच दिंदे हन कि उन्हां दे दिल इस ख़ियाल नाल कंब रहे हुंदे हन कि उन्हां ने अपणे रब्ब वल्ल मुड़ के जाणा है—इही हन जो भलाइयां विच जलदी करदे हन, ते इही उन्हां वल्ल सभ तों पहिलां पहुंचण वाले हन। ते असीं किसे जान उत्ते उस दी ताक़त तों वध बोझ नहीं पाउंदे। ते साडे कोल इक्क किताब है जो सच्च बोलदी है, ते उन्हां उत्ते ज़ुलम ना कीता जावेगा। पर उन्हां दे दिल इस वल्लों ग़फ़लत दे हड़्ह विच हन, ते इस तों सिवा उन्हां दे होर वी कम्म हन, जो ओह करदे रहिंदे हन—इत्थों तक्क कि जदों असीं उन्हां दे ख़ुशहाल लोकां नूं अज़ाब विच फड़ लवांगे, तां ओह फ़रियाद करन लग्गणगे। "अज्ज फ़रियाद ना करो! तुहानूं साडे वल्लों कोई मदद ना मिलेगी। मेरियां आयतां तुहानूं पढ़ के सुणाइयां जांदियां सन, तां तुसीं उलटे पैरीं फिर जांदे सी, घमंड करदे होए, रात नूं क़िस्से-कहाणियां सुणाउंदे होए, इस बारे बकवास करदे होए।" (51–67)

तां की उन्हां ने इस कलाम उत्ते ग़ौर नहीं कीता? जां उन्हां कोल कोई अजिही चीज़ आई है जो उन्हां दे अगले पिओ-दादियां कोल नहीं आई सी? जां उन्हां ने अपणे रसूल नूं पछाणिया नहीं, सो ओह उस दा इनकार करदे हन? जां ओह आखदे हन, "इस नूं जनून है"? नहीं—बल्कि ओह उन्हां कोल सच्च लै के आइया है, पर उन्हां विचों बहुते सच्च नूं नापसंद करदे हन। ते जे सच्च उन्हां दियां ख़ाहिशां दे पिच्छे चल्लदा, तां असमान ते धरती ते जो कोई उन्हां विच है सभ विगड़ जांदे। नहीं—बल्कि असीं उन्हां कोल उन्हां दी नसीहत लै आए हां, पर ओह अपणी नसीहत तों मूंह मोड़ी होए हन। जां की तूं उन्हां तों कोई मुआवज़ा मंगदा हैं? सो तेरे रब्ब दा दित्ता बिहतर है; ते ओह सभ तों बिहतर रोज़ी देण वाला है। ते बेशक तूं उन्हां नूं सिद्धे राह वल्ल बुलाउंदा हैं, पर जो आख़िरत उत्ते ईमान नहीं रक्खदे ओह राह तों हटे होए हन। ते जे असीं उन्हां उत्ते रहम करीए ते जो तकलीफ़ उन्हां नूं है उस नूं दूर कर देईए, तां वी ओह अपणी सरकशी विच अन्हियां वांग भटकदे होए अड़े ही रहिणगे। ते बेशक असां ने उन्हां नूं अज़ाब विच फड़िया, फिर वी ओह अपणे रब्ब दे अग्गे ना झुके, ते ना आजिज़ी करदे हन—इत्थों तक्क कि जदों असीं उन्हां उत्ते सख़्त अज़ाब दा दरवाज़ा खोल्ह दिआंगे, तां ओह उस विच ना-उम्मीद हो के रह जाणगे। (68–77)

ते ओही है जिस ने तुहाडे लई कन्न, अक्खां ते दिल बणाए—तुसीं किन्ना थोड़ा शुकर करदे हो! ते ओही है जिस ने तुहानूं धरती विच फैलाइया, ते उसे दे हज़ूर तुसीं इकट्ठे कीते जाओगे। ते ओही है जो ज़िंदगी दिंदा है ते मौत दिंदा है, ते रात ते दिन दा वारो-वारी आउणा उसे दे हत्थ है। तां की तुसीं अक़ल तों कम्म नहीं लैंदे? नहीं, बल्कि उन्हां ने वी उहो जिही गल्ल आखी जिही अगलियां ने आखी सी। उन्हां ने आखिया, "की! जदों असीं मर जावांगे ते मिट्टी ते हड्डियां हो जावांगे, तां की सच्चमुच असीं उठाए जावांगे? इस दा वादा साडे नाल ते साडे पिओ-दादियां नाल पहिलां वी कीता जांदा रिहा है; एह तां बस अगलियां दियां कहाणियां हन।" आख,

"धरती ते जो कोई उस विच है किस दा है, जे तुसीं जाणदे हो?" ओह आखणगे, "अल्लाह दा।" आख, "तां की तुसीं नसीहत नहीं फड़दे?" आख, "सत्तां असमानां दा रब्ब ते अज़मत वाले अर्श दा रब्ब कौण है?" ओह आखणगे, "एह सभ अल्लाह दा है।" आख, "तां की तुसीं उस तों सुचेत नहीं हुंदे?" आख, "किस दे हत्थ विच हर चीज़ दी बादशाही है—ते ओह पनाह दिंदा है, पर उस दे मुक़ाबले विच कोई पनाह नहीं दे सकदा—जे तुसीं जाणदे हो?" ओह आखणगे, "एह अल्लाह ही दा है।" आख, "तां तुहाडे उत्ते किथों जादू हो जांदा है?" नहीं—बल्कि असीं उन्हां कोल सच्च लै आए हां, ते बेशक ओह झूठे हन। अल्लाह ने ⸢कोई⸣ औलाद नहीं बणाई, ते ना उस दे नाल कोई होर माबूद है। नहीं तां, हर माबूद उस नूं लै के वक्ख हो जांदा जो उस ने पैदा कीता सी, ते ओह इक्क दूजे उत्ते चढ़ाई करदे। अल्लाह उन्हां गल्लां तों पाक है जो एह बिआन करदे हन![28] (78–91)

ओह ग़ैब ते ज़ाहिर दा जाणन वाला है: सो ओह उस तों बहुत उच्चा है जो ओह शरीक ठहराउंदे हन। आख, "ऐ मेरे रब्ब, जे तूं मैनूं ओह दिखावें जिस दा उन्हां नाल वादा कीता जांदा है, तां ऐ मेरे रब्ब, मैनूं ज़ालिम लोकां विच ना रक्खीं।" ते बेशक असीं इस उत्ते क़ादिर हां कि तैनूं ओह दिखा देईए जिस दा असीं उन्हां नाल वादा कर रहे हां। बुराई नूं उस तरीक़े नाल टाल जो सभ तों चंगा होवे। असीं ख़ूब जाणदे हां जो कुझ ओह बिआन करदे हन। ते आख, "ऐ मेरे रब्ब, मैं शैतानां दियां उकसाहटां तों तेरी पनाह मंगदा हां, ते ऐ मेरे रब्ब, मैं इस तों वी तेरी पनाह मंगदा हां कि ओह मेरे कोल आउण।" (92–98)

इत्थों तक्क कि जदों उन्हां विचों किसे नूं मौत आ जांदी है, तां आखदा है, "ऐ मेरे रब्ब, मैनूं वापस भेज दे, तां जो मैं उस विच नेक कम्म करां जो मैं छड्ड आइया हां।" हरगिज़ नहीं! एह तां बस इक्क गल्ल है जो ओह आख रिहा है। ते उन्हां दे पिच्छे उस दिन तक्क इक्क आड़ है जदों ओह उठाए जाणगे। फिर जदों सूर विच फूक मारी जावेगी, तां उस दिन ना उन्हां दे विचकार रिश्तेदारियां रहिणगियां, ते ना ओह इक्क दूजे नूं पुच्छणगे। सो जिन्हां दे पलड़े भारी होणगे—ओही कामयाब होण वाले हन, ते जिन्हां दे पलड़े हलके होणगे—ओही हन जिन्हां ने अपणे आप नूं घाटे विच पाइया; जहन्नम विच ओह लंबे वक़्त तक्क रहिणगे। अग्ग उन्हां दे चिहरियां नूं झुलसावेगी, ते उस विच उन्हां दे मूंह विगड़े होणगे। "की मेरियां आयतां तुहानूं पढ़ के नहीं सुणाइयां जांदियां सन, ते तुसीं उन्हां नूं झुठलाउंदे नहीं सी?" ओह आखणगे, "ऐ साडे रब्ब, साडी बदबख़्ती साडे उत्ते ग़ालिब आ गई, ते असीं भटके होए लोक सां। ऐ साडे रब्ब, सानूं इस विचों कढ्ढ लै; फिर जे असीं दुबारा बुराई करीए, तां असीं सच्चमुच ज़ालिम होवांगे।" ओह आखेगा, "धिक्कारे होए इसे विच पए रहो! ते मेरे नाल गल्ल ना करो। मेरे बंदियां दा इक्क गिरोह सी जो आखदा सी, 'ऐ साडे रब्ब, असीं ईमान लै आए, सो सानूं बख़्श दे ते साडे उत्ते रहम कर: ते तूं सभ रहम करन वालियां तों वध रहम करन वाला है,' पर तुसीं उन्हां दा मख़ौल बणा लिया, इत्थों तक्क कि उन्हां ने तुहानूं मेरी याद भुला दित्ती, ते तुसीं उन्हां उत्ते हस्सदे

[28] साडी काइनात दी तरतीब तौहीद, यानी इक्को ख़ुदाई इरादे, दा पता दिंदी है।
ख़ुदाई वहदत दी बणतर: क़ुरआनी तौहीद दी इक्क साइंसी, फ़लसफ़ी ते दीनी तफ़सीर – द ग्लोरियस क़ुरआन ऐंड साइंस
ख़ुदाई वहदत, काइनात दी तरतीब, ते तख़लीक़ दा क़ाइदा: क़ुरआन 21:22, 23:91 ते 17:41–44 दी इक्क साइंसी, फ़लसफ़ी ते दीनी तफ़सीर – द ग्लोरियस क़ुरआन ऐंड साइंस

रहे। अज्ज मैं उन्हां नूं उन्हां दे सब्र दा बदला दित्ता है: कि ओही कामयाब हन।" ओह आखेगा, "तुसीं धरती विच गिणती दे किन्ने साल रहे?" ओह आखणगे, "असीं इक्क दिन, जां दिन दा कुझ हिस्सा रहे; गिणन वालियां तों पुच्छ लै।" ओह आखेगा, "तुसीं थोड़ी ही देर रहे, काश तुसीं जाणदे हुंदे। तां की तुसीं एह समझ रक्खिया सी कि असां ने तुहानूं बेमक़सद पैदा कीता है, ते एह कि तुसीं साडे वल्ल मोड़े ना जाओगे?" (99–115)

सो बहुत उच्चा है अल्लाह, जो सच्चा बादशाह है! उस तों सिवा कोई माबूद नहीं, इज़्ज़त वाले अर्श दा रब्ब। ते जो कोई अल्लाह दे नाल किसे होर माबूद नूं पुकारे—जिस दी उस दे कोल कोई दलील नहीं—तां उस दा हिसाब उस दे रब्ब ही दे कोल है। बेशक सच्च दे इनकारी कामयाब नहीं होणगे। ते आख, "ऐ मेरे रब्ब, बख़्श दे ते रहम कर: ते तूं सभ रहम करन वालियां तों वध रहम करन वाला है।" (116–118)

24. नूर (अन-नूर)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

एह इक्क सूरा है जो असां ने उतारी है ते जिस नूं असां ने फ़र्ज़ कीता है; ते इस विच असां ने आयतां, खुल्हियां आयतां उतारियां हन, तां जो तुसीं याद रक्खो ते नसीहत फड़ो। (1)

ज़िना करन वाली औरत ते ज़िना करन वाला मरद: उन्हां दोहां विचों हर इक्क नूं सौ कोड़े मारो, ते अल्लाह दे दीन दे मामले विच तुहानूं उन्हां उत्ते कोई तरस ना आवे, जे तुसीं अल्लाह उत्ते ते आख़िरी दिन उत्ते ईमान रक्खदे हो; ते उन्हां दी सज़ा दे वेले ईमान वालियां दा इक्क गिरोह मौजूद रहे। ज़िना करन वाला मरद निकाह नहीं करदा पर ज़िना करन वाली जां मुशरिक औरत नाल, ते ज़िना करन वाली औरत नाल निकाह नहीं करदा पर ज़िना करन वाला जां मुशरिक मरद; ते एह ईमान वालियां उत्ते हराम कर दित्ता गिया है। ते जो लोक पाकदामन औरतां उत्ते इलज़ाम लाउण फिर चार गवाह ना लिआउण: उन्हां नूं अस्सी कोड़े मारो, ते उन्हां दी गवाही फिर कदे क़बूल ना करो। ते ओही नाफ़रमान हन—सिवाए उन्हां दे जो इस तों बाद तौबा कर लैण ते सुधार कर लैण, तां बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (2–5)

ते जो लोक अपणियां पतनियां उत्ते इलज़ाम लाउण ते उन्हां दे कोल अपणे आप तों सिवा कोई गवाह ना होण, तां अजिहे आदमी दी गवाही एह है कि ओह चार वारी अल्लाह दी क़सम खा के आखे कि ओह सच्चा है, ते पंजवीं वारी एह, कि उस उत्ते अल्लाह दी लानत होवे जे ओह झूठा होवे। ते औरत तों सज़ा इस तरां टलदी है कि ओह चार वारी अल्लाह दी क़सम खा के आखे कि ओह झूठा है, ते पंजवीं वारी एह, कि उस उत्ते अल्लाह दा ग़ज़ब होवे जे ओह सच्चा होवे। (6–9)

ते जे तुहाडे उत्ते अल्लाह दा फ़ज़ल ते उस दी रहमत ना हुंदी, ते एह कि अल्लाह बड़ा तौबा क़बूल करन वाला, हिकमत वाला है तां तुसीं इस कारन मुश्किल विच पै जांदे। बेशक जो लोक एह बुहतान लिआए हन ओह तुहाडे ही विचों इक्क गिरोह हन। इस नूं अपणे लई बुरा ना समझो; नहीं, बल्कि एह तुहाडे लई बिहतर है। उन्हां विचों हर आदमी लई उन्ना ही गुनाह है जिन्ना उस ने कमाइया, ते जिस ने इस दा वड्डा हिस्सा अपणे सिर लिया उस लई वड्डा अज़ाब है। जदों तुसीं इस नूं सुणिया सी, तां ईमान वाले मरदां ते ईमान वालियां औरतां ने अपणे लोकां बारे चंगा गुमान क्यों ना कीता ते क्यों ना आखिया, “एह तां खुल्हा बुहतान है?” ओह इस उत्ते चार गवाह क्यों ना लिआए? सो जदों ओह गवाह नहीं लिआए, तां अल्लाह दे नज़दीक ओही झूठे हन। ते जे तुहाडे उत्ते दुनिया ते आख़िरत विच अल्लाह दा फ़ज़ल ते उस दी रहमत ना हुंदी, तां जिस गल्ल विच तुसीं पै गए सी उस दे कारन तुहानूं वड्डा अज़ाब आ लग्गदा, जदों तुसीं इस नूं अपणियां ज़बानां नाल अग्गे तोरदे सी, ते अपणे मूंहां नाल ओह गल्ल आखदे सी जिस दा तुहानूं कोई इल्म ना सी, ते तुसीं इस नूं मामूली गल्ल समझदे सी, हालांकि अल्लाह दे नज़दीक एह बहुत वड्डी गल्ल सी। ते जदों तुसीं इस नूं सुणिया सी, तां तुसीं क्यों ना आखिया, “साडे लई मुनासिब नहीं कि अजिही गल्ल मूंहों कढ्ढीए। अल्लाह दी पनाह! --

एह तां बहुत वड्डा बुहतान है?" अल्लाह तुहानूं नसीहत करदा है कि फिर कदे अजिहा ना करना, जे तुसीं ईमान वाले हो। ते अल्लाह तुहाडे लई आयतां खोल्ह के बिआन करदा है: ते अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। बेशक जो लोक एह पसंद करदे हन कि ईमान वालियां विच बेहयाई फैले उन्हां लई दुनिया ते आख़िरत विच दर्दनाक अज़ाब है। ते अल्लाह जाणदा है, ते तुसीं नहीं जाणदे। ते जे तुहाडे उत्ते अल्लाह दा फ़ज़ल ते उस दी रहमत ना हुंदी, ते एह कि अल्लाह बड़ा शफ़क़त करन वाला, रहम करन वाला है तां तुसीं तबाह हो जांदे। ऐ ईमान लिआउण वालियो, शैतान दे क़दमां दे पिच्छे ना चल्लो; ते जो कोई शैतान दे क़दमां दे पिच्छे चल्ले उस नूं पता होणा चाहीदा है कि ओह बेहयाई ते बुराई दा हुक्म दिंदा है। ते जे तुहाडे उत्ते अल्लाह दा फ़ज़ल ते उस दी रहमत ना हुंदी, तां तुहाडे विचों कोई वी कदे पाक ना हुंदा; पर अल्लाह जिस नूं चाहुंदा है पाक करदा है। ते अल्लाह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। (10–21)

ते तुहाडे विचों जो फ़ज़ल ते वुसअत वाले हन ओह इस गल्ल दी क़सम ना खाण कि रिश्तेदारां, मुहताजां, ते अल्लाह दे राह विच हिजरत करन वालियां नूं कुझ ना देणगे; ते उन्हां नूं चाहीदा है कि माफ़ कर देण ते दरगुज़र करन। की तुसीं नहीं चाहुंदे कि अल्लाह तुहानूं बख़्श देवे? ते अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (22)

बेशक जो लोक पाकदामन, भोलियां-भालियां, ईमान वालियां औरतां उत्ते इलज़ाम लाउंदे हन उन्हां उत्ते दुनिया ते आख़िरत विच लानत है, ते उन्हां लई वड्डा अज़ाब है, उस दिन जदों उन्हां दियां अपणियां ज़बानां, हत्थ ते पैर उन्हां दे ख़िलाफ़ उस दी गवाही देणगे जो ओह करदे सन। उस दिन अल्लाह उन्हां नूं उन्हां दा हक़ी बदला पूरा-पूरा देवेगा, ते ओह जाण लैणगे कि अल्लाह ही खुल्हा सच्च है। गंदियां औरतां गंदे मरदां लई हन, ते गंदे मरद गंदियां औरतां लई; ते पाकीज़ा औरतां पाकीज़ा मरदां लई हन, ते पाकीज़ा मरद पाकीज़ा औरतां लई। एह लोक उन्हां गल्लां तों बरी हन जो बुहतान लाउण वाले आखदे हन; इन्हां लई बख़शिश ते इज़्ज़त दी रोज़ी है। (23–26)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, अपणे घरां तों सिवा होर घरां विच दाख़िल ना होवो जद तक्क इजाज़त ना लै लओ ते उन्हां दे रहण वालियां नूं सलाम ना कर लओ। एह तुहाडे लई बिहतर है, तां जो तुसीं नसीहत फड़ो। फिर जे तुसीं उन्हां विच किसे नूं ना पाओ, तां उन्हां विच दाख़िल ना होवो जद तक्क तुहानूं इजाज़त ना दित्ती जावे; ते जे तुहानूं आखिया जावे, "मुड़ जाओ," तां मुड़ जाओ—एह तुहाडे लई वध पाकीज़ा है। ते अल्लाह ख़ूब जाणदा है जो कुझ तुसीं करदे हो। तुहाडे उत्ते कोई गुनाह नहीं कि तुसीं अजिहे घरां विच दाख़िल होवो जिन्हां विच कोई नहीं रहिंदा ते जिन्हां विच तुहाडे कम्म दी कोई चीज़ होवे। ते अल्लाह जाणदा है जो कुझ तुसीं ज़ाहिर करदे हो ते जो कुझ छुपाउंदे हो। ईमान वाले मरदां नूं आख दे कि अपणियां निगाहां नीवियां रक्खण ते अपणियां शरमगाहां दी हिफ़ाज़त करन: एह उन्हां लई वध पाकीज़ा है। बेशक अल्लाह उस तों पूरी तरां बाख़बर है जो ओह करदे हन। ते ईमान वालियां औरतां नूं आख दे कि अपणियां निगाहां नीवियां रक्खण ते अपणियां शरमगाहां दी हिफ़ाज़त करन, ते अपणी ज़ीनत ज़ाहिर ना करन सिवाए उस दे जो उस विचों आप ही ज़ाहिर हो जावे; ते अपणियां ओढणियां अपणे सीनियां ते गिरेबानां उत्ते पा लैण; ते अपणी

ज़ीनत ज़ाहिर ना करन सिवाए अपणे पतियां दे, जां अपणे पिओआं दे, जां अपणे पतियां दे पिओआं दे, जां अपणे पुत्तरां दे, जां अपणे पतियां दे पुत्तरां दे, जां अपणे भरावां दे, जां अपणे भतीजियां दे, जां अपणे भाणजियां दे, जां अपणियां औरतां दे, जां अपणे ग़ुलामां दे, जां उन्हां ख़िदमतगार मरदां दे जिन्हां नूं औरतां दी कोई हाजत नहीं, जां उन्हां बच्चियां दे जो अजे औरतां दे परदे दियां गल्लां तों वाक़िफ़ नहीं होए; ते अपणे पैर ज़मीन उत्ते ना मारन कि उन्हां दी ओह ज़ीनत जाण लई जावे जो ओह छुपाउंदियां हन। ते ऐ ईमान वालियो, तुसीं सारे अल्लाह अग्गे तौबा करो, तां जो तुसीं कामयाब होवो। (27–31)

ते तुहाडे विचों जो बिनां निकाह दे हन उन्हां दे निकाह कर देओ, ते अपणे ग़ुलामां ते बांदियां विचों जो नेक होण उन्हां दे वी। जे ओह ग़रीब होणगे, तां अल्लाह उन्हां नूं अपणे फ़ज़ल नाल ग़नी कर देवेगा: ते अल्लाह वड्डी समाई वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। ते जिन्हां नूं निकाह दी वुसअत ना मिले ओह पाकदामन रहण इत्थों तक्क कि अल्लाह उन्हां नूं अपणे फ़ज़ल नाल ग़नी कर देवे। ते तुहाडे ग़ुलामां विचों जो आज़ादी दी लिखत चाहुण, तां उन्हां नूं लिख देओ जे तुसीं उन्हां विच भलाई जाणो, ते उन्हां नूं अल्लाह दे उस माल विचों देओ जो उस ने तुहानूं दित्ता है। ते अपणियां बांदियां नूं, जदों ओह पाकदामन रहणा चाहुण, बदकारी उत्ते मजबूर ना करो, तां जो तुसीं दुनिया दी ज़िंदगी दा नापायदार सामान हासिल करो; ते जो कोई उन्हां नूं मजबूर करेगा, तां उन्हां दे मजबूर कीते जाण तों बाद अल्लाह उन्हां लई बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (32–33)

ते बेशक असां ने तुहाडे वल्ल खोल्ह के बिआन करन वालियां आयतां उतारियां हन, ते उन्हां लोकां दी इक्क मिसाल जो तुहाथों पहिलां गुज़र चुक्के हन, ते अल्लाह तों सुचेत रहण वालियां लई नसीहत। (34)

अल्लाह असमानां ते धरती दा नूर है। उस दे नूर दी मिसाल इक्क ताक़ वरगी है जिस विच इक्क चिराग़ है; चिराग़ इक्क शीशे विच है; शीशा इउं है जिवें इक्क चमकदा होइया तारा, जो इक्क बरकत वाले रुक्ख तों बालिया जांदा है, ज़ैतून दे रुक्ख तों जो ना पूरब दा है ना पच्छम दा, जिस दा तेल आप ही भड़क उट्ठण नूं हुंदा है भावें उस नूं अग्ग ना वी छूहे। नूर उत्ते नूर! अल्लाह अपणे नूर वल्ल जिस नूं चाहुंदा है राह दिखाउंदा है। ते अल्लाह लोकां लई मिसालां बिआन करदा है, ते अल्लाह हर चीज़ दा इल्म रक्खदा है। अजिहा नूर उन्हां घरां विच है जिन्हां बारे अल्लाह ने हुक्म दित्ता है कि उन्हां नूं उच्चा कीता जावे, ते उन्हां विच उस दा नाम लिया जावे; उन्हां विच सवेरे ते शाम अजिहे मरद उस दी तसबीह करदे हन जिन्हां नूं ना वपार ते ना ख़रीद-फ़रोख़्त अल्लाह दी याद तों, नमाज़ क़ायम करन तों ते ज़कात देण तों ग़ाफ़िल करदी है; ओह उस दिन तों डरदे हन जिस विच दिल ते अक्खां उलट जाणगियां, तां जो अल्लाह उन्हां नूं उन्हां दे सभ तों चंगे कम्मां दा बदला देवे, ते अपणे फ़ज़ल विचों उन्हां नूं होर वी देवे। ते अल्लाह जिस नूं चाहुंदा है बेहिसाब रोज़ी दिंदा है। (35–38)

ते जो सच्च दे इनकारी हन, उन्हां दे अमल इउं हन जिवें चटियल मैदान विच सराब, जिस नूं पिआसा पाणी समझदा है, इत्थों तक्क कि जदों ओह उस दे कोल आउंदा है, तां उस नूं कुझ वी नहीं पाउंदा; पर उत्थे अल्लाह नूं पाउंदा है, जो उस दा हिसाब पूरा-पूरा चुका दिंदा है। ते अल्लाह छेती हिसाब लैण वाला है। जां

फिर जिवें किसे डूंघे समुंदर विच हनेरे, जिस नूं लहिर ने ढकिया होवे, उस दे उत्ते इक्क होर लहिर, उस दे उत्ते बद्दल—हनेरे उत्ते हनेरे। जदों ओह अपणा हत्थ कड्ढदा है, तां उस नूं वेख वी नहीं पाउंदा। ते जिस नूं अल्लाह नूर ना देवे उस लई कोई नूर नहीं। (39–40)

की तूं नहीं वेखदा कि जो कोई असमानां ते धरती विच है सभ अल्लाह दी तसबीह करदे हन, ते पर फैलाए होए पंछी वी? हर इक्क अपणी नमाज़ ते अपणी तसबीह जाणदा है; ते अल्लाह ख़ूब जाणदा है जो कुझ ओह करदे हन। असमानां ते धरती दी बादशाही अल्लाह ही दी है, ते अल्लाह ही वल्ल आख़िरी वापसी है। की तूं नहीं वेखदा कि अल्लाह बद्दलां नूं हिक्कदा है, फिर उन्हां नूं आपस विच जोड़दा है, फिर उन्हां नूं तहि-दर-तहि ढेर कर दिंदा है, ते तूं वेखदा हैं कि उन्हां दे विचों मींह निकलदा आउंदा है? ओह असमान तों पहाड़ां वरगे बद्दलां दे ढेर उतारदा है जिन्हां विच गड़े हुंदे हन, फिर जिस उत्ते चाहुंदा है उन्हां नूं वर्हाउंदा है ते जिस तों चाहुंदा है उन्हां नूं फेर दिंदा है। उस दी बिजली दी चमक इउं लग्गदी है कि अक्खां दी रौशनी लै जावेगी। अल्लाह रात ते दिन नूं उलटदा-पलटदा रहिंदा है। बेशक इस विच अक्खां वालियां लई वड्डी इबरत है। ते अल्लाह ने हर जानदार नूं पाणी तों पैदा कीता है।[29] उन्हां विचों कोई अपणे ढिड्ढ दे भार चल्लदा है, कोई दो लत्तां उत्ते चल्लदा है, ते कोई चार उत्ते चल्लदा है। अल्लाह जो चाहुंदा है पैदा करदा है: अल्लाह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। (41–45)

असां ने खोल्ह के बिआन करन वालियां आयतां उतारियां हन; ते अल्लाह जिस नूं चाहुंदा है सिद्धे राह वल्ल हिदायत दिंदा है। ओह आखदे हन, "असीं अल्लाह ते रसूल उत्ते ईमान लिआए, ते असां ने फ़रमांबरदारी कीती"; फिर इस तों बाद उन्हां विचों इक्क गिरोह मूंह मोड़ लैंदा है। अजिहे लोक ईमान वाले नहीं हन। जदों उन्हां नूं अल्लाह ते उस दे रसूल वल्ल बुलाइया जांदा है, तां जो ओह उन्हां दे विचकार फ़ैसला करे, तां उन्हां विचों इक्क गिरोह मूंह मोड़ लैंदा है; पर जे हक़ उन्हां दे पासे होवे, तां ओह उस दे कोल सिर झुकाई चले आउंदे हन। की उन्हां दे दिलां विच रोग है? जां ओह शक्क विच हन? जां उन्हां नूं डर है कि अल्लाह ते उस दा रसूल उन्हां नाल बेइनसाफ़ी करनगे? नहीं—बल्कि ओही ज़ालिम हन। ईमान वालियां दी गल्ल तां, जदों उन्हां नूं अल्लाह ते उस दे रसूल वल्ल बुलाइया जावे तां जो ओह उन्हां दे विचकार फ़ैसला करे, बस इही हुंदी है कि ओह आखदे हन, "असां ने सुणिया ते असां ने मन्निया।" इही हन जो कामयाब होणगे। जो कोई अल्लाह ते उस दे रसूल दी फ़रमांबरदारी करे, ते अल्लाह तों डरे ते उस तों सुचेत रहे—इही हन जो कामयाबी पाउण वाले हन। ओह अल्लाह दियां पक्कियां तों पक्कियां क़समां खांदे हन कि जे तूं उन्हां नूं हुक्म देवें, तां ओह ज़रूर निकल खड़े होणगे। आख, "क़समां ना खाओ; लोड़ तां जाणी-पछाणी फ़रमांबरदारी दी है। अल्लाह उस तों पूरी तरां बाख़बर है जो तुसीं करदे हो।" आख, "अल्लाह दी फ़रमांबरदारी करो ते रसूल दी फ़रमांबरदारी करो।" फिर जे तुसीं मूंह मोड़ोगे, तां उस उत्ते बस उसे दी ज़िम्मेदारी है जो उस उत्ते पाइया

[29] नबी मुहम्मद इत्तिफ़ाक़ नाल इस डूंघी साइंसी हक़ीक़त नूं नहीं जाण सकदे सन। एह आयत होर बहुत सारियां आयतां वांग इक्क सभ कुझ जाणन वाले सोमे दा पता दिंदी है। इही गल्ल 21:30 ते 25:54 विच वी आई है।

गिया है, ते तुहाडे उत्ते उस दी जो तुहाडे उत्ते पाइया गिया है। जे तुसीं उस दी फ़रमांबरदारी करोगे, तां हिदायत पाओगे। रसूल दे ज़िंमे तां बस साफ़-साफ़ पैग़ाम पहुंचा देणा है। (46–54)

अल्लाह ने तुहाडे विचों उन्हां लोकां नाल जो ईमान लिआए ते नेक कम्म करदे रहे वादा कीता है कि ओह उन्हां नूं ज़मीन विच ज़रूर जानशीन बणावेगा, जिवें उस ने उन्हां तों पहिलां वालियां नूं जानशीन बणाइया सी; ते एह कि ओह उन्हां लई उन्हां दे उस दीन नूं ज़रूर मज़बूती नाल जमा देवेगा जो उस ने उन्हां लई पसंद कीता है; ते एह कि ओह उन्हां दे डर नूं ज़रूर अमन विच बदल देवेगा: "ओह मेरी इबादत करदे हन ते मेरे नाल किसे चीज़ नूं शरीक नहीं ठहराउंदे।" ते जो कोई इस तों बाद सच्च दा इनकार करे—ओही नाफ़रमान हन। नमाज़ क़ायम करो, ज़कात देओ, ते रसूल दी फ़रमांबरदारी करो, तां जो तुहाडे उत्ते रहम कीता जावे। एह ना समझ कि सच्च दे इनकारी धरती विच अल्लाह नूं आजिज़ कर सकदे हन। उन्हां दा ठिकाणा अग्ग है—ते ओह बहुत ही बुरा टिकाणा है! (55–57)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, तुहाडे ग़ुलाम, ते तुहाडे विचों ओह जो अजे बालिग़ नहीं होए, तिन्न वेलियां विच अंदर आउण तों पहिलां तुहाथों इजाज़त लिआ करन: फ़जर दी नमाज़ तों पहिलां, ते जदों तुसीं दुपहिर नूं अपणे कप्पड़े उतार रक्खदे हो, ते इशा दी नमाज़ तों बाद—एह तुहाडे लई परदे दे तिन्न वेले हन। इन्हां वेलियां तों सिवा ना तुहाडे उत्ते कोई गुनाह है ना उन्हां उत्ते: ओह तुहाडे कोल आउंदे-जांदे रहिंदे हन, तुहाडे विचों कुझ दूजियां दे कोल। इस तरां अल्लाह तुहाडे लई आयतां खोल्ह के बिआन करदा है: अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। ते जदों तुहाडे बच्चे बालिग़ हो जाण, तां ओह वी उसे तरां इजाज़त लिआ करन जिवें उन्हां तों पहिलां वाले इजाज़त लैंदे रहे हन। इस तरां अल्लाह तुहाडे लई अपणियां आयतां खोल्ह के बिआन करदा है: अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। ते ओह बुड्ढियां औरतां जिन्हां नूं हुण निकाह दी उम्मीद नहीं रही, उन्हां उत्ते कोई गुनाह नहीं जे ओह अपणे उत्तले कप्पड़े उतार रक्खण, बशर्ते कि ओह अपणी ज़ीनत दी नुमाइश ना करन; पर बचे रहणा उन्हां लई बिहतर है। अल्लाह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। (58–60)

अन्हे उत्ते कोई रोक नहीं, ना लंगड़े उत्ते, ना बीमार उत्ते, ते ना तुहाडे अपणे उत्ते, कि तुसीं अपणे घरां तों खाओ, जां अपणे पिओआं दे घरां तों, जां अपणियां मावां दे, जां अपणे भरावां दे, जां अपणियां भैणां दे, जां अपणे चाचियां-ताइयां दे, जां अपणियां भूआं दे, जां अपणे मामियां दे, जां अपणियां मासियां दे घरां तों, जां उन्हां घरां तों जिन्हां दियां कुंजियां तुहाडे हवाले हन, जां अपणे दोस्तां दे घरां तों। तुहाडे उत्ते कोई गुनाह नहीं भावें तुसीं इकट्ठे खाओ जां वक्खो-वक्ख। ते जदों तुसीं घरां विच दाख़िल होवो, तां इक्क दूजे नूं सलाम करो, जो अल्लाह वल्लों दुआ है, बरकत वाली ते पाकीज़ा। इस तरां अल्लाह तुहाडे लई आयतां खोल्ह के बिआन करदा है, तां जो तुसीं अक़ल तों कम्म लओ। (61)

सच्चे ईमान वाले तां ओही हन जो अल्लाह ते उस दे रसूल उत्ते ईमान रक्खदे हन, ते जदों किसे सांझे मामले विच उस दे नाल हुंदे हन, तां उस तों इजाज़त लए बिनां नहीं जांदे। जो लोक तैथों इजाज़त लैंदे हन ओही

अल्लाह ते उस दे रसूल उत्ते ईमान रक्खण वाले हन। सो जदों ओह अपणे किसे कम्म लई तैथों इजाज़त मंगण, तां उन्हां विचों जिस नूं तूं चाहें इजाज़त दे दे, ते उन्हां लई अल्लाह तों बख़शिश मंग: अल्लाह बड़ा बख़्शाण वाला, सदा रहम करन वाला है। रसूल दे बुलाउण नूं अपणे विचकार अजिहा ना समझ लओ जिवें तुहाडे विचों इक्क दा दूजे नूं बुलाउणा। अल्लाह तुहाडे विचों उन्हां नूं जाणदा है जो इक्क दूजे दी आड़ लै के चुपके नाल खिसक जांदे हन। सो जो लोक उस दे हुक्म दी ख़िलाफ़वरज़ी करदे हन उन्हां नूं डरना चाहीदा है कि किते उन्हां उत्ते कोई आज़माइश ना आ पवे, जां दर्दनाक अज़ाब। (62–63)

सुण लओ, जो कुझ असमानां ते धरती विच है सभ अल्लाह ही दा है। ओह उस हाल नूं ख़ूब जाणदा है जिस उत्ते तुसीं हो; ते जिस दिन ओह उस वल्ल मोड़े जाणगे, ओह उन्हां नूं दस्स देवेगा जो कुझ उन्हां ने कीता। अल्लाह हर चीज़ दा इल्म रक्खदा है। (64)

25. फ़ुरक़ान (अल-फ़ुरक़ान)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

बड़ी बरकत वाला है ओह जिस ने अपणे बंदे उत्ते फ़ुरक़ान उतारिया, तां जो ओह सारे जहानां लई ख़बरदार करन वाला होवे— ओह जिस दे लई असमानां ते धरती दी बादशाही है, जिस ने कोई पुत्तर नहीं बणाइया ते बादशाही विच जिस दा कोई शरीक नहीं, जिस ने हर चीज़ पैदा कीती ते उस नूं ठीक-ठीक अंदाज़े नाल मुक़र्रर कीता। फिर वी उन्हां ने उस तों सिवा अजिहे माबूद बणा लए हन जो कुझ पैदा नहीं करदे ते आप पैदा कीते जांदे हन, जो अपणे लई वी ना नुक़सान दा इख़तियार रक्खदे हन ना नफ़े दा, ते जिन्हां दे वस विच ना मौत है, ना ज़िंदगी, ना दुबारा जी उठणा। (1–3)

सच्च दे इनकारी आखदे हन, "एह तां बस इक्क झूठ है जो इस ने घड़ लिया है, ते दूजे लोकां ने इस विच इस दी मदद कीती है।" सो एह लोक ज़ुलम ते झूठ ही लै के आए हन। ते आखदे हन, "अगलियां दियां कहाणियां हन, जो इस ने लिखवा लईयां हन; ते ओह इस नूं सवेरे ते शाम लिखवाइयां जांदियां हन।" आख, "इस नूं उस ने उतारिया है जो असमानां ते धरती दे भेत जाणदा है। बेशक ओह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है।"[30] (4-6)

ते आखदे हन, "एह किहो जिहा रसूल है, जो खाणा खांदा है ते बाज़ारां विच चल्लदा-फिरदा है? इस दे कोल कोई फ़रिश्ता क्यों ना उतारिया गिया, जो इस दे नाल ख़बरदार करन वाला हुंदा? जां इस वल्ल कोई ख़ज़ाना क्यों ना सुट्टिया गिया, जां इस दा कोई बाग़ क्यों नहीं जिस विचों एह खांदा?" ते ज़ालिम आखदे हन, "तुसीं तां बस इक्क जादू कीते होए आदमी दे पिच्छे चल्ल रहे हो।" वेख, ओह तेरे लई किहो जिहियां मिसालां घड़दे हन! सो ओह भटक गए हन, ते कोई राह नहीं पा सकदे। बड़ी बरकत वाला है ओह जो, जे चाहे, तां तैनूं इस तों बिहतर दे सकदा है: अजिहे बाग़ जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, ते महिल वी। (7–10)

असल विच ओह उस घड़ी दे आउण नूं ही झुठलाउंदे हन।[31] ते जो उस घड़ी नूं झुठलाए उस लई असां ने भड़कदी अग्ग तिआर कर रक्खी है। जदों ओह उन्हां नूं दूरों वेखेगी, तां ओह उस दे ग़ुस्से दा जोश ते उस दी दहाड़ सुणनगे। ते जदों ओह, ज़ंजीरां विच जकड़े होए, उस दी किसे तंग थां विच सुट्टे जाणगे, तां उत्थे हलाकत नूं पुकारनगे। "अज्ज इक्क हलाकत नूं ना पुकारो; बहुतियां हलाकतां नूं पुकारो!" आख, "की एह बिहतर है, जां सदा रहण वाली जन्नत जिस दा वादा अल्लाह तों सुचेत रहण वालियां नाल कीता गिया है, जो

[30] एह क़ुरआन दियां बुनियादी आयतां हन। पिछले ज़माने दे ईसाई मुनाज़िर ते अज्ज दे नास्तिक नुकताचीन क़ुरआन उत्ते बेबुनियाद एतराज़ करदे हन ते अल्लाह इक्क बहुत ही मरबूत जवाब पेश करदा है। जे एह क़ुरआन असमानां ते धरती दे ओह भेत खोल्हदा है जिन्हां नूं मुहम्मद नहीं जाण सकदे सन तां इस तों नतीजा निकलदा है कि क़ुरआन सभ कुझ जाणन वाले दा कलाम है। जो मेल-जोल मुफ़स्सिर नवीं साइंस दे नाल दिखाउंदे हन ओह इसे दलील दी इक्क कड़ी है। इस तरजमे दे कई हाशिए क़ुरआन ते नवीं साइंस दी हम-आहंगी बारे हन। मिसाल दे तौर ते, 21:30-33 ते 51:47-49।

[31] अल्लाह दा इनकार जां नास्तिकता आख़िरत जां जवाबदेही दे इनकार दे नाल-नाल चल्लदी है। क़ुरआन विच इस दा कई वारी ज़िकर आइया है। अध्याय 41, हा मीम सजदा, दी आख़िरी आयत वी वेखो।

उन्हां दा बदला ते उन्हां दा आख़िरी टिकाणा होवेगी? उत्थे उन्हां लई ओह सभ कुझ होवेगा जो ओह चाहुणगे, ते ओह सदा रहिणगे—एह इक्क वादा है जिस नूं पूरा करना तेरे रब्ब ने अपणे ज़िंमे लिया है।" ते जिस दिन ओह उन्हां नूं ते उन्हां नूं जिन्हां दी ओह अल्लाह नूं छड्ड के इबादत करदे हन इकट्ठा करेगा, तां आखेगा, "की तुसीं मेरे इन्हां बंदियां नूं गुमराह कीता सी, जां ओह आप ही राह तों भटक गए सन?" ओह आखणगे, "तूं पाक हैं! सानूं एह शोभदा ना सी कि तेरे तों सिवा किसे नूं कारसाज़ बणाउंदे; पर तूं उन्हां नूं ते उन्हां दे पिओ-दादियां नूं ज़िंदगी दा सामान दित्ता इत्थों तक्क कि ओह नसीहत भुल्ल गए ते तबाह होण वाले लोक बण गए।" अल्लाह आखेगा, "हुण उन्हां ने तुहानूं तुहाडी गल्ल विच झुठला दित्ता है; सो ना तुसीं अज़ाब टाल सकदे हो ना मदद पा सकदे हो।" ते तुहाडे विचों जो कोई ज़ुलम करेगा, असीं उस नूं वड्डे अज़ाब दा मज़ा चखावांगे। (11–19)

तैथों पहिलां, ऐ नबी, असां ने जो रसूल भेजे ओह सभ खाणा खांदे सन ते बाज़ारां विच चल्लदे-फिरदे सन। ते असां ने तुहाडे विचों कुझ नूं दूजियां लई आज़माइश बणाइया है: की तुसीं सब्र करोगे? ते तेरा रब्ब सभ कुझ वेखण वाला है। ते जो लोक साडी मुलाक़ात दी उम्मीद नहीं रक्खदे ओह आखदे हन, "साडे उत्ते फ़रिश्ते क्यों ना उतारे गए? जां असीं अपणे रब्ब नूं क्यों नहीं वेखदे?" ओह अपणे जी विच घमंड नाल भरे होए हन, ते उन्हां ने बड़ी भारी सरकशी कीती है। जिस दिन ओह फ़रिश्तियां नूं वेखणगे उस दिन मुजरिमां लई कोई ख़ुशख़बरी ना होवेगी, ते फ़रिश्ते आखणगे, "तुहाडे ते ख़ुशी दे विचकार इक्क हराम कीती होई रोक खड़ी है!" ते असीं उन्हां दे कीते होए अमलां वल्ल वधांगे ते उन्हां नूं उड्डदी होई धूड़ वरगा कर दिआंगे। उस दिन जन्नत वालियां दा ठिकाणा बिहतर होवेगा ते अराम दी थां वध सोहणी होवेगी। ते जिस दिन असमान बद्दलां समेत फट जावेगा, ते फ़रिश्ते शान नाल लगातार उतारे जाणगे, उस दिन सच्ची बादशाही रहमान दी होवेगी; ते ओह सच्च दे इनकारियां लई बड़ा सख़्त दिन होवेगा। ते उस दिन ज़ालिम अपणे हत्थ चब्बेगा ते आखेगा, "काश मैं रसूल दे नाल राह फड़िया हुंदा! हाए मेरी कमबख़्ती! काश मैं फ़लाणे नूं दोस्त ना बणाइया हुंदा! उस ने मैनूं नसीहत तों भटका दित्ता जदों कि ओह मेरे कोल आ चुक्की सी।" ते शैतान तां इनसान नूं अख़ीर विच सदा बेसहारा छड्ड जाण वाला है। (20–29)

ते रसूल आखदा है, "ऐ मेरे रब्ब, मेरी क़ौम ने इस क़ुरआन नूं छड्डी होई चीज़ बणा लिया है।" ते इसे तरां असां ने हर नबी लई मुजरिमां विचों दुश्मण बणाए; पर तेरा रब्ब राह दिखाउण वाला ते मददगार होण लई काफ़ी है। (30–31)

ते सच्च दे इनकारी आखदे हन, "इस उत्ते क़ुरआन सारा इक्को वारी क्यों ना उतारिया गिया?" एह इस लई है, कि असीं इस दे ज़रीए तेरे दिल नूं मज़बूत करीए; ते असां ने इस नूं ठहिर-ठहिर के, वक्खरे-वक्खरे

हिस्सियां विच पढ़ के सुणाइया है। ते ओह तेरे कोल कोई वी दलील नहीं लिआउंदे पर असीं तेरे कोल सच्च लै आउंदे हां, ते उस तों बिहतर विआखिआ।[32] (32–33)

जो लोक अपणे मूंहां दे भार जहन्नम वल्ल इकट्ठे कीते जाणगे—ओही सभ तों बुरी थां विच हन, ते राह तों सभ तों वध भटके होए। (33–34)

ते असां ने मूसा नूं किताब दित्ती, ते उस दे भरा हारून नूं उस दा मददगार मुक़र्रर कीता। फिर असां ने आखिया, "तुसीं दोवें उन्हां लोकां वल्ल जाओ जिन्हां ने साडियां निशानियां नूं झुठलाइया है।" फिर असां ने उन्हां नूं पूरी तरां तबाह कर दित्ता। ते नूह दी क़ौम: जदों उन्हां ने रसूलां नूं झुठलाइया, तां असां ने उन्हां नूं डोब दित्ता ते उन्हां नूं लोकां लई इक्क निशानी बणा दित्ता। ते असां ने ज़ालिमां लई दर्दनाक अज़ाब तिआर कर रक्खिया है। ते आद, ते समूद, ते अर-रस्स वाले, ते उन्हां दे विचकार बहुत सारियां नसलां: उन्हां विचों हर इक्क लई असां ने ख़बरदार करन नूं मिसालां बिआन कीतियां, ते हर इक्क नूं असां ने मलियामेट कर दित्ता। ते एह लोक यक़ीनन उस बस्ती कोलों लंघ चुक्के हन जिस उत्ते बुरा मींह वर्हाइया गिया सी। तां की उन्हां ने उस नूं नहीं वेखिया? नहीं—बल्कि ओह दुबारा जी उठण दी उम्मीद ही नहीं रक्खदे। ते जदों ओह तैनूं वेखदे हन, तां बस तेरा मख़ौल ही उडाउंदे हन: "की इही है जिस नूं अल्लाह ने रसूल बणा के भेजिया है? इस ने तां सानूं साडे माबूदां तों हटा ही दित्ता हुंदा, जे असीं उन्हां उत्ते मज़बूती नाल जमे ना रहिंदे।" ते जदों ओह अज़ाब वेखणगे, तां जाण लैणगे कि राह तों वध भटकिया होइया कौण है। की तूं उस नूं वेखिया जिस ने अपणी ख़ाहिश नूं अपणा माबूद बणा लिया है? तां की तूं उस दा ज़िंमेदार बणेंगा? जां तूं समझदा हैं कि उन्हां विचों बहुते सुणदे जां अक़ल तों कम्म लैंदे हन? ओह तां बस डंगरां वरगे हन—नहीं, बल्कि ओह राह तों उन्हां तों वी वध भटके होए हन। (35–44)

की तूं नहीं वेखदा कि तेरा रब्ब परछावें नूं किवें लंबा करदा है? जे ओह चाहुंदा, तां उस नूं ठहिरिया होइया कर दिंदा। फिर असां ने सूरज नूं उस दा रहिनुमा बणाइया, फिर असीं उस नूं अपणे वल्ल हौली-हौली समेट लैंदे हां। ते ओही है जिस ने रात नूं तुहाडे लई लिबास बणाइया, ते नींद नूं अराम, ते दिन नूं जी उठण दा वेला बणाइया। ते ओही है जो अपणी रहमत तों अग्गे हवावां नूं ख़ुशख़बरी बणा के भेजदा है; ते असीं असमान तों पाक पाणी उतारदे हां, तां जो उस दे ज़रीए मुरदा ज़मीन नूं ज़िंदगी देईए, ते अपणे पैदा कीते होए बहुत सारे डंगरां ते इनसानां नूं उस विचों पिलाईए। ते असां ने एह गल्ल लोकां दे विचकार वार-वार दुहराई है, तां जो ओह नसीहत फड़न; पर बहुते लोक नाशुकरी तों सिवा हर गल्ल तों इनकार करदे हन। ते जे असीं चाहुंदे, तां हर बस्ती विच इक्क ख़बरदार करन वाला उठा खड़ा करदे। सो तूं सच्च दे इनकारियां दी गल्ल ना मन्न, ते इस क़ुरआन दे ज़रीए उन्हां नाल बड़ा ज़ोरदार जिहाद कर। (45–52)

[32] तारीख़ दे मैदान विच वह्य: क़ुरआन 25:32–33 दी इक्क तारीख़ी, फ़लसफ़ी ते दीनी तफ़सीर – द ग्लोरियस क़ुरआन ऐंड साइंस

ते ओही है जिस ने दो दरियावां नूं खुल्ह छड्डिया, इक्क मिट्ठा ते ताज़ा, दूजा खारा ते कौड़ा, ते उन्हां दे विचकार इक्क आड़ रक्ख दित्ती, इक्क मज़बूत रोक। ते ओही है जिस ने पाणी तों इनसान नूं पैदा कीता, फिर उस नूं नसब ते सुसराल दे रिश्ते दित्ते।[33] ते तेरा रब्ब बड़ी क़ुदरत वाला है। फिर वी ओह अल्लाह नूं छड्ड के उन्हां दी इबादत करदे हन जो उन्हां नूं ना नफ़ा दे सकदे हन ना नुक़सान। ते सच्च दा इनकारी तां अपणे रब्ब दे ख़िलाफ़ मददगार बणिया रहिंदा है। ते असां ने तैनूं बस ख़ुशख़बरी देण वाला ते ख़बरदार करन वाला बणा के भेजिया है। आख, "मैं इस उत्ते तुहाथों कोई बदला नहीं मंगदा, सिवाए इस दे कि जो चाहे अपणे रब्ब वल्ल राह फड़ लवे।" ते उस ज़िंदा उत्ते भरोसा रक्ख जो कदे नहीं मरेगा, ते उस दी हम्द दे नाल तसबीह कर। ते ओह अपणे बंदियां दे गुनाहां दी ख़बर रक्खण लई काफ़ी है— ओह जिस ने असमानां ते धरती नूं ते जो कुझ उन्हां दे विचकार है छे जुगां विच पैदा कीता, फिर अर्श उत्ते क़ायम होइया: ओह रहमान है। सो उस बारे किसे ख़बर रक्खण वाले तों पुच्छ। ते जदों उन्हां नूं आखिया जांदा है, "रहमान नूं सजदा करो," तां आखदे हन, "ते रहमान की है? की असीं उस नूं सजदा करीए जिस दा तूं सानूं हुक्म देवें?" ते एह गल्ल उन्हां दी नफ़रत ही वधाउंदी है। बड़ी बरकत वाला है ओह जिस ने असमान विच बुर्ज बणाए, ते उस विच इक्क चिराग़ ते इक्क रौशन चंन रक्खिया। ते ओही है जिस ने रात ते दिन नूं इक्क दूजे दे पिच्छे आउण वाला बणाइया, उस लई जो नसीहत फड़ना चाहे जां शुकर करना चाहे।[34] (53–62)

ते रहमान दे बंदे ओह हन जो धरती उत्ते नरमी नाल चल्लदे हन, ते जदों जाहिल उन्हां नूं मूंह लग्गदे हन, तां आखदे हन, "सलाम"; ते जो अपणे रब्ब दे हज़ूर सजदे विच ते खड़े हो के रातां गुज़ारदे हन; ते जो आखदे हन, "ऐ साडे रब्ब, साडे तों जहन्नम दा अज़ाब फेर दे, किउंकि उस दा अज़ाब चिंबड़ जाण वाली मुसीबत है; बेशक ओह बुरा ठिकाणा ते बुरी रहण दी थां है"; ते जो जदों ख़र्च करदे हन तां ना फ़ज़ूलख़र्ची करदे हन ना कंजूसी, बल्कि इन्हां दोहां दे विचकार ठीक तवाज़न उत्ते रहिंदे हन; ते जो अल्लाह दे नाल किसे होर माबूद नूं नहीं पुकारदे, ना उस जान नूं क़तल करदे हन जिस नूं अल्लाह ने हुरमत वाली बणाइया है, पर हक़ दे नाल, ते ना ज़िना करदे हन—ते जो कोई एह कम्म करेगा ओह गुनाह दी सज़ा भुगतेगा: क़ियामत दे दिन उस दा अज़ाब दुगणा कर दित्ता जावेगा, ते ओह उस विच ज़लील हो के सदा रहेगा— सिवाए उन्हां दे जो तौबा करन, ईमान लिआउण ते नेक कम्म करन: तां अजिहे लोकां दियां बुराइयां नूं अल्लाह भलाइयां विच बदल देवेगा। ते अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। ते जो कोई तौबा करे ते नेक कम्म करे ओह सच्चमुच अल्लाह वल्ल तौबा दे नाल पलटदा है। ते ओह ओह वी हन जो झूठी गवाही नहीं दिंदे, ते जदों किसे बेहूदा गल्ल कोलों लंघदे हन, तां वक़ार नाल लंघ जांदे हन; ते जो, जदों उन्हां नूं उन्हां दे रब्ब दियां आयतां दे ज़रीए नसीहत कीती जांदी है, तां उन्हां उत्ते बोले ते अन्हे हो के नहीं डिग्गदे; ते जो आखदे हन, "ऐ साडे रब्ब, सानूं साडियां पतनियां ते साडी औलाद वल्लों अक्खां दी ठंढक दे, ते सानूं अल्लाह तों सुचेत रहण वालियां

[33] नबी मुहम्मद इत्तिफ़ाक़ नाल इस डूंघी साइंसी हक़ीक़त नूं नहीं जाण सकदे सन। एह आयत होर बहुत सारियां आयतां वांग इक्क सभ कुझ जाणन वाले सोमे दा पता दिंदी है। इही गल्ल 21:30 ते 24:45 विच वी आई है।

[34] **क़ुरआन इक्क सूरा दा नाम बुर्जां (तारा-मंडलां) दे नाम उत्ते क्यों रक्खदा है?**

लई नमूना बणा।" इही हन जिन्हां नूं उन्हां दे सब्र दे बदले जन्नत दा सभ तों उच्चा बालाख़ाना दित्ता जावेगा, ते उत्थे उन्हां दा दुआ ते सलाम नाल सुआगत होवेगा, ओह उत्थे सदा रहिणगे—किन्ना चंगा ठिकाणा ते किन्नी चंगी रहण दी थां! आख, "मेरा रब्ब तुहाडी कोई परवाह ना करदा जे तुहाडी दुआ ना हुंदी। पर तुसीं सच्च नूं झुठला दित्ता है, सो हुण अज़ाब टलण वाला नहीं।" (63–77)

26. शाइर (अश-शुअरा)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

ता सीन मीम। एह खुल्ही किताब दियां आयतां हन। (1–2)

शायद तूं, ऐ नबी, इस ग़म विच अपणी जान ही घुला देवेंगा कि ओह ईमान नहीं लिआउंदे। जे असीं चाहीए, तां उन्हां उत्ते असमान तों अजिही निशानी उतार देईए जिस दे अग्गे उन्हां दियां गरदनां आजिज़ी नाल झुकियां रह जाण। फिर वी रहमान वल्लों उन्हां कोल कोई नवीं नसीहत नहीं आउंदी पर ओह उस तों मूंह मोड़ लैंदे हन। सो उन्हां ने झुठला दित्ता है, तां हुण उन्हां कोल उस चीज़ दियां ख़बरां ज़रूर आउणगियां जिस दा ओह मख़ौल उडाउंदे सन। की उन्हां ने धरती वल्ल नहीं वेखिया—असां ने उस विच हर उमदा क़िसम दियां किन्नियां चीज़ां उगाइयां हन?[35] बेशक इस विच इक्क निशानी है, फिर वी उन्हां विचों बहुते ईमान लिआउण वाले नहीं। ते बेशक तेरा रब्ब ही ज़बरदस्त, सदा रहम करन वाला है।[36] (3–9)

ते जदों तेरे रब्ब ने मूसा नूं पुकारिया: "ज़ालिम लोकां कोल जा, फ़िरऔन दी क़ौम कोल। की ओह अल्लाह तों सुचेत नहीं होणगे?" उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मैनूं डर है कि ओह मैनूं झुठला देणगे, ते मेरा सीना तंग हुंदा है ते मेरी ज़बान नहीं चल्लदी; सो हारून नूं बुला भेज। ते मेरे ज़िंमे उन्हां दा इक्क जुर्म वी है, सो मैनूं डर है कि ओह मैनूं क़तल कर देणगे।" उस ने आखिया, "हरगिज़ नहीं! तुसीं दोवें साडियां निशानियां लै के जाओ; असीं तुहाडे नाल हां, सुण रहे हां। फ़िरऔन कोल जाओ ते आखो: असीं सारे जहानां दे रब्ब दे रसूल हां—इसराईल दी औलाद नूं साडे नाल भेज दे।" (10–17)

फ़िरऔन ने आखिया, "की असां ने तैनूं बचपन विच अपणे विचकार पालिया नहीं सी, ते की तूं अपणी उमर दे कई साल साडे विच नहीं रिहा? ते फिर तूं अपणा ओह कम्म कीता जो तूं कीता—ते तूं नाशुकरियां विचों हैं।" उस ने आखिया, "मैं ओह कम्म उस वेले कीता सी, जदों मैं भटके होइयां विचों सी। फिर जदों मैनूं तुहाथों डर लग्गिया तां मैं तुहाडे कोलों भज्ज गिया; फिर मेरे रब्ब ने मैनूं हिकमत बख़्शी ते मैनूं रसूलां विचों बणा दित्ता। ते की इही ओह अहिसान है जो तूं मेरे उत्ते जतांदा हैं—कि तूं इसराईल दी औलाद नूं ग़ुलाम बणा रक्खिया है?" (18–22)

फ़िरऔन ने आखिया, "ते सारे जहानां दा रब्ब की है?" उस ने आखिया, "असमानां ते धरती दा ते जो कुझ उन्हां दे विचकार है सभ दा रब्ब, जे तुसीं यक़ीन करो।" उस ने अपणे आसे-पासे वालियां नूं आखिया, "की तुसीं सुणदे नहीं?" उस ने आखिया, "तुहाडा रब्ब, ते तुहाडे अगले पिओ-दादियां दा रब्ब।" उस ने आखिया,

---

[35] **"की उन्हां ने धरती वल्ल नहीं वेखिया?" — क़ुरआन 26:7 दी इक्क तफ़सीर**

[36] **बनसपती दी दुनिया: क़ुरआन दे मुताबिक़ अल्लाह दी ख़ुदाई दा इक्क सबूत**
अल्लाह पैदा करन वाला, बणाउण वाला ते सूरत देण वाला: बनसपती दी दुनिया

“तुहाडा एह रसूल जो तुहाडे वल्ल भेजिया गिया है यक़ीनन दीवाना है।” उस ने आखिया, “पूरब ते पच्छम दा ते जो कुझ उन्हां दे विचकार है सभ दा रब्ब, जे तुसीं अक़ल तों कम्म लओ।” उस ने आखिया, “जे तूं मेरे तों सिवा किसे होर नूं माबूद बणाइया, तां मैं तैनूं ज़रूर क़ैदियां विच शामिल कर दिआंगा।” उस ने आखिया, “भावें मैं तेरे कोल कोई साफ़ दिसण वाली चीज़ लै आवां?” उस ने आखिया, “तां लै आ, जे तूं सच्चा हैं।” सो उस ने अपणी लाठी सुट्टी, ते अचानक ओह इक्क अजगर सी, साफ़ दिसदा; ते उस ने अपणा हत्थ बाहर कढ्ढिया, ते अचानक ओह वेखण वालियां लई चिट्टा चमकदा सी। उस ने अपणे आसे-पासे दे सरदारां नूं आखिया, “एह यक़ीनन इक्क माहिर जादूगर है, जो अपणे जादू नाल तुहानूं तुहाडी ज़मीन तों कढ्ढ देणा चाहुंदा है। तां हुण तुसीं की सलाह दिंदे हो?” उन्हां ने आखिया, “इस नूं ते इस दे भरा नूं कुझ देर टाल रक्ख, ते शहिरां विच इकट्ठे करन वाले भेज दे जो तेरे कोल हर माहिर जादूगर नूं लै आउण।” सो जादूगर इक्क जाणे-पछाणे दिन दे मुक़र्रर वेले उत्ते इकट्ठे कीते गए, ते लोकां नूं आखिया गिया, “की तुसीं इकट्ठे होवोगे, तां जो असीं जादूगरां दे पिच्छे चल्लीए, जे ओही ग़ालिब रहण?” (23–40)

फिर जदों जादूगर आए, तां उन्हां ने फ़िरऔन नूं आखिया, “की सानूं कोई इनाम मिलेगा जे असीं ही ग़ालिब रहे?” उस ने आखिया, “हां, ते फिर तुसीं मेरे नज़दीकियां विच शामिल हो जाओगे।” मूसा ने उन्हां नूं आखिया, “सुट्टो जो कुझ तुसीं सुट्टणा है।” सो उन्हां ने अपणियां रस्सियां ते अपणियां लाठियां सुट्टियां, ते आखिया, “फ़िरऔन दी इज़्ज़त दी क़सम, असीं ही ग़ालिब रहांगे।” फिर मूसा ने अपणी लाठी सुट्टी, ते अचानक ओह उस नूं निगलण लग्गी जो उन्हां ने झूठ-मूठ बणाइया सी। ते जादूगर सजदे विच डिग्ग पए। उन्हां ने आखिया, “असीं सारे जहानां दे रब्ब उत्ते ईमान लै आए, मूसा ते हारून दे रब्ब उत्ते।” उस ने आखिया, “तुसीं उस दी गल्ल मन्न लई इस तों पहिलां कि मैं तुहानूं इजाज़त देवां! ज़रूर इही तुहाडा वड्डा है, जिस ने तुहानूं जादू सिखाइया—पर हुणे तुहानूं पता लग्ग जावेगा। मैं तुहाडे हत्थ ते तुहाडे पैर उलटे पासियां तों कट्ट दिआंगा, ते तुहानूं सारियां नूं सूली चढ़ा दिआंगा।” उन्हां ने आखिया, “कोई हरज नहीं: असीं अपणे रब्ब वल्ल ही पलटणा है। सानूं उम्मीद है कि साडा रब्ब साडे गुनाह बख़्श देवेगा, किउंकि असीं सभ तों पहिलां ईमान लिआउण वाले हां।” (41–51)

फिर असां ने मूसा वल्ल वह्य कीती: “मेरे बंदियां नूं लै के रातो-रात निकल जा, किउंकि तुहाडा पिच्छा कीता जावेगा।” ते फ़िरऔन ने शहिरां विच इकट्ठे करन वाले भेजे: “एह तां बस इक्क छोटी जिही टोली हन, ते उन्हां ने सानूं ग़ुस्सा दिवाइया है, पर असीं इक्क वड्डी जमाअत हां, सारे चौकन्ने।” सो असां ने उन्हां नूं बाग़ां ते चश्मियां विचों कढ्ढ लिआंदा, ते ख़ज़ानियां ते इज़्ज़त वाले टिकाणे विचों— इउं ही होइया; ते असां ने उन्हां चीज़ां दा वारिस इसराईल दी औलाद नूं बणा दित्ता। सो उन्हां ने सूरज चढ़दे उन्हां दा पिच्छा कीता, ते जदों दोहां जमाअतां ने इक्क दूजे नूं वेखिया, तां मूसा दे साथियां ने आखिया, “असीं तां यक़ीनन फड़े गए!” उस ने आखिया, “हरगिज़ नहीं! मेरा रब्ब मेरे नाल है; ओह मैनूं राह दिखावेगा।” फिर असां ने मूसा वल्ल वह्य कीती: “अपणी लाठी समुंदर उत्ते मार।” सो ओह फट गिया, ते हर हिस्सा इक्क वड्डे पहाड़ वरगा हो गिया। ते असां ने दूजियां नूं उस थां दे नेड़े लै आंदा, ते असां ने मूसा नूं ते उन्हां सभनां नूं जो उस दे नाल सन बचा लिया; फिर

असां ने दूजियां नूं डोब दित्ता। बेशक इस विच इक्क निशानी है, फिर वी उन्हां विचों बहुते ईमान लिआउण वाले नहीं। ते बेशक तेरा रब्ब ही ज़बरदस्त, सदा रहम करन वाला है। (52–68)

ते उन्हां नूं इबराहीम दा क़िस्सा पढ़ के सुणा, जदों उस ने अपणे पिओ ते अपणी क़ौम नूं आखिया, "तुसीं किस चीज़ दी इबादत करदे हो?" उन्हां ने आखिया, "असीं बुत्तां दी इबादत करदे हां, ते उन्हां ही दे अग्गे जमे बैठे रहिंदे हां।" उस ने आखिया, "की ओह तुहाडी सुणदे हन जदों तुसीं पुकारदे हो, जां तुहानूं नफ़ा जां नुक़सान पहुंचाउंदे हन?" उन्हां ने आखिया, "नहीं, बल्कि असां ने अपणे पिओ-दादियां नूं इसे तरां करदे पाइया है।" उस ने आखिया, "की तुसीं ग़ौर कीता कि तुसीं किस दी इबादत करदे रहे हो, तुसीं ते तुहाडे अगले पिओ-दादे? ओह सभ मेरे दुश्मण हन—सिवाए सारे जहानां दे रब्ब दे, जिस ने मैनूं पैदा कीता, ते ओही मैनूं राह दिखाउंदा है; जो मैनूं खिलाउंदा ते पिलाउंदा है; ते जदों मैं बीमार हुंदा हां, तां ओही मैनूं शिफ़ा दिंदा है; जो मैनूं मौत देवेगा, फिर मैनूं ज़िंदगी देवेगा; ते जिस तों मैनूं उम्मीद है कि बदले दे दिन मेरियां ख़ताइयां बख़्श देवेगा। ऐ मेरे रब्ब, मैनूं हिकमत बख़्श ते मैनूं नेकां दे नाल मिला दे; ते बाद विच आउण वालियां विच मेरा नेक नाम रक्ख; ते मैनूं नेमतां भरी जन्नत दे वारिसां विचों बणा; ते मेरे पिओ नूं बख़्श दे, किउंकि ओह भटके होइयां विचों है; ते मैनूं उस दिन रुसवा ना करीं जदों लोक उठाए जाणगे, जिस दिन ना माल किसे कम्म आवेगा ना पुत्तर, सिवाए उस दे जो अल्लाह दे कोल सलामत दिल लै के आवे।" (69–89)

ते जन्नत अल्लाह तों सुचेत रहण वालियां दे नेड़े लै आंदी जावेगी, ते भड़कदी अग्ग भटकण वालियां दे साहमणे ज़ाहिर कर दित्ती जावेगी, ते उन्हां तों पुच्छिया जावेगा, "कित्थे हन ओह जिन्हां दी तुसीं अल्लाह तों सिवा इबादत करदे सी? की ओह तुहाडी मदद कर सकदे हन, जां अपणी ही मदद कर सकदे हन?" फिर ओह उस विच मूंह दे भार सुट्ट दित्ते जाणगे, ओह ते भटकण वाले, ते इबलीस दे लशकर, सभ दे सभ। उत्थे ओह आपस विच झगड़दे होए आखणगे, "अल्लाह दी क़सम, असीं खुल्ही गुमराही विच सां जदों असीं तुहानूं सारे जहानां दे रब्ब दे बराबर ठहराउंदे सां। सानूं तां बस मुजरिमां ने ही गुमराह कीता, ते हुण ना साडा कोई सिफ़ारिशी है, ना कोई दिली दोस्त। काश सानूं इक्क वारी होर मौक़ा मिल जांदा, तां असीं ईमान वालियां विचों हुंदे!" बेशक इस विच इक्क निशानी है, फिर वी उन्हां विचों बहुते ईमान लिआउण वाले नहीं। ते बेशक तेरा रब्ब ही ज़बरदस्त, सदा रहम करन वाला है। (90–104)

नूह दी क़ौम ने रसूलां नूं झुठलाइया, जदों उन्हां दे भरा नूह ने उन्हां नूं आखिया, "की तुसीं अल्लाह तों सुचेत नहीं होवोगे? मैं तुहाडे लई इक्क अमानतदार रसूल हां, सो अल्लाह तों सुचेत रहो ते मेरी गल्ल मन्नो। मैं इस उत्ते तुहाथों कोई बदला नहीं मंगदा; मेरा बदला तां बस सारे जहानां दे रब्ब दे ज़िंमे है। सो अल्लाह तों सुचेत रहो ते मेरी गल्ल मन्नो।" उन्हां ने आखिया, "की असीं तेरे उत्ते ईमान लै आईए, जदों कि तेरे पिच्छे तां सभ तों नीवें लोक लग्गे हन?" उस ने आखिया, "मैनूं की इल्म कि ओह की करदे रहे हन? उन्हां दा हिसाब तां बस मेरे रब्ब दे ज़िंमे है, काश तुसीं समझदे। ते मैं ईमान वालियां नूं धक्के देण वाला नहीं; मैं तां बस खुल्हा ख़बरदार करन वाला हां।" उन्हां ने आखिया, "ऐ नूह, जे तूं बाज़ ना आइया, तां तूं ज़रूर संगसार कर दित्ता जावेंगा।" उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मेरी क़ौम ने मैनूं झुठला दित्ता है, सो तूं मेरे ते उन्हां दे विचकार खुल्हा

फ़ैसला कर दे, ते मैनूं ते मेरे नाल दे ईमान वालियां नूं बचा लै।" सो असां ने उस नूं ते उस दे नाल वालियां नूं भरी होई किश्ती विच बचा लिया, ते उस तों बाद असां ने बाक़ियां नूं डोब दित्ता। बेशक इस विच इक्क निशानी है, फिर वी उन्हां विचों बहुते ईमान लिआउण वाले नहीं। ते बेशक तेरा रब्ब ही ज़बरदस्त, सदा रहम करन वाला है। (105–122)

आद ने रसूलां नूं झुठलाइया, जदों उन्हां दे भरा हूद ने उन्हां नूं आखिया, "की तुसीं अल्लाह तों सुचेत नहीं होवोगे? मैं तुहाडे लई इक्क अमानतदार रसूल हां, सो अल्लाह तों सुचेत रहो ते मेरी गल्ल मन्नो। मैं इस उत्ते तुहाथों कोई बदला नहीं मंगदा; मेरा बदला तां बस सारे जहानां दे रब्ब दे ज़िंमे है। की तुसीं हर उच्ची थां उत्ते दिल-परचावे लई इक्क यादगार बणाउंदे हो, ते मज़बूत क़िले खड़े करदे हो जिवें तुसीं सदा जींदे रहोगे? ते जदों तुसीं फड़दे हो, तां ज़ालिम जाबरां वांग फड़दे हो? सो अल्लाह तों सुचेत रहो ते मेरी गल्ल मन्नो। उस तों सुचेत रहो जिस ने उन्हां चीज़ां नाल तुहाडी मदद कीती जिन्हां नूं तुसीं जाणदे हो: उस ने डंगरां ते पुत्तरां नाल तुहाडी मदद कीती, ते बाग़ां ते चश्मियां नाल। मैनूं तुहाडे बारे इक्क वड्डे दिन दे अज़ाब दा डर है।" उन्हां ने आखिया, "साडे लई बराबर है भावें तूं नसीहत करें जां नसीहत करन वालियां विचों ना होवें। एह तां बस अगलियां दा तरीक़ा है, ते सानूं अज़ाब नहीं दित्ता जावेगा।" सो उन्हां ने उस नूं झुठला दित्ता, ते असां ने उन्हां नूं हलाक कर दित्ता। बेशक इस विच इक्क निशानी है, फिर वी उन्हां विचों बहुते ईमान लिआउण वाले नहीं। ते बेशक तेरा रब्ब ही ज़बरदस्त, सदा रहम करन वाला है। (123–140)

समूद ने रसूलां नूं झुठलाइया, जदों उन्हां दे भरा सालेह ने उन्हां नूं आखिया, "की तुसीं अल्लाह तों सुचेत नहीं होवोगे? मैं तुहाडे लई इक्क अमानतदार रसूल हां, सो अल्लाह तों सुचेत रहो ते मेरी गल्ल मन्नो। मैं इस उत्ते तुहाथों कोई बदला नहीं मंगदा; मेरा बदला तां बस सारे जहानां दे रब्ब दे ज़िंमे है। की तुहानूं उन्हां चीज़ां विच जो इत्थे हन अमन नाल छड्ड दित्ता जावेगा— बाग़ां ते चश्मियां विच, ते खेतियां ते अजिहे खजूर दे रुक्खां विच जिन्हां दे गुच्छे नरम-नाज़ुक हन? ते तुसीं पहाड़ां नूं तराश के बड़े हुनर नाल घर बणाउंदे हो। सो अल्लाह तों सुचेत रहो ते मेरी गल्ल मन्नो, ते उन्हां हद्द तों लंघण वालियां दा हुक्म ना मन्नो, जो ज़मीन विच फ़साद फैलाउंदे हन ते सुधार नहीं करदे।" उन्हां ने आखिया, "तूं तां बस जादू कीते होइयां विचों हैं। तूं साडे वरगा इक्क इनसान ही तां हैं। सो कोई निशानी लै आ, जे तूं सच्चा हैं।" उस ने आखिया, "एह इक्क ऊठणी है: पाणी पीण दी इक्क वारी इस दी है, ते इक्क वारी तुहाडी, हर इक्क दी मुक़र्रर दिन उत्ते। ते इस नूं बुराई नाल हत्थ ना लाउणा, नहीं तां इक्क वड्डे दिन दा अज़ाब तुहानूं आ फड़ेगा।" पर उन्हां ने उस दियां कूंचां कट्ट दित्तियां, फिर पछताउंदे रह गए, किउंकि अज़ाब ने उन्हां नूं आ फड़िया। बेशक इस विच इक्क निशानी है, फिर वी उन्हां विचों बहुते ईमान लिआउण वाले नहीं। ते बेशक तेरा रब्ब ही ज़बरदस्त, सदा रहम करन वाला है। (141–159)

लूत दी क़ौम ने रसूलां नूं झुठलाइया, जदों उन्हां दे भरा लूत ने उन्हां नूं आखिया, "की तुसीं अल्लाह तों सुचेत नहीं होवोगे? मैं तुहाडे लई इक्क अमानतदार रसूल हां, सो अल्लाह तों सुचेत रहो ते मेरी गल्ल मन्नो। मैं इस उत्ते तुहाथों कोई बदला नहीं मंगदा; मेरा बदला तां बस सारे जहानां दे रब्ब दे ज़िंमे है। की तुसीं दुनिया जहान

दे लोकां विचों मरदां कोल जांदे हो, ते अपणियां उन्हां पतनियां नूं छड्ड दिंदे हो जो तुहाडे रब्ब ने तुहाडे लई पैदा कीतियां हन? नहीं—बल्कि तुसीं हद्द तों लंघण वाले लोक हो।" उन्हां ने आखिया, "ऐ लूत, जे तूं बाज़ ना आइया, तां तूं ज़रूर कड्ढ दित्ता जावेंगा।" उस ने आखिया, "मैं तुहाडे कम्म तों सख़्त नफ़रत करन वालियां विचों हां। ऐ मेरे रब्ब, मैनूं ते मेरे घर वालियां नूं उस तों बचा लै जो एह करदे हन।" सो असां ने उस नूं ते उस दे घर वालियां नूं, सभनां नूं, बचा लिया, सिवाए इक्क बुड्ढी दे जो पिच्छे रह जाण वालियां विच सी। फिर असां ने बाक़ियां नूं तबाह कर दित्ता, ते असां ने उन्हां उत्ते इक्क मींह वर्हाइया—ते किन्ना बुरा सी उन्हां दा मींह जिन्हां नूं ख़बरदार कीता गिया सी! बेशक इस विच इक्क निशानी है, फिर वी उन्हां विचों बहुते ईमान लिआउण वाले नहीं। ते बेशक तेरा रब्ब ही ज़बरदस्त, सदा रहम करन वाला है। (160–175)

घणे जंगल वालियां ने रसूलां नूं झुठलाइया, जदों शुऐब ने उन्हां नूं आखिया, "की तुसीं अल्लाह तों सुचेत नहीं होवोगे? मैं तुहाडे लई इक्क अमानतदार रसूल हां, सो अल्लाह तों सुचेत रहो ते मेरी गल्ल मन्नो। मैं इस उत्ते तुहाथों कोई बदला नहीं मंगदा; मेरा बदला तां बस सारे जहानां दे रब्ब दे ज़िंमे है। पूरा नाप के देओ, ते घाटा देण वालियां विचों ना बणो; ते सही तक्कड़ी नाल तोलो; ते लोकां नूं उन्हां दियां चीज़ां घटा के ना देओ, ते ज़मीन विच फ़साद फैलाउंदे ना फिरो। ते उस तों सुचेत रहो जिस ने तुहानूं ते अगलियां नसलां नूं पैदा कीता।" उन्हां ने आखिया, "तूं तां बस जादू कीते होइयां विचों हैं। तूं साडे वरगा इक्क इनसान ही तां हैं, ते असीं तैनूं झूठियां विचों समझदे हां। सो साडे उत्ते असमान दा कोई टुकड़ा डेग दे, जे तूं सच्चा हैं।" उस ने आखिया, "मेरा रब्ब ख़ूब जाणदा है जो कुझ तुसीं करदे हो।" सो उन्हां ने उस नूं झुठला दित्ता, ते छां वाले दिन दे अज़ाब ने उन्हां नूं आ फड़िया; बेशक ओह इक्क वड्डे दिन दा अज़ाब सी। बेशक इस विच इक्क निशानी है, फिर वी उन्हां विचों बहुते ईमान लिआउण वाले नहीं। ते बेशक तेरा रब्ब ही ज़बरदस्त, सदा रहम करन वाला है। (176–191)

ते बेशक एह सारे जहानां दे रब्ब दा उतारिया होइया है: अमानतदार रूह इस नूं लै के तेरे दिल उत्ते उतरी, ऐ नबी, तां जो तूं ख़बरदार करन वालियां विचों होवें, साफ़ अरबी ज़बान विच। ते बेशक एह अगलियां क़ौमां दे सहीफ़ियां विच वी है। की एह उन्हां लई इक्क निशानी नहीं कि इसराईल दी औलाद दे आलिम इस नूं जाणदे हन? ते जे असीं इस नूं किसे ग़ैर-अरब उत्ते उतारदे, ते ओह इस नूं उन्हां दे साहमणे पढ़दा, तां वी ओह इस उत्ते ईमान ना लिआउंदे। इस तरां असां ने इस नूं मुजरिमां दे दिलां विच उतार दित्ता है: ओह इस उत्ते ईमान नहीं लिआउणगे जद तक्क दर्दनाक अज़ाब ना वेख लैण, ते ओह उन्हां उत्ते अचानक आ पवेगा, जदों उन्हां नूं ख़बर वी ना होवेगी, ते ओह आखणगे, "की सानूं मुहलत मिलेगी?" तां की एह साडे अज़ाब लई जलदी मचा रहे हन? की तूं ग़ौर कीता—जे असीं उन्हां नूं कई साल ज़िंदगी दा मज़ा लैण देईए, फिर उन्हां उत्ते ओह आ जावे जिस दा उन्हां नाल वादा कीता जांदा सी, तां ओह सभ कुझ उन्हां दे किस कम्म आवेगा जो उन्हां नूं भोगण लई दित्ता गिया सी? ते असां ने कोई बस्ती हलाक नहीं कीती पर उस लई ख़बरदार करन वाले सन, नसीहत दे तौर ते; ते असीं कदे ज़ालिम नहीं। (192–209)

ते इस नूं शैतान लै के नहीं उतरे: ना एह उन्हां नूं शोभदा है, ते ना ओह इस दी ताक़त रक्खदे हन। ओह तां इस दे सुणन तों वी दूर रक्खे गए हन। सो अल्लाह दे नाल किसे होर माबूद नूं ना पुकार, नहीं तां तूं वी अज़ाब पाउण वालियां विचों हो जावेंगा। ते अपणे सभ तों नेड़े दे रिश्तेदारां नूं ख़बरदार कर, ते जो ईमान वाले तेरे पिच्छे चल्लदे हन उन्हां लई अपणा बाज़ू झुका दे। फिर जे ओह तेरी नाफ़रमानी करन, तां आख दे, "मैं उस तों बरी हां जो तुसीं करदे हो।" ते उस ज़बरदस्त, सदा रहम करन वाले उत्ते भरोसा रक्ख, जो तैनूं वेखदा है जदों तूं नमाज़ विच खड़ा हुंदा हैं, ते सजदा करन वालियां विच तेरा चल्लणा-फिरना वी। बेशक ओही सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। की मैं तुहानूं दस्सां कि शैतान किस उत्ते उतरदे हन? ओह हर झूठे गुनाहगार उत्ते उतरदे हन: ओह सुणी-सुणाई गल्ल अग्गे पहुंचाउंदे हन, ते उन्हां विचों बहुते झूठे हन। ते रहे शाइर, तां उन्हां दे पिच्छे भटके होए लोक ही चल्लदे हन। की तूं नहीं वेखदा कि ओह हर वादी विच भटकदे फिरदे हन, ते एह कि ओह ओह कुझ आखदे हन जो करदे नहीं? सिवाए उन्हां दे जो ईमान लिआए, ते नेक कम्म कीते, ते अल्लाह नूं बहुत याद कीता, ते अपणे उत्ते ज़ुलम होण तों बाद अपणा बचाअ कीता। ते ज़ुलम करन वाले छेती ही जाण लैणगे कि ओह किस पलटण दी थां पलटाए जांदे हन। (210–227)

27. कीड़ियां (अन-नम्ल)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

ता सीन। एह क़ुरआन दियां, इक्क खुल्ही किताब दियां आयतां हन, ईमान वालियां लई हिदायत ते ख़ुशख़बरी, जो नमाज़ क़ायम करदे हन ते ज़कात दिंदे हन, ते जो आख़िरत उत्ते यक़ीन रक्खदे हन। रहे ओह जो आख़िरत उत्ते ईमान नहीं रक्खदे, असां ने उन्हां दे अमल उन्हां लई सोहणे बणा दित्ते हन, सो ओह अन्हियां वांग भटकदे फिरदे हन। इही हन जिन्हां लई सभ तों बुरा अज़ाब है, ते आख़िरत विच ओही सभ तों वध घाटा खाण वाले होणगे। ते बेशक तैनूं, ऐ नबी, एह क़ुरआन उस वल्लों मिल रिहा है जो हिकमत वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। (1–6)

जदों मूसा ने अपणे घर वालियां नूं आखिया, "मैं इक्क अग्ग वेखी है। मैं उत्थों तुहाडे लई कोई ख़बर लै आवांगा, जां कोई बलदा होइया अंगियार लै आवांगा, तां जो तुसीं सेक सको।" फिर जदों ओह उस दे कोल पहुंचिया, तां इक्क अवाज़ आई: "बरकत वाला है ओह जो इस अग्ग विच है ते ओह जो इस दे आसे-पासे है! ते पाक है अल्लाह, सारे जहानां दा रब्ब! ऐ मूसा, एह मैं हां, अल्लाह, ज़बरदस्त, हिकमत वाला। अपणी लाठी सुट्ट दे।" पर जदों उस ने उस नूं इउं हिल्लदिआं वेखिया जिवें ओह सप्प होवे, तां पिट्ठ फेर के भज्जिया ते पिच्छे मुड़ के ना वेखिया। "ऐ मूसा, डर ना: मेरे हज़ूर रसूल डरिया नहीं करदे, सिवाए उस दे जिस ने ज़ुलम कीता होवे फिर बुराई दी थां भलाई कर लई होवे—तां मैं बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला हां। ते अपणा हत्थ अपणे गिरेबान विच पा: ओह बिनां किसे ऐब दे चिट्टा चमकदा निकलेगा—एह फ़िरऔन ते उस दी क़ौम लई नौं निशानियां विचों इक्क है। बेशक ओह नाफ़रमान लोक हन।" (7–12)

पर जदों साडियां निशानियां पूरी तरां रौशन हो के उन्हां कोल आइयां, तां उन्हां ने आखिया, "एह तां खुल्हा जादू है।" ते उन्हां ने ज़ुलम ते घमंड दे कारन उन्हां दा इनकार कीता, हालांकि उन्हां दे दिल उन्हां दा यक़ीन कर चुक्के सन। सो वेख कि फ़साद करन वालियां दा अंजाम किहो जिहा होइया। (13–14)

ते असां ने दाऊद ते सुलैमान नूं इल्म दित्ता, ते उन्हां दोहां ने आखिया, "सारी तारीफ़ अल्लाह लई है, जिस ने सानूं अपणे बहुत सारे ईमान वाले बंदियां उत्ते फ़ज़ीलत बख़्शी।" ते सुलैमान दाऊद दा वारिस होइया, ते उस ने आखिया, "ऐ लोको, सानूं पंछियां दी बोली सिखाई गई है, ते सानूं हर चीज़ विचों दित्ता गिया है। बेशक एह खुल्हा फ़ज़ल है।" ते सुलैमान दे लई जिन्नां, इनसानां ते पंछियां विचों उस दे लशकर इकट्ठे कीते गए, ते ओह तरतीबवार सफ़ां विच रक्खे जांदे सन, इत्थों तक्क कि जदों ओह कीड़ियां दी वादी विच पहुंचे, तां इक्क कीड़ी ने आखिया, "ऐ कीड़ियो, अपणे घरां विच वड़ जाओ, किते सुलैमान ते उस दे लशकर तुहानूं अणजाणे विच कुचल ना देण।" तां ओह उस दी गल्ल उत्ते हस्सदा होइया मुसकराइया, ते आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मैनूं तौफ़ीक़ दे कि मैं तेरी उस नेमत दा शुकर अदा करां जो तूं मेरे उत्ते ते मेरे मां-पिओ उत्ते कीती है, ते एह कि

मैं अजिहे नेक कम्म करां जो तैनूं पसंद होण, ते अपणी रहमत नाल मैनूं अपणे नेक बंदियां विच दाख़िल कर।" (15–19)

ते सुलैमान ने पंछियां दा जाइज़ा लिया ते आखिया, "की गल्ल है कि मैं हुदहुद नूं नहीं वेखदा? जां ओह ग़ैर-हाज़िरां विचों है? मैं उस नूं ज़रूर सख़्त सज़ा दिआंगा, जां उस नूं ज़िबह कर दिआंगा, सिवाए इस दे कि ओह मेरे कोल कोई खुल्ही दलील लै आवे।" पर हुदहुद ने बहुती देर ना लाई। उस ने आ के आखिया, "मैं अजिही गल्ल मालूम कीती है जो तूं नहीं जाणदा। मैं तेरे कोल सबा तों इक्क पक्की ख़बर लै के आइया हां। मैं इक्क औरत नूं उन्हां उत्ते हकूमत करदिआं पाइया, जिस नूं हर चीज़ विचों दित्ता गिया है, ते जिस दा इक्क वड्डा तख़्त है। मैं उस नूं ते उस दी क़ौम नूं अल्लाह नूं छड्ड के सूरज नूं सजदा करदिआं पाइया। शैतान ने उन्हां दे अमल उन्हां लई सोहणे बणा दित्ते हन ते उन्हां नूं राह तों रोक दित्ता है, सो ओह हिदायत नहीं पाउंदे— कि ओह अल्लाह नूं सजदा ना करन, जो असमानां ते धरती दी छुपी होई चीज़ नूं बाहर लिआउंदा है, ते जाणदा है जो कुझ तुसीं छुपाउंदे हो ते जो कुझ ज़ाहिर करदे हो। अल्लाह—उस तों सिवा कोई माबूद नहीं, अज़मत वाले अर्श दा रब्ब।" सुलैमान ने आखिया, "असीं वेखांगे कि तूं सच्च आखिया है जां तूं झूठियां विचों हैं। मेरी एह चिट्ठी लै जा ते इस नूं उन्हां कोल पहुंचा दे, फिर उन्हां तों हट जा ते वेख कि ओह की जवाब दिंदे हन।" (20–28)

मलिका ने आखिया, "ऐ सरदारो, मेरे कोल इक्क इज़्ज़त वाली चिट्ठी पहुंचाई गई है। ओह सुलैमान वल्लों है, ते उस विच लिखिया है: अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है। मेरे मुक़ाबले विच सरकशी ना करो, ते फ़रमांबरदार हो के मेरे कोल आ जाओ।" उस ने आखिया, "ऐ सरदारो, मेरे इस मामले विच मैनूं सलाह देओ: मैं किसे मामले दा फ़ैसला नहीं करदी जद तक्क तुसीं मेरे कोल हाज़िर ना होवो।" उन्हां ने आखिया, "असीं ताक़त वाले ते जंग विच बड़े ज़ोर वाले लोक हां, पर हुक्म तेरा है; सो तूं वेख लै कि तूं की हुक्म दिंदी हैं।" उस ने आखिया, "बादशाह जदों किसे बस्ती विच दाख़िल हुंदे हन तां उस नूं उजाड़ दिंदे हन, ते उस दे सभ तों इज़्ज़त वाले लोकां नूं सभ तों ज़लील कर दिंदे हन। ओह इसे तरां करदे हन। मैं उन्हां वल्ल इक्क तोहफ़ा भेजदी हां, ते वेखदी हां कि क़ासिद की जवाब लै के मुड़दे हन।" (29–35)

फिर जदों उस दा क़ासिद सुलैमान कोल आइया, तां उस ने आखिया, "की तुसीं माल नाल मेरी मदद करना चाहुंदे हो? जो कुझ अल्लाह ने मैनूं दित्ता है ओह उस तों बिहतर है जो उस ने तुहानूं दित्ता है। नहीं—बल्कि तुसीं ही अपणे तोहफ़े उत्ते ख़ुश हुंदे हो। उन्हां कोल वापस जा: असीं उन्हां उत्ते अजिहे लशकर लै के ज़रूर आवांगे जिन्हां दा ओह मुक़ाबला ना कर सकणगे, ते असीं उन्हां नूं उत्थों ज़लील ते ख़ार करके कढ्ढ दिआंगे।" उस ने आखिया, "ऐ सरदारो, तुहाडे विचों कौण उस दा तख़्त मेरे कोल लै आवेगा इस तों पहिलां कि ओह फ़रमांबरदार हो के मेरे कोल आउण?" जिन्नां विचों इक्क ताक़तवर ने आखिया, "मैं उस नूं तेरे कोल लै आवांगा इस तों पहिलां कि तूं अपणी थां तों उट्ठें; मैं इस दी ताक़त रक्खदा हां, ते अमानतदार हां।" जिस दे कोल किताब दा इल्म सी उस ने आखिया, "मैं उस नूं तेरे कोल लै आवांगा इस तों पहिलां कि तेरी निगाह तेरे वल्ल पलटे।" फिर जदों उस ने उस नूं अपणे साहमणे रक्खिया होइया वेखिया, तां आखिया, "एह मेरे रब्ब दे

फ़ज़ल विचों है, तां जो मैनूं आज़माए कि मैं शुकर करदा हां जां नाशुकरी। ते जो कोई शुकर करदा है ओह अपणे ही भले लई शुकर करदा है, ते जो कोई नाशुकरी करे—तां मेरा रब्ब बेनियाज़, बड़ा करम वाला है।" उस ने आखिया, "उस दे लई उस दे तख़्त दा रूप बदल देओ; असीं वेखांगे कि ओह राह पाउंदी है जां उन्हां विचों है जो राह नहीं पाउंदे।" सो जदों ओह आई, तां उस तों पुच्छिया गिया, "की तेरा तख़्त इहो जिहा है?" उस ने आखिया, "इउं लग्गदा है जिवें एह ओही है।" सुलैमान ने आखिया, "सानूं इस तों पहिलां इल्म दित्ता गिया सी, ते असीं फ़रमांबरदार हो चुक्के हां।" पर जिन्हां दी ओह अल्लाह तों सिवा इबादत करदी रही सी उन्हां ने उस नूं रोक रक्खिया सी, किउंकि ओह सच्च दे इनकारी लोकां विचों सी। उस नूं आखिया गिया, "महिल विच दाख़िल हो।" जदों उस ने उस नूं वेखिया तां उस नूं डूंघा पाणी समझी ते अपणियां पिंडलियां नंगियां कर लईयां। उस ने आखिया, "एह तां शीशियां नाल जड़िया होइया चिकणा महिल है।" उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मैं अपणी जान उत्ते ज़ुलम कीता; ते मैं सुलैमान दे नाल अल्लाह दी, सारे जहानां दे रब्ब दी, फ़रमांबरदार हुंदी हां।" (36–44)

ते समूद वल्ल असां ने उन्हां दे भरा सालेह नूं भेजिया: "अल्लाह दी इबादत करो!" ते अचानक ओह दो धड़े हो गए, जो आपस विच झगड़न लग्गे। उस ने आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, तुसीं भलाई तों पहिलां बुराई लई क्यों जलदी मचाउंदे हो? तुसीं अल्लाह तों बख़शिश क्यों नहीं मंगदे, तां जो तुहाडे उत्ते रहम कीता जावे?" उन्हां ने आखिया, "असीं तैनूं ते तेरे नाल वालियां नूं मनहूस समझदे हां।" उस ने आखिया, "तुहाडी नहूसत अल्लाह दे कोल है। नहीं—बल्कि तुसीं अजिहे लोक हो जिन्हां नूं आज़माइया जा रिहा है।" ते उस शहिर विच नौं आदमी सन जो ज़मीन विच फ़साद फैलाउंदे सन ते सुधार नहीं करदे सन। उन्हां ने आखिया, "आपस विच अल्लाह दी क़सम खाओ कि असीं रात नूं उस उत्ते ते उस दे घर वालियां उत्ते हमला करांगे, फिर उस दे वारिस नूं आख दिआंगे: असीं उस दे घर वालियां दी हलाकत दे वेले मौजूद ना सां, ते असीं सच्चे हां।" ते उन्हां ने इक्क चाल चल्ली, ते असां ने वी इक्क चाल चल्ली, ते उन्हां नूं ख़बर वी ना होई। सो वेख कि उन्हां दी चाल दा अंजाम किहो जिहा होइया: असां ने उन्हां नूं ते उन्हां दी क़ौम नूं, सभनां नूं, तबाह कर दित्ता। सो एह हन उन्हां दे घर, जो उन्हां दे ज़ुलम दे कारन उजड़े पए हन। बेशक इस विच उन्हां लोकां लई इक्क निशानी है जो जाणदे हन। ते असां ने उन्हां नूं बचा लिया जो ईमान लिआए ते अल्लाह तों सुचेत रहिंदे सन। (45–53)

ते लूत नूं वी, जदों उस ने अपणी क़ौम नूं आखिया, "की तुसीं अक्खीं वेखदे होए एह बेहयाई करदे हो? की तुसीं औरतां नूं छड्ड के शहिवत नाल मरदां कोल जांदे हो? नहीं—बल्कि तुसीं जहालत करन वाले लोक हो।" पर उस दी क़ौम दा जवाब इस तों सिवा कुझ ना सी कि उन्हां ने आखिया, "लूत दे घराणे नूं अपणी बस्ती तों कढ्ढ देओ: एह बड़े पाक बणन वाले लोक हन!" सो असां ने उस नूं ते उस दे घर वालियां नूं बचा लिया, सिवाए उस दी पतनी दे: असां ने तै कर दित्ता सी कि ओह पिच्छे रह जाण वालियां विचों होवेगी। ते असां ने उन्हां उत्ते इक्क मींह वर्हाइया—ते किन्ना बुरा सी उन्हां दा मींह जिन्हां नूं ख़बरदार कीता गिया सी! (54–58)

आख, ऐ नबी, "सारी तारीफ़ अल्लाह लई है, ते सलाम है उस दे उन्हां बंदियां उत्ते जिन्हां नूं उस ने चुण लिया।" की अल्लाह बिहतर है, जां ओह जिन्हां नूं एह उस दा शरीक ठहराउंदे हन? भला ओह कौण है जिस ने

असमानां ते धरती नूं पैदा कीता, ते तुहाडे लई असमान तों पाणी उतारिया, जिस दे ज़रीए असां ने रौणक़ वाले बाग़ उगाए, जिन्हां दे रुक्ख उगाउणा तुहाडे वस विच ना सी? की अल्लाह दे नाल कोई होर माबूद है? नहीं—बल्कि एह अजिहे लोक हन जो सच्च तों हट जांदे हन। भला ओह कौण है जिस ने धरती नूं ठहिरन दी थां बणाइया, ते उस दे विचकार दरिया वगाए, ते उस उत्ते अटल पहाड़ रक्खे, ते दो समुंदरां दे विचकार इक्क आड़ रक्ख दित्ती? की अल्लाह दे नाल कोई होर माबूद है? नहीं—बल्कि उन्हां विचों बहुते नहीं जाणदे। भला ओह कौण है जो बेक़रार दी पुकार सुणदा है जदों ओह उस नूं पुकारदा है, ते तकलीफ़ दूर कर दिंदा है, ते तुहानूं धरती विच जानशीन बणाउंदा है? की अल्लाह दे नाल कोई होर माबूद है? तुसीं किन्ना थोड़ा ध्यान करदे हो! भला ओह कौण है जो तुहानूं ख़ुशकी ते समुंदर दे हनेरियां विच राह दिखाउंदा है, ते जो अपणी रहमत तों अग्गे हवावां नूं ख़ुशख़बरी बणा के भेजदा है? की अल्लाह दे नाल कोई होर माबूद है? अल्लाह उस तों बहुत उच्चा है जो एह शरीक ठहराउंदे हन। भला ओह कौण है जो मख़लूक़ नूं पहिली वारी पैदा करदा है फिर उस नूं दुबारा बणाउंदा है, ते जो तुहानूं असमान ते धरती तों रोज़ी दिंदा है? की अल्लाह दे नाल कोई होर माबूद है? आख, "अपणी दलील लिआओ, जे तुसीं सच्चे हो।" (59–64)

आख, "असमानां ते धरती विच कोई वी ग़ैब नहीं जाणदा सिवाए अल्लाह दे; ते ना उन्हां नूं ख़बर है कि ओह कदों उठाए जाणगे।" नहीं—बल्कि आख़िरत बारे उन्हां दा इल्म थक के रह गिया है; नहीं—बल्कि ओह उस बारे शक्क विच हन; नहीं—बल्कि ओह उस वल्लों अन्हे हन। ते सच्च दे इनकारी आखदे हन, "जदों असीं ते साडे पिओ-दादे मिट्टी हो जावांगे, तां की सच्चमुच असीं कढ्ढे जावांगे? इस दा वादा साडे नाल ते साडे पिओ-दादियां नाल पहिलां वी कीता गिया सी: एह तां बस अगलियां दियां कहाणियां हन।" आख, "ज़मीन विच चल्लो-फिरो ते वेखो कि मुजरिमां दा अंजाम किहो जिहा होइया।" ते तूं उन्हां उत्ते ग़म ना कर, ते ना उन्हां दियां चालां तों तंगदिल हो। ते ओह आखदे हन, "एह वादा कदों पूरा होवेगा, जे तुसीं सच्चे हो?" आख, "हो सकदा है कि जिस चीज़ लई तुसीं जलदी मचा रहे हो उस दा कुझ हिस्सा तुहाडे पिच्छे ही आ लग्गा होवे।" ते बेशक तेरा रब्ब लोकां उत्ते बड़ा फ़ज़ल करन वाला है, पर उन्हां विचों बहुते शुकर नहीं करदे। ते बेशक तेरा रब्ब जाणदा है जो कुझ उन्हां दे सीने छुपाउंदे हन ते जो कुझ ओह ज़ाहिर करदे हन। ते असमान ते धरती विच कोई छुपी होई चीज़ नहीं पर ओह इक्क खुल्ही किताब विच दर्ज है। (65–75)

बेशक एह क़ुरआन इसराईल दी औलाद नूं उन्हां बहुतियां गल्लां दी हक़ीक़त बिआन करदा है जिन्हां विच ओह इख़तिलाफ़ करदे हन। ते बेशक एह ईमान वालियां लई हिदायत ते रहमत है। बेशक तेरा रब्ब अपणे हुक्म नाल उन्हां दे विचकार फ़ैसला कर देवेगा; ते ओह ज़बरदस्त, सभ कुझ जाणन वाला है। सो अल्लाह उत्ते भरोसा रक्ख: बेशक तूं खुल्हे सच्च उत्ते हैं। तूं मुरदियां नूं नहीं सुणा सकदा, ते ना बोलियां नूं पुकार सुणा सकदा हैं जदों ओह पिट्ठ फेर के चले जाण; ते ना तूं अन्हियां नूं उन्हां दी गुमराही तों कढ्ढ के राह दिखा सकदा हैं। तूं तां बस उन्हां ही नूं सुणा सकदा हैं जो साडियां आयतां उत्ते ईमान लिआउंदे हन, ते इउं फ़रमांबरदार हो चुक्के हन। ते जदों उन्हां उत्ते गल्ल पूरी हो जावेगी, तां असीं उन्हां लई धरती विचों इक्क जानवर कढ्ढांगे, जो उन्हां नाल गल्ल करेगा: कि लोक साडियां आयतां उत्ते यक़ीन नहीं रक्खदे सन। ते जिस दिन असीं हर

उम्मत विचों उन्हां लोकां दा इक्क टोला इकट्ठा करांगे जो साडियां आयतां नूं झुठलाउंदे सन, ते उन्हां नूं सफ़ां विच रोकिया जावेगा— इत्थों तक्क कि जदों ओह आ जाणगे, तां ओह आखेगा, "की तुसीं मेरियां आयतां नूं झुठलाइया हालांकि तुसीं उन्हां नूं अपणे इल्म दे घेरे विच नहीं लिआंदा सी? जां तुसीं होर की करदे रहे सी?" ते उन्हां दे ज़ुलम दे कारन उन्हां उत्ते गल्ल पूरी हो जावेगी, ते ओह बोल ना सकणगे। (76–85)

की उन्हां ने नहीं वेखिया कि असां ने रात बणाई तां जो ओह उस विच अराम करन, ते दिन नूं रौशन बणाइया? बेशक इस विच उन्हां लोकां लई निशानियां हन जो ईमान रक्खदे हन। ते जिस दिन सूर विच फूक मारी जावेगी, तां जो कोई असमानां विच है ते जो कोई धरती विच है सभ घबरा उट्ठणगे, सिवाए उन्हां दे जिन्हां नूं अल्लाह चाहे; ते सभ उस दे हज़ूर आजिज़ी नाल हाज़िर होणगे। ते तूं पहाड़ां नूं वेखेंगा, जिन्हां नूं तूं जमिया होइया समझदा हैं, कि ओह बद्दलां दे चल्लण वांग चल्ल रहे होणगे: एह अल्लाह दी कारीगरी है, जिस ने हर चीज़ नूं मज़बूती नाल बणाइया। बेशक ओह उस तों पूरी तरां बाख़बर है जो तुसीं करदे हो। जो कोई नेकी लै के आवेगा उस लई उस तों बिहतर है, ते अजिहे लोक उस दिन दी घबराहट तों अमन विच होणगे। ते जो कोई बुराई लै के आवेगा—उन्हां नूं मूंह दे भार अग्ग विच सुट्टिया जावेगा: "की तुहानूं उस तों सिवा किसे होर चीज़ दा बदला दित्ता जा रिहा है जो तुसीं करदे सी?" "मैनूं तां बस इही हुक्म दित्ता गिया है कि मैं इस शहिर दे रब्ब दी इबादत करां, जिस ने इस नूं हुरमत वाला बणाइया है, ते जिस दी हर चीज़ है; ते मैनूं हुक्म दित्ता गिया है कि मैं फ़रमांबरदारां विचों होवां, ते एह कि क़ुरआन पढ़ के सुणावां।" सो जो कोई हिदायत पाउंदा है ओह अपणे ही भले लई हिदायत पाउंदा है; ते जो कोई गुमराह हुंदा है, उस नूं आख दे, "मैं तां बस ख़बरदार करन वालियां विचों हां।" ते आख, "सारी तारीफ़ अल्लाह लई है। ओह तुहानूं अपणियां निशानियां दिखावेगा, ते तुसीं उन्हां नूं पछाण लओगे। ते तेरा रब्ब उस तों बेख़बर नहीं जो तुसीं करदे हो।" (86–93)

28. क़िस्सा (अल-क़सस)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

ता सीन मीम। एह खुल्ही किताब दियां आयतां हन। असीं तैनूं, ऐ नबी, मूसा ते फ़िरऔन दे हाल विचों कुझ ठीक-ठीक पढ़ के सुणाउंदे हां, उन्हां लोकां लई जो ईमान रक्खदे हन। बेशक फ़िरऔन ने ज़मीन विच सरकशी कीती ते उस दे रहण वालियां नूं फ़िरक़ियां विच वंड दित्ता, उन्हां विचों इक्क गिरोह नूं उस ने दबा रक्खिया सी, उन्हां दे पुत्तरां नूं ज़िबह करदा सी ते उन्हां दियां औरतां नूं जींदा रहण दिंदा सी। बेशक ओह फ़साद करन वालियां विचों सी। ते असीं चाहुंदे सां कि उन्हां लोकां उत्ते अहिसान करीए जो ज़मीन विच दबा के रक्खे गए सन, ते उन्हां नूं पेशवा बणाईए, ते उन्हां नूं वारिस बणाईए, ते उन्हां नूं ज़मीन विच इक़तिदार देईए, ते फ़िरऔन ते हामान ते उन्हां दे लशकरां नूं, उन्हां ही दे हत्थों, ओही कुझ दिखा देईए जिस तों ओह डरदे सन। (1–6)

ते असां ने मूसा दी मां वल्ल इलहाम कीता: "इस नूं दुद्ध पिला; फिर जदों तैनूं इस बारे डर लग्गे, तां इस नूं दरिया विच पा दे, ते ना डर ते ना ग़म कर: असीं इस नूं तेरे कोल वापस लै आवांगे ते इस नूं रसूलां विचों बणावांगे।" फिर फ़िरऔन दे घर वालियां ने उस नूं चुक्क लिया, तां जो ओह उन्हां लई दुश्मण ते ग़म दा कारन बणे। बेशक फ़िरऔन ते हामान ते उन्हां दे लशकर ख़ताकार सन। ते फ़िरऔन दी पतनी ने आखिया, "एह मेरी ते तेरी अक्खां दी ठंढक है! इस नूं क़तल ना करो; शायद एह सानूं कोई फ़ाइदा देवे, जां असीं इस नूं पुत्तर बणा लईए।" ते उन्हां नूं ख़बर ना सी। ते मूसा दी मां दा दिल हर होर चीज़ तों ख़ाली हो गिया; क़रीब सी कि ओह उस दा भेत खोल्ह दिंदी, जे असीं उस दे दिल नूं मज़बूत ना कर दिंदे, तां जो ओह ईमान वालियां विचों होवे। ते उस ने उस दी भैण नूं आखिया, "इस दे पिच्छे-पिच्छे जा।" सो ओह उस नूं दूरों वेखदी रही, ते उन्हां नूं ख़बर ना होई। ते असां ने पहिलां ही उस उत्ते दुद्ध पिलाउण वालियां नूं हराम कर रक्खिया सी, सो उस ने आखिया, "की मैं तुहानूं अजिहे घर वालियां दा पता दस्सां जो तुहाडे लई इस नूं पालणगे ते इस दी चंगी देख-भाल करनगे?" इस तरां असां ने उस नूं उस दी मां कोल वापस पहुंचा दित्ता, तां जो उस दी अक्ख ठंढी होवे ते ओह ग़म ना करे, ते तां जो ओह जाण लवे कि अल्लाह दा वादा सच्चा है; पर उन्हां विचों बहुते नहीं जाणदे। (7–13)

ते जदों ओह अपणी पूरी जवानी नूं पहुंचिया ते पक्का हो गिया, तां असां ने उस नूं हिकमत ते इल्म दित्ता: ते इसे तरां असीं नेकी करन वालियां नूं बदला दिंदे हां। ते ओह शहिर विच अजिहे वेले दाख़िल होइया जदों उस दे रहण वाले बेख़बर सन, ते उत्थे उस ने दो आदमियां नूं लड़दिआं पाइया, इक्क उस दी अपणी क़ौम विचों सी ते दूजा उस दे दुश्मणां विचों। तां जो उस दी क़ौम विचों सी उस ने उस दे ख़िलाफ़ जो उस दे दुश्मणां विचों सी उस नूं मदद लई पुकारिया, सो मूसा ने उस नूं मुक्का मारिया ते उस दा कम्म तमाम कर दित्ता। उस ने आखिया, "एह शैतान दा कम्म है; बेशक ओह खुल्हा गुमराह करन वाला दुश्मण है।" उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मैं अपणी जान उत्ते ज़ुलम कीता, सो मैनूं बख़्श दे," तां उस ने उस नूं बख़्श दित्ता: बेशक ओही

बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, किउंकि तूं मेरे उत्ते इनाम कीता है, मैं कदे मुजरिमां दा मददगार ना बणांगा।" (14–17)

अगली सवेर ओह शहिर विच सी, डरदा होइया ते चौकन्ना, कि अचानक ओही आदमी जिस ने कल्ह उस तों मदद मंगी सी फिर उस नूं पुकार रिहा सी। मूसा ने उस नूं आखिया, "तूं तां खुल्हा फ़सादी हैं।" पर जदों उस ने उस नूं फड़ना चाहिया जो उन्हां दोहां दा दुश्मण सी, तां उस आदमी ने आखिया, "ऐ मूसा, की तूं मैनूं क़तल करना चाहुंदा हैं जिवें तूं कल्ह इक्क आदमी नूं क़तल कीता सी? तूं तां बस ज़मीन विच ज़ालिम जाबर बणना चाहुंदा हैं; तूं सुधार करन वालियां विचों होणा नहीं चाहुंदा।" ते इक्क आदमी शहिर दे परले सिरे तों दौड़दा होइया आइया ते आखिया, "ऐ मूसा, सरदार तेरे बारे मशवरा कर रहे हन कि तैनूं क़तल कर देण, सो निकल जा: मैं तेरा ख़ैरख़ाह हां।" सो ओह उत्थों निकल पिया, डरदा होइया ते चौकन्ना, एह आखदा होइया, "ऐ मेरे रब्ब, मैनूं ज़ालिम लोकां तों बचा लै।" (18–21)

ते जदों उस ने मदयन वल्ल रुख़ कीता, तां आखिया, "उम्मीद है कि मेरा रब्ब मैनूं सिद्धे राह पा देवेगा।" ते जदों ओह मदयन दे पाणी उत्ते पहुंचिया, तां उस ने उत्थे लोकां दी इक्क भीड़ वेखी जो अपणे जानवरां नूं पाणी पिला रहे सन, ते उन्हां तों वक्ख उस ने दो औरतां वेखियां जो अपणे जानवरां नूं रोकी खड़ियां सन। उस ने आखिया, "तुहाडा दोहां दा की मामला है?" उन्हां ने आखिया, "असीं पाणी नहीं पिला सकदियां जद तक्क चरवाहे अपणे जानवर हटा ना लै जाण, ते साडा पिओ बहुत बुड्ढा है।" सो उस ने उन्हां लई उन्हां दे जानवरां नूं पाणी पिला दित्ता, फिर छां वल्ल हट गिया ते आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, जो वी भलाई तूं मेरे वल्ल उतारें मैं उस दा मुहताज हां।" फिर उन्हां दोहां विचों इक्क शरम नाल चल्लदी होई उस दे कोल आई, ते आखिया, "मेरा पिओ तैनूं बुलाउंदा है, तां जो तैनूं उस दा बदला देवे जो तूं साडे लई पाणी पिलाइया।" फिर जदों ओह उस दे कोल आइया ते उस नूं सारा क़िस्सा सुणाइया, तां उस ने आखिया, "डर ना: तूं ज़ालिम लोकां तों बच निकलिया हैं।" उन्हां दोहां विचों इक्क ने आखिया, "अब्बा जी, इस नूं नौकर रक्ख लओ: सभ तों चंगा आदमी जिस नूं तुसीं नौकर रक्खो ओही है जो ताक़तवर ते अमानतदार होवे।" उस ने आखिया, "मैं चाहुंदा हां कि अपणियां इन्हां दो धीआं विचों इक्क दा निकाह तेरे नाल कर देवां, इस शर्त उत्ते कि तूं अट्ठ साल मेरी नौकरी करें; ते जे तूं दस पूरे कर देवें, तां एह तेरी अपणी मर्ज़ी होवेगी। मैं तेरे उत्ते सख़्ती नहीं करना चाहुंदा; अल्लाह ने चाहिया तां तूं मैनूं नेकां विचों पाएंगा।" उस ने आखिया, "एह मेरे ते तेरे विचकार तै हो गिया: इन्हां दोहां मुद्दतां विचों जो वी मैं पूरी कर देवां, मेरे उत्ते कोई ज़िआदती ना होवे। ते जो कुझ असीं आख रहे हां उस उत्ते अल्लाह गवाह है।" (22–28)

फिर जदों मूसा ने मुद्दत पूरी कर लई ते अपणे घर वालियां नूं लै के चल्लिया, तां उस ने तूर दे पासे इक्क अग्ग वेखी। उस ने अपणे घर वालियां नूं आखिया, "इत्थे ठहिरो: मैं इक्क अग्ग वेखी है। शायद मैं उत्थों तुहाडे लई कोई ख़बर लै आवां, जां अग्ग दा कोई अंगियार, तां जो तुसीं सेक सको।" फिर जदों ओह उस दे कोल पहुंचिया, तां वादी दे सज्जे किनारे तों, उस बरकत वाली थां विच, रुक्ख विचों अवाज़ आई: "ऐ मूसा, एह मैं हां, अल्लाह, सारे जहानां दा रब्ब। अपणी लाठी सुट्ट दे।" पर जदों उस ने उस नूं इउं हिल्लदिआं वेखिया जिवें

ओह सप्प होवे, तां पिट्ठ फेर के भज्जिया ते पिच्छे मुड़ के ना वेखिया। "ऐ मूसा, अग्गे आ ते डर ना: तूं अमन विच हैं। अपणा हत्थ अपणे गिरेबान विच पा: ओह बिनां किसे ऐब दे चिट्टा चमकदा निकलेगा। ते डर तों बचण लई अपणा बाज़ू अपणे नाल भींच लै। सो एह तेरे रब्ब वल्लों फ़िरऔन ते उस दे सरदारां लई दो दलीलां हन: बेशक ओह नाफ़रमान लोक हन।" उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मैं उन्हां दा इक्क आदमी क़तल कीता है, सो मैनूं डर है कि ओह मैनूं क़तल कर देणगे। ते मेरा भरा हारून बोलण विच मेरे तों वध फ़सीह है, सो उस नूं मेरे नाल मददगार बणा के भेज कि ओह मेरी तसदीक़ करे; मैनूं डर है कि ओह मैनूं झुठला देणगे।" उस ने आखिया, "असीं तेरे भरा दे ज़रीए तेरा बाज़ू मज़बूत करांगे, ते तुहानूं दोहां नूं अजिहा ग़लबा दिआंगे कि ओह तुहाडे तक्क ना पहुंच सकणगे। साडियां निशानियां दे नाल, तुसीं दोवें ते जो तुहाडे पिच्छे चल्लण ओही ग़ालिब रहिणगे।" (29–35)

पर जदों मूसा उन्हां कोल साडियां खुल्हियां निशानियां लै के आइया, तां उन्हां ने आखिया, "एह तां बस घड़िया होइया जादू है; ते असां ने एह गल्ल अपणे अगले पिओ-दादियां विच कदे नहीं सुणी।" मूसा ने आखिया, "मेरा रब्ब ख़ूब जाणदा है कि कौण उस दे कोलों हिदायत लै के आइया है, ते आख़िरी घर किस दा होवेगा। बेशक ज़ालिम कामयाब नहीं हुंदे।" ते फ़िरऔन ने आखिया, "ऐ सरदारो, मैं तुहाडे लई अपणे तों सिवा किसे माबूद नूं नहीं जाणदा। सो ऐ हामान, मेरे लई गारे उत्ते अग्ग बाल ते मेरे लई इक्क उच्चा मीनार बणा, तां जो मैं चढ़ के मूसा दे माबूद नूं झाती मारां—हालांकि मैं तां उस नूं झूठियां विचों समझदा हां।" (36–38)

ते उस ने ते उस दे लशकरां ने ज़मीन विच नाहक़ घमंड कीता, ते समझिया कि ओह साडे वल्ल मोड़े ना जाणगे। सो असां ने उस नूं ते उस दे लशकरां नूं फड़ लिया ते उन्हां नूं समुंदर विच सुट्ट दित्ता। सो वेख कि ज़ालिमां दा अंजाम किहो जिहा होइया। ते असां ने उन्हां नूं अजिहे पेशवा बणाइया जो अग्ग वल्ल बुलाउंदे हन, ते क़ियामत दे दिन उन्हां दी मदद ना कीती जावेगी। ते असां ने इस दुनिया विच उन्हां दे पिच्छे लानत ला दित्ती, ते क़ियामत दे दिन ओह धिक्कारे होइयां विचों होणगे। ते असां ने अगलियां नसलां नूं हलाक करन तों बाद मूसा नूं किताब दित्ती, लोकां लई अक्खां खोल्हण वालियां दलीलां, ते हिदायत ते रहमत बणा के, तां जो ओह नसीहत फड़न। (39–43)

ते तूं, ऐ मुहम्मद, पच्छमी पासे मौजूद ना सी जदों असां ने मूसा नूं हुक्म सौंपिया, ते ना तूं गवाहां विचों सी; पर असां ने कई नसलां उठाइयां, ते उन्हां उत्ते लंबा ज़माना गुज़र गिया। ते ना तूं मदयन वालियां विच रहिंदा सी, कि उन्हां नूं साडियां आयतां पढ़ के सुणाउंदा; पर रसूल भेजण वाले असीं ही हां। ते ना तूं तूर दे पासे सी जदों असां ने पुकारिया; पर एह तेरे रब्ब वल्लों रहमत है, तां जो तूं उन्हां लोकां नूं ख़बरदार करें जिन्हां कोल तैथों पहिलां कोई ख़बरदार करन वाला नहीं आइया, तां जो ओह नसीहत फड़न, ते तां जो—जे उन्हां दे अपणे हत्थां दे अग्गे भेजे होए कम्मां दे कारन उन्हां उत्ते कोई मुसीबत आ पवे—तां ओह एह ना आखण, "ऐ साडे रब्ब, तूं साडे वल्ल कोई रसूल क्यों ना भेजिया, कि असीं तेरियां आयतां दे पिच्छे चल्लदे ते ईमान वालियां विचों हुंदे।" फिर जदों उन्हां कोल साडे वल्लों सच्च आ गिया, तां आखण लग्गे, "इस नूं उहो जिही चीज़ क्यों ना दित्ती गई जिही मूसा नूं दित्ती गई सी?" की उन्हां ने उस दा इनकार नहीं कीता जो इस तों पहिलां मूसा नूं

दित्ता गिया सी? उन्हां ने आखिया, "दो जादू हन जो इक्क दूजे दी मदद करदे हन," ते आखिया, "असीं दोहां दा इनकार करदे हां।" आख, "तां अल्लाह दे कोलों कोई अजिही किताब लै आओ जो इन्हां दोहां तों वध हिदायत वाली होवे, मैं उसे दे पिच्छे चल्लांगा, जे तुसीं सच्चे हो।" फिर जे ओह तैनूं जवाब ना देण, तां जाण लै कि ओह बस अपणियां ख़ाहिशां दे पिच्छे चल्लदे हन; ते उस तों वध भटकिया होइया कौण है जो अल्लाह दी हिदायत तों बिनां अपणी ख़ाहिश दे पिच्छे चल्ले? बेशक अल्लाह ज़ालिम लोकां नूं हिदायत नहीं दिंदा। (44–50)

ते असां ने इस कलाम नूं उन्हां तक्क लगातार पहुंचाइया है, तां जो ओह नसीहत फड़न। जिन्हां नूं असां ने इस तों पहिलां किताब दित्ती ओह इस उत्ते ईमान लिआउंदे हन, ते जदों एह उन्हां नूं पढ़ के सुणाइया जांदा है तां आखदे हन, "असीं इस उत्ते ईमान लिआए: बेशक एह साडे रब्ब वल्लों सच्च है। असीं तां इस तों पहिलां ही फ़रमांबरदार सां।" इही हन जिन्हां नूं उन्हां दा बदला दो वारी दित्ता जावेगा, इस लई कि उन्हां ने सब्र कीता, ते ओह बुराई नूं भलाई नाल टालदे हन, ते जो कुझ असां ने उन्हां नूं दित्ता है उस विचों ख़र्च करदे हन; ते जदों ओह बेहूदा गल्ल सुणदे हन तां उस तों मूंह फेर लैंदे हन ते आखदे हन, "साडे लई साडे अमल ते तुहाडे लई तुहाडे अमल। तुहानूं सलाम: असीं जाहिलां नूं नहीं चाहुंदे।" (51–55)

तूं, ऐ नबी, जिस नूं चाहें हिदायत नहीं दे सकदा; पर अल्लाह जिस नूं चाहुंदा है हिदायत दिंदा है, ते ओह हिदायत पाउण वालियां नूं ख़ूब जाणदा है। ते ओह आखदे हन, "जे असीं तेरे नाल इस हिदायत दे पिच्छे चल्लीए, तां असीं अपणी ज़मीन तों उचक लए जावांगे।" की असां ने उन्हां नूं अमन वाले हरम विच थां नहीं दित्ती, जिस वल्ल हर क़िसम दे फल खिच्चे चले आउंदे हन, साडे वल्लों रोज़ी दे तौर ते? पर उन्हां विचों बहुते नहीं जाणदे। ते असां ने किन्नियां ही बस्तियां हलाक कर दित्तियां जो अपणी गुज़रान उत्ते इतराउंदियां सन! सो एह हन उन्हां दे घर, जो उन्हां तों बाद आबाद ही ना होए पर बहुत थोड़े; ते आख़िर असीं ही वारिस होए। ते तेरा रब्ब बस्तियां नूं हलाक करन वाला ना सी जद तक्क उन्हां दी केंदरी बस्ती विच कोई रसूल ना भेज लवे जो उन्हां नूं साडियां आयतां पढ़ के सुणाए; ते ना असीं बस्तियां नूं हलाक करन वाले सां सिवाए इस दे कि उन्हां दे रहण वाले ज़ालिम होण। ते जो कुझ वी तुहानूं दित्ता गिया है ओह बस दुनिया दी ज़िंदगी दा सामान ते उस दी ज़ीनत है; ते जो अल्लाह दे कोल है ओह बिहतर ते वध बाक़ी रहण वाला है। तां की तुसीं अक़ल तों कम्म नहीं लैंदे? (56–60)

भला ओह जिस नाल असां ने चंगा वादा कीता है, जिस नूं ओह पूरा हुंदा वेखेगा, की उस वरगा हो सकदा है जिस नूं असां ने इस दुनिया दी ज़िंदगी दा सामान दित्ता, फिर ओह क़ियामत दे दिन उन्हां विचों होवेगा जो हाज़िर कीते जाणगे? ते जिस दिन ओह उन्हां नूं पुकारेगा ते आखेगा, "कित्थे हन मेरे ओह शरीक जिन्हां दा तुसीं दावा करदे सी?" तां ओह जिन्हां उत्ते गल्ल पूरी हो चुक्की होवेगी आखणगे, "ऐ साडे रब्ब, इही हन ओह जिन्हां नूं असां ने गुमराह कीता; असां ने इन्हां नूं उसे तरां गुमराह कीता जिवें असीं आप गुमराह सां। असीं तेरे हज़ूर इन्हां तों बरी हुंदे हां: एह साडी इबादत नहीं करदे सन।" ते आखिया जावेगा, "अपणे शरीकां नूं पुकारो!" तां ओह उन्हां नूं पुकारनगे, पर ओह उन्हां नूं जवाब ना देणगे; ते ओह अज़ाब वेख लैणगे—काश

ओह हिदायत पा लैंदे! ते जिस दिन ओह उन्हां नूं पुकारेगा ते आखेगा, "तुसीं रसूलां नूं की जवाब दित्ता सी?" तां उस दिन उन्हां उत्ते सारियां ख़बरां हनेरियां हो जाणगियां, ते ओह इक्क दूजे तों पुच्छ वी ना सकणगे। पर जिस ने तौबा कीती ते ईमान लिआंदा ते नेक कम्म कीते, तां उम्मीद है कि ओह कामयाब होण वालियां विचों होवेगा। ते तेरा रब्ब जो चाहुंदा है पैदा करदा है, ते चुणदा है: चुणना उन्हां दे इख़तियार विच नहीं। अल्लाह पाक है, ते उस तों बहुत उच्चा है जो एह शरीक ठहराउंदे हन! ते तेरा रब्ब जाणदा है जो कुझ उन्हां दे सीने छुपाउंदे हन ते जो कुझ ओह ज़ाहिर करदे हन। ते ओही अल्लाह है: उस तों सिवा कोई माबूद नहीं। दुनिया ते आख़िरत विच उसे दी तारीफ़ है; फ़ैसला उसे दा है, ते उसे वल्ल तुसीं मोड़े जाओगे। (61–70)

आख, ऐ नबी, "की तुसीं ग़ौर कीता: जे अल्लाह क़ियामत दे दिन तक्क तुहाडे उत्ते सदा दी रात कर देवे, तां अल्लाह तों सिवा कौण माबूद है जो तुहाडे कोल रौशनी लै आवे? तां की तुसीं सुणदे नहीं?" आख, "की तुसीं ग़ौर कीता: जे अल्लाह क़ियामत दे दिन तक्क तुहाडे उत्ते सदा दा दिन कर देवे, तां अल्लाह तों सिवा कौण माबूद है जो तुहाडे कोल रात लै आवे जिस विच तुसीं अराम करो? तां की तुसीं वेखदे नहीं?" ते एह उस दी रहमत ही है कि उस ने तुहाडे लई रात ते दिन बणाए, तां जो तुसीं इक्क विच अराम करो ते दूजे विच उस दा फ़ज़ल तलाश करो, ते तां जो तुसीं शुकर करो। ते जिस दिन ओह उन्हां नूं पुकारेगा ते आखेगा, "कित्थे हन मेरे ओह शरीक जिन्हां दा तुसीं दावा करदे सी?" ते असीं हर उम्मत विचों इक्क गवाह कढ्ढ लिआवांगे, ते आखांगे, "अपणी दलील लिआओ," तां ओह जाण लैणगे कि सच्च अल्लाह ही दा है, ते जो कुझ ओह घड़दे सन सभ उन्हां तों गुंम हो जावेगा। (71–75)

बेशक क़ारून मूसा दी क़ौम विचों सी, पर उस ने उन्हां उत्ते ज़िआदती कीती। ते असां ने उस नूं इन्ने ख़ज़ाने दित्ते सन कि उन्हां दियां कुंजियां ताक़तवर आदमियां दी इक्क जमाअत नूं वी भारी पैंदियां। उस दी क़ौम ने उस नूं आखिया, "इतरा ना: अल्लाह इतराउण वालियां नूं पसंद नहीं करदा। ते जो कुझ अल्लाह ने तैनूं दित्ता है उस दे ज़रीए आख़िरत दा घर तलाश कर; पर दुनिया विचों अपणा हिस्सा ना भुल्ल। ते भलाई कर, जिवें अल्लाह ने तेरे नाल भलाई कीती है, ते ज़मीन विच फ़साद ना चाह: अल्लाह फ़साद करन वालियां नूं पसंद नहीं करदा।" उस ने आखिया, "एह सभ कुझ तां मैनूं उस इल्म दे कारन दित्ता गिया है जो मेरे कोल है।" की उस नूं पता ना सी कि अल्लाह उस तों पहिलां अजिहियां नसलां नूं हलाक कर चुक्का है जो उस तों ताक़त विच वध ते माल इकट्ठा करन विच ज़िआदा सन? ते मुजरिमां तों उन्हां दे गुनाहां बारे पुच्छिया नहीं जांदा। फिर ओह अपणी क़ौम दे साहमणे अपणी पूरी शान-शौकत विच निकलिया। जो लोक दुनिया दी ज़िंदगी दे चाहवान सन उन्हां ने आखिया, "काश साडे कोल वी उहो जिहा हुंदा जो क़ारून नूं दित्ता गिया है! बेशक ओह बड़े नसीब वाला है।" पर जिन्हां नूं इल्म दित्ता गिया सी उन्हां ने आखिया, "अफ़सोस तुहाडे उत्ते! अल्लाह दा बदला उस लई बिहतर है जो ईमान लिआवे ते नेक कम्म करे—ते एह सब्र करन वालियां तों सिवा किसे नूं नहीं मिलदा।" फिर असां ने उस नूं ते उस दे घर नूं ज़मीन विच धसा दित्ता। सो उस दा कोई जत्था ना सी जो अल्लाह दे मुक़ाबले विच उस दी मदद करदा, ते ना ओह आप अपणा बचाअ कर सकण वालियां विचों सी। ते ओही लोक जो कल्ह तक्क उस दी थां होण दी तमन्ना करदे सन आखण लग्गे, "ओहो! अल्लाह ही

अपणे बंदियां विचों जिस लई चाहुंदा है रोज़ी खुल्ही कर दिंदा है, ते नाप के दिंदा है। जे अल्लाह ने साडे उत्ते अहिसान ना कीता हुंदा, तां सानूं वी धसा दिंदा। ओहो! सच्च दे इनकारी कामयाब नहीं हुंदे।" (76–82)

ओह आख़िरत दा घर असीं उन्हां लोकां नूं दिंदे हां जो ज़मीन विच ना वडिआई चाहुंदे हन, ना फ़साद। ते अंजाम अल्लाह तों सुचेत रहण वालियां ही दा है। जो कोई नेकी लै के आवेगा उस लई उस तों बिहतर है; ते जो कोई बुराई लै के आवेगा—तां बुराइयां करन वालियां नूं उसे दा बदला मिलेगा जो ओह करदे सन। बेशक जिस ने तेरे उत्ते क़ुरआन फ़र्ज़ कीता है ओह तैनूं ज़रूर वापसी दी थां वल्ल लै आवेगा। आख, "मेरा रब्ब ख़ूब जाणदा है कि कौण हिदायत लै के आइया है, ते कौण खुल्ही गुमराही विच है।" ते तैनूं उम्मीद ना सी कि तेरे वल्ल किताब भेजी जावेगी; एह तां बस तेरे रब्ब दी रहमत है। सो तूं कदे सच्च दे इनकारियां दा मददगार ना बणीं, ते ओह तैनूं अल्लाह दियां आयतां तों कदे ना रोकण जदों कि ओह तेरे वल्ल उतारियां जा चुक्कियां हन। ते अपणे रब्ब वल्ल बुला, ते शरीक ठहराउण वालियां विचों ना हो। ते अल्लाह दे नाल किसे होर माबूद नूं ना पुकार: उस तों सिवा कोई माबूद नहीं। हर चीज़ हलाक होण वाली है सिवाए उस दे चिहरे दे। फ़ैसला उसे दा है, ते उसे वल्ल तुसीं मोड़े जाओगे। (83–88)

29. मकड़ी (अल-अनकबूत)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

अलिफ़ लाम मीम। की लोक समझदे हन कि ओह बस इन्ना आखण उत्ते छड्ड दित्ते जाणगे, "असीं ईमान लिआए," ते उन्हां नूं आज़माइया ना जावेगा? ते असां ने उन्हां नूं वी आज़माइया जो उन्हां तों पहिलां सन: सो अल्लाह ज़रूर ज़ाहिर करके रहेगा कि कौण सच्चे हन, ते ज़रूर ज़ाहिर करके रहेगा कि कौण झूठे हन। जां की बुराइयां करन वाले समझदे हन कि ओह साडे तों अग्गे निकल जाणगे? किन्ना बुरा फ़ैसला है जो ओह करदे हन! जो कोई अल्लाह दी मुलाक़ात दी उम्मीद रक्खदा है—तां अल्लाह दा मुक़र्रर कीता होइया वक़्त ज़रूर आउण वाला है; ते ओही सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। ते जो कोई कोशिश करदा है, ओह अपणे ही भले लई कोशिश करदा है: बेशक अल्लाह सारे जहानां तों बेनियाज़ है। ते जो लोक ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते, असीं ज़रूर उन्हां दियां बुराइयां उन्हां तों दूर कर दिआंगे, ते उन्हां नूं उन्हां दे सभ तों चंगे कम्मां दे मुताबिक़ बदला दिआंगे। ते असां ने इनसान नूं अपणे मां-पिओ नाल नेक सलूक करन दी ताकीद कीती है; पर जे ओह तेरे उत्ते ज़ोर पाउण कि तूं मेरे नाल किसे अजिही चीज़ नूं शरीक ठहराएं जिस दा तैनूं कोई इल्म नहीं, तां उन्हां दा आखा ना मन्न। मेरे ही वल्ल तुहाडी वापसी है, फिर मैं तुहानूं दस्स दिआंगा जो कुझ तुसीं करदे सी। ते जो लोक ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते—असीं उन्हां नूं ज़रूर नेकां विच दाख़िल करांगे। (1–9)

ते लोकां विचों कुझ अजिहे हन जो आखदे हन, "असीं अल्लाह उत्ते ईमान लिआए," पर जदों उन्हां नूं अल्लाह दे राह विच तकलीफ़ पहुंचदी है तां लोकां दी सताई होई आज़माइश नूं अल्लाह दे अज़ाब वरगा समझ लैंदे हन; ते जे तेरे रब्ब वल्लों मदद आ जावे तां ज़रूर आखणगे, "असीं तां तुहाडे नाल ही सां।" की अल्लाह ख़ूब नहीं जाणदा जो कुझ सारे जहान वालियां दे सीनियां विच है? ते अल्लाह ज़रूर ज़ाहिर करके रहेगा कि कौण ईमान लिआए, ते ज़रूर ज़ाहिर करके रहेगा कि कौण मुनाफ़िक़ हन। ते सच्च दे इनकारी ईमान वालियां नूं आखदे हन, "साडे राह उत्ते चल्लो, ते तुहाडे गुनाह असीं चुक्क लवांगे।" हालांकि ओह उन्हां दे गुनाहां विचों कुझ वी चुक्कण वाले नहीं: बेशक ओह झूठे हन। ते ओह ज़रूर अपणे बोझ चुक्कणगे, ते अपणे बोझां दे नाल होर बोझ वी; ते क़ियामत दे दिन उन्हां तों ज़रूर उस बारे पुच्छिया जावेगा जो ओह घड़दे सन। (10–13)

ते असां ने नूह नूं उस दी क़ौम वल्ल भेजिया, तां ओह उन्हां विच पंजाह घट्ट हज़ार साल रिहा; फिर तूफ़ान ने उन्हां नूं आ फड़िया जदों कि ओह ज़ुलम उत्ते अड़े होए सन। पर असां ने उस नूं ते किश्ती वालियां नूं बचा लिया, ते असां ने उस नूं सारे जहानां लई इक्क निशानी बणा दित्ता। (14–15)

ते इबराहीम नूं वी, जदों उस ने अपणी क़ौम नूं आखिया, "अल्लाह दी इबादत करो ते उस तों सुचेत रहो। एह तुहाडे लई बिहतर है, जे तुसीं जाणो। तुसीं तां अल्लाह नूं छड्ड के निरे बुत्तां दी इबादत करदे हो, ते इक्क झूठ घड़दे हो। जिन्हां दी तुसीं अल्लाह नूं छड्ड के इबादत करदे हो ओह तुहानूं रोज़ी देण दा कोई इख़तियार नहीं

रक्खदे; सो रोज़ी अल्लाह ही दे कोलों मंगो, ते उसे दी इबादत करो, ते उसे दा शुकर करो: उसे वल्ल तुसीं मोड़े जाओगे। ते जे तुसीं झुठलाउंदे हो, तां तुहाथों पहिलां वी कई उम्मतां झुठला चुक्कियां हन; ते रसूल दे ज़िंमे तां बस साफ़-साफ़ पहुंचा देणा है।" (16–18)

की उन्हां ने नहीं वेखिया कि अल्लाह किवें मख़लूक़ नूं पहिली वारी पैदा करदा है, फिर उस नूं दुबारा बणाउंदा है? बेशक एह अल्लाह लई सौखा है। आख, "ज़मीन विच चल्लो-फिरो ते वेखो कि उस ने किवें मख़लूक़ नूं पहिली वारी पैदा कीता; फिर अल्लाह ही पिछली उठाण उठावेगा। बेशक अल्लाह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। ओह जिस नूं चाहुंदा है अज़ाब दिंदा है ते जिस उत्ते चाहुंदा है रहम करदा है; ते उसे वल्ल तुसीं पलटाए जाओगे। ते तुसीं ना धरती विच उस तों बच के निकल सकदे हो ना असमान विच, ते अल्लाह तों सिवा तुहाडा ना कोई कारसाज़ है ना मददगार।" ते जो लोक अल्लाह दियां आयतां दा ते उस दी मुलाक़ात दा इनकार करदे हन—ओही मेरी रहमत तों ना-उम्मीद हो चुक्के हन, ते उन्हां ही लई दर्दनाक अज़ाब है। (19–23)

पर उस दी क़ौम दा जवाब इस तों सिवा कुझ ना सी कि उन्हां ने आखिया, "इस नूं क़तल कर देओ, जां इस नूं साड़ देओ!" पर अल्लाह ने उस नूं अग्ग तों बचा लिया। बेशक इस विच उन्हां लोकां लई निशानियां हन जो ईमान रक्खदे हन। ते उस ने आखिया, "तुसीं अल्लाह नूं छड्ड के बुत्त बस दुनिया दी ज़िंदगी विच आपस दी मुहब्बत दे कारन बणा रक्खे हन; पर क़ियामत दे दिन तुसीं इक्क दूजे दा इनकार करोगे ते इक्क दूजे उत्ते लानत भेजोगे, ते तुहाडा ठिकाणा अग्ग होवेगी, ते तुहाडा कोई मददगार ना होवेगा।" तां लूत ने उस दी गल्ल मन्नी, ते उस ने आखिया, "मैं अपणे रब्ब वल्ल हिजरत करदा हां: बेशक ओही ज़बरदस्त, हिकमत वाला है।" ते असां ने उस नूं इसहाक़ ते याक़ूब दित्ते, ते उस दी औलाद विच नुबुव्वत ते किताब रक्ख दित्ती; ते असां ने उस नूं उस दा बदला दुनिया विच वी दित्ता, ते आख़िरत विच ओह यक़ीनन नेकां विचों होवेगा। (24–27)

ते लूत नूं वी, जदों उस ने अपणी क़ौम नूं आखिया, "तुसीं अजिही बेहयाई करदे हो जो तुहाथों पहिलां सारे जहानां विच किसे ने नहीं कीती। की तुसीं मरदां कोल जांदे हो, ते राह मारदे हो, ते अपणियां मजलिसां विच बुरा कम्म करदे हो?" पर उस दी क़ौम दा जवाब इस तों सिवा कुझ ना सी कि उन्हां ने आखिया, "साडे उत्ते अल्लाह दा अज़ाब लै आ, जे तूं सच्चा हैं।" उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, फ़साद फैलाउण वाले लोकां दे मुक़ाबले विच मेरी मदद कर।" ते जदों साडे भेजे होए इबराहीम कोल ख़ुशख़बरी लै के आए, तां उन्हां ने आखिया, "असीं उस बस्ती दे लोकां नूं हलाक करन वाले हां: बेशक उस दे लोक ज़ालिम हन।" उस ने आखिया, "पर उस विच तां लूत है।" उन्हां ने आखिया, "असीं ख़ूब जाणदे हां कि उस विच कौण है। असीं उस नूं ते उस दे घर वालियां नूं ज़रूर बचा लवांगे, सिवाए उस दी पतनी दे: ओह पिच्छे रह जाण वालियां विचों होवेगी।" ते जदों साडे भेजे होए लूत कोल आए, तां ओह उन्हां दे कारन परेशान होइया ते उन्हां नूं बचाउण तों अपणे आप नूं बेवस पाइया। उन्हां ने आखिया, "ना डर, ते ना ग़म कर: असीं तैनूं ते तेरे घर वालियां नूं बचा लवांगे, सिवाए तेरी पतनी दे; ओह पिच्छे रह जाण वालियां विचों होवेगी। असीं इस बस्ती दे

लोकां उत्ते असमान तों इक्क आफ़त उतारन वाले हां, उन्हां दी नाफ़रमानी दे कारन।" ते असां ने उस विचों इक्क खुल्ही निशानी छड्ड दित्ती है उन्हां लोकां लई जो अक़ल तों कम्म लैंदे हन। (28–35)

ते मदयन वल्ल असां ने उन्हां दे भरा शुऐब नूं भेजिया। उस ने आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, अल्लाह दी इबादत करो, ते आख़िरी दिन दी उम्मीद रक्खो, ते ज़मीन विच फ़साद फैलाउंदे ना फिरो।" पर उन्हां ने उस नूं झुठला दित्ता, सो भुचाल ने उन्हां नूं आ फड़िया, ते सवेर होई तां ओह अपणे घरां विच मूधे पए सन। ते आद ते समूद नूं वी—ते एह तुहाडे उत्ते उन्हां दे घरां तों ज़ाहिर है। शैतान ने उन्हां दे अमल उन्हां लई सोहणे बणा दित्ते ते उन्हां नूं राह तों रोक दित्ता, हालांकि ओह सूझ-बूझ वाले सन। ते क़ारून, फ़िरऔन ते हामान नूं वी: मूसा उन्हां कोल खुल्हियां निशानियां लै के आइया, पर उन्हां ने ज़मीन विच घमंड कीता, फिर वी ओह साडे तों अग्गे ना निकल सके। सो उन्हां विचों हर इक्क नूं असां ने उस दे गुनाह उत्ते फड़िया: किसे उत्ते असां ने पत्थरां दी हनेरी भेजी; किसे नूं कड़क ने आ फड़िया; किसे नूं असां ने ज़मीन विच धसा दित्ता; ते किसे नूं असां ने डोब दित्ता। ते अल्लाह अजिहा ना सी कि उन्हां उत्ते ज़ुलम करदा; बल्कि ओह आप ही अपणे उत्ते ज़ुलम करदे सन। जिन्हां लोकां ने अल्लाह तों सिवा होर कारसाज़ बणा लए हन उन्हां दी मिसाल मकड़ी वरगी है जो अपणे लई इक्क घर बणाउंदी है—ते सभ घरां तों कमज़ोर घर मकड़ी दा घर है, काश ओह जाणदे। बेशक अल्लाह जाणदा है जिस किसे चीज़ नूं वी ओह उस तों सिवा पुकारदे हन। ते ओही ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। ते एह मिसालां असीं लोकां लई बिआन करदे हां, पर इन्हां नूं इल्म वाले ही समझदे हन। अल्लाह ने असमानां ते धरती नूं हक़ दे नाल पैदा कीता। बेशक इस विच ईमान वालियां लई इक्क निशानी है। (36–44)

ऐ नबी, जो किताब तेरे वल्ल वह्य कीती गई है उस नूं पढ़ के सुणा, ते नमाज़ क़ायम कर: बेशक नमाज़ बेहयाई ते बुराई तों रोकदी है। ते अल्लाह दी याद तां इस तों वी वड्डी चीज़ है; ते अल्लाह जाणदा है जो कुझ तुसीं करदे हो। ते किताब वालियां नाल बहिस ना करो पर सभ तों चंगे तरीक़े नाल—सिवाए उन्हां दे जो उन्हां विचों ज़ुलम करन—ते आखो, "असीं उस उत्ते ईमान लिआए जो साडे वल्ल उतारिया गिया ते जो तुहाडे वल्ल उतारिया गिया; ते साडा माबूद ते तुहाडा माबूद इक्को है, ते असीं उसे दे फ़रमांबरदार हां।" ते इसे तरां असां ने तेरे वल्ल किताब उतारी है। सो जिन्हां नूं असां ने किताब दित्ती ओह इस उत्ते ईमान लिआउंदे हन, ते इन्हां लोकां विचों वी कुझ अजिहे हन जो इस उत्ते ईमान लिआउंदे हन; ते साडियां आयतां दा इनकार सच्च दे इनकारियां तों सिवा कोई नहीं करदा। (45–47)

ते तूं इस तों पहिलां ना कोई किताब पढ़दा सी, ते ना अपणे सज्जे हत्थ नाल कोई लिखदा सी; नहीं तां बातिल दे पिच्छे चल्लण वालियां नूं शक्क करन दा मौक़ा मिल जांदा। नहीं—बल्कि एह खुल्हियां आयतां हन उन्हां लोकां दे सीनियां विच जिन्हां नूं इल्म दित्ता गिया है; ते साडियां आयतां दा इनकार ज़ालिमां तों सिवा कोई नहीं करदा। ते ओह आखदे हन, "इस उत्ते इस दे रब्ब वल्लों निशानियां क्यों ना उतारियां गईयां?" आख, "निशानियां तां बस अल्लाह ही दे कोल हन, ते मैं तां बस खुल्हा ख़बरदार करन वाला हां।" की उन्हां लई एह काफ़ी नहीं कि असां ने तेरे उत्ते किताब उतारी, जो उन्हां नूं पढ़ के सुणाई जांदी है? बेशक इस विच उन्हां

लोकां लई रहमत ते नसीहत है जो ईमान रक्खदे हन। आख, "मेरे ते तुहाडे विचकार गवाह दे तौर ते अल्लाह काफ़ी है: ओह जाणदा है जो कुझ असमानां ते धरती विच है। ते जो लोक बातिल उत्ते ईमान लिआउंदे हन ते अल्लाह दा इनकार करदे हन—ओही घाटा खाण वाले हन।" (48–52)

ते ओह तैथों अज़ाब लई जलदी मचाउंदे हन। जे इक्क वक़्त मुक़र्रर ना हुंदा, तां उन्हां उत्ते अज़ाब आ चुक्का हुंदा; ते ओह उन्हां उत्ते ज़रूर अचानक आवेगा, जदों उन्हां नूं ख़बर वी ना होवेगी। ओह तैथों अज़ाब लई जलदी मचाउंदे हन—हालांकि जहन्नम सच्च दे इनकारियां नूं ज़रूर घेर लैण वाली है, जिस दिन अज़ाब उन्हां नूं उन्हां दे उत्तों ते उन्हां दे पैरां दे हेठों ढक लवेगा, ते ओह आखेगा, "चक्खो उस दा मज़ा जो तुसीं करदे सी!" (53–55)

ऐ मेरे ईमान वाले बंदियो, मेरी ज़मीन खुल्ही है: सो मेरी ही इबादत करो। हर जान ने मौत दा मज़ा चक्खणा है; फिर साडे ही वल्ल तुसीं मोड़े जाओगे। ते जो लोक ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते—असीं उन्हां नूं ज़रूर जन्नत दे उच्चे महिलां विच थां दिआंगे, जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, जित्थे ओह सदा रहिणगे। किन्ना चंगा बदला है अमल करन वालियां दा, जिन्हां ने सब्र कीता ते जो अपणे रब्ब उत्ते भरोसा रक्खदे हन! ते किन्ने ही जानदार हन जो अपणी रोज़ी चुक्की नहीं फिरदे! अल्लाह ही उन्हां नूं रोज़ी दिंदा है ते तुहानूं वी। ते ओही सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। ते जे तूं उन्हां तों पुच्छें कि असमानां ते धरती नूं किस ने पैदा कीता ते सूरज ते चंन नूं किस ने कम्म विच लाइया, तां ओह ज़रूर आखणगे, "अल्लाह ने।" फिर ओह किधर फेरे जा रहे हन? अल्लाह अपणे बंदियां विचों जिस लई चाहुंदा है रोज़ी खुल्ही कर दिंदा है, ते उस लई नाप के दिंदा है: बेशक अल्लाह हर चीज़ दा इल्म रक्खदा है। ते जे तूं उन्हां तों पुच्छें कि असमान तों पाणी किस ने उतारिया ते उस दे ज़रीए धरती नूं उस दी मौत तों बाद ज़िंदा कीता, तां ओह ज़रूर आखणगे, "अल्लाह ने।" आख, "सारी तारीफ़ अल्लाह लई है!" पर उन्हां विचों बहुते अक़ल तों कम्म नहीं लैंदे। (56–63)

ते एह दुनिया दी ज़िंदगी तां बस दिल-परचावा ते खेड है; ते आख़िरत दा घर—असल ज़िंदगी तां ओही है, काश ओह जाणदे। फिर जदों ओह किश्ती विच सवार हुंदे हन तां अल्लाह नूं पुकारदे हन, अपणे दीन नूं उसे लई ख़ालिस करके; पर जिउं ही ओह उन्हां नूं बचा के ख़ुशकी उत्ते लै आउंदा है, तां ओह शरीक ठहराउण लग्ग पैंदे हन, तां जो जो कुझ असां ने उन्हां नूं दित्ता है उस दी नाशुकरी करन, ते कुझ देर मज़े उडा लैण। पर छेती ही ओह जाण लैणगे। की उन्हां ने नहीं वेखिया कि असां ने इक्क अमन वाला हरम बणाइया है, जदों कि उन्हां दे आसे-पासे लोक उचक लए जांदे हन? तां की ओह बातिल उत्ते ईमान लिआउंदे हन ते अल्लाह दी नेमत दा इनकार करदे हन? ते उस तों वड्डा ज़ालिम कौण है जो अल्लाह उत्ते झूठ घड़े, जां सच्च नूं झुठलाए जदों ओह उस दे कोल आ जावे? की जहन्नम विच सच्च दे इनकारियां दा ठिकाणा नहीं? ते जो लोक साडी ख़ातिर कोशिश करदे हन—असीं उन्हां नूं ज़रूर अपणे राह दिखावांगे। ते बेशक अल्लाह नेकी करन वालियां दे नाल है। (64–69)

30. रूमी (अर-रूम)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

अलिफ़ लाम मीम। रूमी नेड़े दी ज़मीन विच हार गए हन; पर ओह अपणी इस हार तों बाद कुझ ही सालां विच ग़ालिब आ जाणगे। फ़ैसला अल्लाह ही दा है, पहिलां वी ते पिच्छों वी; ते उस दिन ईमान वाले अल्लाह दी मदद नाल ख़ुश होणगे। ओह जिस दी चाहुंदा है मदद करदा है; ते ओही ज़बरदस्त, सदा रहम करन वाला है। एह अल्लाह दा वादा है: अल्लाह अपणे वादे दे ख़िलाफ़ नहीं करदा, पर बहुते लोक नहीं जाणदे। ओह बस दुनिया दी ज़िंदगी दे ज़ाहिरी पहिलू नूं जाणदे हन, ते आख़िरत तों ओह ग़ाफ़िल हन। की उन्हां ने अपणे दिलां विच ग़ौर नहीं कीता? अल्लाह ने असमानां ते धरती नूं ते जो कुझ उन्हां दे विचकार है पैदा नहीं कीता पर हक़ दे नाल ते इक्क मुक़र्रर मुद्दत लई; फिर वी बहुत सारे लोक अपणे रब्ब दी मुलाक़ात दा इनकार करदे हन। (1–8)

की ओह ज़मीन विच चल्ले-फिरे नहीं कि वेखदे उन्हां तों पहिलां वालियां दा अंजाम किहो जिहा होइया? ओह इन्हां तों ताक़त विच वध सन, ते उन्हां ने ज़मीन नूं वाहिया ते उस नूं उस तों वध आबाद कीता जिन्ना इन्हां ने आबाद कीता है; ते उन्हां कोल उन्हां दे रसूल खुल्हियां निशानियां लै के आए। सो अल्लाह अजिहा ना सी कि उन्हां उत्ते ज़ुलम करदा; बल्कि ओह आप ही अपणे उत्ते ज़ुलम करदे सन। फिर बुराई करन वालियां दा अंजाम बुरा ही होइया, इस लई कि उन्हां ने अल्लाह दियां आयतां नूं झुठलाइया ते उन्हां दा मख़ौल उडाउंदे रहे। अल्लाह मख़लूक़ नूं पहिली वारी पैदा करदा है, फिर ओही उस नूं दुबारा बणावेगा; फिर उसे वल्ल तुसीं मोड़े जाओगे। (9–11)

ते जिस दिन ओह घड़ी क़ायम होवेगी, मुजरिम ना-उम्मीदी नाल गुंम-सुंम रह जाणगे, ते उन्हां दे ठहराए होए शरीकां विचों कोई उन्हां दा सिफ़ारिशी ना होवेगा; ते ओह अपणे शरीकां दा इनकार कर देणगे। ते जिस दिन ओह घड़ी क़ायम होवेगी—उस दिन लोक वक्खो-वक्ख हो जाणगे: सो जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते ओह इक्क बाग़ विच ख़ुश कीते जाणगे; ते जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता ते साडियां आयतां नूं ते आख़िरत दी मुलाक़ात नूं झुठलाइया—ओह अज़ाब विच हाज़िर कीते जाणगे। (12–16)

सो अल्लाह दी तसबीह करो जदों तुहानूं शाम पवे ते जदों तुहाडी सवेर होवे—ते असमानां ते धरती विच उसे दी तारीफ़ है—ते पिछले पहिर वी ते जदों तुहानूं दुपहिर होवे। ओह ज़िंदा नूं मुरदा विचों कढ्ढदा है ते मुरदा नूं ज़िंदा विचों कढ्ढदा है, ते धरती नूं उस दी मौत तों बाद ज़िंदगी दिंदा है: ते इसे तरां तुसीं वी कढ्ढे जाओगे। ते उस दियां निशानियां विचों है कि उस ने तुहानूं मिट्टी तों पैदा कीता; फिर अचानक तुसीं इनसान हो जो दूर-दूर तक्क फैल रहे हो। ते उस दियां निशानियां विचों है कि उस ने तुहाडे लई तुहाडी ही जिनस विचों जोड़े पैदा कीते, तां जो तुसीं उन्हां कोल सकून पाओ, ते उस ने तुहाडे विचकार मुहब्बत ते रहमत रक्ख दित्ती। बेशक इस विच उन्हां लोकां लई निशानियां हन जो सोच-विचार करदे हन। ते उस दियां निशानियां विचों है

असमानां ते धरती दी पैदाइश, ते तुहाडियां बोलियां ते तुहाडे रंगां दा वक्खो-वक्ख होणा। बेशक इस विच इल्म वालियां लई निशानियां हन। ते उस दियां निशानियां विचों है रात ते दिन विच तुहाडा सौणा, ते तुहाडा उस दा फ़ज़ल तलाश करना। बेशक इस विच उन्हां लोकां लई निशानियां हन जो सुणदे हन। ते उस दियां निशानियां विचों है कि ओह तुहानूं बिजली दिखाउंदा है, डर ते उम्मीद दोहां लई, ते असमान तों पाणी उतारदा है, फिर उस दे ज़रीए धरती नूं उस दी मौत तों बाद ज़िंदगी दिंदा है। बेशक इस विच उन्हां लोकां लई निशानियां हन जो अक़ल तों कम्म लैंदे हन। (17–24)

ते उस दियां निशानियां विचों है कि असमान ते धरती उस दे हुक्म नाल क़ायम हन।[37] (25)

फिर जदों ओह तुहानूं ज़मीन विचों इक्को वारी पुकारेगा, तां अचानक तुसीं निकल आओगे। ते जो कोई असमानां ते धरती विच है उसे दा है: सभ उसे दे फ़रमांबरदार हन। ते ओही है जो मख़लूक़ नूं पहिली वारी पैदा करदा है फिर उस नूं दुबारा बणावेगा—ते एह उस लई होर वी सौखा है। ते असमानां ते धरती विच उस दी शान सभ मिसालां तों उच्ची है; ते ओही ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। (26–27)

ओह तुहाडे लई तुहाडे अपणे ही विचों इक्क मिसाल बिआन करदा है: की तुहाडे ग़ुलामां विचों कोई उस माल विच तुहाडा शरीक है जो असां ने तुहानूं दित्ता है, कि तुसीं उस विच बराबर होवो, ते तुसीं उन्हां तों इउं डरो जिवें आपस विच इक्क दूजे तों डरदे हो? इस तरां असीं उन्हां लोकां लई आयतां खोल्ह के बिआन करदे हां जो अक़ल तों कम्म लैंदे हन। नहीं—बल्कि ज़ालिम इल्म तों बिनां अपणियां ख़ाहिशां दे पिच्छे चल्ल पए हन। तां उस नूं कौण हिदायत दे सकदा है जिस नूं अल्लाह ने भटकण दित्ता होवे? ते उन्हां दा कोई मददगार ना होवेगा। सो तूं इक्क पासे दा हो के अपणा रुख़ दीन वल्ल सिद्धा रक्ख: एह अल्लाह दी ओह फ़ितरत है जिस उत्ते उस ने इनसानां नूं पैदा कीता—अल्लाह दी बणावट विच कोई तबदीली नहीं। इही सिद्धा दीन है, पर बहुते लोक नहीं जाणदे। उसे वल्ल तौबा दे नाल रुजू करदे रहो, ते उस तों सुचेत रहो, ते नमाज़ क़ायम करो, ते मुशरिकां विचों ना बणो, उन्हां विचों जिन्हां ने अपणे दीन नूं टुकड़े-टुकड़े कर दित्ता ते फ़िरक़े-फ़िरक़े हो गए, हर गिरोह उसे उत्ते इतरा रिहा है जो उस दे कोल है। ते जदों लोकां नूं कोई तकलीफ़ पहुंचदी है, तां ओह अपणे रब्ब नूं पुकारदे हन, उसे वल्ल रुजू करदे होए; फिर जदों ओह उन्हां नूं अपणे वल्लों रहमत दा मज़ा चखाउंदा है, तां अचानक उन्हां विचों इक्क गिरोह अपणे रब्ब दे नाल शरीक ठहराउण लग्ग पैंदा है, तां जो जो कुझ असां ने उन्हां नूं दित्ता है उस दी नाशुकरी करन। सो मज़े उडा लओ—छेती ही तुसीं जाण

[37] [ऑकेज़नलिज़्म (हर घटना दा सिद्धा कारन अल्लाह) – द ग्लोरियस क़ुरआन ऐंड साइंस]
[लगातार तख़लीक़ दी माबाद-उत-तबीआत: क़ुरआन 30:25 ते 35:41 दी इक्क साइंसी, फ़लसफ़ी ते दीनी तफ़सीर]
[वीडियो: अल्लाह असमानां ते धरती नूं थंमी होए है, किते एह मिट ना जाण]
[क़ुरआन 35:41 ते 6:59 विच थंमणा ते दर्ज करना, फ़िज़िकल इनफ़रमेशन थिऊरी ते सिमूलेशन हाइपोथिसिस दे नाल गल्लबात विच]
[वजूद विच थंमी होई काइनात: क़ुरआन 30:25 ते 35:41 दी इक्क तफ़सीर]

लओगे। जां की असां ने उन्हां उत्ते कोई अजिही सनद उतारी है जो उस शिरक दे हक़ विच बोलदी होवे जो एह करदे हन? (28–35)

ते जदों असीं लोकां नूं रहमत दा मज़ा चखाउंदे हां, तां ओह उस उत्ते ख़ुश हो जांदे हन; पर जे उन्हां दे अपणे हत्थां दे अग्गे भेजे होए कम्मां दे कारन उन्हां उत्ते कोई बुराई आ पवे, तां अचानक ओह ना-उम्मीद हो जांदे हन। की उन्हां ने नहीं वेखिया कि अल्लाह जिस लई चाहुंदा है रोज़ी खुल्ही कर दिंदा है, ते जिस लई चाहुंदा है तंग कर दिंदा है? बेशक इस विच उन्हां लोकां लई निशानियां हन जो ईमान रक्खदे हन। सो रिश्तेदार नूं उस दा हक़ दे, ते मुहताज नूं ते मुसाफ़िर नूं वी: एह उन्हां लई सभ तों चंगा है जो अल्लाह दी रज़ा चाहुंदे हन, ते ओही कामयाब होण वाले हन। ते जो कुझ तुसीं सूद उत्ते दिंदे हो, तां जो ओह लोकां दे माल विच रल के वधे, ओह अल्लाह दे नज़दीक नहीं वधदा; पर जो कुझ तुसीं ज़कात दे तौर ते दिंदे हो, अल्लाह दी रज़ा चाहुंदे होए—तां अजिहे ही लोक कई गुणा वधाउण वाले हन। अल्लाह ही है जिस ने तुहानूं पैदा कीता, फिर तुहानूं रोज़ी दित्ती, फिर ओह तुहानूं मौत देवेगा, फिर तुहानूं ज़िंदगी देवेगा। की तुहाडे ठहराए होए शरीकां विचों कोई है जो इन्हां विचों कोई वी कम्म कर सके? ओह पाक है, ते उस तों बहुत उच्चा है जो एह शरीक ठहराउंदे हन! ख़ुशकी ते समुंदर विच फ़साद ज़ाहिर हो गिया है लोकां दे हत्थां दी कमाई दे कारन, तां जो ओह उन्हां नूं उन्हां दे कुझ अमलां दा मज़ा चखाए, ते तां जो ओह मुड़ आउण। आख, "ज़मीन विच चल्लो-फिरो ते वेखो कि तुहाथों पहिलां वालियां दा अंजाम किहो जिहा होइया: उन्हां विचों बहुते मुशरिक सन।" सो तूं अपणा रुख़ इस सिद्धे दीन वल्ल क़ायम रक्ख इस तों पहिलां कि अल्लाह वल्लों ओह दिन आ जावे जो टल नहीं सकदा। उस दिन लोक वक्खो-वक्ख हो जाणगे: जिस ने सच्च दा इनकार कीता, उस दे इनकार दा वबाल उसे उत्ते पवेगा; ते जिन्हां ने नेक कम्म कीते ओह अपणे ही लई थां तिआर कर रहे हन, तां जो ओह अपणे फ़ज़ल विचों उन्हां नूं बदला देवे जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते। बेशक ओह सच्च दे इनकारियां नूं पसंद नहीं करदा। (36–45)

ते उस दियां निशानियां विचों है कि ओह हवावां नूं ख़ुशख़बरी देण वालियां बणा के भेजदा है, तां जो तुहानूं अपणी रहमत दा कुझ मज़ा चखाए, ते तां जो किश्तियां उस दे हुक्म नाल चल्लण, ते तां जो तुसीं उस दा फ़ज़ल तलाश करो, ते तां जो तुसीं शुकर करो। ते तैथों पहिलां असां ने रसूल उन्हां दियां अपणियां क़ौमां वल्ल भेजे, ते ओह उन्हां कोल खुल्हियां निशानियां लै के आए; फिर असां ने उन्हां तों बदला लिया जिन्हां ने जुर्म कीते। ते ईमान वालियां दी मदद करना साडे ज़िंमे सी। अल्लाह ही है जो हवावां भेजदा है, ते ओह बद्दल उठाउंदियां हन; फिर ओह उस नूं असमान विच जिवें चाहुंदा है फैला दिंदा है, ते उस नूं टुकड़े-टुकड़े कर दिंदा है, ते तूं वेखदा हैं कि उस दे विचों मींह निकलदा आउंदा है। फिर जदों ओह उस नूं अपणे बंदियां विचों जिस उत्ते चाहुंदा है वर्हा दिंदा है, तां अचानक ओह ख़ुश हो जांदे हन, हालांकि उस दे उन्हां उत्ते उतारे जाण तों पहिलां ओह ना-उम्मीद हो चुक्के सन। सो अल्लाह दी रहमत दे निशानां वल्ल वेख—ओह किवें धरती नूं उस दी मौत तों बाद ज़िंदगी दिंदा है। बेशक ओही मुरदियां नूं ज़िंदा करन वाला है: ते ओह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। ते जे असीं कोई अजिही हवा भेज देईए जिस नाल ओह अपणी खेती नूं पीली होई वेखण,

तां उस तों बाद वी ओह इनकार ही करदे रहिणगे। सो तूं, ऐ नबी, मुरदियां नूं नहीं सुणा सकदा, ते ना बोलियां नूं पुकार सुणा सकदा हैं, जदों ओह पिट्ठ फेर के चले जाण; ते ना तूं अन्हियां नूं उन्हां दी गुमराही तों कड्ढ के राह दिखा सकदा हैं। तूं तां बस उन्हां ही नूं सुणा सकदा हैं जो साडियां आयतां उत्ते ईमान लिआउंदे हन, ते इउं फ़रमांबरदार हो चुक्के हन। अल्लाह ही है जिस ने तुहानूं कमज़ोरी दी हालत तों पैदा कीता, फिर कमज़ोरी तों बाद ताक़त दित्ती, फिर ताक़त तों बाद कमज़ोरी ते बुढापा रक्ख दित्ता। ओह जो चाहुंदा है पैदा करदा है; ते ओही सभ कुझ जाणन वाला, क़ुदरत वाला है। (46–54)

ते जिस दिन ओह घड़ी क़ायम होवेगी, मुजरिम क़समां खाणगे कि ओह इक्क घड़ी तों वध नहीं ठहिरे: इसे तरां ओह धोखे विच पए रहिंदे सन। पर जिन्हां नूं इल्म ते ईमान दित्ता गिया ओह आखणगे, “तुसीं तां अल्लाह दे लिखे मुताबिक़ जी उठण दे दिन तक्क ठहिरे रहे हो—सो एह है जी उठण दा दिन, पर तुसीं जाणदे ना सी।” सो उस दिन ज़ालिमां नूं उन्हां दे बहाने कुझ फ़ाइदा ना देणगे, ते ना उन्हां तों एह चाहिया जावेगा कि ओह मना लैण। (55–57)

ते असां ने इस क़ुरआन विच लोकां लई हर क़िसम दी मिसाल बिआन कर दित्ती है; फिर वी जे तूं उन्हां कोल कोई निशानी लै आवें, तां सच्च दे इनकारी ज़रूर आखणगे, “तुसीं तां बस बातिल उत्ते हो।” इस तरां अल्लाह उन्हां लोकां दे दिलां उत्ते मोहर ला दिंदा है जो नहीं जाणदे। सो सब्र कर: बेशक अल्लाह दा वादा सच्चा है। ते जो लोक यक़ीन नहीं रक्खदे ओह तैनूं डगमगा ना देण। (58–60)

31. लुक़मान (लुक़मान)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

अलिफ़ लाम मीम। एह हिकमत वाली किताब दियां आयतां ते निशानियां हन, हिदायत, ते नेकी करन वालियां लई रहमत, जो नमाज़ क़ायम करदे हन ते ज़कात दिंदे हन, ते जो आख़िरत उत्ते यक़ीन रक्खदे हन। इही हन जो अपणे रब्ब वल्लों हिदायत उत्ते हन, ते इही हन जो कामयाब होण वाले हन। ते लोकां विचों कोई अजिहा वी है जो ग़फ़लत विच पाउण वालियां गल्लां ख़रीददा है, तां जो इल्म तों बिनां अल्लाह दे राह तों भटकाए, ते उस दा मख़ौल बणाए। अजिहे लोकां लई ज़लील करन वाला अज़ाब है। ते जदों उस नूं साडियां आयतां पढ़ के सुणाइयां जांदियां हन, तां ओह घमंड करदा होइया मूंह फेर लैंदा है, जिवें उस ने उन्हां नूं सुणिया ही नहीं, जिवें उस दे कन्नां विच बोझ है। सो उस नूं दर्दनाक अज़ाब दी ख़बर सुणा दे। बेशक जो लोक ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते उन्हां लई नेमतां भरे बाग़ हन, जित्थे ओह सदा रहिणगे: अल्लाह दा वादा सच्चा है, ते ओही ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। उस ने असमानां नूं बिनां अजिहे थंमां दे पैदा कीता जिन्हां नूं तुसीं वेख सको ते धरती विच अटल पहाड़ गड्ड दित्ते तां जो ओह तुहानूं लै के डोले ना ते उस विच हर क़िसम दे जानवर फैला दित्ते। ते असां ने असमान तों पाणी उतारिया ते उस विच हर उमदा क़िसम दी चीज़ उगाई।[38] एह है अल्लाह दी मख़लूक़। हुण मैनूं दिखाओ कि उस तों सिवा दूजियां ने की पैदा कीता है? नहीं—बल्कि ज़ालिम खुल्ही गुमराही विच हन। (1–11)

ते असां ने लुक़मान नूं हिकमत अता कीती: “अल्लाह दा शुकर कर।” ते जो कोई शुकर करदा है ओह अपणे ही भले लई शुकर करदा है; ते जो कोई नाशुकरी करे—तां अल्लाह बेनियाज़, तारीफ़ दे लायक़ है। ते जदों लुक़मान ने अपणे पुत्तर नूं नसीहत करदिआं आखिया, “ऐ मेरे पिआरे पुत्तर! अल्लाह तों सिवा किसे चीज़ नूं ख़ुदाई दा हिस्सेदार ना ठहरा: किउंकि, वेख, इस तरां झूठ-मूठ ख़ुदाई ठहराउणा सच्चमुच बहुत वड्डा ज़ुलम है।” (12–13)

ते असां ने इनसान नूं उस दे मां-पिओ दी देख-भाल दी ताकीद कीती है: उस दी मां ने कमज़ोरी उत्ते कमज़ोरी झल्ल के उस नूं ढिड्ड विच रक्खिया, ते उस दा दुद्ध छुडाउणा दो सालां विच हुंदा है। मेरा शुकर कर ते अपणे मां-पिओ दा वी: मेरे ही वल्ल आख़िर पहुंचणा है। पर जे ओह तेरे उत्ते ज़ोर पाउण कि तूं मेरे नाल किसे अजिही चीज़ नूं शरीक ठहराएं जिस दा तैनूं कोई इल्म नहीं, तां उन्हां दा आखा ना मन्न; फिर वी दुनिया विच उन्हां दे नाल भले तरीक़े नाल रह, ते उस दे राह उत्ते चल्ल जो मेरे वल्ल रुजू करदा है। फिर मेरे ही वल्ल तुहाडी वापसी है, ते मैं तुहानूं दस्स दिआंगा जो कुझ तुसीं करदे सी। (14–15)

[38] इस आयत विच ते सूरा अर-रअद दी इक्क आयत (13:2) विच अल्लाह कशिश-ए-सिक़ल (ग्रैविटी) नूं, जिस नाल साडी काइनात चल्ल रही है, अपणी तख़लीक़ दी निशानी ते अपणियां सिफ़तां अल-ख़ालिक़, अल-बारी ते अल-मुसव्विर दे ज़हूर दे तौर ते पेश करदा है।

ते लुक़मान ने आखिया, "ऐ मेरे पुत्तर, जे कोई चीज़ राई दे दाणे दे बराबर वी होवे, ते ओह किसे चट्टान दे अंदर होवे, जां असमानां विच जां धरती विच, तां अल्लाह उस नूं कड्ढ लिआवेगा। बेशक अल्लाह बारीकबीं, पूरी ख़बर रक्खण वाला है।[39] (16)

ऐ मेरे पुत्तर, नमाज़ क़ायम कर, भलाई दा हुक्म दे ते बुराई तों रोक, ते जो कुझ तेरे उत्ते आ पवे उस उत्ते सब्र कर: बेशक एह हिम्मत दे कम्मां विचों है। ते घमंड जां हिक़ारत नाल लोकां तों अपणा मूंह ना फेर ते धरती उत्ते आकड़ के ना चल्ल: किउंकि, वेख, अल्लाह घमंडी ते शेख़ी मारन वाले लोकां नूं पसंद नहीं करदा। ते अपणी चाल विच दरमिआना रह, ते अपणी अवाज़ नीवीं रक्ख: बेशक सभ अवाज़ां तों बुरी अवाज़ गधे दी हींगण है।" (17–19)

ऐ लोको, की तुसीं नहीं वेखदे कि अल्लाह ने जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है सभ तुहाडे कम्म विच ला दित्ता है, ते तुहाडे उत्ते अपणियां ज़ाहिरी ते छुपियां नेमतां पूरियां कर दित्तियां हन? फिर वी लोकां विचों कुझ अजिहे हन जो अल्लाह बारे झगड़दे हन इल्म तों बिनां, हिदायत तों बिनां, ते किसे रौशन किताब तों बिनां। ते जदों उन्हां नूं आखिया जांदा है, "उस दे पिच्छे चल्लो जो अल्लाह ने उतारिया है," तां आखदे हन, "नहीं, असीं तां उस दे पिच्छे चल्लांगे जिस उत्ते असां ने अपणे पिओ-दादियां नूं पाइया है"—की तां वी जे शैतान उन्हां नूं भड़कदी अग्ग दे अज़ाब वल्ल बुला रिहा होवे? ते जो कोई अपणा चिहरा अल्लाह दे हवाले कर देवे ते ओह नेकी करन वाला होवे तां उस ने सभ तों मज़बूत सहारा फड़ लिया: ते सारे कम्मां दा अंजाम अल्लाह ही दे हत्थ है। ते जो कोई सच्च दा इनकार करे, तां उस दा इनकार तैनूं ग़मगीन ना करे। साडे ही वल्ल उन्हां दी वापसी है, फिर असीं उन्हां नूं दस्स दिआंगे जो कुझ उन्हां ने कीता: बेशक अल्लाह सीनियां दियां गल्लां ख़ूब जाणदा है। असीं उन्हां नूं थोड़ी देर मज़े उडाउण दिंदे हां; फिर उन्हां नूं घसीट के इक्क सख़्त अज़ाब वल्ल लै जावांगे। ते जे तूं उन्हां तों पुच्छें कि असमानां ते धरती नूं किस ने पैदा कीता, तां ओह ज़रूर आखणगे, "अल्लाह ने।" आख, "सारी तारीफ़ अल्लाह लई है!" पर उन्हां विचों बहुते नहीं जाणदे। जो कुझ असमानां ते धरती विच है सभ अल्लाह ही दा है: बेशक अल्लाह ही बेनियाज़, तारीफ़ दे लायक़ है। (20–26)

ते जे धरती विच जिन्ने रुक्ख हन सभ क़लमां बण जाण, ते समुंदर सियाही होवे, जिस दे पिच्छों सत्त होर समुंदर उस नूं भरदे जाण, तां वी अल्लाह दियां गल्लां ख़तम ना होण: बेशक अल्लाह ज़बरदस्त, हिकमत वाला है।[40] (27)

---

[39] ऑकेज़नलिज़्म (हर घटना दा सिद्धा कारन अल्लाह) – द ग्लोरियस कुरआन ऐंड साइंस

[40] इस बुनियादी आयत नूं उन्हां सारे लिंकां दे ज़रीए सभ तों चंगी तरां समझिया जा सकदा है जो मैं वक़्त दे नाल, इंशाअल्लाह, हाशियां दे तौर ते जोड़दा जावांगा, तां जो इक्क जामअ साइंसी ते फ़लसफ़ी तफ़सीर पेश कीती जा सके। उदों तक्क मेरे ब्लॉग दे सारे ख़ास (हाइलाइटिड) मज़मून वेख लओ: ख़ास मज़मून – द ग्लोरियस कुरआन ऐंड साइंस।

तुहाडा पैदा करना ते तुहाडा दुबारा उठाइया जाणा बस इक्क जान वरगा ही है: बेशक अल्लाह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ वेखण वाला है। (28)

ऐ नबी, की तूं नहीं वेखदा कि अल्लाह रात नूं दिन विच दाख़िल करदा है ते दिन नूं रात विच दाख़िल करदा है, ते उस ने सूरज ते चंन नूं कम्म विच ला रक्खिया है, हर इक्क इक्क मुक़र्रर मुद्दत तक्क अपणे राह चल्ल रिहा है, ते एह कि अल्लाह उस तों बाख़बर है जो तुसीं करदे हो? एह इस लई कि अल्लाह ही हक़ है, ते जिस किसे नूं ओह उस तों सिवा पुकारदे हन ओह बातिल है, ते इस लई कि अल्लाह ही सभ तों उच्चा, सभ तों वड्डा है। की तूं नहीं वेखदा कि किश्तियां समुंदर विच अल्लाह दे फ़ज़ल नाल चल्लदियां हन, तां जो ओह तुहानूं अपणियां कुझ निशानियां दिखाए? बेशक इस विच हर सब्र करन वाले ते शुकर करन वाले लई निशानियां हन। ते जदों पहाड़ां वरगियां लहिरां उन्हां नूं मौत दे परछावियां वांग ढक लैंदियां हन, तां ओह अल्लाह नूं पुकारदे हन, अपणे दीन नूं उसे लई ख़ालिस करके; पर जदों ओह उन्हां नूं बचा के ख़ुशकी उत्ते लै आउंदा है, तां उन्हां विचों कुझ डांवांडोल रहिंदे हन। ते साडियां आयतां दा इनकार कोई नहीं करदा सिवाए हर ग़द्दार ते नाशुकरे दे। ऐ लोको, अपणे रब्ब तों सुचेत रहो, ते उस दिन तों डरो जदों ना कोई पिओ अपणे पुत्तर दे कम्म आवेगा, ते ना कोई पुत्तर अपणे पिओ दे कुझ वी कम्म आवेगा। बेशक अल्लाह दा वादा सच्चा है, सो दुनिया दी ज़िंदगी तुहानूं धोखे विच ना पाए, ते ना ओह वड्डा धोखेबाज़ तुहानूं अल्लाह बारे धोखे विच पाए। बेशक उस घड़ी दा इल्म अल्लाह ही दे कोल है; ओही मींह उतारदा है; ते ओह जाणदा है जो कुझ कुक्खां विच है। ते कोई जान नहीं जाणदी कि ओह कल्ह की कमावेगी, ते कोई जान नहीं जाणदी कि ओह किस ज़मीन विच मरेगी। बेशक अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, पूरी ख़बर रक्खण वाला है। (29–34)

32. सजदा (अस-सजदा)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

अलिफ़ लाम मीम। इस किताब दा उतारिया जाणा, जिस विच कोई शक्क नहीं, सारे जहानां दे रब्ब वल्लों है। जां की ओह आखदे हन, "इस ने इस नूं घड़ लिया है"? नहीं—बल्कि एह तेरे रब्ब वल्लों सच्च है, तां जो तूं उन्हां लोकां नूं ख़बरदार करें जिन्हां कोल तैथों पहिलां कोई ख़बरदार करन वाला नहीं आइया, तां जो ओह राह पाउण। अल्लाह ही है जिस ने असमानां ते धरती नूं ते जो कुझ उन्हां दे विचकार है छे जुगां विच पैदा कीता, फिर अर्श उत्ते क़ायम होइया। उस तों सिवा तुहाडा ना कोई कारसाज़ है ना कोई सिफ़ारिशी। तां की तुसीं नसीहत नहीं फड़दे? ओह असमान तों धरती तक्क हर कम्म दी तदबीर करदा है; फिर ओह कम्म उस वल्ल इक्क अजिहे दिन विच चढ़दा है जिस दी मिक़दार तुहाडी गिणती दे हिसाब नाल हज़ार साल है। इही है ग़ैब ते ज़ाहिर दा जाणन वाला, ज़बरदस्त, सदा रहम करन वाला, जिस ने जो चीज़ वी पैदा कीती बहुत ख़ूब बणाई। ते उस ने इनसान दी पैदाइश गारे तों शुरू कीती; फिर उस दी नसल इक्क निगूणे पाणी दे निचोड़ तों चलाई; फिर उस नूं ठीक-ठाक कीता, ते उस विच अपणी रूह फूकी; ते तुहानूं कन्न ते अक्खां ते दिल दित्ते। तुसीं किन्ना थोड़ा शुकर करदे हो! ते ओह आखदे हन, "जदों असीं ज़मीन विच रल-मिल जावांगे, तां की सच्चमुच असीं नवें सिरिओं पैदा कीते जावांगे?" नहीं—बल्कि ओह अपणे रब्ब दी मुलाक़ात दे इनकारी हन। आख, "मौत दा फ़रिश्ता, जो तुहाडे उत्ते मुक़र्रर कीता गिया है, तुहाडी जान क़बज़ करेगा; फिर अपणे रब्ब वल्ल तुसीं मोड़े जाओगे।" (1–11)

ऐ नबी, काश तूं वेखदा जदों मुजरिम अपणे रब्ब दे हज़ूर सिर झुकाई खड़े होणगे: "ऐ साडे रब्ब, असां ने वेख लिया ते सुण लिया, सो सानूं वापस भेज दे कि असीं नेक कम्म करीए: हुण सानूं यक़ीन आ गिया है।" ते जे असीं चाहुंदे, तां हर जान नूं उस दी हिदायत दे दिंदे; पर मेरी गल्ल पूरी हो के रही: कि मैं जहन्नम नूं जिन्नां ते इनसानां, सभनां नाल ज़रूर भर दिआंगा। "सो हुण अज़ाब चक्खो, इस लई कि तुसीं अपणे इस दिन दी मुलाक़ात नूं भुला दित्ता सी। असां ने वी तुहानूं भुला दित्ता है। ते जो कुझ तुसीं करदे सी उस दे बदले सदा रहण वाला अज़ाब चक्खो।" (12–14)

साडियां आयतां उत्ते तां बस ओही ईमान लिआउंदे हन जो, जदों उन्हां नूं उन्हां दे ज़रीए नसीहत कीती जांदी है, तां सजदे विच डिग्ग पैंदे हन ते अपणे रब्ब दी हम्द दे नाल तसबीह करदे हन, ते घमंड नहीं करदे। उन्हां दे पहिलू बिसतरियां तों वक्ख रहिंदे हन जदों ओह अपणे रब्ब नूं डर ते उम्मीद नाल पुकारदे हन, ते जो कुझ असां ने उन्हां नूं दित्ता है उस विचों ख़र्च करदे हन। सो कोई जान नहीं जाणदी कि उन्हां लई अक्खां दी किहो जिही ठंढक छुपा के रक्खी गई है, उस दे बदले विच जो ओह करदे सन। तां की जो ईमान वाला है ओह उस वरगा हो सकदा है जो नाफ़रमान है? ओह बराबर नहीं। रहे ओह जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते, तां उन्हां लई रहण दे बाग़ हन मिहमानी दे तौर ते, उस दे बदले जो ओह करदे सन। ते रहे ओह जिन्हां ने नाफ़रमानी कीती, तां उन्हां दा ठिकाणा अग्ग है। जदों वी ओह उस विचों निकलणा चाहुणगे उसे विच धक्क

दित्ते जाणगे, ते उन्हां नूं आखिया जावेगा, “अग्ग दे उस अज़ाब दा मज़ा चक्खो जिस नूं तुसीं झुठलाउंदे सी।” ते असीं उन्हां नूं वड्डे अज़ाब तों पहिलां नेड़े दे अज़ाब दा मज़ा ज़रूर चखावांगे, तां जो ओह मुड़ आउण। ते उस तों वड्डा ज़ालिम कौण है जिस नूं उस दे रब्ब दियां आयतां दे ज़रीए नसीहत कीती जावे, फिर ओह उन्हां तों मूंह मोड़ लवे? बेशक असीं मुजरिमां तों बदला लैण वाले हां। (15–22)

ते असां ने मूसा नूं किताब दित्ती—सो तूं उस नाल मुलाक़ात बारे शक्क विच ना रह—ते असां ने उस नूं इसराईल दी औलाद लई हिदायत बणाइया। ते असां ने उन्हां विचों पेशवा बणाए जो साडे हुक्म नाल राह दिखाउंदे सन, जदों उन्हां ने सब्र कीता ते ओह साडियां आयतां उत्ते यक़ीन रक्खदे सन। बेशक तेरा रब्ब ही क़ियामत दे दिन उन्हां दे विचकार उन्हां गल्लां दा फ़ैसला करेगा जिन्हां विच ओह इख़तिलाफ़ करदे सन। (23–25)

की इस गल्ल ने उन्हां नूं राह ना दिखाइया, कि असां ने उन्हां तों पहिलां किन्नियां ही नसलां हलाक कर दित्तियां, जिन्हां दे घरां विच एह चल्लदे-फिरदे हन? बेशक इस विच निशानियां हन। तां की ओह सुणदे नहीं? की उन्हां ने नहीं वेखिया कि असीं पाणी नूं बंजर ज़मीन वल्ल हिक्क लै जांदे हां, फिर उस दे ज़रीए खेती कढ्ढदे हां जिस विचों उन्हां दे डंगर वी खांदे हन ते ओह आप वी? तां की ओह वेखदे नहीं? ते ओह आखदे हन, “एह फ़ैसला कदों होवेगा, जे तुसीं सच्चे हो?” आख, “फ़ैसले दे दिन, सच्च दे इनकारियां नूं उन्हां दा ईमान लिआउणा कुझ फ़ाइदा ना देवेगा, ते ना उन्हां नूं मुहलत दित्ती जावेगी।” सो उन्हां तों मूंह फेर लै ते उडीक कर: बेशक ओह वी उडीक रहे हन। (26–30)

33. जत्थे (अल-अहज़ाब)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

ऐ नबी, अल्लाह तों सुचेत रह, ते सच्च दे इनकारियां ते मुनाफ़िक़ां दी गल्ल ना मन्न। बेशक अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। ते उस दे पिच्छे चल्ल जो तेरे रब्ब वल्लों तेरे वल्ल वह्य कीता जांदा है; बेशक अल्लाह उस तों पूरी तरां बाख़बर है जो तुसीं करदे हो। ते अल्लाह उत्ते भरोसा रक्ख: ते अल्लाह कारसाज़ होण लई काफ़ी है। अल्लाह ने किसे आदमी दे सीने विच दो दिल नहीं रक्खे; ते ना उस ने तुहाडियां उन्हां पतनियां नूं जिन्हां नूं तुसीं अपणियां मावां दी पिट्ठ वरगी आख बैठदे हो सच्चमुच तुहाडियां मावां बणाइया है; ते ना उस ने तुहाडे मूंह-बोले पुत्तरां नूं सच्चमुच तुहाडे पुत्तर बणाइया है। एह तां बस तुहाडी अपणी गल्ल है, तुहाडे मूंहां दा आखिया—पर अल्लाह सच्च आखदा है, ते ओही राह दिखाउंदा है। (1–4)

उन्हां नूं उन्हां दे पिओआं दे नाम नाल पुकारो: एह अल्लाह दे नज़दीक वध इनसाफ़ वाली गल्ल है। फिर जे तुसीं उन्हां दे पिओआं नूं ना जाणदे होवो, तां ओह दीन विच तुहाडे भरा ते तुहाडे साथी हन। ते जो कुझ तुहाथों भुल्ल-चुक्क नाल हो जावे उस दा तुहाडे उत्ते कोई गुनाह नहीं, पर उस दा है जिस दा तुहाडे दिल जाण-बुझ के इरादा करन। ते अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। नबी दा ईमान वालियां उत्ते उन्हां दी अपणी जान तों वी वध हक़ है, ते उस दियां पतनियां उन्हां दियां मावां हन। ते ख़ून दे रिश्तेदार अल्लाह दी किताब विच इक्क दूजे दे, दूजे ईमान वालियां ते मुहाजिरां तों वध हक़दार हन, सिवाए इस दे कि तुसीं अपणे दोस्तां नाल कोई भलाई करना चाहो। एह किताब विच लिखिया होइया है। (5–6)

ते याद करो जदों असां ने नबियां तों उन्हां दा अहिद लिया—ते तैथों वी, ते नूह, इबराहीम, मूसा, ते मरयम दे पुत्तर ईसा तों वी: ते असां ने उन्हां तों पक्का अहिद लिया, तां जो ओह सच्चियां तों उन्हां दी सच्चाई बारे पुच्छे। ते सच्च दे इनकारियां लई उस ने दर्दनाक अज़ाब तिआर कर रक्खिया है। (7–8)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, अपणे उत्ते अल्लाह दी उस नेमत नूं याद करो जदों तुहाडे उत्ते लशकर चढ़ आए, तां असां ने उन्हां उत्ते इक्क हनेरी भेजी ते अजिहे लशकर जिन्हां नूं तुसीं वेख ना सके। ते अल्लाह ओह सभ कुझ वेखदा है जो तुसीं करदे हो। जदों ओह तुहाडे उत्तों वी ते तुहाडे हेठों वी तुहाडे उत्ते चढ़ आए, ते जदों अक्खां पथरा गईयां ते कलेजे मूंह नूं आ गए, ते तुसीं अल्लाह बारे तरां-तरां दे गुमान करन लग्गे— उत्थे ईमान वाले आज़माए गए, ते सख़्त झंजोड़े गए। ते जदों मुनाफ़िक़ ते ओह जिन्हां दे दिलां विच रोग है आखण लग्गे, “अल्लाह ते उस दे रसूल ने साडे नाल जो वादा कीता सी ओह निरा धोखा सी”; ते जदों उन्हां विचों इक्क गिरोह ने आखिया, “ऐ यसरिब वालियो, इत्थे तुहाडे ठहिरन दी कोई थां नहीं, सो मुड़ चल्लो,” ते उन्हां विचों इक्क होर गिरोह नबी तों इजाज़त मंग रिहा सी, एह आखदिआं, “साडे घर खुल्हे पए हन”—हालांकि ओह खुल्हे ना सन; ओह तां बस भज्जणा चाहुंदे सन। ते जे शहिर दे हर पासे तों उन्हां उत्ते चढ़ाई हो जांदी, ते फिर उन्हां तों ईमान वालियां दे ख़िलाफ़ पलट के लड़न दी मंग कीती जांदी, तां ओह एह कर गुज़रदे, ते इस

विच थोड़ी ही देर लाउंदे। हालांकि उन्हां ने इस तों पहिलां अल्लाह नाल अहिद कीता सी कि ओह पिट्ठ ना फेरनगे; ते अल्लाह नाल कीते अहिद दी पुच्छ हो के रहेगी। आख, "जे तुसीं मौत तों जां क़तल होण तों भज्जो तां भज्जणा तुहानूं कुझ फ़ाइदा ना देवेगा; ते फिर वी तुहानूं बस थोड़ी ही देर ज़िंदगी दा मज़ा लैण दित्ता जावेगा।" आख, "कौण है जो तुहानूं अल्लाह तों बचा सके जे ओह तुहाडे लई बुराई दा इरादा करे, जां ओह तुहाडे उत्ते रहमत दा इरादा करे?" ते ओह अपणे लई अल्लाह तों सिवा ना कोई कारसाज़ पाउणगे ना मददगार। (9–17)

अल्लाह तुहाडे विचों उन्हां नूं ख़ूब जाणदा है जो दूजियां नूं रोकदे हन, ते जो अपणे भरावां नूं आखदे हन, "साडे कोल आ जाओ," ते जो लड़ाई विच घट्ट ही आउंदे हन, तुहाडे नाल कंजूसी करदे होए। फिर जदों डर दा वेला आउंदा है, तां तूं उन्हां नूं वेखदा हैं कि ओह तेरे वल्ल इउं तक्कदे हन, कि उन्हां दियां अक्खां उस आदमी वांग घुंमदियां हन जिस उत्ते मौत दी ग़शी छा रही होवे; पर जदों डर जांदा रहिंदा है, तां ओह तेज़ ज़बानां नाल तुहानूं ताअने दिंदे हन, माल दे लालच विच। एह लोक कदे ईमान लिआए ही नहीं, सो अल्लाह ने उन्हां दे अमल अकारथ कर दित्ते; ते एह अल्लाह लई सौखा है। ओह समझदे हन कि जत्थे अजे गए नहीं; ते जे जत्थे फिर आ जाण, तां ओह चाहुणगे कि काश ओह बाहर सहिरा विच पेंडू अरबां दे विचकार हुंदे, ते तुहाडियां ख़बरां पुच्छदे रहिंदे। ते जे ओह तुहाडे विच हुंदे वी, तां थोड़ा ही लड़दे। बेशक तुहाडे लई अल्लाह दे रसूल विच इक्क सोहणा नमूना है हर उस आदमी लई जो अल्लाह ते आख़िरी दिन दी उम्मीद रक्खदा होवे, ते अल्लाह नूं बहुत याद करे। (18–21)

ते जदों ईमान वालियां ने जत्थियां नूं वेखिया, तां आखिया, "एह तां ओही है जिस दा अल्लाह ते उस दे रसूल ने साडे नाल वादा कीता सी; ते अल्लाह ते उस दे रसूल ने सच्च आखिया सी।" ते इस ने उन्हां दे ईमान ते फ़रमांबरदारी नूं होर ही वधाइया। ईमान वालियां विच अजिहे मरद हन जिन्हां ने उस अहिद नूं सच्चा कर दिखाइया जो उन्हां ने अल्लाह नाल कीता सी: सो उन्हां विचों कोई अपणी नज़र जान दे के पूरी कर चुक्का, ते कोई अजे उडीक विच है; ते उन्हां ने ज़रा वी तबदीली नहीं कीती— तां जो अल्लाह सच्चियां नूं उन्हां दी सच्चाई दा बदला देवे ते मुनाफ़िक़ां नूं जे चाहे तां अज़ाब देवे, जां उन्हां दी तौबा क़बूल करे। बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। ते अल्लाह ने सच्च दे इनकारियां नूं उन्हां दे ग़ुस्से समेत वापस मोड़ दित्ता; उन्हां नूं कोई भलाई हासिल ना होई। ते अल्लाह ने ईमान वालियां नूं लड़ाई तों बचा लिया: ते अल्लाह ताक़तवर, ज़बरदस्त है। ते किताब वालियां विचों जिन्हां ने उन्हां दी मदद कीती सी उन्हां नूं ओह उन्हां दे क़िलियां तों उतार लिआइया, ते उन्हां दे दिलां विच दहिशत पा दित्ती: कुझ नूं तुसीं क़तल कीता, ते कुझ नूं क़ैदी बणा लिया। ते उस ने तुहानूं उन्हां दी ज़मीन, उन्हां दे घरां ते उन्हां दे माल दा वारिस बणा दित्ता, ते उस ज़मीन दा वी जिस उत्ते तुसीं अजे पैर नहीं रक्खिया सी। ते अल्लाह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। (22–27)

ऐ नबी, अपणियां पतनियां नूं आख दे, "जे तुसीं दुनिया दी ज़िंदगी ते उस दी ज़ीनत चाहुंदियां हो, तां आओ, मैं तुहानूं कुझ सामान दे दिआं ते भले तरीक़े नाल रुख़सत कर दिआं। पर जे तुसीं अल्लाह ते उस दे रसूल ते

आख़िरत दे घर नूं चाहुंदियां हो, तां अल्लाह ने तुहाडे विचों नेकी करन वालियां लई वड्डा अजर तिआर कर रक्खिया है।" ऐ नबी दी पतनियो, तुहाडे विचों जो कोई खुल्ही बेहयाई करेगी, उस लई अज़ाब दुगणा कर दित्ता जावेगा; ते एह अल्लाह लई सौखा है। पर तुहाडे विचों जो कोई अल्लाह ते उस दे रसूल दी फ़रमांबरदार रहेगी ते नेक कम्म करेगी, असीं उस नूं उस दा अजर दो वारी दिआंगे, ते असां ने उस लई इज़्ज़त दी रोज़ी तिआर कर रक्खी है। ऐ नबी दी पतनियो, तुसीं होर औरतां वरगियां नहीं हो। जे तुसीं अल्लाह तों सुचेत हो, तां गल्ल करन विच नरमी ना वरतो, किते ओह जिस दे दिल विच रोग है लालच करन लग्ग पवे; बल्कि मुनासिब ढंग नाल गल्ल करो। ते अपणे घरां विच टिकियां रहो, ते पहिले जहालत दे ज़माने वांग बण-ठण के नुमाइश ना करदियां फिरो। ते नमाज़ क़ायम करो, ज़कात देओ, ते अल्लाह ते उस दे रसूल दी फ़रमांबरदारी करो। ऐ घर वालियो, अल्लाह तां बस एह चाहुंदा है कि तुहाथों हर गंदगी दूर कर देवे, ते तुहानूं पूरी तरां पाक कर देवे। ते याद रक्खो जो कुझ तुहाडे घरां विच अल्लाह दियां आयतां ते हिकमत विचों पढ़िया जांदा है। बेशक अल्लाह बारीकबीं, पूरी ख़बर रक्खण वाला है। (28–34)

बेशक फ़रमांबरदार मरद ते फ़रमांबरदार औरतां, ईमान वाले मरद ते ईमान वालियां औरतां, बंदगी करन वाले मरद ते बंदगी करन वालियां औरतां, सच्चे मरद ते सच्चियां औरतां, सब्र करन वाले मरद ते सब्र करन वालियां औरतां, आजिज़ी करन वाले मरद ते आजिज़ी करन वालियां औरतां, सदक़ा देण वाले मरद ते सदक़ा देण वालियां औरतां, रोज़ा रक्खण वाले मरद ते रोज़ा रक्खण वालियां औरतां, अपणी पाकदामनी दी हिफ़ाज़त करन वाले मरद ते हिफ़ाज़त करन वालियां औरतां, अल्लाह नूं बहुत याद करन वाले मरद ते याद करन वालियां औरतां—इन्हां सभनां लई अल्लाह ने बख़शिश ते वड्डा अजर तिआर कर रक्खिया है। (35)

किसे ईमान वाले मरद ते किसे ईमान वाली औरत लई एह गुंजाइश नहीं कि जदों अल्लाह ते उस दा रसूल किसे मामले दा फ़ैसला कर देण, तां उन्हां लई उस मामले विच अपणा कोई इख़तियार बाक़ी रहे। ते जो कोई अल्लाह ते उस दे रसूल दी नाफ़रमानी करे ओह खुल्ही गुमराही विच जा पिया। ते याद कर जदों तूं उस आदमी नूं आख रिहा सी जिस उत्ते अल्लाह ने इनाम कीता ते जिस उत्ते तूं वी इनाम कीता सी, "अपणी पतनी नूं अपणे कोल रक्ख ते अल्लाह तों सुचेत रह," ते तूं अपणे दिल विच ओह गल्ल छुपा रिहा सी जिस नूं अल्लाह ज़ाहिर करन वाला सी; ते तूं लोकां तों डर रिहा सी, हालांकि अल्लाह इस दा वध हक़दार है कि तूं उस तों डरें। फिर जदों ज़ैद ने उस नाल अपणा ताल्लुक़ ख़तम कर लिया, तां असां ने उस दा निकाह तेरे नाल कर दित्ता, तां जो ईमान वालियां उत्ते अपणे मूंह-बोले पुत्तरां दियां पतनियां दे मामले विच कोई तंगी ना रहे जदों ओह उन्हां नाल अपणा ताल्लुक़ ख़तम कर चुक्कण। ते अल्लाह दा हुक्म पूरा हो के रहिणा सी। नबी उत्ते उस कम्म विच कोई तंगी नहीं जो अल्लाह ने उस लई मुक़र्रर कर दित्ता है। इही अल्लाह दा दस्तूर उन्हां लोकां विच रिहा है जो पहिलां गुज़र चुक्के हन—ते अल्लाह दा हुक्म इक्क तै कीता होइया फ़ैसला हुंदा है— जो अल्लाह दे पैग़ाम पहुंचाउंदे सन ते उसे तों डरदे सन, ते अल्लाह तों सिवा किसे तों नहीं डरदे सन। ते अल्लाह हिसाब लैण लई काफ़ी है। मुहम्मद तुहाडे मरदां विचों किसे दा पिओ नहीं, पर ओह अल्लाह दा रसूल ते नबियां दी मोहर है। ते अल्लाह हर चीज़ दा इल्म रक्खदा है। ऐ ईमान लिआउण वालियो, अल्लाह नूं

बहुत ज़िआदा याद करो, ते सवेरे ते शाम उस दी तसबीह करो। ओही है जो तुहाडे उत्ते रहमत भेजदा है, ते उस दे फ़रिश्ते वी, तां जो तुहानूं हनेरियां विचों कढ्ढ के रौशनी वल्ल लै आवे; ते ओह ईमान वालियां उत्ते सदा रहम करन वाला है। जिस दिन ओह उस नूं मिलणगे उन्हां दी दुआ "सलाम" होवेगी; ते उस ने उन्हां लई इज़्ज़त वाला अजर तिआर कर रक्खिया है। (36–44)

ऐ नबी, असां ने तैनूं गवाह, ख़ुशख़बरी देण वाला ते ख़बरदार करन वाला बणा के भेजिया है, ते अल्लाह दे हुक्म नाल उस वल्ल बुलाउण वाला, ते रौशन करन वाला चिराग़। ते ईमान वालियां नूं ख़ुशख़बरी दे दे कि उन्हां लई अल्लाह वल्लों वड्डा फ़ज़ल है। ते सच्च दे इनकारियां ते मुनाफ़िक़ां दी गल्ल ना मन्न; ते उन्हां दे सताउण दी परवाह ना कर, ते अल्लाह उत्ते भरोसा रक्ख। ते अल्लाह कारसाज़ होण लई काफ़ी है। (45–48)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, जदों तुसीं ईमान वालियां औरतां नाल निकाह करो फिर उन्हां नूं हत्थ लाउण तों पहिलां तलाक़ दे देओ, तां उन्हां उत्ते तुहाडी कोई इद्दत नहीं जिस नूं तुसीं गिणो। सो उन्हां नूं कुझ सामान देओ ते भले तरीक़े नाल रुख़सत कर देओ। ऐ नबी, असां ने तेरे लई तेरियां ओह पतनियां हलाल कीतियां हन जिन्हां दे महर तूं दे चुक्का हैं, ते ओह बांदियां जो अल्लाह ने तैनूं ग़नीमत विच दित्तियां, ते तेरे चाचे दियां धीआं ते तेरियां भूआं दियां धीआं ते तेरे मामे दियां धीआं ते तेरियां मासियां दियां धीआं जिन्हां ने तेरे नाल हिजरत कीती, ते कोई वी ईमान वाली औरत जो अपणे आप नूं नबी दे हवाले कर देवे, बिनां किसे महर दे, जे नबी उस नाल निकाह करना चाहे—एह सिर्फ़ तेरे लई है, दूजे ईमान वालियां लई नहीं। असीं ख़ूब जाणदे हां जो कुझ असां ने उन्हां उत्ते उन्हां दियां पतनियां ते बांदियां बारे मुक़र्रर कीता है—तां जो तेरे उत्ते कोई तंगी ना रहे। ते अल्लाह बड़ा बख़्शाण वाला, सदा रहम करन वाला है। तूं उन्हां विचों जिस नूं चाहें पिच्छे रक्ख ते जिस नूं चाहें अपणे कोल रक्ख; ते जिन्हां नूं तूं वक्ख कर दित्ता सी उन्हां विचों किसे नूं फिर चाहें, तां तेरे उत्ते कोई गुनाह नहीं। इस विच वध उम्मीद है कि उन्हां दियां अक्खां ठंढियां रहण, ते ओह ग़म ना करन, ते जो कुझ तूं उन्हां नूं देवें उस उत्ते ओह सारियां राज़ी रहण। ते अल्लाह जाणदा है जो कुझ तुहाडे दिलां विच है: ते अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, बुर्दबार है। इस तों बाद होर औरतां तेरे लई हलाल नहीं, ते ना एह कि तूं इन्हां दी थां होर पतनियां बदल लवें, भावें उन्हां दा हुसन तैनूं चंगा लग्गे—सिवाए उन्हां दे जो तेरी मलकियत विच होण। ते अल्लाह हर चीज़ उत्ते निगरान है। (49–52)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, नबी दे घरां विच खाणे लई दाख़िल ना होवो सिवाए इस दे कि तुहानूं इजाज़त दित्ती जावे, ते ना उस दे तिआर होण दी उडीक विच बैठे रहो; पर जदों तुहानूं बुलाइया जावे, तां दाख़िल होवो, ते जदों खा चुक्को, तां उट्ठ के चले जाओ, गल्लां विच जी लाई बैठे ना रहो। इस नाल नबी नूं तकलीफ़ हुंदी है, ते ओह तुहानूं आखण तों शरमाउंदा है; पर अल्लाह सच्ची गल्ल तों नहीं शरमाउंदा। ते जदों तुसीं उस दियां पतनियां तों कोई चीज़ मंगो, तां परदे दे पिच्छों मंगो; एह तुहाडे दिलां लई वी ते उन्हां दे दिलां लई वी वध पाकीज़ा है। ते तुहाडे लई जाइज़ नहीं कि अल्लाह दे रसूल नूं तकलीफ़ देओ, ते ना एह कि उस तों बाद कदे उस दियां पतनियां नाल निकाह करो: बेशक एह अल्लाह दे नज़दीक बहुत वड्डी गल्ल है। तुसीं कोई चीज़ ज़ाहिर करो जां उस नूं छुपाओ, अल्लाह हर चीज़ दा इल्म रक्खदा है। उन्हां उत्ते कोई गुनाह नहीं

अपणे पिओआं दे साहमणे होण विच, ना अपणे पुत्तरां दे, ना अपणे भरावां दे, ना अपणे भतीजियां दे, ना अपणे भाणजियां दे, ना अपणियां औरतां दे, ते ना अपणे गुलामां दे। ते ऐ नबी दी पतनियो, अल्लाह तों सुचेत रहो: बेशक अल्लाह हर चीज़ उत्ते गवाह है। अल्लाह ते उस दे फ़रिश्ते नबी उत्ते दरूद भेजदे हन। ऐ ईमान लिआउण वालियो, तुसीं वी उस उत्ते दरूद भेजो ते ख़ूब सलाम भेजो। जो लोक अल्लाह ते उस दे रसूल नूं तकलीफ़ दिंदे हन—अल्लाह ने उन्हां उत्ते दुनिया ते आख़िरत विच लानत कीती है, ते उन्हां लई ज़लील करन वाला अज़ाब तिआर कर रक्खिया है। ते जो लोक ईमान वाले मरदां ते ईमान वालियां औरतां नूं बिनां इस दे कि उन्हां ने कुझ कीता होवे तकलीफ़ दिंदे हन, उन्हां ने बुहतान ते खुल्हे गुनाह दा बोझ अपणे सिर लिया। (53–58)

ऐ नबी, अपणियां पतनियां ते अपणियां धीआं ते ईमान वालियां दियां औरतां नूं आख दे कि अपणे उत्ते अपणियां चादरां दा पल्ला लटका लिआ करन। इस विच वध उम्मीद है कि ओह पछाण लईयां जाण ते उन्हां नूं सताइया ना जावे। ते अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। जे मुनाफ़िक़, ते ओह जिन्हां दे दिलां विच रोग है, ते ओह जो शहिर विच सनसनी फैलाउंदे हन बाज़ ना आए, तां असीं तैनूं ज़रूर उन्हां दे ख़िलाफ़ उठा खड़ा करांगे, फिर ओह उस विच तेरे गुआंढी बण के थोड़ी ही देर रह सकणगे— लानत कीते होए; जित्थे वी लभ्भणगे फड़े जाणगे ते क़तल कर दित्ते जाणगे। इही अल्लाह दा दस्तूर उन्हां लोकां विच रिहा है जो पहिलां गुज़र चुक्के हन; ते तूं अल्लाह दे दस्तूर विच कोई तबदीली ना पाएंगा। (59–62)

लोक तैथों उस घड़ी बारे पुच्छदे हन। आख, “उस दा इल्म तां बस अल्लाह ही दे कोल है।” ते तैनूं की पता? शायद ओह घड़ी नेड़े ही होवे। बेशक अल्लाह ने सच्च दे इनकारियां उत्ते लानत कीती है ते उन्हां लई भड़कदी अग्ग तिआर कर रक्खी है, जिस विच ओह सदा-सदा रहिणगे; ओह ना कोई कारसाज़ पाउणगे ना मददगार। जिस दिन उन्हां दे चिहरे अग्ग विच उलटे-पलटे जाणगे, ओह आखणगे, “काश असां ने अल्लाह दी फ़रमांबरदारी कीती हुंदी ते रसूल दी फ़रमांबरदारी कीती हुंदी!” ते आखणगे, “ऐ साडे रब्ब, असां ने अपणे सरदारां ते अपणे वड्डियां दी गल्ल मन्नी, तां उन्हां ने सानूं राह तों भटका दित्ता। ऐ साडे रब्ब, उन्हां नूं दुगणा अज़ाब दे, ते उन्हां उत्ते वड्डी लानत कर।” (63–68)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, उन्हां लोकां वरगे ना बणो जिन्हां ने मूसा नूं तकलीफ़ दित्ती; फिर अल्लाह ने उस नूं उन्हां दी आखी गल्ल तों बरी कर दित्ता, ते ओह अल्लाह दे नज़दीक इज़्ज़त वाला सी। ऐ ईमान लिआउण वालियो, अल्लाह तों सुचेत रहो, ते सिद्धी-सच्ची गल्ल आखो, ओह तुहाडे लई तुहाडे अमल सुधार देवेगा ते तुहाडे गुनाह बख़्श देवेगा। ते जो कोई अल्लाह ते उस दे रसूल दी फ़रमांबरदारी करे उस ने वड्डी कामयाबी हासिल कर लई। असां ने अमानत नूं असमानां ते धरती ते पहाड़ां दे साहमणे पेश कीता, तां उन्हां ने उस नूं चुक्कण तों इनकार कर दित्ता ते उस तों डर गए; ते इनसान ने उस नूं चुक्क लिया। बेशक ओह बड़ा ज़ालिम ते जाहिल निकलिया— तां जो अल्लाह मुनाफ़िक़ मरदां ते मुनाफ़िक़ औरतां नूं, ते मुशरिक मरदां ते मुशरिक औरतां नूं अज़ाब देवे, ते ईमान वाले मरदां ते ईमान वालियां औरतां दी तौबा क़बूल करे। ते अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (69–73)

34. सबा (सबा)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

सारी तारीफ़ अल्लाह लई है, जिस दा ओह सभ कुझ है जो असमानां विच है ते जो धरती विच है; ते आख़िरत विच वी सारी तारीफ़ उसे लई है। ते ओही हिकमत वाला, पूरी ख़बर रक्खण वाला है। ओह जाणदा है जो कुझ ज़मीन विच जांदा है ते जो कुझ उस विचों निकलदा है, ते जो कुझ असमान तों उतरदा है ते जो कुझ उस विच चढ़दा है। ते ओही सदा रहम करन वाला, बड़ा बख़्शण वाला है। ते सच्च दे इनकारी आखदे हन, "ओह घड़ी साडे उत्ते कदे नहीं आवेगी।" आख, "क्यों नहीं, मेरे रब्ब दी क़सम, ओह तुहाडे उत्ते ज़रूर आवेगी—उस दी क़सम जो ग़ैब दा जाणन वाला है। उस तों ज़र्रा बराबर चीज़ वी छुपी नहीं ना असमानां विच ना धरती विच, ते ना उस तों छोटी कोई चीज़ ना वड्डी, पर ओह इक्क खुल्ही किताब विच दर्ज है— तां जो ओह उन्हां नूं बदला देवे जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते। इन्हां लई बख़शिश ते इज़्ज़त दी रोज़ी है।" ते जो लोक साडियां आयतां नूं नीवां दिखाउण लई दौड़-धुप्प करदे हन—उन्हां लई दर्दनाक क़िसम दा अज़ाब है। (1–5)

ते जिन्हां नूं इल्म दित्ता गिया है ओह वेखदे हन कि जो कुझ तेरे रब्ब वल्लों तेरे उत्ते उतारिया गिया है ओही सच्च है, ते एह कि ओह ज़बरदस्त, तारीफ़ दे लायक़ दे राह वल्ल हिदायत दिंदा है। ते सच्च दे इनकारी आखदे हन, "की असीं तुहानूं इक्क अजिहा आदमी दस्सीए जो तुहानूं ख़बर दिंदा है कि जदों तुसीं पूरी तरां रेज़ा-रेज़ा हो जाओगे तां तुसीं नवें सिरिओं पैदा कीते जाओगे? की उस ने अल्लाह उत्ते झूठ घड़िया है, जां उस नूं जनून है?" नहीं—बल्कि जो लोक आख़िरत उत्ते ईमान नहीं रक्खदे ओही अज़ाब विच ते दूर दी गुमराही विच हन। की उन्हां ने नहीं वेखिया जो असमान ते धरती उन्हां दे अग्गे ते उन्हां दे पिच्छे है? जे असीं चाहीए, तां उन्हां नूं ज़मीन विच धसा देईए, जां उन्हां उत्ते असमान दे टुकड़े डेग देईए। बेशक इस विच हर उस बंदे लई इक्क निशानी है जो अल्लाह वल्ल रुजू करन वाला होवे। (6–9)

ते असां ने दाऊद नूं अपणे वल्लों फ़ज़ल अता कीता: "ऐ पहाड़ो, इस दे नाल अल्लाह दी तसबीह दुहराओ, ते ऐ पंछियो तुसीं वी!" ते असां ने उस लई लोहे नूं नरम कर दित्ता: "पूरियां ज़िरहां बणा, ते कड़ियां जोड़न विच ठीक अंदाज़ा रक्ख।" ते तुसीं सारे नेक कम्म करो: बेशक मैं ख़ूब वेख रिहा हां जो कुझ तुसीं करदे हो। ते सुलैमान लई असां ने हवा नूं अधीन कर दित्ता: उस दा सवेर दा चल्लणा इक्क महीने दा सफ़र सी, ते उस दा शाम दा चल्लणा इक्क महीने दा सफ़र। ते असां ने उस लई पिघले होए तांबे दा चश्मा वगा दित्ता, ते जिन्नां विचों कुझ उस दे रब्ब दे हुक्म नाल उस दे साहमणे कम्म करदे सन; ते उन्हां विचों जो कोई साडे हुक्म तों फिरदा, असीं उस नूं भड़कदी अग्ग दे अज़ाब दा मज़ा चखाउंदे। ओह उस लई जो कुझ ओह चाहुंदा बणाउंदे सन: इबादतगाहां, मूरतां, हौज़ां वरगे वड्डे-वड्डे लगन, ते अपणी थां जमियां होइयां देगां। "ऐ दाऊद दे घराणे वालियो, शुकरगुज़ारी दे नाल अमल करो!" पर मेरे बंदियां विचों थोड़े ही सच्चे शुकरगुज़ार हन। फिर जदों असां ने उस उत्ते मौत दा फ़ैसला कर दित्ता, तां उन्हां नूं उस दी मौत दा पता किसे चीज़ ने ना दित्ता सिवाए

ज़मीन दे इक्क कीड़े दे जो उस दी लाठी नूं खा रिहा सी; फिर जदों ओह डिग्ग पिया, तां जिन्नां उत्ते खुल्ह गिया कि, जे ओह ग़ैब जाणदे हुंदे, तां इस ज़लील करन वाली मुशक़्क़त विच ना पए रहिंदे। (10–14)

सबा लई उन्हां दी रहण दी थां विच ही इक्क निशानी सी: दो बाग़, सज्जे ते खब्बे। “अपणे रब्ब दी दित्ती रोज़ी विचों खाओ ते उस दा शुकर करो—चंगा शहिर, ते बख़्शण वाला रब्ब!” पर उन्हां ने मूंह मोड़ लिया, सो असां ने उन्हां उत्ते बंन्ह दा हड़्ह भेज दित्ता, ते उन्हां दे दो बाग़ां नूं अजिहे दो बाग़ां विच बदल दित्ता जिन्हां विच कौड़े फल, झाऊ दे रुक्ख, ते थोड़ियां जिहियां बेरियां सन। एह बदला असां ने उन्हां नूं उन्हां दी नाशुकरी दे कारन दित्ता; ते की असीं नाशुकरे तों सिवा किसे होर नूं अजिहा बदला दिंदे हां? ते असां ने उन्हां दे ते उन्हां बस्तियां दे विचकार जिन्हां विच असां ने बरकत रक्खी सी होर बस्तियां वसा दित्तियां जो इक्क दूजी तों दिसदियां सन, ते उन्हां दे विचकार सफ़र सौखा कर दित्ता: “इन्हां विच रात ते दिन बेख़ौफ़ हो के चल्लो-फिरो।” पर उन्हां ने आखिया, “ऐ साडे रब्ब, साडे सफ़रां दियां मंज़िलां लंबियां कर दे,” ते उन्हां ने अपणे उत्ते ज़ुलम कीता। सो असां ने उन्हां नूं बीतियां कहाणियां बणा दित्ता, ते उन्हां नूं बिलकुल खिंडा-पुंडा दित्ता। बेशक इस विच हर सब्र करन वाले ते शुकर करन वाले लई निशानियां हन। ते इबलीस ने उन्हां बारे अपणा गुमान सच्चा पाइया, किउंकि उन्हां ने उस दी पैरवी कीती—सिवाए ईमान वालियां दे इक्क गिरोह दे। हालांकि उस दा उन्हां उत्ते कोई ज़ोर ना सी, सिवाए इस दे कि असीं जाण लईए कि कौण आख़िरत उत्ते ईमान रक्खदा है ते कौण उस बारे शक्क विच है। ते तेरा रब्ब हर चीज़ उत्ते निगरान है। (15–21)

आख, “उन्हां नूं पुकारो जिन्हां नूं तुसीं अल्लाह तों सिवा माबूद समझ बैठे हो। ओह ना असमानां विच ज़र्रा बराबर किसे चीज़ दे मालिक हन ना धरती विच; ना उन्हां दोहां विच उन्हां दा कोई हिस्सा है, ते ना उन्हां विचों कोई उस दा मददगार है।” ते उस दे कोल सिफ़ारिश कुझ कम्म नहीं आउंदी सिवाए उस दे जिस लई ओह इजाज़त देवे। इत्थों तक्क कि जदों उन्हां दे दिलां तों घबराहट दूर कर दित्ती जावेगी, तां ओह पुच्छणगे, “तुहाडे रब्ब ने की आखिया?” ओह आखणगे, “सच्च; ते ओही सभ तों उच्चा, सभ तों वड्डा है।” आख, “तुहानूं असमानां ते धरती तों रोज़ी कौण दिंदा है?” आख, “अल्लाह। ते बेशक असीं जां तुसीं, या तां हिदायत उत्ते हां जां खुल्ही गुमराही विच।” आख, “जो जुर्म असां ने कीते हन उन्हां बारे तुहाथों ना पुच्छिया जावेगा, ते ना जो तुसीं करदे हो उस बारे साडे तों पुच्छिया जावेगा।” आख, “साडा रब्ब सानूं सभनां नूं इकट्ठा करेगा, फिर साडे विचकार हक़ दे नाल फ़ैसला कर देवेगा। ते ओही फ़ैसला करन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है।” आख, “मैनूं ओह तां दिखाओ जिन्हां नूं तुसीं शरीक बणा के उस दे नाल मिला दित्ता है। हरगिज़ नहीं! बल्कि ओही अल्लाह है, ज़बरदस्त, हिकमत वाला।” ते असां ने तैनूं सारे इनसानां लई बस ख़ुशख़बरी देण वाला ते ख़बरदार करन वाला बणा के भेजिया है, पर बहुते लोक नहीं जाणदे। ते ओह आखदे हन, “एह वादा कदों पूरा होवेगा, जे तुसीं सच्चे हो?” आख, “तुहाडे लई इक्क अजिहे दिन दा वादा है जिस तों तुसीं ना इक्क घड़ी पिच्छे हट सकदे हो ना अग्गे वध सकदे हो।” (22–30)

ते सच्च दे इनकारी आखदे हन, “असीं ना इस क़ुरआन उत्ते कदे ईमान लिआवांगे, ना उस उत्ते जो इस तों पहिलां आइया।” ते काश तूं वेखदा जदों ज़ालिम अपणे रब्ब दे हज़ूर खड़े कीते जाणगे, ते इक्क दूजे उत्ते

गल्ल सुट्टदे होणगे! जो कमज़ोर समझे गए सन ओह उन्हां नूं जो वड्डे बणदे सन आखणगे, "जे तुसीं ना हुंदे, तां असीं ज़रूर ईमान वाले हुंदे।" जो वड्डे बणदे सन ओह उन्हां नूं जो कमज़ोर समझे गए सन आखणगे, "की असां ने तुहानूं हिदायत तों रोकिया सी जदों ओह तुहाडे कोल आ चुक्की सी? नहीं—बल्कि तुसीं आप ही मुजरिम सी।" ते जो कमज़ोर समझे गए सन ओह उन्हां नूं जो वड्डे बणदे सन आखणगे, "नहीं—बल्कि एह तुहाडी रात-दिन दी चालबाज़ी सी, जदों तुसीं सानूं हुक्म दिंदे सी कि असीं अल्लाह दा इनकार करीए ते उस दे बराबर दे ठहराईए।" ते जदों ओह अज़ाब वेखणगे तां अपणी पशेमानी छुपाउणगे, ते असीं सच्च दे इनकारियां दियां गरदनां विच तौक़ पा दिआंगे। की उन्हां नूं उस तों सिवा किसे होर चीज़ दा बदला दित्ता जावेगा जो ओह करदे सन? ते असां ने जिस बस्ती विच वी कोई ख़बरदार करन वाला भेजिया उस दे ख़ुशहाल लोकां ने इही आखिया, "जो कुझ दे के तुसीं भेजे गए हो असीं उस दा इनकार करदे हां।" ते उन्हां ने आखिया, "असीं माल ते औलाद विच वध हां, ते सानूं अज़ाब नहीं दित्ता जावेगा।" आख, "मेरा रब्ब जिस लई चाहुंदा है रोज़ी खुल्ही कर दिंदा है, ते जिस लई चाहुंदा है नाप के दिंदा है, पर बहुते लोक नहीं जाणदे।" ते ना तुहाडे माल ते ना तुहाडी औलाद अजिही चीज़ है जो तुहानूं साडे नेड़े कर देवे, पर हां जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते—उन्हां लई उन्हां दे कीते दा दुगणा बदला है, ते ओह उच्चे बालाख़ानियां विच अमन नाल रहिणगे। ते जो लोक साडियां आयतां नूं नीवां दिखाउण लई दौड़-धुप्प करदे हन—ओह अज़ाब विच हाज़िर कीते जाणगे। आख, "मेरा रब्ब अपणे बंदियां विचों जिस लई चाहुंदा है रोज़ी खुल्ही कर दिंदा है, ते उस लई जिवें चाहुंदा है नाप के दिंदा है। ते जो कुझ वी तुसीं ख़र्च करदे हो, ओह उस दा बदल दिंदा है; ते ओह सभ तों बिहतर रोज़ी देण वाला है।" (31–39)

ते जिस दिन ओह उन्हां सभनां नूं इकट्ठा करेगा, फिर फ़रिश्तियां नूं आखेगा, "की एह लोक तुहाडी ही इबादत करदे सन?" ओह आखणगे, "तूं पाक हैं! साडा कारसाज़ तां तूं हैं, ना कि एह। नहीं—बल्कि एह जिन्नां दी इबादत करदे सन; इन्हां विचों बहुते उन्हां ही उत्ते ईमान रक्खदे सन।" "सो अज्ज तुहाडे विचों कोई किसे दे ना नफ़े दा इख़तियार रक्खदा है ना नुक़सान दा।" ते असीं ज़ुलम करन वालियां नूं आखांगे, "अग्ग दे उस अज़ाब दा मज़ा चक्खो जिस नूं तुसीं झुठलाउंदे सी।" ते जदों उन्हां नूं साडियां खुल्हियां आयतां पढ़ के सुणाइयां जांदियां हन, तां आखदे हन, "एह तां बस इक्क आदमी है जो चाहुंदा है कि तुहानूं उन्हां तों रोक देवे जिन्हां दी इबादत तुहाडे पिओ-दादे करदे सन।" ते आखदे हन, "एह तां बस इक्क घड़िया होइया झूठ है।" ते सच्च दे इनकारी सच्च बारे जदों ओह उन्हां कोल आइया आखदे हन, "एह तां बस खुल्हा जादू है।" हालांकि ना असां ने उन्हां नूं कोई किताबां दित्तियां सन जिन्हां नूं ओह पढ़दे होण, ते ना तैथों पहिलां उन्हां वल्ल कोई ख़बरदार करन वाला भेजिया सी। ते उन्हां तों पहिलां वालियां ने वी झुठलाइया सी, ते एह लोक तां उस दे दसवें हिस्से नूं वी नहीं पहुंचे जो असां ने उन्हां नूं दित्ता सी; फिर वी उन्हां ने मेरे रसूलां नूं झुठलाइया—तां किहो जिही सख़्त सी मेरी फिटकार! (40–45)

आख, "मैं तुहानूं बस इक्को गल्ल दी नसीहत करदा हां: कि तुसीं अल्लाह दी ख़ातिर दो-दो ते इक्क-इक्क हो के खड़े हो जाओ, फिर सोचो। तुहाडे साथी नूं कोई जनून नहीं। ओह तां इक्क सख़्त अज़ाब दे आउण तों

पहिलां तुहानूं बस ख़बरदार करन वाला है।" आख, "जो बदला वी मैं तुहाथों मंगिया होवे ओह तुहाडा ही है। मेरा बदला तां बस अल्लाह दे ज़िंमे है; ते ओह हर चीज़ उत्ते गवाह है।" आख, "मेरा रब्ब सच्च नूं ज़ोर नाल सुट्टदा है; ओह सारे ग़ैबां दा ख़ूब जाणन वाला है।" आख, "सच्च आ गिया, ते बातिल ना किसे चीज़ दी शुरूआत कर सकदा है ना उस नूं दुबारा लिआ सकदा है।" आख, "जे मैं भटक जावां, तां अपणे ही नुक़सान लई भटकांगा; ते जे मैं हिदायत पावां, तां उस दे कारन जो मेरा रब्ब मेरे वल्ल वह्य करदा है। बेशक ओह सभ कुझ सुणन वाला, बहुत नेड़े है।" (46–50)

ते काश तूं उन्हां नूं वेखदा जदों ओह घबराए होए होणगे, ते बच निकलण दा कोई राह ना होवेगा, ते ओह नेड़े दी थां तों ही फड़ लए जाणगे! ते ओह आखणगे, "हुण असीं इस उत्ते ईमान लै आए।" पर इन्नी दूर दी थां तों ओह इस नूं किथों पा सकदे हन, जदों कि ओह पहिलां इस दा इनकार कर चुक्के सन, ते दूर दी थां तों ग़ैब उत्ते अटकल दे तीर चलाउंदे रहे? ते उन्हां दे ते उन्हां दी चाहत दे विचकार आड़ कर दित्ती गई, जिवें इस तों पहिलां उन्हां वरगियां दे नाल कीता गिया; बेशक ओह बेचैन करन वाले शक्क विच पए होए सन। (51–54)

35. पैदा करन वाला (फ़ातिर)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

सारी तारीफ़ अल्लाह लई है, जो असमानां ते धरती दा पैदा करन वाला है, जो फ़रिश्तियां नूं पैग़ाम पहुंचाउण वाले बणाउंदा है जिन्हां दे दो-दो, तिन्न-तिन्न ते चार-चार पर हन। ओह पैदाइश विच जो चाहुंदा है वधा दिंदा है: बेशक अल्लाह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। अल्लाह लोकां लई जो रहमत खोल्ह देवे, उस नूं कोई रोकण वाला नहीं; ते जिस नूं ओह रोक लवे, उस तों बाद उस नूं कोई छड्डण वाला नहीं। ते ओही ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। ऐ लोको, अपणे उत्ते अल्लाह दी नेमत नूं याद करो। की अल्लाह तों सिवा कोई होर पैदा करन वाला है, जो तुहानूं असमान ते धरती तों रोज़ी देवे? उस तों सिवा कोई माबूद नहीं। फिर तुसीं किधर फेरे जा रहे हो? (1–3)

ते जे ओह तैनूं झुठलाउंदे हन, ऐ नबी, तां तैथों पहिलां वी रसूल झुठलाए जा चुक्के हन; ते सारे मामले अल्लाह ही वल्ल मोड़े जांदे हन। ऐ लोको, बेशक अल्लाह दा वादा सच्चा है, सो दुनिया दी ज़िंदगी तुहानूं धोखे विच ना पाए, ते ना ओह वड्डा धोखेबाज़ तुहानूं अल्लाह बारे धोखे विच पाए। बेशक शैतान तुहाडा दुश्मण है, सो तुसीं वी उस नूं दुश्मण ही समझो। ओह तां अपणे जत्थे नूं बस इस लई बुलाउंदा है कि ओह भड़कदी अग्ग वालियां विचों हो जाण। जो लोक सच्च दे इनकारी हन उन्हां लई सख़्त अज़ाब है; ते जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते उन्हां लई बख़शिश ते वड्डा अजर है। भला ओह जिस लई उस दा बुरा अमल सोहणा बणा दित्ता गिया होवे, सो ओह उस नूं चंगा समझदा होवे? बेशक अल्लाह जिस नूं चाहुंदा है भटकण दिंदा है ते जिस नूं चाहुंदा है हिदायत दिंदा है; सो उन्हां उत्ते अफ़सोस कर-कर के तेरी जान ना घुले। बेशक अल्लाह ख़ूब जाणदा है जो कुझ ओह करदे हन। (4–8)

ते अल्लाह ही है जो हवावां भेजदा है, ते ओह बद्दल उठाउंदियां हन; फिर असीं उस नूं इक्क मुरदा शहिर वल्ल हिक्क लै जांदे हां ते उस दे ज़रीए ज़मीन नूं उस दी मौत तों बाद ज़िंदा कर दिंदे हां। इसे तरां दुबारा जी उठणा होवेगा। जो कोई इज़्ज़त चाहुंदा है—तां इज़्ज़त सारी दी सारी अल्लाह ही दी है। उसे वल्ल पाकीज़ा कलिमा चढ़दा है, ते नेक अमल नूं ओह उच्चा उठाउंदा है। ते जो लोक बुराइयां दियां चालां चल्लदे हन उन्हां लई सख़्त अज़ाब है, ते उन्हां दी चालबाज़ी ही बरबाद हो के रहेगी। ते अल्लाह ने तुहानूं मिट्टी तों पैदा कीता, फिर इक्क बूंद तों; फिर तुहानूं जोड़े-जोड़े बणाइया। ते कोई मादा ना गरभ धारदी है ना जणदी है पर उस दे इल्म नाल; ते ना किसे उमर वाले दी उमर वधाई जांदी है ना उस दी उमर घटाई जांदी है पर एह सभ इक्क किताब विच है। बेशक एह अल्लाह लई सौखा है। (9–11)

ते दोवें समुंदर इक्को जिहे नहीं: इक्क मिट्ठा ते ताज़ा है, पीण विच सुआदला, ते दूजा खारा ते कौड़ा। फिर वी हर इक्क विचों तुसीं ताज़ा मास खांदे हो ते गहिणे कड्ढदे हो जिन्हां नूं तुसीं पहिनदे हो, ते तूं किश्तियां नूं वेखदा हैं कि उस नूं चीरदियां चल्लियां जांदियां हन तां जो तुसीं उस दा फ़ज़ल तलाश करो, ते तां जो तुसीं शुकर

करो। ओह रात नूं दिन विच दाख़िल करदा है ते दिन नूं रात विच दाख़िल करदा है, ते उस ने सूरज ते चंन नूं कम्म विच ला रक्खिया है, हर इक्क इक्क मुक़र्रर मुद्दत लई चल्ल रिहा है। इही अल्लाह है, तुहाडा रब्ब; बादशाही उसे दी है। ते जिन्हां नूं तुसीं उस तों सिवा पुकारदे हो ओह खजूर दी गिटक दी झिल्ली दे वी मालिक नहीं। जे तुसीं उन्हां नूं पुकारो, तां ओह तुहाडी पुकार नहीं सुणदे; ते जे सुण वी लैण, तां तुहानूं जवाब नहीं दे सकदे। ते क़ियामत दे दिन ओह तुहाडे शिरक दा इनकार कर देणगे। ते तैनूं पूरी ख़बर रक्खण वाले वरगा कोई नहीं दस्स सकदा। (12–14)

ऐ लोको, तुसीं ही अल्लाह दे मुहताज हो; ते अल्लाह ही बेनियाज़, तारीफ़ दे लायक़ है। जे ओह चाहे, तां तुहानूं लै जावे ते इक्क नवीं मख़लूक़ लै आवे; ते एह अल्लाह लई कुझ मुश्किल नहीं। ते कोई बोझ चुक्कण वाली जान किसे दूजे दा बोझ नहीं चुक्केगी; ते जे कोई बोझ नाल लद्दी होई जान अपणा बोझ चुकाउण लई पुकारे, तां उस विचों कुझ वी ना चुक्किया जावेगा, भावें ओह नेड़े दा रिश्तेदार ही होवे। तूं तां बस उन्हां ही नूं ख़बरदार कर सकदा हैं जो बिनां वेखे अपणे रब्ब तों डरदे हन ते नमाज़ क़ायम करदे हन। ते जो कोई पाक हुंदा है ओह अपणे ही भले लई पाक हुंदा है; ते अल्लाह ही वल्ल आख़िर पहुंचणा है। ते अन्हा ते वेखण वाला बराबर नहीं, ना हनेरे ते रौशनी, ना छां ते तपदी धुप्प; ते ना ज़िंदे ते मुरदे बराबर हन। बेशक अल्लाह जिस नूं चाहुंदा है सुणाउंदा है, पर तूं उन्हां नूं नहीं सुणा सकदा जो क़बरां विच हन। तूं तां बस ख़बरदार करन वाला हैं। बेशक असां ने तैनूं हक़ दे नाल ख़ुशख़बरी देण वाला ते ख़बरदार करन वाला बणा के भेजिया है; ते कोई उम्मत अजिही नहीं जिस विच कोई ख़बरदार करन वाला ना गुज़रिया होवे। ते जे ओह तैनूं झुठलाउंदे हन, तां उन्हां तों पहिलां वालियां ने वी अपणे रसूलां नूं झुठलाइया सी: उन्हां दे रसूल उन्हां कोल खुल्हियां दलीलां, सहीफ़े, ते रौशन किताब लै के आए सन। फिर मैं सच्च दे इनकारियां नूं फड़ लिया—तां किहो जिही सख़्त सी मेरी फिटकार! (15–26)

की तूं नहीं वेखदा कि अल्लाह असमान तों पाणी उतारदा है, फिर उस दे ज़रीए असीं वक्खो-वक्ख रंगां दे फल कढ्ढदे हां? ते पहाड़ां विच वी धारियां हन, चिट्टियां ते लाल जिन्हां दे रंग वक्खो-वक्ख हन, ते कुझ गूढ़ियां कालियां; ते इसे तरां लोकां ते जानवरां ते डंगरां विच वी, वक्खो-वक्ख रंगां दे हन। अल्लाह तों उस दे बंदियां विचों बस ओही डरदे हन जो इल्म वाले हन। बेशक अल्लाह ज़बरदस्त, बड़ा बख़्शण वाला है। बेशक जो लोक अल्लाह दी किताब पढ़दे हन, नमाज़ क़ायम करदे हन, ते जो कुझ असां ने उन्हां नूं दित्ता है उस विचों छुपा के ते खुल्ह के ख़र्च करदे हन, ओह अजिहे वपार दी उम्मीद रक्खदे हन जो कदे घाटे विच ना पवेगा, तां जो ओह उन्हां नूं उन्हां दे बदले पूरे-पूरे देवे ते अपणे फ़ज़ल विचों उन्हां नूं होर वी देवे। बेशक ओह बड़ा बख़्शण वाला, क़दरदान है। (27–30)

ते जो किताब असां ने तेरे वल्ल वह्य कीती है ओही सच्च है, उस दी तसदीक़ करन वाली जो उस तों पहिलां सी। बेशक अल्लाह अपणे बंदियां दी पूरी ख़बर रक्खण वाला, सभ कुझ वेखण वाला है। फिर असां ने किताब दा वारिस उन्हां नूं बणाइया जिन्हां नूं असां ने अपणे बंदियां विचों चुण लिया। सो उन्हां विचों कोई अपणी जान उत्ते ज़ुलम करन वाला है, कोई विचकारले राह चल्लण वाला, ते कोई अल्लाह दे हुक्म नाल नेकियां विच सभ

तों अग्गे निकल जाण वाला। इही वड्डा फ़ज़ल है: अदन दे बाग़ जिन्हां विच ओह दाख़िल होणगे, उत्थे उन्हां नूं सोने दे कंगणां ते मोतियां नाल सजाइया जावेगा, ते उत्थे उन्हां दा लिबास रेशम होवेगा। ते ओह आखणगे, "सारी तारीफ़ अल्लाह लई है, जिस ने साडे तों हर ग़म दूर कर दित्ता। बेशक साडा रब्ब बड़ा बख़्शण वाला, क़दरदान है: जिस ने अपणे फ़ज़ल नाल सानूं सदा रहण दे घर विच उतारिया, जित्थे ना सानूं कोई मुशक़्क़त छूंहदी है, ते ना कोई थकावट।" ते जो सच्च दे इनकारी हन उन्हां लई जहन्नम दी अग्ग है: ना उन्हां दा कम्म तमाम कीता जावेगा कि ओह मर जाण, ते ना उन्हां तों उस दा अज़ाब हलका कीता जावेगा। इस तरां असीं हर नाशुकरे नूं बदला दिंदे हां। ते ओह उस विच चीकणगे, "ऐ साडे रब्ब, सानूं कढ्ढ लै, असीं नेक कम्म करांगे, ओह नहीं जो पहिलां करदे सां!" "की असां ने तुहानूं इन्नी उमर ना दित्ती सी कि जिस ने नसीहत फड़नी हुंदी ओह उस विच नसीहत फड़ लैंदा? ते तुहाडे कोल ख़बरदार करन वाला वी आइया सी। सो हुण चक्खो: ज़ालिमां दा कोई मददगार नहीं।" (31–37)

बेशक अल्लाह असमानां ते धरती दे ग़ैब दा जाणन वाला है; ओह सीनियां दियां गल्लां ख़ूब जाणदा है। ओही है जिस ने तुहानूं धरती विच जानशीन बणाइया। सो जो कोई सच्च दा इनकार करे, उस दा इनकार उसे उत्ते पवेगा; ते इनकारियां दा इनकार उन्हां दे रब्ब दे नज़दीक उन्हां लई बेज़ारी ही वधाउंदा है, ते उन्हां दा इनकार उन्हां लई घाटा ही वधाउंदा है। आख, "की तुसीं अपणे उन्हां शरीकां नूं वेखिया जिन्हां नूं तुसीं अल्लाह तों सिवा पुकारदे हो? मैनूं दिखाओ उन्हां ने धरती विचों की पैदा कीता है। जां असमानां विच उन्हां दा कोई हिस्सा है? जां असां ने उन्हां नूं कोई किताब दित्ती है, कि ओह उस दी खुल्ही दलील उत्ते हन?" नहीं—बल्कि ज़ालिम इक्क दूजे नाल निरे धोखे दा वादा करदे हन। (38–40)

बेशक अल्लाह ही असमानां ते धरती नूं थंमी होए है कि ओह टल ना जाण; ते जे ओह टल जाण, तां उस तों बाद कोई उन्हां नूं थंम नहीं सकदा। बेशक ओह बुर्दबार, बड़ा बख़्शण वाला है।[41] (41)

ते उन्हां ने अल्लाह दियां पक्कियां तों पक्कियां क़समां खाधियां सन कि जे उन्हां कोल कोई ख़बरदार करन वाला आइया, तां ओह हर उम्मत तों वध हिदायत उत्ते होणगे; पर जदों उन्हां कोल ख़बरदार करन वाला आ गिया, तां इस ने उन्हां दी नफ़रत ही वधाई, ज़मीन विच घमंड करन ते बुरियां चालां चल्लण दे कारन। ते बुरी चाल अपणे चल्लण वालियां नूं ही घेरदी है। तां की ओह उसे दस्तूर दी उडीक विच हन जो अगलियां दे नाल वरतिया गिया? सो तूं अल्लाह दे दस्तूर विच कोई तबदीली ना पाएंगा; ते ना तूं अल्लाह दे दस्तूर नूं टलदा पाएंगा। की ओह ज़मीन विच चल्ले-फिरे नहीं कि वेखदे उन्हां तों पहिलां वालियां दा अंजाम किहो जिहा

[41] ऑकेज़नलिज़्म (हर घटना दा सिद्धा कारन अल्लाह) – द ग्लोरियस क़ुरआन ऐंड साइंस
लगातार तख़लीक़ दी माबाद-उत-तबीआत: क़ुरआन 30:25 ते 35:41 दी इक्क साइंसी, फ़लसफ़ी ते दीनी तफ़सीर
वीडियो: अल्लाह असमानां ते धरती नूं थंमी होए है, किते एह मिट ना जाण
क़ुरआन 35:41 ते 6:59 विच थंमणा ते दर्ज करना, फ़िज़िकल इनफ़रमेशन थिऊरी ते सिमूलेशन हाइपोथिसिस दे नाल गल्लबात विच
वजूद विच थंमी होई काइनात: क़ुरआन 30:25 ते 35:41 दी इक्क तफ़सीर

होइया, हालांकि ओह इन्हां तों ताक़त विच वध सन? ते अल्लाह अजिहा नहीं कि असमानां विच जां धरती विच कोई चीज़ उस नूं आजिज़ कर सके: बेशक ओह सभ कुझ जाणन वाला, क़ुदरत वाला है। ते जे अल्लाह लोकां नूं उन्हां दी कमाई उत्ते फड़दा, तां ज़मीन दी पिट्ठ उत्ते किसे जानदार नूं ना छड्डदा। पर ओह उन्हां नूं इक्क मुक़र्रर मुद्दत तक्क मुहलत दिंदा है; फिर जदों उन्हां दी मुद्दत आ जावेगी—तां अल्लाह अपणे बंदियां नूं ख़ूब वेख रिहा है। (42–45)

36. या सीन (या सीन)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

या सीन। (1)

हिकमत वाले क़ुरआन दी क़सम, बेशक तूं रसूलां विचों हैं, सिद्धे राह उत्ते— एह ज़बरदस्त, सदा रहम करन वाले दा उतारिया होइया है, तां जो तूं उन्हां लोकां नूं ख़बरदार करें जिन्हां दे पिओ-दादियां नूं ख़बरदार नहीं कीता गिया सी, सो ओह ग़ाफ़िल हन। उन्हां विचों बहुतियां उत्ते गल्ल पूरी हो चुक्की है, सो ओह ईमान नहीं लिआउंदे। असां ने उन्हां दियां गरदनां विच तौक़ पा दित्ते हन, जो ठोडियां तक्क हन, सो उन्हां दे सिर उत्तांह उट्ठे होए हन; ते असां ने उन्हां दे अग्गे इक्क आड़ कर दित्ती ते उन्हां दे पिच्छे इक्क आड़, ते उन्हां नूं ढक दित्ता, सो ओह वेख नहीं सकदे। ते उन्हां लई बराबर है भावें तूं उन्हां नूं ख़बरदार करें जां ख़बरदार ना करें: ओह ईमान नहीं लिआउणगे। तूं तां बस उसे नूं ख़बरदार कर सकदा हैं जो नसीहत दे पिच्छे चल्ले ते बिनां वेखे रहमान तों डरे। सो अजिहे आदमी नूं बख़शिश ते इज़्ज़त वाले अजर दी ख़ुशख़बरी दे दे। बेशक असीं ही मुरदियां नूं ज़िंदा करदे हां, ते असीं लिखदे जांदे हां जो कुझ उन्हां ने अग्गे भेजिया ते जो निशान ओह पिच्छे छड्ड गए; ते हर चीज़ असां ने इक्क खुल्ही किताब विच गिण रक्खी है। (2–12)

ते उन्हां दे साहमणे इक्क मिसाल बिआन कर: उस बस्ती दे लोकां दी, जदों उस विच रसूल आए। जदों असां ने उन्हां वल्ल दो भेजे, तां उन्हां ने दोहां नूं झुठला दित्ता; फिर असां ने तीजे नाल उन्हां नूं ताक़त दित्ती, ते उन्हां ने आखिया, “असीं तुहाडे वल्ल भेजे गए हां।” उन्हां ने आखिया, “तुसीं तां बस साडे वरगे इनसान हो; ते रहमान ने कुझ वी नहीं उतारिया। तुसीं निरा झूठ बोलदे हो।” उन्हां ने आखिया, “साडा रब्ब जाणदा है कि असीं तुहाडे वल्ल भेजे गए हां, ते साडे ज़िंमे तां बस साफ़-साफ़ पैग़ाम पहुंचा देणा है।” उन्हां ने आखिया, “असीं तुहानूं मनहूस समझदे हां। जे तुसीं बाज़ ना आए, तां असीं तुहानूं ज़रूर संगसार कर दिआंगे, ते साडे वल्लों तुहानूं दर्दनाक अज़ाब पहुंचेगा।” उन्हां ने आखिया, “तुहाडी नहूसत तुहाडे अपणे नाल है। की इस लई कि तुहानूं नसीहत कीती गई? नहीं—बल्कि तुसीं हद्द तों लंघ जाण वाले लोक हो।” ते शहिर दे परले सिरे तों इक्क आदमी दौड़दा होइया आइया। उस ने आखिया, “ऐ मेरी क़ौम, रसूलां दे पिच्छे चल्लो! उन्हां दे पिच्छे चल्लो जो तुहाथों कोई बदला नहीं मंगदे, ते जो हिदायत उत्ते हन। ते मैं क्यों ना उस दी इबादत करां जिस ने मैनूं पैदा कीता, ते जिस वल्ल तुसीं मोड़े जाओगे? की मैं उस तों सिवा होर माबूद बणा लवां? जे रहमान मेरे लई किसे नुक़सान दा इरादा करे, तां उन्हां दी सिफ़ारिश मेरे कुझ कम्म ना आवेगी, ते ना ओह मैनूं बचा सकणगे। तद तां मैं यक़ीनन खुल्ही गुमराही विच होवांगा। मैं तुहाडे रब्ब उत्ते ईमान लै आइया, सो मेरी गल्ल सुणो।” (13–25)

आखिया गिया, “जन्नत विच दाख़िल हो जा।” उस ने आखिया, “काश मेरी क़ौम जाणदी कि मेरे रब्ब ने मैनूं किवें बख़्श दित्ता ते मैनूं इज़्ज़त वालियां विच शामिल कर दित्ता।” ते उस तों बाद असां ने उस दी क़ौम उत्ते

असमान तों कोई लशकर ना उतारिया, ते ना सानूं उतारन दी लोड़ सी: ओह तां बस इक्को कड़क सी, ते अचानक ओह बुझ के रह गए। (26–29)

अफ़सोस बंदियां उत्ते! उन्हां कोल जो वी रसूल आइया उन्हां ने उस दा मख़ौल ही उडाइया। की उन्हां ने नहीं वेखिया कि असां ने उन्हां तों पहिलां किन्नियां ही नसलां हलाक कर दित्तियां, ते एह कि ओह उन्हां वल्ल मुड़ के नहीं आउंदे? ते ओह सभ दे सभ, इकट्ठे करके, साडे साहमणे हाज़िर कीते जाणगे। ते उन्हां लई इक्क निशानी मुरदा ज़मीन है: असां ने उस नूं ज़िंदा कीता ते उस विचों अनाज कड्ढिया, सो उस विचों ओह खांदे हन। ते असां ने उस विच खजूरां ते अंगूरां दे बाग़ बणाए, ते उस विच चश्मे फाड़ कढ्ढे, तां जो ओह उस दे फल खाण—हालांकि एह उन्हां दे हत्थां दा बणाइया होइया नहीं। तां की ओह शुकर नहीं करदे? पाक है ओह जिस ने सारे जोड़े पैदा कीते: उन्हां चीज़ां विचों जो ज़मीन उगाउंदी है, ते उन्हां दे अपणे विचों, ते उन्हां चीज़ां विचों जिन्हां नूं ओह नहीं जाणदे। ते उन्हां लई इक्क निशानी रात है: असीं उस उत्तों दिन नूं खिच्च लैंदे हां, तां ओह हनेरे विच रह जांदे हन। ते सूरज अपणे मुक़र्रर टिकाणे वल्ल चल्लदा जा रिहा है: एह ज़बरदस्त, सभ कुझ जाणन वाले दा बंन्हिया होइया अंदाज़ा है। ते चंन—उस लई असां ने मंज़िलां मुक़र्रर कर दित्तियां हन, इत्थों तक्क कि ओह फिर खजूर दी पुराणी सुक्की टाहणी वरगा हो जांदा है। ना सूरज दी मजाल है कि चंन नूं जा फड़े, ते ना रात दिन तों अग्गे निकल सकदी है: हर इक्क इक्क दाइरे विच तर रिहा है। (30–40)

ते उन्हां लई इक्क निशानी एह है कि असां ने उन्हां दी नसल नूं भरी होई किश्ती विच सवार कीता, ते असां ने उन्हां लई उस वरगियां होर चीज़ां पैदा कीतियां, जिन्हां उत्ते ओह सवार हुंदे हन। ते जे असीं चाहीए, तां उन्हां नूं डोब देईए: फिर ना कोई उन्हां दी फ़रियाद सुणन वाला होवे, ते ना ओह बचाए जाण— सिवाए इस दे कि साडे वल्लों रहमत होवे, ते इक्क वक़्त तक्क फ़ाइदा उठाउण देणा। ते जदों उन्हां नूं आखिया जांदा है, "उस तों बचो जो तुहाडे अग्गे है ते जो तुहाडे पिच्छे है, तां जो तुहाडे उत्ते रहम कीता जावे," तां ओह मूंह मोड़ लैंदे हन। ते उन्हां दे रब्ब दियां निशानियां विचों कोई निशानी उन्हां कोल नहीं आउंदी पर ओह उस तों मूंह मोड़ लैंदे हन। ते जदों उन्हां नूं आखिया जांदा है, "जो कुझ अल्लाह ने तुहानूं दित्ता है उस विचों ख़र्च करो," तां सच्च दे इनकारी ईमान वालियां नूं आखदे हन, "की असीं उस नूं खुआईए जिस नूं अल्लाह चाहुंदा तां आप खुआ दिंदा? तुसीं तां बस खुल्ही गुमराही विच हो।" (41–47)

ते ओह आखदे हन, "एह वादा कदों पूरा होवेगा, जे तुसीं सच्चे हो?" ओह बस इक्को कड़क दी उडीक विच हन, जो उन्हां नूं आ फड़ेगी जदों ओह झगड़ रहे होणगे, फिर ना ओह कोई वसीअत कर सकणगे, ते ना अपणे घर वालियां वल्ल मुड़ सकणगे। (48–50)

ते सूर विच फूक मारी जावेगी, ते अचानक ओह अपणियां क़बरां विचों निकल के अपणे रब्ब वल्ल दौड़ पैणगे। ओह आखणगे, "हाए साडी कमबख़्ती! सानूं साडी सौण दी थां तों किस ने उठा दित्ता?" "इही है ओह जिस दा रहमान ने वादा कीता सी; ते रसूलां ने सच्च आखिया सी।" ओह तां बस इक्को कड़क होवेगी, ते अचानक ओह सभ दे सभ साडे साहमणे हाज़िर कर दित्ते जाणगे। "सो अज्ज किसे जान उत्ते कुझ वी ज़ुलम

ना कीता जावेगा, ते तुहानूं बस उसे दा बदला दित्ता जावेगा जो तुसीं करदे सी। बेशक जन्नत वाले अज्ज ख़ुशी दे शुग़ल विच हन; ओह ते उन्हां दे जोड़े छावां विच तख़्तां उत्ते तकिए लाई बैठे हन। उत्थे उन्हां लई फल हन, ते ओह सभ कुझ जो ओह मंगण। 'सलाम!'—सदा रहम करन वाले रब्ब वल्लों इक्क बोल। ते ऐ मुजरिमो, अज्ज वक्ख हो जाओ! ऐ आदम दी औलाद, की मैं तुहानूं ताकीद ना कीती सी कि शैतान दी बंदगी ना करना, किउंकि ओह तुहाडा खुल्हा दुश्मण है, ते एह कि मेरी ही इबादत करना? इही सिद्धा राह है। फिर वी उस ने तुहाडे विचों इक्क वड्डी ख़लक़त नूं गुमराह कर दित्ता। तां की तुसीं अक़ल तों कम्म नहीं लैंदे सी? इही है ओह जहन्नम जिस दा तुहाडे नाल वादा कीता जांदा सी। अज्ज इस विच सड़ो, इस लई कि तुसीं सच्च दा इनकार करदे सी।" (51–64)

अज्ज असीं उन्हां दे मूंहां उत्ते मोहर ला दिआंगे, ते उन्हां दे हत्थ साडे नाल बोलणगे, ते उन्हां दे पैर उस दी गवाही देणगे जो ओह कमाउंदे सन। ते जे असीं चाहुंदे, तां उन्हां दियां अक्खां मिटा दिंदे; फिर ओह राह वल्ल दौड़दे—पर उन्हां नूं किथों दिसदा? ते जे असीं चाहुंदे, तां उन्हां नूं उन्हां दी थां उत्ते ही बदल के रक्ख दिंदे, फिर ना ओह अग्गे चल्ल सकदे ना पिच्छे मुड़ सकदे। ते जिस नूं असीं लंबी उमर दिंदे हां, उस नूं बणावट विच उलटा दिंदे हां। तां की ओह अक़ल तों कम्म नहीं लैंदे? (65–68)

ते असां ने उस नूं शाइरी नहीं सिखाई, ते ना एह उस नूं शोभदी है। एह तां बस इक्क नसीहत ते खुल्हा क़ुरआन है, तां जो ओह हर उस नूं ख़बरदार करे जो ज़िंदा होवे, ते तां जो सच्च दे इनकारियां उत्ते गल्ल पूरी हो जावे। (69–70)

की उन्हां ने नहीं वेखिया कि असां ने उन्हां लई, अपणे हत्थां दियां बणाइयां चीज़ां विचों, डंगर पैदा कीते जिन्हां दे ओह मालिक हन? ते असां ने इन्हां नूं उन्हां दे वस विच कर दित्ता, सो इन्हां विचों कुझ उत्ते ओह सवार हुंदे हन ते कुझ नूं ओह खांदे हन; ते उन्हां लई इन्हां विच होर फ़ाइदे वी हन, ते पीण दियां चीज़ां वी। तां की ओह शुकर नहीं करदे? फिर वी उन्हां ने अल्लाह तों सिवा होर माबूद बणा लए हन, इस उम्मीद उत्ते कि उन्हां दी मदद कीती जावेगी। ओह उन्हां दी मदद नहीं कर सकदे, हालांकि एह उन्हां लई हाज़िर कीता होइया लशकर बणे खड़े हन। सो उन्हां दी गल्ल तैनूं ग़मगीन ना करे। बेशक असीं जाणदे हां जो कुझ ओह छुपाउंदे हन ते जो कुझ ज़ाहिर करदे हन। (71–76)

की इनसान ने नहीं वेखिया कि असां ने उस नूं इक्क बूंद तों पैदा कीता? फिर वी वेखो, ओह खुल्हा झगड़ालू बण बैठा! ते ओह साडे लई मिसाल घड़दा है ते अपणी पैदाइश नूं भुल्ल जांदा है। आखदा है, "हड्डियां नूं कौण ज़िंदा करेगा जदों ओह गल-सड़ के मिट्टी हो चुक्कियां होण?" आख, "उन्हां नूं ओही ज़िंदा करेगा जिस ने उन्हां नूं पहिली वारी पैदा कीता सी; ते ओह हर पैदाइश नूं ख़ूब जाणदा है— ओही जिस ने तुहाडे लई हरे रुक्ख विचों अग्ग पैदा कीती, सो तुसीं उस तों अग्ग बालदे हो।" की जिस ने असमानां ते धरती नूं पैदा कीता ओह इस उत्ते क़ादिर नहीं कि उन्हां वरगे होर पैदा कर देवे? क्यों नहीं! ते ओही वड्डा पैदा करन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। उस दा हुक्म तां, जदों ओह किसे चीज़ दा इरादा करदा है, बस इही हुंदा है कि उस नूं

आखदा है, “हो जा,” ते ओह हो जांदी है। सो पाक है ओह जिस दे हत्थ विच हर चीज़ दी बादशाही है; ते उसे वल्ल तुसीं मोड़े जाओगे। (77–83)

37. सफ़ां बंन्हण वाले (अस-साफ़्फ़ात)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

क़सम है उन्हां दी जो सफ़ां बंन्ह के खड़े हुंदे हन, फिर उन्हां दी जो झिड़क के हिक्कदे हन, फिर उन्हां दी जो नसीहत पढ़ के सुणाउंदे हन: बेशक तुहाडा माबूद इक्को ही है, असमानां ते धरती दा ते जो कुझ उन्हां दे विचकार है सभ दा रब्ब, ते सूरज चढ़न दियां सारियां थावां दा रब्ब। बेशक असां ने नेड़े दे असमान नूं तारियां दी ज़ीनत नाल सजाइया है, ते हर सरकश शैतान तों हिफ़ाज़त लई वी। ओह उच्ची मजलिस दियां गल्लां कन्न ला के नहीं सुण सकदे, ते हर पासे तों उन्हां उत्ते मार पैंदी है, धक्के दे के भजाए जांदे हन; ते उन्हां लई सदा रहण वाला अज़ाब है— सिवाए उस दे जो कोई गल्ल उचक लै भज्जे, तां इक्क चमकदा होइया शोला उस दा पिच्छा करदा है। (1–10)

सो उन्हां तों पुच्छ: की इन्हां दा पैदा करना वध मुश्किल है, जां उन्हां दूजियां दा जिन्हां नूं असां ने पैदा कीता है? बेशक असां ने इन्हां नूं चिपकदे गारे तों पैदा कीता। बल्कि तूं हैरान हुंदा हैं, ते ओह मख़ौल करदे हन, ते जदों उन्हां नूं नसीहत कीती जांदी है तां नसीहत नहीं फड़दे, ते जदों कोई निशानी वेखदे हन तां उस दा मख़ौल उडाउंदे हन, ते आखदे हन, "एह तां बस खुल्हा जादू है। की! जदों असीं मर जावांगे ते मिट्टी ते हड्डियां हो जावांगे, तां की सच्चमुच असीं उठाए जावांगे— ते साडे अगले पिओ-दादे वी?" आख, "हां—ते तुसीं ज़लील वी होवोगे।" ओह तां बस इक्को डांट होवेगी, ते अचानक ओह वेखण लग्ग पैणगे। ते आखणगे, "हाए साडी कमबख़्ती! एह तां बदले दा दिन है।" "इही है फ़ैसले दा दिन, जिस नूं तुसीं झुठलाउंदे सी।" "इकट्ठा करो उन्हां नूं जिन्हां ने ज़ुलम कीता, ते उन्हां दे साथियां नूं ते उन्हां नूं वी जिन्हां दी ओह अल्लाह तों सिवा इबादत करदे सन, फिर उन्हां नूं भड़कदी अग्ग दे राह पाओ; ते उन्हां नूं ठहिराओ, किउंकि उन्हां तों पुच्छिया जाणा है: तुहानूं की होइया, कि तुसीं इक्क दूजे दी मदद नहीं करदे?" नहीं—बल्कि उस दिन ओह पूरी तरां हथियार सुट्ट चुक्के होणगे। ते ओह इक्क दूजे वल्ल मूंह करके सवाल-जवाब करनगे। ओह आखणगे, "तुसीं ही तां साडे कोल सज्जे पासिओं आउंदे सी।" ओह आखणगे, "नहीं—बल्कि तुसीं आप ही ईमान वाले ना सी। ते साडा तुहाडे उत्ते कोई ज़ोर ना सी; नहीं, बल्कि तुसीं आप ही हद्द तों लंघ जाण वाले लोक सी। सो साडे रब्ब दी गल्ल साडे उत्ते पूरी हो गई: बेशक असीं अज़ाब चक्खण वाले हां। असां ने तुहानूं गुमराह कीता, किउंकि असीं आप गुमराह सां।" सो उस दिन ओह अज़ाब विच इक्क दूजे दे शरीक होणगे। बेशक असीं मुजरिमां दे नाल इसे तरां करदे हां। जदों उन्हां नूं आखिया जांदा सी, "अल्लाह तों सिवा कोई माबूद नहीं," तां ओह घमंड करदे सन, ते आखदे सन, "की असीं इक्क दीवाने शाइर दी ख़ातिर अपणे माबूदां नूं छड्ड देईए?" नहीं—बल्कि ओह सच्च लै के आइया है, ते उस ने रसूलां दी तसदीक़ कीती है। बेशक तुसीं दर्दनाक अज़ाब चक्खण वाले हो, ते तुहानूं बस उसे दा बदला दित्ता जावेगा जो तुसीं करदे सी— (11–39)

सिवाए अल्लाह दे चुणे होए बंदियां दे। उन्हां लई जाणी-पछाणी रोज़ी है: फल; ते उन्हां दी इज़्ज़त कीती जावेगी नेमतां भरे बाग़ां विच, तख़्तां उत्ते, आहमणे-साहमणे बैठे होए। उन्हां दे विचकार वगदे चश्मे दा जाम

फेरिया जावेगा, चिट्टा, पीण वालियां लई सुआदला, जिस विच ना कोई नुक़सान है, ते ना उस नाल उन्हां नूं नशा चढ़ेगा। ते उन्हां दे कोल नीवियां निगाहां वालियां, सोहणियां अक्खां वालियां साथणां होणगियां, जिवें ओह छुपा के रक्खे होए अंडे होण। (40–49)

फिर ओह इक्क दूजे वल्ल मूंह करके पुच्छ-गिच्छ करनगे। उन्हां विचों इक्क आखण वाला आखेगा, "मेरा इक्क साथी सी जो आखदा हुंदा सी, 'की तूं वी सच्चमुच उन्हां विचों हैं जो मन्नदे हन कि जदों असीं मर जावांगे ते मिट्टी ते हड्डियां हो जावांगे तां सानूं बदला दित्ता जावेगा?'" ओह आखेगा, "की तुसीं झाती मार के वेखोगे?" फिर ओह झाती मारेगा ते उस नूं भड़कदी अग्ग दे विचकार वेखेगा। आखेगा, "अल्लाह दी क़सम, तूं तां मैनूं तबाह ही कर चल्लिया सी! ते जे मेरे रब्ब दा फ़ज़ल ना हुंदा, तां मैं वी उन्हां विचों हुंदा जो हाज़िर कीते गए हन। तां की हुण असीं मरन वाले नहीं सिवाए अपणी पहिली मौत दे, ते ना सानूं अज़ाब दित्ता जावेगा? बेशक इही वड्डी कामयाबी है!" अजिही ही चीज़ लई अमल करन वालियां नूं अमल करना चाहीदा है। की एह मिहमानी बिहतर है, जां ज़क़्क़ूम दा रुक्ख? असां ने उस नूं ज़ालिमां लई आज़माइश बणाइया है। ओह इक्क रुक्ख है जो भड़कदी अग्ग दी तहि विचों निकलदा है; उस दे गुच्छे इउं हन जिवें शैतानां दे सिर। सो ओह उस विचों खाणगे ते उसे नाल ढिड्ड भरनगे; फिर उस दे उत्तों उन्हां नूं खौलदे पाणी दा रलाअ मिलेगा; फिर उन्हां दी वापसी भड़कदी अग्ग वल्ल ही होवेगी। उन्हां ने अपणे पिओ-दादियां नूं गुमराह पाइया, ते ओह उन्हां ही दे क़दमां दे निशानां उत्ते दौड़दे चले जा रहे हन। ते उन्हां तों पहिलां अगलियां विचों बहुते गुमराह हो चुक्के हन, हालांकि असां ने उन्हां विच ख़बरदार करन वाले भेजे सन। सो वेख कि जिन्हां नूं ख़बरदार कीता गिया सी उन्हां दा अंजाम किहो जिहा होइया— सिवाए अल्लाह दे चुणे होए बंदियां दे। (50–74)

ते नूह ने सानूं पुकारिया, तां असीं किन्ने चंगे जवाब देण वाले हां! ते असां ने उस नूं ते उस दे घर वालियां नूं वड्डी बिपता तों बचा लिया, ते उस दी नसल नूं ही बाक़ी रहण वाला बणाइया, ते बाद विच आउण वालियां विच उस दा नेक नाम छड्डिया: "सलाम है नूह उत्ते सारे जहानां विच!" बेशक असीं नेकी करन वालियां नूं इसे तरां बदला दिंदे हां: बेशक ओह साडे ईमान वाले बंदियां विचों सी। फिर असां ने दूजियां नूं डोब दित्ता। (75–82)

ते बेशक उसे दे गिरोह विचों इबराहीम सी, जदों ओह अपणे रब्ब दे कोल सलामत दिल लै के आइया, जदों उस ने अपणे पिओ ते अपणी क़ौम नूं आखिया, "तुसीं किस चीज़ दी इबादत करदे हो? की तुसीं इक्क झूठ— अल्लाह तों सिवा होर माबूद—चाहुंदे हो? तां सारे जहानां दे रब्ब बारे तुहाडा की ख़ियाल है?" फिर उस ने तारियां वल्ल इक्क नज़र मारी ते आखिया, "मैं बीमार हां।" सो ओह उस तों पिट्ठ फेर के चले गए। फिर ओह उन्हां दे माबूदां वल्ल मुड़िया ते आखिया, "की तुसीं खांदे नहीं? तुहानूं की होइया, कि तुसीं बोलदे नहीं?" फिर ओह उन्हां उत्ते टुट्ट पिया, सज्जे हत्थ नाल मारदा होइया। तां ओह दौड़दे होए उस वल्ल आए। उस ने आखिया, "की तुसीं उन्हां दी इबादत करदे हो जिन्हां नूं तुसीं आप तराशदे हो, हालांकि अल्लाह ने तुहानूं वी पैदा कीता ते उस नूं वी जो तुसीं बणाउंदे हो?" उन्हां ने आखिया, "इस दे लई इक्क इमारत बणाओ, ते इस नूं

भड़कदी अग्ग विच सुट्ट देओ।" सो उन्हां ने उस दे ख़िलाफ़ चाल चल्लणी चाही, पर असां ने उन्हां ही नूं नीवां कर दित्ता। (83–98)

ते उस ने आखिया, "मैं अपणे रब्ब वल्ल जा रिहा हां; ओह मैनूं राह दिखावेगा। ऐ मेरे रब्ब, मैनूं नेकां विचों इक्क पुत्तर अता कर।" सो असां ने उस नूं इक्क बुर्दबार मुंडे दी ख़ुशख़बरी दित्ती। फिर जदों ओह उस दे नाल दौड़न-भज्जण दी उमर नूं पहुंचिया, तां उस ने आखिया, "ऐ मेरे पुत्तर, मैं सुपने विच वेखिया है कि मैं तैनूं क़ुरबान कर रिहा हां। सो वेख तेरी की राए है।" उस ने आखिया, "अब्बा जी, जो हुक्म तुहानूं दित्ता जा रिहा है ओह कर गुज़रो; अल्लाह ने चाहिया तां तुसीं मैनूं सब्र करन वालियां विचों पाओगे।" फिर जदों दोहां ने अपणे आप नूं अल्लाह दे हवाले कर दित्ता, ते उस ने उस नूं मत्थे दे भार लिटा दित्ता, तां असां ने उस नूं पुकारिया, "ऐ इबराहीम! तूं सुपना सच्च कर दिखाइया।" बेशक असीं नेकी करन वालियां नूं इसे तरां बदला दिंदे हां। बेशक एह इक्क खुल्ही आज़माइश सी। ते असां ने इक्क वड्डी क़ुरबानी दे के उस नूं छुडा लिया, ते बाद विच आउण वालियां विच उस दा नेक नाम छड्डिया: "सलाम है इबराहीम उत्ते!" असीं नेकी करन वालियां नूं इसे तरां बदला दिंदे हां: बेशक ओह साडे ईमान वाले बंदियां विचों सी। (99–111)

ते असां ने उस नूं इसहाक़ दी ख़ुशख़बरी दित्ती, जो नबी होवेगा, नेकां विचों। ते असां ने उस उत्ते ते इसहाक़ उत्ते बरकतां उतारियां; ते उन्हां दी औलाद विचों कोई नेकी करन वाला है ते कोई अपणी जान उत्ते खुल्हा ज़ुलम करन वाला। ते बेशक असां ने मूसा ते हारून उत्ते अहिसान कीता, ते उन्हां नूं ते उन्हां दी क़ौम नूं वड्डी बिपता तों बचा लिया; ते असां ने उन्हां दी मदद कीती, सो ओही ग़ालिब रहे; ते असां ने उन्हां नूं ओह किताब दित्ती जो गल्लां नूं खोल्ह के बिआन करदी है, ते उन्हां नूं सिद्धे राह दी हिदायत दित्ती; ते बाद विच आउण वालियां विच उन्हां दा नेक नाम छड्डिया: "सलाम है मूसा ते हारून उत्ते!" बेशक असीं नेकी करन वालियां नूं इसे तरां बदला दिंदे हां: बेशक ओह दोवें साडे ईमान वाले बंदियां विचों सन। (112–122)

ते बेशक इलयास वी रसूलां विचों सी, जदों उस ने अपणी क़ौम नूं आखिया, "की तुसीं अल्लाह तों सुचेत नहीं होवोगे? की तुसीं बअल नूं पुकारदे हो, ते सभ तों चंगे पैदा करन वाले नूं छड्ड दिंदे हो— अल्लाह नूं, जो तुहाडा रब्ब है ते तुहाडे अगले पिओ-दादियां दा रब्ब?" पर उन्हां ने उस नूं झुठला दित्ता, सो ओह ज़रूर अज़ाब लई हाज़िर कीते जाणगे— सिवाए अल्लाह दे चुणे होए बंदियां दे। ते बाद विच आउण वालियां विच असां ने उस दा नेक नाम छड्डिया: "सलाम है इलयास उत्ते!" बेशक असीं नेकी करन वालियां नूं इसे तरां बदला दिंदे हां: बेशक ओह साडे ईमान वाले बंदियां विचों सी। (123–132)

ते बेशक लूत वी रसूलां विचों सी। जदों असां ने उस नूं ते उस दे घर वालियां नूं, सभनां नूं, बचा लिया, सिवाए इक्क बुढ्ढी दे जो पिच्छे रह जाण वालियां विच सी; फिर असां ने दूजियां नूं तबाह कर दित्ता। ते तुसीं उन्हां दे कोलों सवेरे वी लंघदे हो ते रात नूं वी। तां की तुसीं अक़ल तों कम्म नहीं लैंदे? ते बेशक यूनुस वी रसूलां विचों सी। जदों ओह भरी होई किश्ती वल्ल भज्ज निकलिया, फिर गुणे पाए, तां ओह हारन वालियां विचों हो गिया; फिर उस नूं मच्छी ने निगल लिया, ते ओह मलामत दे लायक़ सी। सो जे ओह तसबीह करन वालियां विचों

ना हुंदा, तां उस दिन तक्क उस दे ढिड्ड विच ही रहिंदा जदों लोक उठाए जाणगे। फिर असां ने उस नूं चटियल किनारे उत्ते सुट्ट दित्ता, ते ओह बीमार सी, ते असां ने उस उत्ते इक्क कद्दू दी वेल उगा दित्ती। ते असां ने उस नूं इक्क लक्ख, जां उस तों वी वध लोकां वल्ल भेजिया; सो ओह ईमान लै आए, तां असां ने उन्हां नूं इक्क वक़्त तक्क ज़िंदगी दा मज़ा लैण दित्ता। (133–148)

सो उन्हां तों पुच्छ: की तेरे रब्ब लई धीआं हन, ते उन्हां लई पुत्तर? जां असां ने फ़रिश्तियां नूं औरतां बणाइया ते ओह वेख रहे सन? सुण लओ, ओह अपणे घड़े होए झूठ नाल ही आखदे हन, "अल्लाह दी औलाद है"; ते बेशक ओह झूठे हन। की उस ने पुत्तरां दी थां धीआं नूं पसंद कीता? तुहानूं की हो गिया है? तुसीं किहो जिहा फ़ैसला करदे हो? तां की तुसीं नसीहत नहीं फड़दे? जां तुहाडे कोल कोई खुल्ही सनद है? तां अपणी किताब लिआओ, जे तुसीं सच्चे हो। ते उन्हां ने उस दे ते जिन्नां दे विचकार रिश्ता ठहरा दित्ता है, हालांकि जिन्न ख़ूब जाणदे हन कि ओह हाज़िर कीते जाणगे। अल्लाह उन्हां गल्लां तों पाक है जो एह बिआन करदे हन!— सिवाए अल्लाह दे चुणे होए बंदियां दे। सो तुसीं ते जिन्हां दी तुसीं इबादत करदे हो किसे नूं उस तों बहिका नहीं सकदे, सिवाए उस दे जो भड़कदी अग्ग विच सड़न वाला है। "ते साडे विचों कोई नहीं पर उस दा इक्क मुक़र्रर मुक़ाम है; ते असीं ही सफ़ां बंन्ह के खड़े होण वाले हां; ते असीं ही तसबीह करन वाले हां।" (149–166)

ते एह लोक आखिया करदे सन, "जे साडे कोल अगलियां वल्लों कोई नसीहत हुंदी, तां असीं अल्लाह दे चुणे होए बंदे हुंदे।" फिर वी उन्हां ने इस दा इनकार कर दित्ता। सो छेती ही ओह जाण लैणगे। ते साडे भेजे होए बंदियां, रसूलां, दे हक़ विच साडी गल्ल पहिलां ही तै हो चुक्की है: कि उन्हां ही दी मदद कीती जावेगी, ते साडा लशकर—ओही ग़ालिब रहेगा। सो कुझ वक़्त लई उन्हां तों मूंह फेर लै, ते उन्हां नूं वेखदा रह; छेती ही ओह वी वेख लैणगे। तां की ओह साडे अज़ाब लई जलदी मचा रहे हन? फिर जदों ओह उन्हां दे विहड़े विच उतरेगा, तां उन्हां दी सवेर बहुत बुरी होवेगी जिन्हां नूं ख़बरदार कीता गिया सी। ते कुझ वक़्त लई उन्हां तों मूंह फेर लै, ते वेखदा रह; छेती ही ओह वी वेख लैणगे। पाक है तेरा रब्ब, इज़्ज़त दा मालिक, उन्हां गल्लां तों जो एह बिआन करदे हन! ते सलाम है रसूलां उत्ते, ते सारी तारीफ़ अल्लाह लई है, जो सारे जहानां दा रब्ब है। (167–182)

38. साद (साद)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

साद। नसीहत भरे क़ुरआन दी क़सम! बल्कि सच्च दे इनकारी घमंड ते ज़िद्द विच डुब्बे होए हन। उन्हां तों पहिलां असां ने किन्नियां ही नसलां हलाक कर दित्तियां! तां उन्हां ने पुकारां कीतियां, पर ओह बचण दा वेला ना रिहा सी। ते उन्हां नूं हैरानी है कि उन्हां कोल उन्हां ही विचों इक्क ख़बरदार करन वाला आइया, ते सच्च दे इनकारी आखदे हन, "एह जादूगर है, झूठा। की इस ने सारे माबूदां नूं इक्को माबूद बणा दित्ता? एह तां बड़ी अजीब गल्ल है!" ते उन्हां दे सरदार एह आखदे होए चल्ल पए, "चल्लो, ते अपणे माबूदां उत्ते जमे रहो। बेशक इस गल्ल विच कोई ग़रज़ है। असां ने एह गल्ल पिछले दीन विच कदे नहीं सुणी; एह तां बस इक्क घड़त है। की साडे सभनां विचों इसे उत्ते नसीहत उतारी गई?" नहीं—बल्कि ओह मेरी नसीहत बारे शक्क विच हन; नहीं, बल्कि उन्हां ने अजे मेरा अज़ाब चक्खिया ही नहीं। (1–8)

जां की उन्हां दे कोल तेरे रब्ब दी रहमत दे ख़ज़ाने हन, जो ज़बरदस्त, बड़ा अता करन वाला है? जां असमानां ते धरती दी ते जो कुझ उन्हां दे विचकार है उस दी बादशाही उन्हां दी है? तां ओह रस्सियां तान के उत्तांह चढ़ जाण! एह तां जत्थियां विचों इक्क लशकर है, जो इत्थे ही हार खावेगा। इन्हां तों पहिलां नूह दी क़ौम ने झुठलाइया, ते आद ने, ते मेख़ां वाले फ़िरऔन ने, ते समूद ने, ते लूत दी क़ौम ने, ते घणे जंगल वालियां ने—ओही सन ओह जत्थे। उन्हां विचों हर इक्क ने रसूलां नूं झुठलाइया, सो मेरा अज़ाब वाजब हो गिया। ते एह लोक बस इक्को कड़क दी उडीक विच हन, जिस विच कोई ढिल्ल ना होवेगी। ते आखदे हन, "ऐ साडे रब्ब, साडा हिस्सा सानूं हिसाब दे दिन तों पहिलां ही छेती दे दे!" जो कुझ एह आखदे हन उस उत्ते सब्र कर, ते साडे बंदे दाऊद नूं याद कर, जो ताक़त वाला सी; बेशक ओह सदा अल्लाह वल्ल रुजू करन वाला सी। (9–17)

असां ने पहाड़ां नूं उस दे नाल कम्म विच ला रक्खिया सी कि ओह शाम ते सूरज चढ़न वेले तसबीह करन, ते पंछियां नूं वी, इकट्ठे कीते होए: सभ उसे वल्ल रुजू करन वाले सन। ते असां ने उस दी बादशाही मज़बूत कीती, ते उस नूं हिकमत ते फ़ैसला-कुन गल्ल अता कीती। ते की तेरे कोल झगड़न वालियां दी ख़बर पहुंची है, जदों ओह कंध टप्प के उस दे हुजरे विच आ वड़े? जदों ओह दाऊद दे कोल आए, तां ओह उन्हां तों घबरा गिया। उन्हां ने आखिया, "डर ना। असीं दो झगड़न वाले हां, साडे विचों इक्क ने दूजे उत्ते ज़िआदती कीती है; सो साडे विचकार हक़ दे नाल फ़ैसला कर, ते बेइनसाफ़ी ना कर, ते सानूं सिद्धे राह दी हिदायत दे। एह मेरा भरा है। इस दे कोल निड़िन्नवे भेडां हन, ते मेरे कोल इक्को भेड है; ते इस ने आखिया, 'एह वी मेरे हवाले कर दे,' ते गल्लबात विच इस ने मैनूं दबा लिया।" उस ने आखिया, "इस ने तेरी भेड नूं अपणियां भेडां विच मिलाउण लई मंग के तेरे उत्ते ज़ुलम कीता है। ते बहुत सारे सांझी इक्क दूजे उत्ते ज़िआदती करदे हन—सिवाए उन्हां दे जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते, ते अजिहे थोड़े ही हन।" ते दाऊद समझ गिया कि असां ने उस नूं आज़माइया है; सो उस ने अपणे रब्ब तों बख़शिश मंगी, ते झुक के डिग्ग पिया, ते तौबा दे नाल उस

वल्ल रुजू कीता। सो असां ने उस दी ओह गल्ल बख़्श दित्ती; ते बेशक उस लई साडे कोल नेड़ता ते सोहणा टिकाणा है। "ऐ दाऊद, असां ने तैनूं ज़मीन विच जानशीन बणाइया है, सो लोकां दे विचकार हक़ दे नाल फ़ैसला कर, ते ख़ाहिश दे पिच्छे ना चल्ल, किते ओह तैनूं अल्लाह दे राह तों भटका ना देवे। बेशक जो लोक अल्लाह दे राह तों भटकदे हन उन्हां लई सख़्त अज़ाब है इस लई कि उन्हां ने हिसाब दे दिन नूं भुला दित्ता।" (18–26)

ते असां ने असमान ते धरती नूं ते जो कुझ उन्हां दे विचकार है बेकार पैदा नहीं कीता। एह उन्हां लोकां दा गुमान है जो सच्च दे इनकारी हन—सो तबाही है सच्च दे इनकारियां लई, अग्ग दे कारन! की असीं उन्हां नूं जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते उन्हां वरगा कर देईए जो ज़मीन विच फ़साद फैलाउंदे हन? जां की असीं अल्लाह तों सुचेत रहण वालियां नूं बदकारां वरगा कर देईए? एह इक्क बरकत वाली किताब है जो असां ने तेरे वल्ल उतारी है, तां जो ओह इस दियां आयतां उत्ते ग़ौर करन, ते तां जो अक़ल वाले नसीहत फड़न। (27–29)

ते दाऊद नूं असां ने सुलैमान अता कीता—किन्ना चंगा बंदा! बेशक ओह सदा अल्लाह वल्ल रुजू करन वाला सी। जदों शाम दे वेले उस दे साहमणे तिन्न पैरां उत्ते खड़े होण वाले तेज़-रफ़तार घोड़े पेश कीते गए, तां उस ने आखिया, "मैं अपणे रब्ब दी याद दी थां चंगियां चीज़ां दी मुहब्बत नूं पिआरा रक्खिया," इत्थों तक्क कि सूरज परदे दे पिच्छे छुप गिया। "उन्हां नूं मेरे कोल वापस लिआओ!" फिर ओह उन्हां दियां पिंडलियां ते गरदनां उत्ते हत्थ फेरन लग्गा। ते बेशक असां ने सुलैमान नूं आज़माइया, ते उस दे तख़्त उत्ते इक्क धड़ पा दित्ता; फिर उस ने रुजू कीता। उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मैनूं बख़्श दे, ते मैनूं अजिही बादशाही अता कर जो मेरे तों बाद किसे लई मुनासिब ना होवे। बेशक तूं ही बड़ा अता करन वाला हैं।" सो असां ने हवा नूं उस दे अधीन कर दित्ता, जो उस दे हुक्म नाल नरमी नाल चल्लदी सी जित्थे ओह चाहुंदा, ते शैतानां नूं वी, हर इमारत बणाउण वाले ते ग़ोताख़ोर नूं, ते होरां नूं जो ज़ंजीरां विच जकड़े होए सन। "एह साडी अता है: सो तूं अहिसान कर जां रोक रक्ख, तेरे तों कोई हिसाब नहीं।" ते बेशक उस लई साडे कोल नेड़ता ते सोहणा टिकाणा है। (30–40)

ते साडे बंदे अय्यूब नूं याद कर, जदों उस ने अपणे रब्ब नूं पुकारिया, "शैतान ने मैनूं थकावट ते अज़ाब पहुंचाइया है।" "अपणा पैर ज़मीन उत्ते मार! एह है नहाउण लई ठंढा पाणी, ते पीण लई।" ते असां ने उस नूं उस दे घर वाले अता कीते, ते उन्हां दे नाल उन्ने ही होर वी, अपणे वल्लों रहमत दे तौर ते ते अक़ल वालियां लई नसीहत दे तौर ते। "ते अपणे हत्थ विच तीलियां दा इक्क मुट्ठा लै ते उस नाल मार, ते अपणी क़सम ना तोड़।" बेशक असां ने उस नूं सब्र करन वाला पाइया—किन्ना चंगा बंदा! बेशक ओह सदा अल्लाह वल्ल रुजू करन वाला सी। (41–44)

ते साडे बंदियां इबराहीम, इसहाक़ ते याक़ूब नूं याद कर, जो ताक़त ते बसीरत वाले सन। असां ने उन्हां नूं इक्क ख़ालिस सिफ़त नाल चुण लिया सी: उस घर दी याद नाल। ते बेशक ओह साडे नज़दीक चुणे होए, नेक

लोकां विचों हन। ते इसमाईल, अल-यसअ ते ज़ुल-किफ़्ल नूं याद कर; ओह सभ नेक लोकां विचों सन। एह इक्क नसीहत है। ते बेशक अल्लाह तों सुचेत रहण वालियां लई सोहणा टिकाणा है: (45–49)

अदन दे बाग़, जिन्हां दे दरवाज़े उन्हां लई खुल्हे होणगे। उत्थे ओह तकिए लाई बैठे होणगे, ते बहुत सारे फल ते पीण दी चीज़ मंगवा रहे होणगे, ते उन्हां दे कोल नीवियां निगाहां वालियां, हम-उमर साथणां होणगियां। "इही है ओह जिस दा तुहाडे नाल हिसाब दे दिन लई वादा कीता जांदा है। बेशक एह साडी रोज़ी है; जो कदे ख़तम होण वाली नहीं।" (50–54)

गल्ल इही है। ते बेशक हद्द तों लंघ जाण वालियां लई बुरा टिकाणा है: जहन्नम, जिस विच ओह सड़नगे—सो किन्नी बुरी अराम दी थां है। गल्ल इही है। सो ओह इस नूं चक्खण: खौलदा पाणी ते पीप, ते इसे क़िसम दे होर जोड़े-जोड़े अज़ाब। "एह इक्क भीड़ है जो तुहाडे नाल वड़दी चली आ रही है। उन्हां लई कोई जी-आइयां नहीं! बेशक ओह अग्ग विच सड़न वाले हन।" ओह आखणगे, "नहीं—बल्कि तुहाडे लई ही कोई जी-आइयां नहीं! तुसीं ही एह साडे अग्गे लिआए—सो किन्नी बुरी ठहिरन दी थां है!" ओह आखणगे, "ऐ साडे रब्ब, जो कोई एह साडे अग्गे लिआइया, उस नूं अग्ग विच दुगणा अज़ाब दे।" ते ओह आखणगे, "सानूं की होइया, कि असीं उन्हां आदमियां नूं नहीं वेखदे जिन्हां नूं असीं बुरियां विच गिणदे सां? की असां ने उन्हां दा मख़ौल बणा रक्खिया सी, जां साडियां अक्खां उन्हां तों चुक्क गईयां हन?" बेशक एह गल्ल सच्ची है: अग्ग वालियां दा आपस दा झगड़ा। (55–64)

आख, "मैं तां बस ख़बरदार करन वाला हां। ते अल्लाह तों सिवा कोई माबूद नहीं, जो इक्को इक्क, सभ उत्ते ग़ालिब है, असमानां ते धरती दा ते जो कुझ उन्हां दे विचकार है सभ दा रब्ब, ज़बरदस्त, बड़ा बख़्शण वाला।" आख, "एह इक्क बड़ी वड्डी ख़बर है, ते तुसीं इस तों मूंह मोड़ रहे हो। मैनूं उच्ची मजलिस दा कोई इल्म ना सी जदों ओह झगड़ रहे सन। मेरे वल्ल तां बस इही वह्य कीती जांदी है कि मैं खुल्हा ख़बरदार करन वाला हां।" (65–70)

जदों तेरे रब्ब ने फ़रिश्तियां नूं आखिया, "मैं गारे तों इक्क इनसान पैदा करन वाला हां। सो जदों मैं उस नूं ठीक-ठाक कर लवां ते उस विच अपणी रूह फूक दिआं, तां उस दे अग्गे सजदे विच डिग्ग पैणा।" सो फ़रिश्तियां ने सजदा कीता, सभ दे सभ ने इकट्ठे— सिवाए इबलीस दे। उस ने घमंड कीता, ते ओह सच्च दे इनकारियां विचों सी। उस ने आखिया, "ऐ इबलीस, तैनूं किस चीज़ ने उस नूं सजदा करन तों रोकिया जिस नूं मैं अपणे दोहां हत्थां नाल पैदा कीता? की तूं घमंड कीता, जां तूं उच्चे दरजे वालियां विचों हैं?" उस ने आखिया, "मैं उस तों बिहतर हां: तूं मैनूं अग्ग तों पैदा कीता, ते उस नूं गारे तों पैदा कीता।" उस ने आखिया, "तां इत्थों निकल जा, किउंकि तूं धिक्कारिया होइया हैं, ते बदले दे दिन तक्क तेरे उत्ते मेरी लानत है।" उस ने आखिया, "ऐ मेरे रब्ब, मैनूं उस दिन तक्क मुहलत दे जदों लोक उठाए जाणगे।" उस ने आखिया, "तूं उन्हां विचों हैं जिन्हां नूं मुहलत दित्ती गई है मुक़र्रर वक़्त दे दिन तक्क।" उस ने आखिया, "तां तेरी इज़्ज़त दी क़सम, मैं उन्हां सभनां नूं ज़रूर गुमराह करांगा, सिवाए उन्हां विचों तेरे चुणे होए बंदियां दे।" उस ने आखिया, "तां

सच्च एह है—ते मैं सच्च ही आखदा हां: कि मैं जहन्नम नूं तेरे नाल ते उन्हां सभनां नाल ज़रूर भर दिआंगा जो उन्हां विचों तेरे पिच्छे चल्लणगे।" (71–85)

आख, "मैं इस उत्ते तुहाथों कोई बदला नहीं मंगदा, ते ना मैं बणावट करन वालियां विचों हां। एह तां बस सारे जहानां लई इक्क नसीहत है, ते कुझ वक़्त बाद तुसीं इस दी ख़बर ज़रूर जाण लओगे।" (86–88)

39. टोलियां (अज़-ज़ुमर)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

इस किताब दा उतारिया जाणा अल्लाह वल्लों है, जो ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। बेशक असां ने एह किताब तेरे वल्ल हक़ दे नाल उतारी है; सो अल्लाह दी इबादत कर, दीन नूं उसे लई ख़ालिस करदा होइया। सुण लओ, ख़ालिस दीन अल्लाह ही दा हक़ है। ते जिन्हां ने उस तों सिवा होर कारसाज़ बणा रक्खे हन, एह आखदे होए, "असीं तां इन्हां दी इबादत बस इस लई करदे हां कि एह सानूं अल्लाह दे होर नेड़े कर देण"—अल्लाह उन्हां दे विचकार उस गल्ल दा फ़ैसला कर देवेगा जिस विच ओह इख़तिलाफ़ करदे हन। बेशक अल्लाह उस नूं हिदायत नहीं दिंदा जो झूठा, नाशुकरा होवे। जे अल्लाह किसे नूं पुत्तर बणाउणा चाहुंदा, तां अपणी मख़लूक़ विचों जिस नूं चाहुंदा चुण लैंदा। ओह पाक है! ओही अल्लाह है, इक्को इक्क, सभ उत्ते ग़ालिब। उस ने असमानां ते धरती नूं हक़ दे नाल पैदा कीता। ओह रात नूं दिन उत्ते लपेटदा है ते दिन नूं रात उत्ते लपेटदा है; ते उस ने सूरज ते चंन नूं कम्म विच ला रक्खिया है, हर इक्क इक्क मुक़र्रर मुद्दत लई चल्ल रिहा है। सुण लओ, ओही ज़बरदस्त, बड़ा बख़्शण वाला है। (1–5)

उस ने तुहानूं इक्को जान तों पैदा कीता, फिर उसे तों उस दा जोड़ा बणाइया, ते उस ने तुहाडे लई डंगरां विचों अट्ठ जोड़े उतारे। ओह तुहानूं तुहाडियां मावां दे ढिड्डां विच पैदा करदा है, इक्क बणावट तों बाद दूजी बणावट, तिन्न हनेरियां दे अंदर। इही अल्लाह है, तुहाडा रब्ब; बादशाही उसे दी है। उस तों सिवा कोई माबूद नहीं। फिर तुसीं किधर फेरे जा रहे हो? जे तुसीं सच्च दा इनकार करो, तां अल्लाह तुहाडे तों बेनियाज़ है; फिर वी ओह अपणे बंदियां लई नाशुकरी पसंद नहीं करदा। ते जे तुसीं शुकर करो, तां ओह इस नूं तुहाडे लई पसंद करदा है। ते कोई बोझ चुक्कण वाली जान किसे दूजे दा बोझ नहीं चुक्केगी। फिर अपणे रब्ब ही वल्ल तुहाडी वापसी है, फिर ओह तुहानूं दस्स देवेगा जो कुझ तुसीं करदे सी। बेशक ओह सीनियां दियां गल्लां ख़ूब जाणदा है। (6–7)

ते जदों इनसान नूं कोई तकलीफ़ पहुंचदी है, तां ओह अपणे रब्ब नूं पुकारदा है, उसे वल्ल रुजू करदा होइया; फिर जदों ओह उस नूं अपणे वल्लों कोई नेमत बख़्श दिंदा है, तां ओह उस गल्ल नूं भुल्ल जांदा है जिस लई पहिलां पुकार रिहा सी, ते अल्लाह दे बराबर दे ठहराउण लग्गदा है तां जो उस दे राह तों भटकाए। आख, "अपणे इनकार दा थोड़ी देर मज़ा लै लै; बेशक तूं अग्ग वालियां विचों हैं।" भला ओह जो रात दियां घड़ियां विच बंदगी करदा है, सजदे विच ते खड़ा हो के, आख़िरत तों डरदा है ते अपणे रब्ब दी रहमत दी उम्मीद रक्खदा है, की ओह उस वरगा है जो अजिहा नहीं करदा? आख, "की जाणन वाले ते ना जाणन वाले बराबर हो सकदे हन?" नसीहत तां बस अक़ल वाले ही फड़दे हन। (8–9)

आख, "अल्लाह आखदा है: ऐ मेरे बंदियो जो ईमान लिआए हो, अपणे रब्ब तों सुचेत रहो। जिन्हां ने इस दुनिया विच नेकी कीती उन्हां लई भलाई है; ते अल्लाह दी ज़मीन खुल्ही है। बेशक सब्र करन वालियां नूं

उन्हां दा अजर बेहिसाब पूरा-पूरा दित्ता जावेगा।" आख, "मैनूं हुक्म दित्ता गिया है कि मैं अल्लाह दी इबादत करां, दीन नूं उसे लई ख़ालिस करदा होइया, ते मैनूं हुक्म दित्ता गिया है कि मैं सभ तों पहिला फ़रमांबरदार बणां।" आख, "जे मैं अपणे रब्ब दी नाफ़रमानी करां, तां मैनूं इक्क वड्डे दिन दे अज़ाब दा डर है।" आख, "मैं अल्लाह ही दी इबादत करदा हां, अपणे दीन नूं उसे लई ख़ालिस करदा होइया; सो तुसीं उस तों सिवा जिस दी चाहो इबादत करो।" आख, "असल घाटा खाण वाले ओही हन जिन्हां ने क़ियामत दे दिन अपणे आप नूं ते अपणे घर वालियां नूं घाटे विच पाइया। सुण लओ, इही खुल्हा घाटा है। उन्हां लई उन्हां दे उत्तों वी अग्ग दे छतर होणगे ते उन्हां दे हेठों वी छतर।" इसे चीज़ तों अल्लाह अपणे बंदियां नूं डराउंदा है: "ऐ मेरे बंदियो, मेरे तों सुचेत रहो।" (10–16)

ते जो लोक झूठे माबूदां दी इबादत तों बचे ते अल्लाह वल्ल रुजू कीता—उन्हां लई ख़ुशख़बरी है। सो मेरे बंदियां नूं ख़ुशख़बरी दे दे, जो गल्ल नूं ध्यान नाल सुणदे हन ते उस दी सभ तों चंगी गल्ल दे पिच्छे चल्लदे हन। इही हन जिन्हां नूं अल्लाह ने हिदायत दित्ती है; ते इही अक़ल वाले हन। भला जिस उत्ते अज़ाब दी गल्ल पूरी हो चुक्की होवे? तां की तूं उस नूं बचा सकदा हैं जो अग्ग विच है? पर जो लोक अपणे रब्ब तों सुचेत रहे उन्हां लई उच्चे महिल हन, जिन्हां दे उत्ते होर महिल बणे होए हन, जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन: एह अल्लाह दा वादा है—अल्लाह अपणे वादे दे ख़िलाफ़ नहीं करदा। (17–20)

की तूं नहीं वेखदा कि अल्लाह असमान तों पाणी उतारदा है फिर उस नूं ज़मीन विच चश्मे बणा के चला दिंदा है; फिर उस दे ज़रीए वक्खो-वक्ख रंगां दी खेती कढ्ढदा है; फिर ओह सुक्क जांदी है ते तूं उस नूं पीली पई वेखदा हैं; फिर ओह उस नूं चूरा-चूरा कर दिंदा है? बेशक इस विच अक़ल वालियां लई नसीहत है। (21)

भला जिस दा सीना अल्लाह ने फ़रमांबरदारी लई खोल्ह दित्ता होवे, सो ओह अपणे रब्ब वल्लों इक्क रौशनी उत्ते चल्ल रिहा होवे, की ओह उस वरगा है जिस दा दिल सख़्त हो गिया है? सो तबाही है उन्हां लई जिन्हां दे दिल अल्लाह दी याद वल्लों सख़्त हो गए हन! ओह खुल्ही गुमराही विच हन। अल्लाह ने सभ तों चंगा कलाम उतारिया है: इक्क अजिही किताब जिस दे हिस्से आपस विच मिलदे-जुलदे हन, जिस दियां गल्लां वार-वार दुहराइयां गईयां हन। इस नाल उन्हां लोकां दे लूं-कंडे खड़े हो जांदे हन जो अपणे रब्ब तों डरदे हन; फिर उन्हां दे जिसम ते उन्हां दे दिल अल्लाह दी याद वल्ल नरम पै जांदे हन। एह अल्लाह दी हिदायत है: ओह इस दे ज़रीए जिस नूं चाहुंदा है राह दिखाउंदा है; ते जिस नूं अल्लाह भटकण देवे उस लई कोई राह दिखाउण वाला नहीं। (22–23)

भला जो क़ियामत दे दिन अपणे चिहरे नूं सख़्त अज़ाब दी ढाल बणावेगा की ओह उस वरगा है जो अमन विच होवे? ते ज़ालिमां नूं आखिया जावेगा, "चक्खो उस दा मज़ा जो तुसीं कमाउंदे सी।" उन्हां तों पहिलां वालियां ने वी झुठलाइया, तां उन्हां उत्ते अज़ाब उत्थों आइया जित्थों उन्हां नूं गुमान वी ना सी। सो अल्लाह ने उन्हां नूं दुनिया दी ज़िंदगी विच रुसवाई दा मज़ा चखाइया; ते आख़िरत दा अज़ाब तां यक़ीनन इस तों वड्डा है, काश ओह जाणदे। (24–26)

ते असां ने इस क़ुरआन विच लोकां लई हर क़िसम दी मिसाल बिआन कर दित्ती है, तां जो ओह नसीहत फड़न: अरबी क़ुरआन, जिस विच कोई टेढ नहीं, तां जो ओह अल्लाह तों सुचेत होण। अल्लाह इक्क मिसाल बिआन करदा है: इक्क आदमी है जिस विच कई आपस विच झगड़न वाले सांझी शरीक हन, ते इक्क आदमी है जो पूरा दा पूरा इक्को मालिक दा है। की दोहां दा हाल इक्को जिहा है? सारी तारीफ़ अल्लाह लई है! पर उन्हां विचों बहुते नहीं जाणदे। (27–29)

बेशक तूं वी मरना है, ते इन्हां ने वी मरना है; फिर क़ियामत दे दिन तुसीं अपणे रब्ब दे हज़ूर आपस विच झगड़ोगे। सो उस तों वड्डा ज़ालिम कौण है जो अल्लाह उत्ते झूठ घड़े ते सच्च नूं झुठलाए जदों ओह उस दे कोल आवे? की जहन्नम विच सच्च दे इनकारियां दा ठिकाणा नहीं? ते जो सच्च लै के आइया, ते जिस ने उस दी तसदीक़ कीती—इही अल्लाह तों सुचेत रहण वाले हन। उन्हां लई उन्हां दे रब्ब दे कोल ओह सभ कुझ है जो ओह चाहुणगे। इही नेकी करन वालियां दा बदला है, तां जो अल्लाह उन्हां तों उन्हां दे सभ तों बुरे कम्म दूर कर देवे ते उन्हां नूं उन्हां दे सभ तों चंगे कम्मां दे मुताबिक़ उन्हां दा अजर देवे। (30–35)

की अल्लाह अपणे बंदे लई काफ़ी नहीं? फिर वी एह तैनूं उन्हां तों डराउंदे हन जो उस तों सिवा हन। ते जिस नूं अल्लाह भटकण देवे उस लई कोई राह दिखाउण वाला नहीं; ते जिस नूं अल्लाह हिदायत देवे, उस नूं कोई भटका नहीं सकदा। की अल्लाह ज़बरदस्त, बदला लैण वाला नहीं? ते जे तूं उन्हां तों पुच्छें कि असमानां ते धरती नूं किस ने पैदा कीता, तां ओह ज़रूर आखणगे, "अल्लाह ने।" आख, "तां की तुसीं ग़ौर कीता, जिन्हां नूं तुसीं अल्लाह तों सिवा पुकारदे हो? जे अल्लाह मेरे लई किसे तकलीफ़ दा इरादा करे, तां की एह उस दी भेजी तकलीफ़ दूर कर सकदे हन? जां जे ओह मेरे उत्ते रहमत दा इरादा करे, तां की एह उस दी रहमत नूं रोक सकदे हन?" आख, "मेरे लई अल्लाह काफ़ी है; भरोसा करन वाले उसे उत्ते भरोसा करदे हन।" आख, "ऐ मेरी क़ौम, तुसीं अपणी थां उत्ते अमल करदे रहो; मैं वी अमल कर रिहा हां। सो छेती ही तुसीं जाण लओगे कि किस उत्ते ओह अज़ाब आउंदा है जो उस नूं रुसवा कर देवेगा, ते किस उत्ते सदा रहण वाला अज़ाब उतरदा है।" (36–40)

बेशक असां ने लोकां लई तेरे उत्ते एह किताब हक़ दे नाल उतारी है। सो जो कोई हिदायत पावे, तां अपणे ही भले लई; ते जो कोई भटके, तां ओह अपणे ही नुक़सान लई भटकदा है। ते तूं उन्हां उत्ते कोई ज़िंमेदार नहीं। अल्लाह ही जानां नूं उन्हां दी मौत दे वेले क़बज़ करदा है, ते जिन्हां दी मौत नहीं आई उन्हां नूं उन्हां दी नींद विच। फिर जिन्हां उत्ते उस ने मौत दा फ़ैसला कर दित्ता है उन्हां नूं रोक रक्खदा है, ते दूजियां नूं इक्क मुक़र्रर मुद्दत तक्क वापस भेज दिंदा है। बेशक इस विच उन्हां लोकां लई निशानियां हन जो सोच-विचार करदे हन। जां की उन्हां ने अल्लाह तों सिवा सिफ़ारिशी बणा रक्खे हन? आख, "की भावें ओह किसे चीज़ दा इख़तियार ना रक्खदे होण, ते ना समझ रक्खदे होण?" आख, "सिफ़ारिश सारी दी सारी अल्लाह ही दे इख़तियार विच है। असमानां ते धरती दी बादशाही उसे दी है; फिर उसे वल्ल तुसीं मोड़े जाओगे।" (41–44)

ते जदों इकल्ले अल्लाह दा ज़िकर कीता जांदा है, तां उन्हां लोकां दे दिल जो आख़िरत उत्ते ईमान नहीं रक्खदे नफ़रत नाल सुंगड़ जांदे हन; ते जदों उस तों सिवा दूजियां दा ज़िकर कीता जांदा है, तां अचानक ओह ख़ुश हो जांदे हन। आख, "ऐ अल्लाह, असमानां ते धरती दे पैदा करन वाले, ग़ैब ते ज़ाहिर दे जाणन वाले! तूं ही अपणे बंदियां दे विचकार उस गल्ल दा फ़ैसला करेंगा जिस विच ओह इख़तिलाफ़ करदे रहे हन।" ते जे ज़ुलम करन वालियां कोल ओह सभ कुझ हुंदा जो ज़मीन विच है, ते उस दे नाल उन्ना ही होर वी, तां ओह क़ियामत दे दिन सख़्त अज़ाब तों छुट्टण लई उस नूं फ़िदिए विच दे दिंदे। ते अल्लाह वल्लों उन्हां दे साहमणे ओह कुझ ज़ाहिर होवेगा जिस दा उन्हां नूं गुमान वी ना सी; ते उन्हां दी कमाई दियां बुराइयां उन्हां दे साहमणे ज़ाहिर हो जाणगियां, ते जिस चीज़ दा ओह मख़ौल उडाउंदे सन ओही उन्हां नूं घेर लवेगी। (45–48)

ते जदों इनसान नूं कोई तकलीफ़ पहुंचदी है, तां ओह सानूं पुकारदा है; फिर जदों असीं उस नूं अपणे वल्लों कोई नेमत बख़्श दिंदे हां, तां आखदा है, "एह तां मैनूं इल्म दे कारन ही दित्ता गिया है।" नहीं—बल्कि एह इक्क आज़माइश है, पर उन्हां विचों बहुते नहीं जाणदे। इही गल्ल उन्हां तों पहिलां वालियां ने वी आखी सी, पर जो कुझ ओह कमाउंदे सन ओह उन्हां दे कुझ कम्म ना आइया। सो उन्हां दी कमाई दियां बुराइयां उन्हां उत्ते आ पईयां; ते इन्हां लोकां विचों जो ज़ुलम करदे हन—उन्हां उत्ते वी उन्हां दी कमाई दियां बुराइयां आ पैणगियां, ते ओह बच के निकल ना सकणगे। की उन्हां नूं पता नहीं कि अल्लाह जिस लई चाहुंदा है रोज़ी खुल्ही कर दिंदा है, ते नाप के वी दिंदा है? बेशक इस विच उन्हां लोकां लई निशानियां हन जो ईमान रक्खदे हन। (49–52)

आख, "अल्लाह आखदा है: ऐ मेरे बंदियो जिन्हां ने अपणी जानां उत्ते ज़िआदती कीती है, अल्लाह दी रहमत तों ना-उम्मीद ना होवो। बेशक अल्लाह सारे गुनाह बख़्श दिंदा है; बेशक ओही बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। ते अपणे रब्ब वल्ल रुजू करो, ते उस दे फ़रमांबरदार बण जाओ, इस तों पहिलां कि तुहाडे उत्ते अज़ाब आ जावे; फिर तुहाडी मदद ना कीती जावेगी। ते उस सभ तों चंगी गल्ल दे पिच्छे चल्लो जो तुहाडे रब्ब वल्लों तुहाडे वल्ल उतारी गई है, इस तों पहिलां कि तुहाडे उत्ते अचानक अज़ाब आ जावे, ते तुहानूं ख़बर वी ना होवे, किते कोई जान एह ना आखे, 'हाए अफ़सोस मेरे उत्ते, उस कोताही दे कारन जो मैं अल्लाह दे हक़ विच कीती, ते मैं तां मख़ौल उडाउण वालियां विचों ही रिहा!' जां एह आखे, 'जे अल्लाह मैनूं हिदायत दिंदा, तां मैं वी उस तों सुचेत रहण वालियां विचों हुंदा!' जां जदों अज़ाब वेखे तां एह आखे, 'काश मैनूं इक्क वारी होर मौक़ा मिल जावे, तां मैं नेकी करन वालियां विचों हो जावां!'" क्यों नहीं! तेरे कोल मेरियां आयतां आइयां सन, पर तूं उन्हां नूं झुठलाइया ते घमंड कीता, ते तूं सच्च दे इनकारियां विचों सी। (53–59)

ते क़ियामत दे दिन तूं उन्हां लोकां नूं जिन्हां ने अल्लाह उत्ते झूठ बोलिया वेखेंगा कि उन्हां दे चिहरे काले होणगे। की जहन्नम विच घमंड करन वालियां दा ठिकाणा नहीं? ते अल्लाह उन्हां लोकां नूं जो उस तों सुचेत रहे उन्हां दी कामयाबी दी थां पहुंचा के बचा लवेगा: ना उन्हां नूं कोई बुराई छूहेगी, ते ना ओह ग़मगीन होणगे। अल्लाह हर चीज़ दा पैदा करन वाला है, ते ओही हर चीज़ दा निगहबान है। असमानां ते धरती दियां कुंजियां उसे दे कोल हन; ते जिन्हां ने अल्लाह दियां आयतां दा इनकार कीता—ओही घाटा खाण वाले हन। (60–63)

आख, "ऐ जाहिलो, की तुसीं मैनूं अल्लाह तों सिवा किसे होर दी इबादत करन दा हुक्म दिंदे हो?" ते बेशक तेरे वल्ल वी, ते उन्हां वल्ल वी जो तैथों पहिलां सन, इही वह्य कीती गई है: "जे तूं शिरक कीता, तां तेरा अमल ज़रूर अकारथ हो जावेगा, ते तूं ज़रूर घाटा खाण वालियां विचों हो जावेंगा।" नहीं—बल्कि अल्लाह ही दी इबादत कर, ते शुकर करन वालियां विचों हो। ते उन्हां ने अल्लाह दी क़दर ना कीती जिवें उस दी क़दर करन दा हक़ सी। ते क़ियामत दे दिन सारी ज़मीन उस दी मुट्ठी विच होवेगी, ते असमान उस दे सज्जे हत्थ विच लपेटे होए होणगे। ओह पाक है! ते उस तों बहुत उच्चा है जो एह शरीक ठहराउंदे हन। ते सूर विच फूक मारी जावेगी, तां जो कोई असमानां विच है ते जो कोई धरती विच है सभ बेहोश हो के डिग्ग पैणगे, सिवाए उन्हां दे जिन्हां नूं अल्लाह चाहे। फिर उस विच दुबारा फूक मारी जावेगी, ते अचानक ओह खड़े हो के वेखण लग्गणगे। ते ज़मीन अपणे रब्ब दे नूर नाल चमक उट्ठेगी; ते किताब रक्ख दित्ती जावेगी; ते नबी ते गवाह लिआंदे जाणगे; ते उन्हां दे विचकार हक़ दे नाल फ़ैसला कर दित्ता जावेगा, ते उन्हां उत्ते ज़ुलम ना कीता जावेगा। ते हर जान नूं उस दे कीते दा पूरा-पूरा बदला दित्ता जावेगा; ते ओह ख़ूब जाणदा है जो कुझ ओह करदे हन। (64–70)

ते जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता सी ओह टोलियां दे रूप विच जहन्नम वल्ल हिक्के जाणगे; इत्थों तक्क कि जदों ओह उस दे कोल पहुंचणगे, तां उस दे दरवाज़े खोल्ह दित्ते जाणगे, ते उस दे दरोग़े उन्हां नूं आखणगे, "की तुहाडे कोल तुहाडे ही विचों रसूल नहीं आए सन, जो तुहानूं तुहाडे रब्ब दियां आयतां पढ़ के सुणाउंदे ते तुहानूं तुहाडे इस दिन दी मुलाक़ात तों ख़बरदार करदे सन?" ओह आखणगे, "हां, क्यों नहीं"—पर अज़ाब दी गल्ल सच्च दे इनकारियां उत्ते पूरी हो के रही। आखिया जावेगा, "जहन्नम दे दरवाज़ियां विच दाख़िल हो जाओ, उस विच सदा रहण लई।" सो किन्ना बुरा है घमंड करन वालियां दा ठिकाणा! (71–72)

ते जो लोक अपणे रब्ब तों सुचेत रहे सन ओह टोलियां दे रूप विच जन्नत वल्ल लै जाए जाणगे; इत्थों तक्क कि जदों ओह उस दे कोल पहुंचणगे, ते उस दे दरवाज़े पहिलां ही खुल्हे होणगे, तां उस दे दरोग़े उन्हां नूं आखणगे, "सलाम होवे तुहाडे उत्ते! तुसीं चंगे रहे, सो इस विच दाख़िल हो जाओ, सदा रहण लई।" ते ओह आखणगे, "सारी तारीफ़ अल्लाह लई है, जिस ने साडे नाल अपणा वादा सच्चा कर दिखाइया ते सानूं इस ज़मीन दा वारिस बणा दित्ता, कि असीं जन्नत विच जित्थे चाहीए रहीए।" सो किन्ना चंगा है अमल करन वालियां दा बदला! ते तूं फ़रिश्तियां नूं वेखेंगा कि अर्श दे आले-दुआले घेरा पाई होए हन, अपणे रब्ब दी हम्द दे नाल तसबीह कर रहे हन। ते उन्हां दे विचकार हक़ दे नाल फ़ैसला कर दित्ता जावेगा, ते आखिया जावेगा, "सारी तारीफ़ अल्लाह लई है, जो सारे जहानां दा रब्ब है।" (73–75)

40. बख़्शण वाला (ग़ाफ़िर)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

हा मीम। (1)

इस किताब दा उतारिया जाणा अल्लाह वल्लों है, जो ज़बरदस्त, सभ कुझ जाणन वाला है, गुनाह बख़्शण वाला ते तौबा क़बूल करन वाला, सख़्त सज़ा देण वाला, बड़े फ़ज़ल वाला। उस तों सिवा कोई माबूद नहीं; उसे वल्ल आख़िरी वापसी है। अल्लाह दियां आयतां विच कोई नहीं झगड़दा सिवाए उन्हां दे जो सच्च दे इनकारी हन; सो शहिरां विच उन्हां दा चल्लणा-फिरना तैनूं, ऐ नबी, धोखे विच ना पाए। इन्हां तों पहिलां नूह दी क़ौम ने झुठलाइया, ते उन्हां तों बाद दे जत्थियां ने वी; ते हर उम्मत ने अपणे रसूल दे ख़िलाफ़ इरादा कीता कि उस नूं फड़ लैण, ते बातिल दे सहारे झगड़े तां जो उस नाल सच्च नूं हरा देण—सो मैं उन्हां नूं फड़ लिया, तां किहो जिही सी मेरी सज़ा! ते इसे तरां तेरे रब्ब दी गल्ल सच्च दे इनकारियां उत्ते पूरी हो के रही: कि ओह अग्ग वाले हन। (2–6)

जो अर्श नूं चुक्की होए हन ते जो उस दे आले-दुआले हन ओह अपणे रब्ब दी हम्द दे नाल तसबीह करदे हन ते उस उत्ते ईमान रक्खदे हन, ते ईमान वालियां लई बख़शिश मंगदे हन: “ऐ साडे रब्ब, तूं अपणी रहमत ते इल्म नाल हर चीज़ नूं घेरी होए हैं; सो उन्हां नूं बख़्श दे जिन्हां ने तौबा कीती ते तेरे राह दे पिच्छे चल्ले, ते उन्हां नूं जहन्नम दे अज़ाब तों बचा लै। ऐ साडे रब्ब, ते उन्हां नूं अदन दे उन्हां बाग़ां विच दाख़िल कर जिन्हां दा तूं उन्हां नाल वादा कीता है, ते उन्हां दे पिओ-दादियां, उन्हां दे जोड़ियां ते उन्हां दी औलाद विचों जो नेक होण उन्हां नूं वी: बेशक तूं ही ज़बरदस्त, हिकमत वाला हैं। ते उन्हां नूं बुराइयां तों बचा; ते जिस नूं तूं उस दिन बुराइयां तों बचा लिया, उस उत्ते तूं रहम कीता—ते इही वड्डी कामयाबी है।” जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता उन्हां नूं पुकार के आखिया जावेगा: “अल्लाह दी तुहाडे नाल बेज़ारी उस तों किते वड्डी सी जिन्नी अज्ज तुहानूं अपणे आप नाल है; जदों तुहानूं ईमान वल्ल बुलाइया जांदा सी, तां तुसीं इनकार करदे सी।” ओह आखणगे, “ऐ साडे रब्ब, तूं सानूं दो वारी मौत दित्ती ते दो वारी ज़िंदगी दित्ती; हुण असीं अपणे गुनाहां दा इक़रार करदे हां। तां की निकलण दा कोई राह है?” “एह इस लई कि जदों इकल्ले अल्लाह नूं पुकारिया जांदा सी, तां तुसीं इनकार करदे सी; ते जे उस दे नाल शरीक ठहराए जांदे, तां तुसीं मन्न लैंदे सी। सो फ़ैसला अल्लाह ही दा है, जो सभ तों उच्चा, सभ तों वड्डा है।” (7–12)

ओही है जो तुहानूं अपणियां निशानियां दिखाउंदा है ते तुहाडे लई असमान तों रोज़ी उतारदा है; पर नसीहत ओही फड़दा है जो रुजू करे। सो अल्लाह नूं पुकारो, दीन नूं उसे लई ख़ालिस करदे होए, भावें सच्च दे इनकारियां नूं किन्ना ही बुरा लग्गे। ओह उच्चे दरजियां वाला, अर्श दा मालिक है, ओह अपणे हुक्म नाल रूह नूं अपणे बंदियां विचों जिस उत्ते चाहुंदा है उतारदा है, तां जो ओह मुलाक़ात दे दिन तों ख़बरदार करे— जिस दिन ओह निकल खड़े होणगे, उन्हां दी कोई चीज़ अल्लाह तों छुपी ना होवेगी। “अज्ज बादशाही किस दी

है?" "अल्लाह दी, जो इक्को इक्क, सभ उत्ते ग़ालिब है। अज्ज हर जान नूं उस दी कमाई दा बदला दित्ता जावेगा; अज्ज कोई ज़ुलम नहीं। बेशक अल्लाह छेती हिसाब लैण वाला है।" (13–17)

ते उन्हां नूं उस नेड़े आ रहे दिन तों ख़बरदार कर, जदों कलेजे घुटदे होए गलियां तक्क आ जाणगे; ज़ालिमां दा ना कोई दिली दोस्त होवेगा, ना कोई सिफ़ारिशी जिस दी गल्ल मन्नी जावे। ओह अक्खां दी ख़िआनत नूं जाणदा है ते उस नूं वी जो सीने छुपाउंदे हन। ते अल्लाह हक़ दे नाल फ़ैसला करदा है, ते जिन्हां नूं एह उस तों सिवा पुकारदे हन ओह किसे चीज़ दा फ़ैसला नहीं करदे। बेशक अल्लाह ही सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ वेखण वाला है। (18–20)

की ओह ज़मीन विच चल्ले-फिरे नहीं कि वेखदे उन्हां तों पहिलां वालियां दा अंजाम किहो जिहा होइया? ओह इन्हां तों ताक़त विच वी वध सन ते ज़मीन विच छड्डे निशानां विच वी, फिर वी अल्लाह ने उन्हां नूं उन्हां दे गुनाहां उत्ते फड़ लिया, ते उन्हां नूं अल्लाह तों बचाउण वाला कोई ना सी। एह इस लई कि उन्हां दे रसूल उन्हां कोल खुल्हियां दलीलां लै के आउंदे रहे ते उन्हां ने इनकार कीता; सो अल्लाह ने उन्हां नूं फड़ लिया। बेशक ओह ताक़तवर, सख़्त सज़ा देण वाला है। (21–22)

ते बेशक असां ने मूसा नूं अपणियां निशानियां ते खुल्ही सनद दे नाल भेजिया फ़िरऔन, हामान ते क़ारून वल्ल, पर उन्हां ने आखिया, "झूठा जादूगर!" फिर जदों ओह साडे वल्लों उन्हां कोल सच्च लै के आइया, तां उन्हां ने आखिया, "जो लोक इस दे नाल ईमान लिआए हन उन्हां दे पुत्तरां नूं क़तल कर देओ, ते उन्हां दियां औरतां नूं जींदा रहण देओ।" पर सच्च दे इनकारियां दी चाल गुमराही तों सिवा किते नहीं पहुंचदी। ते फ़िरऔन ने आखिया, "मैनूं छड्डो कि मैं मूसा नूं क़तल कर दिआं, ते ओह अपणे रब्ब नूं पुकार लवे! मैनूं डर है कि ओह तुहाडा दीन बदल देवेगा, जां ज़मीन विच फ़साद फैलावेगा।" ते मूसा ने आखिया, "मैं अपणे रब्ब ते तुहाडे रब्ब दी पनाह लैंदा हां हर उस घमंडी तों जो हिसाब दे दिन उत्ते ईमान नहीं रक्खदा।" (23–27)

ते फ़िरऔन दे घराणे विचों इक्क ईमान वाले आदमी ने, जो अपणा ईमान छुपाई रक्खदा सी, आखिया, "की तुसीं इक्क आदमी नूं इस लई क़तल करदे हो कि ओह आखदा है, 'मेरा रब्ब अल्लाह है,' हालांकि ओह तुहाडे रब्ब वल्लों तुहाडे कोल खुल्हियां दलीलां लै के आइया है? ते जे ओह झूठा है, तां उस दा झूठ उसे दे सिर है; ते जे ओह सच्चा है, तां जिस चीज़ तों ओह तुहानूं डराउंदा है उस विचों कुझ ना कुझ तुहाडे उत्ते आ पवेगा। बेशक अल्लाह उस नूं हिदायत नहीं दिंदा जो हद्द तों लंघण वाला, झूठा होवे। ऐ मेरी क़ौम, अज्ज बादशाही तुहाडी है, ते तुसीं ज़मीन विच ग़ालिब हो—पर अल्लाह दे अज़ाब दे मुक़ाबले विच साडी मदद कौण करेगा जे ओह साडे उत्ते आ गिया?" फ़िरऔन ने आखिया, "मैं तुहानूं ओही दिखाउंदा हां जो मैं आप वेखदा हां, ते मैं तुहानूं भलाई दे राह वल्ल ही लै जांदा हां।" (28–29)

ते उस आदमी ने जो ईमान लिआइया सी आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, मैनूं तुहाडे बारे जत्थियां दे दिन वरगे दिन दा डर है— नूह दी क़ौम, ते आद, ते समूद ते उन्हां तों बाद वालियां दे अंजाम वरगा। ते अल्लाह अपणे बंदियां उत्ते कोई ज़ुलम नहीं चाहुंदा। ते ऐ मेरी क़ौम, मैनूं तुहाडे बारे इक्क दूजे नूं पुकारन दे दिन दा डर है, जिस

दिन तुसीं पिट्ठ फेर के भज्जोगे, ते तुहानूं अल्लाह तों बचाउण वाला कोई ना होवेगा। ते जिस नूं अल्लाह भटकण देवे उस लई कोई राह दिखाउण वाला नहीं। ते इस तों पहिलां यूसुफ़ तुहाडे कोल खुल्हियां दलीलां लै के आइया सी, पर जो कुझ ओह तुहाडे कोल लिआइया सी तुसीं उस बारे शक्क विच ही पए रहे, इत्थों तक्क कि जदों ओह गुज़र गिया, तां तुसीं आखिया, 'अल्लाह इस तों बाद कदे कोई रसूल नहीं भेजेगा।' इसे तरां अल्लाह उस नूं भटकण दिंदा है जो हद्द तों लंघण वाला, शक्क करन वाला होवे— (30–34)

जो अल्लाह दियां आयतां विच झगड़दे हन बिनां किसे सनद दे जो उन्हां कोल आई होवे। एह अल्लाह दे नज़दीक ते ईमान वालियां दे नज़दीक सख़्त नफ़रत दी गल्ल है। इसे तरां अल्लाह हर घमंडी, ज़ालिम जाबर दे दिल उत्ते मोहर ला दिंदा है।" ते फ़िरऔन ने आखिया, "ऐ हामान, मेरे लई इक्क उच्चा मीनार बणा, तां जो मैं राहां तक्क पहुंच जावां— असमानां दे राहां तक्क—ते मूसा दे माबूद नूं झाती मारां; ते मैं तां उस नूं झूठा ही समझदा हां।" ते इसे तरां फ़िरऔन लई उस दा बुरा अमल सोहणा बणा दित्ता गिया, ते ओह राह तों रोक दित्ता गिया; ते फ़िरऔन दी चाल तबाही विच ही मुक्की। (35–37)

ते उस आदमी ने जो ईमान लिआइया सी आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, मेरे पिच्छे चल्लो: मैं तुहानूं भलाई दा राह दिखावांगा। ऐ मेरी क़ौम, एह दुनिया दी ज़िंदगी तां बस थोड़े दिनां दा सामान है; ते बेशक आख़िरत ही सदा रहण दा घर है। जो कोई बुराई करेगा उस नूं बस उस दे बराबर ही बदला मिलेगा; ते जो कोई नेक कम्म करेगा, मरद होवे जां औरत, ते ओह ईमान वाला होवे—तां अजिहे लोक जन्नत विच दाख़िल होणगे, जित्थे उन्हां नूं बेहिसाब रोज़ी दित्ती जावेगी। ते ऐ मेरी क़ौम, एह की गल्ल है कि मैं तुहानूं निजात वल्ल बुलाउंदा हां ते तुसीं मैनूं अग्ग वल्ल बुलाउंदे हो? तुसीं मैनूं इस गल्ल वल्ल बुलाउंदे हो कि मैं अल्लाह दा इनकार करां ते उस दे नाल उस नूं शरीक ठहरावां जिस दा मैनूं कोई इल्म नहीं, ते मैं तुहानूं उस ज़बरदस्त, बड़े बख़्शण वाले वल्ल बुलाउंदा हां। कोई शक्क नहीं कि जिस वल्ल तुसीं मैनूं बुलाउंदे हो उस नूं ना दुनिया विच पुकारे जाण दा कोई हक़ है ना आख़िरत विच; ते एह कि साडी वापसी अल्लाह ही वल्ल है, ते एह कि हद्द तों लंघण वाले ही अग्ग वाले हन। सो छेती ही तुसीं याद करोगे जो कुझ मैं तुहानूं आख रिहा हां; ते मैं अपणा मामला अल्लाह दे हवाले करदा हां। बेशक अल्लाह अपणे बंदियां नूं वेख रिहा है।" सो अल्लाह ने उस नूं उन्हां दियां बुरियां चालां तों बचा लिया, ते फ़िरऔन दे लोकां नूं बुरे अज़ाब ने घेर लिया: (38–45)

अग्ग—जिस दे साहमणे ओह सवेरे ते शाम पेश कीते जांदे हन; ते जिस दिन ओह घड़ी क़ायम होवेगी आखिया जावेगा, "फ़िरऔन दे लोकां नूं सभ तों सख़्त अज़ाब विच दाख़िल करो।" ते जदों ओह अग्ग विच इक्क दूजे नाल झगड़नगे, तां कमज़ोर लोक उन्हां नूं जो वड्डे बणदे सन आखणगे, "असीं तुहाडे पिच्छे चल्लण वाले सां; तां की हुण तुसीं साडे तों अग्ग दा कोई हिस्सा हटा सकदे हो?" जो वड्डे बणदे सन ओह आखणगे, "असीं सभ इसे विच हां; बेशक अल्लाह अपणे बंदियां दे विचकार फ़ैसला कर चुक्का है।" ते जो अग्ग विच होणगे ओह जहन्नम दे दरोग़ियां नूं आखणगे, "अपणे रब्ब नूं पुकारो कि ओह साडे तों इक्क दिन ही अज़ाब हलका कर देवे।" ओह आखणगे, "की तुहाडे रसूल तुहाडे कोल खुल्हियां दलीलां लै के नहीं आउंदे रहे?"

ओह आखणगे, "हां।" ओह आखणगे, "तां आप ही पुकारो—ते सच्च दे इनकारियां दी पुकार अकारथ ही जांदी है।" (46–50)

बेशक असीं अपणे रसूलां दी ते ईमान वालियां दी मदद ज़रूर करदे हां, दुनिया दी ज़िंदगी विच वी ते उस दिन वी जदों गवाह खड़े होणगे— जिस दिन ज़ालिमां नूं उन्हां दे बहाने कुझ फ़ाइदा ना देणगे: ते उन्हां लई लानत है, ते उन्हां ही लई बुरा घर। ते बेशक असां ने मूसा नूं हिदायत दित्ती, ते इसराईल दी औलाद नूं किताब दा वारिस बणाइया, जो अक़ल वालियां लई हिदायत ते नसीहत सी। सो सब्र कर: बेशक अल्लाह दा वादा सच्चा है। ते अपणे गुनाह दी बख़शिश मंग, ते शाम ते सवेरे अपणे रब्ब दी हम्द दे नाल तसबीह कर। बेशक जो लोक अल्लाह दियां आयतां विच झगड़दे हन बिनां किसे सनद दे जो उन्हां कोल आई होवे उन्हां दे सीनियां विच बस इक्क वडिआई दी हवस है जिस तक्क ओह कदे पहुंचण वाले नहीं। सो अल्लाह दी पनाह मंग: बेशक ओही सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ वेखण वाला है। (51–56)

यक़ीनन असमानां ते धरती दा पैदा करना इनसानां दे पैदा करन तों वड्डा कम्म है, पर बहुते लोक नहीं जाणदे। ते अन्हा ते वेखण वाला बराबर नहीं, ते ना ओह जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते ते बुराई करन वाला बराबर हन। तुसीं किन्ना थोड़ा ध्यान करदे हो! बेशक ओह घड़ी ज़रूर आउण वाली है; उस विच कोई शक्क नहीं; पर बहुते लोक ईमान नहीं लिआउंदे। ते तुहाडे रब्ब ने आखिया है, "मैनूं पुकारो मैं तुहाडी दुआ क़बूल करांगा। बेशक जो लोक मेरी इबादत तों घमंड करदे हन ओह ज़लील हो के जहन्नम विच दाख़िल होणगे।" (57–60)

अल्लाह ही है जिस ने तुहाडे लई रात बणाई तां जो तुसीं उस विच अराम करो, ते दिन नूं रौशन बणाइया। बेशक अल्लाह लोकां उत्ते बड़ा फ़ज़ल करन वाला है, पर बहुते लोक शुकर नहीं करदे। इही अल्लाह है, तुहाडा रब्ब, हर चीज़ दा पैदा करन वाला; उस तों सिवा कोई माबूद नहीं। फिर तुसीं किधर फेरे जा रहे हो? इसे तरां ओह लोक फेरे जांदे रहे जो अल्लाह दियां आयतां दा इनकार करदे सन। अल्लाह ही है जिस ने तुहाडे लई धरती नूं ठहिरन दी थां बणाइया ते असमान नूं छत्त, ते तुहाडियां सूरतां बणाइयां ते तुहाडियां सूरतां बहुत सोहणियां बणाइयां, ते तुहानूं पाक चीज़ां विचों रोज़ी दित्ती। इही अल्लाह है, तुहाडा रब्ब: सो बड़ी बरकत वाला है अल्लाह, सारे जहानां दा रब्ब। ओही ज़िंदा है; उस तों सिवा कोई माबूद नहीं। सो उसे नूं पुकारो, दीन नूं उसे लई ख़ालिस करदे होए। सारी तारीफ़ अल्लाह लई है, जो सारे जहानां दा रब्ब है। (61–65)

आख, "मैनूं मनाह कर दित्ता गिया है कि मैं उन्हां दी इबादत करां जिन्हां नूं तुसीं अल्लाह तों सिवा पुकारदे हो, जदों कि मेरे कोल मेरे रब्ब वल्लों खुल्हियां दलीलां आ चुक्कियां हन, ते मैनूं हुक्म दित्ता गिया है कि मैं सारे जहानां दे रब्ब दा फ़रमांबरदार बणां।" ओही है जिस ने तुहानूं मिट्टी तों पैदा कीता, फिर इक्क बूंद तों, फिर चिंबड़न वाले रूप तों; फिर ओह तुहानूं बच्चा बणा के कढ्ढदा है; फिर तुहानूं जींदा रक्खदा है तां जो तुसीं अपणी पूरी जवानी नूं पहुंचो, फिर एह कि बुढ्ढे हो जाओ—ते तुहाडे विचों किसे नूं इस तों पहिलां ही

उठा लिया जांदा है—ते तां जो तुसीं इक्क मुक़र्रर मुद्दत तक्क पहुंचो, ते तां जो तुसीं अक़ल तों कम्म लओ। ओही है जो ज़िंदगी दिंदा है ते मौत दिंदा है; फिर जदों ओह किसे कम्म दा फ़ैसला करदा है, तां उस नूं बस इही आखदा है "हो जा," ते ओह हो जांदा है। (66–68)

की तूं उन्हां नूं नहीं वेखिया जो अल्लाह दियां आयतां विच झगड़दे हन—ओह किधर फेरे जा रहे हन? जिन्हां ने किताब नूं ते उस नूं झुठलाइया जिस दे नाल असां ने अपणे रसूलां नूं भेजिया सी ओह छेती ही जाण लैणगे, जदों तौक़ उन्हां दियां गरदनां विच होणगे, ते ज़ंजीरां वी, ते ओह खौलदे पाणी विच घसीटे जाणगे, फिर अग्ग विच बालण बणा के झोके जाणगे। फिर उन्हां तों पुच्छिया जावेगा, "हुण कित्थे हन ओह जिन्हां नूं तुसीं अल्लाह तों सिवा शरीक ठहराउंदे सी?" ओह आखणगे, "ओह साडे तों गुंम हो गए; नहीं—बल्कि असीं इस तों पहिलां किसे चीज़ नूं पुकारदे ही ना सां।" इसे तरां अल्लाह सच्च दे इनकारियां नूं भटकण दिंदा है। "एह इस लई कि तुसीं ज़मीन विच नाहक़ इतराउंदे सी, ते इस लई कि तुसीं आकड़दे सी। जहन्नम दे दरवाज़ियां विच दाख़िल हो जाओ, उस विच सदा रहण लई। सो किन्ना बुरा है घमंड करन वालियां दा ठिकाणा।" (69–76)

सो सब्र कर: बेशक अल्लाह दा वादा सच्चा है। फिर भावें असीं तैनूं उस दा कुझ हिस्सा दिखा देईए जिस दा असीं उन्हां नाल वादा करदे हां, जां तैनूं पहिलां ही उठा लईए, उन्हां ने साडे ही वल्ल मोड़े जाणा है। ते बेशक असां ने तैथों पहिलां वी रसूल भेजे; उन्हां विचों कुझ दा हाल असां ने तैनूं सुणाइया है, ते कुझ दा हाल तैनूं नहीं सुणाइया। ते किसे रसूल दे वस विच ना सी कि अल्लाह दे हुक्म तों बिनां कोई निशानी लै आउंदा। फिर जदों अल्लाह दा हुक्म आ जांदा है, तां हक़ दे नाल फ़ैसला कर दित्ता जांदा है, ते उत्थे बातिल वाले घाटे विच रह जांदे हन। (77–78)

अल्लाह ही है जिस ने तुहाडे लई डंगर बणाए, तां जो तुसीं उन्हां विचों कुझ उत्ते सवार होवो ते कुझ नूं खाओ; ते तुहाडे लई उन्हां विच होर फ़ाइदे वी हन, ते तां जो तुसीं उन्हां दे ज़रीए उस लोड़ तक्क पहुंचो जो तुहाडे दिलां विच होवे; ते उन्हां उत्ते ते किश्तियां उत्ते तुसीं चुक्के फिरदे हो। ते ओह तुहानूं अपणियां निशानियां दिखाउंदा है: तां तुसीं अल्लाह दियां किन्हां-किन्हां निशानियां दा इनकार करोगे? (79–81)

की ओह ज़मीन विच चल्ले-फिरे नहीं कि वेखदे उन्हां तों पहिलां वालियां दा अंजाम किहो जिहा होइया? ओह इन्हां तों गिणती विच वध सन, ते ताक़त विच ते ज़मीन विच छड्डे निशानां विच वी वध; फिर वी जो कुझ ओह कमाउंदे सन ओह उन्हां दे कुझ कम्म ना आइया। फिर जदों उन्हां दे रसूल उन्हां कोल खुल्हियां दलीलां लै के आए, तां ओह उसे इल्म उत्ते इतराउंदे रहे जो उन्हां दे कोल सी; ते जिस चीज़ दा ओह मख़ौल उडाउंदे सन उसे ने उन्हां नूं घेर लिया। फिर जदों उन्हां ने साडा अज़ाब वेखिया, तां आखण लग्गे, "असीं इकल्ले अल्लाह उत्ते ईमान लिआए, ते उन्हां दा इनकार कीता जिन्हां नूं असीं उस दे नाल शरीक ठहराउंदे सां।" पर साडा अज़ाब वेख लैण तों बाद उन्हां दा ईमान उन्हां नूं कुझ फ़ाइदा ना दे सकिया—इही अल्लाह दा दस्तूर है, जो उस दे बंदियां विच सदा चल्लदा आइया है—ते उत्थे सच्च दे इनकारी घाटे विच रह गए। (82–85)

41. खोल्ह के बिआन कीती गई (फ़ुस्सिलत)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

हा मीम। (1)

एह उस वल्लों उतारिया होइया है जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है: इक्क किताब जिस दियां आयतां खोल्ह-खोल्ह के बिआन कीतियां गईयां हन, अरबी क़ुरआन दे रूप विच उन्हां लोकां लई जो जाणदे हन, ख़ुशख़बरी देण वाली ते ख़बरदार करन वाली। पर उन्हां विचों बहुतियां ने मूंह मोड़ लिया, सो ओह सुणदे ही नहीं। ते ओह आखदे हन, "जिस गल्ल वल्ल तूं सानूं बुलाउंदा हैं उस तों साडे दिल परदियां विच हन, ते साडे कन्नां विच बोझ है, ते साडे ते तेरे विचकार इक्क परदा है। सो तूं अपणा कम्म कर; असीं वी अपणा कम्म कर रहे हां।" आख, "मैं तां बस तुहाडे वरगा इक्क इनसान हां। मेरे वल्ल वह्य कीती जांदी है कि तुहाडा माबूद इक्को माबूद है; सो सिद्धे उसे वल्ल रुख़ करो ते उस तों बख़शिश मंगो।" ते तबाही है उन्हां लई जो शरीक ठहराउंदे हन, जो ज़कात नहीं दिंदे, ते जो आख़िरत दे इनकारी हन। बेशक जो लोक ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते उन्हां लई अजिहा अजर है जो कदे ख़तम ना होवेगा। (2–8)

आख, "की तुसीं सच्चमुच उस दा इनकार करदे हो जिस ने धरती नूं दो जुगां विच पैदा कीता, ते उस दे बराबर दे ठहराउंदे हो? ओही सारे जहानां दा रब्ब है।" ते उस ने उस विच उस दे उत्ते अटल पहाड़ रक्खे, ते उस विच बरकत रक्खी, ते उस विच उस दियां ख़ुराकां दा अंदाज़ा मुक़र्रर कीता चार जुगां विच, सभ मंगण वालियां लई ठीक हिसाब नाल। फिर उस ने असमान वल्ल ध्यान कीता जदों कि ओह धूंआं सी, ते उस नूं ते धरती नूं आखिया, "तुसीं दोवें आओ, ख़ुशी नाल जां नाख़ुशी नाल।" दोहां ने आखिया, "असीं ख़ुशी नाल आउंदे हां।" सो उस ने दो जुगां विच उन्हां नूं सत्त असमान बणा दित्ता, ते हर असमान विच उस दा कम्म वह्य कर दित्ता। ते असां ने नेड़े दे असमान नूं चिराग़ां नाल सजाइया, ते उस नूं महिफ़ूज़ कर दित्ता। एह ज़बरदस्त, सभ कुझ जाणन वाले दा बंन्हिया होइया अंदाज़ा है। (9–12)

फिर जे ओह मूंह मोड़न, तां आख दे, "मैं तुहानूं इक्क अजिही कड़क तों ख़बरदार करदा हां जिही आद ते समूद दी कड़क सी।" जदों रसूल उन्हां कोल उन्हां दे अग्गों ते उन्हां दे पिच्छों आए, एह आखदे होए, "अल्लाह तों सिवा किसे दी इबादत ना करो," तां उन्हां ने आखिया, "जे साडा रब्ब चाहुंदा, तां फ़रिश्ते उतारदा; सो जो कुझ दे के तुसीं भेजे गए हो असीं उस दा इनकार करदे हां।" रहे आद, तां उन्हां ने ज़मीन विच नाहक़ घमंड कीता, ते आखिया, "साडे तों वध ताक़त वाला कौण है?" की उन्हां ने नहीं वेखिया कि अल्लाह, जिस ने उन्हां नूं पैदा कीता, उन्हां तों ताक़त विच किते वध है? ते ओह साडियां आयतां दा इनकार ही करदे रहे। सो असां ने नहूसत दे दिनां विच उन्हां उत्ते इक्क शूकदी होई हनेरी भेजी, तां जो उन्हां नूं दुनिया दी ज़िंदगी विच रुसवाई दे अज़ाब दा मज़ा चखाईए; ते आख़िरत दा अज़ाब तां इस तों वी वध रुसवा करन वाला है, ते उन्हां दी मदद ना कीती जावेगी। ते रहे समूद, तां असां ने उन्हां नूं राह दिखाइया, पर उन्हां ने हिदायत दे मुक़ाबले

विच अन्हे रहणा पसंद कीता; सो ज़लील करन वाले अज़ाब दी कड़क ने उन्हां नूं आ फड़िया उन्हां दी कमाई दे कारन। ते असां ने उन्हां नूं बचा लिया जो ईमान लिआए ते अल्लाह तों सुचेत रहिंदे सन। (13–18)

ते जिस दिन अल्लाह दे दुश्मण अग्ग वल्ल इकट्ठे कीते जाणगे, तां उन्हां नूं सफ़ां विच हिक्किया जावेगा, इत्थों तक्क कि जदों ओह उस दे कोल पहुंचणगे, तां उन्हां दे कन्न, उन्हां दियां अक्खां ते उन्हां दियां खल्लां उन्हां दे ख़िलाफ़ उस दी गवाही देणगियां जो ओह करदे सन। ते ओह अपणियां खल्लां नूं आखणगे, "तुसीं साडे ख़िलाफ़ गवाही क्यों दित्ती?" ओह आखणगियां, "सानूं उसे अल्लाह ने बोलण दी ताक़त दित्ती, जिस ने हर चीज़ नूं बोलण दी ताक़त दित्ती है। उसे ने तुहानूं पहिली वारी पैदा कीता, ते उसे वल्ल तुसीं मोड़े जा रहे हो। ते तुसीं इस डर तों अपणे आप नूं छुपाउंदे ना सी कि तुहाडे कन्न, तुहाडियां अक्खां ते तुहाडियां खल्लां तुहाडे ख़िलाफ़ गवाही देणगियां; बल्कि तुसीं समझदे सी कि अल्लाह तुहाडे बहुते कम्मां नूं जाणदा ही नहीं। ते तुहाडे इसे गुमान ने, जो तुसीं अपणे रब्ब बारे कीता, तुहानूं तबाह कर दित्ता, सो तुसीं घाटा खाण वालियां विचों हो गए।" हुण जे ओह सब्र करन, तां वी अग्ग ही उन्हां दा ठिकाणा है; ते जे ओह मनाउणा चाहुण, तां ओह उन्हां विचों ना होणगे जिन्हां नूं मनाउण दा मौक़ा दित्ता जांदा है। (19–24)

ते असां ने उन्हां उत्ते अजिहे साथी मुक़र्रर कर दित्ते सन जिन्हां ने उन्हां लई उस नूं सोहणा बणा दित्ता जो उन्हां दे अग्गे सी ते जो उन्हां दे पिच्छे सी; ते उन्हां उत्ते वी गल्ल पूरी हो के रही, जिन्नां ते इनसानां दियां उन्हां उम्मतां दे नाल जो उन्हां तों पहिलां गुज़र चुक्कियां सन। बेशक ओह घाटा खाण वाले सन। ते सच्च दे इनकारी आखदे हन, "इस क़ुरआन नूं ना सुणो; ते इस विच रौला पाओ, तां जो तुसीं ग़ालिब रहो।" सो असीं सच्च दे इनकारियां नूं सख़्त अज़ाब दा मज़ा ज़रूर चखावांगे, ते उन्हां नूं उन्हां दे सभ तों बुरे कम्मां दा बदला ज़रूर दिआंगे। इही है अल्लाह दे दुश्मणां दा बदला: अग्ग, जिस विच उन्हां लई सदा रहण दा घर है—इस गल्ल दा बदला कि ओह साडियां आयतां दा इनकार करदे सन। ते जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता ओह आखणगे, "ऐ साडे रब्ब, सानूं जिन्नां ते इनसानां विचों ओह दिखा जिन्हां ने सानूं गुमराह कीता; असीं उन्हां नूं अपणे पैरां हेठ रक्खांगे, तां जो ओह सभ तों नीवियां विचों होण।" बेशक जिन्हां लोकां ने आखिया, "साडा रब्ब अल्लाह है," फिर उस उत्ते जमे रहे—उन्हां उत्ते फ़रिश्ते उतरदे हन: "ना डरो, ते ना ग़म करो, ते उस जन्नत दी ख़ुशख़बरी नाल ख़ुश हो जाओ जिस दा तुहाडे नाल वादा कीता जांदा सी। असीं दुनिया दी ज़िंदगी विच वी तुहाडे साथी हां ते आख़िरत विच वी; ते उत्थे तुहाडे लई ओह सभ कुझ है जो तुहाडे जी चाहुण, ते उत्थे तुहाडे लई ओह सभ कुझ है जो तुसीं मंगो, मिहमानी दे तौर ते उस वल्लों जो बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है।" (25–32)

ते उस तों चंगी गल्ल किस दी हो सकदी है जो अल्लाह वल्ल बुलाए, नेक कम्म करे, ते आखे, "मैं फ़रमांबरदारां विचों हां"? ते नेकी ते बुराई बराबर नहीं। बुराई नूं उस तरीक़े नाल टाल जो सभ तों चंगा होवे, तां ओह आदमी जिस दे ते तेरे विचकार दुश्मणी सी इउं हो जावेगा जिवें ओह गूढ़ा दोस्त है। पर एह चीज़ सिर्फ़ उन्हां नूं मिलदी है जो सब्र करदे हन, ते एह सिर्फ़ उस नूं मिलदी है जो वड्डे नसीब वाला होवे। ते जे

शैतान वल्लों तैनूं कोई उकसाहट होवे, तां अल्लाह दी पनाह मंग: बेशक ओही सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। (33–36)

ते उस दियां निशानियां विचों हन रात ते दिन, ते सूरज ते चंन। ना सूरज नूं सजदा करो, ना चंन नूं, बल्कि उस अल्लाह नूं सजदा करो जिस ने उन्हां नूं पैदा कीता, जे तुसीं उसे दी इबादत करदे हो। फिर जे ओह घमंड करन—तां जो तेरे रब्ब दे कोल हन ओह रात ते दिन उस दी तसबीह करदे हन, ते कदे नहीं थकदे। ते उस दियां निशानियां विचों एह है: कि तूं धरती नूं दबी होई ते बेहरकत वेखदा हैं, फिर जदों असीं उस उत्ते पाणी उतारदे हां, तां ओह हरकत विच आउंदी है ते उभरदी है। बेशक जिस ने उस नूं ज़िंदा कीता ओही मुरदियां नूं ज़िंदा करन वाला है: बेशक ओह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। (37–39)

जो लोक साडियां आयतां विच टेढे राह चल्लदे हन ओह साडे तों छुपे होए नहीं। तां की ओह जो अग्ग विच सुट्टिया जावे बिहतर है, जां ओह जो क़ियामत दे दिन अमन नाल आवे? जो चाहो करो: बेशक ओह वेख रिहा है जो कुझ तुसीं करदे हो। जिन्हां लोकां ने नसीहत दा इनकार कीता जदों ओह उन्हां कोल आई—हालांकि एह इक्क ज़बरदस्त किताब है: बातिल ना इस दे अग्गों इस उत्ते आ सकदा है ना इस दे पिच्छों; एह उस वल्लों उतारी होई है जो हिकमत वाला, तारीफ़ दे लायक़ है। तैनूं, ऐ नबी, ओही कुझ आखिया जा रिहा है जो तैथों पहिलां रसूलां नूं आखिया जा चुक्का है। बेशक तेरा रब्ब बख़शिश वाला वी है, ते दर्दनाक सज़ा देण वाला वी। ते जे असीं इस नूं अजमी ज़बान दा क़ुरआन बणाउंदे, तां ओह आखदे, "इस दियां आयतां खोल्ह के क्यों ना बिआन कीतियां गईयां? की—किताब अजमी ते रसूल अरबी?" आख, "जो ईमान लिआए उन्हां लई एह हिदायत ते शिफ़ा है; ते जो ईमान नहीं लिआउंदे उन्हां दे कन्नां विच बोझ है, ते एह उन्हां लई अन्हापण है। एह लोक इउं हन जिवें उन्हां नूं किसे दूर दी थां तों पुकारिया जा रिहा होवे।" ते बेशक असां ने मूसा नूं किताब दित्ती, तां उस विच इख़तिलाफ़ कीता गिया; ते जे तेरे रब्ब वल्लों इक्क गल्ल पहिलां ही तै ना हो चुक्की हुंदी, तां उन्हां दे विचकार फ़ैसला कर दित्ता जांदा। ते बेशक ओह इस बारे बेचैन करन वाले शक्क विच पए होए हन। (40–45)

जो कोई नेक कम्म करदा है ओह अपणे ही लई करदा है, ते जो कोई बुराई करदा है उस दा वबाल उसे उत्ते है; ते तेरा रब्ब अपणे बंदियां उत्ते कदे ज़ुलम करन वाला नहीं। उस घड़ी दा इल्म उसे वल्ल मोड़िया जांदा है। ते कोई फल अपणे ग़िलाफ़ विचों नहीं निकलदा, ते ना कोई मादा गरभ धारदी है ना जणदी है, पर उस दे इल्म नाल। ते जिस दिन ओह उन्हां नूं पुकारेगा, "कित्थे हन मेरे शरीक?" ओह आखणगे, "असीं तेरे अग्गे अरज़ कर चुक्के हां: साडे विचों कोई इस दा गवाह नहीं।" ते जिन्हां नूं ओह इस तों पहिलां पुकारदे सन ओह उन्हां तों गुंम हो जाणगे, ते ओह समझ लैणगे कि उन्हां लई भज्जण दी कोई थां नहीं। (46–48)

इनसान भलाई दी दुआ मंगदा नहीं थकदा; पर जे उस नूं कोई बुराई छूह जावे, तां मायूस ते ना-उम्मीद हो जांदा है। ते जे असीं उस नूं किसे तकलीफ़ दे पहुंचण तों बाद अपणे वल्लों रहमत दा मज़ा चखा देईए, तां ज़रूर आखदा है, "एह तां मेरा हक़ है; ते मैं नहीं समझदा कि ओह घड़ी कदे आवेगी, ते जे मैं अपणे रब्ब

वल्ल मोड़िया वी गिया, तां यक़ीनन उस दे कोल मेरे लई सभ तों चंगा बदला होवेगा।" सो असीं सच्च दे इनकारियां नूं ज़रूर दस्स दिआंगे जो कुझ उन्हां ने कीता, ते उन्हां नूं ज़रूर सख़्त अज़ाब दा मज़ा चखावांगे। ते जदों असीं इनसान उत्ते इनाम करदे हां, तां ओह मूंह मोड़ लैंदा है ते पासा वट्ट के दूर हो जांदा है; ते जदों उस नूं बुराई छूंहदी है, तां लंबियां-चौड़ियां दुआवां करन लग्गदा है। आख, "की तुसीं ग़ौर कीता: जे एह अल्लाह वल्लों होवे फिर तुसीं इस दा इनकार करो, तां उस तों वध भटकिया होइया कौण है जो डूंघी मुख़ालफ़त विच पिया होवे?" छेती ही असीं उन्हां नूं अपणियां निशानियां दिखावांगे दुनिया दे किनारियां विच वी ते उन्हां दे अपणे अंदर वी, इत्थों तक्क कि उन्हां उत्ते खुल्ह जावे कि इही सच्च है। की एह काफ़ी नहीं कि तेरा रब्ब हर चीज़ उत्ते गवाह है? सुण लओ, ओह अपणे रब्ब दी मुलाक़ात बारे शक्क विच हन। सुण लओ, ओह हर चीज़ नूं घेरी होए है। (49–54)

42. मशवरा (अश-शूरा)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

हा मीम। ऐन सीन क़ाफ़। (1–2)

इसे तरां अल्लाह, जो ज़बरदस्त, हिकमत वाला है, तेरे वल्ल, ऐ नबी, वह्य करदा है, जिवें उन्हां वल्ल जो तैथों पहिलां सन। जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है उसे दा है; ते ओही सभ तों उच्चा, अज़मत वाला है। क़रीब है कि असमान अपणे उत्तों फट पैण, जदों कि फ़रिश्ते अपणे रब्ब दी हम्द दे नाल तसबीह करदे हन ते ज़मीन वालियां लई बख़शिश मंगदे हन। सुण लओ, अल्लाह ही बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। ते जिन्हां ने उस तों सिवा होर कारसाज़ बणा रक्खे हन, अल्लाह उन्हां उत्ते निगरान है; ते तूं उन्हां उत्ते कोई ज़िंमेदार नहीं। (3–6)

ते इसे तरां असां ने तेरे वल्ल अरबी क़ुरआन वह्य कीता है, तां जो तूं बस्तियां दी मां नूं ते उस दे आले-दुआले वालियां नूं ख़बरदार करें, ते इकट्ठे होण दे दिन तों ख़बरदार करें, जिस विच कोई शक्क नहीं: इक्क गिरोह जन्नत विच होवेगा, ते इक्क गिरोह भड़कदी अग्ग विच। ते जे अल्लाह चाहुंदा, तां उन्हां नूं इक्को उम्मत बणा दिंदा; पर ओह जिस नूं चाहुंदा है अपणी रहमत विच दाख़िल करदा है, ते ज़ालिमां दा ना कोई कारसाज़ है ना मददगार। जां की उन्हां ने उस तों सिवा होर कारसाज़ बणा रक्खे हन? सो अल्लाह ही कारसाज़ है; ते ओही मुरदियां नूं ज़िंदा करदा है, ते ओह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। ते जिस गल्ल विच वी तुसीं इख़तिलाफ़ करो, उस दा फ़ैसला अल्लाह दे हवाले है। "इही अल्लाह मेरा रब्ब है; उसे उत्ते मैं भरोसा कीता, ते उसे वल्ल मैं रुजू करदा हां। असमानां ते धरती दा पैदा करन वाला: उस ने तुहाडे लई तुहाडी ही जिनस विचों जोड़े बणाए, ते डंगरां विचों वी जोड़े, इस तरां ओह तुहानूं फैलाउंदा है। उस वरगी कोई चीज़ नहीं; ते ओही सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ वेखण वाला है। असमानां ते धरती दियां कुंजियां उसे दे कोल हन; ओह जिस लई चाहुंदा है रोज़ी खुल्ही कर दिंदा है, ते नाप के वी दिंदा है। बेशक ओह हर चीज़ दा इल्म रक्खदा है।" (7–12)

उस ने तुहाडे लई दीन दा ओही तरीक़ा मुक़र्रर कीता है जिस दी उस ने नूह नूं ताकीद कीती सी, ते जो असां ने तेरे वल्ल वह्य कीता है, ते जिस दी असां ने इबराहीम, मूसा ते ईसा नूं ताकीद कीती सी: "दीन नूं क़ायम रक्खो, ते उस विच फुट्ट ना पाओ।" मुशरिकां उत्ते ओह गल्ल बहुत भारी है जिस वल्ल तूं उन्हां नूं बुलाउंदा हैं। अल्लाह जिस नूं चाहुंदा है अपणे लई चुण लैंदा है, ते अपणे वल्ल उस नूं राह दिखाउंदा है जो रुजू करे। ते उन्हां ने फुट्ट नहीं पाई पर इस तों बाद कि उन्हां कोल इल्म आ चुक्का सी, आपस दी ज़िद्द दे कारन। ते जे तेरे रब्ब वल्लों इक्क गल्ल पहिलां ही तै ना हो चुक्की हुंदी, कि इक्क मुक़र्रर मुद्दत तक्क मुहलत है, तां उन्हां दे विचकार फ़ैसला कर दित्ता जांदा। ते जो लोक उन्हां तों बाद किताब दे वारिस बणाए गए ओह उस बारे बेचैन करन वाले शक्क विच पए होए हन। सो तूं इसे वल्ल बुला, ते जमिया रह जिवें तैनूं हुक्म दित्ता गिया है।

ते उन्हां दियां ख़ाहिशां दे पिच्छे ना चल्ल, ते आख, "अल्लाह ने जो वी किताब उतारी है मैं उस उत्ते ईमान लिआइया, ते मैनूं हुक्म दित्ता गिया है कि तुहाडे विचकार इनसाफ़ करां। अल्लाह ही साडा रब्ब है ते तुहाडा रब्ब। साडे लई साडे अमल ते तुहाडे लई तुहाडे अमल; साडे ते तुहाडे विचकार कोई झगड़ा नहीं। अल्लाह सानूं सभनां नूं इकट्ठा करेगा, ते उसे वल्ल आख़िर पहुंचणा है।" ते जो लोक अल्लाह बारे झगड़दे हन इस तों बाद कि उस नूं मन्न लिया गिया है, उन्हां दी दलील उन्हां दे रब्ब दे नज़दीक बातिल है; ते उन्हां उत्ते ग़ज़ब है, ते उन्हां लई सख़्त अज़ाब है। अल्लाह ही है जिस ने हक़ दे नाल किताब उतारी, ते तक्कड़ी वी। ते तैनूं की पता? शायद ओह घड़ी नेड़े ही होवे। जो लोक उस उत्ते ईमान नहीं रक्खदे ओह उस लई जलदी मचाउंदे हन, ते जो ईमान रक्खदे हन ओह उस तों डरदे हन ते जाणदे हन कि ओह सच्च है। सुण लओ, जो लोक उस घड़ी बारे झगड़दे हन ओह दूर दी गुमराही विच हन। (13–18)

अल्लाह अपणे बंदियां उत्ते मिहरबान है; ओह जिस नूं चाहुंदा है रोज़ी दिंदा है; ते ओही ताक़तवर, ज़बरदस्त है। जो कोई आख़िरत दी खेती चाहुंदा है, असीं उस लई उस दी खेती वधा दिंदे हां; ते जो कोई दुनिया दी खेती चाहुंदा है, असीं उस नूं उस विचों कुझ दे दिंदे हां, पर आख़िरत विच उस दा कोई हिस्सा नहीं। जां की उन्हां दे कुझ अजिहे शरीक हन जिन्हां ने उन्हां लई दीन दा ओह तरीक़ा मुक़र्रर कीता है जिस दी अल्लाह ने इजाज़त नहीं दित्ती? ते जे फ़ैसले दी गल्ल तै ना हो चुक्की हुंदी, तां उन्हां दे विचकार फ़ैसला कर दित्ता जांदा। ते बेशक ज़ालिमां लई दर्दनाक अज़ाब है। तूं ज़ालिमां नूं वेखेंगा कि अपणी कमाई दे कारन डर रहे होणगे, ते ओह उन्हां उत्ते पै के रहेगी। ते जो लोक ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते ओह जन्नतां दे बाग़ां विच होणगे; उन्हां लई उन्हां दे रब्ब दे कोल ओह सभ कुझ है जो ओह चाहुणगे। इही वड्डा फ़ज़ल है। इही है ओह जिस दी ख़ुशख़बरी अल्लाह अपणे उन्हां बंदियां नूं दिंदा है जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते। आख, "मैं इस उत्ते तुहाथों कोई बदला नहीं मंगदा, सिवाए रिश्तेदारी दी मुहब्बत दे।" ते जो कोई नेकी कमाएगा, असीं उस लई उस विच ख़ूबी वधा दिआंगे। बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, क़दरदान है। (19–23)

जां की ओह आखदे हन, "इस ने अल्लाह उत्ते झूठ घड़िया है"? सो जे अल्लाह चाहे, तां तेरे दिल उत्ते मोहर ला देवे। ते अल्लाह बातिल नूं मिटाउंदा है ते अपणे कलिमियां नाल हक़ नूं साबित करदा है। बेशक ओह सीनियां दियां गल्लां जाणदा है। ते ओही है जो अपणे बंदियां दी तौबा क़बूल करदा है ते बुराइयां माफ़ करदा है, ते जाणदा है जो कुझ तुसीं करदे हो। ते ओह उन्हां दी दुआ क़बूल करदा है जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते, ते उन्हां नूं अपणे फ़ज़ल विचों होर वी दिंदा है; ते सच्च दे इनकारियां लई सख़्त अज़ाब है। ते जे अल्लाह अपणे सभ बंदियां लई रोज़ी खुल्ही कर दिंदा, तां ओह ज़मीन विच सरकशी करन लग्गदे; पर ओह इक्क अंदाज़े नाल जिन्नी चाहुंदा है उतारदा है। बेशक ओह अपणे बंदियां दी पूरी ख़बर रक्खण वाला, उन्हां नूं वेखण वाला है। ते ओही है जो मींह उतारदा है इस तों बाद कि लोक ना-उम्मीद हो चुक्के हुंदे हन, ते अपणी रहमत फैला दिंदा है। ते ओही कारसाज़, तारीफ़ दे लायक़ है। (24–28)

ते उस दियां निशानियां विचों है असमानां ते धरती दी पैदाइश, ते ओह जानदार जो उस ने इन्हां दोहां विच फैला रक्खे हन; ते ओह जदों चाहे उन्हां नूं इकट्ठा करन उत्ते क़ादिर है। ते जो मुसीबत वी तुहाडे उत्ते आउंदी

है ओह तुहाडे अपणे हत्थां दी कमाई दे कारन है—ते ओह बहुत कुझ माफ़ कर दिंदा है। ते तुसीं ज़मीन विच उस तों बच के निकल नहीं सकदे, ते अल्लाह तों सिवा तुहाडा ना कोई कारसाज़ है ना मददगार। ते उस दियां निशानियां विचों हन समुंदर विच चल्लण वाले जहाज़, पहाड़ां वरगे। जे ओह चाहे, तां हवा नूं ठहिरा देवे, ते ओह उस दी पिट्ठ उत्ते खड़े दे खड़े रह जाण। बेशक इस विच हर सब्र करन वाले ते शुकर करन वाले लई निशानियां हन। जां ओह उन्हां नूं उन्हां दी कमाई दे कारन तबाह कर देवे—ते ओह बहुत कुझ माफ़ कर दिंदा है— ते तां जो ओह लोक जो साडियां आयतां विच झगड़दे हन जाण लैण कि उन्हां लई भज्जण दी कोई थां नहीं। (29–35)

सो जो कुझ वी तुहानूं दित्ता गिया है ओह दुनिया दी ज़िंदगी दा सामान है; ते जो अल्लाह दे कोल है ओह बिहतर ते वध बाक़ी रहण वाला है उन्हां लई जो ईमान लिआए ते अपणे रब्ब उत्ते भरोसा रक्खदे हन, ते जो वड्डे गुनाहां ते बेहयाई दे कम्मां तों बचदे हन, ते जदों उन्हां नूं ग़ुस्सा आउंदा है, तां माफ़ कर दिंदे हन; ते जो अपणे रब्ब दा हुक्म मन्नदे हन, ते नमाज़ क़ायम करदे हन, ते जिन्हां दे कम्म आपस दे मशवरे नाल हुंदे हन, ते जो कुझ असां ने उन्हां नूं दित्ता है उस विचों ख़र्च करदे हन; ते जो, जदों उन्हां उत्ते ज़िआदती हुंदी है, तां अपणा बचाअ करदे हन। ते बुराई दा बदला उसे वरगी बुराई है; पर जो कोई माफ़ कर देवे ते सुधार करे, तां उस दा अजर अल्लाह दे ज़िंमे है। बेशक ओह ज़ालिमां नूं पसंद नहीं करदा। ते जो कोई अपणे उत्ते ज़ुलम होण तों बाद बदला लवे—तां अजिहे लोकां उत्ते इलज़ाम दा कोई राह नहीं; इलज़ाम दा राह तां बस उन्हां उत्ते है जो लोकां उत्ते ज़ुलम करदे हन ते ज़मीन विच नाहक़ सरकशी करदे हन। इन्हां ही लई दर्दनाक अज़ाब है। ते जो कोई सब्र करे ते माफ़ कर देवे—तां बेशक एह हिम्मत दे कम्मां विचों है। (36–43)

ते जिस नूं अल्लाह भटकण देवे उस तों बाद उस दा कोई कारसाज़ नहीं। ते तूं ज़ालिमां नूं वेखेंगा, जदों ओह अज़ाब वेखणगे, कि आख रहे होणगे, "की वापस जाण दा कोई राह है?" ते तूं उन्हां नूं वेखेंगा कि उस दे साहमणे पेश कीते जा रहे होणगे, ज़िल्लत नाल झुके होए, चोर-निगाह नाल वेखदे होए; ते जो ईमान लिआए सन ओह आखणगे, "बेशक घाटा खाण वाले ओही हन जिन्हां ने क़ियामत दे दिन अपणे आप नूं ते अपणे घर वालियां नूं घाटे विच पाइया।" सुण लओ, ज़ालिम सदा रहण वाले अज़ाब विच होणगे। ते उन्हां दे कोई कारसाज़ ना होणगे जो अल्लाह तों सिवा उन्हां दी मदद करन; ते जिस नूं अल्लाह भटकण देवे उस लई कोई राह नहीं। (44–46)

अपणे रब्ब दा हुक्म मन्न लओ इस तों पहिलां कि अल्लाह वल्लों ओह दिन आ जावे जो टलण वाला नहीं। उस दिन तुहाडे लई ना कोई पनाह दी थां होवेगी, ते ना इनकार दी कोई गुंजाइश। फिर जे ओह मूंह मोड़न—तां असां ने तैनूं उन्हां उत्ते निगहबान बणा के नहीं भेजिया; तेरे ज़िंमे तां बस पैग़ाम पहुंचा देणा है। ते जदों असीं इनसान नूं अपणे वल्लों रहमत दा मज़ा चखाउंदे हां, तां ओह उस उत्ते ख़ुश हो जांदा है; ते जे उन्हां दे अपणे हत्थां दे अग्गे भेजे होए कम्मां दे कारन उन्हां उत्ते कोई बुराई आ पवे, तां इनसान नाशुकरा बण जांदा है। असमानां ते धरती दी बादशाही अल्लाह ही दी है। ओह जो चाहुंदा है पैदा करदा है: जिस नूं चाहुंदा है

धीआं दिंदा है, ते जिस नूं चाहुंदा है पुत्तर दिंदा है, जां उन्हां नूं पुत्तर ते धीआं दोवें रला के दिंदा है; ते जिस नूं चाहुंदा है बेऔलाद रक्खदा है। बेशक ओह सभ कुझ जाणन वाला, क़ुदरत वाला है। (47–50)

ते किसे इनसान दा एह मुक़ाम नहीं कि अल्लाह उस नाल गल्ल करे सिवाए वह्य दे ज़रीए, जां परदे दे पिच्छों, जां इस तरां कि कोई पैग़ाम पहुंचाउण वाला भेजे जो उस दे हुक्म नाल जो ओह चाहे वह्य करे। बेशक ओह सभ तों उच्चा, हिकमत वाला है। ते इसे तरां असां ने तेरे वल्ल अपणे हुक्म नाल इक्क रूह वह्य कीती है। तूं ना जाणदा सी कि किताब की है, ते ना एह कि ईमान की है; पर असां ने इस नूं इक्क नूर बणा दित्ता जिस दे ज़रीए असीं अपणे बंदियां विचों जिस नूं चाहुंदे हां हिदायत दिंदे हां। ते बेशक तूं सिद्धे राह वल्ल रहिनुमाई करदा हैं, अल्लाह दे राह वल्ल, जिस दा ओह सभ कुझ है जो असमानां विच है ते जो धरती विच है। सुण लओ, सारे मामले अल्लाह ही वल्ल मुड़दे हन। (51–53)

43. सोने दे गहिणे (अज़-ज़ुख़रुफ़)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

हा मीम। (1)

क़सम है इस किताब दी जो गल्लां नूं खोल्ह के बिआन करदी है, बेशक असां ने इस नूं अरबी क़ुरआन बणाइया है, तां जो तुसीं समझो; ते बेशक एह साडे कोल असल किताब विच है, बहुत उच्चे मरतबे वाला, हिकमत नाल भरिया। (2–4)

की असीं तुहाडे तों इस नसीहत नूं बिलकुल फेर लईए इस लई कि तुसीं हद्द तों लंघ जाण वाले लोक हो? ते असां ने अगलियां विच किन्ने ही नबी भेजे! पर उन्हां कोल जो वी नबी आइया उन्हां ने उस दा मख़ौल ही उडाइया। सो असां ने उन्हां नूं हलाक कर दित्ता जो इन्हां तों ज़ोर विच वध सन, ते अगलियां दी मिसाल गुज़र चुक्की है। ते जे तूं उन्हां तों पुच्छें, "असमानां ते धरती नूं किस ने पैदा कीता?" तां ओह ज़रूर आखणगे, "उन्हां नूं उस ज़बरदस्त, सभ कुझ जाणन वाले ने पैदा कीता"— जिस ने तुहाडे लई धरती नूं पंघूड़ा बणाइया, ते उस विच तुहाडे लई राह बणाए, तां जो तुसीं राह पाओ; ते जिस ने असमान तों इक्क अंदाज़े नाल पाणी उतारिया—फिर असां ने उस दे ज़रीए इक्क मुरदा शहिर नूं ज़िंदा कर दित्ता; इसे तरां तुसीं वी कढ्ढे जाओगे— ते जिस ने सारे जोड़े पैदा कीते, ते तुहाडे लई किश्तियां ते डंगर बणाए जिन्हां उत्ते तुसीं सवार हुंदे हो, तां जो तुसीं उन्हां दियां पिट्ठां उत्ते जम के बैठो, फिर जदों उन्हां उत्ते बैठ जाओ तां अपणे रब्ब दी नेमत नूं याद करो ते आखो, "पाक है ओह जिस ने इस नूं साडे वस विच कर दित्ता, नहीं तां असीं इस नूं क़ाबू विच ना ला सकदे सां; ते बेशक असीं अपणे रब्ब ही वल्ल मुड़न वाले हां।" (5–14)

फिर वी उन्हां ने उस दे बंदियां विचों कुझ नूं उस दा हिस्सा ठहरा दित्ता। बेशक इनसान खुल्हा नाशुकरा है। जां की उस ने अपणी मख़लूक़ विचों धीआं लै लईयां, ते तुहानूं पुत्तरां लई चुण लिया? ते जदों उन्हां विचों किसे नूं उस चीज़ दे जंमण दी ख़बर दित्ती जांदी है जिस नूं ओह रहमान नाल जोड़दा है, तां उस दा चिहरा काला पै जांदा है ते ओह ग़म नाल घुटण लग्गदा है: "की ओह जो गहिणियां विच पलदी है, ते झगड़े विच अपणी गल्ल साफ़ नहीं कर सकदी?" ते उन्हां ने फ़रिश्तियां नूं, जो रहमान दे बंदे हन, औरतां ठहरा दित्ता। की ओह उन्हां दी पैदाइश दे वेले मौजूद सन? उन्हां दी गवाही लिख लई जावेगी, ते उन्हां तों पुच्छिया जावेगा। (15–19)

ते ओह आखदे हन, "जे रहमान चाहुंदा, तां असीं इन्हां दी इबादत ना करदे।" उन्हां नूं इस दा कोई इल्म नहीं; ओह निरे अटकल लाउंदे हन। जां की असां ने उन्हां नूं इस तों पहिलां कोई किताब दित्ती है, जिस नूं ओह मज़बूती नाल फड़ी होए हन? नहीं; बल्कि ओह आखदे हन, "असां ने अपणे पिओ-दादियां नूं इक्क तरीक़े उत्ते पाइया है, ते असीं उन्हां ही दे क़दमां दे निशानां उत्ते राह पा रहे हां।" ते इसे तरां, असां ने तैथों पहिलां जिस बस्ती विच वी कोई ख़बरदार करन वाला भेजिया उस दे ख़ुशहाल लोकां ने इही आखिया, "असां ने

अपणे पिओ-दादियां नूं इक्क तरीक़े उत्ते पाइया है, ते असीं उन्हां ही दे क़दमां दे निशानां दे पिच्छे चल्ल रहे हां।" उस ने आखिया, "की भावें मैं तुहाडे कोल उस तों वध हिदायत वाली चीज़ लै आवां जिस उत्ते तुसीं अपणे पिओ-दादियां नूं पाइया है?" उन्हां ने आखिया, "जो कुझ दे के तुसीं भेजे गए हो असीं उस दा इनकार करदे हां।" सो असां ने उन्हां तों बदला लिया: तां वेख कि झुठलाउण वालियां दा अंजाम किहो जिहा होइया। ते जदों इबराहीम ने अपणे पिओ ते अपणी क़ौम नूं आखिया, "मैं उन्हां तों बरी हां जिन्हां दी तुसीं इबादत करदे हो— सिवाए उस दे जिस ने मैनूं पैदा कीता; ते ओही मैनूं राह दिखावेगा।" ते उस ने इसे गल्ल नूं अपणी औलाद विच बाक़ी रहण वाली गल्ल बणा दित्ता, तां जो ओह रुजू करन। (20–28)

बल्कि मैं इन्हां लोकां नूं ते इन्हां दे पिओ-दादियां नूं ज़िंदगी दा सामान दिंदा रिहा, इत्थों तक्क कि उन्हां कोल सच्च आ गिया, ते इक्क खोल्ह के बिआन करन वाला रसूल। पर जदों उन्हां कोल सच्च आइया, तां उन्हां ने आखिया, "एह जादू है, ते असीं इस दा इनकार करदे हां।" ते आखदे हन, "एह क़ुरआन दोहां बस्तियां दे किसे वड्डे आदमी उत्ते क्यों ना उतारिया गिया?" की तेरे रब्ब दी रहमत एह वंडदे हन? असां ने ही दुनिया दी ज़िंदगी विच उन्हां दे विचकार उन्हां दी गुज़रान वंडी है, ते उन्हां विचों कुझ नूं कुझ उत्ते दरजियां विच उच्चा कीता है, तां जो ओह इक्क दूजे तों कम्म लै सकण। ते तेरे रब्ब दी रहमत उस तों बिहतर है जो एह इकट्ठा करदे हन। ते जे एह गल्ल ना हुंदी कि सारे लोक इनकार करन वालियां दी इक्को उम्मत बण जाणगे, तां असीं उन्हां लई जो रहमान दा इनकार करदे हन उन्हां दे घरां दियां छत्तां चांदी दियां बणा दिंदे, ते पौड़ियां वी जिन्हां उत्ते ओह चढ़दे, ते उन्हां दे घरां दे दरवाज़े, ते तख़्त जिन्हां उत्ते ओह तकिए लाउंदे, ते सोने दे गहिणे वी। ते एह सभ कुझ तां बस दुनिया दी ज़िंदगी दा सामान है; ते आख़िरत तेरे रब्ब दे कोल अल्लाह तों सुचेत रहण वालियां लई है। (29–35)

ते जो कोई रहमान दी याद वल्लों अन्हा बणदा है, असीं उस उत्ते इक्क शैतान मुक़र्रर कर दिंदे हां, फिर ओही उस दा साथी हुंदा है। ते एह यक़ीनन उन्हां नूं राह तों रोकदे हन, ते ओह समझदे हन कि ओह हिदायत उत्ते हन। इत्थों तक्क कि जदों ओह साडे कोल आवेगा, तां आखेगा, "काश मेरे ते तेरे विचकार दो पूरबां दी दूरी हुंदी! सो किन्ना बुरा साथी है!" ते जदों तुसीं ज़ुलम कर चुक्के, तां अज्ज एह गल्ल तुहानूं कुझ फ़ाइदा ना देवेगी कि तुसीं अज़ाब विच शरीक हो। (36–39)

तां की तूं बोलियां नूं सुणा सकदा हैं, जां अन्हियां नूं ते उस नूं जो खुल्ही गुमराही विच है राह दिखा सकदा हैं? सो जे असीं तैनूं लै वी जाईए, तां वी असीं उन्हां तों बदला लैण वाले हां, जां तैनूं ओह दिखा देईए जिस दा असां ने उन्हां नाल वादा कीता है—तां वी असीं उन्हां उत्ते पूरी क़ुदरत रक्खदे हां। सो जो कुझ तेरे वल्ल वह्य कीता गिया है उस नूं मज़बूती नाल फड़ी रक्ख: बेशक तूं सिद्धे राह उत्ते हैं। ते बेशक एह तेरे लई ते तेरी क़ौम लई इक्क नसीहत है, ते छेती ही तुहाथों सभनां तों पुच्छिया जावेगा। ते साडे उन्हां रसूलां तों पुच्छ जिन्हां नूं असां ने तैथों पहिलां भेजिया सी: की असां ने रहमान तों सिवा कदे कोई होर माबूद मुक़र्रर कीते सन जिन्हां दी इबादत कीती जावे? (40–45)

ते बेशक असां ने मूसा नूं अपणियां निशानियां दे नाल फ़िरऔन ते उस दे सरदारां वल्ल भेजिया, तां उस ने आखिया, "मैं सारे जहानां दे रब्ब दा रसूल हां।" पर जदों ओह उन्हां कोल साडियां निशानियां लै के आइया, तां ओह उन्हां उत्ते हस्सण लग्गे। हालांकि जो वी निशानी असीं उन्हां नूं दिखाउंदे सां ओह अपणी भैण तों वड्डी हुंदी सी; ते असां ने उन्हां नूं अज़ाब विच फड़िया, तां जो ओह मुड़ आउण। ते उन्हां ने आखिया, "ऐ जादूगर, साडे लई अपणे रब्ब तों दुआ कर, उस अहिद दे वासते जो उस ने तेरे नाल कीता है; असीं ज़रूर राह उत्ते आ जावांगे।" पर जदों असां ने उन्हां तों अज़ाब हटा दित्ता, तां अचानक ओह अपणा क़ौल तोड़न लग्गे। ते फ़िरऔन ने अपणी क़ौम विच पुकार के आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, की मिस्र दी बादशाही मेरी नहीं, ते एह नहरां जो मेरे हेठ वग रहियां हन? तां की तुसीं वेखदे नहीं? की मैं इस आदमी तों बिहतर नहीं, जो निगूणा है ते अपणी गल्ल वी मुश्किल नाल साफ़ कर सकदा है? फिर इस उत्ते सोने दे कंगण क्यों ना पाए गए, जां इस दे नाल फ़रिश्ते सफ़ां बंन्ह के क्यों ना आए?" सो उस ने अपणी क़ौम नूं हलका समझिया, ते उन्हां ने उस दी गल्ल मन्न लई; बेशक ओह नाफ़रमान लोक सन। फिर जदों उन्हां ने सानूं ग़ुस्सा दिवाइया, तां असां ने उन्हां तों बदला लिया ते उन्हां सभनां नूं डोब दित्ता, ते उन्हां नूं बीती गल्ल ते पिच्छे आउण वालियां लई मिसाल बणा दित्ता। (46–56)

ते जदों मरयम दे पुत्तर दी मिसाल दित्ती जांदी है, तां तेरी क़ौम उस उत्ते शोर मचा दिंदी है, ते आखदे हन, "साडे माबूद बिहतर हन, जां ओह?" ओह एह गल्ल तेरे साहमणे बस झगड़े लई रक्खदे हन: बल्कि एह हन ही झगड़ालू लोक। ओह तां बस इक्क बंदा सी जिस उत्ते असां ने इनाम कीता, ते जिस नूं असां ने इसराईल दी औलाद लई इक्क मिसाल बणाइया। ते जे असीं चाहुंदे, तां तुहाडे विचों फ़रिश्ते बणा दिंदे, जो ज़मीन विच तुहाडे जानशीन हुंदे। (57–60)

ते बेशक ओह उस घड़ी दी इक्क निशानी है; सो तुसीं उस बारे शक्क ना करो, ते मेरे पिच्छे चल्लो: इही सिद्धा राह है। ते शैतान तुहानूं रोक ना देवे; बेशक ओह तुहाडा खुल्हा दुश्मण है। ते जदों ईसा खुल्हियां दलीलां लै के आइया, तां उस ने आखिया, "मैं तुहाडे कोल हिकमत लै के आइया हां, ते इस लई कि तुहाडे उत्ते उन्हां कुझ गल्लां नूं खोल्ह दिआं जिन्हां विच तुसीं इख़तिलाफ़ करदे हो। सो अल्लाह तों सुचेत रहो, ते मेरी गल्ल मन्नो। बेशक अल्लाह ही मेरा रब्ब है ते तुहाडा रब्ब; सो उसे दी इबादत करो। इही सिद्धा राह है।" पर जत्थियां ने आपस विच इख़तिलाफ़ कीता। सो तबाही है उन्हां लई जिन्हां ने ज़ुलम कीता, इक्क दर्दनाक दिन दे अज़ाब तों! की ओह बस उस घड़ी दी उडीक विच हन, कि ओह उन्हां उत्ते अचानक आ जावे ते उन्हां नूं ख़बर वी ना होवे? उस दिन गूढ़े दोस्त इक्क दूजे दे दुश्मण होणगे—सिवाए अल्लाह तों सुचेत रहण वालियां दे। "ऐ मेरे बंदियो, अज्ज ना तुहाडे उत्ते कोई डर है, ते ना तुसीं ग़मगीन होवोगे— तुसीं जो साडियां आयतां उत्ते ईमान लिआए ते फ़रमांबरदार रहे। जन्नत विच दाख़िल हो जाओ, तुसीं ते तुहाडे जोड़े, तुहानूं ख़ुश कीता जावेगा।" उन्हां दे अग्गे सोने दियां रकाबियां ते जाम फेरे जाणगे; ते उस विच ओह सभ कुझ है जो जी चाहुण ते जिस नाल अक्खां ठंढियां होण; ते तुसीं उस विच सदा रहोगे। ते इही ओह जन्नत है जिस दे तुसीं वारिस बणाए गए हो उस दे बदले जो तुसीं करदे सी; उस विच तुहाडे लई बहुत सारे फल हन, जिन्हां विचों तुसीं

खाओगे। बेशक मुजरिम जहन्नम दे अज़ाब विच सदा रहिणगे; ओह उन्हां तों हलका ना कीता जावेगा, ते ओह उस विच ना-उम्मीद पए होणगे। ते असां ने उन्हां उत्ते ज़ुलम नहीं कीता; बल्कि ओह आप ही ज़ालिम सन। ते ओह पुकारनगे, "ऐ मालिक, तेरा रब्ब साडा कम्म ही तमाम कर देवे!" ओह आखेगा, "तुसीं इत्थे ही रहिणा है।" बेशक असीं तुहाडे कोल सच्च लै के आए, पर तुहाडे विचों बहुते सच्च नूं नापसंद करदे हन। (61–78)

जां की उन्हां ने कोई गल्ल पक्की ठाण लई है? तां असीं वी पक्का फ़ैसला करन वाले हां। जां ओह समझदे हन कि असीं उन्हां दे भेत ते उन्हां दियां कानाफूसियां नहीं सुणदे? क्यों नहीं, ते साडे भेजे होए उन्हां दे कोल ही लिखदे रहिंदे हन। (79–80)

आख, "जे रहमान दा कोई पुत्तर हुंदा, तां मैं सभ तों पहिलां इबादत करन वाला हुंदा।" पाक है असमानां ते धरती दा रब्ब, अर्श दा रब्ब, उन्हां गल्लां तों जो एह बिआन करदे हन! सो उन्हां नूं छड्ड दे कि बेहूदा गल्लां विच पए रहण ते खेडदे रहण, इत्थों तक्क कि अपणे उस दिन नूं जा मिलण जिस दा उन्हां नाल वादा कीता जांदा है। ते ओही है जो असमान विच वी माबूद है ते ज़मीन विच वी माबूद; ते ओही हिकमत वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। ते बड़ी बरकत वाला है ओह जिस दी असमानां ते धरती दी ते जो कुझ उन्हां दे विचकार है उस दी बादशाही है; ते उसे दे कोल उस घड़ी दा इल्म है, ते उसे वल्ल तुसीं मोड़े जाओगे। ते जिन्हां नूं एह उस तों सिवा पुकारदे हन ओह सिफ़ारिश दा कोई इख़तियार नहीं रक्खदे—सिवाए उन्हां दे जो हक़ दी गवाही देण, ते ओह जाणदे होण। ते जे तूं उन्हां तों पुच्छें कि उन्हां नूं किस ने पैदा कीता, तां ओह ज़रूर आखणगे, "अल्लाह ने।" फिर ओह किधर फेरे जा रहे हन? ते अल्लाह उस दी एह पुकार सुणदा है, "ऐ मेरे रब्ब, एह अजिहे लोक हन जो ईमान नहीं लिआउंदे।" सो उन्हां तों मूंह फेर लै ते आख, "सलाम।" छेती ही ओह जाण लैणगे। (81–89)

44. धूंआं (अद-दुख़ान)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

हा मीम। (1)

क़सम है इस किताब दी जो गल्लां नूं खोल्ह के बिआन करदी है, बेशक असां ने इस नूं इक्क बरकत वाली रात विच उतारिया—किउंकि असीं सदा ख़बरदार करदे रहे हां— उस रात विच जिस विच हर हिकमत वाला कम्म वक्ख-वक्ख कीता जांदा है, साडे वल्लों हुक्म हो के—किउंकि असीं सदा रसूल भेजदे रहे हां— तेरे रब्ब दी रहमत दे तौर ते। बेशक ओही सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है, असमानां ते धरती दा ते जो कुझ उन्हां दे विचकार है सभ दा रब्ब, जे तुसीं यक़ीन रक्खण वाले हो। उस तों सिवा कोई माबूद नहीं; ओही ज़िंदगी दिंदा है ते मौत दिंदा है—तुहाडा रब्ब ते तुहाडे अगले पिओ-दादियां दा रब्ब। फिर वी ओह शक्क विच पए खेड रहे हन। (2–9)

सो उस दिन दी उडीक कर जदों असमान इक्क खुल्हा धूंआं लै आवेगा जो लोकां नूं ढक लवेगा: एह दर्दनाक अज़ाब है। "ऐ साडे रब्ब, साडे तों एह अज़ाब दूर कर दे; असीं ईमान लिआउंदे हां।" हुण उन्हां नूं नसीहत किथों फ़ाइदा देवेगी, जदों कि उन्हां कोल खोल्ह के बिआन करन वाला रसूल आ चुक्का सी, फिर उन्हां ने उस तों मूंह मोड़ लिया ते आखिया, "सिखाइया-पढ़ाइया होइया, दीवाना"? असीं थोड़ी देर लई अज़ाब हटा दिआंगे; तुसीं फिर ओही कुझ करोगे। जिस दिन असीं सभ तों वड्डी फड़ फड़ांगे, उस दिन असीं ज़रूर बदला लवांगे। (10–16)

ते इन्हां तों पहिलां असां ने फ़िरऔन दी क़ौम नूं आज़माइया, जदों उन्हां कोल इक्क इज़्ज़त वाला रसूल आइया: "अल्लाह दे बंदियां नूं मेरे हवाले कर देओ: मैं तुहाडे लई इक्क अमानतदार रसूल हां। ते अल्लाह दे मुक़ाबले विच सरकशी ना करो: मैं तुहाडे कोल खुल्ही सनद लै के आइया हां। ते मैं अपणे रब्ब ते तुहाडे रब्ब दी पनाह लै चुक्का हां इस तों कि तुसीं मैनूं संगसार करो; ते जे तुसीं मेरी गल्ल नहीं मन्नदे, तां मैनूं मेरे हाल उत्ते छड्ड देओ।" (17–21)

फिर उस ने अपणे रब्ब नूं पुकारिया: "एह मुजरिम लोक हन।" "तां मेरे बंदियां नूं लै के रातो-रात निकल जा, किउंकि तुहाडा पिच्छा कीता जावेगा। ते समुंदर नूं फटिया होइया ते ठहिरिया होइया छड्ड दे: एह अजिहा लशकर है जो डोबिया जाणा है।" किन्ने ही बाग़ ते चश्मे ओह पिच्छे छड्ड गए, ते खेतियां ते इज़्ज़त वाले टिकाणे, ते अराम दे ओह सामान जिन्हां विच ओह मज़े करदे सन! इउं ही होइया; ते असां ने इन्हां चीज़ां दा वारिस इक्क होर क़ौम नूं बणा दित्ता। सो ना असमान उन्हां उत्ते रोइया ना धरती, ते ना उन्हां नूं मुहलत दित्ती गई। ते बेशक असां ने इसराईल दी औलाद नूं फ़िरऔन दे ज़लील करन वाले अज़ाब तों बचा लिया; बेशक ओह सरकश सी, हद्द तों लंघ जाण वालियां विचों। ते असां ने उन्हां नूं जाणदे-बुझदे सारे जहान वालियां उत्ते चुण लिया, ते उन्हां नूं अजिहियां निशानियां दित्तियां जिन्हां विच खुल्ही आज़माइश सी। (22–33)

फिर वी एह लोक आखदे हन, "साडी पहिली मौत तों सिवा कुझ नहीं; ते असीं दुबारा उठाए जाण वाले नहीं। तां साडे पिओ-दादियां नूं लै आओ, जे तुसीं सच्चे हो!" की एह बिहतर हन, जां तुब्बअ दी क़ौम ते उन्हां तों पहिलां वाले? असां ने उन्हां नूं हलाक कर दित्ता: बेशक ओह मुजरिम सन। ते असां ने असमानां ते धरती नूं ते जो कुझ उन्हां दे विचकार है खेड-खेड विच पैदा नहीं कीता। असां ने उन्हां नूं हक़ दे नाल ही पैदा कीता है, पर उन्हां विचों बहुते नहीं जाणदे। (34–39)

बेशक फ़ैसले दा दिन उन्हां सभनां दा मुक़र्रर वक़्त है— जिस दिन कोई दोस्त किसे दोस्त दे कुझ वी कम्म ना आवेगा, ते ना उन्हां दी मदद कीती जावेगी, सिवाए उन्हां दे जिन्हां उत्ते अल्लाह रहम करे। बेशक ओही ज़बरदस्त, सदा रहम करन वाला है। बेशक ज़क़्क़ूम दा रुक्ख गुनाहगार दी ख़ुराक है; पिघले होए तांबे वांग ओह ढिड्डां विच खौलेगा, जिवें खौलदा पाणी खौलदा है। "इस नूं फड़ो, ते घसीटदे होए भड़कदी अग्ग दे विचकार लै जाओ; फिर इस दे सिर उत्ते खौलदे पाणी दा अज़ाब डोल्ह देओ। चक्ख! तूं तां बड़ा ज़बरदस्त, इज़्ज़त वाला बणदा सी! इही है ओह जिस विच तुसीं शक्क करदे सी।" बेशक अल्लाह तों सुचेत रहण वाले अमन दी थां विच होणगे, बाग़ां ते चश्मियां विच, बारीक रेशम ते मोटे रेशम दे लिबास पहिनी, आहमणे-साहमणे बैठे होए। इउं ही होवेगा; ते असीं सोहणियां, वड्डियां अक्खां वालियां साथणां नाल उन्हां दे जोड़े बणा दिआंगे। उत्थे ओह अमन-चैन नाल हर क़िसम दे फल मंगवाउणगे। उत्थे ओह मौत दा मज़ा ना चक्खणगे, सिवाए पहिली मौत दे; ते ओह उन्हां नूं भड़कदी अग्ग दे अज़ाब तों बचा लवेगा— तेरे रब्ब दे फ़ज़ल नाल। इही वड्डी कामयाबी है। (40–57)

सो असां ने इस नूं तेरी ज़बान विच सौखा कर दित्ता है, तां जो ओह नसीहत फड़न। सो तूं वी उडीक कर; ओह वी उडीक रहे हन। (58–59)

45. गोडियां दे भार (अल-जासिया)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

हा मीम। (1)

इस किताब दा उतारिया जाणा अल्लाह वल्लों है, जो ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। बेशक असमानां ते धरती विच ईमान वालियां लई निशानियां हन; ते तुहाडी अपणी पैदाइश विच, ते उन्हां जानदारां विच जिन्हां नूं ओह फैलाउंदा है, उन्हां लोकां लई निशानियां हन जो यक़ीन रक्खदे हन; ते रात ते दिन दे अदल-बदल के आउण विच, ते उस रोज़ी विच जो अल्लाह असमान तों उतारदा है, फिर उस दे ज़रीए धरती नूं उस दी मौत तों बाद ज़िंदगी दिंदा है, ते हवावां दे फेर-बदल विच, उन्हां लोकां लई निशानियां हन जो अक़ल तों कम्म लैंदे हन। एह अल्लाह दियां आयतां हन जो असीं तैनूं ठीक-ठीक पढ़ के सुणाउंदे हां। तां अल्लाह ते उस दियां आयतां तों बाद ओह होर किस गल्ल उत्ते ईमान लिआउणगे? (2–6)

तबाही है हर उस झूठे गुनाहगार लई जो अल्लाह दियां आयतां सुणदा है जो उस नूं पढ़ के सुणाइयां जांदियां हन, फिर घमंड करदा होइया अड़िया रहिंदा है जिवें उस ने उन्हां नूं सुणिया ही नहीं। सो उस नूं दर्दनाक अज़ाब दी ख़बर सुणा दे। ते जदों उस नूं साडियां आयतां विचों किसे गल्ल दा पता लग्गदा है, तां ओह उन्हां दा मख़ौल बणा लैंदा है। अजिहे लोकां लई ज़लील करन वाला अज़ाब है: उन्हां दे पिच्छे जहन्नम है। ते जो कुझ उन्हां ने कमाइया ओह उन्हां दे कुझ कम्म ना आवेगा, ते ना ओह जिन्हां नूं उन्हां ने अल्लाह तों सिवा कारसाज़ बणा रक्खिया है; ते उन्हां लई वड्डा अज़ाब है। एह हिदायत है; ते जिन्हां ने अपणे रब्ब दियां आयतां दा इनकार कीता उन्हां लई दर्दनाक क़िसम दा अज़ाब है। (7–11)

अल्लाह ही है जिस ने समुंदर नूं तुहाडे कम्म विच ला दित्ता, तां जो उस दे हुक्म नाल उस विच किश्तियां चल्लण, ते तां जो तुसीं उस दा फ़ज़ल तलाश करो, ते तां जो तुसीं शुकर करो। ते उस ने जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है सभ तुहाडे कम्म विच ला दित्ता, सभ कुझ अपणे वल्लों। बेशक इस विच उन्हां लोकां लई निशानियां हन जो सोच-विचार करदे हन। (12–13)

ईमान वालियां नूं आख दे कि उन्हां लोकां नूं माफ़ कर देण जो अल्लाह दे दिनां दी उम्मीद नहीं रक्खदे, तां जो ओह इक्क क़ौम नूं उन्हां दी कमाई दा बदला देवे। जो कोई नेक कम्म करदा है ओह अपणे ही लई करदा है, ते जो कोई बुराई करदा है उस दा वबाल उसे उत्ते है; फिर अपणे रब्ब ही वल्ल तुसीं मोड़े जाओगे। (14–15)

ते बेशक असां ने इसराईल दी औलाद नूं किताब, हुक्म ते नुबुव्वत दित्ती; ते उन्हां नूं पाक चीज़ां विचों रोज़ी दित्ती, ते उन्हां नूं सारे जहान वालियां उत्ते फ़ज़ीलत बख़्शी। ते असां ने उन्हां नूं इस मामले दियां खुल्हियां दलीलां दित्तियां; फिर उन्हां ने इख़तिलाफ़ नहीं कीता पर इस तों बाद कि उन्हां कोल इल्म आ चुक्का सी, आपस दी ज़िद्द दे कारन। बेशक तेरा रब्ब क़ियामत दे दिन उन्हां दे विचकार उन्हां गल्लां दा फ़ैसला कर

देवेगा जिन्हां विच ओह इख़तिलाफ़ करदे सन। फिर असां ने तैनूं इस मामले दे इक्क साफ़ राह उत्ते क़ायम कीता, सो तूं उसे दे पिच्छे चल्ल, ते उन्हां लोकां दियां ख़ाहिशां दे पिच्छे ना चल्ल जो नहीं जाणदे। ओह अल्लाह दे मुक़ाबले विच तेरे कुझ वी कम्म नहीं आ सकदे। ते ज़ालिम इक्क दूजे दे साथी हन, ते अल्लाह उन्हां दा साथी है जो उस तों सुचेत रहिंदे हन। एह लोकां लई अक्खां खोल्हण वालियां गल्लां हन, ते उन्हां लोकां लई हिदायत ते रहमत जो यक़ीन रक्खदे हन। (16–20)

जां की जो लोक बुराइयां करदे हन ओह समझदे हन कि असीं उन्हां नूं उन्हां वरगा कर दिआंगे जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते, कि उन्हां दा जीणा ते मरना बराबर हो जावे? किन्ना बुरा फ़ैसला है जो ओह करदे हन! ते अल्लाह ने असमानां ते धरती नूं हक़ दे नाल पैदा कीता, ते इस लई कि हर जान नूं उस दी कमाई दा बदला दित्ता जावे; ते उन्हां उत्ते ज़ुलम ना कीता जावेगा। की तूं उस नूं वेखिया जिस ने अपणी ख़ाहिश नूं अपणा माबूद बणा लिया, ते जिस नूं अल्लाह ने इल्म दे बावजूद भटकण दित्ता, ते उस दे कन्न ते उस दे दिल उत्ते मोहर ला दित्ती, ते उस दी अक्ख उत्ते परदा पा दित्ता? तां अल्लाह तों बाद उस नूं कौण हिदायत देवेगा? तां की तुसीं नसीहत नहीं फड़दे? (21–23)

ते ओह आखदे हन, "साडी इस दुनिया दी ज़िंदगी तों सिवा कुझ नहीं: असीं मरदे हां ते जींदे हां, ते सानूं ज़माने तों सिवा कोई चीज़ हलाक नहीं करदी।" उन्हां नूं इस दा कोई इल्म नहीं; ओह निरे गुमान करदे हन। ते जदों उन्हां नूं साडियां खुल्हियां आयतां पढ़ के सुणाइयां जांदियां हन, तां उन्हां दी दलील इस तों सिवा कुझ नहीं हुंदी कि आखदे हन, "साडे पिओ-दादियां नूं लै आओ, जे तुसीं सच्चे हो।" आख, "अल्लाह ही तुहानूं ज़िंदगी दिंदा है, फिर तुहानूं मौत दिंदा है, फिर तुहानूं क़ियामत दे दिन इकट्ठा करेगा, जिस विच कोई शक्क नहीं; पर बहुते लोक नहीं जाणदे।"[42] (24–26)

ते असमानां ते धरती दी बादशाही अल्लाह ही दी है; ते जिस दिन ओह घड़ी क़ायम होवेगी, उस दिन बातिल वाले घाटे विच रह जाणगे। ते तूं हर उम्मत नूं गोडियां दे भार डिग्गी होई वेखेंगा; हर उम्मत नूं उस दी किताब वल्ल बुलाइया जावेगा: "अज्ज तुहानूं उस दा बदला दित्ता जावेगा जो तुसीं करदे सी। एह साडी किताब है, जो तुहाडे बारे ठीक-ठीक बोलदी है: बेशक असीं लिखवाउंदे जांदे सां जो कुझ तुसीं करदे सी।" सो जो लोक ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते, उन्हां नूं उन्हां दा रब्ब अपणी रहमत विच दाख़िल करेगा। इही खुल्ही कामयाबी है। ते रहे ओह जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता: "की मेरियां आयतां तुहानूं पढ़ के नहीं सुणाइयां जांदियां सन? पर तुसीं घमंड कीता, ते तुसीं मुजरिम लोक सी। ते जदों आखिया जांदा सी, 'अल्लाह दा वादा सच्चा है, ते ओह घड़ी—उस विच कोई शक्क नहीं,' तां तुसीं आखदे सी, 'असीं नहीं जाणदे कि ओह घड़ी की है; असीं तां इस नूं बस इक्क गुमान समझदे हां, ते सानूं यक़ीन नहीं।'" (27–32)

---

[42] **नास्तिकता दी बुनियाद अटकल (ज़न्न) उत्ते है: इक्क साइंसी, फ़लसफ़ी ते दीनी तफ़सीर**
नास्तिकता, अटकल, ते इल्म दी क़ुरआनी मंग
नास्तिकता, आख़िरत, ते अटकल: इक्क क़ुरआनी खोज

ते उन्हां दे कीते दियां बुराइयां उन्हां दे साहमणे ज़ाहिर हो जाणगियां, ते जिस चीज़ दा ओह मख़ौल उडाउंदे सन ओही उन्हां नूं घेर लवेगी। ते आखिया जावेगा, “अज्ज असीं तुहानूं भुला दिंदे हां, जिवें तुसीं अपणे इस दिन दी मुलाक़ात नूं भुला दित्ता सी। ते तुहाडा ठिकाणा अग्ग है, ते तुहाडा कोई मददगार नहीं। एह इस लई कि तुसीं अल्लाह दियां आयतां दा मख़ौल बणाइया, ते दुनिया दी ज़िंदगी ने तुहानूं धोखे विच पाई रक्खिया।” सो अज्ज ना ओह उस विचों कढ्ढे जाणगे, ते ना उन्हां नूं मनाउण दा मौक़ा दित्ता जावेगा। (33–35)

सो सारी तारीफ़ अल्लाह ही लई है, जो असमानां दा रब्ब ते धरती दा रब्ब, सारे जहानां दा रब्ब है। ते असमानां ते धरती विच वडिआई उसे दी है; ते ओही ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। (36–37)

46. रेत दे टिब्बे (अल-अहक़ाफ़)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

हा मीम। (1)

इस किताब दा उतारिया जाणा अल्लाह वल्लों है, जो ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। असां ने असमानां ते धरती नूं ते जो कुझ उन्हां दे विचकार है पैदा नहीं कीता पर हक़ दे नाल, ते इक्क मुक़र्रर मुद्दत लई; पर सच्च दे इनकारी उस चीज़ तों मूंह मोड़ी होए हन जिस तों उन्हां नूं ख़बरदार कीता गिया है। आख, "की तुसीं ग़ौर कीता जिन्हां नूं तुसीं अल्लाह तों सिवा पुकारदे हो? मैनूं दिखाओ उन्हां ने धरती दा कौण सा हिस्सा पैदा कीता है; जां असमानां विच उन्हां दा कोई हिस्सा है? मेरे कोल इस तों पहिलां दी कोई किताब लै आओ, जां इल्म दी कोई बची होई निशानी, जे तुसीं सच्चे हो।" ते उस तों वध भटकिया होइया कौण है जो अल्लाह तों सिवा उन्हां नूं पुकारे जो क़ियामत दे दिन तक्क उस नूं जवाब नहीं दे सकदे, ते जो उन्हां दी पुकार तों बेख़बर हन? ते जदों लोक इकट्ठे कीते जाणगे, तां ओह उन्हां दे दुश्मण होणगे, ते उन्हां दी इबादत दा इनकार कर देणगे। (2–6)

ते जदों उन्हां नूं साडियां खुल्हियां आयतां पढ़ के सुणाइयां जांदियां हन, तां सच्च दे इनकारी सच्च बारे जदों ओह उन्हां कोल आउंदा है आखदे हन, "एह तां खुल्हा जादू है।" जां की ओह आखदे हन, "इस ने इस नूं घड़ लिया है"? आख, "जे मैं इस नूं घड़िया है, तां तुसीं अल्लाह दे मुक़ाबले विच मेरी कुझ वी मदद नहीं कर सकदे। ओह ख़ूब जाणदा है जिन्हां गल्लां विच तुसीं इस बारे लग्गे होए हो; ओह मेरे ते तुहाडे विचकार गवाह दे तौर ते काफ़ी है। ते ओही बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है।" आख, "मैं रसूलां विचों कोई अनोखा नहीं; ते मैं नहीं जाणदा कि मेरे नाल की कीता जावेगा ते ना एह कि तुहाडे नाल। मैं तां बस उसे दे पिच्छे चल्लदा हां जो मेरे वल्ल वह्य कीता जांदा है, ते मैं तां बस खुल्हा ख़बरदार करन वाला हां।" आख, "की तुसीं ग़ौर कीता: जे एह अल्लाह वल्लों होवे ते तुसीं इस दा इनकार कर देओ, जदों कि इसराईल दी औलाद विचों इक्क गवाह इस वरगी चीज़ दी गवाही दे चुक्का है ते ईमान लै आइया, ते तुसीं घमंड करदे रहे—" बेशक अल्लाह ज़ालिम लोकां नूं हिदायत नहीं दिंदा। (7–10)

ते सच्च दे इनकारी ईमान वालियां बारे आखदे हन, "जे एह कोई चंगी चीज़ हुंदी, तां एह लोक इस वल्ल साडे तों पहिलां ना पहुंचदे।" ते किउंकि उन्हां ने इस तों हिदायत नहीं पाई, सो ओह आखणगे, "एह तां पुराणा झूठ है।" हालांकि इस तों पहिलां मूसा दी किताब रहिनुमा ते रहमत बण के आ चुक्की है; ते एह किताब उस दी तसदीक़ करन वाली है, अरबी ज़बान विच, तां जो उन्हां नूं ख़बरदार करे जिन्हां ने ज़ुलम कीता ते नेकी करन वालियां लई ख़ुशख़बरी होवे। बेशक जिन्हां लोकां ने आखिया, "साडा रब्ब अल्लाह है," फिर उस उत्ते जमे रहे—उन्हां उत्ते ना कोई डर होवेगा, ते ना ओह ग़मगीन होणगे। इही जन्नत वाले हन, जो उस विच सदा रहिणगे, उस दे बदले जो ओह करदे सन। (11–14)

ते असां ने इनसान नूं अपणे मां-पिओ नाल नेक सलूक करन दी ताकीद कीती है। उस दी मां ने तकलीफ़ झल्ल के उस नूं ढिड्ढ विच रक्खिया ते तकलीफ़ झल्ल के उस नूं जणिया; ते उस दे गरभ ते उस दे दुद्ध छुडाउण विच तीह महीने लग्गदे हन। इत्थों तक्क कि जदों ओह अपणी पूरी जवानी नूं पहुंचदा है ते चाली सालां दा हो जांदा है, तां आखदा है, "ऐ मेरे रब्ब, मैनूं तौफ़ीक़ दे कि मैं तेरी उस नेमत दा शुकर अदा करां जो तूं मेरे उत्ते ते मेरे मां-पिओ उत्ते कीती है, ते एह कि मैं अजिहे नेक कम्म करां जो तैनूं पसंद होण; ते मेरे लई मेरी औलाद नूं नेक बणा दे। मैं तेरे हज़ूर तौबा करदा हां, ते मैं फ़रमांबरदारां विचों हां।" इही हन ओह जिन्हां तों असीं उन्हां दे सभ तों चंगे कम्म क़बूल करदे हां, ते जिन्हां दियां बुराइयां तों दरगुज़र करदे हां, ओह जन्नत वालियां विच होणगे: एह ओह सच्चा वादा है जो उन्हां नाल कीता जांदा सी। (15–16)

ते ओह जिस ने अपणे मां-पिओ नूं आखिया, "उफ़ है तुहाडे दोहां उत्ते! की तुसीं मैनूं इस गल्ल दा वादा दिंदे हो कि मैं कढ्ढिया जावांगा, हालांकि मेरे तों पहिलां किन्नियां ही नसलां गुज़र चुक्कियां हन?" ते ओह दोवें अल्लाह अग्गे फ़रियाद करदे हन: "तेरी कमबख़्ती! ईमान लै आ! बेशक अल्लाह दा वादा सच्चा है।" पर ओह आखदा है, "एह तां बस अगलियां दियां कहाणियां हन।" इही हन ओह जिन्हां उत्ते गल्ल पूरी हो के रही, जिन्नां ते इनसानां दियां उन्हां उम्मतां दे नाल जो उन्हां तों पहिलां गुज़र चुक्कियां सन। बेशक ओह घाटा खाण वाले सन। ते हर इक्क लई उन्हां दे कीते दे मुताबिक़ दरजे हन, ते तां जो ओह उन्हां नूं उन्हां दे कम्मां दा पूरा-पूरा बदला देवे; ते उन्हां उत्ते ज़ुलम ना कीता जावेगा। ते जिस दिन सच्च दे इनकारी अग्ग दे साहमणे पेश कीते जाणगे: "तुसीं अपणियां चंगियां चीज़ां अपणी दुनिया दी ज़िंदगी विच मुका चुक्के ते उन्हां दा मज़ा लै चुक्के; सो अज्ज तुहानूं ज़िल्लत दे अज़ाब दा बदला दित्ता जावेगा, इस लई कि तुसीं ज़मीन विच नाहक़ घमंड करदे सी, ते इस लई कि तुसीं नाफ़रमानी करदे सी।" (17–20)

ते आद दे भरा दा ज़िकर कर, जदों उस ने रेत दे टिब्बियां विच अपणी क़ौम नूं ख़बरदार कीता—ते ख़बरदार करन वाले उस तों पहिलां वी ते उस तों बाद वी गुज़र चुक्के सन—एह आखदे होए, "अल्लाह तों सिवा किसे दी इबादत ना करो: मैनूं तुहाडे बारे इक्क वड्डे दिन दे अज़ाब दा डर है।" उन्हां ने आखिया, "की तूं साडे कोल इस लई आइया हैं कि सानूं साडे माबूदां तों फेर देवें? तां लै आ ओह जिस तों तूं सानूं डराउंदा हैं, जे तूं सच्चा हैं।" उस ने आखिया, "इल्म तां बस अल्लाह ही दे कोल है। मैं तुहानूं ओही पहुंचाउंदा हां जो दे के मैनूं भेजिया गिया है, पर मैं वेखदा हां कि तुसीं जाहिल लोक हो।" फिर जदों उन्हां ने उस नूं इक्क बद्दल दे रूप विच अपणियां वादियां वल्ल आउंदा वेखिया, तां आखिया, "एह बद्दल है जो साडे उत्ते मींह वर्हावेगा।" नहीं—बल्कि एह ओही है जिस लई तुसीं जलदी मचाई सी: इक्क हनेरी जिस विच दर्दनाक अज़ाब है, जो अपणे रब्ब दे हुक्म नाल हर चीज़ नूं तबाह कर देवेगी। सो सवेर होई तां उन्हां दे घरां तों सिवा कुझ दिसदा ना सी। इसे तरां असीं मुजरिम लोकां नूं बदला दिंदे हां। (21–25)

ते बेशक असां ने उन्हां नूं ओह कुझ दित्ता सी जो तुहानूं नहीं दित्ता, ते असां ने उन्हां नूं कन्न ते अक्खां ते दिल दित्ते सन; पर ना उन्हां दे कन्न, ना उन्हां दियां अक्खां ते ना उन्हां दे दिल उन्हां दे कुझ कम्म आए, किउंकि ओह अल्लाह दियां आयतां दा इनकार ही करदे रहे; ते जिस चीज़ दा ओह मख़ौल उडाउंदे सन उसे ने उन्हां

नूं घेर लिया। ते बेशक असां ने तुहाडे आले-दुआले दियां बस्तियां हलाक कर दित्तियां, ते असां ने निशानियां तरां-तरां नाल बिआन कीतियां, तां जो ओह मुड़ आउण। फिर उन्हां ने उन्हां दी मदद क्यों ना कीती जिन्हां नूं उन्हां ने अल्लाह तों सिवा नेड़ता हासिल करन लई माबूद बणा रक्खिया सी? नहीं—बल्कि ओह उन्हां तों गुंम हो गए। ते एह सी उन्हां दा झूठ, ते जो कुझ ओह घड़दे सन। (26–28)

ते याद कर जदों असां ने जिन्नां दी इक्क टोली नूं तेरे वल्ल फेरिया, जो क़ुरआन सुण रहे सन। फिर जदों ओह उस दे कोल पहुंचे, तां आखण लग्गे, "चुप्प रहो!" फिर जदों ओह मुक्क गिया, तां ओह ख़बरदार करन वाले बण के अपणी क़ौम वल्ल मुड़ गए। उन्हां ने आखिया, "ऐ साडी क़ौम, असां ने इक्क किताब सुणी है जो मूसा तों बाद उतारी गई है, उस दी तसदीक़ करन वाली जो उस तों पहिलां सी, जो हक़ वल्ल ते सिद्धे राह वल्ल रहिनुमाई करदी है। ऐ साडी क़ौम, अल्लाह वल्ल बुलाउण वाले दी गल्ल मन्न लओ ते उस उत्ते ईमान लै आओ: ओह तुहाडे गुनाह बख़्श देवेगा ते तुहानूं दर्दनाक अज़ाब तों बचा लवेगा। ते जो कोई अल्लाह वल्ल बुलाउण वाले दी गल्ल ना मन्ने ओह ज़मीन विच बच के निकल नहीं सकदा, ते उस तों सिवा उस दे कोई कारसाज़ नहीं। अजिहे लोक खुल्ही गुमराही विच हन।" (29–32)

की उन्हां ने नहीं वेखिया कि अल्लाह, जिस ने असमानां ते धरती नूं पैदा कीता ते उन्हां दे पैदा करन नाल थकिया नहीं, इस उत्ते क़ादिर है कि मुरदियां नूं ज़िंदा कर देवे? क्यों नहीं: बेशक ओह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। ते जिस दिन सच्च दे इनकारी अग्ग दे साहमणे पेश कीते जाणगे: "की एह सच्च नहीं?" ओह आखणगे, "क्यों नहीं, साडे रब्ब दी क़सम।" ओह आखेगा, "तां अज़ाब चक्खो इस लई कि तुसीं सच्च दा इनकार करदे सी।" (33–34)

सो सब्र कर, जिवें हिम्मत वाले रसूलां ने सब्र कीता, ते उन्हां लई जलदी ना मचा। जिस दिन ओह उस चीज़ नूं वेखणगे जिस दा उन्हां नाल वादा कीता जांदा है, तां इउं लग्गेगा जिवें ओह दिन दी इक्क घड़ी तों वध नहीं ठहिरे। एह इक्क पैग़ाम है जो पहुंचा दित्ता गिया: तां की नाफ़रमान लोकां तों सिवा कोई होर हलाक कीता जावेगा? (35)

47. मुहम्मद (मुहम्मद)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

जिन्हां लोकां ने सच्च दा इनकार कीता ते अल्लाह दे राह तों रोकिया—उस ने उन्हां दे अमल अकारथ कर दित्ते। ते जो लोक ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते, ते उस उत्ते ईमान लिआए जो मुहम्मद उत्ते उतारिया गिया है—ते ओही उन्हां दे रब्ब वल्लों सच्च है—उस ने उन्हां दियां बुराइयां उन्हां तों दूर कर दित्तियां ते उन्हां दा हाल सुधार दित्ता। एह इस लई कि जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता ओह बातिल दे पिच्छे चल्ले, ते जो ईमान लिआए ओह उस सच्च दे पिच्छे चल्ले जो उन्हां दे रब्ब वल्लों है। इस तरां अल्लाह लोकां लई उन्हां दियां मिसालां बिआन करदा है। (1–3)

सो जदों लड़ाई विच सच्च दे इनकारियां नाल तुहाडा साहमणा होवे, तां गरदनां मारो; इत्थों तक्क कि जदों तुसीं उन्हां नूं चंगी तरां कुचल देओ, तां क़ैदियां नूं मज़बूती नाल बंन्ह लओ। उस तों बाद या तां अहिसान करके छड्ड देओ जां फ़िदिआ लै के, इत्थों तक्क कि लड़ाई अपणे हथियार रक्ख देवे। गल्ल इही है। ते जे अल्लाह चाहुंदा, तां आप ही उन्हां तों बदला लै लैंदा, पर एह इस लई है कि ओह तुहाडे विचों कुझ नूं दूजियां दे ज़रीए आज़माए। ते जो लोक अल्लाह दे राह विच मारे गए, ओह उन्हां दे अमल कदे अकारथ ना करेगा: ओह उन्हां नूं राह दिखावेगा ते उन्हां दा हाल सुधार देवेगा, ते उन्हां नूं उस जन्नत विच दाख़िल करेगा जिस दी उन्हां नूं पछाण करा दित्ती है। ऐ ईमान लिआउण वालियो, जे तुसीं अल्लाह दी मदद करोगे, तां ओह तुहाडी मदद करेगा ते तुहाडे क़दम जमा देवेगा। (4–7)

ते जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता—उन्हां लई तबाही है, ते ओह उन्हां दे अमल अकारथ कर देवेगा। एह इस लई कि उन्हां ने उस चीज़ नूं नापसंद कीता जो अल्लाह ने उतारी, सो उस ने उन्हां दे अमल बेकार कर दित्ते। की ओह ज़मीन विच चल्ले-फिरे नहीं कि वेखदे उन्हां तों पहिलां वालियां दा अंजाम किहो जिहा होइया? अल्लाह ने उन्हां नूं मलियामेट कर दित्ता, ते सच्च दे इनकारियां लई वी इहो जिहा ही अंजाम है। एह इस लई कि अल्लाह ईमान वालियां दा कारसाज़ है, ते सच्च दे इनकारियां दा कोई कारसाज़ नहीं। बेशक अल्लाह उन्हां नूं जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते अजिहे बाग़ां विच दाख़िल करेगा जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन; ते जो सच्च दे इनकारी हन ओह मज़े उडा रहे हन ते इउं खांदे हन जिवें डंगर खांदे हन, ते अग्ग उन्हां दा ठिकाणा है। ते किन्नियां ही बस्तियां सन, जो तेरी उस बस्ती तों ताक़त विच वध सन जिस ने तैनूं कड्ढ दित्ता, असां ने उन्हां नूं हलाक कर दित्ता, फिर उन्हां दा कोई मददगार ना होइया! (8–13)

भला जो अपणे रब्ब वल्लों इक्क खुल्ही दलील उत्ते होवे की ओह उस वरगा हो सकदा है जिस लई उस दा बुरा अमल सोहणा बणा दित्ता गिया, ते जो अपणियां ख़ाहिशां दे पिच्छे चल्लदे हन? उस जन्नत दी मिसाल जिस दा वादा अल्लाह तों सुचेत रहण वालियां नाल कीता गिया है एह है: उस विच अजिहे पाणी दियां नहरां हन जो कदे बिगड़दा नहीं, ते अजिहे दुद्ध दियां नहरां जिस दा सुआद कदे नहीं बदलदा, ते शराब दियां नहरां

जो पीण वालियां लई सुआदली है, ते साफ़ कीते होए शहिद दियां नहरां; ते उस विच उन्हां लई हर क़िसम दे फल हन, ते उन्हां दे रब्ब वल्लों बख़शिश। की एह उन्हां वरगे हन जो सदा अग्ग विच रहिणगे ते जिन्हां नूं खौलदा पाणी पिलाइया जावेगा, जो उन्हां दियां आंदरां टुकड़े-टुकड़े कर देवेगा? (14–15)

ते उन्हां विचों कुझ अजिहे हन जो तेरी गल्ल, ऐ नबी, कन्न ला के सुणदे हन, पर जदों तेरे कोलों बाहर निकलदे हन तां उन्हां नूं जिन्हां नूं इल्म दित्ता गिया है आखदे हन, "इस ने हुणे की आखिया सी?" इही हन जिन्हां दे दिलां उत्ते अल्लाह ने मोहर ला दित्ती है, ते जो अपणियां ख़ाहिशां दे पिच्छे चल्लदे हन। ते जिन्हां ने हिदायत क़बूल कीती—ओह उन्हां नूं हिदायत विच होर वधा दिंदा है ते उन्हां नूं उन्हां दी सुचेतता अता करदा है। तां की ओह बस उस घड़ी दी उडीक विच हन, कि ओह उन्हां उत्ते अचानक आ जावे? सो उस दियां निशानियां तां आ चुक्कियां हन। फिर जदों ओह उन्हां उत्ते आ जावेगी, तां उन्हां नूं उन्हां दा नसीहत फड़ना किथों कम्म आवेगा? सो जाण लै कि अल्लाह तों सिवा कोई माबूद नहीं, ते अपणे गुनाह लई बख़शिश मंग ते ईमान वाले मरदां ते ईमान वालियां औरतां लई वी। ते अल्लाह तुहाडे चल्लण-फिरन दी थां नूं ते तुहाडे टिकाणे नूं जाणदा है। (16–19)

ते जो ईमान लिआए हन ओह आखदे हन, "कोई सूरा क्यों ना उतारी गई!" पर जदों कोई पक्की सूरा उतारी जांदी है ते उस विच लड़ाई दा ज़िकर हुंदा है, तां तूं उन्हां नूं वेखदा हैं जिन्हां दे दिलां विच रोग है कि तेरे वल्ल इउं तक्कदे हन जिवें किसे उत्ते मौत दी ग़शी छा रही होवे। सो उन्हां लई बिहतर एह सी कि फ़रमांबरदारी करदे ते भली गल्ल आखदे। फिर जदों मामला पक्का हो जावे, तां जे ओह अल्लाह दे नाल सच्चे रहिंदे तां उन्हां लई बिहतर हुंदा। फिर तुहाथों इही उम्मीद है कि जे तुसीं मूंह मोड़ लओ, तां ज़मीन विच फ़साद फैलाओगे ते अपणे रिश्ते-नाते तोड़ सुट्टोगे? इही हन जिन्हां उत्ते अल्लाह ने लानत कीती, सो उन्हां नूं बोला कर दित्ता ते उन्हां दियां अक्खां अन्हियां कर दित्तियां। तां की ओह क़ुरआन उत्ते ग़ौर नहीं करदे? जां दिलां उत्ते उन्हां दे जंदरे लग्गे होए हन? बेशक जो लोक पिट्ठ फेर के मुड़ गए इस तों बाद कि उन्हां उत्ते हिदायत खुल्ह चुक्की सी—शैतान ने उन्हां नूं फुसलाइया ते उन्हां नूं झूठियां उम्मीदां दिवाइयां। एह इस लई कि उन्हां ने उन्हां लोकां नूं जो अल्लाह दी उतारी होई चीज़ नूं नापसंद करदे हन आखिया, "कुझ मामलियां विच असीं तुहाडी गल्ल मन्नांगे।" ते अल्लाह उन्हां दियां छुपियां गल्लां जाणदा है। (20–26)

फिर उस वेले की हाल होवेगा जदों फ़रिश्ते उन्हां दी जान क़बज़ करनगे, उन्हां दे मूंहां ते उन्हां दियां पिट्ठां उत्ते मारदे होए? एह इस लई कि ओह उस चीज़ दे पिच्छे चल्ले जो अल्लाह नूं नाराज़ करदी है ते उस दी रज़ा नूं नापसंद कीता, सो उस ने उन्हां दे अमल अकारथ कर दित्ते। (27–28)

जां की ओह लोक जिन्हां दे दिलां विच रोग है एह समझदे हन कि अल्लाह उन्हां दे दिलां दा खोट कदे ज़ाहिर ना करेगा? ते जे असीं चाहुंदे, तां उन्हां नूं तैनूं दिखा दिंदे, फिर तूं उन्हां नूं उन्हां दियां निशानियां तों पछाण लैंदा; ते तूं उन्हां नूं गल्ल दे ढंग तों ज़रूर पछाण लवेंगा। ते अल्लाह तुहाडे सारे अमल जाणदा है। ते असीं तुहानूं ज़रूर आज़मावांगे इत्थों तक्क कि तुहाडे विचों जिहाद करन वालियां ते सब्र करन वालियां नूं जाण

लईए, ते तुहाडे हालात नूं परख लईए। बेशक जिन्हां लोकां ने सच्च दा इनकार कीता, ते अल्लाह दे राह तों रोकिया, ते रसूल दी मुख़ालफ़त कीती इस तों बाद कि उन्हां उत्ते हिदायत खुल्ह चुक्की सी, ओह अल्लाह दा कुझ वी नहीं विगाड़ सकणगे, ते ओह उन्हां दे अमल अकारथ कर देवेगा। ऐ ईमान लिआउण वालियो, अल्लाह दी फ़रमांबरदारी करो ते रसूल दी फ़रमांबरदारी करो, ते अपणे अमल बरबाद ना करो। बेशक जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता ते अल्लाह दे राह तों रोकिया, फिर इनकारी ही मर गए—अल्लाह उन्हां नूं कदे नहीं बख़्शेगा। (29–34)

सो तुसीं ढिल्ले ना पवो ते सुलह वल्ल ना बुलाओ जदों कि तुसीं ही ग़ालिब हो, ते अल्लाह तुहाडे नाल है, ते ओह तुहाडे अमलां दा बदला कदे घट्ट ना करेगा। दुनिया दी ज़िंदगी तां बस खेड ते तमाशा है; ते जे तुसीं ईमान लिआओ ते अल्लाह तों सुचेत रहो, तां ओह तुहानूं तुहाडे अजर देवेगा ते तुहाथों तुहाडे माल नहीं मंगेगा। जे ओह तुहाथों ओह मंगे ते तुहाडे उत्ते ज़ोर पाए, तां तुसीं कंजूसी करोगे, ते ओह तुहाडे दिलां दा खोट ज़ाहिर कर देवेगा। सुणो, तुसीं ओह लोक हो जिन्हां नूं अल्लाह दे राह विच ख़र्च करन लई बुलाइया जांदा है, ते तुहाडे विचों कुझ कंजूसी करदे हन—हालांकि जो कोई कंजूसी करदा है ओह अपणे आप नाल ही कंजूसी करदा है। ते अल्लाह बेनियाज़ है, ते तुसीं मुहताज हो। ते जे तुसीं मूंह मोड़ोगे, तां ओह तुहाडी थां होर लोकां नूं लै आवेगा, फिर ओह तुहाडे वरगे ना होणगे। (35–38)

48. फ़तह (अल-फ़त्ह)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

ऐ नबी, बेशक असां ने तैनूं इक्क खुल्ही फ़तह अता कीती है, तां जो अल्लाह तेरे अगले ते पिछले गुनाह बख़्श देवे, ते तेरे उत्ते अपणी नेमत पूरी करे, ते तैनूं सिद्धे राह चलाए, ते तेरी ज़बरदस्त मदद करे। ओही है जिस ने ईमान वालियां दे दिलां विच सकून उतारिया, तां जो ओह अपणे ईमान दे नाल होर ईमान वधा लैण। ते असमानां ते धरती दे लशकर अल्लाह ही दे हन; ते अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। एह इस लई, कि ओह ईमान वाले मरदां ते ईमान वालियां औरतां नूं अजिहे बाग़ां विच दाख़िल करे जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, जित्थे ओह सदा रहिणगे, ते उन्हां दियां बुराइयां उन्हां तों दूर कर देवे—ते अल्लाह दे नज़दीक इही वड्डी कामयाबी है— ते तां जो ओह मुनाफ़िक़ मरदां ते मुनाफ़िक़ औरतां नूं, ते मुशरिक मरदां ते मुशरिक औरतां नूं अज़ाब देवे, जो अल्लाह बारे बुरे गुमान रक्खदे हन। बुराई दा गेड़ उन्हां ही उत्ते है: ते अल्लाह उन्हां उत्ते ग़ज़बनाक होइया, ते उन्हां उत्ते लानत कीती ते उन्हां लई जहन्नम तिआर कीती—ते ओह बहुत बुरा टिकाणा है। ते असमानां ते धरती दे लशकर अल्लाह ही दे हन; ते अल्लाह ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। बेशक असां ने तैनूं, ऐ नबी, गवाह, ख़ुशख़बरी देण वाला ते ख़बरदार करन वाला बणा के भेजिया है, तां जो तुसीं लोको अल्लाह ते उस दे रसूल उत्ते ईमान लिआओ, ते उस दी मदद करो ते उस दी इज़्ज़त करो, ते सवेरे ते शाम अल्लाह दी तसबीह करो। (1–9)

बेशक जो लोक तेरे नाल बैअत करदे हन ओह अल्लाह ही नाल बैअत करदे हन: अल्लाह दा हत्थ उन्हां दे हत्थां दे उत्ते है। फिर जो कोई अहिद तोड़े ओह अपणे ही नुक़सान लई तोड़दा है, ते जो कोई उस अहिद नूं पूरा करे जो उस ने अल्लाह नाल कीता है—ओह उस नूं वड्डा अजर देवेगा। पेंडू अरबां विचों जो पिच्छे रह गए सन ओह तैनूं आखणगे, "साडे माल ते साडे घर वालियां ने सानूं रुझाई रक्खिया, सो साडे लई बख़शिश मंग।" ओह अपणियां ज़बानां नाल ओह गल्ल आखदे हन जो उन्हां दे दिलां विच नहीं। आख, "तां कौण है जो अल्लाह दे मुक़ाबले विच तुहाडे लई कुझ वी इख़तियार रक्खदा होवे, जे ओह तुहानूं नुक़सान पहुंचाउणा चाहे जां तुहानूं नफ़ा पहुंचाउणा चाहे? नहीं—बल्कि अल्लाह तुहाडे सारे अमलां तों बाख़बर है।" नहीं; बल्कि तुसीं समझिया सी कि रसूल ते ईमान वाले कदे अपणे घर वालियां वल्ल मुड़ के ना आउणगे, ते एह गल्ल तुहाडे दिलां नूं चंगी लग्गी। ते तुसीं बुरे गुमान कीते, ते तुसीं तबाह होण वाले लोक सी। ते जो कोई अल्लाह ते उस दे रसूल उत्ते ईमान ना लिआवे—तां असां ने सच्च दे इनकारियां लई भड़कदी अग्ग तिआर कर रक्खी है। ते असमानां ते धरती दी बादशाही अल्लाह ही दी है: ओह जिस नूं चाहे बख़्श देवे ते जिस नूं चाहे अज़ाब देवे। ते अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (10–14)

जदों तुसीं ग़नीमतां लैण लई चल्लोगे, तां पिच्छे रह जाण वाले आखणगे, "सानूं वी अपणे पिच्छे आउण देओ," ओह चाहुंदे हन कि अल्लाह दी गल्ल नूं बदल देण। आख, "तुसीं साडे पिच्छे नहीं आओगे: अल्लाह ने पहिलां

ही इउं आख दित्ता है।" फिर ओह आखणगे, "नहीं, बल्कि तुसीं साडे नाल हसद करदे हो।" बल्कि ओह थोड़ी ही गल्ल समझदे हन। (15)

पिच्छे रह जाण वाले पेंडू अरबां नूं आख दे, "छेती ही तुहानूं इक्क बड़े ज़ोर वाली क़ौम दे मुक़ाबले लई बुलाइया जावेगा, कि तुसीं उन्हां नाल लड़ो जां ओह फ़रमांबरदार हो जाण। फिर जे तुसीं हुक्म मन्नोगे, तां अल्लाह तुहानूं चंगा अजर देवेगा; ते जे तुसीं मूंह मोड़ोगे जिवें पहिलां मूंह मोड़ चुक्के हो, तां ओह तुहानूं दर्दनाक अज़ाब देवेगा।" अन्हे उत्ते कोई गुनाह नहीं, ना लंगड़े उत्ते, ते ना बीमार उत्ते। ते जो कोई अल्लाह ते उस दे रसूल दी फ़रमांबरदारी करे, ओह उस नूं अजिहे बाग़ां विच दाख़िल करेगा जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन; ते जो कोई मूंह मोड़े, ओह उस नूं दर्दनाक अज़ाब देवेगा। (16–17)

बेशक अल्लाह ईमान वालियां तों राज़ी होइया जदों ओह रुक्ख दे हेठ तेरे नाल बैअत कर रहे सन। सो जो कुझ उन्हां दे दिलां विच सी उस ने जाण लिया, तां उन्हां उत्ते सकून उतारिया ते उन्हां नूं बदले विच इक्क नेड़े दी फ़तह दित्ती, ते बहुत सारियां ग़नीमतां जिन्हां नूं ओह हासिल करनगे। ते अल्लाह ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। अल्लाह ने तुहाडे नाल बहुत सारियां ग़नीमतां दा वादा कीता है जिन्हां नूं तुसीं हासिल करोगे, सो एह उस ने तुहानूं छेती दे दित्ती, ते लोकां दे हत्थ तुहाथों रोक दित्ते, तां जो एह ईमान वालियां लई इक्क निशानी होवे ते ओह तुहानूं सिद्धे राह चलाए; ते होर वी हन जिन्हां उत्ते तुसीं अजे क़ाबू नहीं पा सके, पर अल्लाह उन्हां नूं घेरे विच लै चुक्का है। ते अल्लाह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। (18–21)

ते जे सच्च दे इनकारी तुहाडे नाल लड़दे, तां ज़रूर पिट्ठ फेर जांदे; फिर ओह ना कोई कारसाज़ पाउंदे ना मददगार। इही अल्लाह दा दस्तूर है जो पहिलां तों चल्लदा आइया है; ते तूं अल्लाह दे दस्तूर विच कोई तबदीली ना पाएंगा। ते ओही है जिस ने मक्के दी वादी विच उन्हां दे हत्थ तुहाथों ते तुहाडे हत्थ उन्हां तों रोक दित्ते, इस तों बाद कि उस ने तुहानूं उन्हां उत्ते ग़ालिब कर दित्ता सी। ते अल्लाह ओह सभ कुझ वेखदा है जो तुसीं करदे हो। इही हन ओह जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता, ते तुहानूं मसजिदे-हराम तों रोकिया, ते क़ुरबानी दे जानवरां नूं वी रोकिया कि ओह अपणी क़ुरबानी दी थां ना पहुंचण। ते जे अजिहे ईमान वाले मरद ते ईमान वालियां औरतां ना हुंदियां, जिन्हां नूं तुसीं नहीं जाणदे, कि तुसीं उन्हां नूं कुचल दिंदे ते इउं अणजाणे विच उन्हां दे कारन तुहाडे उत्ते इलज़ाम आउंदा—तां अल्लाह तुहानूं लड़न दिंदा, पर एह इस लई कि ओह जिस नूं चाहे अपणी रहमत विच दाख़िल करे। जे ओह वक्ख हो गए हुंदे, तां असीं उन्हां विचों सच्च दे इनकारियां नूं दर्दनाक अज़ाब दिंदे। जदों सच्च दे इनकारियां ने अपणे दिलां विच ज़िद्द रक्खी, जहालत दे ज़माने दी ज़िद्द, तां अल्लाह ने अपणे रसूल उत्ते ते ईमान वालियां उत्ते अपणा सकून उतारिया, ते उन्हां नूं सुचेतता दी गल्ल दा पाबंद रक्खिया, ते ओही इस दे वध हक़दार ते इस दे लायक़ सन। ते अल्लाह हर चीज़ दा पूरा इल्म रक्खदा है। (22–26)

बेशक अल्लाह ने अपणे रसूल दा सुपना हक़ दे नाल सच्चा कर दिखाइया: तुसीं ज़रूर मसजिदे-हराम विच दाख़िल होवोगे, जे अल्लाह ने चाहिया, अमन दे नाल, अपणे सिर मुनाई होए जां वाल कतराई होए, तुहानूं

कोई डर ना होवेगा। सो उस ने ओह जाणिया जो तुसीं ना जाणदे सी, ते उस ने इस तों पहिलां इक्क नेड़े दी फ़तह अता कर दित्ती। ओही है जिस ने अपणे रसूल नूं हिदायत ते सच्चे दीन दे नाल भेजिया, तां जो उस नूं सारे दीनां उत्ते ग़ालिब कर देवे। ते अल्लाह गवाह दे तौर ते काफ़ी है। मुहम्मद अल्लाह दा रसूल है, ते जो लोक उस दे नाल हन ओह सच्च दे इनकारियां उत्ते सख़्त हन, आपस विच रहम-दिल। तूं उन्हां नूं रुकू करदिआं ते सजदा करदिआं वेखदा हैं, अल्लाह दा फ़ज़ल ते उस दी रज़ा तलाश करदे होए; उन्हां दी निशानी उन्हां दे चिहरियां उत्ते सजदे दे असर तों है। एह उन्हां दी मिसाल तौरात विच है; ते इंजील विच उन्हां दी मिसाल उस खेती वरगी है जिस ने अपणी कूंबल कढ्ढी फिर उस नूं मज़बूत कीता, फिर ओह मोटी होई ते अपणे तणे उत्ते सिद्धी खड़ी हो गई, किसानां नूं ख़ुश करदी होई—तां जो ओह इन्हां दे ज़रीए सच्च दे इनकारियां दा जी साड़े। अल्लाह ने उन्हां विचों उन्हां लोकां नाल जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते बख़शिश ते वड्डे अजर दा वादा कीता है। (27–29)

49. हुजरे (अल-हुजुरात)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

ऐ ईमान लिआउण वालियो, अल्लाह ते उस दे रसूल तों अग्गे ना वधो, ते अल्लाह तों सुचेत रहो: बेशक अल्लाह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ जाणन वाला है। ऐ ईमान लिआउण वालियो, अपणियां अवाज़ां नबी दी अवाज़ तों उच्चियां ना करो, ते उस दे नाल इउं उच्ची अवाज़ विच गल्ल ना करो जिवें तुसीं आपस विच इक्क दूजे नाल उच्ची अवाज़ विच बोलदे हो, किते तुहाडे अमल अकारथ ना हो जाण ते तुहानूं ख़बर वी ना होवे। बेशक जो लोक अल्लाह दे रसूल दे हज़ूर अपणियां अवाज़ां नीवियां रक्खदे हन इही हन जिन्हां दे दिलां नूं अल्लाह ने सुचेतता लई परख लिया है: उन्हां लई बख़शिश ते वड्डा अजर है। जो लोक तैनूं हुजरियां दे बाहरों पुकारदे हन—उन्हां विचों बहुते अक़ल नहीं रक्खदे। ते जे ओह सब्र करदे इत्थों तक्क कि तूं आप उन्हां दे कोल बाहर आउंदा, तां उन्हां लई बिहतर हुंदा। ते अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (1–5)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, जे कोई नाफ़रमान तुहाडे कोल कोई ख़बर लै के आवे, तां चंगी तरां पड़ताल कर लिआ करो, किते तुसीं अणजाणे विच किसे क़ौम नूं नुक़सान ना पहुंचा बैठो फिर अपणे कीते उत्ते पछताउंदे रह जाओ। ते जाण लओ कि तुहाडे विच अल्लाह दा रसूल है। जे ओह बहुत सारे मामलियां विच तुहाडी गल्ल मन्न लिआ करे, तां तुसीं ज़रूर मुश्किल विच पै जाओ। पर अल्लाह ने तुहाडे लई ईमान नूं पिआरा बणा दित्ता ते उस नूं तुहाडे दिलां विच सोहणा कर दित्ता, ते इनकार, बदकारी ते नाफ़रमानी नूं तुहाडे लई नापसंद बणा दित्ता। इही लोक सिद्धे राह उत्ते हन, अल्लाह दे फ़ज़ल ते अहिसान नाल। ते अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। (6–8)

ते जे ईमान वालियां दे दो गिरोह आपस विच लड़ पैण, तां उन्हां दे विचकार सुलह करा देओ। फिर जे उन्हां विचों इक्क दूजे उत्ते ज़िआदती करे, तां ज़िआदती करन वाले नाल लड़ो इत्थों तक्क कि ओह अल्लाह दे हुक्म वल्ल मुड़ आवे; फिर जे ओह मुड़ आवे, तां उन्हां दे विचकार इनसाफ़ दे नाल सुलह करा देओ, ते इनसाफ़ करो: बेशक अल्लाह इनसाफ़ करन वालियां नूं पसंद करदा है। ईमान वाले तां आपस विच भरा ही हन, सो अपणे दो भरावां दे विचकार सुलह करा देओ, ते अल्लाह तों सुचेत रहो, तां जो तुहाडे उत्ते रहम कीता जावे। (9–10)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, ना मरद दूजे मरदां दा मख़ौल उडाउण, हो सकदा है ओह उन्हां तों बिहतर होण; ते ना औरतां दूजियां औरतां दा मख़ौल उडाउण, हो सकदा है ओह उन्हां तों बिहतर होण। ते ना इक्क दूजे उत्ते ऐब लाओ, ते ना इक्क दूजे नूं बुरे नामां नाल पुकारो। ईमान तों बाद बदकारी दा नाम किन्ना बुरा है! ते जो तौबा ना करन—ओही ज़ालिम हन। ऐ ईमान लिआउण वालियो, बहुते गुमान करन तों बचो, किउंकि कुझ गुमान गुनाह हुंदे हन। ते ना इक्क दूजे दी टोह विच रहो, ते ना इक्क दूजे दी पिट्ठ पिच्छे बुराई करो। की

तुहाडे विचों कोई पसंद करेगा कि अपणे मरे होए भरा दा मास खाए? तुहानूं तां इस तों घिण आवेगी। ते अल्लाह तों सुचेत रहो: बेशक अल्लाह बड़ा तौबा क़बूल करन वाला, सदा रहम करन वाला है। ऐ लोको, असां ने तुहानूं इक्क मरद ते इक्क औरत तों पैदा कीता, ते तुहानूं क़ौमां ते क़बीले बणाइया तां जो तुसीं इक्क दूजे नूं पछाणो। बेशक अल्लाह दे नज़दीक तुहाडे विचों सभ तों इज़्ज़त वाला ओह है जो तुहाडे विचों सभ तों वध सुचेत है। बेशक अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, पूरी ख़बर रक्खण वाला है। (11–13)

पेंडू अरब आखदे हन, “असीं ईमान लिआए।” आख, “तुसीं ईमान नहीं लिआए; बल्कि इउं आखो कि असीं फ़रमांबरदार हो गए, किउंकि ईमान अजे तुहाडे दिलां विच दाख़िल नहीं होइया। ते जे तुसीं अल्लाह ते उस दे रसूल दी फ़रमांबरदारी करोगे, तां ओह तुहाडे अमलां विचों कुझ वी घट्ट ना करेगा। बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शाण वाला, सदा रहम करन वाला है।” ईमान वाले तां बस ओही हन जो अल्लाह ते उस दे रसूल उत्ते ईमान लिआए फिर शक्क ना कीता, ते अपणे मालां ते अपणी जानां नाल अल्लाह दे राह विच जिहाद कीता। इही सच्चे हन। आख, “की तुसीं अल्लाह नूं अपणा दीन जतांदे हो, हालांकि अल्लाह जाणदा है जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है? ते अल्लाह हर चीज़ दा पूरा इल्म रक्खदा है।” ओह तेरे उत्ते अहिसान जतांदे हन कि ओह फ़रमांबरदार हो गए। आख, “अपणी फ़रमांबरदारी दा अहिसान मेरे उत्ते ना जताओ। बल्कि अल्लाह तुहाडे उत्ते अहिसान जतांदा है कि उस ने तुहानूं ईमान दी हिदायत दित्ती, जे तुसीं सच्चे हो।” बेशक अल्लाह असमानां ते धरती दे ग़ैब नूं जाणदा है, ते अल्लाह ओह सभ कुझ वेखदा है जो तुसीं करदे हो। (14–18)

50. क़ाफ़ (क़ाफ़)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

क़ाफ़। शान वाले क़ुरआन दी क़सम! बल्कि उन्हां नूं हैरानी है कि उन्हां कोल उन्हां ही विचों इक्क ख़बरदार करन वाला आइया, सो सच्च दे इनकारी आखदे हन, "एह तां अजीब चीज़ है। की जदों असीं मर जावांगे ते मिट्टी हो जावांगे? एह वापसी तां अक़ल तों दूर है।" असीं ख़ूब जाणदे हां जो कुझ ज़मीन उन्हां विचों घटाउंदी है, ते साडे कोल इक्क किताब है जो सभ कुझ महिफ़ूज़ रक्खदी है। नहीं—बल्कि उन्हां ने सच्च नूं झुठलाइया जदों ओह उन्हां कोल आइया, सो ओह उलझी होई हालत विच पए हन। की उन्हां ने अपणे उत्ते असमान वल्ल नहीं वेखिया—असां ने उस नूं किवें बणाइया ते उस नूं सजाइया, ते उस विच कोई तरेड़ नहीं? ते धरती—असां ने उस नूं विछाइया ते उस विच अटल पहाड़ रक्खे, ते उस विच हर क़िसम दे सोहणे जोड़े उगाए, हर उस बंदे लई अक्खां खोल्हण वाली चीज़ ते नसीहत दे तौर ते जो अल्लाह वल्ल रुजू करन वाला होवे। ते असां ने असमान तों बरकत वाला पाणी उतारिया, फिर उस दे ज़रीए बाग़ ते कट्टी जाण वाली खेती दा अनाज उगाइया, ते लंबे-लंबे खजूर दे रुक्ख जिन्हां दे गुच्छे तहि-दर-तहि हन, बंदियां लई रोज़ी दे तौर ते; ते असां ने उस दे ज़रीए इक्क मुरदा शहिर नूं ज़िंदा कर दित्ता। इसे तरां निकलणा होवेगा। इन्हां तों पहिलां नूह दी क़ौम ने झुठलाइया, ते खूह वालियां ने ते समूद ने, ते आद ते फ़िरऔन ते लूत दे भरावां ने, ते घणे जंगल वालियां ने ते तुब्बअ दी क़ौम ने: उन्हां विचों हर इक्क ने रसूलां नूं झुठलाइया, सो मेरी धमकी पूरी हो के रही। (1–14)

तां की असीं पहिली वारी पैदा करके थक गए सां? नहीं—बल्कि ओह नवें सिरिओं पैदा कीते जाण बारे शक्क विच हन। ते बेशक असां ने इनसान नूं पैदा कीता, ते असीं जाणदे हां जो कुझ उस दा अपणा जी उस दे दिल विच पाउंदा है: ते असीं उस दी शाह-रग तों वी वध उस दे नेड़े हां। जदों दो लैण वाले लैंदे जांदे हन, इक्क सज्जे ते इक्क खब्बे बैठा होइया, तां ओह कोई गल्ल मूंहों नहीं कढ्ढदा पर उस दे कोल इक्क निगरान तिआर हुंदा है। ते मौत दी बेहोशी हक़ दे नाल आ पहुंचेगी: "इही है ओह जिस तों तूं बचदा फिरदा सी।" (15–19)

ते सूर विच फूक मारी जावेगी: "इही है धमकी दा दिन।" ते हर जान इस हाल विच आवेगी, कि उस दे नाल इक्क हिक्कण वाला होवेगा ते इक्क गवाह। "तूं इस तों ग़फ़लत विच सी; सो हुण असां ने तेरे तों तेरा परदा हटा दित्ता, तां अज्ज तेरी निगाह तेज़ है।" ते उस दा साथी आखेगा, "एह है जो मेरे कोल तिआर है।" "तुसीं दोवें जहन्नम विच सुट्ट देओ हर अड़ियल इनकारी नूं, भलाई तों रोकण वाले नूं, हद्द तों लंघण वाले नूं, शक्क करन वाले नूं, जिस ने अल्लाह दे नाल दूजा माबूद ठहरा लिया सी। सो उस नूं सख़्त अज़ाब विच सुट्ट देओ।" उस दा साथी आखेगा, "ऐ साडे रब्ब, मैं इस नूं सरकश नहीं बणाइया; बल्कि एह आप ही दूर दी गुमराही विच सी।" ओह आखेगा, "मेरे हज़ूर झगड़ा ना करो; मैं तुहाडे वल्ल पहिलां ही धमकी भेज चुक्का सां। मेरे कोल गल्ल बदली नहीं जांदी, ते मैं बंदियां उत्ते कदे ज़ुलम करन वाला नहीं।" जिस दिन असीं जहन्नम नूं आखांगे, "की तूं भर गई?" ते ओह आखेगी, "की कुझ होर वी है?" ते जन्नत अल्लाह तों सुचेत रहण वालियां दे नेड़े लै आंदी जावेगी, कुझ दूर ना होवेगी: "इही है ओह जिस दा तुहाडे नाल वादा कीता जांदा सी—हर

उस आदमी लई जो रुजू करन वाला ते हद्दां दी हिफ़ाज़त करन वाला सी, जो बिनां वेखे रहमान तों डरिया ते रुजू करन वाला दिल लै के आइया। इस विच सलामती दे नाल दाख़िल हो जाओ। एह सदा रहण दा दिन है।" उत्थे उन्हां लई ओह सभ कुझ होवेगा जो ओह चाहुणगे, ते साडे कोल होर वी बहुत कुझ है। (20–35)

ते इन्हां तों पहिलां असां ने किन्नियां ही नसलां हलाक कर दित्तियां, जो इन्हां तों ज़ोर विच वध सन! सो उन्हां ने शहिरां विच छाण मारिया—की किते भज्जण दी थां सी? बेशक इस विच उस आदमी लई नसीहत है जिस दा दिल होवे, जां जो हाज़िर हो के कन्न लावे। ते बेशक असां ने असमानां ते धरती नूं ते जो कुझ उन्हां दे विचकार है छे जुगां विच पैदा कीता, ते सानूं कोई थकावट ना छूही। सो जो कुझ ओह आखदे हन उस उत्ते सब्र कर, ते सूरज चढ़न तों पहिलां ते उस दे डुब्बण तों पहिलां अपणे रब्ब दी हम्द दे नाल तसबीह कर; ते रात दे कुझ हिस्से विच वी उस दी तसबीह कर, ते सजदियां दे बाद वी। ते कन्न ला के सुण उस दिन बारे जदों पुकारन वाला नेड़े दी थां तों पुकारेगा— जिस दिन ओह कड़क नूं हक़ दे नाल सुणनगे: ओही निकल खड़े होण दा दिन है। बेशक असीं ही ज़िंदगी दिंदे हां ते मौत दिंदे हां, ते साडे ही वल्ल आख़िर पहुंचणा है— जिस दिन ज़मीन उन्हां उत्तों फट जावेगी ते ओह दौड़दे होए निकलणगे। एह इकट्ठा करना साडे लई सौखा है। असीं ख़ूब जाणदे हां जो कुझ ओह आखदे हन, ते तूं उन्हां उत्ते ज़बरदसती करन वाला नहीं। सो क़ुरआन दे ज़रीए उस नूं नसीहत कर जो मेरी धमकी तों डरे। (36–45)

51. खिंडाउण वालियां हवावां (अज़-ज़ारियात)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

क़सम है उन्हां हवावां दी जो दूर-दूर तक्क खिंडाउंदियां हन, फिर उन्हां बद्दलां दी जो भारी बोझ चुक्कदे हन, फिर उन्हां किश्तियां दी जो सहिजे-सहिजे चल्लदियां हन, फिर उन्हां फ़रिश्तियां दी जो हुक्म नाल वंडदे हन: जिस चीज़ दा तुहाडे नाल वादा कीता जांदा है ओह यक़ीनन सच्ची है, ते बदला यक़ीनन हो के रहिणा है। क़सम है राहां वाले असमान दी, तुसीं इस बारे वक्खो-वक्ख गल्लां विच पए हो; इस तों ओही फेरिया जांदा है जो आप फिर गिया होवे। मारे गए ओह जो अटकलां लाउंदे हन, जो ग़फ़लत दे हड़ूह विच भुल्ले पए हन![43] ओह पुच्छदे हन, “बदले दा दिन कदों होवेगा?” उस दिन जदों ओह अग्ग उत्ते तपाए जाणगे: “चक्खो अपणी आज़माइश दा मज़ा! इही है ओह जिस लई तुसीं जलदी मचाउंदे सी।” बेशक अल्लाह तों सुचेत रहण वाले बाग़ां ते चश्मियां विच होणगे, जो कुझ उन्हां दा रब्ब उन्हां नूं देवेगा उस नूं लै रहे होणगे, किउंकि ओह इस तों पहिलां नेकी करन वाले सन: ओह रात नूं थोड़ा ही सौंदे सन, ते सहर दे वेले बख़शिश मंगदे सन, ते उन्हां दे मालां विच मंगण वाले ते महिरूम दा हक़ हुंदा सी। ते धरती विच यक़ीन रक्खण वालियां लई निशानियां हन, ते तुहाडे अपणे अंदर वी। तां की तुसीं वेखदे नहीं? ते असमान विच तुहाडी रोज़ी है, ते ओह वी जिस दा तुहाडे नाल वादा कीता जांदा है। सो असमान ते धरती दे रब्ब दी क़सम, एह गल्ल बिलकुल सच्च है—उसे तरां जिवें तुसीं बोलदे हो। (1–23)

की तेरे कोल इबराहीम दे इज़्ज़त वाले मिहमानां दी गल्ल पहुंची है? जदों ओह उस दे कोल आए ते आखिया, “सलाम,” तां उस ने आखिया, “सलाम”—एह सोचदे होए, “अणजाणे लोक हन।” फिर ओह चुपके नाल अपणे घर वालियां कोल गिया ते इक्क मोटा-ताज़ा वच्छा लै आइया, ते उस नूं उन्हां दे साहमणे रक्खिया। उस ने आखिया, “की तुसीं खांदे नहीं?” ते उन्हां तों दिल विच कुझ डर महिसूस कीता। उन्हां ने आखिया, “डर ना,” ते उस नूं इक्क इल्म वाले पुत्तर दी ख़ुशख़बरी दित्ती। फिर उस दी पतनी चीकदी होई अग्गे आई, ते अपणा मूंह पिट्ट लिया, ते आखिया, “बुड्ढी, बांझ!” उन्हां ने आखिया, “तेरे रब्ब ने इसे तरां आखिया है; बेशक ओही हिकमत वाला, सभ कुझ जाणन वाला है।” उस ने आखिया, “तां ऐ भेजे होइओ, तुहाडी मुहिंम की है?” उन्हां ने आखिया, “असीं इक्क मुजरिम क़ौम वल्ल भेजे गए हां, तां जो उन्हां उत्ते पक्की मिट्टी दे पत्थर वर्हाईए, जो तेरे रब्ब दे कोल हद्द तों लंघ जाण वालियां लई निशान लग्गे होए हन।” सो असां ने उत्थे जो वी ईमान वाले सन उन्हां नूं कड्ढ लिया, पर असां ने उत्थे फ़रमांबरदारां दा इक्को घर पाइया, ते असां ने उत्थे उन्हां लोकां लई इक्क निशानी छड्ड दित्ती जो दर्दनाक अज़ाब तों डरदे हन। (24–37)

ते मूसा विच वी इक्क निशानी है: जदों असां ने उस नूं खुल्ही सनद दे नाल फ़िरऔन वल्ल भेजिया, तां फ़िरऔन अपणे ज़ोर दे बल उत्ते फिर गिया, ते आखिया, “जादूगर है, जां दीवाना!” सो असां ने उस नूं ते उस

[43] **नास्तिकता दी बुनियाद अटकल (ज़न्न) उत्ते है: इक्क साइंसी, फ़लसफ़ी ते दीनी तफ़सीर**

दे लशकरां नूं फड़ लिया ते उन्हां नूं समुंदर विच सुट्ट दित्ता, ते ओही मलामत दे लायक़ सी। ते आद विच वी: जदों असां ने उन्हां उत्ते बांझ हनेरी भेजी, जो जिस चीज़ उत्ते वी आई उस नूं ना छड्डिया पर उस नूं गली-सड़ी हड्डियां वरगा कर दित्ता। ते समूद विच वी: जदों उन्हां नूं आखिया गिया, "इक्क वक़्त तक्क मज़े उडा लओ," पर उन्हां ने अपणे रब्ब दे हुक्म तों सरकशी कीती, सो कड़क ने उन्हां नूं आ फड़िया ते ओह वेखदे रह गए, फिर ना ओह उट्ठ सके, ते ना अपणा बचाअ कर सके। ते इन्हां तों पहिलां नूह दी क़ौम नूं वी: बेशक ओह नाफ़रमान लोक सन। ते असमान—असां ने उस नूं ज़ोर नाल बणाइया, ते बेशक असीं उस नूं फैलाउंदे जा रहे हां। ते धरती—असां ने उस नूं विछाइया; सो असीं किन्ना चंगा विछाउण वाले हां! ते हर चीज़ दे असां ने जोड़े पैदा कीते, तां जो तुसीं ध्यान करो। सो अल्लाह वल्ल दौड़ो: मैं उस दे वल्लों तुहाडे लई खुल्हा ख़बरदार करन वाला हां। ते अल्लाह दे नाल कोई होर माबूद ना ठहराओ: मैं उस दे वल्लों तुहाडे लई खुल्हा ख़बरदार करन वाला हां। (38–51)

इसे तरां, इन्हां तों पहिलां वालियां कोल वी जो रसूल आइया उन्हां ने इही आखिया, "जादूगर है, जां दीवाना!" की ओह इक्क दूजे नूं इसे दी वसीअत करदे आए हन? नहीं—बल्कि ओह हद्द तों लंघ जाण वाले लोक हन। सो उन्हां तों मूंह फेर लै; तेरे उत्ते कोई मलामत नहीं। ते नसीहत करदा रह, किउंकि नसीहत ईमान वालियां नूं फ़ाइदा दिंदी है। (52–55)

ते मैं जिन्नां ते इनसानां नूं पैदा नहीं कीता पर इस लई कि ओह मेरी इबादत करन। मैं उन्हां तों कोई रोज़ी नहीं चाहुंदा, ते ना एह चाहुंदा हां कि ओह मैनूं खुआउण। बेशक अल्लाह आप ही रोज़ी देण वाला है, ताक़त दा मालिक, अटल। सो ज़ुलम करन वालियां लई वी उहो जिहा हिस्सा है जिहा उन्हां दे साथियां दा सी—सो ओह मेरे तों जलदी ना मंगण। सो तबाही है सच्च दे इनकारियां लई, उन्हां दे उस दिन तों जिस दा उन्हां नाल वादा कीता जांदा है। (56–60)

52. पहाड़ (अत-तूर)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

क़सम है तूर दी, ते उस किताब दी जो खुल्हे वरक़ उत्ते लिखी होई है, ते उस घर दी जो आबाद रहिंदा है, ते उच्ची छत्त दी, ते कंढियां तक्क भरे होए समुंदर दी: तेरे रब्ब दा अज़ाब ज़रूर हो के रहिणा है— उस नूं कोई टालण वाला नहीं— जिस दिन असमान बुरी तरां डोलेगा, ते पहाड़ चल्ल पैणगे। सो उस दिन तबाही है झुठलाउण वालियां लई, जो बेहूदा गल्लां विच पए खेडदे हन। जिस दिन उन्हां नूं धक्के मार-मार के जहन्नम दी अग्ग वल्ल धक्किया जावेगा: "इही है ओह अग्ग जिस नूं तुसीं झुठलाउंदे सी। तां की एह जादू है? जां तुहानूं दिसदा नहीं? इस विच सड़ो! फिर सब्र करो जां ना करो, तुहाडे लई बराबर है: तुहानूं बस उसे दा बदला दित्ता जा रिहा है जो तुसीं करदे सी।" (1–16)

बेशक अल्लाह तों सुचेत रहण वाले बाग़ां ते नेमतां विच होणगे, उस उत्ते ख़ुश जो उन्हां दे रब्ब ने उन्हां नूं दित्ता है, ते उन्हां दे रब्ब ने उन्हां नूं भड़कदी अग्ग दे अज़ाब तों बचा लिया। "मज़े नाल खाओ ते पीओ, उस दे बदले जो तुसीं करदे सी," सफ़ां विच विछे होए तख़्तां उत्ते तकिए लाई होए। ते असीं सोहणियां अक्खां वालियां साथणां नाल उन्हां दा विआह कर दिआंगे। ते जो लोक ईमान लिआए, ते उन्हां दी औलाद वी ईमान विच उन्हां दे पिच्छे चल्ली—असीं उन्हां दी औलाद नूं उन्हां दे नाल मिला दिआंगे, ते उन्हां दे अमलां विचों कुझ वी घट्ट ना करांगे: हर आदमी अपणी कमाई दे बदले गिरवी है। ते असीं उन्हां नूं फल ते मास दिंदे जावांगे, जिस तरां दा वी उन्हां दा जी चाहेगा। उत्थे ओह इक्क दूजे तों जाम लैणगे जिस विच ना कोई बेहूदा गल्ल होवेगी ना गुनाह। ते उन्हां दी ख़िदमत लई उन्हां दे लड़के उन्हां दे आले-दुआले फिरदे होणगे, जिवें छुपा के रक्खे होए मोती। ते ओह इक्क दूजे वल्ल मूंह करके पुच्छ-गिच्छ करनगे। ओह आखणगे, "असीं इस तों पहिलां अपणे घर वालियां विच डरदे रहिंदे सां, सो अल्लाह ने साडे उत्ते अहिसान कीता ते सानूं झुलसाउण वाली लू दे अज़ाब तों बचा लिया। असीं इस तों पहिलां उसे नूं पुकारदे सां: बेशक ओही अहिसान करन वाला, सदा रहम करन वाला है।" सो तूं नसीहत करदा रह, ऐ नबी: अपणे रब्ब दे फ़ज़ल नाल तूं ना काहन हैं ना दीवाना। जां की ओह आखदे हन, "शाइर है—असीं इस दे लई ज़माने दे गेड़ दी उडीक कर रहे हां"? आख, "उडीक करो; मैं वी तुहाडे नाल उडीक करन वालियां विचों हां।" की उन्हां दियां अक़लां उन्हां नूं इही हुक्म दिंदियां हन, जां ओह हद्द तों लंघ जाण वाले लोक हन? जां की ओह आखदे हन, "इस ने इस नूं आप घड़ लिया है"? नहीं—बल्कि ओह ईमान नहीं लिआउंदे। तां ओह इस वरगा कोई कलाम लै आउण, जे ओह सच्चे हन। (17–34)

जां की ओह बिनां किसे चीज़ दे पैदा हो गए? जां ओह आप ही पैदा करन वाले हन? जां उन्हां ने असमानां ते धरती नूं पैदा कीता है? नहीं—बल्कि ओह यक़ीन नहीं रक्खदे।[44] (35–36)

[44] पाक क़ुरआन: अल्लाह ही सभ तों पहिला ते हर चीज़ दी शुरूआत करन वाला है! – द ग्लोरियस क़ुरआन ऐंड साइंस

जां की उन्हां दे कोल तेरे रब्ब दे ख़ज़ाने हन? जां ओही हाकम हन? जां उन्हां दे कोल कोई पौड़ी है जिस उत्ते चढ़ के ओह सुण लैंदे हन? तां उन्हां दा सुणन वाला कोई खुल्ही सनद लै आवे। जां की उस लई धीआं हन, ते तुहाडे लई पुत्तर? जां की तूं उन्हां तों कोई मुआवज़ा मंगदा हैं, कि ओह क़र्ज़ दे बोझ हेठ दबे जा रहे हन? जां उन्हां दे कोल ग़ैब दा इल्म है, कि ओह लिख लैंदे हन? जां की ओह कोई चाल चल्लणा चाहुंदे हन? तां सच्च दे इनकारी आप ही चाल दा शिकार होण वाले हन। जां की अल्लाह तों सिवा उन्हां दा कोई होर माबूद है? अल्लाह उस तों पाक है जो एह शरीक ठहराउंदे हन! (37–43)

ते जे ओह असमान दा कोई टुकड़ा डिग्गदा वी वेख लैण, तां आखणगे, "तहि-दर-तहि जमिया होइया बद्दल है।" सो उन्हां नूं छड्ड दे इत्थों तक्क कि ओह अपणे उस दिन नूं जा मिलण, जिस विच ओह बेहोश कर दित्ते जाणगे— जिस दिन उन्हां दी चाल उन्हां दे कुझ कम्म ना आवेगी, ते ना उन्हां दी मदद कीती जावेगी। ते बेशक ज़ुलम करन वालियां लई इस तों पहिलां वी इक्क अज़ाब है, पर उन्हां विचों बहुते नहीं जाणदे। ते अपणे रब्ब दे हुक्म उत्ते सब्र कर, किउंकि तूं साडियां अक्खां दे साहमणे हैं; ते जदों तूं उट्ठें तां अपणे रब्ब दी हम्द दे नाल तसबीह कर, ते रात दे कुझ हिस्से विच वी उस दी तसबीह कर, ते तारियां दे डुब्बण वेले वी। (44–49)

वीडियो: कुझ ना होण दी थां ख़ुदा क्यों?
वीडियो: 'कुझ ना होण' दे नौं दरजे किहड़े हन? | रॉबर्ट लॉरेंस कून – द ग्लोरियस कुरआन ऐंड साइंस
आख़िरी सवालां नूं ठीक ढंग नाल पुच्छणा ही नास्तिकता दा खंडन कर दिंदा है
वीडियो: पूरन 'कुझ ना होण' दी कलपना करके ख़ुदा तक्क पहुंचणा

53. तारा (अन-नज्म)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

क़सम है तारे दी जदों ओह डुब्बे! तुहाडा साथी ना भटकिया है, ना बहिकिया है, ते ना ओह अपणी ख़ाहिश नाल बोलदा है। एह तां बस इक्क वह्य है जो वह्य कीती जांदी है, उस नूं ज़बरदस्त क़ुव्वतां वाले ने सिखाइया है, जो ताक़त वाला है, फिर ओह सिद्धा खड़ा होइया जदों कि ओह सभ तों उच्चे किनारे उत्ते सी; फिर ओह नेड़े होइया ते हेठां आइया, इत्थों तक्क कि दो कमानां दे बराबर फ़ासला रह गिया, जां उस तों वी घट्ट, फिर उस ने उस दे बंदे वल्ल वह्य कीती जो वह्य कीती। जो कुझ उस ने वेखिया दिल ने उस विच झूठ नहीं मिलाइया। तां की तुसीं उस नाल उस गल्ल उत्ते झगड़दे हो जो ओह वेखदा है? ते बेशक उस ने उस नूं इक्क वारी होर वी वेखिया, आख़िरी हद्द दी बेरी दे कोल, जिस दे नेड़े रहण दी जन्नत है, जदों बेरी उत्ते छा रिहा सी जो कुझ छा रिहा सी। निगाह ना टेढी होई, ते ना हद्द तों वधी। बेशक उस ने अपणे रब्ब दियां कुझ सभ तों वड्डियां निशानियां वेखियां। (1–18)

भला तुसीं लात ते उज़्ज़ा नूं वेखिया, ते मनात नूं, जो तीजी, इक्क होर है? की तुहाडे लई पुत्तर हन ते उस लई धीआं? एह तां बड़ी बेइनसाफ़ी दी वंड है! एह तां बस कुझ नाम हन जो तुसीं ते तुहाडे पिओ-दादियां ने रक्ख लए हन, जिन्हां लई अल्लाह ने कोई सनद नहीं उतारी। ओह बस गुमान दे पिच्छे चल्लदे हन ते उस दे जो उन्हां दे जी चाहुंदे हन—हालांकि उन्हां कोल उन्हां दे रब्ब वल्लों हिदायत आ चुक्की है। जां की इनसान नूं ओह सभ कुझ मिल जांदा है जिस दी ओह तमन्ना करे? सो आख़िरत वी ते दुनिया वी अल्लाह ही दी है। ते असमानां विच किन्ने ही फ़रिश्ते हन जिन्हां दी सिफ़ारिश कुझ कम्म नहीं आउंदी, सिवाए इस तों बाद कि अल्लाह जिस लई चाहे ते पसंद करे इजाज़त दे देवे! (19–27)

बेशक जो लोक आख़िरत उत्ते ईमान नहीं रक्खदे ओह फ़रिश्तियां दे नाम औरतां वाले रक्खदे हन। ते उन्हां नूं इस दा कोई इल्म नहीं; ओह बस गुमान दे पिच्छे चल्लदे हन, ते गुमान सच्च दी थां कुझ कम्म नहीं दिंदा।[45] (28)

सो तूं उस तों मूंह फेर लै जो साडी याद तों मूंह मोड़दा है ते दुनिया दी ज़िंदगी तों सिवा कुझ नहीं चाहुंदा।[46] इही उन्हां दे इल्म दी हद्द है। बेशक तेरा रब्ब ख़ूब जाणदा है कि कौण उस दे राह तों भटकिया, ते ओह ख़ूब जाणदा है कि कौण हिदायत उत्ते है। ते जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है सभ अल्लाह ही दा है, तां जो ओह बुराई करन वालियां नूं उन्हां दे कीते दा बदला देवे, ते नेकी करन वालियां नूं सभ तों चंगा बदला देवे— जो वड्डे गुनाहां ते बेहयाई दे कम्मां तों बचदे हन, सिवाए छोटियां-मोटियां ग़लतियां दे। बेशक तेरा रब्ब वड्डी बख़शिश वाला है। ओह तुहानूं ख़ूब जाणदा सी जदों उस ने तुहानूं ज़मीन तों पैदा कीता ते जदों

[45] **नास्तिकता दी बुनियाद अटकल (ज़न्न) उत्ते है: इक्क साइंसी, फ़लसफ़ी ते दीनी तफ़सीर**

[46] अल्लाह दा इनकार ते आख़िरत दा इनकार नाल-नाल चल्लदे हन ते क़ुरआन दियां कई आयतां विच इस वल्ल ध्यान दिवाइया गिया है।

तुसीं अपणियां मावां दे ढिड्डां विच बच्चे सी। सो अपणी पाकीज़गी दे दावे ना करो: ओह ख़ूब जाणदा है कि कौण उस तों सुचेत है। (29–32)

भला तूं उस नूं वेखिया जिस ने मूंह मोड़ लिया, ते थोड़ा जिहा दित्ता फिर हत्थ रोक लिया? की उस दे कोल ग़ैब दा इल्म है, कि ओह वेख रिहा है? जां की उस नूं उन्हां गल्लां दी ख़बर नहीं दित्ती गई जो मूसा दे सहीफ़ियां विच हन, ते इबराहीम दे, जिस ने अपणा फ़र्ज़ पूरा कीता: कि कोई बोझ चुक्कण वाला किसे दूजे दा बोझ नहीं चुक्कदा; ते एह कि इनसान लई ओही कुझ है जिस दी उस ने कोशिश कीती; ते एह कि उस दी कोशिश छेती ही वेखी जावेगी, फिर उस नूं उस दा पूरा-पूरा बदला दित्ता जावेगा; ते एह कि आख़िर पहुंचणा तेरे रब्ब ही दे कोल है; ते एह कि ओही हसाउंदा है ते रुआउंदा है; ते एह कि ओही मौत दिंदा है ते ज़िंदगी दिंदा है; ते एह कि उस ने जोड़ा, नर ते मादा, पैदा कीता, इक्क बूंद तों जदों ओह टपकाई जांदी है; ते एह कि दूजी वारी पैदा करना उसे दे ज़िंमे है; ते एह कि ओही ग़नी करदा है ते माल-मता दिंदा है; ते एह कि ओही शिअरा दा रब्ब है; ते एह कि उस ने पहिले आद नूं हलाक कीता ते समूद नूं वी, फिर किसे नूं बाक़ी ना छड्डिया, ते उन्हां तों पहिलां नूह दी क़ौम नूं वी—बेशक ओह सभ तों वध ज़ालिम ते सभ तों वध सरकश सन; ते उस ने उलटी होइयां बस्तियां नूं दे मारिया, फिर उन्हां उत्ते छा गिया जो कुझ छा गिया। तां तूं अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां विच शक्क करेंगा? (33–55)

एह पहिले ख़बरदार करन वालियां विचों इक्क ख़बरदार करन वाला है। नेड़े आउण वाली घड़ी नेड़े आ लग्गी है: अल्लाह तों सिवा कोई उस नूं ज़ाहिर करन वाला नहीं। तां की तुसीं इस कलाम उत्ते हैरान हुंदे हो, ते हस्सदे हो ते रोंदे नहीं, ते तुसीं ग़फ़लत विच खेड रहे हो? सो अल्लाह दे अग्गे सजदा करो ते इबादत करो! (56–62)

54. चंन (अल-क़मर)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

ओह घड़ी नेड़े आ गई, ते चंन फट गिया। (1)

फिर वी जे ओह कोई निशानी वेखदे हन, तां मूंह मोड़ लैंदे हन ते आखदे हन, "एह तां चल्लदा आ रिहा जादू है।" ते उन्हां ने झुठलाइया ते अपणियां ख़ाहिशां दे पिच्छे चल्ले—पर हर कम्म ने टिकाणे लग्ग के रहिणा है। ते बेशक उन्हां कोल ओह ख़बरां आ चुक्कियां हन जिन्हां विच काफ़ी झिड़क है— दूर तक्क पहुंचण वाली हिकमत—पर ख़बरदार करन वालियां गल्लां कुझ कम्म नहीं आउंदियां। सो तूं उन्हां तों मूंह फेर लै। जिस दिन पुकारन वाला इक्क भिआनक चीज़ वल्ल पुकारेगा, तां ओह अक्खां नीवियां कीती क़बरां विचों इउं निकलणगे जिवें खिंडियां होइयां टिड्डियां, पुकारन वाले वल्ल दौड़दे होए। सच्च दे इनकारी आखणगे, "एह बड़ा सख़्त दिन है।" (2–8)

इन्हां तों पहिलां नूह दी क़ौम ने झुठलाइया: सो उन्हां ने साडे बंदे नूं झुठलाइया ते आखिया, "दीवाना है!" ते उस नूं झिड़क दित्ता गिया। तां उस ने अपणे रब्ब नूं पुकारिया, "मैं हार गिया हां, सो तूं मदद कर!" तद असां ने ज़ोर नाल वर्हदे पाणी नाल असमान दे दरवाज़े खोल्ह दित्ते, ते ज़मीन विचों चश्मे फाड़ कढ्ढे, सो पाणी उस कम्म लई मिल गिया जो पहिलां ही तै हो चुक्का सी। ते असां ने उस नूं तख़्तियां ते मेख़ां वाली किश्ती उत्ते सवार कीता, जो साडियां अक्खां दे साहमणे चल्लदी सी—एह उस दा बदला सी जिस दी क़दर ना कीती गई सी। ते बेशक असां ने उस नूं इक्क निशानी बणा के छड्डिया: तां की कोई है नसीहत फड़न वाला? फिर किहो जिहा सी मेरा अज़ाब ते मेरा डरावा! ते बेशक असां ने क़ुरआन नूं नसीहत लई सौखा कर दित्ता है: तां की कोई है नसीहत फड़न वाला? (9–17)

आद ने झुठलाइया। फिर किहो जिहा सी मेरा अज़ाब ते मेरा डरावा! बेशक असां ने लगातार नहूसत दे इक्क दिन विच उन्हां उत्ते इक्क तेज़ हनेरी भेजी, जो लोकां नूं इउं पुट्ट सुट्टदी सी जिवें ओह जड़्हों पुट्टे होए खजूर दे तणे होण। फिर किहो जिहा सी मेरा अज़ाब ते मेरा डरावा! ते बेशक असां ने क़ुरआन नूं नसीहत लई सौखा कर दित्ता है: तां की कोई है नसीहत फड़न वाला? (18–22)

समूद ने ख़बरदार करन वालियां गल्लां नूं झुठलाइया। सो उन्हां ने आखिया, "की असीं अपणे विचों इक्क इकल्ले इनसान दे पिच्छे चल्लीए? तद तां असीं यक़ीनन गुमराही ते दीवानगी विच होवांगे। की साडे सभनां विचों इसे उत्ते नसीहत उतारी गई? नहीं—बल्कि एह बड़ा झूठा, शेख़ीख़ोर है।" कल्ह ही उन्हां नूं पता लग्ग जावेगा कि बड़ा झूठा, शेख़ीख़ोर कौण है! बेशक असीं ऊठणी नूं उन्हां लई आज़माइश बणा के भेज रहे हां, सो तूं उन्हां नूं वेखदा रह, ते सब्र कर। ते उन्हां नूं दस्स दे कि पाणी उन्हां दे विचकार वंडिया होइया है: हर इक्क अपणी वारी उत्ते हाज़िर होवे। पर उन्हां ने अपणे साथी नूं पुकारिया, तां उस ने हथियार फड़िया ते उस दियां कूंचां कट्ट दित्तियां। फिर किहो जिहा सी मेरा अज़ाब ते मेरा डरावा! बेशक असां ने उन्हां उत्ते इक्को

कड़क भेजी, तां ओह वाड़ बणाउण वाले दी सुक्की कुचली वाड़ वरगे हो के रह गए। ते बेशक असां ने क़ुरआन नूं नसीहत लई सौखा कर दित्ता है: तां की कोई है नसीहत फड़न वाला? (23–32)

लूत दी क़ौम ने ख़बरदार करन वालियां गल्लां नूं झुठलाइया। बेशक असां ने उन्हां उत्ते पत्थरां दी हनेरी भेजी—सिवाए लूत दे घर वालियां दे, जिन्हां नूं असां ने सहर दे वेले बचा लिया, अपणे वल्लों नेमत दे तौर ते। इसे तरां असीं उस नूं बदला दिंदे हां जो शुकर करे। ते उस ने उन्हां नूं साडी फड़ तों ख़बरदार कीता सी, पर उन्हां ने ख़बरदार करन वालियां गल्लां विच झगड़ा कीता। ते उन्हां ने उस तों उस दे मिहमान वी मंगे, सो असां ने उन्हां दियां अक्खां मिटा दित्तियां: “चक्खो मेरा अज़ाब ते मेरा डरावा!” ते सवेर-सार ही इक्क टिकण वाले अज़ाब ने उन्हां नूं आ फड़िया: “चक्खो मेरा अज़ाब ते मेरा डरावा!” ते बेशक असां ने क़ुरआन नूं नसीहत लई सौखा कर दित्ता है: तां की कोई है नसीहत फड़न वाला? (33–40)

ते फ़िरऔन दी क़ौम कोल वी ख़बरदार करन वालियां गल्लां आइयां। उन्हां ने साडियां सारियां निशानियां नूं झुठलाइया, सो असां ने उन्हां नूं इउं फड़िया जिवें इक्क ज़बरदस्त, क़ुदरत वाला फड़दा है। (41–42)

की तुहाडे इनकारी उन्हां तों बिहतर हन? जां तुहाडे लई सहीफ़ियां विच कोई छोट लिखी होई है? जां की ओह आखदे हन, “असीं इक्क इकट्ठा जत्था हां, जित्त के रहांगे”? छेती ही एह जत्था हार खावेगा ते ओह पिट्ठ फेर के भज्जणगे। नहीं—बल्कि ओह घड़ी उन्हां दे वादे दा वक़्त है, ते ओह घड़ी बहुत वड्डी आफ़त ते बहुत कौड़ी है। बेशक मुजरिम गुमराही ते दीवानगी विच हन। जिस दिन ओह मूंह दे भार अग्ग विच घसीटे जाणगे: “चक्खो जहन्नम दी छूह दा मज़ा!” बेशक असां ने हर चीज़ इक्क अंदाज़े नाल पैदा कीती है। ते साडा हुक्म तां बस इक्को बोल हुंदा है, जिवें अक्ख दा झमकणा। ते बेशक असां ने तुहाडे वरगियां नूं हलाक कर दित्ता—तां की कोई है नसीहत फड़न वाला? (43–51)

ते जो कुझ वी उन्हां ने कीता है ओह सहीफ़ियां विच है: हर छोटी ते वड्डी गल्ल लिखी होई है। बेशक अल्लाह तों सुचेत रहण वाले बाग़ां ते नहरां विच होणगे, सच्चाई दी बैठक विच, क़ुदरत वाले बादशाह दे हज़ूर। (52–55)

55. रहमान (अर-रहमान)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

रहमान: उस ने क़ुरआन सिखाइया, इनसान नूं पैदा कीता, ते उस नूं साफ़ बोलणा सिखाइया। सूरज ते चंन इक्क ठीक हिसाब नाल चल्लदे हन, ते तारे ते रुक्ख सजदा करदे हन। ते असमान—उस ने उस नूं उच्चा कीता, ते तक्कड़ी क़ायम कीती, तां जो तुसीं तोल विच ज़िआदती ना करो: ते इनसाफ़ दे नाल तोलो, ते तोल विच घाटा ना देओ। ते धरती—उस ने उस नूं सारी मख़लूक़ लई विछाइया, उस विच फल हन, ते ग़िलाफ़ां वाले गुच्छियां दे खजूर दे रुक्ख, ते छिलके वाला अनाज, ते ख़ुशबूदार बूटे। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? (1–13)

उस ने इनसान नूं ठीकरी वरगी खणकदी मिट्टी तों पैदा कीता, ते जिन्न नूं अग्ग दे बिनां धूंएं वाले शोले तों पैदा कीता। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? ओह दोहां पूरबां दा रब्ब है ते दोहां पच्छमां दा रब्ब। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? उस ने दो समुंदरां नूं खुल्ह छड्डिया, जो आपस विच मिलदे हन, फिर वी उन्हां दे विचकार इक्क आड़ है जिस तों ओह अग्गे नहीं वधदे। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? दोहां विचों मोती ते मूंगे निकलदे हन। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? ते उसे दे हन ओह जहाज़ जो समुंदर विच पहाड़ां वांग उच्चे उट्ठे होए हन। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? (14–25)

जो कोई वी इस उत्ते है फ़ना होण वाला है, ते बाक़ी रहेगा तेरे रब्ब दा चिहरा, जो जलाल ते इज़्ज़त वाला है। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? जो कोई असमानां ते धरती विच है उसे तों मंगदा है; हर दिन ओह किसे ना किसे शान विच है। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? ऐ दो भारी जमाअतो, छेती ही असीं तुहाडे वल्ल ध्यान करांगे! तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? ऐ जिन्नां ते इनसानां दे गिरोह, जे तुसीं असमानां ते धरती दियां हद्दां तों बाहर निकल सकदे हो, तां निकल जाओ! तुसीं ज़ोर तों बिनां नहीं निकल सकदे। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? तुहाडे दोहां उत्ते अग्ग दा शोला ते पिघलिया होइया तांबा छड्डिया जावेगा, फिर तुसीं अपणा बचाअ ना कर सकोगे। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? फिर जदों असमान फट जावेगा ते रंगे होए चमड़े वांग लाल हो जावेगा— तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? उस दिन ना किसे इनसान तों उस दे गुनाह बारे पुच्छिया जावेगा ना किसे जिन्न तों। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? मुजरिम अपणियां निशानियां तों पछाणे जाणगे, फिर उन्हां नूं मत्थे दे वालां ते पैरां तों फड़िया जावेगा। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? इही है ओह जहन्नम, जिस नूं मुजरिम झुठलाउंदे हन;

ओह इस दे ते खौलदे होए गरम पाणी दे विचकार चक्कर कट्टणगे। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? (26–45)

ते जो कोई अपणे रब्ब दे हज़ूर खड़े होण तों डरिया उस लई दो बाग़ हन। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? दोवें फैलियां होइयां टाहणियां वाले। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? दोहां विच दो वगदे चश्मे हन। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? दोहां विच हर फल दियां दो क़िसमां हन। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? ओह अजिहे विछौणियां उत्ते तकिए लाई बैठे होणगे जिन्हां दे असतर मोटे रेशम दे होणगे, ते दोहां बाग़ां दे फल झुके होए नेड़े होणगे। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? उन्हां विच नीवियां निगाहां वालियां होणगियां, जिन्हां नूं इन्हां तों पहिलां ना किसे इनसान ने हत्थ लाइया ना किसे जिन्न ने। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? जिवें ओह याक़ूत ते मूंगे होण। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? की नेकी दा बदला नेकी तों सिवा कुझ होर है? तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? (46–61)

ते इन्हां दोहां तों सिवा दो होर बाग़ हन— तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? गूढ़े हरे पत्तियां वाले। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? दोहां विच दो उबलदे होए चश्मे हन। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? दोहां विच फल हन, ते खजूर दे रुक्ख, ते अनार। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? उन्हां विच चंगियां ते सोहणियां होणगियां। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? सोहणियां अक्खां वालियां साथणां, ख़ैमियां विच ठहिराइयां होइयां। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? जिन्हां नूं इन्हां तों पहिलां ना किसे इनसान ने हत्थ लाइया ना किसे जिन्न ने। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? हरे गद्दियां ते बारीक, सोहणे क़ालीनां उत्ते तकिए लाई बैठे होए। तां तुसीं दोवें अपणे रब्ब दियां किन्हां-किन्हां नेमतां नूं झुठलाओगे? बड़ी बरकत वाला है तेरे रब्ब दा नाम, जो जलाल ते इज़्ज़त वाला है।[47] (62–78)

[47] **सूरा रहमान दी तफ़सीर इक्क तसवीर दे नाल ते बस इक्को पैरे विच**
सूरा अर-रहमान: रहमत ते मिहरबानी वाला रब्ब
इबराहीमी मज़हबां दा पालणहार ख़ुदा: सादा पाणी तुहानूं सारी कहाणी सुणा देवेगा
इक्क निक्का जिहा मोड़ डेविड ऐटनबरो नूं इबराहीमी मज़हबां दे ख़ुदा दा इक्क वड्डा उसताद बणा दिंदा है
साडे मिहरबान ख़ुदा लई दस दी ताक़त पंज सौ जिन्ने कारन

56. हो के रहण वाली घटना (अल-वाक़िआ)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

जदों ओह हो के रहण वाली घटना वापर जावेगी— जिस दे वापरन नूं कोई झुठला नहीं सकदा— किसे नूं नीवां करन वाली, किसे नूं उच्चा करन वाली। जदों धरती ज़ोर नाल हिला दित्ती जावेगी, ते पहाड़ चूर-चूर कर दित्ते जाणगे, ते उड्डदी होई धूड़ बण जाणगे, ते तुसीं तिन्न क़िसमां दे हो जाओगे: सो सज्जे हत्थ वाले—की कहिणे सज्जे हत्थ वालियां दे! ते खब्बे हत्थ वाले—की हाल है खब्बे हत्थ वालियां दा! ते अग्गे निकल जाण वाले, तां अग्गे निकल जाण वाले ही हन: ओही नेड़े कीते होए हन, नेमतां भरे बाग़ां विच— अगलियां विचों इक्क वड्डी जमाअत ते पिछलियां विचों थोड़े। सोने नाल जड़े होए तख़्तां उत्ते, उन्हां उत्ते तकिए लाई, आहमणे-साहमणे बैठे होए। सदा इक्को जिहे रहण वाले लड़के उन्हां दे आले-दुआले फिरदे होणगे पिआलियां, सुराहियां ते वगदे चश्मे दे जाम दे नाल— जिस नाल ना उन्हां दा सिर दुखेगा, ना उन्हां नूं नशा चढ़ेगा— ते अजिहे फलां दे नाल जो ओह पसंद करन, ते पंछियां दे मास दे नाल, जिस दा उन्हां दा जी चाहे, ते सोहणियां अक्खां वालियां साथणां होणगियां, जिवें छुपा के रक्खे होए मोती: उस दे बदले जो ओह करदे सन। उत्थे ओह ना कोई बेहूदा गल्ल सुणनगे ना गुनाह दी गल्ल, बस इही बोल, "सलाम, सलाम।" (1–26)

ते सज्जे हत्थ वाले—की कहिणे सज्जे हत्थ वालियां दे! बिनां कंडियां दियां बेरियां विच ते तहि-दर-तहि फल नाल लद्दे केलियां विच, ते लंबी फैली होई छां विच, ते सदा वगदे पाणी विच, ते बहुत सारे फलां विच, जो ना मुक्कणगे, ना उन्हां तों रोकिया जावेगा, ते उच्चे विछौणियां उत्ते। बेशक असां ने उन्हां दियां साथणां नूं इक्क नवीं उठाण नाल उठाइया, ते उन्हां नूं कुंवारियां बणाइया, पिआर करन वालियां, हम-उमर, सज्जे हत्थ वालियां लई: अगलियां विचों इक्क वड्डी जमाअत ते पिछलियां विचों वी इक्क वड्डी जमाअत। (27–40)

ते खब्बे हत्थ वाले—की हाल है खब्बे हत्थ वालियां दा! झुलसाउण वाली लू ते खौलदे पाणी विच, ते काले धूंएं दी छां विच, जो ना ठंढी है ना सुखदाई। बेशक ओह इस तों पहिलां ऐश विच पए होए सन, ते वड्डे गुनाह उत्ते अड़े रहिंदे सन, ते आखिया करदे सन, "की! जदों असीं मर जावांगे ते मिट्टी ते हड्डियां हो जावांगे, तां की सच्चमुच असीं फिर उठाए जावांगे, ते साडे अगले पिओ-दादे वी?" आख, "बेशक अगले ते पिछले सभ इक्क जाणे-पछाणे दिन दे मुक़र्रर वक़्त उत्ते ज़रूर इकट्ठे कीते जाणगे। फिर ऐ भटके होए, झुठलाउण वालियो, तुसीं ज़क़्क़ूम दे रुक्ख विचों खाओगे, ते उसे नाल ढिड्ड भरोगे, फिर उस दे उत्तों खौलदा पाणी पीओगे, इउं पीओगे जिवें तिहाए ऊठ पींदे हन।" बदले दे दिन इही उन्हां दी मिहमानी होवेगी। (41–56)

असां ने ही तुहानूं पैदा कीता है—फिर तुसीं सच्च क्यों नहीं मन्नदे? भला तुसीं उस बूंद नूं वेखिया जो तुसीं टपकाउंदे हो? की तुसीं उस नूं पैदा करदे हो, जां असीं पैदा करन वाले हां? असां ने ही तुहाडे विचकार मौत मुक़र्रर कीती है, ते असीं इस तों आजिज़ नहीं कि तुहाडियां शकलां बदल देईए ते तुहानूं अजिही हालत विच फिर पैदा कर देईए जिस नूं तुसीं नहीं जाणदे। ते बेशक तुसीं पहिली पैदाइश नूं जाण चुक्के हो—फिर तुसीं

नसीहत क्यों नहीं फड़दे? भला तुसीं उस नूं वेखिया जो तुसीं बीजदे हो? की तुसीं उस नूं उगाउंदे हो, जां असीं उगाउण वाले हां? जे असीं चाहीए, तां उस नूं चूरा-चूरा कर देईए, फिर तुसीं गल्लां बणाउंदे रह जाओ: “साडे उत्ते तां चट्टी पै गई; बल्कि असीं महिरूम रह गए!” भला तुसीं उस पाणी नूं वेखिया जो तुसीं पींदे हो? की तुसीं उस नूं बद्दलां तों उतारिया है, जां असीं उतारन वाले हां? जे असीं चाहीए, तां उस नूं खारा कर देईए: फिर तुसीं शुकर क्यों नहीं करदे? भला तुसीं उस अग्ग नूं वेखिया जो तुसीं बालदे हो? की तुसीं उस दा रुक्ख पैदा कीता है, जां असीं पैदा करन वाले हां? असां ने ही उस नूं नसीहत दी चीज़ बणाइया, ते बीआबान दे मुसाफ़िरां लई फ़ाइदे दा सामान। सो अपणे अज़मत वाले रब्ब दे नाम दी तसबीह कर! (57–74)

सो मैं क़सम खांदा हां तारियां दे डिग्गण दियां थावां दी— ते बेशक एह बहुत वड्डी क़सम है, काश तुसीं जाणदे— कि बेशक एह इज़्ज़त वाला क़ुरआन है, इक्क महिफ़ूज़ किताब विच, जिस नूं बस पाक कीते होए ही छूंहदे हन: सारे जहानां दे रब्ब वल्लों उतारिया होइया। तां की इसे कलाम नूं तुसीं हलका समझदे हो? ते इस नूं झुठलाउण नूं ही अपणी रोज़ी बणा लैंदे हो? (75–82)

फिर क्यों ना, जदों जान गले तक्क आ पहुंचदी है, ते तुसीं उस वेले वेख रहे हुंदे हो— ते असीं तुहाडे तों वध उस दे नेड़े हुंदे हां, पर तुहानूं दिसदा नहीं— तां क्यों ना, जे तुसीं किसे दे हुक्म हेठ नहीं हो, उस जान नूं मोड़ लिआउंदे, जे तुसीं सच्चे हो?[48] (83–87)

फिर जे ओह नेड़े कीते होइयां विचों है, तां उस लई राहत है ते ख़ुशबू ते नेमतां भरी जन्नत; ते जे ओह सज्जे हत्थ वालियां विचों है, तां “तेरे लई सलाम है,” सज्जे हत्थ वालियां वल्लों। ते जे ओह झुठलाउण वाले, भटके होइयां विचों है, तां उस दी मिहमानी खौलदा पाणी है ते जहन्नम विच सड़ना। बेशक इही यक़ीनी सच्च है। सो अपणे अज़मत वाले रब्ब दे नाम दी तसबीह कर! (88–96)

[48] एह बुनियादी आयतां मेरे उत्ते इक्क अचानक खुल्हण वाली हक़ीक़त बण के उतरदियां हन, किउंकि सिरफ़ नींद दे रोगां उत्ते वध ध्यान देण तों पहिलां मैं दस साल जां उस तों वध क्रिटिकल केअर स्पैशलिसट दे तौर ते कम्म कीता है। इन्हां आयतां दी जामअ तफ़सीर इन्हां लिंकां विच मिल सकदी है: **मौत दे बिसतरे दी चुनौती: क़ुरआन 56:83–87 दी इक्क जामअ तफ़सीर**
जदों जान गले तक्क आ पहुंचदी है: क़ुरआन 56:75–89 (सूरा अल-वाक़िआ) दी आयत-दर-आयत साइंसी, फ़लसफ़ी ते दीनी तफ़सीर
आख़िरी साहां दी फ़िज़िऔलोजी ते इसलामी रूह
सूरा वाक़िआ: फ़ानी होण दी शाह-रग उत्ते

57. लोहा (अल-हदीद)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

जो कुझ असमानां ते धरती विच है सभ अल्लाह दी तसबीह करदा है; ते ओही ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। असमानां ते धरती दी बादशाही उसे दी है: ओही ज़िंदगी दिंदा है ते मौत दिंदा है, ते ओह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। ओही अव्वल है ते ओही आख़िर, ओही ज़ाहिर है ते ओही छुपिया होइया, ते ओह हर चीज़ दा पूरा इल्म रक्खदा है। ओही है जिस ने असमानां ते धरती नूं छे जुगां विच पैदा कीता, फिर अर्श उत्ते क़ायम होइया। ओह जाणदा है जो कुझ ज़मीन विच जांदा है ते जो कुझ उस विचों निकलदा है, ते जो कुझ असमान तों उतरदा है ते जो कुझ उस विच चढ़दा है; ते ओह तुहाडे नाल है जित्थे वी तुसीं होवो। ते अल्लाह ओह सभ कुझ वेखदा है जो तुसीं करदे हो। असमानां ते धरती दी बादशाही उसे दी है, ते सारे मामले अल्लाह ही वल्ल मोड़े जांदे हन। ओह रात नूं दिन विच दाख़िल करदा है ते दिन नूं रात विच दाख़िल करदा है, ते ओह दिलां दियां गल्लां जाणदा है।[49] (1–6)

अल्लाह ते उस दे रसूल उत्ते ईमान लिआओ, ते उस विचों ख़र्च करो जिस विच उस ने तुहानूं जानशीन बणाइया है: सो तुहाडे विचों जो ईमान लिआए ते ख़र्च कीता उन्हां लई वड्डा अजर है। ते तुहानूं की होइया है, कि तुसीं अल्लाह उत्ते ईमान नहीं लिआउंदे, हालांकि रसूल तुहानूं बुला रिहा है कि अपणे रब्ब उत्ते ईमान लिआओ, ते ओह तुहाथों अहिद लै चुक्का है—जे तुसीं ईमान वाले हो? ओही है जो अपणे बंदे उत्ते खुल्हियां आयतां उतारदा है, तां जो तुहानूं हनेरियां विचों कढ्ढ के रौशनी वल्ल लै आवे। ते बेशक अल्लाह तुहाडे उत्ते बड़ा शफ़क़त करन वाला, रहम करन वाला है। ते तुहानूं की होइया है, कि तुसीं अल्लाह दे राह विच ख़र्च नहीं करदे, हालांकि असमानां ते धरती दी मीरास अल्लाह ही दी है? तुहाडे विचों जिन्हां ने फ़तह तों पहिलां ख़र्च कीता ते लड़े ओह दूजियां दे बराबर नहीं: ओह दरजे विच उन्हां तों वड्डे हन जिन्हां ने बाद विच ख़र्च कीता ते लड़े। फिर वी अल्लाह ने सभनां नाल भलाई दा वादा कीता है। ते अल्लाह तुहाडे सारे अमलां तों बाख़बर है। (7–10)

कौण है जो अल्लाह नूं चंगा क़र्ज़ देवे, तां जो ओह उस नूं उस दे लई कई गुणा वधा देवे ते उस नूं इज़्ज़त वाला अजर देवे? जिस दिन तूं ईमान वाले मरदां ते ईमान वालियां औरतां नूं वेखेंगा, कि उन्हां दा नूर उन्हां दे अग्गे-अग्गे ते उन्हां दे सज्जे पासे दौड़ रिहा होवेगा: “अज्ज तुहाडे लई ख़ुशख़बरी है—अजिहे बाग़ जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, जित्थे तुसीं सदा रहोगे। इही वड्डी कामयाबी है।” उस दिन मुनाफ़िक़ मरद ते मुनाफ़िक़ औरतां ईमान वालियां नूं आखणगे, “साडी उडीक करो, कि असीं तुहाडे नूर विचों कुझ लै लईए।” आखिया जावेगा, “पिच्छे मुड़ जाओ ते नूर तलाश करो।” फिर उन्हां दे विचकार इक्क कंध खड़ी कर दित्ती जावेगी जिस विच इक्क दरवाज़ा होवेगा: उस दे अंदर वल्ल रहमत होवेगी, ते बाहर, उस दे साहमणे वल्ल, अज़ाब।

[49] ऑकेज़नलिज़्म (हर घटना दा सिद्धा कारन अल्लाह) – द ग्लोरियस कुरआन ऐंड साइंस

ओह उन्हां नूं पुकारनगे, "की असीं तुहाडे नाल ना सां?" ओह आखणगे, "हां, पर तुसीं अपणे आप नूं फ़ितने विच पाइया, ते उडीकदे रहे, ते शक्क करदे रहे, ते झूठियां उम्मीदां ने तुहानूं धोखे विच रक्खिया इत्थों तक्क कि अल्लाह दा हुक्म आ गिया—ते उस धोखेबाज़ ने तुहानूं अल्लाह बारे धोखे विच पाई रक्खिया। सो अज्ज ना तुहाथों कोई फ़िदिआ लिया जावेगा, ते ना उन्हां तों जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता। तुहाडा ठिकाणा अग्ग है: ओही तुहाडी साथण है—ते ओह बहुत बुरा टिकाणा है।" (11–15)

की ईमान वालियां लई अजे ओह वक़्त नहीं आइया कि उन्हां दे दिल अल्लाह दी याद लई ते उस सच्च लई जो उतरिया है झुक जाण, ते ओह उन्हां वरगे ना हो जाण जिन्हां नूं इस तों पहिलां किताब दित्ती गई सी, फिर उन्हां उत्ते लंबी मुद्दत गुज़र गई, तां उन्हां दे दिल सख़्त हो गए ते उन्हां विचों बहुते नाफ़रमान हन? जाण लओ कि अल्लाह धरती नूं उस दी मौत तों बाद ज़िंदगी दिंदा है। असां ने तुहाडे लई आयतां खोल्ह के बिआन कर दित्तियां हन, तां जो तुसीं अक़ल तों कम्म लओ। बेशक सदक़ा देण वाले मरद ते सदक़ा देण वालियां औरतां, ते जिन्हां ने अल्लाह नूं चंगा क़र्ज़ दित्ता—उन्हां लई ओह कई गुणा वधाइया जावेगा, ते उन्हां लई इज़्ज़त वाला अजर है। ते जो लोक अल्लाह ते उस दे रसूलां उत्ते ईमान लिआए—ओही अपणे रब्ब दे नज़दीक सच्चे ते गवाह हन: उन्हां लई उन्हां दा अजर ते उन्हां दा नूर है। ते जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता ते साडियां आयतां नूं झुठलाइया ओही भड़कदी अग्ग वाले हन। जाण लओ कि दुनिया दी ज़िंदगी तां बस खेड ते तमाशा है, ते ज़ीनत ते आपस विच इक्क दूजे उत्ते वडिआई जताउणा, ते माल ते औलाद विच इक्क दूजे तों वधण दी कोशिश। इस दी मिसाल उस मींह वरगी है जिस दी उगाई होई खेती किसानां नूं चंगी लग्गदी है; फिर ओह सुक्क जांदी है ते तूं उस नूं पीली पई वेखदा हैं; फिर ओह चूरा-चूरा हो जांदी है। ते आख़िरत विच सख़्त अज़ाब है, ते अल्लाह वल्लों बख़शिश ते रज़ा वी; ते दुनिया दी ज़िंदगी तां बस धोखे दा सामान है। अपणे रब्ब दी बख़शिश वल्ल इक्क दूजे तों अग्गे वधो ते उस जन्नत वल्ल जिस दी चौड़ाई असमान ते धरती दी चौड़ाई वरगी है, जो उन्हां लई तिआर कीती गई है जो अल्लाह ते उस दे रसूलां उत्ते ईमान लिआए। एह अल्लाह दा फ़ज़ल है, जिस नूं चाहे दिंदा है; ते अल्लाह बड़े फ़ज़ल वाला है। (16–21)

कोई मुसीबत ना धरती विच आउंदी है ना तुहाडी अपणी जानां उत्ते पर ओह इक्क किताब विच है इस तों पहिलां कि असीं उस नूं पैदा करीए—बेशक एह अल्लाह लई सौखा है।[50] (22)

तां जो तुसीं उस उत्ते ग़म ना करो जो तुहाडे हत्थों निकल जावे, ते ना उस उत्ते इतराओ जो उस ने तुहानूं दित्ता है। ते अल्लाह किसे इतराउण वाले, शेख़ी मारन वाले नूं पसंद नहीं करदा— जो आप कंजूसी करदे हन ते लोकां नूं वी कंजूसी दा हुक्म दिंदे हन। ते जो कोई मूंह मोड़े—तां अल्लाह ही बेनियाज़, तारीफ़ दे लायक़ है। बेशक असां ने अपणे रसूलां नूं खुल्हियां निशानियां दे नाल भेजिया, ते उन्हां दे नाल किताब ते तक्कड़ी उतारी, तां जो लोक इनसाफ़ उत्ते क़ायम रहण। ते असां ने लोहा उतारिया, जिस विच वड्डा ज़ोर है ते लोकां लई

[50] ऑकेज़नलिज़्म (हर घटना दा सिद्धा कारन अल्लाह) – द ग्लोरियस कुरआन ऐंड साइंस

फ़ाइदे हन, ते तां जो अल्लाह जाण लवे कि कौण बिनां वेखे उस दी ते उस दे रसूलां दी मदद करदा है। बेशक अल्लाह ताक़तवर, ज़बरदस्त है। (23–25)

ते बेशक असां ने नूह ते इबराहीम नूं भेजिया, ते उन्हां दी औलाद विच नुबुव्वत ते किताब रक्ख दित्ती: सो उन्हां विचों कुझ हिदायत उत्ते हन, पर उन्हां विचों बहुते नाफ़रमान हन। फिर असां ने उन्हां दे क़दमां दे निशानां उत्ते अपणे रसूल भेजे, ते उन्हां दे पिच्छे मरयम दे पुत्तर ईसा नूं भेजिया ते उस नूं इंजील दित्ती, ते जिन्हां ने उस दी पैरवी कीती उन्हां दे दिलां विच असां ने शफ़क़त ते रहमत रक्ख दित्ती। ते रहबानियत उन्हां ने आप ही घड़ लई—असां ने उस नूं उन्हां उत्ते फ़र्ज़ नहीं कीता सी—बस अल्लाह दी रज़ा दी तलाश विच; फिर उन्हां ने उस नूं उस तरां ना निभाइया जिवें निभाउण दा हक़ सी। सो उन्हां विचों जो ईमान लिआए उन्हां नूं असां ने उन्हां दा अजर दित्ता, पर उन्हां विचों बहुते नाफ़रमान हन। ऐ ईमान लिआउण वालियो, अल्लाह तों सुचेत रहो ते उस दे रसूल उत्ते ईमान लिआओ: ओह तुहानूं अपणी रहमत दा दोहरा हिस्सा देवेगा, ते तुहानूं इक्क नूर देवेगा जिस दे नाल तुसीं चल्लोगे, ते तुहानूं बख़्श देवेगा। ते अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। एह इस लई कि किताब वाले जाण लैण कि ओह अल्लाह दे फ़ज़ल विचों किसे चीज़ उत्ते इख़तियार नहीं रक्खदे, ते एह कि फ़ज़ल अल्लाह ही दे हत्थ विच है: ओह जिस नूं चाहे दिंदा है। ते अल्लाह बड़े फ़ज़ल वाला है। (26–29)

58. बहिस (अल-मुजादला)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

बेशक अल्लाह ने उस औरत दी गल्ल सुण लई जो तेरे नाल, ऐ नबी, अपणे पती बारे झगड़ रही सी ते अल्लाह अग्गे शिकाइत कर रही सी; ते अल्लाह तुहाडी दोहां दी गल्लबात सुण रिहा सी। बेशक अल्लाह सभ कुझ सुणन वाला, सभ कुझ वेखण वाला है। तुहाडे विचों जो लोक अपणियां पतनियां नूं मां आख के वक्ख कर दिंदे हन—ओह उन्हां दियां मावां नहीं; उन्हां दियां मावां तां बस ओही हन जिन्हां ने उन्हां नूं जणिया है। ते बेशक ओह इक्क नापसंद ते झूठी गल्ल आखदे हन। ते बेशक अल्लाह बड़ा माफ़ करन वाला, बड़ा बख़्शण वाला है। ते जो लोक अपणियां पतनियां नूं इस तरां वक्ख कर देण फिर अपणी आखी गल्ल तों मुड़ना चाहुण तां उन्हां दे ज़िंमे इक्क ग़ुलाम आज़ाद करना है इस तों पहिलां कि दोवें इक्क दूजे नूं हत्थ लाउण। एह है जिस दी तुहानूं नसीहत कीती जांदी है, ते अल्लाह तुहाडे सारे अमलां तों बाख़बर है। फिर जिस नूं ग़ुलाम ना मिले ओह लगातार दो महीने रोज़े रक्खे इस तों पहिलां कि दोवें इक्क दूजे नूं हत्थ लाउण; ते जो इस दी वी ताक़त ना रक्खे ओह सट्ठ मुहताजां नूं खाणा खुआए। एह इस लई कि तुसीं अल्लाह ते उस दे रसूल उत्ते ईमान रक्खो। ते एह अल्लाह दियां मुक़र्रर कीतियां हद्दां हन, ते सच्च दे इनकारियां लई दर्दनाक अज़ाब है। बेशक जो लोक अल्लाह ते उस दे रसूल दी मुख़ालफ़त करदे हन ओह ज़लील कीते जाणगे, जिवें उन्हां तों पहिलां वाले ज़लील कीते गए। ते असां ने खुल्हियां आयतां उतार दित्तियां हन, ते सच्च दे इनकारियां लई ज़लील करन वाला अज़ाब है, उस दिन जदों अल्लाह उन्हां सभनां नूं इकट्ठे उठावेगा ते उन्हां नूं दस्स देवेगा जो कुझ उन्हां ने कीता सी। अल्लाह ने उस नूं गिण रक्खिया है, ते ओह उस नूं भुल्ल गए; ते अल्लाह हर चीज़ उत्ते गवाह है। (1–6)

की तूं नहीं वेखदा कि अल्लाह जाणदा है जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है? तिन्न आदमियां दी कोई कानाफूसी नहीं हुंदी पर ओह उन्हां दा चौथा हुंदा है, ते ना पंजां दी पर ओह उन्हां दा छेवां हुंदा है; ते ना इस तों घट्ट दी, ना इस तों वध दी, पर ओह उन्हां दे नाल हुंदा है जित्थे वी ओह होण।[51] (7)

फिर क़ियामत दे दिन ओह उन्हां नूं दस्स देवेगा जो कुझ उन्हां ने कीता। बेशक अल्लाह हर चीज़ दा पूरा इल्म रक्खदा है। की तूं उन्हां नूं नहीं वेखिया जिन्हां नूं कानाफूसियां तों रोकिया गिया सी, फिर वी ओह ओही कुझ करदे हन जिस तों उन्हां नूं रोकिया गिया सी, ते गुनाह, ज़िआदती ते रसूल दी नाफ़रमानी दियां कानाफूसियां करदे हन? ते जदों ओह तेरे कोल आउंदे हन तां तैनूं अजिहे लफ़्ज़ां नाल सलाम करदे हन जिन्हां नाल अल्लाह ने तैनूं कदे सलाम नहीं कीता, ते अपणे दिलां विच आखदे हन, "जो कुझ असीं आखदे

[51] **ख़ुदा दे हर थां हाज़िर होण दी अबआदी बणतर: क़ुरआन 58:7 दी इक्क साइंसी, फ़लसफ़ी ते दीनी तफ़सीर** ऑकेज़नलिज़्म (हर घटना दा सिद्धा कारन अल्लाह) – द ग्लोरियस क़ुरआन ऐंड साइंस

हां उस उत्ते अल्लाह सानूं अज़ाब क्यों नहीं दिंदा?" उन्हां लई जहन्नम ही काफ़ी है: ओह उस विच सड़नगे—सो ओह बहुत ही बुरा टिकाणा है! (8)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, जदों तुसीं आपस विच कानाफूसी करो, तां गुनाह, ज़िआदती ते रसूल दी नाफ़रमानी दी कानाफूसी ना करो, बल्कि नेकी ते सुचेतता दी कानाफूसी करो; ते अल्लाह तों सुचेत रहो, जिस दे हज़ूर तुसीं इकट्ठे कीते जाओगे। कानाफूसी तां बस शैतान दा कम्म है, तां जो ओह ईमान वालियां नूं ग़मगीन करे; पर ओह अल्लाह दे हुक्म तों बिनां उन्हां दा कुझ वी नहीं विगाड़ सकदी। ते ईमान वालियां नूं अल्लाह ही उत्ते भरोसा रक्खणा चाहीदा है। (9–10)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, जदों तुहानूं आखिया जावे कि मजलिसां विच खुल्ह के बैठो, तां थां खुल्ही कर दिआ करो, अल्लाह तुहाडे लई खुल्ह पैदा कर देवेगा; ते जदों आखिया जावे कि उट्ठ खड़े होवो, तां उट्ठ खड़े होइआ करो। अल्लाह तुहाडे विचों उन्हां दे दरजे उच्चे करेगा जो ईमान लिआए ते जिन्हां नूं इल्म दित्ता गिया। ते अल्लाह तुहाडे सारे अमलां तों बाख़बर है। ऐ ईमान लिआउण वालियो, जदों तुसीं रसूल नाल इकांत विच गल्ल करना चाहो, तां अपणी इकांत दी गल्ल तों पहिलां कुझ सदक़ा दे दिआ करो: एह तुहाडे लई बिहतर ते वध पाकीज़ा है। फिर जे तुहानूं गुंजाइश ना मिले, तां अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (11–12)

की तुसीं इस तों डर गए कि अपणी इकांत दी गल्ल तों पहिलां सदक़े देओ? सो जदों तुसीं इउं ना कीता, ते अल्लाह ने तुहाडी तौबा क़बूल कर लई, तां नमाज़ क़ायम करो, ज़कात देओ, ते अल्लाह ते उस दे रसूल दी फ़रमांबरदारी करो। ते अल्लाह तुहाडे सारे अमलां तों बाख़बर है। (13)

की तूं उन्हां नूं नहीं वेखिया जिन्हां ने अजिहे लोकां नूं दोस्त बणाइया जिन्हां उत्ते अल्लाह दा ग़ज़ब है? ओह ना तुहाडे विचों हन ना उन्हां विचों, ते ओह जाणदे-बुझदे झूठी गल्ल उत्ते क़समां खांदे हन। अल्लाह ने उन्हां लई सख़्त अज़ाब तिआर कर रक्खिया है: बेशक बहुत बुरा है जो कुझ ओह करदे रहे हन। उन्हां ने अपणियां क़समां नूं ढाल बणा रक्खिया है, ते इस तरां अल्लाह दे राह तों रोकदे हन; सो उन्हां लई ज़लील करन वाला अज़ाब है। ना उन्हां दे माल ते ना उन्हां दी औलाद अल्लाह दे मुक़ाबले विच उन्हां दे कुझ वी कम्म आवेगी। इही अग्ग वाले हन, ते ओह उस विच सदा रहिणगे। जिस दिन अल्लाह उन्हां सभनां नूं इकट्ठे उठावेगा, तां ओह उस दे अग्गे वी उसे तरां क़समां खाणगे जिवें तुहाडे अग्गे खांदे हन, ते समझणगे कि ओह किसे चीज़ उत्ते खड़े हन। सुण लओ, ओही झूठे हन। शैतान उन्हां उत्ते छा गिया है ते उस ने उन्हां नूं अल्लाह दी याद भुला दित्ती है। इही शैतान दा जत्था हन—सुण लओ, शैतान दा जत्था ही घाटा खाण वाला है। बेशक जो लोक अल्लाह ते उस दे रसूल दी मुख़ालफ़त करदे हन ओह सभ तों ज़लील लोकां विच होणगे। अल्लाह ने लिख दित्ता है: "मैं ते मेरे रसूल ज़रूर ग़ालिब रहांगे।" बेशक अल्लाह ताक़तवर, ज़बरदस्त है। (14–21)

तूं अजिहे लोक ना पाएंगा जो अल्लाह ते आख़िरी दिन उत्ते ईमान रक्खदे होण ते उन्हां नाल मुहब्बत करदे होण जो अल्लाह ते उस दे रसूल दी मुख़ालफ़त करदे हन, भावें ओह उन्हां दे पिओ होण, जां उन्हां दे पुत्तर,

जां उन्हां दे भरा जां उन्हां दे रिश्तेदार। इही हन जिन्हां दे दिलां विच उस ने ईमान लिख दित्ता है ते अपणे वल्लों इक्क रूह नाल उन्हां नूं ताक़त दित्ती है। ते ओह उन्हां नूं अजिहे बाग़ां विच दाख़िल करेगा जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, जित्थे ओह सदा रहिणगे। अल्लाह उन्हां तों राज़ी होइया ते ओह उस तों राज़ी होए। इही अल्लाह दा जत्था हन—सुण लओ, अल्लाह दा जत्था ही कामयाब होण वाला है। (22)

59. लशकरां दा इकट्ठ (अल-हश्र)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है सभ अल्लाह दी तसबीह करदा है; ते ओही ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। ओही है जिस ने किताब वालियां विचों उन्हां नूं जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता पहिले ही इकट्ठ उत्ते उन्हां दे घरां तों कड्ढ दित्ता। तुहानूं गुमान ना सी कि ओह निकल जाणगे, ते ओह समझदे सन कि उन्हां दे क़िले उन्हां नूं अल्लाह तों बचा लैणगे; पर अल्लाह उन्हां उत्ते उत्थों आइया जित्थों उन्हां नूं गुमान वी ना सी, ते उस ने उन्हां दे दिलां विच दहिशत पा दित्ती, सो ओह अपणे घरां नूं अपणे हत्थां नाल वी ते ईमान वालियां दे हत्थां नाल वी उजाड़न लग्गे। सो ऐ अक्खां वालियो, इबरत फड़ो। ते जे अल्लाह ने उन्हां लई देस-निकाला ना लिख दित्ता हुंदा, तां उन्हां नूं दुनिया विच ही अज़ाब दे दिंदा; ते आख़िरत विच उन्हां लई अग्ग दा अज़ाब है। एह इस लई कि उन्हां ने अल्लाह ते उस दे रसूल दी मुख़ालफ़त कीती; ते जो कोई अल्लाह दी मुख़ालफ़त करे—तां अल्लाह सख़्त सज़ा देण वाला है। (1–4)

खजूरां दे जो रुक्ख तुसीं कट्टे जां जिन्हां नूं उन्हां दियां जड़्हां उत्ते खड़ा रहण दित्ता, ओह अल्लाह ही दे हुक्म नाल सी, ते तां जो ओह नाफ़रमानां नूं रुसवा करे। ते जो कुझ अल्लाह ने उन्हां तों अपणे रसूल वल्ल पलटा दित्ता, उस लई तुसीं ना घोड़े दौड़ाए ना ऊठ; बल्कि अल्लाह अपणे रसूलां नूं जिस उत्ते चाहुंदा है ग़लबा दे दिंदा है। ते अल्लाह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। जो कुझ अल्लाह ने बस्तियां वालियां तों अपणे रसूल वल्ल पलटा दित्ता ओह अल्लाह दा है, ते रसूल दा, ते रिश्तेदारां दा, ते यतीमां, मुहताजां ते मुसाफ़िर दा, तां जो ओह तुहाडे दौलतमंदां दे विचकार ही ना घुंमदा रहे। ते जो कुझ रसूल तुहानूं देवे, ओह लै लओ; ते जिस चीज़ तों ओह तुहानूं रोके, उस तों रुक जाओ। ते अल्लाह तों सुचेत रहो: बेशक अल्लाह सख़्त सज़ा देण वाला है। (5–7)

एह उन्हां ग़रीब मुहाजिरां लई है जो अपणे घरां ते अपणे मालां तों कड्ढे गए, जो अल्लाह दा फ़ज़ल ते उस दी रज़ा चाहुंदे हन ते अल्लाह ते उस दे रसूल दी मदद करदे हन: इही सच्चे हन। ते जिन्हां ने इन्हां तों पहिलां इस शहिर विच ते ईमान विच टिकाणा बणा लिया सी ओह उस नाल मुहब्बत करदे हन जो हिजरत करके उन्हां कोल आवे, ते जो कुझ इन्हां नूं दित्ता जावे उस दी अपणे दिलां विच कोई हाजत नहीं पाउंदे, ते इन्हां नूं अपणे आप उत्ते पहिल दिंदे हन, भावें आप तंगी विच होण। ते जो कोई अपणे जी दे लालच तों बचा लिया गिया—तां अजिहे ही लोक कामयाब होण वाले हन। ते जो उन्हां तों बाद आए ओह आखदे हन, “ऐ साडे रब्ब, सानूं बख़्श दे ते साडे उन्हां भरावां नूं वी जो ईमान विच साडे तों पहिलां गुज़र चुक्के हन, ते साडे दिलां विच ईमान वालियां लई कोई खोट ना रहण दे। ऐ साडे रब्ब, बेशक तूं बड़ा शफ़क़त करन वाला, रहम करन वाला हैं।” (8–10)

की तूं उन्हां मुनाफ़िक़ां नूं नहीं वेखिया जो किताब वालियां विचों अपणे उन्हां भरावां नूं जो सच्च दे इनकारी हन आखदे हन, "जे तुहानूं कड्ढिया गिया, तां असीं वी ज़रूर तुहाडे नाल निकल चल्लांगे, ते तुहाडे मामले विच असीं कदे किसे दी गल्ल ना मन्नांगे; ते जे तुहाडे नाल लड़ाई कीती गई, तां असीं ज़रूर तुहाडी मदद करांगे"? ते अल्लाह गवाही दिंदा है कि ओह झूठे हन। जे ओह कढ्ढे गए, तां एह उन्हां दे नाल ना निकलणगे; ते जे उन्हां नाल लड़ाई कीती गई, तां एह उन्हां दी मदद ना करनगे; ते जे इन्हां ने उन्हां दी मदद कीती वी, तां ज़रूर पिट्ठ फेर के भज्ज जाणगे, फिर उन्हां दी मदद ना कीती जावेगी। ऐ ईमान वालियो, उन्हां दे दिलां विच अल्लाह तों वध तुहाडा डर है: एह इस लई कि ओह अजिहे लोक हन जो समझ नहीं रक्खदे। ओह सारे मिल के वी तुहाडे नाल ना लड़नगे सिवाए क़िलाबंद बस्तियां विच जां कंधां दे पिच्छों। उन्हां दी आपस दी लड़ाई बड़ी सख़्त है: तूं उन्हां नूं इकट्ठा समझदा हैं, हालांकि उन्हां दे दिल वक्खो-वक्ख हन। एह इस लई कि ओह अजिहे लोक हन जो अक़ल तों कम्म नहीं लैंदे। इन्हां दी मिसाल उन्हां वरगी है जो इन्हां तों थोड़ा ही पहिलां गुज़रे हन: उन्हां ने अपणे कीते दा वबाल चक्ख लिया, ते उन्हां लई दर्दनाक अज़ाब है। इन्हां दी मिसाल शैतान वरगी है जदों ओह इनसान नूं आखदा है, "सच्च दा इनकार कर," फिर जदों ओह इनकार कर दिंदा है, तां आखदा है, "मैं तैथों बरी हां; मैं अल्लाह तों डरदा हां, जो सारे जहानां दा रब्ब है।" सो दोहां दा अंजाम एह होइया कि दोवें अग्ग विच होणगे, उस विच सदा रहण लई: ते इही ज़ालिमां दा बदला है। (11–17)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, अल्लाह तों सुचेत रहो, ते हर जान वेख लवे कि उस ने कल्ह लई की अग्गे भेजिया है। ते अल्लाह तों सुचेत रहो: बेशक अल्लाह तुहाडे सारे अमलां तों बाख़बर है। ते उन्हां लोकां वरगे ना हो जाओ जिन्हां ने अल्लाह नूं भुला दित्ता, तां उस ने उन्हां नूं उन्हां दे अपणे आप भुला दित्ते: इही नाफ़रमान हन। अग्ग वाले ते जन्नत वाले बराबर नहीं: जन्नत वाले ही कामयाब होण वाले हन। जे असीं इस क़ुरआन नूं किसे पहाड़ उत्ते उतारदे, तां तूं उस नूं वेखदा कि ओह अल्लाह दे डर नाल झुकिया होइया ते फटिया जा रिहा है। ते एह मिसालां असीं लोकां लई बिआन करदे हां, तां जो ओह सोच-विचार करन। (18–21)

ओही अल्लाह है, जिस तों सिवा कोई माबूद नहीं: ग़ैब ते ज़ाहिर दा जाणन वाला, ओही बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है। ओही अल्लाह है, जिस तों सिवा कोई माबूद नहीं: बादशाह, पाक ज़ात, सलामती दा सोमा, अमन देण वाला, निगहबान, ज़बरदस्त, ज़ोरावर, वडिआई वाला। अल्लाह उस तों पाक है जो एह शरीक ठहराउंदे हन। ओही अल्लाह है: पैदा करन वाला, वजूद विच लिआउण वाला, सूरत बणाउण वाला; सभ तों सोहणे नाम उसे दे हन। जो कुझ असमानां ते धरती विच है सभ उस दी तसबीह करदा है; ते ओही ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। (22–24)

60. परखियां जाण वालियां औरतां (अल-मुम्तहिना)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

ऐ ईमान लिआउण वालियो, मेरे दुश्मणां ते अपणे दुश्मणां नूं दोस्त ना बणाओ, कि तुसीं उन्हां वल्ल मुहब्बत दे पैग़ाम भेजो, हालांकि ओह उस सच्च दा इनकार कर चुक्के हन जो तुहाडे कोल आइया है ते रसूल नूं ते तुहानूं आप नूं इस लई कड्ढदे हन कि तुसीं अल्लाह, अपणे रब्ब उत्ते ईमान लिआए हो। जे तुसीं मेरे राह विच जिहाद लई ते मेरी रज़ा दी तलाश विच निकले हो, तां छुपा के उन्हां नाल मुहब्बत किवें करदे हो? ते मैं ख़ूब जाणदा हां जो कुझ तुसीं छुपाउंदे हो ते जो कुझ ज़ाहिर करदे हो। ते तुहाडे विचों जो कोई अजिहा करे ओह सिद्धे राह तों भटक गिया। जे ओह तुहाडे उत्ते क़ाबू पा लैण, तां तुहाडे दुश्मण होणगे, ते बुराई दे नाल अपणे हत्थ ते अपणियां ज़बानां तुहाडे वल्ल वधाउणगे: ते ओह चाहुंदे हन कि तुसीं वी सच्च दा इनकार कर देओ। (1–2)

क़ियामत दे दिन ना तुहाडे रिश्तेदार तुहाडे कुझ कम्म आउणगे ना तुहाडी औलाद: ओह तुहाडे विचकार फ़ैसला कर देवेगा। ते अल्लाह ओह सभ कुझ वेखदा है जो तुसीं करदे हो। बेशक तुहाडे लई इबराहीम ते उस दे साथियां विच इक्क चंगा नमूना है, जदों उन्हां ने अपणी क़ौम नूं आखिया, "असीं तुहाथों ते उन्हां तों बरी हां जिन्हां दी तुसीं अल्लाह तों सिवा इबादत करदे हो। असीं तुहाडा इनकार करदे हां, ते साडे ते तुहाडे विचकार सदा लई दुश्मणी ते नफ़रत ज़ाहिर हो चुक्की है, जद तक्क तुसीं इकल्ले अल्लाह उत्ते ईमान ना लिआओ"—सिवाए इबराहीम दे अपणे पिओ नूं इस आखण दे, "मैं तेरे लई बख़शिश ज़रूर मंगांगा, हालांकि मैं तेरे लई अल्लाह तों कुझ वी हासिल करन दा इख़तियार नहीं रक्खदा।" "ऐ साडे रब्ब, तेरे ही उत्ते असां ने भरोसा कीता, ते तेरे ही वल्ल असां ने रुजू कीता, ते तेरे ही वल्ल आख़िरी वापसी है। ऐ साडे रब्ब, सानूं सच्च दे इनकारियां लई आज़माइश ना बणा, ते ऐ साडे रब्ब, सानूं बख़्श दे। बेशक तूं ही ज़बरदस्त, हिकमत वाला हैं।" बेशक तुहाडे लई उन्हां विच चंगा नमूना है, हर उस आदमी लई जो अल्लाह ते आख़िरी दिन दी उम्मीद रक्खदा होवे। ते जो कोई मूंह मोड़े—तां अल्लाह ही बेनियाज़, तारीफ़ दे लायक़ है। (3–6)

उम्मीद है कि अल्लाह तुहाडे ते उन्हां लोकां दे विचकार मुहब्बत पैदा कर देवे जिन्हां नाल अज्ज तुहाडी दुश्मणी है: ते अल्लाह क़ुदरत वाला है, ते अल्लाह बड़ा बख़्शाण वाला, सदा रहम करन वाला है। अल्लाह तुहानूं उन्हां लोकां नाल भलाई ते इनसाफ़ दा सलूक करन तों नहीं रोकदा जिन्हां ने दीन दे मामले विच तुहाडे नाल लड़ाई नहीं कीती ते ना तुहानूं तुहाडे घरां तों कड्ढिया: बेशक अल्लाह इनसाफ़ करन वालियां नूं पसंद करदा है। अल्लाह तां तुहानूं बस उन्हां लोकां नूं दोस्त बणाउण तों रोकदा है जिन्हां ने दीन दे मामले विच तुहाडे नाल लड़ाई कीती, तुहानूं तुहाडे घरां तों कड्ढिया, जां तुहाडे कड्ढण विच मदद कीती। ते जो कोई उन्हां नूं दोस्त बणाए—तां ओही ज़ालिम हन। (7–9)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, जदों ईमान वालियां औरतां हिजरत करके तुहाडे कोल आउण, तां उन्हां दी परख कर लिआ करो—उन्हां दे ईमान नूं अल्लाह ही ख़ूब जाणदा है—फिर जे तुसीं उन्हां नूं ईमान वालियां

जाणो, तां उन्हां नूं सच्च दे इनकारियां वल्ल वापस ना भेजो: ना एह उन्हां मरदां लई हलाल हन, ते ना ओह मरद इन्हां लई हलाल हन। ते उन्हां मरदां नूं ओह दे देओ जो उन्हां ने महर विच ख़र्च कीता सी; ते तुहाडे उत्ते कोई गुनाह नहीं कि तुसीं इन्हां नाल निकाह कर लओ, जदों तुसीं इन्हां नूं इन्हां दे महर दे देओ। ते सच्च दा इनकार करन वालियां औरतां नाल निकाह दे रिश्ते क़ायम ना रक्खो; ते जो तुसीं ख़र्च कीता सी ओह मंग लओ, ते जो उन्हां ने ख़र्च कीता सी ओह वी मंग लैण। एह अल्लाह दा फ़ैसला है: ओह तुहाडे विचकार फ़ैसला करदा है, ते अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। ते जे तुहाडियां पतनियां विचों कोई सच्च दे इनकारियां वल्ल चली जावे, फिर तुहाडी वारी आवे, तां जिन्हां दियां पतनियां चलियां गईयां हन उन्हां नूं उन्ना दे देओ जिन्ना उन्हां ने ख़र्च कीता सी; ते उस अल्लाह तों सुचेत रहो, जिस उत्ते तुसीं ईमान रक्खदे हो। (10–11)

ऐ नबी, जदों ईमान वालियां औरतां तेरे कोल इस गल्ल उत्ते बैअत करन आउण—कि ओह अल्लाह दे नाल किसे चीज़ नूं शरीक ना ठहराउणगियां, ना चोरी करनगियां, ना ज़िना करनगियां, ना अपणी औलाद नूं क़तल करनगियां, ना कोई अजिहा बुहतान लिआउणगियां जो उन्हां ने अपणे हत्थां ते पैरां दे विचकार घड़ लिया होवे, ते ना किसे भले कम्म विच तेरी नाफ़रमानी करनगियां—तां उन्हां तों बैअत लै लिआ कर ते उन्हां लई अल्लाह तों बख़शिश मंग। बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (12)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, अजिहे लोकां नूं दोस्त ना बणाओ जिन्हां उत्ते अल्लाह दा ग़ज़ब है: ओह आख़िरत तों उसे तरां ना-उम्मीद हो चुक्के हन, जिवें सच्च दे इनकारी क़बरां वालियां तों ना-उम्मीद हो चुक्के हन। (13)

61. पक्कियां सफ़ां (अस-सफ़्फ़)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है सभ अल्लाह दी तसबीह करदा है; ते ओही ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। ऐ ईमान लिआउण वालियो, तुसीं ओह गल्ल क्यों आखदे हो जो करदे नहीं? अल्लाह दे नज़दीक एह बड़ी सख़्त नापसंद गल्ल है कि तुसीं ओह आखो जो करो नहीं। बेशक अल्लाह उन्हां नूं पसंद करदा है जो उस दे राह विच सफ़ां बंन्ह के लड़दे हन, जिवें ओह इक्क सीसा पिघला के जोड़ी होई इमारत होण। (1–4)

ते याद करो जदों मूसा ने अपणी क़ौम नूं आखिया, "ऐ मेरी क़ौम, तुसीं मैनूं क्यों सताउंदे हो, हालांकि तुसीं जाणदे हो कि मैं तुहाडे वल्ल अल्लाह दा रसूल हां?" फिर जदों ओह टेढे हो गए, तां अल्लाह ने उन्हां दे दिल टेढे कर दित्ते: ते अल्लाह नाफ़रमान लोकां नूं हिदायत नहीं दिंदा। ते जदों मरयम दे पुत्तर ईसा ने आखिया, "ऐ इसराईल दी औलाद, मैं तुहाडे वल्ल अल्लाह दा रसूल हां, उस तौरात दी तसदीक़ करन वाला जो मेरे तों पहिलां आई, ते इक्क रसूल दी ख़ुशख़बरी देण वाला जो मेरे तों बाद आवेगा जिस दा नाम अहमद होवेगा।" फिर जदों ओह उन्हां कोल खुल्हियां निशानियां लै के आइया, तां उन्हां ने आखिया, "एह तां खुल्हा जादू है।" (5–6)

ते उस तों वड्डा ज़ालिम कौण है जो अल्लाह उत्ते झूठ घड़े जदों कि उस नूं फ़रमांबरदारी वल्ल बुलाइया जा रिहा होवे? ते अल्लाह ज़ालिम लोकां नूं हिदायत नहीं दिंदा। ओह चाहुंदे हन कि अल्लाह दे नूर नूं अपणे मूंहां नाल बुझा देण, पर अल्लाह अपणे नूर नूं पूरा करके रहेगा, भावें सच्च दे इनकारियां नूं किन्ना ही बुरा लग्गे। ओही है जिस ने अपणे रसूल नूं हिदायत ते सच्चे दीन दे नाल भेजिया, तां जो उस नूं सारे दीनां उत्ते ग़ालिब कर देवे, भावें मुशरिकां नूं किन्ना ही बुरा लग्गे। (7–9)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, की मैं तुहानूं इक्क अजिहा सौदा दस्सां जो तुहानूं दर्दनाक अज़ाब तों बचा लवे? अल्लाह ते उस दे रसूल उत्ते ईमान लिआओ, ते अपणे मालां ते अपणी जानां नाल अल्लाह दे राह विच जिहाद करो: एह तुहाडे लई बिहतर है, जे तुसीं जाणो। ओह तुहाडे गुनाह बख़्श देवेगा ते तुहानूं अजिहे बाग़ां विच दाख़िल करेगा जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, ते अदन दे बाग़ां विच पाकीज़ा घरां विच। इही वड्डी कामयाबी है। ते इक्क होर चीज़ वी जो तुहानूं पिआरी है: अल्लाह वल्लों मदद ते नेड़े दी फ़तह। ते ईमान वालियां नूं ख़ुशख़बरी दे दे। ऐ ईमान लिआउण वालियो, अल्लाह दे मददगार बणो, जिवें मरयम दे पुत्तर ईसा ने हवारियां नूं आखिया सी, "अल्लाह दे राह विच मेरे मददगार कौण होणगे?" हवारियां ने आखिया, "असीं अल्लाह दे मददगार हां।" फिर इसराईल दी औलाद दा इक्क गिरोह ईमान लिआइया ते इक्क गिरोह ने इनकार कीता; सो असां ने ईमान लिआउण वालियां नूं उन्हां दे दुश्मण दे मुक़ाबले विच ताक़त दित्ती, ते ओही ग़ालिब हो के रहे। (10–14)

62. जुमे दा दिन (अल-जुमुआ)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है सभ अल्लाह दी तसबीह करदा है, जो बादशाह, पाक ज़ात, ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। ओही है जिस ने अनपढ़ लोकां विच उन्हां ही विचों इक्क रसूल उठाइया, जो उन्हां नूं उस दियां आयतां पढ़ के सुणाउंदा है, उन्हां नूं पाक करदा है, ते उन्हां नूं किताब ते हिकमत सिखाउंदा है—हालांकि इस तों पहिलां ओह खुल्ही गुमराही विच सन— ते उन्हां विचों होरां लई वी जो अजे इन्हां नाल नहीं मिले। ते ओही ज़बरदस्त, हिकमत वाला है। एह अल्लाह दा फ़ज़ल है, जिस नूं चाहुंदा है दिंदा है: ते अल्लाह बड़े फ़ज़ल वाला है। जिन्हां लोकां उत्ते तौरात दा बोझ रक्खिया गिया फिर उन्हां ने उस नूं ना चुक्किया उन्हां दी मिसाल उस गधे वरगी है जो किताबां दे पोथे लद्दी फिरदा है। किन्नी बुरी मिसाल है उन्हां लोकां दी जिन्हां ने अल्लाह दियां आयतां नूं झुठलाइया: ते अल्लाह ज़ालिम लोकां नूं हिदायत नहीं दिंदा। (1–5)

आख, ऐ नबी, "ऐ यहूदी दीन उत्ते चल्लण वालियो, जे तुहाडा दावा है कि सारे लोकां नूं छड्ड के बस तुसीं ही अल्लाह दे दोस्त हो, तां मौत दी तमन्ना करो, जे तुसीं सच्चे हो।" पर ओह उस दी तमन्ना कदे ना करनगे, उस दे कारन जो उन्हां दे हत्थ अग्गे भेज चुक्के हन। ते अल्लाह ज़ालिमां नूं ख़ूब जाणदा है। आख, "जिस मौत तों तुसीं भज्जदे हो ओह तुहानूं ज़रूर आ मिलेगी। फिर तुसीं उस वल्ल मोड़े जाओगे जो ग़ैब ते ज़ाहिर दा जाणन वाला है, ते ओह तुहानूं दस्स देवेगा जो कुझ तुसीं करदे सी।" (6–8)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, जदों जुमे दे दिन नमाज़ लई पुकारिया जावे, तां अल्लाह दी याद वल्ल दौड़ पवो ते ख़रीद-फ़रोख़्त छड्ड देओ: एह तुहाडे लई बिहतर है, जे तुसीं जाणो। फिर जदों नमाज़ पूरी हो जावे, तां ज़मीन विच फैल जाओ ते अल्लाह दा फ़ज़ल तलाश करो, ते अल्लाह नूं बहुत याद करो, तां जो तुसीं कामयाब होवो। फिर वी जदों ओह कोई वपार दा माल जां तमाशा वेखदे हन तां उस वल्ल टुट्ट पैंदे हन ते तैनूं खड़ा छड्ड जांदे हन। आख, "जो अल्लाह दे कोल है ओह तमाशे ते वपार तों बिहतर है। ते अल्लाह सभ तों बिहतर रोज़ी देण वाला है।" (9–11)

63. मुनाफ़िक़ (अल-मुनाफ़िक़ून)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

जदों मुनाफ़िक़ तेरे कोल आउंदे हन, ऐ नबी, तां आखदे हन, “असीं गवाही दिंदे हां कि तूं यक़ीनन अल्लाह दा रसूल हैं।” ते अल्लाह जाणदा है कि तूं यक़ीनन उस दा रसूल हैं, ते अल्लाह गवाही दिंदा है कि मुनाफ़िक़ झूठे हन। उन्हां ने अपणियां क़समां नूं ढाल बणा रक्खिया है, ते इस तरां अल्लाह दे राह तों रोकदे हन। बेशक बहुत बुरा है जो कुझ ओह करदे रहे हन। एह इस लई कि ओह ईमान लिआए फिर इनकार कीता, सो उन्हां दे दिलां उत्ते मोहर ला दित्ती गई, तां ओह समझदे नहीं। ते जदों तूं उन्हां नूं वेखदा हैं, तां उन्हां दे जुस्से तैनूं चंगे लग्गदे हन; ते जदों ओह बोलदे हन, तां तूं उन्हां दी गल्ल सुणदा हैं। हालांकि ओह इउं हन जिवें कंध नाल टिकाइयां होइयां लकड़ां। ओह हर उच्ची अवाज़ नूं अपणे ही ख़िलाफ़ समझदे हन। ओही दुश्मण हन—सो उन्हां तों बच के रह। अल्लाह उन्हां नूं ग़ारत करे! ओह किधर फेरे जा रहे हन! (1–4)

ते जदों उन्हां नूं आखिया जांदा है, “आओ, अल्लाह दा रसूल तुहाडे लई बख़शिश मंगे,” तां ओह अपणे सिर फेर लैंदे हन, ते तूं उन्हां नूं वेखदा हैं कि घमंड करदे होए मूंह मोड़ लैंदे हन। उन्हां लई बराबर है भावें तूं उन्हां लई बख़शिश मंगें जां ना मंगें: अल्लाह उन्हां नूं कदे नहीं बख़्शेगा। बेशक अल्लाह नाफ़रमान लोकां नूं हिदायत नहीं दिंदा। इही हन जो आखदे हन, “जो लोक अल्लाह दे रसूल दे कोल हन उन्हां उत्ते ख़र्च ना करो, तां जो ओह तित्तर-बित्तर हो जाण।” हालांकि असमानां ते धरती दे ख़ज़ाने अल्लाह ही दे हन, पर मुनाफ़िक़ समझदे नहीं। ओह आखदे हन, “जे असीं शहिर वापस पहुंचे, तां इज़्ज़त वाला उत्थों ज़लील नूं ज़रूर कड्ढ देवेगा।” हालांकि इज़्ज़त अल्लाह दी है, ते उस दे रसूल दी ते ईमान वालियां दी; पर मुनाफ़िक़ नहीं जाणदे। (5–8)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, तुहाडे माल ते तुहाडी औलाद तुहानूं अल्लाह दी याद तों ग़ाफ़िल ना कर देण। ते जो कोई अजिहा करे—तां ओही घाटा खाण वाले हन। ते जो कुझ असां ने तुहानूं दित्ता है उस विचों ख़र्च करो इस तों पहिलां कि तुहाडे विचों किसे नूं मौत आ जावे ते ओह आखे, “ऐ मेरे रब्ब, तूं मैनूं थोड़ी देर होर मुहलत क्यों ना दित्ती, कि मैं सदक़ा दिंदा ते नेकां विचों हो जांदा।” पर अल्लाह किसे जान नूं हरगिज़ मुहलत नहीं दिंदा जदों उस दा मुक़र्रर वक़्त आ जावे। ते अल्लाह तुहाडे सारे अमलां तों बाख़बर है। (9–11)

64. इक्क दूजे तों बेपरवाही (अत-तग़ाबुन)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

जो कुझ असमानां विच है ते जो कुझ धरती विच है सभ अल्लाह दी तसबीह करदा है। बादशाही उसे दी है ते तारीफ़ उसे दी; ते ओह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है। ओही है जिस ने तुहानूं पैदा कीता, फिर तुहाडे विचों कोई सच्च दा इनकारी है ते कोई ईमान वाला। ते अल्लाह ओह सभ कुझ वेखदा है जो तुसीं करदे हो। उस ने असमानां ते धरती नूं हक़ दे नाल पैदा कीता; ते उस ने तुहाडियां सूरतां बणाइयां ते तुहाडियां सूरतां सोहणियां बणाइयां; ते उसे वल्ल आख़िरी वापसी है। ओह जाणदा है जो कुझ असमानां ते धरती विच है, ते ओह जाणदा है जो कुझ तुसीं छुपाउंदे हो ते जो कुझ ज़ाहिर करदे हो। ते अल्लाह सीनियां दियां गल्लां ख़ूब जाणदा है। (1–4)

की तुहाडे कोल उन्हां लोकां दी ख़बर नहीं पहुंची जिन्हां ने इस तों पहिलां सच्च दा इनकार कीता, ते अपणे कीते दा वबाल चक्खिया? ते उन्हां लई दर्दनाक अज़ाब है। एह इस लई कि उन्हां दे रसूल उन्हां कोल खुल्हियां निशानियां लै के आउंदे रहे, पर उन्हां ने आखिया, "की इनसान सानूं राह दिखाउणगे?" सो उन्हां ने इनकार कीता ते मूंह मोड़ लिया; ते अल्लाह नूं उन्हां दी कोई परवाह ना सी। ते अल्लाह बेनियाज़, तारीफ़ दे लायक़ है। (5–6)

सच्च दे इनकारियां दा दावा है कि ओह कदे उठाए ना जाणगे। आख, "क्यों नहीं, मेरे रब्ब दी क़सम, तुसीं ज़रूर उठाए जाओगे, फिर तुहानूं ज़रूर दस्सिया जावेगा जो कुझ तुसीं कीता। ते एह अल्लाह लई सौखा है।" (7)

सो अल्लाह ते उस दे रसूल उत्ते ते उस नूर उत्ते ईमान लिआओ जो असां ने उतारिया है। ते अल्लाह तुहाडे सारे अमलां तों बाख़बर है। जिस दिन ओह तुहानूं इकट्ठे होण दे दिन लई इकट्ठा करेगा—ओही इक्क दूजे तों बेपरवाही दा दिन होवेगा। ते जो कोई अल्लाह उत्ते ईमान लिआवे ते नेक कम्म करे, ओह उस दियां बुराइयां उस तों दूर कर देवेगा ते उस नूं अजिहे बाग़ां विच दाख़िल करेगा जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, जित्थे ओह सदा-सदा रहिणगे। इही वड्डी कामयाबी है। ते जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता ते साडियां आयतां नूं झुठलाइया—ओही अग्ग वाले हन, उस विच सदा रहिणगे। ते ओह बहुत बुरा टिकाणा है! (8–10)

कोई मुसीबत नहीं आउंदी पर अल्लाह दे हुक्म नाल। ते जो कोई अल्लाह उत्ते ईमान लिआवे, ओह उस दे दिल नूं राह दिखाउंदा है। ते अल्लाह हर चीज़ दा पूरा इल्म रक्खदा है। ते अल्लाह दी फ़रमांबरदारी करो ते रसूल दी फ़रमांबरदारी करो। फिर जे तुसीं मूंह मोड़ोगे, तां साडे रसूल दे ज़िंमे तां बस साफ़-साफ़ पैग़ाम पहुंचा देणा है। अल्लाह: उस तों सिवा कोई माबूद नहीं। ते ईमान वालियां नूं अल्लाह ही उत्ते भरोसा रक्खणा चाहीदा है। ऐ ईमान लिआउण वालियो, तुहाडे जोड़ियां ते तुहाडी औलाद विचों कुझ तुहाडे दुश्मण हन, सो

उन्हां तों बच के रहो। ते जे तुसीं माफ़ कर देओ, दरगुज़र करो ते बख़्श देओ—तां अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (11–14)

तुहाडे माल ते तुहाडी औलाद तां बस इक्क आज़माइश हन, ते अल्लाह दे कोल वड्डा अजर है। सो जित्थों तक्क तुहाथों हो सके अल्लाह तों सुचेत रहो; ते सुणो, ते हुक्म मन्नो, ते ख़र्च करो: एह तुहाडे अपणे ही लई बिहतर है। ते जो कोई अपणे जी दे लालच तों बचा लिया गिया—तां अजिहे ही लोक कामयाब होण वाले हन। जे तुसीं अल्लाह नूं चंगा क़र्ज़ देओगे, तां ओह उस नूं तुहाडे लई कई गुणा वधा देवेगा ते तुहानूं बख़्श देवेगा। ते अल्लाह क़दरदान, बुर्दबार है, ग़ैब ते ज़ाहिर दा जाणन वाला, ज़बरदस्त, हिकमत वाला। (15–18)

65. तलाक़ (अत-तलाक़)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

ऐ नबी, जदों तुसीं लोक औरतां नूं तलाक़ देओ, तां उन्हां नूं उन्हां दी इद्दत दे शुरू विच तलाक़ देओ, ते इद्दत नूं ठीक-ठीक गिणो; ते अल्लाह, अपणे रब्ब तों सुचेत रहो। उन्हां नूं उन्हां दे घरां तों ना कड्ढो, ते ना ओह आप निकलण, सिवाए इस दे कि ओह कोई खुल्ही बेहयाई कर बैठण। ते एह अल्लाह दियां मुक़र्रर कीतियां हद्दां हन; ते जो कोई अल्लाह दियां हद्दां तों अग्गे वधे उस ने अपणी ही जान उत्ते ज़ुलम कीता। तूं नहीं जाणदा: शायद अल्लाह इस तों बाद कोई नवीं सूरत पैदा कर देवे। (1)

फिर जदों ओह अपणी मुद्दत दे अख़ीर नूं पहुंच जाण, तां या तां उन्हां नूं भले तरीक़े नाल रोक लओ जां भले तरीक़े नाल उन्हां तों वक्ख हो जाओ। ते अपणे विचों दो इनसाफ़ वाले आदमियां नूं गवाह बणा लओ, ते अल्लाह दी ख़ातिर गवाही ठीक-ठीक क़ायम करो। एह है जिस दी नसीहत उस आदमी नूं कीती जांदी है जो अल्लाह ते आख़िरी दिन उत्ते ईमान रक्खदा होवे। ते जो कोई अल्लाह तों सुचेत रहे—ओह उस लई निकलण दा राह पैदा कर देवेगा, ते उस नूं उत्थों रोज़ी देवेगा जित्थों उस नूं गुमान वी ना होवे। ते जो कोई अल्लाह उत्ते भरोसा करे—तां ओह उस लई काफ़ी है। बेशक अल्लाह अपणा कम्म पूरा करके रहिंदा है; अल्लाह ने हर चीज़ लई इक्क अंदाज़ा मुक़र्रर कर रक्खिया है। (2–3)

ते तुहाडियां औरतां विचों जो माहवारी तों ना-उम्मीद हो चुक्कियां हन, जे तुहानूं शक्क होवे, तां उन्हां दी इद्दत तिन्न महीने है, ते उन्हां दी वी जिन्हां नूं अजे माहवारी नहीं आई। ते गरभ वालियां औरतां दी मुद्दत एह है कि ओह अपणा बोझ जण देण। ते जो कोई अल्लाह तों सुचेत रहे—ओह उस दे कम्म विच उस लई सौख पैदा कर देवेगा। एह अल्लाह दा हुक्म है, जो उस ने तुहाडे वल्ल उतारिया है। ते जो कोई अल्लाह तों सुचेत रहे—ओह उस दियां बुराइयां उस तों दूर कर देवेगा ते उस दा अजर वड्डा कर देवेगा। (4–5)

उन्हां नूं उत्थे ही रक्खो जित्थे तुसीं आप रहिंदे हो, अपणी हैसियत दे मुताबिक़, ते उन्हां नूं तंग करन लई ना सताओ कि उन्हां दा जीणा मुश्किल कर देओ। ते जे ओह गरभ वालियां होण, तां उन्हां उत्ते ख़र्च करदे रहो इत्थों तक्क कि ओह अपणा बोझ जण देण; फिर जे ओह तुहाडे लई बच्चे नूं दुद्ध पिलाउण, तां उन्हां नूं उन्हां दा हक़ देओ, ते आपस विच भले तरीक़े नाल मशवरा कर लओ। ते जे तुसीं इक्क दूजे लई तंगी पैदा करोगे, तां पिओ दी ख़ातिर कोई होर औरत बच्चे नूं दुद्ध पिला देवेगी। गुंजाइश वाला अपणी गुंजाइश दे मुताबिक़ ख़र्च करे; ते जिस दी रोज़ी तंग होवे ओह उस विचों ख़र्च करे जो अल्लाह ने उस नूं दित्ता है। अल्लाह किसे जान उत्ते उस तों वध बोझ नहीं पाउंदा जिन्ना उस ने उस नूं दित्ता है। अल्लाह तंगी तों बाद सौख पैदा कर देवेगा। (6–7)

ते किन्नियां ही बस्तियां सन जिन्हां ने अपणे रब्ब दे ते उस दे रसूलां दे हुक्म तों सरकशी कीती! सो असां ने उन्हां तों सख़्त हिसाब लिया ते उन्हां नूं भिआनक अज़ाब दित्ता। सो उन्हां ने अपणे कीते दा वबाल चक्खिया,

ते उन्हां दे कम्म दा अंजाम घाटा ही होइया। अल्लाह ने उन्हां लई सख़्त अज़ाब तिआर कर रक्खिया है। सो अल्लाह तों सुचेत रहो, ऐ अक़्ल वालियो, जो ईमान लिआए हो: बेशक अल्लाह ने तुहाडे वल्ल इक्क नसीहत उतारी है, इक्क रसूल जो तुहानूं अल्लाह दियां खुल्हियां आयतां पढ़ के सुणाउंदा है, तां जो उन्हां नूं जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते हनेरियां विचों कड्ढ के रौशनी वल्ल लै आवे। ते जो कोई अल्लाह उत्ते ईमान लिआवे ते नेक कम्म करे, ओह उस नूं अजिहे बाग़ां विच दाख़िल करेगा जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, जित्थे ओह सदा-सदा रहिणगे। बेशक अल्लाह ने उस लई बहुत चंगी रोज़ी रक्खी है। (8–11)

अल्लाह ही है जिस ने सत्त असमान पैदा कीते, ते धरती विचों वी उन्हां वरगियां। उन्हां दे विचकार हुक्म उतरदा रहिंदा है, तां जो तुसीं जाण लओ कि अल्लाह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है, ते एह कि अल्लाह ने अपणे इल्म नाल हर चीज़ नूं घेर रक्खिया है। (12)

66. हराम ठहराउणा (अत-तहरीम)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

ऐ नबी, तूं उस चीज़ नूं क्यों हराम करदा हैं जो अल्लाह ने तेरे लई हलाल कीती है, अपणियां पतनियां दी ख़ुशी चाहुंदा होइया? ते अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। अल्लाह ने तुहाडे लई, ऐ ईमान वालियो, तुहाडियां क़समां तों निकलण दा तरीक़ा मुक़र्रर कर दित्ता है। ते अल्लाह तुहाडा कारसाज़ है; ते ओही सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। (1–2)

ते जदों नबी ने अपणियां पतनियां विचों इक्क नूं इक्क भेत दी गल्ल दस्सी, फिर जदों उस ने उस दी ख़बर कर दित्ती, ते अल्लाह ने नबी उत्ते एह ज़ाहिर कर दित्ता, तां उस ने उस दा कुझ हिस्सा जता दित्ता ते कुझ टाल दित्ता। फिर जदों उस ने उस नूं एह गल्ल दस्सी, तां ओह बोली, "तुहानूं एह किस ने दस्सिया?" उस ने आखिया, "मैनूं उस ने दस्सिया जो सभ कुझ जाणन वाला, पूरी ख़बर रक्खण वाला है।" जे तुसीं दोवें अल्लाह अग्गे तौबा कर लओ, किउंकि तुहाडे दिल इस वल्ल झुक गए हन, तां बिहतर है; ते जे तुसीं उस दे ख़िलाफ़ इक्क दूजी दी मदद करोगियां, तां अल्लाह उस दा कारसाज़ है, ते जिबरील, ते नेक ईमान वाले; ते इस तों इलावा फ़रिश्ते वी उस दे मददगार हन। उम्मीद है कि जे ओह तुहानूं तलाक़ दे देवे, तां उस दा रब्ब तुहाडी थां उस नूं तुहाथों बिहतर पतनियां दे देवे: फ़रमांबरदार, ईमान वालियां, बंदगी करन वालियां, तौबा करन वालियां, इबादत करन वालियां ते रोज़ा रक्खण वालियां, पहिलां विआहियां होइयां वी ते कुंवारियां वी। (3–5)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, अपणे आप नूं ते अपणे घर वालियां नूं उस अग्ग तों बचाओ जिस दा बालण इनसान ते पत्थर हन, जिस उत्ते सख़्त सुभाअ दे ते ज़ोरावर फ़रिश्ते मुक़र्रर हन, जो अल्लाह दी नाफ़रमानी नहीं करदे उस विच जो ओह उन्हां नूं हुक्म दिंदा है, ते ओही करदे हन जिस दा उन्हां नूं हुक्म दित्ता जांदा है। "ऐ सच्च दा इनकार करन वालियो, अज्ज बहाने ना बणाओ: तुहानूं बस उसे दा बदला दित्ता जा रिहा है जो तुसीं करदे सी।" (6–7)

ऐ ईमान लिआउण वालियो, अल्लाह अग्गे सच्ची तौबा करो। उम्मीद है कि तुहाडा रब्ब तुहाडियां बुराइयां तुहाथों दूर कर देवे ते तुहानूं अजिहे बाग़ां विच दाख़िल करे जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, उस दिन जदों अल्लाह नबी नूं ते उन्हां नूं जो उस दे नाल ईमान लिआए रुसवा ना करेगा। उन्हां दा नूर उन्हां दे अग्गे-अग्गे ते उन्हां दे सज्जे पासे दौड़ रिहा होवेगा, ते ओह आखणगे, "ऐ साडे रब्ब, साडे लई साडा नूर पूरा कर दे ते सानूं बख़्श दे: बेशक तूं हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा हैं।" (8)

ऐ नबी, सच्च दे इनकारियां ते मुनाफ़िक़ां नाल जिहाद कर, ते उन्हां उत्ते सख़्ती कर। उन्हां दा ठिकाणा जहन्नम है—ते ओह बहुत बुरा टिकाणा है! अल्लाह सच्च दे इनकारियां लई इक्क मिसाल बिआन करदा है: नूह दी पतनी ते लूत दी पतनी। ओह दोवें साडे दो नेक बंदियां दे निकाह विच सन, पर उन्हां ने उन्हां नाल ख़िआनत कीती, तां उन्हां दे पती अल्लाह दे मुक़ाबले विच उन्हां दे कुझ वी कम्म ना आए। ते उन्हां नूं आखिया

गिया, “दाख़िल होण वालियां दे नाल तुसीं वी अग्ग विच दाख़िल हो जाओ।” ते अल्लाह ईमान वालियां लई इक्क मिसाल बिआन करदा है: फ़िरऔन दी पतनी, जदों उस ने आखिया, “ऐ मेरे रब्ब, मेरे लई अपणे कोल जन्नत विच इक्क घर बणा; ते मैनूं फ़िरऔन ते उस दे अमल तों बचा लै, ते मैनूं ज़ालिम लोकां तों बचा लै।” ते इमरान दी धी मरयम, जिस ने अपणी पाकदामनी दी हिफ़ाज़त कीती: सो असां ने उस विच अपणी रूह फूकी, ते उस ने अपणे रब्ब दियां गल्लां ते उस दियां किताबां दी तसदीक़ कीती, ते ओह सच्चे बंदगी करन वालियां विचों सी। (9–12)

67. बादशाही (अल-मुल्क)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

बड़ी बरकत वाला है ओह जिस दे हत्थ विच सारी बादशाही है, ते ओह हर चीज़ उत्ते क़ुदरत रक्खदा है—जिस ने मौत ते ज़िंदगी नूं पैदा कीता तां जो तुहानूं आज़माए कि तुहाडे विचों कौण अमल विच सभ तों चंगा है। ते ओही ज़बरदस्त, बड़ा बख़्शण वाला है। जिस ने सत्त असमान उत्ते-थल्ले पैदा कीते। तूं रहमान दी पैदाइश विच कोई बेजोड़पण ना वेखेंगा। फिर निगाह मार: की तैनूं कोई तरेड़ दिसदी है? फिर दुबारा, ते फिर दुबारा निगाह मार: तेरी निगाह चुंधिआई होई ते थक्की-हारी तेरे वल्ल मुड़ आवेगी। (1–4)

ते बेशक असां ने नेड़े दे असमान नूं चिराग़ां नाल सजाइया है, ते उन्हां नूं शैतानां नूं मार भजाउण दा ज़रीआ बणाइया है, ते उन्हां लई असां ने भड़कदी अग्ग दा अज़ाब तिआर कर रक्खिया है। ते जिन्हां ने अपणे रब्ब दा इनकार कीता उन्हां लई जहन्नम दा अज़ाब है—ते ओह बहुत बुरा टिकाणा है! जदों ओह उस विच सुट्टे जाणगे तां उस दी दहाड़ सुणनगे ते ओह उबल रही होवेगी, इउं लग्गेगा कि ग़ुस्से नाल फट पवेगी। जदों वी कोई गिरोह उस विच सुट्टिया जावेगा, उस दे दरोग़े उन्हां तों पुच्छणगे, "की तुहाडे कोल कोई ख़बरदार करन वाला नहीं आइया सी?" ओह आखणगे, "क्यों नहीं, साडे कोल ख़बरदार करन वाला आइया सी, पर असां ने उस नूं झुठला दित्ता ते आखिया कि अल्लाह ने कुझ वी नहीं उतारिया, ते एह कि ओह तां बस वड्डी गुमराही विच है।" ते ओह आखणगे, "जे असीं सुणदे, जां अक़ल तों कम्म लैंदे, तां असीं भड़कदी अग्ग वालियां विच ना हुंदे।" सो ओह अपणे गुनाह दा इक़रार कर लैणगे—सो दूर होण भड़कदी अग्ग वाले! बेशक जो लोक बिनां वेखे अपणे रब्ब तों डरदे हन, उन्हां लई बख़शिश ते वड्डा अजर है। (5–12)

ते तुसीं अपणी गल्ल छुपा के आखो जां उच्ची आखो, ओह सीनियां दियां गल्लां ख़ूब जाणदा है। की ओही ना जाणेगा, जिस ने पैदा कीता? ते ओही बारीकबीं, पूरी ख़बर रक्खण वाला है। ओही है जिस ने धरती नूं तुहाडे वस विच कर दित्ता: सो उस दे खुल्हे राहां उत्ते चल्लो-फिरो ते उस दी दित्ती रोज़ी विचों खाओ—ते उसे वल्ल जी उठ के जाणा है। की तुसीं इस तों बेख़ौफ़ हो कि ओह जो असमान विच है तुहानूं ज़मीन विच धसा देवे ते ओह कंबण लग्गे? जां तुसीं इस तों बेख़ौफ़ हो कि ओह जो असमान विच है तुहाडे उत्ते पत्थरां दी हनेरी भेज देवे? फिर तुसीं जाण लओगे कि मेरा डरावा किहो जिहा है। ते इन्हां तों पहिलां वालियां ने वी झुठलाइया सी: तां किहो जिही सख़्त सी मेरी फिटकार! की उन्हां ने अपणे उत्ते पंछियां नूं नहीं वेखिया, पर फैलाउंदे होए ते उन्हां नूं समेटदे होए? उन्हां नूं रहमान तों सिवा कोई नहीं थंमदा: बेशक ओह हर चीज़ नूं वेख रिहा है। भला ओह कौण है जो तुहाडा लशकर बण के, रहमान दे मुक़ाबले विच तुहाडी मदद करे? सच्च दे इनकारी निरे धोखे विच हन। भला ओह कौण है जो तुहानूं रोज़ी देवे जे ओह अपणी रोज़ी रोक लवे? बल्कि ओह सरकशी ते नफ़रत उत्ते अड़े होए हन। भला जो अपणे मूंह दे भार औंधा चल्लदा है ओह वध राह उत्ते है, जां ओह जो सिद्धे राह उत्ते सिद्धा हो के चल्लदा है? (13–22)

आख, “ओही है जिस ने तुहानूं पैदा कीता ते तुहाडे लई कन्न, अक्खां ते दिल बणाए—तुसीं किन्ना थोड़ा शुकर करदे हो!” आख, “ओही है जिस ने तुहानूं धरती विच फैलाइया, ते उसे दे हज़ूर तुसीं इकट्ठे कीते जाओगे।” ते ओह आखदे हन, “एह वादा कदों पूरा होवेगा, जे तुसीं सच्चे हो?” आख, “उस दा इल्म तां बस अल्लाह ही दे कोल है; ते मैं तां बस खुल्हा ख़बरदार करन वाला हां।” फिर जदों ओह उस नूं नेड़े आइया वेखणगे, तां सच्च दे इनकारियां दे चिहरे विगड़ जाणगे, ते आखिया जावेगा, “इही है ओह जिस नूं तुसीं मंगदे सी।” आख, “भला सोचो: जे अल्लाह मैनूं ते मेरे साथियां नूं हलाक कर देवे, जां साडे उत्ते रहम करे, तां सच्च दे इनकारियां नूं दर्दनाक अज़ाब तों कौण बचावेगा?” आख, “ओही रहमान है: असीं उस उत्ते ईमान लिआए ते उसे उत्ते असां ने भरोसा कीता। सो छेती ही तुसीं जाण लओगे कि खुल्ही गुमराही विच कौण है।” (23–29)

आख, “भला सोचो: जे तुहाडा पाणी ज़मीन विच हेठां उतर जावे, तां कौण है जो तुहाडे लई वगदा पाणी लै आवे?”[52] (30)

[52] **ओह पाणी जो हेठां उतर सकदा है: क़ुरआन 67:30 दी इक्क फ़लसफ़ी ते दीनी तफ़सीर**

68. क़लम (अल-क़लम)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

नून। क़सम है क़लम दी ते उस दी जो ओह लिखदे हन, तूं, ऐ नबी, अपणे रब्ब दे फ़ज़ल नाल दीवाना नहीं। ते बेशक तेरे लई अजिहा अजर है जो कदे ख़तम ना होवेगा, ते बेशक तूं बड़े उच्चे अख़लाक़ उत्ते हैं। सो छेती ही तूं वी वेख लवेंगा, ते ओह वी वेख लैणगे, कि तुहाडे विचों कौण जनून विच पिया है। बेशक तेरा रब्ब ख़ूब जाणदा है कि कौण उस दे राह तों भटकिया, ते ओह उन्हां नूं वी ख़ूब जाणदा है जो हिदायत उत्ते हन। सो तूं झुठलाउण वालियां दी गल्ल ना मन्न: ओह चाहुंदे हन कि तूं ढिल्ला पवें, तां ओह वी ढिल्ले पै जाण। ते किसे अजिहे दी गल्ल ना मन्न जो बहुतियां क़समां खाण वाला निगूणा होवे, ताअने देण वाला, चुग़लियां लाई फिरन वाला, भलाई तों रोकण वाला, हद्द तों लंघण वाला, गुनाहगार, उजड्ड ते, इस सभ तों इलावा, बद-असल—बस इस लई कि ओह माल ते पुत्तरां वाला है। जदों उस नूं साडियां आयतां पढ़ के सुणाइयां जांदियां हन तां आखदा है, "अगलियां दियां कहाणियां!" छेती ही असीं उस दी थूथनी उत्ते दाग़ लावांगे। (1–16)

असां ने इन्हां नूं उसे तरां आज़माइया है जिवें बाग़ वालियां नूं आज़माइया सी, जदों उन्हां ने क़सम खाधी कि सवेर हुंदे ही उस दा फल ज़रूर तोड़ लैणगे, ते अल्लाह दी मर्ज़ी दी कोई गुंजाइश ना रक्खी। सो तेरे रब्ब वल्लों इक्क फिरन वाली आफ़त उस उत्ते फिर गई जदों ओह सुत्ते पए सन, तां सवेर नूं ओह कट्टी होई खेती वरगा हो गिया। फिर सवेर हुंदे ही उन्हां ने इक्क दूजे नूं अवाज़ां दित्तियां: "अपणी खेती उत्ते सवेरे-सवेरे चल्लो, जे तुसीं फल तोड़ना है।" सो ओह चल्ल पए, आपस विच चुपके-चुपके आखदे होए: "अज्ज इस विच तुहाडे कोल कोई मुहताज ना आ वड़े।" ते ओह सवेरे-सवेरे इस पक्के इरादे नाल निकले, इउं समझदे होए कि उन्हां दा वस चल्लदा है। पर जदों उन्हां ने उस नूं वेखिया, तां आखिया, "असीं ज़रूर राह भुल्ल गए हां! नहीं—बल्कि असीं महिरूम रह गए!" उन्हां विचों जो सभ तों सुलझिया होइया सी उस ने आखिया, "की मैं तुहानूं आखिया नहीं सी, कि तुसीं अल्लाह दी तसबीह क्यों नहीं करदे?" उन्हां ने आखिया, "पाक है साडा रब्ब! बेशक असीं ही ज़ालिम सां।" फिर ओह इक्क दूजे वल्ल मूंह करके मलामत करन लग्गे। उन्हां ने आखिया, "हाए साडी कमबख़्ती! बेशक असीं ही सरकश सां। उम्मीद है कि साडा रब्ब सानूं इस दी थां इस तों बिहतर दे देवे: असीं अपणे रब्ब ही वल्ल उम्मीद ला के मुड़दे हां।" अज़ाब इहो जिहा हुंदा है; ते आख़िरत दा अज़ाब तां इस तों किते वड्डा है, काश ओह जाणदे। (17–33)

बेशक अल्लाह तों सुचेत रहण वालियां लई उन्हां दे रब्ब दे कोल नेमतां भरे बाग़ हन। तां की असीं फ़रमांबरदारां नूं मुजरिमां वरगा कर देईए? तुहानूं की हो गिया है? तुसीं किहो जिहा फ़ैसला करदे हो? जां तुहाडे कोल कोई किताब है जिस विच तुसीं पढ़दे हो कि तुहाडे लई उस विच ओही कुझ है जो तुसीं पसंद करो? जां तुहाडे लई साडे ज़िंमे क़ियामत दे दिन तक्क पहुंचण वालियां क़समां हन, कि तुहाडे लई ओही कुझ है जो तुसीं फ़ैसला करो? उन्हां तों पुच्छ कि उन्हां विचों कौण इस दा ज़ामिन है! जां उन्हां दे कुझ शरीक हन? तां ओह अपणे शरीकां नूं लै आउण, जे ओह सच्चे हन। जिस दिन पिंडली खोल्ही जावेगी ते उन्हां नूं

सजदे लई बुलाइया जावेगा, तां ओह सजदा ना कर सकणगे; उन्हां दियां अक्खां नीवियां होणगियां, ज़िल्लत उन्हां उत्ते छाई होवेगी। ते उन्हां नूं सजदे लई उस वेले बुलाइया जांदा सी जदों ओह भले-चंगे सन। (34–43)

सो मैनूं ते उन्हां नूं जो इस कलाम नूं झुठलाउंदे हन छड्ड दे: असीं उन्हां नूं हौली-हौली उत्थों खिच्चांगे जित्थों उन्हां नूं पता वी ना होवेगा। ते मैं उन्हां नूं मुहलत दिंदा हां, बेशक मेरी तदबीर बड़ी पक्की है। जां की तूं उन्हां तों कोई मुआवज़ा मंगदा हैं, कि ओह क़र्ज़ दे बोझ हेठ दबे जा रहे हन? जां उन्हां दे कोल ग़ैब है, कि ओह लिख लैंदे हन? सो अपणे रब्ब दे हुक्म दी सब्र नाल उडीक कर, ते मच्छी वाले वरगा ना हो, जदों उस ने पुकारिया ते ओह ग़म नाल घुटिया होइया सी। जे उस दे रब्ब दी नेमत उस नूं ना संभालदी, तां ओह मलामत दी हालत विच चटियल मैदान विच सुट्ट दित्ता जांदा। पर उस दे रब्ब ने उस नूं चुण लिया ते उस नूं नेकां विचों कर दित्ता। ते सच्च दे इनकारी जदों नसीहत सुणदे हन तां इउं लग्गदा है कि अपणियां निगाहां नाल तैनूं तिलका देणगे, ते आखदे हन, “एह तां यक़ीनन दीवाना है!” हालांकि एह तां सारे जहानां लई बस इक्क नसीहत है। (44–52)

69. हो के रहण वाली घड़ी (अल-हाक़्क़ा)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

हो के रहण वाली घड़ी! की है ओह हो के रहण वाली घड़ी? ते तैनूं की पता कि ओह हो के रहण वाली घड़ी की है? (1–3)

समूद ते आद ने उस खड़का देण वाली आफ़त नूं झुठलाइया। सो रहे समूद, तां ओह हद्द तों वधी होई कड़क नाल हलाक कीते गए; ते रहे आद, तां ओह इक्क शूकदी होई तेज़ हनेरी नाल हलाक कीते गए, जिस नूं उस ने सत्त रातां ते अट्ठ दिन लगातार उन्हां उत्ते छड्डी रक्खिया, सो तूं उन्हां लोकां नूं उत्थे इउं डिग्गे पए वेखदा, जिवें ओह डिग्गे होए खजूरां दे खोखले तणे होण। तां की तैनूं उन्हां विचों कोई बचिया होइया दिसदा है? ते फ़िरऔन ने, ते उस तों पहिलां वालियां ने, ते उलटी होइयां बस्तियां ने, सभनां ने वड्डी ख़ता कीती; उन्हां ने अपणे रब्ब दे रसूल दी नाफ़रमानी कीती, सो उस ने उन्हां नूं वधदी जांदी सख़्त फड़ विच फड़ लिया। बेशक जदों पाणी हद्द तों चढ़ गिया, तां असां ने तुहानूं चल्लदी होई किश्ती विच सवार कीता, तां जो असीं उस नूं तुहाडे लई नसीहत बणा देईए, ते याद रक्खण वाले कन्न उस नूं याद रक्खण। (4–12)

फिर जदों सूर विच इक्को वारी फूक मारी जावेगी, ते धरती ते पहाड़ चुक्क के इक्को सट्ट विच चूर-चूर कर दित्ते जाणगे, तां उस दिन ओह घटना वापर जावेगी; ते असमान फट जावेगा, सो उस दिन ओह बोदा होवेगा; ते फ़रिश्ते उस दे किनारियां उत्ते होणगे, ते उस दिन तेरे रब्ब दे अर्श नूं अट्ठ अपणे उत्ते चुक्की होणगे। उस दिन तुसीं पेश कीते जाओगे: तुहाडा कोई भेत छुपिया ना रहेगा। सो जिस नूं उस दी किताब उस दे सज्जे हत्थ विच दित्ती जावेगी ओह आखेगा, "लओ, मेरी किताब पढ़ो! मैनूं यक़ीन सी कि मैं अपणे हिसाब नूं मिलण वाला हां।" सो ओह मन-भाउंदी ज़िंदगी विच होवेगा, उच्ची जन्नत विच, जिस दे फलां दे गुच्छे झुके होए नेड़े होणगे। "रज्ज के खाओ ते पीओ उस दे बदले जो तुसीं बीते दिनां विच अग्गे भेजिया।" ते जिस नूं उस दी किताब उस दे खब्बे हत्थ विच दित्ती जावेगी ओह आखेगा, "काश मैनूं मेरी किताब ना दित्ती जांदी, ते मैं ना जाणदा कि मेरा हिसाब की है! काश मौत ही कम्म तमाम कर दिंदी! मेरा माल मेरे कुझ कम्म ना आइया; मेरा इक़तिदार मेरे तों जांदा रिहा।" "इस नूं फड़ो ते इस नूं तौक़ पा देओ, फिर इस नूं जहन्नम विच झोक देओ, फिर इस नूं सत्तर हत्थ लंबी ज़ंजीर विच जकड़ देओ!" बेशक ओह अज़मत वाले अल्लाह उत्ते ईमान नहीं रक्खदा सी, ते ना मुहताज नूं खाणा खुआउण दी तरग़ीब दिंदा सी। सो अज्ज इत्थे ना उस दा कोई दोस्त है, ते ना ज़ख़मां दे धोवण तों सिवा कोई खाणा, जिस नूं बस ख़ताकार ही खांदे हन। (13–37)

सो मैं क़सम खांदा हां उस दी जो तुसीं वेखदे हो ते उस दी जो तुसीं नहीं वेखदे: बेशक एह इक्क इज़्ज़त वाले रसूल दा क़ौल है, ते एह किसे शाइर दा क़ौल नहीं—तुसीं किन्ना थोड़ा ईमान लिआउंदे हो!— ते ना किसे काहन दा क़ौल है—तुसीं किन्नी थोड़ी नसीहत फड़दे हो! एह सारे जहानां दे रब्ब वल्लों उतारिया होइया है। ते जे ओह साडे नाम कुझ गल्लां घड़ लैंदा, तां असीं उस नूं सज्जे हत्थों फड़ लैंदे, फिर उस दी शाह-रग कट्ट

दिंदे, फिर तुहाडे विचों कोई उस नूं बचा ना सकदा। ते बेशक एह अल्लाह तों सुचेत रहण वालियां लई इक्क नसीहत है। ते असीं जाणदे हां कि तुहाडे विचों कुझ इस नूं झुठलाउण वाले हन; ते बेशक एह सच्च दे इनकारियां लई पछतावे दा कारन होवेगा; ते बेशक एह यक़ीनी सच्च है। सो अपणे अज़मत वाले रब्ब दे नाम दी तसबीह कर। (38–52)

70. चढ़ाई दे राह (अल-मआरिज)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

इक्क मंगण वाले ने उस अज़ाब दी मंग कीती जो सच्च दे इनकारियां उत्ते वापर के रहिणा है—उस नूं कोई टालण वाला नहीं— अल्लाह वल्लों, जो चढ़ाई दे राहां दा मालिक है। फ़रिश्ते ते रूह उस वल्ल इक्क अजिहे दिन विच चढ़दे हन जिस दी मिक़दार पंजाह हज़ार साल है। सो सब्र कर, सोहणा सब्र। ओह उस नूं दूर समझदे हन, ते असीं उस नूं नेड़े वेखदे हां: जिस दिन असमान पिघले होए तांबे वरगा होवेगा ते पहाड़ रंगी होई उन्न दे फंभियां वरगे, ते कोई दोस्त किसे दोस्त नूं ना पुच्छेगा, हालांकि ओह इक्क दूजे नूं दिखाए जाणगे। मुजरिम चाहेगा कि काश उस दिन दे अज़ाब तों छुट्टण लई फ़िदिए विच दे देवे अपणे पुत्तर, ते अपणी पतनी, ते अपणा भरा, ते अपणा ओह कुनबा जो उस नूं पनाह दिंदा सी, ते ज़मीन दे सारे लोक—फिर एह उस नूं बचा लवे। हरगिज़ नहीं! ओह इक्क भड़कदा होइया शोला है, जो सिर दी खल्ल उधेड़ लैंदा है, ओह हर उस आदमी नूं पुकारदा है जिस ने पिट्ठ फेरी ते मूंह मोड़िया, ते माल इकट्ठा कीता ते उस नूं संभाल-संभाल रक्खिया। (1–18)

बेशक इनसान बेसबरा पैदा कीता गिया है: जदों उस नूं तकलीफ़ पहुंचदी है तां घबरा उट्ठदा है, ते जदों उस नूं भलाई मिलदी है तां कंजूसी करदा है— सिवाए नमाज़ियां दे, जो अपणी नमाज़ उत्ते सदा क़ायम रहिंदे हन; ते जिन्हां दे मालां विच मंगण वाले ते महिरूम दा इक्क जाणिया-पछाणिया हक़ है; ते जो बदले दे दिन नूं सच्च मन्नदे हन; ते जो अपणे रब्ब दे अज़ाब तों डरदे हन— बेशक उन्हां दे रब्ब दा अज़ाब अजिही चीज़ नहीं जिस तों कोई बेख़ौफ़ होवे— ते जो अपणी पाकदामनी दी हिफ़ाज़त करदे हन, सिवाए अपणियां पतनियां जां अपणियां बांदियां दे, कि इस विच उन्हां उत्ते कोई मलामत नहीं— पर जो कोई इस तों अग्गे चाहे, तां ओही हद्द तों लंघण वाले हन— ते जो अपणियां अमानतां ते अपणे अहिद दा पास रक्खदे हन; ते जो अपणियां गवाहियां उत्ते क़ायम रहिंदे हन; ते जो अपणी नमाज़ दी हिफ़ाज़त करदे हन। इही लोक बाग़ां विच इज़्ज़त नाल होणगे। (19–35)

सो सच्च दे इनकारियां नूं की हो गिया है, कि ओह तेरे वल्ल, ऐ नबी, दौड़दे चले आ रहे हन, सज्जिओं ते खब्बिओं, टोलियां दियां टोलियां? की उन्हां विचों हर इक्क एह लालच रक्खदा है कि नेमतां भरी जन्नत विच दाख़िल कीता जावे? हरगिज़ नहीं! असां ने उन्हां नूं उस चीज़ तों पैदा कीता है जिस नूं ओह जाणदे हन। सो मैं क़सम खांदा हां चढ़दे ते लहिंदे पासियां दे रब्ब दी कि असीं यक़ीनन इस उत्ते क़ादिर हां कि उन्हां दी थां उन्हां तों बिहतर लै आईए, ते साडे तों कोई अग्गे निकल जाण वाला नहीं। सो उन्हां नूं छड्ड दे कि बेहूदा गल्लां विच पए रहण ते खेडदे रहण इत्थों तक्क कि अपणे उस दिन नूं जा मिलण जिस दा उन्हां नाल वादा कीता जांदा है: जिस दिन ओह क़बरां विचों दौड़दे होए निकलणगे, जिवें किसे निशाने वल्ल दौड़ रहे होण, उन्हां दियां अक्खां नीवियां होणगियां, ज़िल्लत उन्हां उत्ते छाई होवेगी। इही है ओह दिन जिस दा उन्हां नाल वादा कीता जांदा सी। (36–44)

71. नूह (नूह)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

बेशक असां ने नूह नूं उस दी क़ौम वल्ल भेजिया: “अपणी क़ौम नूं ख़बरदार कर इस तों पहिलां कि उन्हां उत्ते दर्दनाक अज़ाब आ जावे।” उस ने आखिया, “ऐ मेरी क़ौम, मैं तुहाडे लई खुल्हा ख़बरदार करन वाला हां: कि अल्लाह दी इबादत करो, उस तों सुचेत रहो, ते मेरी गल्ल मन्नो। ओह तुहाडे गुनाह बख़्श देवेगा ते तुहानूं इक्क मुक़र्रर वक़्त तक्क मुहलत देवेगा। बेशक जदों अल्लाह दा मुक़र्रर कीता होइया वक़्त आ जांदा है तां उस नूं टालिया नहीं जांदा, काश तुसीं जाणदे।” (1–4)

उस ने आखिया, “ऐ मेरे रब्ब, मैं अपणी क़ौम नूं रात ते दिन बुलाइया, पर मेरे बुलाउण ने उन्हां दे भज्जण नूं ही वधाइया। ते जदों वी मैं उन्हां नूं बुलाइया, तां जो तूं उन्हां नूं बख़्श देवें, उन्हां ने अपणियां उंगलियां अपणे कन्नां विच तुन्न लईयां, ते अपणे कप्पड़े अपणे उत्ते लपेट लए, ते अड़े रहे ते बड़ा भारी घमंड कीता। फिर मैं उन्हां नूं खुल्ह के बुलाइया; फिर मैं उन्हां नूं ज़ाहिर करके वी आखिया ते चुपके-चुपके वी समझाइया, ते आखिया, अपणे रब्ब तों बख़शिश मंगो: बेशक ओह बड़ा बख़्शण वाला है। ओह तुहाडे उत्ते असमान तों मूसलाधार मींह वर्हावेगा, ते माल ते पुत्तरां नाल तुहाडी मदद करेगा, ते तुहाडे लई बाग़ बणावेगा ते तुहाडे लई नहरां बणावेगा। तुहानूं की हो गिया है, कि तुसीं अल्लाह दी अज़मत दी उम्मीद नहीं रक्खदे, हालांकि उस ने तुहानूं तरां-तरां दे मरहलियां विच पैदा कीता? की तुसीं नहीं वेखिया कि अल्लाह ने किवें सत्त असमान तहि-दर-तहि पैदा कीते, ते उन्हां विच चंन नूं नूर बणाइया ते सूरज नूं चिराग़ बणाइया? ते अल्लाह ने तुहानूं ज़मीन विचों इक्क ख़ास ढंग नाल उगाइया, फिर ओह तुहानूं उसे विच मोड़ देवेगा, ते तुहानूं नवें सिरिओं बाहर कढ्ढेगा। ते अल्लाह ने तुहाडे लई ज़मीन नूं विछौणा बणाइया, तां जो तुसीं उस दे खुल्हे राहां उत्ते चल्लो।” (5–20)

नूह ने आखिया, “ऐ मेरे रब्ब, इन्हां ने मेरी नाफ़रमानी कीती ते उन्हां दे पिच्छे चल्ले जिन्हां दे माल ते औलाद ने उन्हां दा घाटा ही वधाइया। ते उन्हां ने बड़ी भारी चाल चल्ली, ते आखिया, अपणे माबूदां नूं हरगिज़ ना छड्डणा: ना वद्द नूं छड्डणा, ना सुवाअ नूं, ते ना यगूस, यऊक़ ते नसर नूं। ते उन्हां ने बहुतियां नूं गुमराह कर दित्ता है। ऐ मेरे रब्ब, ज़ालिमां नूं गुमराही तों सिवा किसे चीज़ विच ना वधा।” (21–24)

अपणे गुनाहां दे कारन ओह डोब दित्ते गए फिर अग्ग विच दाख़िल कर दित्ते गए, तां उन्हां ने अल्लाह तों सिवा अपणा कोई मददगार ना पाइया। ते नूह ने आखिया, “ऐ मेरे रब्ब, सच्च दे इनकारियां विचों ज़मीन उत्ते इक्क वी वसण वाला ना छड्ड। जे तूं इन्हां नूं छड्ड दित्ता, तां एह तेरे बंदियां नूं गुमराह करनगे ते बदकार, इनकारी औलाद ही जणनगे। ऐ मेरे रब्ब, मैनूं बख़्श दे ते मेरे मां-पिओ नूं, ते जो कोई ईमान दी हालत विच मेरे घर विच दाख़िल होवे, ते ईमान वाले मरदां ते ईमान वालियां औरतां नूं वी; ते ज़ालिमां नूं तबाही तों सिवा किसे चीज़ विच ना वधा।” (25–28)

72. जिन्न (अल-जिन्न)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

आख, ऐ नबी, "मेरे वल्ल वह्य कीती गई है कि जिन्नां दी इक्क टोली ने कन्न ला के सुणिया ते आखिया, असां ने इक्क अजीब क़ुरआन सुणिया है, जो भलाई दे राह वल्ल रहिनुमाई करदा है, सो असीं उस उत्ते ईमान लै आए: ते असीं कदे किसे नूं अपणे रब्ब दा शरीक ना ठहरावांगे। ते एह कि साडे रब्ब दी शान बहुत उच्ची है: उस ने ना कोई पतनी बणाई ना पुत्तर। ते एह कि साडे विचों बेवक़ूफ़ अल्लाह बारे हद्द तों वधी होइयां गल्लां आखदे रहे हन, ते एह कि असां ने समझिया सी कि इनसान ते जिन्न अल्लाह उत्ते कदे झूठ ना बोलणगे। ते एह कि इनसानां विचों कुझ मरद जिन्नां विचों कुझ मरदां दी पनाह लैंदे सन, सो उन्हां ने उन्हां दी सरकशी होर वधा दित्ती। ते एह कि उन्हां ने वी समझिया, जिवें तुसीं समझिया, कि अल्लाह किसे नूं कदे ना उठावेगा। ते एह कि असां ने असमान नूं टटोलिया तां उस नूं सख़्त पहिरेदारां ते शोलियां नाल भरिया होइया पाइया। ते एह कि असीं उत्थे सुणन दियां थावां उत्ते बैठिया करदे सां, पर हुण जो कोई सुणन दी कोशिश करदा है ओह अपणे लई इक्क शोला घात विच पाउंदा है। ते एह कि असीं नहीं जाणदे कि ज़मीन वालियां नाल किसे बुराई दा इरादा कीता गिया है, जां उन्हां दे रब्ब ने उन्हां नूं भलाई दा राह दिखाउण दा इरादा कीता है। ते एह कि साडे विचों कुझ नेक हन, ते कुझ होर तरां दे: असीं वक्खो-वक्ख राहां उत्ते सां। ते एह कि असां ने समझ लिया है कि असीं ज़मीन विच अल्लाह नूं कदे आजिज़ नहीं कर सकदे, ते ना भज्ज के उस नूं आजिज़ कर सकदे हां। ते एह कि जदों असां ने हिदायत सुणी तां असीं उस उत्ते ईमान लै आए; सो जो कोई अपणे रब्ब उत्ते ईमान लिआवे उस नूं ना किसे घाटे दा डर है ना ज़िआदती दा। ते एह कि साडे विचों कुझ फ़रमांबरदार हन, ते कुझ राह तों हटे होए। सो जो फ़रमांबरदार हो गए उन्हां ने भलाई दा राह ढूंढ लिया; ते जो राह तों हटे होए हन ओह जहन्नम दा बालण होणगे।" (1–15)

ते जे ओह सिद्धे राह उत्ते जमे रहिंदे, तां असीं उन्हां नूं रज्ज के पाणी पिलाउंदे, तां जो उस विच उन्हां नूं आज़माईए; ते जो कोई अपणे रब्ब दी याद तों मूंह मोड़े, ओह उस नूं चढ़दे जांदे सख़्त अज़ाब विच पा देवेगा। ते एह कि मसजिदां अल्लाह ही लई हन, सो अल्लाह दे नाल किसे होर नूं ना पुकारो। ते एह कि जदों अल्लाह दा बंदा उस नूं पुकारन लई खड़ा होइया, तां ओह उस उत्ते भीड़ बण के टुट्ट पैण नूं सन। आख, "मैं तां बस अपणे रब्ब नूं ही पुकारदा हां, ते उस दे नाल किसे नूं शरीक नहीं ठहराउंदा।" आख, "मैं तुहाडे लई ना किसे नुक़सान दा इख़तियार रक्खदा हां ना भलाई दे राह दा।" आख, "मैनूं अल्लाह तों कोई नहीं बचा सकदा, ते ना मैं उस तों सिवा कोई पनाह दी थां पा सकदा हां— मेरा कम्म तां बस अल्लाह वल्लों गल्ल ते उस दे पैग़ाम पहुंचा देणा है। ते जो कोई अल्लाह ते उस दे रसूल दी नाफ़रमानी करे उस लई जहन्नम दी अग्ग है, जिस विच ओह सदा-सदा रहिणगे।" इत्थों तक्क कि जदों ओह उस चीज़ नूं वेख लैणगे जिस दा उन्हां नाल वादा कीता जांदा है, तां जाण लैणगे कि किस दे मददगार वध कमज़ोर हन ते किस दी गिणती घट्ट है। आख, "मैं नहीं जाणदा कि जिस चीज़ दा तुहाडे नाल वादा कीता जांदा है ओह नेड़े है, जां मेरे रब्ब ने उस लई कोई

लंबी मुद्दत मुक़र्रर कीती है। ओह ग़ैब दा जाणन वाला है, ते अपणे ग़ैब उत्ते किसे नूं ख़बरदार नहीं करदा, सिवाए उस रसूल दे जिस नूं ओह पसंद करे; फिर ओह उस दे अग्गे ते उस दे पिच्छे पहिरेदार ला दिंदा है, तां जो ओह जाण लवे कि उन्हां ने अपणे रब्ब दे पैग़ाम पहुंचा दित्ते। ते जो कुझ उन्हां दे कोल है उस ने उस नूं घेर रक्खिया है, ते हर चीज़ नूं गिणती विच गिण रक्खिया है।" (16–28)

73. कप्पड़े विच लिपटण वाला (अल-मुज़्ज़म्मिल)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

ऐ कप्पड़े विच लिपटण वाले, रात नूं नमाज़ विच खड़ा रिहा कर, सिवाए थोड़े हिस्से दे— अद्धी रात, जां उस तों कुझ घट्ट कर लै, जां उस उत्ते कुझ वधा दे—ते क़ुरआन नूं ठहिर-ठहिर के साफ़-साफ़ पढ़। बेशक असीं छेती ही तेरे उत्ते इक्क भारी कलाम उतारन वाले हां। बेशक रात दा उट्ठणा दिल उत्ते वध गूढ़ा असर करदा है ते गल्ल नूं वध सिद्धा रक्खदा है, किउंकि दिन विच तेरे लई लंबे रुझेवें हन। ते अपणे रब्ब दे नाम नूं याद कर ते सभ तों कट के उसे दा हो जा। ओह पूरब ते पच्छम दा रब्ब है, उस तों सिवा कोई माबूद नहीं, सो उसे नूं अपणा कारसाज़ बणा लै। ते जो कुझ ओह आखदे हन उस उत्ते सब्र कर, ते भले तरीक़े नाल उन्हां तों वक्ख हो जा। ते मैनूं ते इन्हां झुठलाउण वालियां नूं जो ख़ुशहाली विच हन छड्ड दे, ते इन्हां नूं थोड़ी देर मुहलत दे। बेशक साडे कोल बेड़ियां हन ते भड़कदी अग्ग, ते गल विच फसण वाला खाणा, ते दर्दनाक अज़ाब, जिस दिन धरती ते पहाड़ कंब उट्ठणगे, ते पहाड़ भुर-भुरी रेत दे टिब्बे बण जाणगे। (1–14)

बेशक असां ने तुहाडे वल्ल इक्क रसूल भेजिया है जो तुहाडे उत्ते गवाह है, जिवें असां ने फ़िरऔन वल्ल इक्क रसूल भेजिया सी। पर फ़िरऔन ने उस रसूल दी नाफ़रमानी कीती, सो असां ने उस नूं बड़ी सख़्त फड़ विच फड़ लिया। तां जे तुसीं सच्च दा इनकार करोगे, तां उस दिन तों किवें बचोगे जो बच्चियां नूं बुड्ढा कर देवेगा, जिस दिन असमान फट जावेगा? उस दा वादा पूरा हो के रहिणा है। बेशक एह इक्क नसीहत है: सो जो चाहे अपणे रब्ब वल्ल राह फड़ लवे। (15–19)

बेशक तेरा रब्ब जाणदा है कि तूं, ऐ नबी, रात दे लगभग दो-तिहाई हिस्से, जां अद्धी रात, जां इक्क-तिहाई रात नमाज़ विच खड़ा रहिंदा हैं, ते तेरे साथियां विचों इक्क गिरोह वी। ते अल्लाह ही रात ते दिन दा अंदाज़ा मुक़र्रर करदा है; उस ने जाण लिया कि तुसीं इस नूं पूरा ना निभा सकोगे, सो उस ने तुहाडे उत्ते मिहर कीती। सो हुण क़ुरआन विचों जिन्ना सौखा होवे पढ़ लिआ करो। उस ने जाण लिया कि तुहाडे विचों कुझ बीमार होणगे, ते कुझ होर ज़मीन विच अल्लाह दा फ़ज़ल तलाश करदे सफ़र करनगे, ते कुझ होर अल्लाह दे राह विच लड़नगे। सो उस विचों जिन्ना सौखा होवे पढ़ लिआ करो, ते नमाज़ क़ायम करो, ज़कात देओ, ते अल्लाह नूं चंगा क़र्ज़ देओ। ते जो भलाई वी तुसीं अपणे लई अग्गे भेजोगे उस नूं अल्लाह दे कोल पाओगे, बिहतर ते अजर विच वड्डी। ते अल्लाह तों बख़शिश मंगो: बेशक अल्लाह बड़ा बख़्शण वाला, सदा रहम करन वाला है। (20)

74. चादर ओढण वाला (अल-मुद्दस्सिर)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

ऐ चादर ओढण वाले, उट्ठ ते ख़बरदार कर! ते अपणे रब्ब दी—वडिआई बिआन कर; ते अपणे कप्पड़े—पाक रक्ख; ते हर गंदगी—उस तों दूर रह; ते वध लैण लई अहिसान ना कर; ते अपणे रब्ब दी ख़ातिर सब्र कर। (1–7)

फिर जदों सूर विच फूक मारी जावेगी, तां ओह दिन बड़ा सख़्त दिन होवेगा, सच्च दे इनकारियां लई ज़रा वी सौखा नहीं। मैनूं ते उस नूं छड्ड दे जिस नूं मैं इकल्ला पैदा कीता, ते जिस नूं मैं बहुत सारा माल दित्ता ते हाज़िर रहण वाले पुत्तर, ते जिस लई मैं हर तरां दा राह पद्धरा कीता— फिर वी ओह लालच रक्खदा है कि मैं होर दिआं। हरगिज़ नहीं! ओह साडियां आयतां दा वैरी रिहा है। छेती ही मैं उस नूं इक्क औखी चढ़ाई चढ़ावांगा। उस ने सोचिया ते अंदाज़ा लाइया— सो मारिया जावे, उस ने किहो जिहा अंदाज़ा लाइया! फिर मारिया जावे, उस ने किहो जिहा अंदाज़ा लाइया! फिर उस ने वेखिया; फिर मत्थे वट्ट पाइया ते मूंह विगाड़िया; फिर पिट्ठ फेरी ते घमंड कीता, ते आखिया, "एह तां बस जादू है जो चल्लदा आ रिहा है; एह तां बस इनसान दा क़ौल है।" (8–25)

छेती ही मैं उस नूं सक़र विच झोक दिआंगा। ते तैनूं की पता कि सक़र की है? ओह ना बाक़ी रक्खदी है ना छड्डदी है, इनसान दी खल्ल नूं झुलसा देण वाली। उस उत्ते उन्नी मुक़र्रर हन। ते असां ने अग्ग दे दरोग़े फ़रिश्ते ही बणाए हन, ते असां ने उन्हां दी गिणती नूं सच्च दे इनकारियां लई बस आज़माइश ही बणाइया है, तां जो जिन्हां नूं किताब दित्ती गई उन्हां नूं यक़ीन आ जावे, ते ईमान वालियां दा ईमान होर वधे, ते जिन्हां नूं किताब दित्ती गई ओह ते ईमान वाले शक्क ना करन; ते तां जो ओह जिन्हां दे दिलां विच रोग है ते सच्च दे इनकारी आखण, "इस मिसाल तों अल्लाह दी मुराद की है?" इसे तरां अल्लाह जिस नूं चाहुंदा है भटकण दिंदा है ते जिस नूं चाहुंदा है हिदायत दिंदा है; ते तेरे रब्ब दे लशकरां नूं उस तों सिवा कोई नहीं जाणदा। ते एह तां इनसानां लई बस इक्क नसीहत है। हरगिज़ नहीं! क़सम है चंन दी, ते रात दी जदों ओह पिट्ठ फेरे, ते सवेर दी जदों ओह रौशन होवे, बेशक ओह वड्डियां चीज़ां विचों इक्क है, इनसानां लई डरावा, तुहाडे विचों हर उस लई जो अग्गे वधणा चाहे जां पिच्छे रहणा। (26–37)

हर जान अपणी कमाई दे बदले गिरवी है, सिवाए सज्जे हत्थ वालियां दे, जो बाग़ां विच होणगे, मुजरिमां बारे पुच्छ रहे होणगे: "तुहानूं सक़र विच किस चीज़ ने पहुंचाइया?" ओह आखणगे, "असीं नमाज़ पढ़न वालियां विचों ना सां, ते ना मुहताज नूं खाणा खुआउंदे सां; ते बेहूदा गल्लां विच पैण वालियां दे नाल असीं वी पै जांदे सां, ते असीं बदले दे दिन नूं झुठलाउंदे सां इत्थों तक्क कि साडे उत्ते यक़ीनी चीज़ आ गई।" सो सिफ़ारिश करन वालियां दी सिफ़ारिश उन्हां दे कुझ कम्म ना आवेगी। (38–48)

तां उन्हां नूं की हो गिया है, कि ओह नसीहत तों इउं मूंह मोड़दे हन जिवें ओह बिदके होए गधे होण जो शेर तों भज्ज रहे होण? बल्कि उन्हां विचों हर इक्क चाहुंदा है कि उस नूं असमान तों खुल्हे होए सहीफ़े दित्ते जाण। हरगिज़ नहीं! असल गल्ल एह है कि ओह आख़िरत तों नहीं डरदे। हरगिज़ नहीं! बेशक एह इक्क नसीहत है: सो जो चाहे इस तों नसीहत फड़े। पर ओह नसीहत ना फड़नगे सिवाए इस दे कि अल्लाह चाहे। ओही इस लायक़ है कि उस तों डरिया जावे, ते ओही इस लायक़ है कि बख़्श देवे। (49–56)

75. क़ियामत (अल-क़ियामा)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

मैं क़सम खांदा हां क़ियामत दे दिन दी, ते मैं क़सम खांदा हां अपणे आप नूं मलामत करन वाली जान दी! की इनसान समझदा है कि असीं उस दियां हड्डियां इकट्ठियां ना करांगे? क्यों नहीं: असीं इस उत्ते वी क़ादिर हां कि उस दे पोटे-पोटे ठीक कर देईए। बल्कि इनसान चाहुंदा है कि अपणे अग्गे दे वक़्त विच वी गुनाह करदा रहे; ओह पुच्छदा है, “एह क़ियामत दा दिन कदों होवेगा?” (1–6)

सो जदों निगाह चुंधिआ जावेगी, ते चंन गहिणिया जावेगा, ते सूरज ते चंन इकट्ठे कर दित्ते जाणगे— उस दिन इनसान आखेगा, “हुण किधर भज्जां?” हरगिज़ नहीं! कोई पनाह दी थां नहीं। उस दिन ठहिरन दी थां तेरे रब्ब ही दे कोल होवेगी। उस दिन इनसान नूं दस्स दित्ता जावेगा जो उस ने अग्गे भेजिया ते जो पिच्छे छड्डिया। बल्कि इनसान अपणे ख़िलाफ़ आप ही खुल्हा गवाह होवेगा, भावें ओह अपणे बहाने पेश करे। (7–15)

ऐ नबी, इस नूं छेती याद करन लई इस दे नाल अपणी ज़बान ना हिला: इस नूं इकट्ठा करना ते इस नूं पढ़वाउणा साडे ज़िंमे है, सो जदों असीं इस नूं पढ़ीए, तां तूं इस दे पढ़न दे पिच्छे चल्ल; फिर इस नूं खोल्ह के बिआन करना वी साडे ही ज़िंमे है। (16–19)

हरगिज़ नहीं! बल्कि तुसीं लोक छेती मिलण वाली ज़िंदगी नाल मुहब्बत करदे हो ते आख़िरत नूं छड्ड दिंदे हो। कुझ चिहरे उस दिन तर-ओ-ताज़ा होणगे, अपणे रब्ब वल्ल वेखदे होए; ते कुझ चिहरे उस दिन उदास होणगे, समझ रहे होणगे कि उन्हां उत्ते लक्क तोड़ देण वाली आफ़त आउण वाली है। (20–25)

हरगिज़ नहीं! जदों जान हस्स तक्क पहुंच जावेगी, ते आखिया जावेगा, “कौण है झाड़-फूक करन वाला?”, ते ओह समझ लवेगा कि एह जुदाई दा वेला है, ते पिंडली नाल पिंडली लिपट जावेगी— उस दिन तेरे रब्ब ही वल्ल हिक्के जाणा है। सो उस ने ना सच्च मन्निया ना नमाज़ पढ़ी, बल्कि झुठलाइया ते मूंह मोड़िया, फिर आकड़दा होइया अपणे घर वालियां वल्ल चला गिया। (26–33)

तबाही है तेरे लई, फिर तबाही! फिर तबाही है तेरे लई, फिर तबाही! की इनसान समझदा है कि उस नूं ऐवें ही छड्ड दित्ता जावेगा? की ओह टपकाई गई मनी दी इक्क बूंद ना सी, फिर चिंबड़न वाला रूप बणिया, फिर उस ने उस नूं पैदा कीता ते ठीक-ठाक कीता, ते उस तों दो जिनसां बणाइयां, नर ते मादा? की ओह इस उत्ते क़ादिर नहीं कि मुरदियां नूं ज़िंदा कर देवे? (34–40)

76. इनसान (अल-इनसान)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

की इनसान उत्ते ज़माने दा इक्क अजिहा वक़्त नहीं गुज़रिया जदों ओह कोई ज़िकर दे लायक़ चीज़ वी ना सी? बेशक असां ने इनसान नूं रली-मिली बूंद तों पैदा कीता, तां जो उस नूं आज़माईए; सो असां ने उस नूं सुणन वाला, वेखण वाला बणाइया। बेशक असां ने उस नूं राह दिखा दित्ता, हुण ओह शुकर करन वाला बणे जां नाशुकरा। (1–3)

बेशक असां ने सच्च दे इनकारियां लई ज़ंजीरां, तौक़ ते भड़कदी अग्ग तिआर कर रक्खी है। बेशक नेक लोक अजिहे जाम तों पीणगे जिस विच काफ़ूर दी मिलावट होवेगी, इक्क चश्मे तों जिस विचों अल्लाह दे बंदे पीणगे, उस नूं जित्थे चाहुणगे वगा के लै जाणगे। ओह अपणियां नज़रां पूरियां करदे हन, ते उस दिन तों डरदे हन जिस दी बुराई दूर-दूर तक्क फैली होवेगी; ते उस दी मुहब्बत विच मुहताज, यतीम ते क़ैदी नूं खाणा खुआउंदे हन: “असीं तुहानूं बस अल्लाह दी ख़ातिर खुआउंदे हां: असीं तुहाथों ना कोई बदला चाहुंदे हां, ना शुकरिआ। सानूं अपणे रब्ब वल्लों इक्क अजिहे दिन दा डर है जो मूंह विगाड़न वाला, बड़ा सख़्त होवेगा।” सो अल्लाह उन्हां नूं उस दिन दी बुराई तों बचा लवेगा, ते उन्हां नूं ताज़गी ते ख़ुशी बख़्शेगा, ते उन्हां दे सब्र दे बदले उन्हां नूं जन्नत ते रेशम देवेगा। उत्थे ओह तख़्तां उत्ते तकिए लाई बैठे होणगे, उत्थे ना धुप्प दी तेज़ी वेखणगे ना कड़ाके दी ठंढ; ते उस दे परछावें उन्हां उत्ते झुके होणगे, ते उस दे फलां दे गुच्छे नीवें करके उन्हां दी पहुंच विच कर दित्ते जाणगे। ते उन्हां दे विचकार चांदी दे भांडे फेरे जाणगे, ते शीशे दे पिआले—शीशे वरगे साफ़, पर चांदी दे—जिन्हां नूं उन्हां ने ठीक अंदाज़े नाल भरिया होवेगा। ते उत्थे उन्हां नूं अजिहा जाम पिलाइया जावेगा जिस विच सुंढ दी मिलावट होवेगी, उत्थे दे इक्क चश्मे तों जिस दा नाम सलसबील है। ते उन्हां दी ख़िदमत विच सदा इक्को जिहे रहण वाले लड़के फिरदे होणगे: जदों तूं उन्हां नूं वेखें तां उन्हां नूं खिंडे होए मोती समझें। ते जदों तूं उत्थे वेखेंगा, तां नेमत ही नेमत ते इक्क वड्डी बादशाही वेखेंगा। उन्हां दे उत्ते बारीक हरे रेशम दे ते मोटे रेशम दे कप्पड़े होणगे, ते उन्हां नूं चांदी दे कंगण पहिनाए जाणगे; ते उन्हां दा रब्ब उन्हां नूं पाक शराब पिलावेगा। “बेशक एह तुहाडा बदला है: ते तुहाडी कोशिश दी क़दर कीती गई।” (4–22)

बेशक असां ने ही तेरे उत्ते, ऐ नबी, एह क़ुरआन थोड़ा-थोड़ा करके उतारिया है। सो अपणे रब्ब दे हुक्म दी सब्र नाल उडीक कर, ते उन्हां विचों किसे गुनाहगार जां नाशुकरे दी गल्ल ना मन्न। ते सवेरे ते शाम अपणे रब्ब दे नाम नूं याद कर, ते रात दे कुझ हिस्से विच उस दे अग्गे सजदा कर, ते लंबी रात तक्क उस दी तसबीह कर। (23–26)

बेशक एह लोक छेती मिलण वाली ज़िंदगी नाल मुहब्बत करदे हन, ते अपणे पिच्छे इक्क भारी दिन नूं छड्ड दिंदे हन। असां ने ही उन्हां नूं पैदा कीता ते उन्हां दे जोड़-बंद मज़बूत कीते; ते जदों असीं चाहीए, तां उन्हां दी थां उन्हां वरगे होर लै आईए। (27–28)

बेशक एह इक्क नसीहत है: सो जो चाहे अपणे रब्ब वल्ल राह फड़ लवे। पर तुसीं नहीं चाह सकदे सिवाए इस दे कि अल्लाह चाहे। बेशक अल्लाह सभ कुझ जाणन वाला, हिकमत वाला है। ओह जिस नूं चाहुंदा है अपणी रहमत विच दाख़िल करदा है; ते ज़ालिमां लई उस ने दर्दनाक अज़ाब तिआर कर रक्खिया है। (29–31)

77. भेजियां जाण वालियां (अल-मुरसलात)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

क़सम है उन्हां दी जो इक्क दे पिच्छे इक्क भेजियां जांदियां हन, फिर उन्हां दी जो तूफ़ान दे ज़ोर नाल चल्लदियां हन, ते उन्हां दी जो दूर-दूर तक्क फैलाउंदियां हन, फिर उन्हां दी जो फाड़ के वक्ख-वक्ख करदियां हन, फिर उन्हां दी जो नसीहत उतारदियां हन, उज़र ख़तम करन लई जां ख़बरदार करन लई: जिस चीज़ दा तुहाडे नाल वादा कीता जांदा है ओह ज़रूर हो के रहिणी है। सो जदों तारे बुझा दित्ते जाणगे, ते जदों असमान फाड़ दित्ता जावेगा, ते जदों पहाड़ धूड़ करके उडा दित्ते जाणगे, ते जदों रसूल मुक़र्रर वक़्त उत्ते इकट्ठे कीते जाणगे— किस दिन लई एह सभ कुझ टालिया गिया है? फ़ैसले दे दिन लई। ते तैनूं की पता कि फ़ैसले दा दिन की है? तबाही है उस दिन सच्च दे इनकारियां लई! की असां ने अगलियां नूं हलाक नहीं कीता? फिर असीं पिछलियां नूं उन्हां दे पिच्छे ला दिंदे हां: असीं मुजरिमां दे नाल इसे तरां करदे हां। तबाही है उस दिन सच्च दे इनकारियां लई! (1–19)

की असां ने तुहानूं इक्क निगूणे पाणी तों पैदा नहीं कीता, फिर उस नूं इक्क महिफ़ूज़ थां विच रक्खिया इक्क जाणी-पछाणी मुद्दत तक्क? फिर असां ने अंदाज़ा ठहराइया—सो असीं किन्ना चंगा अंदाज़ा ठहराउण वाले हां! तबाही है उस दिन सच्च दे इनकारियां लई! की असां ने धरती नूं समेटण वाली नहीं बणाइया ज़िंदियां नूं वी ते मुरदियां नूं वी, ते उस विच अटल, उच्चे पहाड़ रक्खे, ते तुहानूं मिट्ठा पाणी पिलाइया? तबाही है उस दिन सच्च दे इनकारियां लई! (20–28)

“चल्लो उस वल्ल जिस नूं तुसीं झुठलाउंदे सी! चल्लो तिन्न शाख़ां वाले उस परछावें वल्ल, जो ना छां दिंदा है ना लपट तों बचाउंदा है।” ओह महिलां जिड्डे चंगिआड़े सुट्टदी है, जिवें ओह पीले ऊठ होण। तबाही है उस दिन सच्च दे इनकारियां लई! एह ओह दिन है जिस विच ओह बोल ना सकणगे, ते ना उन्हां नूं इजाज़त दित्ती जावेगी कि उज़र पेश करन। तबाही है उस दिन सच्च दे इनकारियां लई! “एह फ़ैसले दा दिन है: असां ने तुहानूं ते अगलियां नूं इकट्ठा कर दित्ता है। सो जे तुहाडे कोल कोई चाल है, तां मेरे ख़िलाफ़ चल्ल लओ!” तबाही है उस दिन सच्च दे इनकारियां लई! बेशक अल्लाह तों सुचेत रहण वाले छावां ते चश्मियां विच होणगे, ते उन्हां फलां विच जो ओह चाहुण: “रज्ज के खाओ ते पीओ उस दे बदले जो तुसीं करदे सी।” बेशक असीं नेकी करन वालियां नूं इसे तरां बदला दिंदे हां। तबाही है उस दिन सच्च दे इनकारियां लई! (29–45)

“खा लओ ते थोड़ी देर मज़े उडा लओ: बेशक तुसीं मुजरिम हो।” तबाही है उस दिन सच्च दे इनकारियां लई! ते जदों उन्हां नूं आखिया जांदा है, “झुको,” तां ओह नहीं झुकदे। तबाही है उस दिन सच्च दे इनकारियां लई! तां इस तों बाद ओह होर किस कलाम उत्ते ईमान लिआउणगे? (46–50)

78. वड्डी ख़बर (अन-नबा)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

ओह आपस विच किस चीज़ बारे पुच्छ रहे हन? उस वड्डी ख़बर बारे, जिस विच ओह इख़तिलाफ़ कर रहे हन। हरगिज़ नहीं! छेती ही ओह जाण लैणगे। फिर हरगिज़ नहीं! छेती ही ओह जाण लैणगे। (1–5)

की असां ने धरती नूं पंघूड़ा नहीं बणाइया, ते पहाड़ां नूं किल्ले? ते असां ने तुहानूं जोड़े-जोड़े पैदा कीता, ते तुहाडी नींद नूं अराम बणाइया, ते रात नूं परदा बणाइया, ते दिन नूं रोज़ी कमाउण दा वेला बणाइया। ते असां ने तुहाडे उत्ते सत्त मज़बूत असमान बणाए, ते उत्थे इक्क दगदा होइया चिराग़ रक्खिया, ते मींह वाले बद्दलां तों मूसलाधार पाणी उतारिया, तां जो उस दे ज़रीए अनाज ते बनसपती कड्ढीए, ते घणे बाग़। (6–16)

बेशक फ़ैसले दा दिन इक्क मुक़र्रर वक़्त है: जिस दिन सूर विच फूक मारी जावेगी ते तुसीं टोलियां दियां टोलियां चले आओगे, ते असमान खोल्ह दित्ता जावेगा तां ओह दरवाज़े ही दरवाज़े हो जावेगा, ते पहाड़ चला दित्ते जाणगे तां ओह सराब बण जाणगे। बेशक जहन्नम घात विच है, हद्द तों लंघ जाण वालियां दा ठिकाणा, जिस विच ओह मुद्दतां तक्क पए रहिणगे, उत्थे ना किसे ठंढक दा मज़ा चक्खणगे ना किसे पीण दी चीज़ दा, सिवाए खौलदे पाणी ते पीप दे— पूरा-पूरा बदला। बेशक ओह किसे हिसाब दी उम्मीद नहीं रक्खदे सन, ते उन्हां ने साडियां आयतां नूं बिलकुल झुठला दित्ता सी; ते असां ने हर चीज़ इक्क किताब विच गिण रक्खी है। “सो चक्खो! असीं तुहाडे लई अज़ाब ही वधावांगे।” (17–30)

बेशक अल्लाह तों सुचेत रहण वालियां लई कामयाबी है: बाग़ ते अंगूर, ते चढ़दी जवानी वालियां हम-उमर साथणां, ते छलकदा होइया जाम। उत्थे ओह ना कोई बेहूदा गल्ल सुणनगे ना झूठ: तेरे रब्ब वल्लों बदला, पूरे हिसाब दी अता, उस वल्लों जो असमानां ते धरती दा ते जो कुझ उन्हां दे विचकार है सभ दा रब्ब है, रहमान, जिस दे साहमणे किसे नूं बोलण दा इख़तियार ना होवेगा— जिस दिन रूह ते फ़रिश्ते सफ़ां बंन्ह के खड़े होणगे। कोई ना बोलेगा सिवाए उस दे जिस नूं रहमान इजाज़त देवे, ते जो ठीक गल्ल आखे। ओह दिन सच्चा है। सो जो चाहे अपणे रब्ब वल्ल मुड़न दा राह फड़ लवे। बेशक असां ने तुहानूं इक्क नेड़े आ लग्गे अज़ाब तों ख़बरदार कर दित्ता है: जिस दिन आदमी वेख लवेगा जो कुझ उस दे अपणे हत्थां ने अग्गे भेजिया, ते सच्च दा इनकारी आखेगा, “काश मैं मिट्टी हुंदा!”[53] (31–40)

[53] [सूरा अन-नबा: वड्डी ख़बर]
[सूरा अन-नबा: तख़लीक़, ख़ुदाई वही-खाता, ते आख़िरी इज़हार दा दिन]

79. ज़ोर नाल खिच्चण वाले (अन-नाज़िआत)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

क़सम है उन्हां दी जो डुब्ब के ज़ोर नाल खिच्चदे हन, ते उन्हां दी जो नरमी नाल खोल्ह लैंदे हन, ते उन्हां दी जो तेज़ी नाल तरदे फिरदे हन, फिर उन्हां दी जो दौड़ के अग्गे निकलदे हन, फिर उन्हां दी जो कम्म दी तदबीर करदे हन: जिस दिन पहिला भुचाल सभ कुझ हिला देवेगा, उस दे पिच्छे दूजा आवेगा, उस दिन दिल धड़क रहे होणगे, ते अक्खां झुकियां होणगियां। ओह आखदे हन, "की सच्चमुच असीं पहिली हालत विच मोड़े जावांगे, भावें असीं गलियां-सड़ियां हड्डियां हो चुक्के होईए?" आखदे हन, "तद तां एह घाटे दी वापसी होवेगी!" पर ओह तां बस इक्को डांट होवेगी, ते अचानक ओह खुल्हे मैदान विच होणगे। (1–14)

की तेरे कोल मूसा दी गल्ल पहुंची है? जदों उस दे रब्ब ने उस नूं तुवा दी पाक वादी विच पुकारिया: "फ़िरऔन कोल जा, किउंकि ओह हद्द तों लंघ गिया है, ते आख, 'की तूं चाहुंदा हैं कि पाक हो जावें, ते मैं तैनूं तेरे रब्ब वल्ल राह दिखावां, कि तूं उस तों डरें?'" फिर उस ने उस नूं वड्डी निशानी दिखाई, पर उस ने झुठलाइया ते नाफ़रमानी कीती। फिर पिट्ठ फेर के दौड़-धुप्प करन लग्गा, ते लोकां नूं इकट्ठा कीता ते पुकार के आखिया, "मैं तुहाडा सभ तों उच्चा रब्ब हां!" सो अल्लाह ने उस नूं आख़िरत ते दुनिया दे इबरत वाले अज़ाब विच फड़ लिया। बेशक इस विच उस आदमी लई वड्डी इबरत है जो डरे। (15–26)

की तुहाडा पैदा करना वध मुश्किल है, जां असमान दा जिस नूं उस ने बणाइया? उस ने उस दी छत्त उच्ची कीती ते उस नूं ठीक-ठाक कीता, ते उस दी रात हनेरी कीती ते उस दी दिन दी रौशनी कढ्ढी; ते उस तों बाद ज़मीन नूं विछाइया, उस विचों उस दा पाणी ते उस दा चारा कढ्ढिया, ते पहाड़ां नूं जमा दित्ता— तुहाडे लई ते तुहाडे डंगरां लई फ़ाइदे दे सामान दे तौर ते। फिर जदों ओह वड्डी आफ़त आवेगी, जिस दिन इनसान याद करेगा जो कुझ उस ने कोशिश कीती, ते भड़कदी अग्ग हर वेखण वाले लई ज़ाहिर कर दित्ती जावेगी: तां जिस ने सरकशी कीती ते दुनिया दी ज़िंदगी नूं पहिल दित्ती, तां भड़कदी अग्ग ही उस दा ठिकाणा है; ते जो अपणे रब्ब दे हज़ूर खड़े होण तों डरिया, ते अपणे जी नूं बुरी ख़ाहिश तों रोकिया, तां जन्नत ही उस दा ठिकाणा है। (27–41)

ओह तैथों, ऐ नबी, उस घड़ी बारे पुच्छदे हन: "ओह कदों आ ठहिरेगी?" तेरा उस दे ज़िकर नाल की वास्ता? उस दी आख़िरी हद्द तेरे रब्ब ही दे कोल है। तूं तां बस उस नूं ख़बरदार करन वाला हैं जो उस तों डरे। जिस दिन ओह उस नूं वेखणगे, तां इउं लग्गेगा जिवें ओह दुनिया विच बस इक्क शाम, जां उस दी सवेर तक्क ही ठहिरे सन। (42–46)

80. उस ने मत्थे वट्ट पाइया (अबस)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

उस ने मत्थे वट्ट पाइया ते मूंह फेर लिया इस लई कि उस दे कोल अन्हा आइया। ते तैनूं की पता? शायद ओह पाक हो जांदा, जां नसीहत फड़दा, तां नसीहत उस नूं फ़ाइदा दिंदी। रिहा ओह जो बेपरवाही करदा है, उस वल्ल तां तूं पूरा ध्यान दिंदा हैं, हालांकि तेरे उत्ते कोई ज़िंमेदारी नहीं जे ओह पाक ना होवे; ते जो तेरे कोल दौड़दा होइया आइया, ते ओह डरदा वी है— उस तों तूं बेरुख़ी करदा हैं। हरगिज़ नहीं! एह तां इक्क नसीहत है, सो जो चाहे इस नूं याद रक्खे, इज़्ज़त वाले सहीफ़ियां विच दर्ज है, जो उच्चे रक्खे गए हन ते पाक हन, अजिहे लिखण वालियां दे हत्थां विच, जो इज़्ज़त वाले, नेक हन। (1–16)

मारिया जावे इनसान! ओह किन्ना नाशुकरा है! उस ने उस नूं किस चीज़ तों पैदा कीता? इक्क बूंद तों उस नूं पैदा कीता फिर उस दा अंदाज़ा मुक़र्रर कीता; फिर उस लई राह सौखा कर दित्ता; फिर उस नूं मौत दित्ती ते क़बर विच रखवाइया; फिर जदों ओह चाहेगा, उस नूं दुबारा उठा खड़ा करेगा। हरगिज़ नहीं! उस ने अजे तक्क ओह पूरा नहीं कीता जिस दा उस ने उस नूं हुक्म दित्ता सी। सो इनसान अपणे खाणे वल्ल वेखे: असां ने ही ख़ूब पाणी वर्हाइया, फिर असां ने ज़मीन नूं चंगी तरां पाड़िया, फिर उस विच अनाज उगाइया, ते अंगूर ते तरकारी, ते ज़ैतून ते खजूरां, ते घणे बाग़, ते फल ते चारा— तुहाडे लई ते तुहाडे डंगरां लई फ़ाइदे दे सामान दे तौर ते। (17–32)

फिर जदों ओह कन्न पाड़न वाली अवाज़ आवेगी, उस दिन आदमी अपणे भरा तों भज्जेगा, ते अपणी मां ते अपणे पिओ तों, ते अपणी पतनी ते अपणे पुत्तरां तों: उस दिन उन्हां विचों हर इक्क नूं अपणी ही पई होवेगी। कुझ चिहरे उस दिन चमकदे होणगे, हस्सदे ते ख़ुशियां मनाउंदे; ते कुझ चिहरे उस दिन धूड़ नाल अटे होणगे, उन्हां उत्ते सियाही छाई होवेगी: इही हन ओह सच्च दे इनकारी, बदकार। (33–42)

81. हनेरे विच लिपटिया होइया (अत-तकवीर)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

जदों सूरज लपेट दित्ता जावेगा, ते जदों तारे झड़ पैणगे ते बेनूर हो जाणगे, ते जदों पहाड़ चला दित्ते जाणगे, ते जदों दस महीने दियां गभ्भण ऊठणियां बेकार छड्ड दित्तियां जाणगियां, ते जदों जंगली जानवर इकट्ठे कीते जाणगे, ते जदों समुंदर भड़का दित्ते जाणगे, ते जदों जानां अपणे वरगियां नाल जोड़ दित्तियां जाणगियां, ते जदों जींदी दब्बी गई कुड़ी तों पुच्छिया जावेगा कि ओह किस गुनाह उत्ते मारी गई, ते जदों सहीफ़े खोल्हे जाणगे, ते जदों असमान दी खल्ल उतार दित्ती जावेगी, ते जदों जहन्नम भड़काई जावेगी, ते जदों जन्नत नेड़े लै आंदी जावेगी— उस वेले हर जान जाण लवेगी कि ओह की लै के आई है। (1–14)

सो मैं क़सम खांदा हां उन्हां तारियां दी जो पिच्छे हट जांदे हन, जो चल्लदे हन फिर छुप जांदे हन, ते रात दी जदों ओह छाउण लग्गे, ते सवेर दी जदों ओह साह लवे: बेशक एह इक्क इज़्ज़त वाले पैग़ाम लिआउण वाले दा क़ौल है, जो क़ुव्वत वाला है, अर्श दे मालिक दे नज़दीक उच्चे मरतबे वाला, उत्थे उस दी गल्ल मन्नी जांदी है, ते ओह अमानतदार है। ते तुहाडा साथी दीवाना नहीं: ते उस ने उस नूं खुल्हे किनारे उत्ते वेखिया है, ते ओह ग़ैब दी गल्ल दस्सण विच कंजूस नहीं। ते ना एह किसे धिक्कारे होए शैतान दा क़ौल है। (15–25)

फिर तुसीं किधर जा रहे हो? एह तां सारे जहानां लई बस इक्क नसीहत है, तुहाडे विचों हर उस लई जो सिद्धा चल्लणा चाहे— ते तुसीं नहीं चाह सकदे सिवाए इस दे कि अल्लाह, सारे जहानां दा रब्ब, चाहे। (26–29)

82. फट जाणा (अल-इनफ़ितार)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

जदों असमान फट जावेगा, ते जदों तारे खिंड जाणगे, ते जदों समुंदर फाड़ दित्ते जाणगे, ते जदों क़बरां उलट दित्तियां जाणगियां, तद हर जान जाण लवेगी जो कुझ उस ने अग्गे भेजिया ते जो पिच्छे छड्डिया। ऐ इनसान, तैनूं किस चीज़ ने अपणे करम वाले रब्ब बारे धोखे विच पा दित्ता, जिस ने तैनूं पैदा कीता, फिर तैनूं ठीक-ठाक कीता ते तैनूं बराबर कीता, ते जिस सूरत विच चाहिया तैनूं जोड़ दित्ता? हरगिज़ नहीं! बल्कि तुसीं बदले नूं झुठलाउंदे हो। हालांकि तुहाडे उत्ते निगरान मुक़र्रर हन, इज़्ज़त वाले लिखण वाले, जो जाणदे हन जो कुझ तुसीं करदे हो। बेशक नेक लोक नेमतां विच होणगे, ते बदकार भड़कदी अग्ग विच, जिस विच ओह बदले दे दिन दाख़िल होणगे, ते उस तों कदे ग़ाइब ना हो सकणगे। ते तैनूं की पता कि बदले दा दिन की है? फिर तैनूं की पता कि बदले दा दिन की है? जिस दिन कोई जान किसे जान लई कुझ वी इख़तियार ना रक्खेगी: ते उस दिन सारा हुक्म अल्लाह ही दा होवेगा। (1–19)

83. घट्ट तोलण वाले (अल-मुतफ़्फ़िफ़ीन)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

तबाही है घट्ट तोलण वालियां लई, जो जदों लोकां तों नाप के लैंदे हन, तां पूरा-पूरा लैंदे हन, पर जदों उन्हां नूं नाप के जां तोल के दिंदे हन, तां घट्ट दिंदे हन। की एह लोक नहीं समझदे कि ओह उठाए जाण वाले हन इक्क वड्डे दिन लई, जिस दिन सारे लोक सारे जहानां दे रब्ब दे हज़ूर खड़े होणगे? (1–6)

हरगिज़ नहीं! बेशक बदकारां दा अमलनामा सिज्जीन विच है— ते तैनूं की पता कि सिज्जीन की है?— इक्क लिखी होई किताब। तबाही है उस दिन झुठलाउण वालियां लई, जो बदले दे दिन नूं झुठलाउंदे हन! ते उस नूं कोई नहीं झुठलाउंदा सिवाए हर हद्द तों लंघण वाले गुनाहगार दे, जिस नूं जदों साडियां आयतां पढ़ के सुणाइयां जांदियां हन, तां आखदा है, "अगलियां दियां कहाणियां!" हरगिज़ नहीं! बल्कि जो कुझ ओह कमाउंदे रहे हन उस ने उन्हां दे दिलां उत्ते ज़ंग चढ़ा दित्ता है। हरगिज़ नहीं! बेशक उस दिन ओह अपणे रब्ब तों ओहले विच रक्खे जाणगे; फिर ओह जहन्नम विच सड़नगे; फिर आखिया जावेगा, "इही है ओह जिस नूं तुसीं झुठलाउंदे सी।" (7–17)

हरगिज़ नहीं! बेशक नेक लोकां दा अमलनामा इल्लिय्यीन विच है— ते तैनूं की पता कि इल्लिय्यीन की है?— इक्क लिखी होई किताब, जिस दे कोल अल्लाह दे नेड़े कीते होए हाज़िर रहिंदे हन। बेशक नेक लोक नेमतां विच होणगे, तख़्तां उत्ते बैठे, नज़ारे कर रहे होणगे; तूं उन्हां दे चिहरियां उत्ते नेमतां दी ताज़गी पछाण लवेंगा। उन्हां नूं ख़ालिस शराब पिलाई जावेगी, जिस उत्ते मोहर लग्गी होवेगी, जिस दी मोहर कस्तूरी है—सो इसे लई कोशिश करन वालियां नूं कोशिश करनी चाहीदी है— ते उस विच तसनीम दी मिलावट होवेगी, इक्क चश्मा जिस विचों नेड़े कीते होए पीणगे। (18–28)

बेशक जो लोक मुजरिम सन ओह ईमान वालियां उत्ते हस्सिया करदे सन; ते जदों उन्हां दे कोलों लंघदे तां आपस विच अक्खां मारदे सन, ते जदों अपणे घर वालियां वल्ल मुड़दे तां दिल्लगियां करदे होए मुड़दे सन, ते जदों उन्हां नूं वेखदे तां आखदे सन, "एह लोक यक़ीनन भटके होए हन"— हालांकि ओह उन्हां उत्ते निगहबान बणा के नहीं भेजे गए सन। सो अज्ज ईमान वाले सच्च दे इनकारियां उत्ते हस्सणगे, तख़्तां उत्ते बैठे, नज़ारे कर रहे होणगे: की सच्च दे इनकारियां नूं उस दा बदला मिल गिया जो ओह करदे सन? (29–36)

84. चीरिया जाणा (अल-इनशिक़ाक़)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

जदों असमान फट जावेगा ते अपणे रब्ब दा हुक्म सुण लवेगा, ते उस लई इही लायक़ है; ते जदों धरती फैला दित्ती जावेगी, ते जो कुझ उस दे अंदर है उस नूं बाहर सुट्ट देवेगी ते ख़ाली हो जावेगी, ते अपणे रब्ब दा हुक्म सुण लवेगी, ते उस लई इही लायक़ है— ऐ इनसान, तूं अपणे रब्ब वल्ल खिच्चिया चला जा रिहा हैं, सख़्त मिहनत करदा होइया, फिर तूं उस नूं मिलण वाला हैं। सो जिस नूं उस दी किताब उस दे सज्जे हत्थ विच दित्ती गई उस तों सौखा हिसाब लिया जावेगा, ते ओह अपणे लोकां वल्ल ख़ुश-ख़ुश मुड़ेगा; ते जिस नूं उस दी किताब उस दी पिट्ठ दे पिच्छों दित्ती गई ओह हलाकत नूं पुकारेगा, ते भड़कदी अग्ग विच सड़ेगा। ओह अपणे लोकां विच ख़ुश-ख़ुश रहिंदा सी; उस ने समझिया सी कि उस ने कदे अल्लाह वल्ल मुड़ना नहीं। क्यों नहीं, बेशक उस दा रब्ब उस नूं ख़ूब वेख रिहा सी। सो मैं क़सम खांदा हां शाम दी लाली दी, ते रात दी ते उस दी जो ओह समेट लैंदी है, ते चंन दी जदों ओह पूरा हो जावे: तुसीं ज़रूर इक्क हालत तों दूजी हालत वल्ल चढ़दे जाओगे। (1–19)

तां उन्हां नूं की हो गिया है कि ओह ईमान नहीं लिआउंदे, ते जदों उन्हां दे साहमणे क़ुरआन पढ़िया जांदा है तां सजदा नहीं करदे? बल्कि सच्च दे इनकारी झुठलाउंदे हन, ते अल्लाह ख़ूब जाणदा है जो कुझ ओह अपणे अंदर जमा कर रहे हन। सो उन्हां नूं दर्दनाक अज़ाब दी ख़बर सुणा दे— सिवाए उन्हां दे जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते: उन्हां लई अजिहा अजर है जो कदे ख़तम ना होवेगा। (20–25)

85. उच्चे बुर्ज (अल-बुरूज)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

क़सम है बुर्जां वाले असमान दी, ते उस दिन दी जिस दा वादा कीता गिया है, ते गवाह दी ते उस दी जिस दी गवाही दित्ती जावे: मारे गए खाई वाले, बालण नाल भरी होई अग्ग वाले, जदों ओह उस दे आले-दुआले बैठे होए सन, ते जो कुझ ओह ईमान वालियां नाल कर रहे सन उस नूं वेख रहे सन। ते उन्हां ने उन्हां तों बस इसे गल्ल दा बदला लिया कि ओह अल्लाह उत्ते ईमान लिआए सन, जो ज़बरदस्त, तारीफ़ दे लायक़ है, जिस दी असमानां ते धरती दी बादशाही है। ते अल्लाह हर चीज़ उत्ते गवाह है। (1–9)

बेशक जिन्हां लोकां ने ईमान वाले मरदां ते ईमान वालियां औरतां नूं सताइया फिर तौबा ना कीती उन्हां लई जहन्नम दा अज़ाब है, ते उन्हां लई सड़न दा अज़ाब है। बेशक जो लोक ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते उन्हां लई अजिहे बाग़ हन जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन: इही वड्डी कामयाबी है। बेशक तेरे रब्ब दी फड़ बड़ी सख़्त है। ओही पहिली वारी पैदा करदा है ते ओही दुबारा पैदा करेगा, ते ओही बख़्शण वाला, मुहब्बत करन वाला है, अर्श दा मालिक, शान वाला, जो चाहे कर गुज़रन वाला। की तेरे कोल लशकरां दी गल्ल पहुंची है, फ़िरऔन ते समूद दी? बल्कि सच्च दे इनकारी झुठलाउण विच ही लग्गे होए हन, ते अल्लाह उन्हां नूं पिच्छों घेरी होए है। (10–20)

बल्कि एह शान वाला क़ुरआन है, महिफ़ूज़ तख़्ती विच सांभिया होइया।[54] (21–22)

[54] क़ुरआन इक्क सूरा दा नाम बुर्जां (तारा-मंडलां) दे नाम उत्ते क्यों रक्खदा है?

86. रात नूं आउण वाला (अत-तारिक़)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

क़सम है असमान दी ते रात नूं आउण वाले दी— ते तैनूं की पता कि रात नूं आउण वाला की है?— चमकदा होइया तारा: कोई जान अजिही नहीं जिस उत्ते कोई निगहबान ना होवे। (1–4)

सो इनसान वेखे कि ओह किस चीज़ तों पैदा कीता गिया है: ओह इक्क उछलदे पाणी तों पैदा कीता गिया है जो पिट्ठ ते पसलियां दे विचकारों निकलदा है। बेशक ओह उस नूं दुबारा लिआउण उत्ते क़ादिर है, जिस दिन भेत खोल्हे जाणगे, तां उस दे कोल ना कोई ज़ोर होवेगा, ना कोई मददगार। (5–10)

क़सम है मुड़-मुड़ मींह वर्हाउण वाले असमान दी, ते उगदी बनसपती नाल फट जाण वाली धरती दी: बेशक एह इक्क फ़ैसला-कुन गल्ल है, ते कोई हासा-मख़ौल नहीं। बेशक ओह इक्क चाल चल्ल रहे हन, ते मैं वी इक्क तदबीर कर रिहा हां। सो सच्च दे इनकारियां नूं मुहलत दे; उन्हां नूं थोड़ी देर छड्ड दे। (11–17)

87. सभ तों उच्चा (अल-आला)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

अपणे रब्ब दे नाम दी तसबीह कर, जो सभ तों उच्चा है, जिस ने पैदा कीता ते ठीक-ठाक बणाइया, ते जिस ने अंदाज़ा मुक़र्रर कीता फिर राह दिखाइया, ते जिस ने चारा उगाइया, फिर उस नूं काला सुक्का कूड़ा कर दित्ता। असीं तैनूं पढ़ावांगे, फिर तूं ना भुल्लेंगा— सिवाए उस दे जो अल्लाह चाहे। बेशक ओह ज़ाहिर नूं वी जाणदा है ते उस नूं वी जो छुपिया होइया है। ते असीं तैनूं सौखे राह दी सहूलत दिआंगे। सो नसीहत कर, जे नसीहत फ़ाइदा देवे। जो डरदा है ओह नसीहत फड़ लवेगा, ते सभ तों बदबख़्त उस तों दूर रहेगा— जो सभ तों वड्डी अग्ग विच सड़ेगा, फिर उस विच ना मरेगा ना जीवेगा। बेशक कामयाब हो गिया ओह जो पाक होइया, ते अपणे रब्ब दा नाम याद कीता, फिर नमाज़ पढ़ी। बल्कि तुसीं दुनिया दी ज़िंदगी नूं पहिल दिंदे हो, हालांकि आख़िरत बिहतर ते वध बाक़ी रहण वाली है। बेशक इही गल्ल पहिले सहीफ़ियां विच वी है, इबराहीम ते मूसा दे सहीफ़ियां विच। (1–19)

88. छा जाण वाली आफ़त (अल-ग़ाशिया)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

की तेरे कोल उस छा जाण वाली आफ़त दी गल्ल पहुंची है? कुझ चिहरे उस दिन झुके होणगे, मुशक़्क़त करदे, थक्के-हारे, दगदी अग्ग विच सड़नगे, उन्हां नूं इक्क खौलदे चश्मे तों पिलाइया जावेगा। उन्हां लई कंडेदार, कौड़े बूटे तों सिवा कोई खाणा ना होवेगा, जो ना मोटा करेगा ना भुक्ख मिटावेगा। कुझ होर चिहरे उस दिन तर-ओ-ताज़ा होणगे, अपणी कोशिश उत्ते ख़ुश, उच्ची जन्नत विच, जित्थे ओह कोई बेहूदा गल्ल ना सुणनगे। उस विच इक्क वगदा चश्मा है; उस विच उच्चे तख़्त हन, ते जाम रक्खे होए, ते सफ़ां विच लग्गे गाओ-तकिए, ते विछे होए क़ीमती क़ालीन। तां की ओह ऊठां वल्ल नहीं वेखदे, कि ओह किवें पैदा कीते गए? ते असमान वल्ल, कि ओह किवें उच्चा कीता गिया? ते पहाड़ां वल्ल, कि ओह किवें जमाए गए? ते धरती वल्ल, कि ओह किवें विछाई गई? (1–20)

सो तूं नसीहत कर, किउंकि तूं तां बस नसीहत करन वाला हैं; तूं उन्हां उत्ते कोई दरोग़ा नहीं। पर जिस ने मूंह मोड़िया ते सच्च दा इनकार कीता, अल्लाह उस नूं सभ तों वड्डा अज़ाब देवेगा। बेशक साडे ही वल्ल उन्हां दी वापसी है; फिर बेशक साडे ही ज़िंमे उन्हां दा हिसाब है। (21–26)

89. फ़जर (अल-फ़ज्र)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

क़सम है फ़जर दी, ते दस रातां दी, ते जुफ़्त ते ताक़ दी, ते रात दी जदों ओह चल्लण लग्गे— की इस विच अक़ल वाले लई काफ़ी क़सम नहीं? (1–5)

की तूं नहीं वेखिया कि तेरे रब्ब ने आद दे नाल की कीता, उच्चे थंमां वाले इरम दे नाल, जिन्हां वरगा सारे मुलकां विच कोई पैदा नहीं कीता गिया सी; ते समूद दे नाल, जिन्हां ने वादी विच चट्टानां तराशियां सन; ते मेख़ां वाले फ़िरऔन दे नाल? इन्हां सभनां ने मुलकां विच सरकशी कीती ते उन्हां विच बहुत फ़साद फैलाइया, सो तेरे रब्ब ने उन्हां उत्ते अज़ाब दा कोड़ा वर्हा दित्ता। बेशक तेरा रब्ब घात विच है। (6–14)

रिहा इनसान, तां जदों उस दा रब्ब उस नूं आज़माउंदा है ते उस नूं इज़्ज़त ते नेमत दिंदा है, तां ओह आखदा है, "मेरे रब्ब ने मैनूं इज़्ज़त बख़्शी"; पर जदों ओह उस नूं आज़माउंदा है ते उस दी रोज़ी उस उत्ते तंग कर दिंदा है, तां आखदा है, "मेरे रब्ब ने मैनूं ज़लील कर दित्ता।" हरगिज़ नहीं! बल्कि तुसीं यतीम दी इज़्ज़त नहीं करदे, ते ना इक्क दूजे नूं मुहताज नूं खाणा खुआउण दी तरग़ीब दिंदे हो; ते तुसीं मीरास दा माल समेट-समेट के खा जांदे हो, ते माल नाल जी भर के मुहब्बत करदे हो। हरगिज़ नहीं! जदों धरती कुट्ट-कुट्ट के रेज़ा-रेज़ा कर दित्ती जावेगी, ते तेरा रब्ब आवेगा, ते फ़रिश्ते सफ़ां दियां सफ़ां, ते उस दिन जहन्नम नेड़े लै आंदी जावेगी—उस दिन इनसान नूं समझ आवेगी, पर उस वेले समझ आउण दा उस नूं की फ़ाइदा? ओह आखेगा, "काश मैं अपणी इस ज़िंदगी लई कुझ अग्गे भेजिया हुंदा!" सो उस दिन ना उस वरगा अज़ाब कोई देवेगा, ते ना उस वरगा कोई जकड़ेगा। "ऐ इतमीनान वाली जान, अपणे रब्ब वल्ल मुड़ चल्ल, तूं उस तों राज़ी ते ओह तैथों राज़ी; सो मेरे बंदियां विच शामिल हो जा, ते मेरी जन्नत विच दाख़िल हो जा।" (15–30)

90. शहिर (अल-बलद)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

मैं क़सम खांदा हां इस शहिर दी— ते तूं, ऐ नबी, इस शहिर विच हर पाबंदी तों आज़ाद हैं— ते क़सम है जणन वाले दी ते उस दी जो उस ने जणिया: बेशक असां ने इनसान नूं मुशक़्क़त विच पैदा कीता है। की ओह समझदा है कि उस उत्ते किसे दा वस ना चल्लेगा? आखदा है, "मैं ढेरां माल उडा दित्ता।" की ओह समझदा है कि उस नूं किसे ने नहीं वेखिया? की असां ने उस लई दो अक्खां नहीं बणाइयां, ते इक्क ज़बान ते दो बुल्ल्ह, ते उस नूं दोवें राह नहीं दिखा दित्ते? फिर वी ओह घाटी विच ना वड़िया। ते तैनूं की पता कि ओह घाटी की है? किसे गरदन नूं छुडाउणा, जां भुक्ख दे दिन खाणा खुआउणा, किसे रिश्तेदार यतीम नूं, जां मिट्टी विच रुलदे किसे मुहताज नूं; फिर उन्हां लोकां विचों होणा जो ईमान लिआए, ते इक्क दूजे नूं सब्र दी ताकीद कीती, ते इक्क दूजे नूं रहम दी ताकीद कीती। इही सज्जे हत्थ वाले हन। ते जिन्हां ने साडियां आयतां दा इनकार कीता ओही खब्बे हत्थ वाले हन: उन्हां उत्ते चारे पासिओं बंद कीती होई अग्ग होवेगी। (1–20)

91. सूरज (अश-शम्स)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

क़सम है सूरज दी ते उस दी चढ़दी धुप्प दी, ते चंन दी जदों ओह उस दे पिच्छे आवे, ते दिन दी जदों ओह उस नूं ज़ाहिर कर देवे, ते रात दी जदों ओह उस नूं ढक लवे, ते असमान दी ते उस दी जिस ने उस नूं बणाइया, ते धरती दी ते उस दी जिस ने उस नूं विछाइया, ते जान दी ते उस दी जिस ने उस नूं ठीक-ठाक बणाइया, फिर उस दी बदकारी ते उस दी सुचेतता उस दे दिल विच पा दित्ती: बेशक कामयाब हो गिया ओह जिस ने उस नूं पाक कीता, ते नाकाम होइया ओह जिस ने उस नूं ख़ाक विच दबा दित्ता। समूद ने अपणी सरकशी दे कारन झुठलाइया, जदों उन्हां दा सभ तों बदबख़्त आदमी उट्ठ खड़ा होइया। तां अल्लाह दे रसूल ने उन्हां नूं आखिया, “अल्लाह दी ऊठणी—ते उस दे पाणी पीण दी वारी!” पर उन्हां ने उस नूं झुठला दित्ता ते ऊठणी दियां कूंचां कट्ट दित्तियां। सो उन्हां दे रब्ब ने उन्हां दे गुनाह दे कारन उन्हां उत्ते तबाही पा दित्ती ते सभनां नूं बराबर कर दित्ता, ते उस नूं इस दे अंजाम दा कोई डर नहीं। (1–15)

92. रात (अल-लैल)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

क़सम है रात दी जदों ओह छा जावे, ते दिन दी जदों ओह रौशन होवे, ते उस दी जिस ने नर ते मादा पैदा कीते: बेशक तुहाडियां कोशिशां वक्खो-वक्ख हन। सो जिस ने दित्ता, ते अल्लाह तों सुचेत रिहा, ते सभ तों चंगे बदले नूं सच्च मन्निया, असीं उस नूं सौखे राह दी सहूलत दिआंगे; ते जिस ने कंजूसी कीती, ते बेपरवाही वरती, ते सभ तों चंगे बदले नूं झुठलाइया, असीं उस नूं औखे राह दी सहूलत दिआंगे, ते जदों ओह डिग्गेगा तां उस दा माल उस दे कुझ कम्म ना आवेगा। (1–11)

बेशक राह दिखाउणा साडे ही ज़िंमे है, ते बेशक आख़िरत ते दुनिया साडी ही है। सो मैं तुहानूं इक्क भड़कदी अग्ग तों ख़बरदार कर दित्ता है; उस विच सभ तों बदबख़्त ही सड़ेगा, जिस ने झुठलाइया ते मूंह मोड़िया; ते जो सभ तों वध सुचेत है ओह उस तों दूर रक्खिया जावेगा— जो अपणा माल दिंदा है तां जो पाक होवे, ते उस उत्ते किसे दा कोई अहिसान नहीं जिस दा बदला दित्ता जावे, बल्कि बस अपणे सभ तों उच्चे रब्ब दी रज़ा चाहुंदा होइया। ते ओह ज़रूर ख़ुश हो जावेगा। (12–21)

93. चढ़दे दिन दी रौशनी (अज़-ज़ुहा)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

क़सम है चढ़दे दिन दी रौशनी दी, ते रात दी जदों ओह छा जावे: तेरे रब्ब ने ना तैनूं छड्डिया है, ना ओह तैथों बेज़ार होइया है; ते बाद दा वक़्त तेरे लई पहिले तों बिहतर है; ते छेती ही तेरा रब्ब तैनूं देवेगा, तां तूं ख़ुश हो जावेंगा। की उस ने तैनूं यतीम नहीं पाइया फिर ठिकाणा दित्ता? ते तैनूं राह लभ्भदा पाइया फिर राह दिखाइया? ते तैनूं लोड़वंद पाइया फिर ग़नी कर दित्ता? (1–8)

सो रिहा यतीम, तां उस उत्ते सख़्ती ना कर; ते रिहा मंगण वाला, तां उस नूं ना झिड़क; ते रही तेरे रब्ब दी नेमत, तां उस दा ज़िकर करदा रह। (9–11)

94. राहत (अश-शर्ह)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

की असां ने तेरे लई तेरा सीना नहीं खोल्ह दित्ता, ते तेरे तों तेरा ओह बोझ नहीं उतार दित्ता, जिस ने तेरी पिट्ठ तोड़ रक्खी सी, ते तेरे लई तेरा ज़िकर उच्चा नहीं कर दित्ता? सो बेशक तंगी दे नाल सौख है; बेशक तंगी दे नाल सौख है। सो जदों तूं वेहला होवें, तां मिहनत विच लग्ग जा, ते अपणे रब्ब ही वल्ल चाह नाल ध्यान ला। (1–8)

95. अंजीर (अत-तीन)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

क़सम है अंजीर ते ज़ैतून दी, ते सीना दे पहाड़ दी, ते इस अमन वाले शहिर दी: बेशक असां ने इनसान नूं सभ तों सोहणी बणावट उत्ते पैदा कीता, फिर असां ने उस नूं सभ नीवियां तों नीवां कर दित्ता— सिवाए उन्हां दे जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते: उन्हां लई अजिहा अजर है जो कदे ख़तम ना होवेगा। तां इस तों बाद कौण सी चीज़ तैनूं बदले बारे झुठला सकदी है? की अल्लाह सभ हाकमां तों वड्डा हाकम नहीं? (1–8)

96. चिंबड़न वाला रूप (अल-अलक़)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

पढ़! अपणे रब्ब दे नाम नाल जिस ने पैदा कीता— इनसान नूं चिंबड़न वाले रूप तों पैदा कीता। पढ़! ते तेरा रब्ब सभ तों वध करम वाला है, जिस ने क़लम दे ज़रीए सिखाइया, इनसान नूं ओह सिखाइया जो ओह नहीं जाणदा सी। (1–5)

हरगिज़ नहीं! बेशक इनसान सरकशी करदा है जिउं ही अपणे आप नूं बेनियाज़ वेखदा है। बेशक तेरे रब्ब ही वल्ल मुड़ना है। की तूं उस नूं वेखिया जो रोकदा है इक्क बंदे नूं जदों ओह नमाज़ पढ़दा है? भला वेख तां जे ओह हिदायत उत्ते होवे, जां सुचेतता दा हुक्म दिंदा होवे? भला वेख तां जे इस ने झुठलाइया ते मूंह मोड़िया होवे? की उस नूं पता नहीं कि अल्लाह वेख रिहा है? हरगिज़ नहीं! जे ओह बाज़ ना आइया तां असीं उस नूं मत्थे दे वालां तों फड़ के घसीटांगे— झूठे, ख़ताकार मत्थे दे वालां तों। सो ओह अपणी मजलिस नूं बुला लवे; असीं वी जहन्नम दे पिआदियां नूं बुला लवांगे। हरगिज़ नहीं! उस दी गल्ल ना मन्न। ते सजदा कर, ते नेड़े हो जा। (6–19)

97. क़दर दी रात (अल-क़द्र)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

बेशक असां ने इस नूं क़दर दी रात विच उतारिया। ते तैनूं की पता कि क़दर दी रात की है? क़दर दी रात हज़ार महीनियां तों बिहतर है। उस विच फ़रिश्ते ते रूह अपणे रब्ब दे हुक्म नाल हर कम्म लै के उतरदे हन। ओह सलामती ही सलामती है, फ़जर दे चढ़न तक्क। (1–5)

98. खुल्ही दलील (अल-बय्यिना)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

किताब वालियां ते मुशरिकां विचों जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता ओह बाज़ आउण वाले ना सन जद तक्क उन्हां कोल खुल्ही दलील ना आ जांदी: अल्लाह वल्लों इक्क रसूल, जो पाक सहीफ़े पढ़ के सुणाए, जिन्हां विच सिद्धे ते सच्चे हुक्म लिखे होण। ते जिन्हां नूं किताब दित्ती गई सी उन्हां ने फुट्ट नहीं पाई पर इस तों बाद कि उन्हां कोल खुल्ही दलील आ चुक्की सी। हालांकि उन्हां नूं बस इही हुक्म दित्ता गिया सी कि अल्लाह दी इबादत करन, इक्क पासे दे हो के दीन नूं उसे लई ख़ालिस करदे होए, ते नमाज़ क़ायम करन ते ज़कात देण: ते इही सिद्धा-सच्चा दीन है। बेशक किताब वालियां ते मुशरिकां विचों जिन्हां ने सच्च दा इनकार कीता ओह जहन्नम दी अग्ग विच होणगे, उस विच सदा रहिणगे। इही सारी मख़लूक़ तों बुरे हन। (1–6)

बेशक जो लोक ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते—ओही सारी मख़लूक़ तों बिहतर हन। उन्हां दा बदला उन्हां दे रब्ब दे कोल अदन दे बाग़ हन जिन्हां दे हेठ नहरां वगदियां हन, जित्थे ओह सदा-सदा रहिणगे। अल्लाह उन्हां तों राज़ी होइया, ते ओह उस तों राज़ी होए। एह उस लई है जो अपणे रब्ब तों डरे। (7–8)

99. भुचाल (अज़-ज़लज़ला)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

जदों धरती अपणे आख़िरी भुचाल नाल हिला दित्ती जावेगी, ते धरती अपणे बोझ बाहर कड्ढ सुट्टेगी, ते इनसान आखेगा, “इस नूं की हो गिया है?”— उस दिन ओह अपणियां ख़बरां बिआन करेगी, इस लई कि तेरे रब्ब ने उस नूं इही हुक्म दित्ता होवेगा। उस दिन लोक वक्खो-वक्ख टोलियां विच निकलणगे तां जो उन्हां नूं उन्हां दे अमल दिखाए जाण: सो जिस ने ज़र्रा बराबर नेकी कीती होवेगी ओह उस नूं वेख लवेगा, ते जिस ने ज़र्रा बराबर बुराई कीती होवेगी ओह उस नूं वेख लवेगा। (1–8)

100. दौड़दे घोड़े (अल-आदियात)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

क़सम है हफ़दे होए दौड़न वाले घोड़ियां दी, फिर सुंमां नाल चंगिआड़े कढ्ढण वालियां दी, फिर सवेर-सार धावा बोलण वालियां दी, फिर उस वेले धूड़ उडाउण वालियां दी, फिर उसे हाल विच दुश्मण दे दल विच जा वड़न वालियां दी: बेशक इनसान अपणे रब्ब दा बड़ा नाशुकरा है, ते बेशक ओह आप इस उत्ते गवाह है; ते बेशक ओह माल दी मुहब्बत विच बड़ा सख़्त है। (1–8)

तां की ओह नहीं जाणदा कि जदों जो कुझ क़बरां विच है कढ्ढ लिया जावेगा, ते जो कुझ सीनियां विच है ज़ाहिर कर दित्ता जावेगा, तां उस दिन उन्हां दा रब्ब उन्हां तों पूरी तरां बाख़बर होवेगा? (9–11)

101. खड़का देण वाली आफ़त (अल-क़ारिआ)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

खड़का देण वाली आफ़त! की है ओह खड़का देण वाली आफ़त? ते तैनूं की पता कि ओह खड़का देण वाली आफ़त की है? जिस दिन लोक खिंडे होए पतंगियां वरगे होणगे, ते पहाड़ धुणी होई रंगीन उन्न वरगे। फिर जिस दे पलड़े भारी होणगे, ओह मन-भाउंदी ज़िंदगी विच होवेगा; ते जिस दे पलड़े हलके होणगे, उस दा ठिकाणा डूंघी खड्ड होवेगी— ते तैनूं की पता कि ओह की है?— दगदी होई अग्ग। (1–11)

102. बहुतात दी हिरस (अत-तकासुर)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

बहुतात दी हिरस ने तुहानूं ग़फ़लत विच पाई रक्खिया, इत्थों तक्क कि तुसीं क़बरां जा वेखियां। हरगिज़ नहीं! छेती ही तुसीं जाण लओगे। फिर हरगिज़ नहीं! छेती ही तुसीं जाण लओगे। हरगिज़ नहीं! काश तुसीं यक़ीनी इल्म दे नाल जाणदे! तुसीं ज़रूर जहन्नम नूं वेखोगे; फिर तुसीं उस नूं ज़रूर यक़ीन दी अक्ख नाल वेखोगे; फिर उस दिन तुहाथों नेमतां बारे ज़रूर पुच्छिया जावेगा। (1–8)

103. ढलदा दिन (अल-अस्र)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

क़सम है ढलदे दिन दी, बेशक इनसान घाटे विच है— सिवाए उन्हां दे जो ईमान लिआए ते नेक कम्म कीते, ते इक्क दूजे नूं सच्च दी ताकीद कीती, ते इक्क दूजे नूं सब्र दी ताकीद कीती। (1–3)

104. ताअने देण वाला (अल-हुमज़ा)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

तबाही है हर ताअने देण वाले, ऐब लाउण वाले लई, जो माल इकट्ठा करदा है ते उस नूं गिण-गिण के रक्खदा है, ओह समझदा है कि उस दा माल उस नूं सदा जींदा रक्खेगा। हरगिज़ नहीं! ओह ज़रूर चूर-चूर कर देण वाली विच सुट्टिया जावेगा— ते तैनूं की पता कि ओह चूर-चूर कर देण वाली की है?— अल्लाह दी भड़काई होई अग्ग, जो दिलां तक्क जा चढ़दी है। बेशक ओह उन्हां उत्ते बंद कर दित्ती जावेगी लंबे-लंबे थंमां विच। (1–9)

105. हाथी (अल-फ़ील)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

की तूं नहीं वेखिया कि तेरे रब्ब ने हाथी वालियां दे नाल की कीता? की उस ने उन्हां दी चाल नूं अकारथ नहीं कर दित्ता, ते उन्हां उत्ते पंछियां दे झुंड दे झुंड नहीं भेजे, जो उन्हां उत्ते पक्की मिट्टी दे पत्थर सुट्टदे सन, फिर उन्हां नूं खाधे होए भूसे वरगा कर दित्ता?[55] (1–5)

[55] जद्दा दा घेरा, 1517: पुरतगाल, लाल सागर, ते पाक शहिरां दी हिफ़ाज़त
"ऐ मेरे रब्ब, इस शहिर नूं अमन वाला बणा दे": क़ुरआन 14:35–41 दी इक्क तारीख़ी ते दीनी तफ़सीर, इबराहीम तों लै के 2026 दे मक्का डिफ़ेंस अलायंस तक्क मक्के दे अमन दी सदी-दर-सदी तारीख़ दे नाल

106. क़ुरैश (क़ुरैश)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

क़ुरैश दे अमन दी ख़ातिर, सरदी ते गरमी दे सफ़र विच उन्हां दे अमन दी ख़ातिर— उन्हां नूं चाहीदा है कि इस घर दे रब्ब दी इबादत करन, जिस ने उन्हां नूं भुक्ख विच खाणा दित्ता ते डर तों अमन बख़्शिया। (1–4)

107. वरतों दियां निक्कियां चीज़ां (अल-माऊन)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

की तूं उस नूं वेखिया जो बदले नूं झुठलाउंदा है? इही है जो यतीम नूं धक्के दिंदा है, ते मुहताज नूं खाणा खुआउण दी तरग़ीब नहीं दिंदा। सो तबाही है उन्हां नमाज़ियां लई जो अपणी नमाज़ तों ग़ाफ़िल हन, जो दिखावा करदे हन, ते वरतों दियां निक्कियां-निक्कियां चीज़ां वी रोक रक्खदे हन।[56] (1–7)

[56] **सूरा अल-माऊन – वरतों दियां निक्कियां चीज़ां**

108. बहुतात (अल-कौसर)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

बेशक असां ने तैनूं बहुतात अता कीती है। सो अपणे रब्ब लई नमाज़ पढ़ ते क़ुरबानी कर। बेशक तेरा दुश्मण ही जड़ूह-कट्टिया है। (1–3)

109. सच्च दे इनकारी (अल-काफ़िरून)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

आख, “ऐ सच्च दा इनकार करन वालियो, मैं उस दी इबादत नहीं करदा जिस दी तुसीं इबादत करदे हो, ते ना तुसीं उस दी इबादत करदे हो जिस दी मैं इबादत करदा हां। ते ना मैं कदे उस दी इबादत करन वाला हां जिस दी तुसीं इबादत कीती, ते ना तुसीं कदे उस दी इबादत करन वाले हो जिस दी मैं इबादत करदा हां। तुहाडे लई तुहाडा दीन है, ते मेरे लई मेरा दीन।”[57] (1–6)

[57] **क़ुरआन दी 23 साल दी बेऐब गवाही: “आख” ते अल्लाह दी अवाज़**

110. मदद (अन-नस्र)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

जदों अल्लाह दी मदद आ जावे, ते फ़तह, ते तूं लोकां नूं वेखें कि ओह टोलियां दियां टोलियां अल्लाह दे दीन विच दाख़िल हो रहे हन, तां अपणे रब्ब दी हम्द दे नाल तसबीह कर ते उस तों बख़शिश मंग: बेशक ओह बड़ा तौबा क़बूल करन वाला है। (1–3)

111. खजूर दी छाल (अल-मसद)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

टुट्ट जाण अबू लहब दे दोवें हत्थ, ते ओह आप वी तबाह होवे! ना उस दा माल उस दे कम्म आइया ते ना ओह जो उस ने कमाइया। ओह छेती ही शोलियां वाली भड़कदी अग्ग विच सड़ेगा, ते उस दी पतनी वी, जो बालण चुक्की फिरदी है, उस दी गरदन विच खजूर दी छाल दी वट्टी होई रस्सी होवेगी। (1–5)

112. ख़ालिस ईमान (अल-इख़लास)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

आख, “ओह अल्लाह है, इक्को इक्क, अल्लाह, जो सदा रहण वाला है, जिस दे सभ मुहताज हन। ना उस ने किसे नूं जणिया ते ना ओह किसे तों जणिया गिया, ते कोई चीज़ नहीं जो उस दे बराबर दी होवे।”[58] (1–4)

[58] **क़ुरआन दी 23 साल दी बेऐब गवाही: “आख” ते अल्लाह दी अवाज़**

113. पहु-फुटाला (अल-फ़लक़)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

आख, "मैं पहु-फुटाले दे रब्ब दी पनाह मंगदा हां उस दी बुराई तों जो उस ने पैदा कीता, ते हनेरे दी बुराई तों जदों ओह छा जावे, ते गंढां विच फूकां मारन वालियां दी बुराई तों, ते हसद करन वाले दी बुराई तों जदों ओह हसद करे।"[59] (1–5)

[59] **क़ुरआन दी 23 साल दी बेऐब गवाही: "आख" ते अल्लाह दी अवाज़**

114. सारे इनसान (अन-नास)

अल्लाह दे नाम नाल, जो बड़ा मिहरबान, सदा रहम करन वाला है।

आख, “मैं पनाह मंगदा हां इनसानां दे रब्ब दी, इनसानां दे बादशाह दी, इनसानां दे माबूद दी, उस वसवसा पाउण वाले दी बुराई तों जो पिच्छे हट जांदा है, जो इनसानां दे दिलां विच वसवसे पाउंदा है— जिन्नां विचों होवे जां इनसानां विचों।”[60] (1–6)

[60] **क़ुरआन दी 23 साल दी बेऐब गवाही: “आख” ते अल्लाह दी अवाज़**